unfoldingWord® Translation Notes © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Notes has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Notes © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

लैव्यव्यवस्था - परिचय

लैव्यव्यवस्था

लैव्यव्यवस्था - परिचय

भाग 1: सामान्य परिचय

लैव्यव्यवस्था की रूपरेखा

1. इस्राएलियों को भेंटों के बारे में निर्देश (1:1–6:7)
2. होमबलि (1:1–17)
3. अन्नबलि (2:1–16
4. मेलबलि (3:1–17)
5. पापबलि (4:1–5:13)
6. दोषबलि (5:14–6:7)
7. याजकों को भेंटों के बारे में निर्देश (6:8–7:10)
8. होमबलि (6:8–13)
9. अन्नबलि (6:14–23)
10. पापबलि (6:24–30)
11. दोषबलि (7:1–10)
12. इस्राएलियों के लिए आगे के निर्देश (7:11–7:38)
13. मेलबलि (7:11–21)
14. चर्बी और लहू का सेवन निषिद्ध है (7:22–27)
15. याजकों के लिए भाग (7:28–7:38)
16. याजकों का अभिषेक करना (8:1–10:20)
17. हारून और उनके पुत्रों का अभिषेक किया गया (8:1–36)
18. महायाजक के रूप में हारून (9:1–24)
19. नादाब और अबीहू को दण्ड मिला (10:1–20)
20. शुद्ध और अशुद्ध चीजों के बारे में विधि (11:1–15:33)
21. शुद्ध और अशुद्ध भोजन (11:1–47)
22. जन्म देने के बाद महिला का शुद्ध किया जाना (12:1–8)
23. चर्म, वस्त्र, घर (13:1–14:47)
24. शरीर से बहनेवाले अशुद्ध स्त्राव (15:1–33)
25. प्रायश्चित (पाप से छुटकारे) का दिन; भेंट का स्थान; लहू की प्रकृति (16:1–17:16)
26. आराधना और सेवा के लिए अलग करना; सेवा के लिए अयोग्य होना (18:1–24:23)
27. विश्राम और छुटकारे का वर्ष (25:1–55)
28. आज्ञा का पालन करने पर आशीष और न मानने पर श्राप (26:1–46)
29. परमेश्वर को भेंट देना (27:1–34)

लैव्यव्यवस्था की पुस्तक किस विषय में है?

लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में, यहोवा मूसा के माध्यम से इस्राएल के लोगों को व्यवस्था देते रहते हैं। ये व्यवस्था इस्राएल के लोगों को यहोवा और एक-दूसरे के साथ सम्बन्ध बनाने के तरीके को विस्तार से बताते हैं, क्योंकि वे यहोवा के पवित्र लोग हैं जो यहोवा की अपनी पवित्रता को प्रतिबिंबित करते हैं। इस प्रकार, कई व्यवस्था बलिदानों और अनुष्ठानों से सम्बन्धित हैं, जिनका उद्देश्य लोगों को पाप और गलतियों की अशुद्धता से अलग रखना और उन्हें निर्दोष और पवित्र बनाए रखना है ताकि वे यहोवा की आराधना और सेवा कर सकें। बाकि व्यवस्था लोगों और पुरोहितों को यह सिखाती है कि क्या अनुष्ठानिक रूप से शुद्ध और अशुद्ध है और यदि कोई अशुद्ध हो जाता है तो फिर से शुद्ध कैसे बनें। इन व्यवस्था के बीच एक कथा का हिस्सा है (लैव्यव्यवस्था 8–10) जो बताता है कि मूसा ने हारून और उनके बेटों के माध्यम से याजक का पद कैसे आरम्भ किया, यहोवा के पवित्र तम्बू को शुद्ध और तैयार किया ताकि वह लोगों के बलिदानों को प्राप्त कर सके, और अपने और लोगों के लिए बलिदान देना शुरू किया। यह हारून के दो बड़े बेटों की मृत्यु का भी वर्णन करता है, जो यहोवा की व्यवस्था का पालन करने में विफल रहते हैं, यह दर्शाता है कि यहोवा की सभी व्यवस्था का पालन करना कितना आवश्यक है। यहोवा ने लोगों और पुरोहितों से वादा किया कि यदि वे इन सभी नियमों का पालन करने में सक्षम होंगे, तो वह उन्हें अपनी वाचा का सम्मान करने में विश्वासयोग्य मानेगा। अपनी पवित्रता की स्थिति बनाए रखते हुए, यहोवा इस्राएल के परमेश्वर बन सकेंगे, और इस्राएल यहोवा के लोग बन सकेंगे। (देखें 26:3–13।)

इस पुस्तक के शीर्षक का अनुवाद कैसे किया जाना चाहिए?

"लैव्यव्यवस्था" का अर्थ है "लेवियों के बारे में।" लेवी इस्राएल का वह गोत्र था जो यहोवा के पवित्र तम्बू में सेवा और आराधना के लिए पुरोहितों और अन्य कार्यकर्ताओं को प्रदान करता था। यदि परियोजना भाषा में लोग "लेवी" शब्द को नहीं समझते हैं, तो आप इसे "याजकों के बारे में पुस्तक" या "तम्बू के कार्यकर्ताओं के बारे में पुस्तक" कह सकते हैं। (देखें: तम्बू और नामों का अनुवाद कैसे करें)

लैव्यव्यवस्था की पुस्तक किसने लिखी?

लैव्यव्यवस्था की पुस्तक यहोवा के उन शब्दों का दावा करती है जो मूसा के माध्यम से इस्राएलियों तक पहुँचे। विद्वानों की बहसें यह सुझाव देती रहती हैं कि इस पुस्तक का रचनात्मक इतिहास लम्बा और जटिल है। यह सम्भव है कि लैव्यव्यवस्था की पुस्तक की परंपराओं का स्रोत मूसा से उत्पन्न हुआ हो, चाहे वह लिखित रूप में हो या मौखिक रूप में। समाज ने इन परंपराओं को तब तक संरक्षित किया जब तक उन्हें बाद में लिखित रूप में नहीं लाया गया और व्यवस्थित नहीं किया गया।

लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में "पवित्र" और "पवित्रता" शब्दों का क्या महत्व है?

ये शर्तें किसी व्यक्ति या वस्तु को किसी अन्य चीज़ से अलग करने से सम्बन्धित हैं। लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में, यहोवा घोषणा करते हैं कि वे एक पवित्र परमेश्वर हैं, जो अशुद्धता, मृत्यु, और पाप से अलग हैं। परमेश्वर पाप नहीं करते। इसका अर्थ है कि कोई भी स्थान, वस्तु, या व्यक्ति जो यहोवा की सेवा या आराधना में उपयोग के लिए है, उसे भी मृत्यु, पाप, और गलत कार्यों से आने वाली अशुद्धता से समान रूप से अलग किया जाना चाहिए।

इसलिए, यहोवा घोषणा करते हैं कि इस्राएल के लोग पवित्र लोग हैं क्योंकि वे अन्य जातियों के लोगों से अलग हैं और केवल यहोवा के हैं। परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों को अलग किया ताकि वे केवल उन्हीं के हों। इसी तरह, लोगों को उन स्थानों या वस्तुओं को, जो यहोवा की आराधना करने या उन्हें सम्मानित करने के लिए उपयोग किए जाते थे,

लैव्यव्यवस्था - परिचय

केवल यहोवा के उपयोग के लिए अलग मानना चाहिए। इस्राएल के लोगों को उन्हें किसी और चीज़ के लिए उपयोग नहीं करना था। परमेश्वर ने इस्राएलियों से एक निश्चित तरीके से जीने की अपेक्षा की ताकि वे एक देश के रूप में केवल उन्हीं के हों।

यहोवा की सेवा और आराधना के लिए समर्पित कुछ वस्तुएँ और लोग पवित्र होने चाहिए। साधारण लोग केवल यहोवा की आराधना में (आमतौर पर बलिदान के माध्यम से) तभी भाग ले सकते थे जब वे शुद्ध या निर्दोष हों। इसका अर्थ है कि उन्होंने पाप, गलत कार्य, या किसी भी अशुद्ध या अपवित्र वस्तु के साथ शारीरिक सम्पर्क से परहेज किया था। जो वस्तुएँ या लोग अशुद्ध या अपवित्र होते थे, वे यहोवा की आराधना और सेवा में भाग लेने के लिए अस्वीकार्य होते थे। लैव्यव्यवस्था के दृष्टिकोण में, अशुद्धता या अपवित्रता को भौतिक गुणों के साथ एक संक्रामक रोग की तरह माना जाता है। इसका अर्थ है कि किसी अशुद्ध वस्तु को किसी पवित्र वस्तु के सम्पर्क में लाने से वह पवित्र वस्तु या व्यक्ति अशुद्धता से संक्रमित हो जाएगा (यानी कहें तो) और परिणामस्वरूप, यहोवा की सेवा या आराधना के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा। इस प्रक्रिया को "पवित्र वस्तु को अपवित्र करना" कहा जाता था।

परिणामस्वरूप, कुछ लोग और कुछ चीजें शुद्ध या पवित्र की जा सकती थीं, अर्थात, यहोवा के लिए फिर से स्वीकार्य बनाई जा सकती थीं। लोग या चीजें शुद्ध बनाई जाती थीं यदि लोग उचित बलिदान और अनुष्ठान करते थे। उदाहरण के लिए, कुछ गैर-इस्राएली जो इस्राएलियों के बीच रहना और यहोवा की आराधना करना चाहते थे, उन्हें शुद्ध किया जा सकता था। हालांकि, अन्य लोग और चीजें कभी भी उनके लिए स्वीकार्य नहीं बनाई जा सकती थीं और उन्हें नष्ट करना पड़ता था।

यह जानना महत्वपूर्ण है कि हर अशुद्ध या अपवित्र चीज पापपूर्ण नहीं होती थी। अशुद्धता अक्सर मृत्यु या शारीरिक स्राव से जुड़ी होती थी, न कि पाप या गलत कार्य से। उदाहरण के लिए, एक लड़के को जन्म देने के बाद, एक महिला 33 दिनों तक अशुद्ध रहती थी। फिर उसके लिए उचित पशु बलिदान दिया जाता था। मासिक लहू का प्रवाह महिला को अशुद्ध बनाता था 12:07–13। लेकिन लैव्यव्यवस्था कभी यह सुझाव नहीं देती कि लहू के प्रवाह वाली कोई व्यक्ति पाप कर रही थी। उसी तरह, यहोवा ने इस्राएलियों को कुछ प्रकार के पशु खाने की अनुमति नहीं दी। यह उनके लोगों को उनके आसपास रहने वाले लोगों से अलग करने का एक तरीका था।

लैव्यव्यवस्था की मुख्य कथात्मक विशेषताएँ क्या हैं?

लैव्यव्यवस्था की पूरी पुस्तक यहोवा के मूसा, हारून, याजकों, और इस्राएल के लोगों से बात करने के सन्दर्भ में स्थापित है। 35 बार, वाक्यांश "यहोवा ने ... से कहा" का उपयोग अनुच्छेद शुरू करने के लिए किया गया है। परमेश्वर और मूसा अक्सर दूसरों से बात करते थे। क्रिया "बोलने" का उपयोग 66 बार किया गया है। यह इस विचार को मजबूत करता है कि यहोवा लोगों को बता रहे हैं कि उन्हें उनके पवित्र लोग कैसे बनकर रहना है। न तो मूसा और न ही इस्राएल के लोगों ने इन विचारों को बनाया; वे सीधे यहोवा से आए।

भाग 2: महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

"मिलाप का तम्बू" क्या था?

मिलाप का तम्बू (अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन; अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन: पवित्र तम्बू) वह भौतिक स्थान था जिसमें यहोवा इस्राएल के लोगों के बीच निवास करते थे जब वे मिस्र से कनान की भूमि की यात्रा कर रहे थे और जंगल में भटक रहे थे। एक वास्तविक तम्बू के रूप में, मिलाप का तम्बू वेदी, पवित्र वस्तुओं और वाचा के सन्दूक को समेटे हुए था, जिसके ऊपर यहोवा करूबों के ऊपर विराजमान रहते थे। वहाँ, मूसा और हारून यहोवा से मिलते और उनकी विधियों को प्राप्त करते थे। (देखें निर्गमन 33:7–11।) तम्बू स्वयं और उसमें मौजूद वस्तुओं का विस्तार से वर्णन निर्गमन 25:1–27:20 में किया गया है। यहीं पर इस्राएल के लोगों को आकर अपने बलिदान प्रस्तुत करने होते थे। इस स्थान का अक्सर लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में "यहोवा के सामने" के रूप में वर्णन किया गया है, अर्थात् यहोवा की उपस्थिति।

इस्राएलियों को पशु बलिदान के बारे में इतने सारे नियमों की आवश्यकता क्यों थी?

लैव्यव्यवस्था यह दर्शाता है कि परमेश्वर पवित्र हैं। इसका अर्थ है कि परमेश्वर मानवता और सृजित संसार के विश्राम से अत्यधिक भिन्न हैं, विशेष रूप से मृत्यु, पाप, और गलतियों के सन्दर्भ में। परमेश्वर पाप नहीं करते। इस कारण, उनके लिए स्वीकार्य होना असम्भव है बिना शुद्ध हुए। क्योंकि अशुद्धता (और पाप) को भौतिक गुणों के साथ एक संक्रामकता के रूप में माना जाता था, लोगों की अशुद्धता को शुद्ध करने के लिए लहू की आवश्यकता थी और ऐसा करने में, यहोवा को उन्हें क्षमा करने की अनुमति मिलती थी। इस प्रकार, विभिन्न प्रकार के बलिदान यहोवा और उनके लोगों के बीच सम्बन्ध को बनाए रखने के लिए थे। हालांकि, मृत्यु, पाप, और गलतियों के कारण उत्पन्न अशुद्धता की निरन्तर उपस्थिति के कारण, इस्राएल के लोगों को पशु बलिदान जारी रखने पड़े। यह एक संकेत था जो एक बेहतर, एक बार के लिए सभी के लिए बलिदान की आवश्यकता की ओर इशारा करता था। (देखें इब्रानियों की पुस्तक।) उन्हें एक बलिदान की आवश्यकता थी जो उन्हें पाप से शुद्ध कर दे और परमेश्वर के सामने हमेशा के लिए क्षमा कर दे। (देखें: पवित्र और पाप)

लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में याजक का पद क्यों महत्वपूर्ण है?

याजक वे पुरुष थे जिन्होंने इस्राएल के लोगों की ओर से यहोवा की सेवा और आराधना की। यहोवा ने केवल याजकों को इस्राएलियों के बलिदानों को उनके पास लाने की अनुमति दी।

उस समय अन्य जातियों के नियमों से इस्राएलियों के परमेश्वर की आराधना और पशु बलि के लिए व्यवस्था कैसे भिन्न थे?

अन्य जातियों के लिए अपने मूर्तियों के लिए पशुओं का बलिदान करना आम बात थी। हालांकि, अन्य जातियाँ अपने झूठे देवताओं की आराधना के लिए अन्य चीजें भी करते थे। उदाहरण के लिए, लोग अपने देवताओं के मन्दिर में वेश्याओं के साथ सोते थे या अपने बच्चों का बलिदान करते थे ताकि देवताओं के क्रोध को शान्त किया जा सके। वे ऐसा इसलिए करते थे ताकि अपने देवताओं को अपनी भूमि को फसल उगाने की क्षमता के साथ आशीर्वाद देने के लिए मनाया जा सके। क्योंकि यहोवा अन्य जातियों के देवताओं की तरह नहीं हैं, उन्होंने अपने लोगों को इस तरह की चीजें करने की अनुमति नहीं दी। अन्य देवताओं के विपरीत जो केवल तब आशीर्वाद देते हैं जब वे भोजन के सर्वोत्तम हिस्सों से सन्तुष्ट होते हैं, यहोवा उस भोजन को नहीं खाते जो उन्हें अर्पित किया जाता है बल्कि इसे अपने याजकों को उनके पवित्र भोजन के हिस्से के रूप में देते हैं। यहोवा की उर्वरता, शान्ति, और समृद्धि की आशीषें उचित बलिदानों का इनाम नहीं थीं बल्कि यहोवा और उनके पवित्र लोगों के बीच निरन्तर करार युक्त सम्बन्ध का चिन्ह थीं।

लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में प्रायश्चित का क्या महत्व है?

अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन में "प्रायश्चित" के रूप में अनुवादित शब्द एक तकनीकी शब्द है जो याजक द्वारा किए गए कार्य को दर्शाता है, लेकिन इसे हमेशा यहोवा द्वारा पूरा किया जाता है। परंपरागत रूप से, इसे "ढकने" के मूल अर्थ के साथ एक रूपक के रूप में समझा गया है, लेकिन हाल ही में, कुछ विद्वानों ने इसे "पोंछने" की छवि व्यक्त करने के रूप में समझा है। यदि पहला सही है, तो रूपक बलिदान के लहू को पाप के कारण उत्पन्न अपवित्र अशुद्धता को ढकने के रूप में चित्रित

लैव्यव्यवस्था - परिचय

करता है। यदि दूसरा सही है, तो रूपक पशु के लहू को अनुष्ठानीक तौर पर पाप से शुद्ध करने वाला पदार्थ के रूप में चित्रित करता है जो व्यक्ति या वस्तु को पाप की अशुद्धता की अपवित्र उपस्थिति से शुद्ध करता है। किसी भी तरह से, याजक द्वारा व्यक्ति या समाज की ओर से प्रस्तुत बलिदान निर्देश में स्वीकार किया जाता है ताकि व्यक्ति या समाज और यहोवा के बीच के सम्बन्ध को पुनर्स्थापित किया जा सके जो पाप के कारण क्षतिग्रस्त या अपवित्र हो गया है। यही कारण है कि बलिदान से सम्बन्धित कई नियम पापों की क्षमा के उल्लेख के साथ समाप्त होते हैं, जो वह साधन था जिसके द्वारा यहोवा के साथ सम्बन्ध पुनर्स्थापित किया जा सकता था। (देखें: प्रायश्चित और याजक)

भाग 3: महत्वपूर्ण अनुवाद सम्बन्धी मुद्दे

"हारून के पुत्र" और "इस्राएल के वंशज"

उस समय जब यहोवा ने मूसा से मिलाप के तम्बू से बात की, तो याजक वास्तव में हारून के पुत्र थे। लेकिन पुस्तक में दिए गए निर्देश भविष्य की पीढ़ियों पर भी लागू होते हैं, जब "पुत्र" शब्द हारून के पुरुष वंशजों के रूप में याजकों को सन्दर्भित करने का एक तरीका होगा। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अपने अनुवाद में आमतौर पर उस शब्द का उपयोग कर सकते हैं, जो मूल याजकों और उनके उत्तराधिकारियों दोनों पर लागू होगा। हालांकि, अध्याय 8–10 में, केवल हारून के वास्तविक पुत्रों का ही उल्लेख हैं, इसलिए वहाँ "पुत्र" शब्द उपयुक्त होगा।

इसी तरह, वाक्यांश "इस्राएल के पुत्र" एक रूपक है जिसका उपयोग लैव्यव्यवस्था की पुस्तक अक्सर इस्राएल के लोगों का वर्णन करने के लिए करती है। हालांकि "पुत्र" शब्द पुल्लिंग है, इसे इन सन्दर्भों में एक सामूहिक तरीके से उपयोग किया जाता है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को सन्दर्भित करता है। इसके अलावा, यह अभिव्यक्ति मूसा के समय के इस्राएल के लोगों के बारे में इस तरह से बात करती है जैसे वे सचमुच इस्राएल के पुत्र हों। इसका अर्थ है कि वे याकूब के शारीरिक और आत्मिक वंशज हैं, जिनका नाम परमेश्वर ने इस्राएल में बदल दिया। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं।

"यहोवा के सामने"

पूरी लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में "यहोवा के सामने" अभिव्यक्ति का उपयोग उस स्थान का उल्लेख करने के लिए किया जाता है जहाँ यहोवा उपस्थित होते हैं। यह आमतौर पर मिलाप के तम्बू के भीतर एक स्थान को सन्दर्भित करता है, जहाँ यहोवा निवास करते हैं। जब कोई व्यक्ति या वस्तु "यहोवा के सामने" होता है, तो इसका अर्थ है कि वह यहोवा का ध्यान, दृष्टिकोण और न्याय प्राप्त करता है। इसलिए, "यहोवा के सामने" का अर्थ "यहोवा की दृष्टि में" या "यहोवा की उपस्थिति में" होता है, जो अंग्रेजी पूर्वसर्ग "बिफोर (before)" के समान है। अधिकांश मामलों में, आप इस अभिव्यक्ति का अनुवाद "यहोवा के दृष्टिकोण से," "यहोवा की उपस्थिति में," या बस "यहोवा के सामने" के रूप में कर सकते हैं।

"इस प्रकार जलाएँ कि धुआँ ऊपर की ओर उठे"

लैव्यव्यवस्था की पूरी पुस्तक में, बलिदान को "वेदी पर धुआँ बना देने" की भाषा बलिदान को वेदी की आग से धुएँ में परिवर्तित होते हुए और स्वर्ग में यहोवा के पास जाते हुए दर्शाती है, जहाँ वे जलते हुए बलिदान की सुखद सुगंध को सूंघेगे। इस प्रकार, सुखद सुगंध यहोवा के लिए एक संकेत थी कि बलिदान स्वीकार्य था और वे व्यक्ति के पापों का प्रायश्चित करेंगे और उसे क्षमा करेंगे या यह व्यक्ति की भेंट की स्वीकृति के लिए एक आवश्यक आवश्यकता के रूप में कार्य करती थी। किसी भी तरह से, यह शब्द लैव्यव्यवस्था में सामान्य है लेकिन इसे साफ-सुथरे तरीके से अनुवाद करना कठिन है। यदि आपकी भाषा में कोई ऐसी क्रिया है जो विशेष रूप से धार्मिक सन्दर्भ में आग के माध्यम से कुछ को धुएं में बदलने का अर्थ रखता है, तो यहां उसका उपयोग करने पर विचार करें।

निर्मल या निर्दोष

जब लैव्यव्यवस्था की पुस्तक किसी चीज़ को निर्दोष (अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन में) कहती है, तो यह उस पशु का उल्लेख करती है जो उस प्रजाति का सर्वोत्तम प्रतिनिधि होता है। इस प्रकार, "निर्दोष" शब्द सम्पूर्णता, पूर्णता, और किसी भी अपूर्णता की कमी को सन्दर्भित करता है। (देखें वे प्रकार के दोष जो बलिदान के लिए एक पशु को अयोग्य बनाते थे 22:17–25 में।) इसे अक्सर नकारात्मक शब्दों जैसे "निष्कलंक" के साथ अनुवादित किया जाता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो उन शब्दों का उपयोग करने पर विचार करें जो इन्हीं अर्थों को व्यक्त करते हैं।

"भेंट" या "हवन"

लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में 1:9, 1:13, और 1:17 में "हवन" के रूप में अनुवादित शब्द को आधुनिक अंग्रेजी संस्करणों में विभिन्न रूपों में अनुवादित किया गया है, आमतौर पर आग से की गई भेंट के सन्दर्भ में, जो शब्द के आग के लिए शब्द के साथ अनुमानित सम्बन्ध पर आधारित है। हालांकि, इस शब्द द्वारा सन्दर्भित कुछ बलिदान वेदी पर नहीं जलाए जाते हैं (जैसे 7:30 और 7:35–36 में याजकों के लिए बलिदानों के हिस्से), और कई बलिदान, जैसे शुद्धिकरण भेंट, जो वेदी पर जलाए जाते हैं, इस शब्द द्वारा सन्दर्भित नहीं होते हैं। इसके बजाय, यह शब्द केवल यहोवा को अर्पित किए गए उपहार को सन्दर्भित करता है जो खाद्य पदार्थों से बना होता है। जबकि आप आधुनिक अंग्रेजी अनुवादों में "अग्नि भेंट" (Fire offering) या "अग्नि द्वारा अर्पण किया गया भेंट" "offering made by fire" वाक्यांश देख सकते हैं, हम सुझाव देते हैं कि आप "उपहार" शब्द को बनाए रखें।

"पवित्र वस्तुओं की पवित्र वस्तु"

पूरे पुस्तक में, यहोवा बलिदान किए गए पशु या रोटी के कुछ हिस्से याजकों के भोजन के रूप में सुरक्षित रखते हैं। इन हिस्सों को "पवित्र चीजों की पवित्र चीज" कहा जाता है। (जैसे देखें, लैव्य 2:3, 2:10; 6:17, 6:25, और 6:29; 7:1 और 7:6; 10:12 और 10:17; लैव्य 14:13; लैव्य 21:22; लैव्य 24:9; और लैव्य 27:28।)

सभी भोजन जो यहोवा को अर्पित किया गया था, उसे पवित्र चीज माना जाता था (देखें "पवित्र चीजें" और "एक पवित्र चीज" लैव्य 22:2–4, 22:6–7, 22:10 और 22:14–16 में।), लेकिन कुछ भोजन अर्पणों को पवित्र चीजों की पवित्र चीज के रूप में नामित किया गया था।

ये हैं:

- नियमित अन्नबलि का शेष जो नहीं जलाया जाता है (2:3, 2:10, 6:17, और 10:12)
- पापबलि (6:17, 6:25, 6:29, 10:17) और दोषबलि (7:1, 7:6, और 14:13) से माँस
- यहोवा की उपस्थिति में निरन्तर रहने वाली उपस्थिति की रोटी (24:9)

इन पदों में, "पवित्र चीजों की पवित्र चीज" अभिव्यक्ति एक भेंट का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है जो असाधारण या अद्वितीय रूप से पवित्र है। इस प्रकार, इस अभिव्यक्ति का अनुवाद "सबसे पवित्र चीज" या "असाधारण रूप से पवित्र चीज" के रूप में किया जा सकता है।

लैव्यव्यवस्था - परिचय

प्रत्यक्ष उद्धरणों का परिचय

लैव्यव्यवस्था के लेखक "कहा" शब्द का उपयोग यहोवा द्वारा मूसा और हारून से कही गई बातों या जो वे इस्राएल के लोगों से कह रहे हैं, उनके उद्धरण को प्रस्तुत करने के लिए करते हैं। अपनी भाषा में प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करने के स्वाभाविक तरीकों पर विचार करें।

"करेंगे (shall)"

अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन अंग्रेजी सहायक क्रिया "शैल (shall)" के साथ इब्री निर्देशात्मक क्रिया रूप का प्रतिनिधित्व करता है। उदाहरण के लिए, जब यहोवा ने 1:3 में लोगों से कहा, "वह इसे प्रस्तुत करेंगे," तो वह उन्हें उनके भेंट प्रस्तुत करने का तरीका बता रहे थे। इस रूप का अनुवाद अपनी भाषा में निर्देश देने के सबसे स्वाभाविक तरीके से करें।

अभिव्यक्ति "यदि किसी पुरुष ... "

लैव्यव्यवस्था की पुस्तक अक्सर "यदि किसी पुरुष ... " का उपयोग विभिन्न काल्पनिक स्थितियों का वर्णन करने के लिए करती है जो इस्राएल की बलिदान प्रणाली और पवित्र जीवन से सम्बन्धित हैं। (देखें 13:2, 13:40, 15:16, 15:20, 22:14, और 22/21।) इन सन्दर्भों में, हालांकि "पुरुष" के रूप में अनुवादित शब्द पुल्लिंग है, इसका एक सामान्य अर्थ है जो किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो तम्बू के पास बलिदान करने के लिए आता है। किसी भी संभावित गलतफहमी से बचने के लिए इस शब्द का अनुवाद किसी व्यक्ति के लिए एक सामान्य शब्द के साथ करना सहायक हो सकता है।

लैव्यव्यवस्था में कौन-कौन से महत्वपूर्ण प्रतीक प्रस्तुत किए गए हैं?

लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में कई भौतिक वस्तुओं का प्रतीकात्मक या अनुष्ठानिक अर्थों के साथ उपयोग किया गया है। जैतून का तेल किसी व्यक्ति या वस्तु पर डाला जाता था जब उस व्यक्ति या वस्तु को यहोवा की विशेष आराधना और सेवा के लिए अलग किया जाना होता था।

इसी प्रकार, बलिदानों को नियमित रूप से पानी से धोया जाता था ताकि उन्हें (शारीरिक और धार्मिक रूप से) शुद्ध किया जा सके, जो अशुद्धियों को हटाने का प्रतीक था ताकि परमेश्वर बलिदान को स्वीकार कर सकें। लोग और वस्तुएँ जो किसी अशुद्ध चीज के सम्पर्क में आने के बाद शुद्ध घोषित की जानी थीं, उन्हें उनके शुद्धिकरण का प्रतीक बनाने के लिए धोना आवश्यक था।

धुआँ लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में एक और महत्वपूर्ण प्रतीक है। जबकि कुछ बलिदानों को पूरी तरह से धुएँ में बदल दिया जाना था, जैसे कि पूरी तरह से जले हुए बलिदान (या जली हुई भेंट) के मामले में, सभी बलिदानों में माँस या आटे के एक हिस्से को वेदी पर जलाना और उसे धुएँ में बदलना शामिल था। यह धुआँ ऊपर उठता, यहोवा तक पहुँचता, जो बलिदान की मनभावनी सुगंध को सूंघते और आराधक की ओर से भेंट को स्वीकार करते। यदि आपकी भाषा में कोई क्रिया या वाक्यांश है जो धार्मिक सन्दर्भों में धुएँ के परमेश्वर तक जाने को सन्दर्भित करता है, तो लैव्यव्यवस्था में इन वाक्यांशों का अनुवाद करने के लिए इसका उपयोग करने पर विचार करें।

अंततः, लहू को उस अनुष्ठानिक पदार्थ के समान माना जाता था जिसमें मृत्यु, पाप, और गलतियों के कारण हुई अशुद्धि को हटाने की सामर्थ्य होती थी। परिणामस्वरूप, लहू का उपयोग लोगों और वस्तुओं को शुद्ध और पवित्र करने के लिए भी किया जाता था।

लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में कौन-कौन से प्रकार के बलिदानों का वर्णन किया गया है?

लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में विभिन्न प्रकार के बलिदानों का वर्णन किया गया है, जिनमें से प्रत्येक के अपने निर्देश और उद्देश्य हैं। इन बलिदानों के नामों का अनुवाद करते समय इस सूची का सन्दर्भ लेना सहायक हो सकता है, विशेष रूप से यदि आपकी भाषा में कोई ऐसा शब्द या वाक्यांश है जो समान प्रक्रिया या उद्देश्य वाले बलिदान का वर्णन करता है।

1. होमबलि (अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन; अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन: पूरी तरह से जला हुआ बलिदान) एक सामान्य माँस बलिदान था जिसे याजक द्वारा वेदी पर पूरी तरह से जलाया जाना था। यह पूरी तरह से यहोवा का था, और इसका कोई हिस्सा याजक या आराधक के लिए भोजन के रूप में नहीं रखा जाता था। होमबलि का विवरण लैव्यव्यवस्था 1 में विस्तार से दिया गया है। व्यक्तियों को मवेशी (1:1–9), भेड़ या बकरियां (1:10–13), या पक्षी (1:14–17) चढ़ाने की अनुमति थी, जो उनकी क्षमता पर निर्भर करता था कि वे ऐसे पशुओं को वहन कर सकते हैं। एक माँस बलिदान के रूप में, इस बलिदान से लहू यहोवा को आराधक के लिए प्रायश्चित करने की अनुमति देता था, और इसलिए होमबलि का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति से पाप को हटाना था। (होमबलि चढ़ाने वाले याजक के लिए अतिरिक्त निर्देशों के लिए देखें 6:9–13।)
2. लैव्यव्यवस्था 2 में वर्णित अन्नबलि (अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन और अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन) यहोवा को आटे की भेंट है। किसी व्यक्ति को निर्दोष मैदा लाने की अनुमति थी (2:1–3), जिस पर जैतून का तेल डाला जाता था। अन्त में, आटे के ऊपर धूप रखी जाती थी, इससे पहले कि अधिकारी याजक आटे-तेल के मिश्रण की एक मुट्ठी भर लेता (और सारी धूप)। इस मुट्ठी को स्मरणार्थ भाग के रूप में नामित किया गया था (2:2) और यह भेंट का एकमात्र हिस्सा था जिसे वेदी पर जलाया जाता था। आटे-तेल के मिश्रण का शेष भाग याजक का था, जो यहोवा के भेंटों से पवित्र चीजों में से एक पवित्र चीज थी (2:3), अर्थात्, एक खाद्य उपहार जिसे याजकों के लिए भोजन के रूप में नामित किया गया था। व्यक्तियों को हवन या तले हुए सामान की भेंट देने की भी अनुमति थी, जब तक कि ये खमीर या शहद के बिना बने हों (2:11) और इनमें नमक हो, जो इस्राएल के साथ परमेश्वर की वाचा की निरंतर प्रकृति का प्रतीक था। (देखें 2:13।) इसके अतिरिक्त, अन्नबलि पहले पके अनाज की भेंट हो सकती थी (2:14) जिसमें एक व्यक्ति अपनी फसल की पहली उपज की भेंट करता था। इसी तरह, व्यक्ति मैदा, अनाज, या हवन किए गए सामान को पहले चीजों की भेंट के रूप में ला सकते थे (2:12), या, दूसरे शब्दों में, उस मौसम में उनकी फसल की पहली और सबसे अच्छी चीज की भेंट। अन्नबलि देने वाले याजक के लिए अतिरिक्त निर्देश देखें 6:14–18 के साथ-साथ विशेष सम्पूर्ण अन्नबलि जो याजक को याजक के पद में नियुक्त किए जाने पर प्रस्तुत की जानी थी (6:20–23)।
3. मेलबलि (अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन; अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन: मेलबलि) का वर्णन विस्तार से 3:1–17 में किया गया है। जले हुए भेंट के विपरीत, केवल कुछ आंतरिक अंग और चर्बी के चुनिंदा हिस्से वेदी पर मेलबलि के लिए जलाए जाने थे। (उदाहरण के लिए देखें, 3:3–5, 3:9–11, और 3:14–16।) इसका अर्थ है कि पशु के माँस का शेष भाग याजक और आराधक दोनों द्वारा संगति भोजन के रूप में खाया जाना था, जो परमेश्वर और मानवता के बीच और स्वयं मनुष्यों के बीच शांति का प्रतीक और उत्सव था। यह एकमात्र प्रकार की भेंट है जिसमें सामान्य उपासक पशु के माँस

में भाग लेते थे। इस प्रकार के बलिदान के माँस को उस दिन और अगले दिन खाया जा सकता था जब इसे चढ़ाया गया था। हालांकि, किसी भी शेष माँस को यहोवा को चढ़ाए जाने के तीसरे दिन अपवित्र माना जाता था। (देखें 7:15–18।)

मेलबलि की विभिन्न उप-श्रेणियाँ होती हैं। ऐसा बलिदान मन्नत, धन्यवाद भेंट, या स्वेच्छा भेंट का परिणाम हो सकता है। पहले मामले में, कोई व्यक्ति यहोवा से एक विशेष प्रार्थना का उत्तर पाने या किसी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति से मुक्ति पाने पर पशु या भोजन उपहार बलिदान करने का वादा करता है। (देखें 7:16–18 और 22:21–25।) दूसरे मामले में, कोई व्यक्ति यहोवा के प्रति उनके कार्यों के लिए धन्यवाद देने के रूप में बलिदान करता है। (देखें 7:11–15 और 22:29–30।) तीसरे मामले में, कोई व्यक्ति किसी भी कारण से स्वतंत्र रूप से और बिना प्रेरित हुए बलिदान कर सकता है। (7:16–18 और 22:21–25।) अन्त में, एक मेलबलि जिसे "याजको का संस्कार " कहा जाता था, प्रस्तुत की जाती थी जब भी कोई नया याजक याजक के पद में नियुक्त होता था। (देखें 7:37 और 8:22–32।) सभी शान्ति भेंटों में से, पशु के माँस की दाहिनी जांघ और छाती याजक के लिए एक विशेष दान के रूप में होती थी, जिसे यहोवा की उपस्थिति में एक हिलाने की भेंट के रूप में हिलाया जाता था। (देखें 7:28–34।) मेलबलि प्रस्तुत करने वाले याजक के लिए अतिरिक्त निर्देश देखें 7:11–21)।

1. पापबलि (अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन; अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन: शुद्धिकरण बलिदान) का विस्तार से वर्णन 4:1–5:13 में किया गया है। इस प्रकार का माँस बलिदान उन पापों को ढकता था जो अनजाने में या आकस्मिक रूप में किए गए थे। अनजाने पापों को संबोधित करने के लिए प्रावधान किया गया है याजक के लिए (4:2–12), पूरी मण्डली के लिए (4:13–21), एक प्रमुख अगुवा के लिए (4:22–26), या एक व्यक्ति के लिए (4:27–35)। विभिन्न परिदृश्यों को सम्मलित करने के लिए अतिरिक्त निर्देश दिए गए थे जिसमें एक व्यक्ति गलत काम से दोषी ठहराया जाता है (5:1–6), चाहे वह व्यक्ति महंगे मवेशी या भेड़-बकरियों के पशु खरीदने में सक्षम हो या नहीं। (देखें 5:7–13 में दिए गए प्रावधान।) इस बलिदान का मुख्य उद्देश्य अनजाने गलत काम से उत्पन्न अशुद्धता से एक पक्ष को शुद्ध करना और इस प्रकार समाज, अगुवा, याजक, या व्यक्ति और उनके परमेश्वर के बीच सम्बन्ध को पुनर्स्थापित करना था। याजक के लिए जो पापबलि चढ़ाता है, अतिरिक्त निर्देश देखें 6:25–30।
2. दोषबलि (अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन; अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन: पुनर्स्थापित करने वाला बलिदान) एक माँस बलिदान है जो 5:14 से 6:7 और 7:1–7 में वर्णित है। इस प्रकार के बलिदान का मुख्य उद्देश्य पशु का लहू प्राप्त करना था, जो उन अशुद्धियों को दूर कर सके जो दोष लाने वाले गलत कार्यों के कारण होती हैं। (देखें 6:1–4 में जिन परिस्थितियों में यह होता है।) यदि गलत कार्य में यहोवा की आराधना और सेवा में उपयोग किए जाने वाले पवित्र वस्तुओं के साथ दुर्व्यवहार शामिल था, तो दोषबलि में उस वस्तु के मूल्य की वित्तीय पुनर्स्थापना करना शामिल था, साथ ही पाँच में से एक हिस्सा। (देखें 5:16।) इन कार्यों ने गलत कार्यों के कारण हुए दोष की क्षमा की अनुमति दी।

लैव्यव्यवस्था 1:1 (#1)

מֵאֹהֶל מוֹעֵד

"मिलापवाले तम्बू में से"

लैव्यव्यवस्था के लेखक यहोवा की **मुलाकात** को मूसा (और विस्तार से, सारे लोगों) के साथ **तम्बू** के भौतिक स्थान के भीतर वर्णित करने के लिए स्वामित्व का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट नहीं है, तो आप एक विशेषण का उपयोग कर सकते हैं जो ईश्वरीय उपस्थिति के स्थान का बेहतर वर्णन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [उस तम्बू से जहाँ यहोवा मूसा से मिलते थे और इस्राएलियों के बीच रहते थे]

देखें: स्वत्वबोधन

लेव्यव्यवस्था 1:1 (#2)

לֵאמֹר

"कहा"

जिस शब्द का अनुवाद **कहा** किया गया है, वह सीधे उद्धरण को आरंभ करता है। अपने अनुवाद में, उन तरीकों पर विचार करें जिनसे आप इस उद्धरण को अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उन्होंने कहा]

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 1:1–2 (#1)

לֵאמֹר׃ דַּבֵּר אֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְאָמַרְתָּ אֲלֵהֶם

"कहा, "इस्राएलियों से कह"

यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, पहले एक पूर्ण विराम के साथ: [उन्होंने मूसा से कहा कि वे इस्राएल के पुत्रों से बात करें और उनसे कहें]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 1:2 (#1)

דַּבֵּר אֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְאָמַרְתָּ אֲלֵהֶם

"इस्राएल के पुत्रों से बात कीजिए, और उनसे यह कहिए"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पुनरावृत्ति इस बात पर जोर देती है कि मूसा को इस्राएल के लोगों को निम्नलिखित भाषण देना है। (यह भाषण पुस्तक के पहले सात अध्यायों में शामिल है।) यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप एकल वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [सुनिश्चित करें कि आप इस्राएल के लोगों से कहें]

देखें: दोहरात्मक

लैव्यव्यवस्था 1:2 (#2)

בְּנֵי יִשְׂרָאֵל

"इस्राएलियों"

अंग्रेजी में यहाँ 'इस्राएल के पुत्रो' के रूप में अनुवाद किया गया है, यह अभिव्यक्ति मूसा के समय के इस्राएल के लोगों के बारे में ऐसे प्रतीत होता है जैसे वे सचमुच इस्राएल के पुत्र हों। इसका अर्थ यह है कि वे याकूब के शारीरिक और आत्मिक वंशज हैं, जिसका नाम परमेश्वर ने बदलकर इस्राएल रखा था। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल के वंशज]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 1:2 (#3)

בְּנֵי יִשְׂרָאֵל

“इस्राएलियों”

हालांकि **इस्राएलियों** के रूप में अनुवादित शब्द पुल्लिंग और बहुवचन है, इसका एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों पर लागू होता है। आपके अनुवाद में, आप एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल के लोग]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 1:2 (#4)

וְאָמַרְתָּ

“से कह”

जैसा कि लैव्यव्यवस्था की प्रस्तावना में चर्चा की गई है, यहाँ और पूरी पुस्तक में, लैव्यव्यवस्था के लेखक कानून या आदेश देने के लिए भविष्य काल का उपयोग करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन क्रियाओं का अनुवाद आदेश या निर्देश रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम कहोगे]

देखें: कथन - अन्य उपयोग

लैव्यव्यवस्था 1:2 (#5)

אָדָם כִּי־יַקְרִיב מִכֶּם

“तुम में से यदि कोई मनुष्य यहोवा के लिये पशु का चढ़ावा चढ़ाए”

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ पर **कोई मनुष्य** के स्थान पर कोई पुरुष शब्द का उपयोग किया गया है, यद्यपि जिस शब्द का अनुवाद **कोई मनुष्य** किया गया है वह पुल्लिंग है, फिर भी उसका अर्थ सामान्य है और वह किसी भी ऐसे व्यक्ति को दर्शाता है जो बलि चढ़ाने के लिए तम्बू के पास आता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जब तुममें से कोई चढ़ावा चढ़ाए] या [जब कोई व्यक्ति चढ़ावा चढ़ाए]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 1:2 (#6)

אָדָם & מִכֶּם & תַּקְרִיבוּ אֶת־קָרְבַּנְכֶם

“तुम में से यदि कोई मनुष्य यहोवा के लिये पशु का चढ़ावा चढ़ाए”

जैसा कि लैव्यव्यवस्था की भूमिका में बताया गया है, यह पुस्तक अक्सर इस्राएलियों के बारे में और इस्राएलियों से तीसरे पुरुष में बात करती है, यद्यपि संबोधन सीधे उन्हीं से होता है। यहाँ और पूरी पुस्तक में, यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप या तो (1) अपने अनुवाद में दूसरे व्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम में से एक इस्राएली ... तुम अपना चढ़ावा चढ़ाओ] या (2) अपने अनुवाद में तीसरे व्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [एक इस्राएली ... वह अपना चढ़ावा चढ़ाए]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 1:2 (#7)

מִכֶּם & תַּקְרִיבוּ אֶת־קָרְבַּנְכֶם

“तुम में से कोई ... चढ़ावा चढ़ाए”

यहाँ **तुम** और **कोई** शब्द बहुवचन हैं। ये शब्द पूरे इस्राएली समाज पर लागू होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 1:2 (#8)

יַקְרִיב & קָרְבָּן

“कोई मनुष्य ... चढ़ावा चढ़ाए”

शब्द **चढ़ावा चढ़ाए** शब्द उस क्रिया का अनुवाद है जो “भेंट” के रूप में अनूदित संज्ञा से संबंधित है। आपस में जुड़े हुए शब्दों की यह पुनरावृत्ति कथन में जोर देती है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति की जा सकती है, तो आपके अनुवाद में इस निर्माण का उपयोग करना उचित होगा।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 1:2 (#9)

“तुम में से ...चढ़ावा चढ़ाए”

वैकल्पिक अनुवाद: [तुमको चढ़ावा चढ़ाना चाहिए]

लैव्यव्यवस्था 1:3 (#1)

קָרְבָּנוֹ & יַקְרִיבֶנּוּ & יַקְרִיב

“वह ... होमबलि करे, तो निर्दोष नर मिलापवाले तम्बू के द्वार पर चढ़ाए”

यहाँ एक क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल शब्द से आते हैं। यू.एल.टी. में इसका अनुवाद संज्ञा **होमबलि** और क्रिया **चढ़ाए** के रूप में किया गया है। आपकी भाषा में ऐसे तुलनीय शब्द हो सकते हैं जिन्हें आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 1:3 (#2)

זָכָר תָּמִים יַקְרִיבֶנּוּ

“निर्दोष नर मिलापवाले तम्बू के द्वार पर चढ़ाए”

शब्द **निर्दोष** की चर्चा के लिए, भाग 3 में “‘निष्कलंक‘ या ‘निर्दोष‘” शीर्षक वाले अनुभाग को देखें, जो लैव्यव्यवस्था की भूमिका में है। वैकल्पिक अनुवाद: [उन्हें एक निर्दोष नर चढ़ाना चाहिए] या [उन्हें एक नर चढ़ाना चाहिए जो दोषरहित हो]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 1:3 (#3)

זָכָר תָּמִים יַקְרִיבֶנּוּ אֶל־פֶּתַח אֹהֶל מוֹעֵד יַקְרִיב אֹתוֹ לִרְצֹנוֹ לִפְנֵי יְהוָה

“वह गाय-बैलों में से होमबलि करे, तो निर्दोष नर मिलापवाले तम्बू के द्वार पर चढ़ाए कि यहोवा उसे ग्रहण करे”

जिस शब्द का अनुवाद **कि** किया गया है, वह यहाँ बताई गई विधि के अनुसार बलि चढ़ाने के उद्देश्य या लक्ष्य को दर्शाता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों में से अंतिम को पहले रख सकते हैं, क्योंकि अंतिम वाक्यांश उन क्रियाओं का कारण बताता है जो पहले दो वाक्यांशों में वर्णित हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [ताकि याहवेह उस भेंट को स्वीकार्य माने, वह मिलापवाले तंबू के प्रवेश द्वार पर एक पूर्ण, निर्दोष नर पशु चढ़ाए।]

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 1:3 (#4)

לִרְצֹנוֹ

“कि ... उसे ग्रहण करे”

जिस शब्द का अनुवाद **उसे** किया गया है, वह (1) भेंट को सन्दर्भित कर सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [पशु की स्वीकृति के लिए] या (2) आराधक। वैकल्पिक अनुवाद: [पशु चढ़ाने वाले व्यक्ति की स्वीकृति के लिए]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 1:3 (#5)

לִפְנֵי יְהוָה

“तम्बू के द्वार पर चढ़ाए कि यहोवा उसे”

जैसा कि लैव्यव्यवस्था की भूमिका में चर्चा की गई है, ऐसे संदर्भों में **तम्बू के द्वार पर** अभिव्यक्ति उस स्थान को संदर्भित करती है “जहाँ यहोवा देखते हैं” और, विस्तार से, “यहोवा के दृष्टिकोण से” या “यहोवा के न्याय में।” वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा के दृष्टिकोण से] या [यहोवा के न्याय में] या [यहोवा के सामने]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 1:4 (#1)

וְסָמַךְ יָדוֹ עַל רֹאשׁ הָעֹלָה

“वह अपना हाथ होमबलि पशु के सिर पर रखे”

यह एक प्रतीकात्मक क्रिया है जो व्यक्ति को उस पशु के साथ जोड़ती है जिसे वह भेंट चढ़ा रहा है। इसका अर्थ यह है कि व्यक्ति अनुष्ठानिक रूप से अपने पापों को बलिदान किए जाने वाले पशु पर डाल रहा है ताकि परमेश्वर पशु के बलिदान के समय उन पापों को क्षमा कर दें। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस क्रिया के महत्व को एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह होमबलि के पशु के सिर पर अपना हाथ रखे। उसे ऐसा इसलिए करना चाहिए ताकि विधिक रूप से अपने पापों को उस पशु पर रखे।]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 1:4 (#2)

וְנִרְצָה

“और वह ... ग्रहण किया जाएगा”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यहोवा इसे स्वीकार करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 1:4 (#3)

לְכַפֵּר עָלָיו

“उनके लिये प्रायश्चित करने को”

शब्द **करने को** पशु की स्वीकृति को एक उपयुक्त बलिदान के रूप में प्रस्तुत करने का उद्देश्य स्पष्ट करता है। अपनी भाषा में ऐसा वाक्यांश प्रयोग करें जो यह स्पष्ट करे कि आगे जो आता है वह उद्देश्य है।

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 1:4 (#4)

לְכַפֵּר עָלָיו

“ उनके लिये प्रायश्चित करने को”

प्रायश्चित की धारणा के पीछे छिपे संभावित रूपकों के लिए लैव्यव्यवस्था की भूमिका देखें। यदि आपकी भाषा में **प्रायश्चित** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उन्हें यहोवा के साथ संबंध में पुनर्स्थापित करने के लिए]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 1:5 (#1)

אֶת־בֶּן הַבָּקָר

“बछड़े”

बछड़े की अभिव्यक्ति पशु का वर्णन करती है जिसमें किसी वस्तु की मुख्य विशेषताएँ मौजूद हों। यहाँ यह वाक्यांश इस पशु को **बछड़ा** कहकर वर्णित करता है, क्योंकि यह एक नर पशु है जिसमें गाय-बैल की विशेष जातिगत विशेषताएँ मौजूद हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष मुहावरा उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [सांड] या [गाय-बैल संबंधी]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 1:5 (#2)

לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के सामने”

जैसा कि लैव्यव्यवस्था की भूमिका में चर्चा की गई है, ऐसे संदर्भों में **यहोवा के सामने** का अर्थ है “जहाँ यहोवा देख सकते हैं” और विस्तार से, “यहोवा की उपस्थिति में।” यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा की उपस्थिति में] या [मिलाप के तंबू के पवित्र क्षेत्र के भीतर, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 1:5 (#3)

בְּנֵי אַהֲרֹן

“हारून के पुत्र”

जैसा कि लैव्यव्यवस्था की भूमिका में चर्चा की गई है, जब यहोवा ने मूसा से मिलापवाले तम्बू से बात की, तब याजक वास्तव में **हारून के पुत्र** थे। परन्तु पुस्तक में दिए गए निर्देश भविष्य की पीढ़ियों पर भी लागू होते हैं, जब “पुत्र” शब्द हारून के वंशजों के रूप में याजकों को सन्दर्भित करने का एक तरीका होगा (लैव्यव्यवस्था अध्याय 8–10 को छोड़कर)। यहाँ और पूरी पुस्तक में, यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आपके अनुवाद में आप सामान्यतः उस शब्द का उपयोग कर सकते हैं, जो मूल याजकों और उनके उत्तराधिकारियों दोनों पर लागू होगा।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 1:5 (#4)

וְהִקְרִיבוּ בְּנֵי אַהֲרֹן הַכֹּהֲנִים אֶת־הַדָּם

“हारून के पुत्र जो याजक हैं वे लहू को समीप ले जाकर उस वेदी के चारों ओर छिड़के”

यह संकेत दिया गया है कि **याजक ... लहू** को एक कटोरे में लेंगे जैसे ही यह पशु से निकलता है। फिर वे कटोरे में लहू लेकर इसे वेदी पर यहोवा के सामने छिड़केगे। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट नहीं है, तो आप इस जानकारी को यहाँ और पुस्तक के बाद के उदाहरणों में प्रदान कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और जैसे ही लहू पशु से निकलता है, हारून के पुत्र, याजक, लहू को यहोवा के सामने छिड़केंगे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 1:6 (#1)

“फिर वह ... खाल निकालकर”

वैकल्पिक अनुवाद: [और जो व्यक्ति बलि चढ़ा रहा है, वह इसका चमड़ा उतारे]

लैव्यव्यवस्था 1:6 (#2)

וְנִתַּח אֹתָהּ לִנְתָחֶיהָ

“ फिर वह ... उस पशु को टुकड़े-टुकड़े करे”

लैव्यव्यवस्था का लेखक मान लेता है कि श्रोता जानते होंगे कि पशु के कौन-कौन से भाग उसके **टुकड़े** कहलाते थे। इनमें सिर, चर्बी, अंतड़ियाँ और टाँगें शामिल थीं, जैसा कि 1:8–9 से संकेत मिलता है। यदि आपके सन्दर्भ में **इसके टुकड़े** वाक्यांश स्पष्ट नहीं है, तो विचार करें कि इन टुकड़ों को सूचीबद्ध करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह इसे इसके उपयुक्त हिस्सों में बाटेंगे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 1:6 (#3)

וְנִתַּח אֹתָהּ לִנְתָחֶיהָ

“फिर वह ... उस पशु को टुकड़े-टुकड़े करे”

यह अभिव्यक्ति एक प्रभावशाली निर्माण है जो एक क्रिया और उसके वस्तु का उपयोग करती है, दोनों ही एक ही जड़ से उत्पन्न होते हैं। शब्द **टुकड़े- टुकड़े** एक क्रिया का अनुवाद करता है जो उसी जड़ से आता है जिससे संज्ञा **टुकड़े** आती है। आप अपनी भाषा में यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए इसी निर्माण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 1:7 (#1)

אֵשׁ & הָאֵשׁ

“आग ... और आग”

यहाँ, शब्द **आग** उन अंगारों का प्रतिनिधित्व करता है जो आग उत्पन्न करती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जलते हुए अंगारे ... वे जलते हुए अंगारे] या [धधकते हुए अंगारे ... वे धधकते हुए अंगारे]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 1:8 (#1)

וְאֶת־הַפֶּדֶר

“और चर्बी”

शब्द **चर्बी** उस कठोर, गांठदार चर्बी को सन्दर्भित करता है जो भेड़, बकरियों और गोवंश के गुर्दे और जिगर के चारों ओर होता है। यदि आपकी भाषा में इस चरबीयुक्त ऊतक के हिस्से के लिए कोई शब्द है, तो कृपया इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 1:9 (#1)

וְקִרְבּוֹ וּכְרָעָיו יִרְחַץ בַּמָּיִם

“और वह उसकी अंतड़ियों और पैरों को जल से धोए”

यह प्रतीत हो सकता है कि यह अभिव्यक्ति **और वह उसकी अंतड़ियों और पैरों को जल से धोए** में अतिरिक्त जानकारी है जो आपकी भाषा में व्यक्त करना अस्वभाविक हो सकता है। यदि ऐसा है, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह इसके अंदरूनी हिस्सों और पैरों को धोएगा]

देखें: विशिष्ट सूचना को अंतर्निहित कब बनाएँ

लैव्यव्यवस्था 1:9 (#2)

יִרְחַץ

“वह ...धोए”

सर्वनाम **वह** या तो आराधक या याजक को सन्दर्भित कर सकता है। परन्तु चूंकि याजक के हर अन्य सन्दर्भ स्पष्ट रहे हैं, इसलिए यह संभावना है कि यह आराधक को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट कर सकते हैं या अब तक उपयोग किए गए उसी दूसरे व्यक्ति के सर्वनाम का उपयोग जारी रख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जो भेंट चढ़ाएगा वह धोएगा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 1:9 (#3)

וְהִקְטִיר הַכֹּהֵן אֶת־הַכֹּלּ הַמִּזְבֵּחָה

“तब याजक सब को वेदी पर जलाए कि वह होमबलि यहोवा के लिये सुखदायक सुगन्धवाला हवन ठहरे”

इसका तात्पर्य यह है कि इस प्रकार भेंट को जलाने की क्रिया से धुआँ उठता है, जो बलिदान को परमेश्वर के पास स्वर्ग में जाने का चित्रण करता है, जहाँ वे धुएं को सूंघकर प्रसन्न होंगे। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक वेदी की आग पर बलिदान को जलाकर धुएँ में बदल देंगे। धुआँ परमेश्वर की ओर स्वर्ग में उठेगा]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 1:10 (#1)

מִן־הַצֹּאן & מִן־הַכְּשָׂבִים אוֹ מִן־הָעִזִּים

“भेड़ों या बकरों”

शब्दावली, **भेड़ों या बकरों** किसी विशेष पशु समूह का उल्लेख नहीं करती हैं। ये किसी भी पशु समूह का वर्णन करती हैं जो एक इस्राएली के पास हो सकता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उनकी किसी भी भेड़-बकरियों से, चाहे उनकी भेड़ से हो या उनकी बकरियों से]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 1:11 (#1)

לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के आगे”

देखें कि आपने **यहोवा के आगे** वाक्यांश का अनुवाद 1:5 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा की उपस्थिति में] या [मिलाप के तंबू के पवित्र परिसर के भीतर, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 1:12 (#1)

“और वह उसको ... टुकड़े-टुकड़े करे”

वैकल्पिक अनुवाद: [और जो भेंट चढ़ाएगा वह इसे काटेंगा]

लैव्यव्यवस्था 1:12 (#2)

“और वह उसको ... टुकड़े-टुकड़े करे”

देखें कि आपने 1:6 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 1:13 (#1)

יִרְחַץ בַּמָּיִם

“जल से धोए”

देखें कि आपने 1:9 में **जल से धोए** वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [वह अच्छी तरह से धोए]

देखें: विशिष्ट सूचना को अंतर्निहित कब बनाएँ

लैव्यव्यवस्था 1:13 (#2)

וְהַקֶּרֶב וְהַכְּרָעַיִם יִרְחַץ בַּמָּיִם

“अंतड़ियों और पैरों को जल से धोए”

संकेत यह प्रतीत होता है कि आराधक को **अंतड़ियों** और **पैरों** को धोना चाहिए, इससे पहले कि याजक उन्हें वेदी पर व्यवस्थित करें, जैसा कि 1:12 में वर्णित है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [इससे पहले कि याजक टुकड़ों को व्यवस्थित करें, बलिदान भेंट करने वाला व्यक्ति अंतड़ियों और पैरों को पानी से धोए]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 1:13 (#3)

“और याजक वेदी पर जलाए कि वह होमबलि हो और यहोवा के लिये सुखदायक सुगन्धवाला हवन ठहरे”

वैकल्पिक अनुवाद: [और वही याजक उन्हें वेदी पर धूप के रूप में चढ़ाएगा]

लैव्यव्यवस्था 1:14 (#1)

מִן־הָעוֹף & מִן־הַתֹּרִים אוֹ מִן־בְּנֵי הַיּוֹנָה

“पक्षियों, पंडुको या कबूतरों”

अभिव्यक्तियाँ **पक्षियों से**, **पंडुको या कबूतरों** किसी विशेष प्रकार के पक्षियों का उल्लेख नहीं करती हैं, जैसे कि किसी विशेष समूह के तीतर या कबूतर। बल्कि, ये अभिव्यक्तियाँ किसी भी पक्षियों (अर्थात, किसी भी कबूतरों या पंडुको) का वर्णन करती हैं जो किसी इस्राएली के पास हो सकते हैं या जिन्हें बलिदान के लिए खरीदा जा सकता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उसके किसी भी पक्षियों से ... उसके कबूतरों से या उसके पंडुको से]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 1:14 (#2)

מִן־בְּנֵי הַיּוֹנָה

“पंडुको”

अभिव्यक्ति **पंडुको** पक्षी का वर्णन करती है जो किसी चीज़ के आवश्यक गुणों को साझा करता है। लैव्यव्यवस्था के लेखक इस वाक्यांश का उपयोग पक्षियों के एक समूह का वर्णन करने के लिए करते हैं जैसे **पंडुको**, क्योंकि वे पक्षी उस वर्ग के पक्षियों के आवश्यक गुणों को साझा करते थे। यदि यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष मुहावरा उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कबूतरों से]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 1:15 (#1)

וְהִקְטִיר הַמִּזְבֵּחָה

“और वेदी पर जलाए”

1:9 पर नोट देखें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे इसे वेदी पर धुआँ बनाकर स्वर्ग में परमेश्वर की ओर चढ़ाएंगे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 1:15 (#2)

וְהִקְטִיר הַמִּזְבֵּחָה

“और वेदी पर जलाए”

वेदी पर जलाए जाने वाली वस्तु निर्दिष्ट नहीं है। हालांकि, क्योंकि पक्षी का लहू अभी तक नहीं हटाया गया है और लहू का जलाना लैव्यव्यवस्था में स्पष्ट रूप से निषिद्ध है, ऐसा लगता है कि यहाँ दिए गए सर्वनाम **उसका** का संदर्भ **पक्षी के सिर** से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो इसे स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह उस सिर को जिसे उसने अलग किया था वेदी पर धुआँ बनने देगा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 1:15 (#3)

וְנִמְצָה דָמוֹ

“उसका सारा लहू ... गिराया जाए”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक इसका लहू गिराएगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 1:15 (#4)

וְנִמְצָה דָמוֹ

“और उसका सारा लहू उस वेदी के बाजू पर गिराया जाए”

यहाँ, सर्वनाम **उसका** अब पक्षी के सिर का सन्दर्भ नहीं देता है बल्कि, बलिदान किए गए पक्षी के शरीर का सन्दर्भ देता है, जिसमें लहू होगा जिसे जलाने से पहले गिराना आवश्यक है। वैकल्पिक अनुवाद: [और पक्षी का लहू गिराया जाएगा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 1:15 (#5)

וְנִמְצָה דָמוֹ עַל קִיר הַמִּזְבֵּחַ

“और उसका सारा लहू उस वेदी के बाजू पर गिराया जाए”

वेदी के किनारे पर **उसका लहू गिराया जाए** एक प्रतीकात्मक क्रिया है जो दिखाती है कि बलिदान किए गए पशु का जीवन यहोवा को समर्पित किया जा रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो आप इस क्रिया के महत्व को पाठ में या एक पाद टिप्पणी में समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [याजक को बलिदान के जीवन-लहू को वेदी की दीवारों पर टपकाना चाहिए]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 1:16 (#1)

אֶת־מֶרְאָתוֹ

“उसकी गल-थैली”

एक **गल-थैली** पक्षी के गले में वह झोला होता है जहाँ पूर्व-पचाया हुआ भोजन संग्रहीत होता है। यदि आपकी भाषा में इस शारीरिक विशेषता के लिए कोई विशेष शब्द है, तो कृपया यहाँ उस शब्द का उपयोग करें। यदि नहीं, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [पक्षी के गले का झोला]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 1:16 (#2)

וְהִשְׁלִיךְ אֹתָהּ

“और वह उसकी गल-थैली को ... फेंक दे”

वाक्य में शब्द ‘**उसकी’ पक्षी के गल-थैली** को सन्दर्भित करता है, लेकिन चूंकि याजक को **पंखों** के साथ **इन्हें वेदी के बगल में फेंकना** चाहिए, इसलिए आपकी भाषा में बहुवचन सर्वनाम “उन्हें” का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है, जैसा कि यू.एस.टी. द्वारा दर्शाया गया है।

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 2:1 (#1)

וְנֶפֶשׁ כִּי־תַקְרִיב קָרְבַּן מִנְחָה לַיהוָה & קָרְבָּנוֹ

“जब कोई यहोवा के लिये अन्नबलि का चढ़ावा चढ़ाना चाहे, तो वह मैदा चढ़ाए”

यहाँ एक क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल शब्द से आते हैं। **चढ़ाना** शब्द उस क्रिया का अनुवाद है जो **चढ़ाए** के रूप में अनूदित संज्ञा से संबंधित है। आपस में जुड़े हुए शब्दों की यह पुनरावृत्ति कथन में ज़ोर देती है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति की जा सकती है, तो आपके अनुवाद में इस संरचना का उपयोग करना उपयुक्त होगा।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 2:1 (#2)

וְנֶפֶשׁ כִּי־תַקְרִיב קָרְבַּן מִנְחָה לַיהוָה & קָרְבָּנוֹ

“जब कोई यहोवा के लिये अन्नबलि का चढ़ावा चढ़ाना चाहे, तो वह मैदा चढ़ाए”

जैसा कि लैव्यव्यवस्था की भूमिका में बताया गया है, यह पुस्तक अक्सर इस्राएलियों के बारे में तीसरे पुरुष में बात करती है, यद्यपि संबोधन प्रत्यक्ष रूप से उन्हीं से होता है। यहाँ और पूरी पुस्तक में, यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में दूसरे व्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 2:1 (#3)

סֹלֶת יִהְיֶה קָרְבָּנוֹ וְיָצַק עָלֶיהָ שֶׁמֶן וְנָתַן עָלֶיהָ לְבֹנָה

“वह मैदा चढ़ाए; और उस पर तेल डालकर उसके ऊपर लोबान रखे”

जैसा कि लैव्यव्यवस्था की भूमिका में बताया गया है, लैव्यव्यवस्था की पुस्तक अक्सर भविष्यकाल के वाक्यों का उपयोग निर्देश या आज्ञा देने

के लिए करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो यहाँ और पुस्तक में कहीं भी आप इन भविष्य के कथन का अनुवाद आदेश या निर्देश रूपों में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उसकी भेंट मैदा होनी चाहिए। और वह उस पर तेल डाले, और उस पर लोबान रखे]

देखें: कथन - अन्य उपयोग

लैव्यव्यवस्था 2:2 (#1)

“और वह उसको ... लाए”

वैकल्पिक अनुवाद: [और वह मैदा, तेल और लोबान का मिश्रण लेकर आए।]

लैव्यव्यवस्था 2:2 (#2)

בְּנֵי אַהֲרֹן

“हारून के पुत्रों”

देखें कि आपने 1:5 में उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [हारून की संतानों]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 2:2 (#3)

וְקָמַץ מִשָּׁם מְלֹא קֻמְצוֹ

“ इस तरह अपनी मुट्ठी भरकर निकाले कि सब लोबान उसमें आ जाए”

यहाँ एक क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल शब्द से आते हैं। **मुट्ठी भरकर निकाले** शब्द उस क्रिया का अनुवाद है जो **मुट्ठी** के रूप में अनूदित संज्ञा से संबंधित है। संबंधित शब्दों का यह प्रयोग कथन को अधिक स्पष्ट बनाता है। यदि आपकी भाषा में स्पष्टता के लिए संबंधित शब्दों का उपयोग किया जा सकता है और आपकी भाषा में तुलनीय शब्द हैं जिन्हें आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं, तो यहाँ उस संरचना का उपयोग करना उपयुक्त होगा।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 2:2 (#4)

“उन्हें स्मरण दिलानेवाले भाग के लिये”

वैकल्पिक अनुवाद: [अन्न बलि का स्मरण दिलानेवाला भाग]

लैव्यव्यवस्था 2:2 (#5)

וְהִקְטִיר הַכֹּהֵן אֶת־אַזְכָּרָתָהּ הַמִּזְבֵּחָה אִשֶּׁה רֵיחַ נִיחֹחַ לַיהוָה

“और याजक उन्हें स्मरण दिलानेवाले भाग के लिये वेदी पर जलाए कि यह यहोवा के लिये सुखदायक सुगन्धित हवन ठहरे”

देखें कि आपने 1/9 और 1/15 में एक समान वाक्य का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक को विशेष भेंट को वेदी पर पूरी तरह से अच्छी महक वाले धुएं में बदलने तक जलाना चाहिए ताकि यहोवा इसका आनंद ले सकें।]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 2:3 (#1)

קֹדֶשׁ קָדָשִׁים

“परमपवित्र भाग”

यहाँ, वाक्यांश **परमपवित्र भाग** स्वामित्व रूप का उपयोग करता है ताकि एक भेंट का वर्णन किया जा सके जिसे उन भेंटों से भी अधिक पवित्र माना जाना चाहिए जिन्हें भी **पवित्र** कहाँ जाता है। यह भेंट याजकों के विशेष उपयोग के लिए अलग रखी गई है। यदि यह रूप आपकी भाषा में अद्वितीय पवित्रता के विचार को व्यक्त नहीं करता है, तो इस विचार को व्यक्त करने के लिए एक अधिक सामान्य तरीका पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक अत्यंत पवित्र भेंट] या [एक विशेष रूप से पवित्र भेंट]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 2:3 (#2)

מֵאִשֵּׁי יְהוָה

“यहोवा के हवनों में से “

इस स्वामित्व रूप में, **यहोवा हवनों** का विषय नहीं बल्कि वस्तु हैं। अर्थात्, इसका अर्थ यह नहीं है कि यहोवा उपहार देते हैं; इसका अर्थ है उपहार जो यहोवा को दिए जाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वे उपहार जो लोग यहोवा को अर्पित करते हैं]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 2:4 (#1)

“जब तू अन्नबलि ... चढ़ावा चढ़ाए”

देखें कि आपने 1:2 और 2:1 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 2:4 (#2)

תַּקְרִיב

“तू ... चढ़ावा चढ़ाए”

जैसा कि इस अध्याय की भूमिका में बताया गया है, अब तक लैव्यव्यवस्था का लेखक तीसरे पुरुष एकवचन सर्वनामों का उपयोग कर रहा था। इस पद में लेखक दूसरे पुरुष एकवचन सर्वनामों का उपयोग करना शुरू करता है। यदि आप तीसरे व्यक्ति के सर्वनामों का उपयोग कर रहे हैं और दूसरे व्यक्ति के सर्वनामों में परिवर्तन आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं होगा, तो आप अपने अनुवाद में तीसरे व्यक्ति के सर्वनामों का उपयोग जारी रख सकते हैं।

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 2:4 (#3)

מַאֲפֵה תַנּוּר

“तंदूर में पकाया हुआ”

यह स्वामित्व रूप **तंदूर में पकाया हुआ** का वर्णन करता है जिसे **तंदूर** में बिना लौ के संपर्क में आए, सूखी गर्मी से पकाया गया है। यदि आपकी भाषा में इस तरह से स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी

अर्थ को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [एक वस्तु जिसे आपने तंदूर में पकाया हो] या, तीसरे व्यक्ति में, [एक वस्तु जिसे किसी व्यक्ति ने तंदूर में पकाया हो]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 2:4 (#4)

מַאֲפֵה תַנּוּר

"तंदूर में पकाया हुआ"

प्राचीन इस्राएल के समाज में, एक **तंदूर** एक खोखला बेलनाकार संरचना होता था, जो संभवतः मिट्टी या चट्टान से बना होता था। तंदूर के नीचे या निचले हिस्से में लकड़ी की आग जलाई जाती थी, जिससे उत्पन्न गर्मी उसमें डाले गए आटे को पकाती थी। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि तंदूर क्या है, तो आप अपनी संस्कृति में एक तुलनीय वस्तु का नाम उपयोग कर सकते हैं या एक उपयुक्त अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 2:4 (#5)

תַּנּוּר סֹלֶת חַלֹּלוֹת מַצֹּתוֹ בְּלוּלֹת בַּשָּׁמֶן וּרְקִיקֵי מַצּוֹת מְשֻׁחִים בַּשָּׁמֶן

"तंदूर में पकाया हुआ चढ़ावा चढ़ाए, तो वह तेल से सने हुए अख़मीरी मैदे के फुलकों, या तेल से चुपड़ी हुई अख़मीरी रोटियों का हो"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: दूसरे पुरुष में: [तुम अखमीरी रोटियों के आटे को तेल के साथ मिलाओगे, या तुम अखमीरी पतली रोटियों पर तेल लगाओगे।] या, तीसरे पुरुष में: [वह अखमीरी रोटियों के आटे को तेल के साथ मिलाएगा, या वह अखमीरी पतली रोटियों पर तेल लगाएगा।]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 2:4 (#6)

סֹלֶת חַלֹּלוֹת מַצֹּתוֹ בְּלוּלֹת בַּשָּׁמֶן

" वह तेल से सने हुए अख़मीरी मैदे के फुलकों"

यह स्वामित्व रूप ऐसे **मैदे** का वर्णन करता है जिसे गूँधकर **फुलकों** का आकार दिया गया है, और जो पकने के बाद **अख़मीरी फुलके** बनेगा। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का स्वामित्व रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी अर्थ को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह मैदा जिसे तुमने तेल के साथ मिलाकर अखमीरी रोटियों का रूप दिया है] तीसरे पुरुष में:
[वह मैदा जिसे उसने तेल के साथ मिलाकर अखमीरी रोटियों का रूप दिया है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 2:5 (#1)

וְאִם־מִנְחָה עַל־הַמַּחֲבַת קָרְבָּנֶךָ

"और यदि तेरा चढ़ावा तवे पर पकाया हुआ"

वाक्यांश **तवे पर पकाया हुआ** कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ देता है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि तुम्हारा अन्नबलि चढ़ावा तवे पर तैयार किया हुआ हो।] या, तीसरे पुरुष में, [और यदि उसका अन्नबलि चढ़ावा तवे पर तैयार किया हुआ हो।]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 2:5 (#2)

הַמַּחֲבַת

"तवे पर"

यह **तवा** एक मोटी परन्तु उथली थाली होती थी, जो या तो मिट्टी या धातु से बनी होती थी और आग पर रखी जाती थी। आटा उथली थाली पर रखा जाता था; आग की गर्मी आटे को पकाती, हल्का तलती या सेंकती थी जो थाली के ऊपर होता था। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि तवा क्या होता है, तो आप अपनी संस्कृति में एक तुलनीय वस्तु का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 2:5 (#3)

סֹלֶת בְּלוּלָה בַשָּׁמֶן מַצָּה תִהְיֶה

"वह तेल से सने हुए अख़मीरी मैदे का हो"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तू आटे को तेल के साथ मिलाए और फिर उसे वह मैदे को तेल के साथ मिलाए और फिर उसे बिना खमीर की रोटियाँ बनाए रोटियाँ बनाए] या, तीसरे पुरुष में, [वह मैदे को तेल के साथ मिलाए और फिर उसे अख़मीरी की रोटियाँ बनाए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 2:6 (#1)

פָּתֹתָו אֹתָהּ פִּתִּים

"उसको टुकड़े-टुकड़े करके"

यहाँ एक क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल शब्द से आते हैं। **टुकड़े** शब्द उस क्रिया का अनुवाद है जो **टुकड़े-टुकड़े** संज्ञा के ही मूल से निकली है। आपस में जुड़े हुए शब्दों का प्रयोग कथन में स्पष्टता और ज़ोर जोड़ता है। यदि आपकी भाषा में ज़ोर देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति की जा सकती है और आपकी भाषा में ऐसे समान शब्द उपलब्ध हैं जिन्हें आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं, तो यहाँ उस संरचना का उपयोग करना उपयुक्त होगा। वैकल्पिक अनुवाद: [इसे टुकड़ों में बाट दें]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 2:6 (#2)

פָּתֹתָו אֹתָהּ פִּתִּים

"उसको टुकड़े-टुकड़े करके"

सर्वनाम **उसको** अन्नबलि को सन्दर्भित करता है, चाहे वह तंदूर में पकाया गया हो (देखें 2:4) या तवे पर पकाया गया हो। (देखें 2:5) आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी प्रकार की अन्नबलि को टुकड़ों में बाटे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 2:7 (#1)

וְאִם־מִנְחַת מַרְחֶשֶׁת קָרְבָּנֶךָ

“और यदि तेरा चढ़ावा कढ़ाही में तला हुआ अन्नबलि हो”

यहाँ लैव्यव्यवस्था में स्वामित्व रूप का उपयोग उस **अन्नबलि** का वर्णन करने के लिए किया गया है जो **कढ़ाही** का उपयोग करके तैयार की जाती है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का प्रयोग नहीं होता, तो आप यह स्पष्ट कर सकते हैं कि वह अन्नबलि **कढ़ाही** में तैयार की जाती है। वैकल्पिक अनुवाद।
[और यदि तुम्हारा चढ़ावा कढ़ाही में तैयार की गई अन्नबलि हो]
या, तीसरे पुरुष में।
[और यदि उसका चढ़ावा कढ़ाही में तैयार की गई अन्नबलि हो]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 2:7 (#2)

מַרְחֶשֶׁת

“कढ़ाही”

शब्द **कढ़ाही** धातु या मिट्टी की एक थाली को सन्दर्भित करती है जिसके किनारे गोल होते हैं, संभवतः ढक्कन के साथ। यह थाली **तवा** से गहरी थी जैसा कि 2:5 में वर्णित है, और परिणामस्वरूप, आटा कढ़ाही में रखा जाता था और तेल में गर्म आग पर पकाया जाता था, जिससे यह कुछ हद तक तेल में तलने जैसा होता था। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि कढ़ाही क्या है, तो आपके अनुवाद में आप अपनी संस्कृति में एक तुलनीय वस्तु का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 2:7 (#3)

סֹלֶת בַּשֶּׁמֶן תֵּעָשֶׂה

“ तो वह मैदे से तेल में बनाया जाए”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम आटे को तेल के साथ तैयार करोगे] या, तीसरे पुरुष में,
[वह आटे को तेल के साथ तैयार करेगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 2:8 (#1)

וְהֵבֵאתָ אֶת־הַמִּנְחָה אֲשֶׁר יֵעָשֶׂה מֵאֵלֶּה לַיהוָה

“और जो अन्नबलि इन वस्तुओं में से किसी का बना हो उसे यहोवा के समीप ले जाना”

यहोवा के समीप वाक्यांश का अर्थ उस बलिदान को वेदी पर लाना है, जो मिलापवाले तम्बू के अंदर स्थित थी। चूंकि वेदी, पवित्र स्थान के बहुत पास थी, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच रहते थे, इसलिए बलिदान को वेदी पर लाना सीधे यहोवा के पास लाने के समान माना जाता था। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट करना सहायक हो, तो इसे सीधे उल्लेखित करना उचित होगा। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम इन चीज़ों से बनाई गई अन्नबलि को उस वेदी पर लाओ जो मिलापवाले तम्बू के अंदर है, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच रहते हैं] या, तीसरे पुरुष में, [और वह इन चीज़ों से बनाई गई अन्नबलि को उस वेदी पर लाए जो मिलापवाले तम्बू के अंदर है, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच रहते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 2:8 (#2)

אֲשֶׁר יֵעָשֶׂה מֵאֵלֶּה

“इन वस्तुओं में से किसी का बना हो”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [जो तुमने इनसे बनाया] या, तीसरे पुरुष में, [जो उन्होंने इनसे बनाया]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 2:8 (#3)

מֵאֵלֶּה

“इन वस्तुओं में से”

वाक्यांश **इन वस्तुओं** का अर्थ हो सकता है: (1) 2:4–7 में वर्णित सामग्री। वैकल्पिक अनुवाद: [इन सामग्रियों से] या (2) 2:4–7 में वर्णित विधियाँ। वैकल्पिक अनुवाद: [इन तरीकों से]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 2:8 (#4)

וְהִקְרִיבָהּוּ

“समीप ले जाना”

जैसा कि इस अध्याय के परिचय में चर्चा की गई है, इस बिंदु पर लैव्यव्यवस्था दूसरी पुरुष एकवचन सर्वनाम का उपयोग करना छोड़कर तीसरे पुरुष एकवचन सर्वनाम का उपयोग करती है। यदि आप अपने अनुवाद में दूसरी पुरुष का प्रयोग कर रहे हैं और तीसरे पुरुष में बदलना आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं लगे, तो आप यहाँ दूसरी पुरुष का प्रयोग जारी रख सकते हैं। इसके विपरीत, यदि आप तीसरे पुरुष का प्रयोग कर रहे हैं, तो आप इसे यहाँ भी जारी रख सकते हैं।

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 2:10 (#1)

קֹדֶשׁ קָדָשִׁים

“परमपवित्र भाग”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 2:3 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [एक अत्यंत पवित्र भेंट] या [अत्यन्त पवित्र चढ़ावा]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 2:10 (#2)

מֵאִשֵּׁי יְהוָה

“यहोवा के हवनों में”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 2:3 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [लोगों द्वारा यहोवा को चढ़ाए गए उपहारों में से]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 2:11 (#1)

כָּל־הַמִּנְחָה אֲשֶׁר תַּקְרִיבוּ לַיהוָה לֹא תֵעָשֶׂה חָמֵץ

“कोई अन्नबलि जिसे तुम यहोवा के लिये चढ़ाओ ख़मीर मिलाकर बनाया न जाए।”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम यहोवा को कोई भी ऐसी अन्नबलि न चढ़ाओ जो खमीर से बनाई गई हो] या, तीसरे पुरुष में, [वह यहोवा को कोई भी ऐसी अन्नबलि न चढ़ाए जो खमीर से बनाई गई हो]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 2:11 (#2)

תַּקְרִיבוּ & לֹא־תַקְטִירוּ

“तुम कभी हवन में यहोवा के लिये ख़मीर और मधु न जलाना”

जैसा कि इस अध्याय के परिचय में बताया गया है, इस बिंदु पर लैव्यव्यवस्था दूसरी पुरुष बहुवचन सर्वनामों का प्रयोग शुरू करती है। यहाँ यहोवा उन सभी लोगों के बारे में बोल रहे हैं जो मिलापवाले तम्बू के द्वार पर स्थित वेदी पर अन्नबलि चढ़ाएंगे। यदि आप अपने अनुवाद में दूसरी पुरुष एकवचन सर्वनामों का प्रयोग कर रहे हैं और बहुवचन रूप में परिवर्तन आपकी भाषा में स्वाभाविक न लगे, तो आप यहाँ एकवचन रूप का प्रयोग जारी रख सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, यदि आप पूरे अध्याय में तीसरे पुरुष सर्वनामों का प्रयोग कर रहे हैं, तो आप यहाँ भी वही जारी रख सकते हैं।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 2:11 (#3)

כִּי

“के लिये”

के लिए अनुवादित शब्द यह संकेत करता है कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए का कारण या आधार है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो अपनी भाषा में ऐसा संयोजक उपयोग करने पर विचार करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए का कारण है। एक अवधि के बाद वैकल्पिक अनुवाद: [इस कारण से]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 2:11 (#4)

מִמֶּנּוּ אִשֶּׁה לַיהוָה

“कोई अन्नबलि जिसे तुम यहोवा के लिये चढ़ाओ”

सर्वनाम **कोई** उस **अन्नबलि** को सन्दर्भित करता है जिसे वेदी पर यहोवा के लिए बलिदान के रूप में जलाने के लिए नामित किया गया है, और इस प्रकार, यह यहोवा के लिए एक **हवन** माना जाएगा। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [ऐसी अन्नबलि में से जो तुम यहोवा को भेंट के रूप में चढ़ाते हो] या, तीसरे पुरुष में, [ऐसी अन्नबलि में से जो लोग यहोवा को भेंट के रूप में चढ़ाते हैं]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 2:12 (#1)

קָרְבַּן רֵאשִׁית תַּקְרִיבוּ אֹתָם לַיהוָה

“ तुम इनको पहली उपज का चढ़ावा करके यहोवा के लिये चढ़ाना”

देखें कि आपने 1:2 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया, संभवतः एक क्रिया और एक संज्ञा का उपयोग करते हुए जो आपकी भाषा में एक ही मूल से आते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम उन्हें यहोवा को पहली उपज की भेंट के रूप में चढ़ाओगे]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 2:12 (#2)

“तुम इनको ... चढ़ाना”

वैकल्पिक अनुवाद: [तुम खमीर या मधु से बनाई गई अन्नबलियाँ चढ़ाओगे] या, तीसरे पुरुष में, [कोई भी व्यक्ति खमीर या मधु से बनाई गई अन्नबलियाँ चढ़ाए]

लैव्यव्यवस्था 2:13 (#1)

בַּמֶּלַח תִּמְלָחוּ

“अपने सब अन्नबलियों को नमकीन बनाना”

यहाँ एक क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल शब्द से आते हैं। **नमकीन बनाना** वाक्यांश में जो क्रिया है, वह उसी मूल से संबंधित है जिससे **नमक** संज्ञा आई है। ऐसे सम्बन्धित शब्दों की पुनरावृत्ति कथन में ज़ोर और स्पष्टता जोड़ती है। यदि आपकी भाषा में ज़ोर देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति की जा सकती है और आपकी भाषा में ऐसे समान शब्द उपलब्ध हैं जिन्हें आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं, तो अपने अनुवाद में यहाँ उस रचना का प्रयोग करना उचित होगा। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम निश्चित रूप से नमक डालना।]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 2:13 (#2)

תִּמְלָחוּ

“नमकीन बनाना”

जैसा कि इस अध्याय के परिचय में बताया गया है, इस पद में और शेष अध्याय में लैव्यव्यवस्था दूसरे पुरुष एकवचन रूपों का प्रयोग करती है। यदि आप अपने अनुवाद में दूसरे पुरुष बहुवचन रूपों का उपयोग कर रहे हैं और एकवचन में बदलना आपकी भाषा में स्वाभाविक न लगे, तो आप अपने अनुवाद में बहुवचन रूपों का प्रयोग जारी रख सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, यदि आप पूरे अध्याय में तीसरे पुरुष रूपों का उपयोग कर रहे

हैं, तो आप अपने अनुवाद में उन्हीं रूपों के प्रयोग पर भी विचार कर सकते हैं।

देखें: 'तुम' के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 2:13 (#3)

"अपने परमेश्वर के साथ बंधी हुई वाचा के नमक"

वैकल्पिक अनुवाद: [नमक भोजन को संरक्षित करता है और इसलिए आपको परमेश्वर के साथ किए गए अटूट और स्थायी करार की याद दिलाता है]

लैव्यव्यवस्था 2:14 (#1)

אָבִיב קָלִוִי בָּאֵשׁ

"अपनी पहली उपज के अन्नबलि के लिये आग में भुनी हुई हरी-हरी बालें"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: [कोमल बाल जो तुमने आग पर भून लिया हो]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 2:16 (#1)

וְהִקְטִיר הַכֹּהֵן אֶת־אַזְכָּרָתָהּ

"और याजक ... स्मरण दिलानेवाला भाग करके जला दे"

देखें कि आपने 1:9 और 2:2 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक स्मरण के भाग को वेदी पर जलाए, ताकि वह स्वर्ग में परमेश्वर की ओर ऊपर उठे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 3:1 (#1)

קָרְבָּנוֹ & הוּא מַקְרִיב & יַקְרִיבֶנּוּ

"उसका चढ़ावा मेलबलि का हो ... पर जो निर्दोष हो उसी को वह यहोवा के आगे चढ़ाए"

इस अध्याय में और इसी प्रकार की अभिव्यक्तियों के लिए, देखें कि आपने 1:2 में अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 3:1 (#2)

קָרְבָּנוֹ & הוּא מַקְרִיב & יַקְרִיבֶנּוּ

"उसका चढ़ावा मेलबलि का हो, ... और यदि वह गाय-बैलों में से किसी को चढ़ाए"

जैसा कि लैव्यव्यवस्था के परिचय में बताया गया है, यह पुस्तक अक्सर इस्राएलियों के विषय में और इस्राएलियों से तीसरे पुरुष में बात करती है, यद्यपि यह प्रत्यक्ष संबोधन होता है। यहाँ और पूरी पुस्तक में, यदि आपकी भाषा में यह अधिक उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में दूसरी पुरुष का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, यदि आप पूरे अनुवाद में तीसरे पुरुष रूपों का प्रयोग कर रहे हैं, तो यहाँ भी उसी को जारी रखने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हारा चढ़ावा ... जिसे तुम चढ़ा रहे हो ... तुम उसे चढ़ाओगे]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 3:1 (#3)

מִן־הַבָּקָר

"गाय-बैलों में से"

वाक्यांश **गाय-बैलों में से** किसी विशेष दल का उल्लेख नहीं करता है। यह किसी भी समूह का वर्णन करता है जो किसी इस्राएली के पास हो सकता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके पास मौजूद किसी भी गाय, बैल या सांड में से]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 3:1 (#4)

תָּמִים יַקְרִיבֶנּוּ

"निर्दोष हो ... चढ़ाए"

जैसा कि लैव्यव्यवस्था के परिचय में बताया गया है, यहाँ **निर्दोष** शब्द ऐसे नर या मादा गोवंश को दर्शाता है जो पूरी तरह स्वस्थ हो और अपनी जाति का उत्तम प्रतिनिधि हो। वैकल्पिक अनुवाद: [उसे एक ऐसा चढ़ावा देना होगा जो निर्दोष हो] या [उसे एक ऐसा चढ़ावा देना चाहिए जो दोषमुक्त हो]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 3:1 (#5)

יַקְרִיבֶנּוּ לִפְנֵי יְהוָה

"वह यहोवा के आगे चढ़ाए"

देखें कि आपने **यहोवा के आगे** वाक्यांश का अनुवाद 1:5 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [वह इसे यहोवा की उपस्थिति में चढ़ाएगा] या [वह इसे मिलापवाले तम्बू के पवित्र क्षेत्र में चढ़ाएगा, जहाँ यहोवा रहते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 3:2 (#1)

וְסָמַךְ יָדוֹ עַל־רֹאשׁ קָרְבָּנוֹ וּשְׁחָטוֹ פֶּתַח אֹהֶל מוֹעֵד

"और वह अपना हाथ अपने चढ़ावे के पशु के सिर पर रखे और उसको मिलापवाले तम्बू के द्वार पर बलि करे"

यहाँ और इस अध्याय में, सर्वनाम **वह** आराधक को सन्दर्भित करता है, न कि याजक को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो इसे स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और जो भेंट बलिदान करते हैं, वे अपनी भेंट के सिर पर हाथ रखेंगे, और वे इसे मिलन के तम्बू के प्रवेश द्वार पर बलि करें]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 3:2 (#2)

וְסָמַךְ יָדוֹ עַל־רֹאשׁ קָרְבָּנוֹ

"और वह अपना हाथ अपने चढ़ावे के पशु के सिर पर रखे"

यह एक प्रतीकात्मक क्रिया है जो व्यक्ति को उस पशु के साथ जोड़ती है जिसे वह भेंट के रूप में बलिदान कर रहा है। इसका अर्थ यह है कि व्यक्ति अनुष्ठानिक रूप से अपने पापों को बलिदान के पशु पर स्थानांतरित कर रहा है ताकि परमेश्वर पशु के बलिदान के समय उन पापों को क्षमा कर सकें। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो इसे स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह अपने भेंट के सिर पर हाथ रखेगा ताकि अपने पापों को पशु पर स्थानांतरित कर सके, ताकि वे उससे हटा दिए जाएं]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 3:2 (#3)

בְּנֵי־אַהֲרֹן הַכֹּהֲנִים

“ हारून के पुत्र जो याजक”

देखें कि आपने 1:5 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [हारून के वंशज, जो याजक हैं]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 3:4 (#1)

עַל־הַכְּלָיֹות יְסִירֶנָּה

“और गुर्दों समेत ... वह अलग करे”

यहाँ, इसका तात्पर्य **गुर्दों** के झिल्ली से है। यदि यह स्पष्ट करना सहायक हो, तो ऐसा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह जिगर के झिल्ली को गुर्दों के साथ हटा देगा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 3:5 (#1)

וְהִקְטִירוּ אֹתוֹ בְנֵי־אַהֲרֹן הַמִּזְבֵּחָה

“तब हारून के पुत्र इनको वेदी पर उस होमबलि के ऊपर जलाएँ... यह यहोवा के लिये सुखदायक सुगन्धवाला हवन ठहरे”

हालांकि सर्वनाम **यह** यहाँ एकवचन है, यह उन सभी चर्बी के हिस्सों और आंतरिक अंगों को सन्दर्भित करता है जो 3:3–4 में वर्णित हैं। यदि यह सहायक हो, तो 3:16 की तरह बहुवचन सर्वनाम का उपयोग करने पर विचार करें, या यूएसटी नमूना के अनुसार सन्दर्भों को स्पष्ट करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और हारून के पुत्र उन्हें वेदी पर धूप की तरह चढ़ाएंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 3:6 (#1)

“उसका चढ़ावा तो ... वह चढ़ाए”

देखें कि आपने 1:2 में समान अभिव्यक्तियों का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 3:6 (#2)

“ भेड़-बकरियों में से”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:10 में कैसे किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 3:6 (#3)

מִן־הַצֹּאן

“भेड़-बकरियों में से”

अभिव्यक्ति **भेड़-बकरियों** किसी विशेष दल का उल्लेख नहीं करती है। बल्कि, यह किसी भी समूह का वर्णन करती है जो भेड़ या बकरियों का हो सकता है जो किसी इस्राएली के पास हो सकती हैं। इसे अपने भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके पास जो भी भेड़ या बकरियां हैं उनमें से कोई]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 3:7 (#1)

“वह ... उसको यहोवा के सामने चढ़ाए”

देखें कि आपने 1:2 में क्रिया और संबंधित संज्ञा के प्रभावशाली उपयोग को कैसे संभाला। विशेष रूप से, देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति के समान रूप को 3:1 में कैसे अनुवादित किया।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 3:7 (#2)

“यहोवा के सामने”

देखें कि आपने **यहोवा के सामने** अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 3:8 (#1)

“और वह अपने चढ़ावे के पशु के सिर पर हाथ रखे “

यह एक प्रतीकात्मक क्रिया है। देखें कि आपने इस वाक्यांश का 1:4 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 3:8 (#2)

לִפְנֵי אֹהֶל מוֹעֵד

“मिलापवाले तम्बू के आगे”

यहाँ, **मिलापवाले तम्बू के आगे** एक स्थान “मिलापवाले तम्बू के सामने” को सन्दर्भित करता है और यह अभिव्यक्ति “मिलापवाले तम्बू के प्रवेश द्वार पर” के समानार्थी है। (देखें 3:2) यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से कोई ऐसा मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मिलापवाले तम्बू के तम्बू के प्रवेश द्वार पर] या [मिलापवाले तम्बू के सामने]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 3:8 (#3)

“हारून के पुत्र”

देखें कि आपने 1:5 में याजकों के इस वर्णन का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 3:9 (#1)

“तब मेलबलि को यहोवा के लिये हवन करे”

वैकल्पिक अनुवाद: [और मेलबलि के बलिदान में से, बलिदान देने वाला व्यक्ति चढ़ावा देगा]

लैव्यव्यवस्था 3:9 (#2)

חֶלְבּוֹ

“उसकी चर्बी”

स्वामित्व सूचक सर्वनाम **उसकी** 3:7–8 में वर्णित मेम्ने को सन्दर्भित करता है। यदि यह सहायक हो, तो इसे स्पष्ट रूप से बनाने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उस मेम्ने की चर्बी जिसे उन्होंने बलिदान किया]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 3:11 (#1)

וְהִקְטִירוֹ הַכֹּהֵן הַמִּזְבֵּחָה

“और याजक इन्हें वेदी पर जलाए”

हालांकि यहाँ **यह** शब्द एकवचन है, यह उन सभी चर्बी के हिस्सों और आंतरिक अंगों को सन्दर्भित करता है जो 3:3–4 में वर्णित हैं। यदि यह सहायक हो, तो 3:16 की तरह बहुवचन सर्वनाम का उपयोग करने पर विचार करें, या इसे स्पष्ट करें, जैसा कि यू.एस.टी. नमूना प्रदान करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक उन्हें वेदी पर जला देंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 3:11 (#2)

“यह यहोवा के लिये हवन रूपी भोजन ठहरे”

वैकल्पिक अनुवाद: [वह भोजन जो यहोवा को भेंट के रूप में चढ़ाया जाता है] या [यहोवा को दिया गया भोजन के रूप में उपहार]

लैव्यव्यवस्था 3:12 (#1)

“वह बकरा या बकरी चढ़ाए, तो उसे यहोवा के सामने चढ़ाए”

देखें कि आपने 1:2 में समान अभिव्यक्तियों का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 3:12 (#2)

“यहोवा के सामने “

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 3:13 (#1)

“और वह अपना हाथ उसके सिर पर रखे”

देखें कि आपने इस प्रतीकात्मक क्रिया का अनुवाद 1:4 में किस प्रकार किया है।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था3:13 (#2)

“ मिलापवाले तम्बू के आगे”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 3:8 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था3:13 (#3)

“हारून के पुत्र”

देखें कि आपने 1:5 में याजकों के इस वर्णन का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 3:14 (#1)

“तब वह उसमें से अपना चढ़ावा यहोवा के लिये हवन करके चढ़ाए”

वैकल्पिक अनुवाद: [और इससे, वे जो भेंट बलिदान चढ़ाए]

लैव्यव्यवस्था 3:17 (#1)

לְדֹרֹתֵיכֶם בְּכֹל מוֹשְׁבֹתֵיכֶם

“ तुम्हारे निवासों में तुम्हारी पीढ़ी-पीढ़ी के लिये सदा की विधि ठहरेगी”

इस पद में, “तुम्हारा” और “तुम” बहुवचन हैं। यहोवा उन सभी लोगों के बारे में बोल रहे हैं जो बलिदान चढ़ाएंगे, चाहे उनकी आयु या स्थान कोई भी हो। यदि आप अपने अनुवाद में दूसरे पुरुष एकवचन रूप का प्रयोग कर रहे हैं और बहुवचन में बदलना आपकी भाषा में स्वाभाविक न लगे, तो आप यहाँ एकवचन रूप जारी रख सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, यदि आप पूरे अध्याय में तीसरे पुरुष रूपों का प्रयोग कर रहे हैं, तो आप अपनी भाषा में सबसे स्पष्ट रूप का प्रयोग कर सकते हैं।
वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हारी सभी संतान के लिए, जहाँ भी तुम रहते हो]

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 3:17 (#2)

“और लहू

वैकल्पिक अनुवाद: [या किसी भी प्रकार के लहू का सेवन करें]

लैव्यव्यवस्था 4:1 (#1)

לֵאמֹר

“कहा”

जिस शब्द का अनुवाद **कहा** के रूप में किया गया है, वह एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, उन तरीकों पर विचार करें जिनसे आप इस उद्धरण को अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 4:1–2 (#1)

לֵאמֹר׃ דַּבֵּר אֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל לֵאמֹר׳

“कहा, “इस्राएलियों से कह”

मूल भाषा में यहाँ पर “इस्राएलियों की संतानों से कह” वाक्यांश का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं, ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, एक पूर्णविराम के साथ: [उन्होंने मूसा से कहा कि इस्राएल के पुत्रों को बताए]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 4:2 (#1)

בְּנֵי יִשְׂרָאֵל

“इस्राएली”

मूल भाषा में यहाँ पर “इस्राएलियों की संतान” वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी में **इस्राएलियों** शब्द का उपयोग हुआ है। यह अभिव्यक्ति मूसा के समय के इस्राएलियों के बारे में इस तरह से बात करती है मानो वे सच में **इस्राएल के पुत्र** हों। इसका अर्थ है कि वे याकूब के शारीरिक और आत्मिक वंशज हैं, जिनका नाम परमेश्वर ने इस्राएल से बदल दिया। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल के वंशज]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 4:2 (#2)

“कह”

वैकल्पिक अनुवाद: [और उनसे बोल]

लैव्यव्यवस्था 4:2 (#3)

כִּי־תֶחֱטָא בִּשְׁגָגָה֙ מִכֹּ֣ל מִצְוֹ֣ת יְהוָ֔ה אֲשֶׁ֥ר לֹ֖א תֵעָשֶׂ֑ינָה

“यदि कोई” - “उन कामों में से जिनको यहोवा ने मना किया है, किसी काम को भूल से करके पापी हो जाए”

मूल भाषा में यहाँ पर **आज्ञा** शब्द का प्रयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में यहाँ **काम** शब्द आया है। अभिव्यक्ति **मना किया है**, **यहोवा के कुछ कामों** को संदर्भित करती है, अर्थात् उन आज्ञाओं को जो कुछ कार्यों या व्यवहारों को निषिद्ध करती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब वह यहोवा की किसी भी आज्ञा का अनजाने में उल्लंघन करके पाप करता है जो कहती है कि आपको क्या नहीं करना चाहिए]

देखें: सूचना देने बनाम याद दिलाने वाले शब्दों में अंतर करना

लैव्यव्यवस्था 4:2 (#4)

וְעָשָׂ֣ה מֵאַחַ֔ת מֵהֵּנָּֽה

“उन कामों में से” - “किसी काम को... करके”

अभिव्यक्ति **उन कामों में से** यहोवा की आज्ञाओं के समूह में से किसी भी एक आज्ञा को संदर्भित करने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग करती है। यदि आपकी भाषा इस प्रकार से जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग कर सकती है, तो यहाँ एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह उनमें से कोई एक करता है]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 4:3 (#1)

אִ֣ם הַכֹּהֵ֣ן הַמָּשִׁ֗יחַ יֶחֱטָ֤א לְאַשְׁמַת֙ הָעָ֔ם

“यदि अभिषिक्त याजक ऐसा पाप करे, जिससे प्रजा दोषी ठहरे”

अभिव्यक्ति **ऐसा पाप करे, जिससे प्रजा दोषी ठहरे,** यहोवा के खिलाफ उस गलत काम को संदर्भित करती है, जो परिणामस्वरूप किसी न किसी तरीके से लोगों पर सामूहिक दोष को लाता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि अभिषिक्त याजक इस तरह से पाप करता है कि वह लोगों को दोषी बना देता है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 4:3 (#2)

הַכֹּהֵ֣ן הַמָּשִׁ֗יחַ

“अभिषिक्त याजक”

अभिषिक्त याजक महायाजक को संदर्भित करता है, जो याजक वर्ग का सदस्य होता है और जिसे याजक वर्ग का नेतृत्व करने के लिए अभिषिक्त किया गया होता है। यदि आपकी भाषा में एक प्रमुख आत्मिक व्यक्ति को संदर्भित करने का समान तरीका है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वह याजक जिसे यहोवा ने महायाजक होने के लिए अभिषिक्त किया है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 4:3 (#3)

לְאַשְׁמַת֙ הָעָ֔ם

“प्रजा दोषी ठहरे”

भाववाचक संज्ञा **दोष** उस भावनात्मक अनुभव को संदर्भित करती है जिसमें दोषी महसूस करना शामिल होता है और यह कानूनी स्थिति को भी संदर्भित करती है जिसमें गलत कार्य करने और उस गलत कार्य के लिए क्षतिपूर्ति की आवश्यकता होती है। यदि आपकी भाषा में **दोष** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को एक विशेषण के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [ताकि लोग दोषी ठहराए जाएं]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 4:3 (#4)

עַ֣ל חַטָּאת֗וֹ אֲשֶׁ֤ר חָטָא֙

“अपने पाप के कारण”

यहाँ, एक क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल से उत्पन्न होते हैं। वाक्यांश **अपने पाप** वाक्यांश एक क्रिया का अनुवाद करता है जो उस संज्ञा से संबंधित है जिसका अनुवाद **पाप** के रूप में होता है। संबंधित शब्दों की पुनरावृत्ति कथन में जोर जोड़ती है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है और आपकी भाषा में तुलनीय शब्द हैं जिन्हें आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं, तो इस निर्माण का उपयोग करना यहाँ उपयुक्त होगा।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 4:3 (#5)

בֶּן־בָּקָר תְּמִימִם

“एक निर्दोष बछड़ा”

मूलभाषा में यहाँ पर **जानवर का निर्दोष बच्चा** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद ऐसा नहीं करता है। अभिव्यक्ति **बछड़ा** एक पशु का वर्णन करता है जो किसी के आवश्यक गुणों को साझा करता है। यहाँ यह वाक्यांश इस जानवर के बच्चे के रूप में वर्णित करता है क्योंकि यह एक पुरुष पशु है जो पालतू गोवंश वर्ग के आवश्यक गुणों को साझा करता है। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष मुहावरा उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [दोषरहित नर गोवंश]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 4:4 (#1)

“वह उस बछड़े को”

वैकल्पिक अनुवाद: [और अभिषिक्त याजक सांड को लेकर आए]

लैव्यव्यवस्था 4:4 (#2)

לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के सामने”

देखें कि आपने **यहोवा के सामने** अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा की उपस्थिति में] या [मिलाप के तंबू के पवित्र प्रांगण में, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 4:4 (#3)

“उसके सिर पर हाथ रखे”

देखें कि आपने इस प्रतीकात्मक क्रिया का अनुवाद 1:4 में किस प्रकार किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 4:4 (#4)

“और उस बछड़े को यहोवा के सामने बलि करे”

देखें कि आपने 1:5 में समान वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 4:6 (#1)

וְהִזָּה מִן־הַדָּם שֶׁשֶׁבַע פְּעָמִים לִפְנֵי יְהוָה

“लहू में... लेकर”- “यहोवा के सामने सात बार छिड़के”

यहाँ, यहोवा के सामने बछड़े के लहू में से **लहू... छिड़के** का अर्थ है पवित्रस्थान के पर्दे की दिशा में लहू छिड़कना, जो आराधक को परमपवित्र स्थान से अलग करता था, वह स्थान जहाँ यहोवा वाचा के सन्दूक पर करूबों के ऊपर विराजमान थे। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह कुछ लहू को परमपवित्र स्थान की ओर सात बार छिड़के, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 4:6 (#2)

אֶת־פְּנֵי פָּרֹכֶת הַקֹּדֶשׁ

“पवित्र स्थान के” - “पर्दे के आगे”

पर्दे के आगे एक मुहावरा है जिसका अर्थ है पर्दे के सामने का हिस्सा। यदि आपकी भाषा में ऐसा ही कोई मुहावरा है, तो उसका यहाँ प्रयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [पर्दे के सामने का हिस्सा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 4:6 (#3)

הַקֹּדֶשׁ

“पवित्रस्थान”

पवित्रस्थान से, यहोवा का मतलब परमपवित्र स्थान से है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [परमपवित्र स्थान]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 4:7 (#1)

וְנָתַן הַכֹּהֵן מִן־הַדָּם עַל־קַרְנוֹת מִזְבַּח קְטֹרֶת הַסַּמִּים

“और याजक उस लहू में से कुछ और लेकर सुगन्धित धूप की वेदी के सींगों पर... लगाए”

यह एक प्रतीकात्मक क्रिया है। वेदी के किनारों पर लहू लगाने से, याजक अनजाने पाप के कारण पवित्र वेदी से अशुद्धियों को विधिपूर्वक हटा रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो आप इस क्रिया के महत्व को पाठ में या यहाँ और पुस्तक के आगामी उदाहरणों में एक पाद टिप्पणी में समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक को अनजाने पाप से उत्पन्न अशुद्धियों से वेदी को शुद्ध करने के लिए सुगन्धित धूप की वेदी के सींगों पर कुछ लहू लगाना चाहिए]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 4:7 (#2)

מִזְבַּח קְטֹרֶת הַסַּמִּים

“सुगन्धित धूप की वेदी”

लेखक यहाँ **धूप की वेदी** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहा है, जिसकी विशेषता **सुगंध** है। **सुगन्धित धूप की वेदी** उस स्थान को संदर्भित करती है, जहाँ याजक दिन में दो बार सुगंधित धूप जलाते थे। यह उस पर्दे के ठीक सामने स्थित थी जो परमपवित्र स्थान को मिलापवाले तंबू के बाकी भाग से अलग करती थी। इसका विस्तार से वर्णन निर्गमन 30:1–10 में किया गया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [खुशबूदार धूप की वेदी]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 4:7 (#3)

לִפְנֵי יְהוָֹה

“यहोवा के सामने”

क्योंकि इस आयत में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि धूप की वेदी **मिलापवाले तम्बू** के अंदर स्थित है, इसलिए यहाँ **यहोवा के सामने** का अर्थ परमपवित्र स्थान के ठीक सामने है, वह स्थान जहाँ यहोवा वाचा के संदूक पर करूबों के ऊपर विराजमान थे। वैकल्पिक अनुवाद: [परमपवित्र स्थान में यहोवा की उपस्थिति के ठीक सामने]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 4:8 (#1)

יָרִים מִמֶּנּוּ

“वह” - “उससे अलग करे”

मूल भाषा में यहाँ पर **उससे निकाल लेगा** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं हुआ है। अभिव्यक्ति **निकाल लेगा** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है सावधानीपूर्वक हटाना और अलग रखना। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें जो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: [वह उससे काटकर अलग कर देगा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 4:9 (#1)

יְסִירֶנָּה

“वह ऐसे अलग करे”

जैसा कि 3:4, 3:10, और 3:15 में है, बलिदान के पशु से चर्बी निकालने वाला आमतौर पर आराधक होता है, न कि याजक। हालांकि, इस मामले में अभिषिक्त याजक ही बलिदान की भेंट चढ़ाने वाला और बलिदान विधि संपन्न करने वाला है, इसलिए यहाँ सर्वनाम **वह** याजक को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [अभिषिक्त याजक को इसे हटाना चाहिए]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 4:10 (#1)

כַּאֲשֶׁר יוּרַם מִשּׁוֹר זֶבַח הַשְּׁלָמִים

“जैसे मेलबलिवाले चढ़ावे के बछड़े से अलग किए जाते हैं”

मूलभाषा में यहाँ **यह** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं हुआ है। यहाँ, **यह** उस सभी चर्बी को संदर्भित करता है जो 3:3–4 में मेलबलि के बारे में निर्देशों में वर्णित की गई थी। यदि यह उपयोगी होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस प्रकार मेलबलि के बलिदान के बैल से चर्बी निकाली जाती है]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 4:10 (#2)

כַּאֲשֶׁר יוּרַם מִשּׁוֹר זֶבַח הַשְּׁלָמִים

“जैसे मेलबलिवाले चढ़ावे के बछड़े से अलग किए जाते हैं”

लैव्यव्यवस्था के लेखक समकालीन या चल रही क्रिया का वर्णन करने के लिए वर्तमान काल का उपयोग नहीं करते हैं, जैसे कि वह किसी विशेष उदाहरण का उल्लेख कर रहे हो, जहाँ कोई व्यक्ति मेलबलि की तैयारी कर रहा हो। बल्कि, वर्तमान काल का उपयोग लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में पहले वर्णित क्रिया का वर्णन करने और एक काल्पनिक स्थिति को दर्शाने दोनों के लिए किया जा रहा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो ऐसी भाषा चुनें जो स्पष्ट करती हो कि लेखक विशिष्ट भूतकालीन क्रियाओं का उल्लेख नहीं कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [ठीक उसी प्रकार जैसे कि यह मेलबलि के बलिदान के बैल से निकाली जाती है]

देखें: काल के अनियमित उपयोग

लैव्यव्यवस्था 4:10 (#3)

כַּאֲשֶׁר יוּרַם

“जैसे”- “अलग किए जाते हैं”

यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसे कोई चर्बी निकालता है] या, यदि आपने अध्याय 3 में द्वितीय पुरुष रूप का उपयोग किया है, [जैसे आपने चर्बी अलग निकाली]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 4:10 (#4)

וְהִקְטִירָם֙ הַכֹּהֵ֔ן

“और याजक इनको होमबलि की वेदी पर जलाए”

सर्वनाम **इनको,** 4:8–9 में वर्णित चर्बी के सभी टुकड़ों और आंतरिक अंगों को संदर्भित करता है। यदि यह उपयोगी होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक चर्बी के सभी टुकड़ों और आंतरिक अंगों को होमबलि की वेदी पर जलाए]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 4:11 (#1)

וְאֶת־עֹ֥ר הַפָּר֖ וְאֶת־כָּל־בְּשָׂרֹ֑ו עַל־רֹאשׁ֕ו וְעַל־כְּרָעָ֥יו וְקִרְבּ֖ו וּפִרְשֹׁ֑ו

“उस बछड़े की खाल, पाँव, सिर, अंतड़ियाँ, गोबर,”

यह पशु के अंगों की सूची पाठकों को यह बताती है कि 4:12 में “समूचा बछड़ा” अभिव्यक्ति का क्या अर्थ है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। यह दर्शाने के लिए एक वाक्यांश का उपयोग करने पर विचार करें कि यह सूची आयत के विषय का परिचय देती है, जिसे 4:12 में दोहराया जाएगा। वैकल्पिक अनुवाद: [सांड की खाल और उसके सारे माँस से सम्बंधित, उसके सिर और उसके पैर और उसकी अंतड़ियों और उसके गोबर के साथ]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 4:11 (#2)

“उस बछड़े की खाल”

वैकल्पिक अनुवाद: [बछड़े का सारा खाल]

लैव्यव्यवस्था 4:12 (#1)

וְהוֹצִיא

“बाहर” - “ले जाकर”

मूल भाषा में यहाँ पर **वह** सर्वनाम का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। सर्वनाम **वह** उस याजक को संदर्भित नहीं कर सकता जो बलिदान कर रहा है, क्योंकि यह क्रिया याजक को अशुद्ध बना देगी। बल्कि, यह किसी अन्य, अनिर्दिष्ट इस्राएली को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो “एक व्यक्ति” के लिए एक सामान्य शब्द का उपयोग करें, जैसा कि यूएसटी मॉडल में है। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई और बाहर लेकर आए]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 4:12 (#2)

“समूचा बछड़ा”

वैकल्पिक अनुवाद: [सांड के ये सभी टुकड़े]

लैव्यव्यवस्था 4:12 (#3)

אֶל־שֶׁפֶךְ הַדֶּשֶׁן & עַל־שֶׁפֶךְ הַדֶּשֶׁן

“जहाँ राख डाली जाती है वह वहीं जलाया जाए”

मूलभाषा में यहाँ पर **चर्बीयुक्त राख डालने का स्थान** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है जबकि हिंदी में **जहाँ राख डाली जाएगी** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है जो समान अर्थ को संदर्भित करते हैं। **राख डाली जाती है,** “राख डालने के स्थान” के समान है जिसका उल्लेख 1:16 में किया गया है। देखें कि आपने वहाँ समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 4:12 (#4)

יִשָּׂרֵף

“वह... जलाया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई इसे जलाएगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 4:13 (#1)

וְנֶעְלַם דָּבָר מֵעֵינֵי הַקָּהָל

“और वह बात मण्डली की आँखों से छिपी हो”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और सभा को यह अहसास नहीं होता कि उन्होंने पाप किया है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 4:14 (#1)

וְנוֹדְעָה הַחַטָּאת אֲשֶׁר חָטְאוּ עָלֶיהָ

“जब उनका किया हुआ पाप प्रगट हो जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और फिर उन्हें उस विषय में अपने किए गए पाप का एहसास होता है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 4:14 (#2)

“उनका किया हुआ पाप”

देखें कि आपने 4:3 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 4:14 (#3)

עָלֶיהָ

(इसके संबंध में)

मूल भाषा में यहाँ पर **इसके संबंध में** लिखा हुआ है जो यहोवा की आज्ञा को दर्शाता है जबकि हिंदी में यह उल्लेखित नहीं है। सर्वनाम **इसके** यहोवा की आज्ञाओं का उल्लेख करता है जो 4:13 में उल्लेखित हैं। यदि यह उपयोगी होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा की आज्ञाओं के संबंध में]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 4:14 (#4)

“बछड़े”

मूलभाषा में यहाँ पर **सांड, मवेशी बछड़ा** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में केवल **बछड़े** शब्द का उपयोग किया गया है। देखें कि आपने 4:3 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 4:14 (#5)

“मिलापवाले तम्बू के आगे”

देखें कि आपने 3:8 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 4:15 (#1)

“और मण्डली के वृद्ध लोग अपने-अपने हाथों को... बछड़े के सिर पर रखें”

देखें कि आपने इस प्रतीकात्मक क्रिया का अनुवाद 1:4 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 4:15 (#2)

לִפְנֵי יְהוָה & לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के आगे और यहोवा के सामने”

देखें कि आपने 1:5 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा की उपस्थिति में ... यहोवा की उपस्थिति में] या [मिलापवाले तंबू के पवित्र परिसर में, जहाँ यहोवा है ... मिलापवाले तंबू के पवित्र परिसर में, जहाँ यहोवा है]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 4:15 (#3)

"बछड़ा... बलि किया जाए"

वैकल्पिक अनुवाद: [और मण्डली के वृद्ध लोगों में से एक बैल का वध करे]

लैव्यव्यवस्था 4:17 (#1)

"और याजक... पर्दे के आगे सात बार यहोवा के सामने छिड़के"

मूलभाषा में यहाँ पर सर्वनाम **वह** का प्रयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **याजक** शब्द का प्रयोग हुआ है। देखें कि आपने इन अभिव्यक्तियों का अनुवाद 4:6 में किस प्रकार किया है।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 4:18 (#1)

יִשְׁפֹּךְ & יִתֵּן

"लगाए और उण्डेल दे"

मूलभाषा में यहाँ पर सर्वनाम **वह** का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। यहाँ और 4:18–20 पदों में, सर्वनाम **वह** याजक को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [याजक लगाए ... याजक उण्डेलें]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 4:18 (#2)

הַמִּזְבֵּחַ אֲשֶׁר׳ לִפְנֵי יְהוָֹה אֲשֶׁר בְּאֹהֶל מוֹעֵד

"वेदी... जो यहोवा के आगे मिलापवाले तम्बू में है"

यह **वेदी जो यहोवा के आगे, मिलापवाले तंबू में है**, 4:7में वर्णित "सुगन्धित धूप की वेदी" के समान है। देखें कि आपने वहाँ इन अभिव्यक्तियों का अनुवाद कैसे किया। वाक्यांश **जो मिलापवाले तंबू में है** यह बताता है कि वेदी कहाँ है। यह इसे **यहोवा के आगे** की किसी अन्य वेदी से अलग नहीं करता।

देखें: सूचना देने बनाम याद दिलाने वाले शब्दों में अंतर करना

लैव्यव्यवस्था 4:18 (#3)

"सब लहू"

वैकल्पिक अनुवाद: [और बैल का बाकी का खून]

लैव्यव्यवस्था 4:19 (#1)

וְאֵאֵת כָּל־חֶלְבּוֹ

"कुल चर्बी"

अभिव्यक्ति **कुल चर्बी** का उल्लेख बैल की चर्बी और आंतरिक अंगों के हिस्सों के रूप में किया गया है जैसा कि 4:8–9 में वर्णित है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और बैल की सारी चर्बी, जिसमें आंतों को ढकने वाली चर्बी, आंतों पर मौजूद सारी चर्बी, दोनों गुर्दे, उन पर मौजूद चर्बी जो कमर के पास है, और यकृत का अंश शामिल है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 4:19 (#2)

"वह... निकालकर"

देखें कि आपने 4:8 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 4:19 (#3)

יָרִים מִמֶּנּוּ

"वह... निकालकर"

यहाँ, **वह** याजक को संदर्भित करता है, न कि आराधक को। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो संदर्भ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [याजक इसे अलग करे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 4:20 (#1)

וְעָשָׂה לַפָּר כַּאֲשֶׁר עָשָׂה׳ לְפַר הַחַטָּאת כֵּכֵן יַעֲשֶׂה־לּוֹ

"जैसे पापबलि के बछड़े से किया था वैसे ही इससे भी करे; इस भाँति याजक... करे"

इन दोनों वाक्यांशों का मूल अर्थ एक ही है। दूसरा वाक्यांश पहले वाक्यांश के अर्थ को अलग शब्दों में दोहराकर उस पर ज़ोर देता है। यदि आपकी भाषा में ज़ोर देने के लिए वाक्यांशों को दोहराया जा सकता है, तो अनुवाद में इस प्रकार का प्रयोग करना उचित होगा। यदि नहीं, तो वाक्यांशों को संयोजित करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसे इस सांड के साथ ठीक वही करना चाहिए जो उसने पापबलि के सांड के साथ किया था।]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 4:20 (#2)

"जैसे पापबलि के बछड़े से किया था वैसे ही इससे भी करे"

वैकल्पिक अनुवाद: [और वह सांड तैयार करेगा ... उसने सांड तैयार किया ... इसी प्रकार वह इसे भी तैयार करेगा]

लैव्यव्यवस्था 4:20 (#3)

כַּאֲשֶׁר עָשָׂה׳ לְפַר הַחַטָּאת

"जैसे पापबलि के बछड़े से किया था"

क्योंकि यह अभिषिक्त याजक ही था, जिसने शुद्धिकरण के सांड को तैयार किया था, जैसा कि 4:3–12 में वर्णित है। इस मामले में, शब्द **वह** अभिषिक्त याजक को संदर्भित करता है, न कि "मण्डली के वृद्धों" के उस सदस्य को जो इस पद में अन्य क्रियाओं का कर्ता है। यदि आपकी

भाषा में यह उपयोगी हो, तो यहाँ विषय को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसा कि अभिषिक्त याजक ने पाप बलि के सांड के साथ किया जो उसने अपने अनजाने पाप के कारण चढ़ाया]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 4:20 (#4)

כַּאֲשֶׁר עָשָׂה לְּפַר הַחַטָּאת

“जैसे पापबलि के बछड़े से किया था”

यहाँ, लैव्यव्यवस्था का लेखक पिछले कार्य का वर्णन करने के लिए भूतकाल का उपयोग नहीं करता है, जैसे कि वह यहाँ किसी विशेष पूर्व उदाहरण का उल्लेख कर रहा हो, जहाँ व्यक्ति ने मेलबलि तैयार किया हो। बल्कि, भूतकाल का प्रयोग, पहले लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में वर्णित कार्य का वर्णन करने और एक काल्पनिक स्थिति को चित्रित करने के लिए किया जा रहा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो ऐसी भाषा का चयन करें जो स्पष्ट रूप से दर्शाती हो कि लेखक विशेष पिछले कार्यों का उल्लेख नहीं कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसे कि कोई पापबलि के सांड के साथ कर सकता है]

देखें: काल के अनियमित उपयोग

लैव्यव्यवस्था 4:20 (#5)

וְכִפֶּר עֲלֵהֶם הַכֹּהֵן

“याजक इस्राएलियों के लिये प्रायश्चित करे”

मूलभाषा में यहाँ पर सर्वनाम **उनके** का प्रयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **इस्राएलियों** शब्द का प्रयोग हुआ है और दोनों का समान अर्थ है। शब्द जिसका अनुवाद **प्रायश्चित** के रूप में किया गया है, मूल रूप से पाप के “ढकने” या “मिटाने” का संकेत दे सकता है। किसी भी तरह, लैव्यव्यवस्था के समय तक यह संकेत देता था कि बलिदान को आराधक और यहोवा के बीच के संबंध को पुनर्स्थापित करने के लिए स्वीकार किया जाएगा, जो पाप द्वारा क्षतिग्रस्त या अपवित्र हो गया था। अपनी भाषा में इस विचार को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने वाले किसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें। देखें कि आपने 1:4 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक वह बलिदान चढ़ाएगा जिसे यहोवा लोगों की ओर से स्वीकार करेंगे और उन्हें अपने साथ संबंध में पुनः स्थापित करेंगे।]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 4:20 (#6)

וְנִסְלַח לָהֶם

“उनका पाप क्षमा किया जाएगा”

मूलभाषा में यहाँ पर सर्वनाम **यह** का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। यहाँ सर्वनाम **यह** उस अनजाने पाप को संदर्भित करता है जो समुदाय ने किया था, जिसने पाप की अशुद्धि को उत्पन्न किया, और इसके परिणामस्वरूप पाप बलिदान द्वारा प्रदान की गई शुद्धिकरण की आवश्यकता उत्पन्न हुई। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और समुदाय का अनजाना पाप क्षमा किया जाएगा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 4:20 (#7)

וְנִסְלַח לָהֶם

“उनका पाप क्षमा किया जाएगा”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यहोवा समुदाय को उनके पापों के लिए क्षमा करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 4:21 (#1)

וְהוֹצִיא אֶת־הַפָּר

“और वह बछड़े को... बाहर ले जाकर”

जैसा कि 4:12 में है, सर्वनाम **वह** बलिदान करने वाले याजक को संदर्भ नहीं कर सकता, क्योंकि यह कार्य याजक को अशुद्ध कर देगा। बल्कि, यह किसी अन्य, अनिर्दिष्ट इस्राएली का संदर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो किसी व्यक्ति के लिए एक सामान्य शब्द का उपयोग करें, जैसा कि यूएसटी मॉडल करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक अन्य व्यक्ति सांड के शेष भाग को बाहर ले जाएगा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 4:21 (#2)

אֶת־הַפָּר

“बछड़े”

क्योंकि 4:20 समुदाय को उसी प्रकार से सांड तैयार करने का निर्देश देता है जैसे महायाजक ने अपने पापबलि के लिए सांड तैयार किया था (4:8–10में), यहाँ **सांड** का अर्थ, सांड के उन टुकड़ों से है जिन्हें वेदी पर नहीं जलाया जाता, जैसा कि 4:11 में सूचीबद्ध है। यदि यह उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [सांड की खाल और उसका सारा माँस, उसके सिर के साथ और उसके पैरों के साथ और उसकी अंतड़ियों और उसके गोबर के साथ]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 4:23 (#1)

חַטָּאתֹו אֲשֶׁר חָטָא בָּהּ

“उसका पाप उस पर”

मूलभाषा में **उसका वह पाप जो उसने किया है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **उसका पाप उस पर** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। अभिव्यक्ति **उसका पाप उस पर** जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग करती है। यदि आपकी भाषा इस प्रकार जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग कर सकती है, तो यहाँ एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वह पाप जो उसने किया]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 4:23 (#2)

אֹו־הוֹדַע אֵלָיו חַטָּאתֹו אֲשֶׁר חָטָא בָּהּ

“और उसका पाप उस पर प्रगट हो जाए”

मूलभाषा में **या उसका वह पाप जो उसने किया है, जब उसे ज्ञात हो जाए** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **उसका पाप उस पर प्रगट हो जाए** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [या वह उस पाप के बारे में जान ले जो उसने किया है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 4:23 (#3)

שְׂעִיר עִזִּים

“बकरा”

मूलभाषा में यहाँ पर **बकरियों में से नर** वाक्यांश का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में **बकरा** शब्द का उपयोग हुआ है। अभिव्यक्ति **बकरियों में से नर** एक वयस्क बकरे को संदर्भित करती है जो जानवरों की उस श्रेणी से संबंधित है जिसे बकरियाँ भी कहा जाता है। यदि आपकी भाषा में बकरा के लिए एक विशिष्ट शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें, या एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक परिपक्व बकरा]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 4:23 (#4)

עִזִּים

“बकरा”

मूल भाषा में अभिव्यक्ति **बकरियाँ** उपयोग किया गया है जो किसी विशेष जानवरों के समूह का उल्लेख नहीं करती हैं। बल्कि, यह उन बकरियों का उल्लेख करती है जो किसी इस्राएली के पास हो सकती हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी बकरी जो उसके पास हो या जिसे वह खरीद सकता है]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 4:24 (#1)

“और बकरे के सिर पर अपना हाथ रखे”

देखें कि आपने इस प्रतीकात्मक क्रिया का अनुवाद 1:4 में कैसे किया है।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 4:24 (#2)

“यहोवा के आगे”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 4:26 (#1)

וְאֶת־כָּל־חֶלְבּוֹ

“उसकी कुल चर्बी”

वाक्यांश **उसकी कुल चर्बी,** बकरी के चर्बी वाले हिस्सों को संदर्भित करता है जैसा कि 3:14–15 में मेलबलि के लिए नियमों में वर्णित है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और बकरी की सारी चर्बी, जिसमें अंतड़ियों को ढकने वाली चर्बी, अंतड़ियों पर मौजूद सारी चर्बी, दोनों गुर्दे, कमर के पास उन पर मौजूद चर्बी और यकृत पर का अंश शामिल है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 4:26 (#2)

כְּחֵלֶב זֶבַח הַשְּׁלָמִים

“मेलबलि की चर्बी के समान”

अभिव्यक्ति **मेलबलि की चर्बी के समान** कुछ शब्दों को छोड़ देती है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप वाक्य के पहले भाग से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, बिना पूर्ववर्ती अल्पविराम के: [जैसा उसने मेलबलि की चर्बी के साथ किया]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 4:26 (#3)

“और याजक उसके पाप के विषय में प्रायश्चित करे”

देखें कि आपने 4:20 में इसी प्रकार की अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। देखें कि आपने 1:4 में **प्रायश्चित** शब्द को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 4:26 (#4)

וְנִסְלַח לוֹ

“वह क्षमा किया जाएगा”

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यहोवा उन्हें क्षमा करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 4:27 (#1)

“यदि साधारण लोगों में से”

मूल भाषा में यहाँ पर **उस देश के लोगों में से** वाक्यांश का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में **साधारण लोगों में से** वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, दोनों ही वाक्यांश यहाँ पर देश के निवासियों को संदर्भित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल देश में रहने वाले आम लोगों में से]

लैव्यव्यवस्था 4:27 (#2)

בַּבַּעֲשֹׂתָה אַחַת מִמִּצְוֹת יְהוָה אֲשֶׁר לֹא־תֵעָשֶׂינָה

“कोई ऐसा काम जिसे यहोवा ने मना किया हो, करके”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से

व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा ने लोगों को जो करने से मना किया था, उसे करके]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 4:28 (#1)

חַטָּאתוֹ אֲשֶׁר חָטָא & עַל־חַטָּאתוֹ אֲשֶׁר חָטָא

"तो वह उस पाप के कारण एक"

मूलभाषा में यहाँ पर **उसका वह पाप जो उसने किया और उस पाप के कारण जो उसने किया** वाक्य का उपयोग किया गया है जो हिंदी अनुवाद में नहीं पाया जाता है। जिसमें शब्दों को दोहराया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद ऐसा नहीं करता है। यहाँ, जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा रहा है। देखें कि आपने 4:23 में इसी वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 4:28 (#2)

הוֹדַע אֵלָיו חַטָּאתוֹ אֲשֶׁר חָטָא

"वह उस पाप के कारण"

मूलभाषा में **उसका वह पाप उस पर प्रगट हो जाए** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **उस पाप के कारण** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह उस पाप को जान जाता है जो उसने किया है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 4:28 (#3)

שְׂעִירַת עִזִּים

"एक निर्दोष बकरी बलिदान"

मूलभाषा में यहाँ पर **बकरियों में से एक मादा बकरी** वाक्यांश का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में सिर्फ **बकरी** शब्द का उपयोग किया गया है।अभिव्यक्ति **बकरियों में से एक मादा बकरी** एक वयस्क मादा बकरी को संदर्भित करती है, जो जानवरों की बकरियों की श्रेणी से संबंधित है। यदि आपकी भाषा में ऐसी मादा बकरी के लिए एक विशिष्ट शब्द है, तो उसे यहाँ पर उपयोग करें, या एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक परिपक्व मादा बकरी] या [एक मादा बकरी]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 4:31 (#1)

יָסִיר

"वह" - "अलग करे"

जैसा कि 4:20 में है, यहाँ, **वह** उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो बलिदान चढ़ाता है, न कि याजक को। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति जो पापबलि चढ़ाता है, उसे निकालेगा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 4:31 (#2)

כַּאֲשֶׁר הוּסַר חֵלֶב

"चर्बी के समान अलग करे"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसे कोई व्यक्ति चर्बी निकालता है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 4:31 (#3)

כַּאֲשֶׁר הוּסַר חֵלֶב מֵעַל זֶבַח הַשְּׁלָמִים

"मेलबलि पशु की चर्बी के समान अलग करे"

जैसा कि 4:10 में है, लैव्यव्यवस्था का लेखक यहाँ वर्तमान काल का उपयोग समकालीन या चल रही क्रिया का वर्णन करने के लिए नहीं करता है, जैसे कि वह यहाँ किसी विशेष उदाहरण का उल्लेख कर रहा हो, जहाँ कोई व्यक्ति मेलबलि की तैयारी कर रहा हो। दरअसल, वर्तमान काल का प्रयोग लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में पहले वर्णित एक क्रिया का वर्णन करने और एक काल्पनिक स्थिति को दर्शाने के लिए किया जा रहा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो ऐसी भाषा चुनें जो यह स्पष्ट करे कि लेखक विशेष अतीत की क्रियाओं का उल्लेख नहीं कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [उसी प्रकार जैसे कि मेलबलि के बलिदान से चर्बी हटाई जाती है]

देखें: काल के अनियमित उपयोग

लैव्यव्यवस्था 4:31 (#4)

"और...याजक उसके लिए प्रायश्चित करे"

देखें कि आपने 1:4 और 4:20 में एक भाववाचक संज्ञा से संबंधित इस अभिव्यक्ति का प्रयोग कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 4:31 (#5)

וְנִסְלַח לוֹ

"उसे क्षमा मिलेगी"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यहोवा उसके पापों को क्षमा करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 4:33 (#1)

"और वह अपना हाथ पापबलि पशु के सिर पर रखे"

देखें कि आपने इस प्रतीकात्मक क्रिया का अनुवाद 1:4 में किस प्रकार किया है।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 4:34 (#1)

אֶל־יְסוֹד הַמִּזְבֵּחַ

“वेदी के पाए पर”

यद्यपि स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है, फिर भी यह संभव है कि यहाँ जिस **वेदी** का उल्लेख किया गया है, वह वही **होमबलि की वेदी** है जिसका ज़िक्र इस आयत में किया गया है, और यह वही स्थान है जहाँ बलि दिए गए पशु का **लहू** बहाया जाता है, जैसा कि आयत 4:7, 4:18, 4:25, और 4:30 में भी समान उल्लेख हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो वेदी की पहचान को स्पष्ट करें, या यूएसटी मॉडल की तरह किसी पहचान कराने वाले विशेषण का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [होमबलि की वेदी के आधार की ओर]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 4:35 (#1)

וְאֶת־כָּל־חֶלְבָּבָה

“और उसकी सब चर्बी”

जैसा कि 4:26 और 4:31 में है, वाक्यांश **उसकी सब चर्बी** का अर्थ, मेम्ने के चर्बी वाले उन हिस्सों से है, जिनका वर्णन 3:9–10 में मेलबलि के नियमों में किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और मेम्ने की सारी चर्बी, जिसमें पूरी चर्बीदार पूंछ, अंतड़ियों को ढकने वाली चर्बी, अंतड़ियों पर मौजूद सारी चर्बी, दोनों गुर्दे, उन पर मौजूद चर्बी जो कमर के पास है, और यकृत पर लोब शामिल है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 4:35 (#2)

יָסִיר

“वह” - “अलग करे”

जैसा कि 4:31 में है, यहाँ सर्वनाम **वह** उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो बलिदान चढ़ाता है, न कि याजक को। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जो व्यक्ति पापबलि चढ़ाता है, वही उसे निकालेगा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 4:35 (#3)

כַּאֲשֶׁר יוּסַר חֵלֶב־הַכֶּשֶׂב מִזֶּבַח הַשְּׁלָמִים׃

“मेलबलि मेम्ने की चर्बी के समान अलग करे”

जैसा कि 4:10 में है, लैव्यव्यवस्था का लेखक यहाँ वर्तमान काल का उपयोग समकालीन या चल रही क्रिया का वर्णन करने के लिए नहीं करता है, जैसे कि वह यहाँ किसी विशेष उदाहरण का उल्लेख कर रहा हो, जहाँ कोई व्यक्ति मेलबलि की तैयारी कर रहा हो। दरअसल, वर्तमान काल का प्रयोग लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में पहले वर्णित एक क्रिया का वर्णन करने और एक काल्पनिक स्थिति को दर्शाने के लिए किया जा रहा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो ऐसी भाषा चुनें जो यह स्पष्ट कर दे कि लेखक विशेष अतीत की क्रियाओं का उल्लेख नहीं कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [उसी प्रकार जैसे मेलबलि के मेम्ने से चर्बी निकाली जाती है]

देखें: काल के अनियमित उपयोग

लैव्यव्यवस्था 4:35 (#4)

כַּאֲשֶׁר יוּסַר חֵלֶב־הַכֶּשֶׂב מִזֶּבַח הַשְּׁלָמִים׃

“मेलबलिवाले मेम्ने की चर्बी के समान अलग करना”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस प्रकार एक व्यक्ति मेलबलि के लिए एक मेम्ने देता है और उस मेम्ने की चर्बी निकालता है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 4:35 (#5)

“यहोवा के हवनों के ऊपर”

देखें कि आपने 2:3 और 2:10 में समान स्वामित्व वाली अभिव्यक्तियों का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [उन बलिदानों पर, जो लोग भेंट के रूप में यहोवा को चढ़ाते हैं]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 4:35 (#6)

“और इस प्रकार याजक उसके पाप के लिए प्रायश्चित करे”

देखें कि आपने 1:4 में एक भाववाचक संज्ञा से संबंधित इस अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 4:35 (#7)

וְנִסְלַח לוֹ

“और वह क्षमा किया जाएगा”

यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यहोवा उस व्यक्ति के पाप को क्षमा करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 5:1 (#1)

קוֹל אָלָה

“शपथ खिलाकर पूछने पर भी”

शपथ खिलाकर पूछना एक शैली है जिसका अर्थ किसी अपराध के गवाह को सार्वजनिक रूप से आगे आने के लिए आमंत्रित करना है। इस आह्वान में उस व्यक्ति पर श्राप शामिल होता है जो अपराध का साक्षी था लेकिन उसके बारे में गवाही देने से इनकार करता है। (नीतिवचन 29:24 में समानांतर पाठ देखें) वैकल्पिक अनुवाद: [किसी अपराध के बारे में जो कुछ वह जानता है, उसकी शपथ लेने के लिए गवाह को आमंत्रित करना]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 5:1 (#2)

וְנָשָׂא עֲוֹנוֹ

“तो उसको अपने अधर्म का भार उठाना पड़ेगा”

अभिव्यक्ति **तो उसको अपने अधर्म का भार उठाना पड़ेगा** का अर्थ है किसी व्यक्ति द्वारा जाने-अनजाने में किए गए गलत कार्यों से उत्पन्न दोष के लिए प्रायश्चित के लिए जिम्मेदार होना। यदि आपकी भाषा में ऐसा कोई मुहावरा है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उसे दोषबलि चढ़ानी होगी]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 5:2 (#1)

טָמֵא & טָמֵא & טָמֵאָה & טָמֵאָה & טָמֵא

“अशुद्ध.. अशुद्ध.. अशुद्ध... अशुद्ध”

किसी वस्तु या शरीर का **अशुद्ध** होना इस बात का संकेत है कि उसने मृत्यु के निकट होने के कारण अशुद्धता प्राप्त कर ली है। प्राचीन इस्राएल में, इस अशुद्धता को उस पवित्र स्थान को प्रदूषित करने वाला माना जाता था, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते थे और यह उन पवित्र वस्तुओं को अपवित्र कर सकता था जो उनके लिए समर्पित थीं। इसलिए, किसी भी अशुद्ध या अपवित्र वस्तु को पवित्र स्थान में प्रवेश करने या किसी शुद्ध या पवित्र वस्तु को छूने की अनुमति नहीं थी। यदि आपकी भाषा में ऐसा कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य शब्द का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [प्रदूषित ... प्रदूषित ... प्रदूषित ... प्रदूषित ... स्वयं प्रदूषित है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:2 (#2)

בְּנִבְלַת חַיָּה טְמֵאָה

“अशुद्ध रेंगनेवाले जीव-जन्तु की लोथ”

अभिव्यक्ति **अशुद्ध रेंगनेवाले जीव-जन्तु की लोथ** किसी विशेष पशु के शरीर का उल्लेख नहीं करती है। बल्कि, यह किसी भी जंगली पशु के शव का वर्णन करती है जिससे एक इस्राएली का सामना हो सकता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी जंगली पशु का शव]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 5:2 (#3)

בְּנִבְלַתּ בְּהֵמָה טְמֵאָה

“अशुद्ध घरेलु पशु... की लोथ”

अभिव्यक्ति **अशुद्ध घरेलु पशु... की लोथ** किसी विशेष पशु के शरीर का उल्लेख नहीं करती है। बल्कि, यह किसी भी पालतू पशु के शव का वर्णन करती है जो किसी भी इस्राएली के पास हो सकता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी पालतू पशु का अशुद्ध शव]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 5:2 (#4)

בְּנִבְלַת שֶׁרֶץ טָמֵא

“अशुद्ध रेंगनेवाले जीव-जन्तु की लोथ”

अभिव्यक्ति **अशुद्ध रेंगनेवाले जीव-जन्तु की लोथ** किसी विशेष पशु का उल्लेख नहीं करती है। बल्कि, यह किसी भी ऐसे पशु के शव का वर्णन करती है जो जमीन पर रेंगता है, जिसमें पंख वाले, झुंड में रहने वाले कीड़े, छछूँदर, चूहें और छिपकलियाँ शामिल हैं। (इन पशुओं की पूरी सूची के लिए 11:20–23 और 11:24–29 देखें।) इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी अशुद्ध पशु का शव जो जमीन पर रेंगता है या झुंड में रहता है]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 5:2 (#5)

וְנֶעְלַם מִמֶּנּוּ

“अज्ञानता से”

मूलभाषा में यहाँ पर **उससे अनजान या छिपा हुआ** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **अज्ञानता से** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है और ये दोनों ही समान अर्थ को प्रकट करते हैं। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसे यह एहसास नहीं होता कि उसने कुछ अशुद्ध को छुआ है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 5:2 (#6)

וְנֶעְלַם מִמֶּנּוּ וְהוּא טָמֵא וְאָשֵׁם

“अज्ञानता से” - “तो वह अशुद्ध होकर दोषी ठहरेगा”

लैव्यव्यवस्था का लेखक कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो तो आप इन शब्दों की पूर्ति पद 3 और 4 से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यह उससे छिपा है, जब उसे पता चलता है, तब वह अशुद्ध होता है और वह दोषी होगा]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 5:2 (#7)

וְאָשֵׁם

“तो वह... दोषी ठहरेगा”

यहाँ, **दोषी** होने का अर्थ है न केवल आंतरिक रूप से गलत करने का अनुभव करना, बल्कि कानूनी रूप से भी उस स्थिति में प्रवेश करना, जहाँ गलत कार्यों के लिए प्रायश्चित करना आवश्यक हो जाता है, चाहे वह जानबूझकर हो या अनजाने में। जैसा कि अध्याय की प्रस्तावना में चर्चा की गई है, इस प्रकार के दोष के परिणामस्वरूप दोषबलि की आवश्यकता होती थी, जिसके द्वारा व्यक्ति स्वयं के लिए प्रायश्चित करता था और अपने गलत कार्यों से पवित्र स्थान में लाई गई अशुद्धि के लिए क्षतिपूर्ति करता था। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसे अपने गलत कार्यों के लिए प्रायश्चित करना आवश्यक होगा]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:3 (#1)

אוֹ כִֽי יִגַּע֙ בְּטֻמְאַ֣ת אָדָ֔ם

“अथवा यदि कोई मनुष्य किसी अशुद्ध वस्तु को... छू ले”

मूलभाषा में यहाँ पर **यदि वह किसी मनुष्य की अशुद्धता को छू ले** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **यदि कोई मनुष्य किसी अशुद्ध वस्तु को छू ले** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यदि आपकी भाषा में **अशुद्ध** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [या यदि वह किसी अन्य मानव शरीर को इस तरह छू ले कि वह स्वयं अशुद्ध हो जाए]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 5:3 (#2)

בְּטֻמְאַ֣ת אָדָ֔ם

“किसी अशुद्ध वस्तु को”

यहाँ मूल भाषा में **मनुष्य की अशुद्धता** उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में **किसी अशुद्ध वस्तु** उपयोग किया गया है। अभिव्यक्ति **किसी अशुद्ध वस्तु को** स्वामित्व रूप का उपयोग करती है ताकि उस अशुद्धता का उल्लेख किया जा सके जो एक मानवीय स्रोत से प्राप्त होती है। वैकल्पिक अनुवाद: [वह अशुद्धता जो एक मनुष्य से आती है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 5:3 (#3)

לְכֹ֖ל טֻמְאָתֹ֑ו אֲשֶׁ֥ר יִטְמָ֖א בָּֽהּ׃

“चाहे वह अशुद्ध वस्तु किसी भी प्रकार की क्यों न हो जिससे लोग अशुद्ध हो जाते हैं”

यहाँ क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल शब्द से आते हैं। वाक्यांश **अशुद्ध हो जाते हैं** एक क्रिया का अनुवाद करता है जो उस संज्ञा से संबंधित है जिसका अनुवाद **अशुद्धता** के रूप में किया गया है। संबंधित शब्दों की पुनरावृत्ति कथन पर जोर देती है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति की जा सकती है और आपकी भाषा में तुलनीय शब्द हैं जिन्हें आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं, तो यहाँ अपने अनुवाद में उस संरचना का उपयोग करना उपयुक्त होगा।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 5:3 (#4)

“अशुद्ध वस्तु किसी भी प्रकार की क्यों न हो जिससे लोग अशुद्ध हो जाते हैं”

वैकल्पिक अनुवाद: [उन सभी पापों के संदर्भ में जो कोई व्यक्ति करता है]

लैव्यव्यवस्था 5:3 (#5)

לְכֹ֖ל טֻמְאָתֹ֑ו

“अशुद्ध वस्तु किसी भी प्रकार की क्यों न हो”

मूलभाषा में यहाँ **उसकी सारी अशुद्धता के बारे में** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं हुआ है। सर्वनाम **उसकी** पद में पहले उल्लेखित **पुरुष** को संदर्भित करता है, जो कि पुल्लिंग होते हुए भी, एक सामान्य अर्थ रखता है और किसी भी मनुष्य को संदर्भित करता है, चाहे वह जीवित हों या मृत। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी मनुष्य से आने वाली अशुद्धता के संबंध में, चाहे वह जीवित हो या मृत]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 5:3 (#6)

וְנֶעְלַ֥ם מִמֶּ֖נּוּ

“अज्ञानता से”

मूलभाषा में यहाँ **उससे छिपी हुई** वाक्यांश का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में **अज्ञानता से** वाक्यांश का उपयोग हुआ है और ये दोनों ही समान अर्थ को प्रकट करते हैं। यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसे इसका एहसास नहीं होता है] या [और वह इसके बारे में नहीं जानता है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 5:4 (#1)

נֶ֚פֶשׁ כִּֽי־תִשְׁבַּ֣ע לְבַטֵּ֔א בְּשִׂפְתַ֖יִם לְהָרַ֑ע ׀ אֹו֙ לְהֵיטִ֔יב

“यदि कोई बुरा या भला करने को बिना सोचे समझे शपथ खाए”

यहाँ, **यदि कोई बुरा या भला करने को बिना सोचे समझे शपथ खाए** का अर्थ है कि व्यक्ति **शपथ** लेने के बाद या तो उसे पूरा नहीं कर पाता या वह उसे पूरा करने का निर्णय नहीं लेता। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई व्यक्ति जल्दबाजी में शपथ लेता है, बिना इस इरादे के कि वह अपने वादे को पूरा करेगा, चाहे वह बुराई करने का हो या भलाई करने का]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:4 (#2)

לְבַטֵּ֔א בְּשִׂפְתַ֖יִם

“बिना सोचे-विचारे शपथ खाकर कहे”

मूलभाषा में यहाँ **दोनों होठों से बिना सोचे-समझे बोले** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी में **बिना सोच विचारे शपथ खाकर कहे** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ **दोनों होंठों से** उन शब्दों को संदर्भित करता है जो व्यक्ति अपने होंठों से बोलता है। वैकल्पिक अनुवाद: [अपने शब्दों से जल्दबाजी में बोलकर]

देखें: उपलक्षण अलंकार

लैव्यव्यवस्था 5:4 (#3)

לְ֣כֹל אֲשֶׁ֣ר יְבַטֵּ֣א הָאָדָ֗ם בִּשְׁבֻעָ֤ה

“कोई... किसी प्रकार की बात वह बिना सोचे-विचारे शपथ खाकर कहे”

मूलभाषा में यहाँ **मनुष्य** शब्द आया है, जबकि हिंदी अनुवाद में **कोई** सर्वनाम का प्रयोग किया गया है। हालांकि शब्द **मनुष्य** पुल्लिंग है, इसका एक सामान्य अर्थ है जो किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करता

है जो शपथ लेते समय जल्दबाजी में बोलता है। यदि आपकी भाषा में किसी व्यक्ति के लिए एक सामान्य शब्द है जो व्याकरणिक रूप से स्त्रीलिंग है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें, या एक सामान्य संज्ञा का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [शपथ लेते वक़्त व्यक्ति द्वारा जल्दबाजी में कही गई हर बात]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 5:4 (#4)

וְנֶעְלַם מִמֶּנּוּ

“और यह उससे छिपी हुई हो”

मूलभाषा में यह वाक्यांश आया है लेकिन हिंदी अनुवाद में इस प्रकार के वाक्यांश का उपयोग नहीं किया गया है। यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसे इसका एहसास नहीं है] या [और वह इसके बारे में जानता नहीं है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 5:4 (#5)

לְאַחַת מֵאֵלֶּה

“किसी प्रकार की बात”

लेखक यह मानता है कि उसके पाठक समझेंगे कि वाक्यांश **किसी प्रकार की बात** अनजाने में पाप करने के तरीकों को संदर्भित करता है, जैसा कि 5:1–4 में वर्णित है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [शपथ लेते समय बिना सोचे समझे बोलने के कारण, चाहे बुराई करने के लिए हो या भलाई करने के लिए]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:5 (#1)

וְהִתְוַדָּה אֲשֶׁר חָטָא עָלֶיהָ

“जिस विषय में उसने पाप किया हो वह उसको मान ले”

जैसा कि 4:14 में है, वाक्यांश **जिस विषय में** यहोवा की आज्ञाओं का उल्लेख करता है जो 4:13 में उल्लेखित है। यदि यह उपयोगी होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर वह स्वीकार करेगा कि उसने यहोवा की आज्ञाओं के विषय में पाप किया है]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 5:6 (#1)

וְהֵבִיא אֶת־אֲשָׁמוֹ לַיהוָה

“और वह यहोवा के सामने अपना दोषबलि ले आए”

यहाँ, **अपना दोषबलि,** दोष की कानूनी स्थिति को नहीं दर्शाता है, जैसा कि 5:2–5 में बताया गया है। बल्कि, यह उस व्यक्ति के दोष के लिए आवश्यक दंड का उल्लेख करता है, अर्थात् वह पशुबलि जो उस व्यक्ति के अनजाने में किए गए पाप के कारण दोष के लिए प्रायश्चित प्रदान करेगा। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह यहोवा को आवश्यक बलिदान चढ़ाए]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:6 (#2)

וְהֵבִיא אֶת־אֲשָׁמוֹ לַיהוָה

“और वह यहोवा के सामने अपना दोषबलि ले आए”

यहाँ लैव्यव्यवस्था की पुस्तक बलिदान को **दोषबलि** के रूप में संदर्भित करती हुई प्रतीत होती है, क्योंकि यह व्यक्ति के दोष के लिए आवश्यक प्रायश्चित करने के तरीके से जुड़ा हुआ है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर वह अपने दोष के प्रायश्चित के लिए आवश्यक बलिदान लाएगा]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 5:6 (#3)

“उस पाप के कारण”

यहाँ शब्दों को जोर देने के लिए दोहराया जा रहा है। देखें कि आपने 4:23 और 4:28 में समान वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 5:6 (#4)

שְׂעִירַת עִזִּים

“मादा भेड़ या बकरी”

मूलभाषा में यहाँ पर **बकरी का बच्चा या मेमना** शब्द का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में **मादा भेड़ या बकरी** वाक्यांश का उपयोग किया गया है। यहाँ **बकरी का बच्चा** का अर्थ एक युवा बकरी से है। यदि आपकी भाषा में इस विशेष पशु के युवा के लिए कोई विशिष्ट शब्द है, तो कृपया उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक युवा बकरी]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 5:6 (#5)

“याजक उस पाप के विषय उसके लिए प्रायश्चित करे”

देखें कि आपने 1:4 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 5:7 (#1)

וְאִם־לֹא תַגִּיעַ יָדוֹ דֵּי שֶׂה

“पर यदि उसे भेड़ या बकरी देने की सामर्थ्य न हो”

मूलभाषा में यहाँ पर **यदि उसका हाथ न पहुँचे** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जो व्यक्ति की सामर्थ्य को बताता है। अभिव्यक्ति **उसका हाथ नहीं पहुँचे** एक कहावत है जो यह दर्शाती है कि अपने झुण्ड में से एक पशु देने या किसी और के झुण्ड में से पशु खरीदने में असमर्थ होना। यदि आपकी भाषा में ऐसा ही कोई मुहावरा है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। अन्यथा, यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो अर्थ

को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन यदि वह अपने झुण्ड में से पशु देने या किसी और के झुण्ड में से पशु खरीदने में असमर्थ है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 5:7 (#2)

"तो" - "दोषबलि चढ़ाने के लिए" - "ले आए"

देखें कि आपने 5:6 में उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 5:7 (#3)

"कबूतरी के दो बच्चे"

देखें कि आपने 1:14 में समान शब्दों का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 5:10 (#1)

כַּמִּשְׁפָּט

"नियम के अनुसार"

वाक्यांश **नियम के अनुसार** यहोवा द्वारा इस्राएल के लोगों को दी गई आज्ञाओं और व्यवस्था को संदर्भित करता है, संभवतः वे नियम जो यहोवा ने होमबलियों के लिए दिए थे, जो लैव्यव्यवस्था के पहले अध्याय में उल्लेखित हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [होमबलियों के लिए यहोवा द्वारा इस्राएल के लोगों को दी गई व्यवस्था के अनुसार]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:10 (#2)

"और याजक उसके पाप का प्रायश्चित करे"

देखें कि आपने 1:4 में इसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 5:10 (#3)

"उसके पाप का"

देखें कि आपने 5:6 में समान अभिव्यक्ति में शब्दों की काव्यात्मक पुनरावृत्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 5:10 (#4)

וְנִסְלַח לוֹ

"और तब वह क्षमा किया जाएगा"

वैकल्पिक अनुवाद: [और यहोवा उसके पापों के लिए उसे क्षमा करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 5:11 (#1)

וְאִם־לֹא־אַל תַּשִּׂיג יָדוֹ לִשְׁתֵּתֵי תֹרִים אוֹ לִשְׁנֵי בְנֵי־יוֹנָה

"यदि वह दो पिण्डुक या कबूतरी के दो बच्चे भी न दे सके"

5:7 में समान अभिव्यक्ति की तरह, वाक्यांश **यदि उसका हाथ नहीं पहुँचता** एक मुहावरा है जो बलिदान के लिए इस प्रकार के पक्षियों में से एक को खरीदने में असमर्थ होने का संदर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में एक समान मुहावरेदार अभिव्यक्ति है, तो उसे यहाँ उपयोग करें। अन्यथा, यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन यदि वह अपनी भेंट के लिए दो कबूतर या दो पिण्डुक के बच्चे खरीदने में असमर्थ है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 5:11 (#2)

"कबूतरी के बच्चे"

देखें कि आपने इन शब्दों का अनुवाद 1:14 में किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 5:11 (#3)

וְהֵבִיא אֶת־קָרְבָּנוֹ אֲשֶׁר חָטָא

"वह अपने पाप के कारण अपना चढ़ावा" - "ले आए"

जैसा कि 5:7 में है, अभिव्यक्ति **पाप के कारण अपना चढ़ावा** 5:6 में पाए जाने वाले समान वाक्यांश का संक्षिप्त रूप है और इसमें कुछ शब्द छोड़ दिए गए हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह उपयोगी हो, तो आप छूटे हुए शब्दों की पूर्ति 5:6 से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तब वह अपने किए हुए पाप के लिए अपनी भेंट लाए]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 5:11 (#4)

עֲשִׂירִת הָאֵפָה סֹלֶת

"एपा का दसवाँ भाग मैदा"

एक **एपा** प्राचीन मात्रा माप है जो लगभग 22.8 लीटर के बराबर है। इसलिए, **एपा का दसवां हिस्सा** दो लीटर से थोड़ा अधिक होता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में या एक पाद टिप्पणी में समकक्ष आधुनिक माप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लगभग दो लीटर मैदा]

देखें: बाइबलीय मात्रा

लैव्यव्यवस्था 5:11 (#5)

עֲשִׂירִת

"दसवाँ भाग"

दसवाँ भाग, दस बराबर भागों में से एक हिस्सा होता है।

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 5:11 (#6)

כִּכְּי חַטָּאת הִיא

“क्योंकि वह पापबलि होगा”

शब्द **क्योंकि** इंगित करता है कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद, जिसके पहले एक पूर्ण विराम हो: [यह इसलिए है क्योंकि यह मैदा पापबलि के रूप में चढ़ाया जा रहा है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 5:12 (#1)

וְהֵבִיאָהּ

“वह उसको” - “ले जाए”

सर्वनाम **उसको** पिछले पद में उल्लेखित मैदे के एक एपा के दसवें हिस्से को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह मैदा का एक एपा का दसवाँ हिस्सा लाए]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 5:12 (#2)

“और याजक उसमें से अपनी मुट्ठी भर”

देखें कि आपने 2:2 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 5:13 (#1)

“याजक उसका प्रायश्चित करे”

देखें कि आपने 1:4 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 5:13 (#2)

“वह पाप”

मूल भाषा में यहाँ पर **वह पाप जो उसने किया** वाक्यांश का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में **वह पाप** वाक्यांश का उपयोग किया गया है। देखें कि आपने इन काव्यात्मक रूप से दोहराए गए शब्दों का 4:27, 4:35, और 5:6 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 5:13 (#3)

מֵאַחַת מֵאֵאֵלֶּה

“इन... में से किसी भी”

अभिव्यक्ति **इनमें से किसी भी** यहोवा की उन आज्ञाओं को संदर्भित करती है, जिनके विरुद्ध व्यक्ति ने पाप किया और 5:1–4 में वर्णित तरीकों से उल्लंघन किया। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा की आज्ञाओं का उल्लंघन करने के इन तरीकों में से एक के संबंध में, जिससे कोई व्यक्ति अनजाने में दोषी हो सकता है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:13 (#4)

וְנִסְלַח לוֹ

“और तब वह पाप क्षमा किया जाएगा”

देखें कि आपने 4:20 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और यहोवा उसके पापों के लिए उसे क्षमा करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 5:13 (#5)

וְהָיְתָה לַכֹּהֵן

“और... याजक का ठहरेगा”

अभिव्यक्ति **याजक का ठहरेगा** का अर्थ है कि मैदे के एक एपा के दसवें हिस्से का वह भाग, जो स्मरण दिलानेवाले भाग के रूप में नहीं जलाया जाता (जैसा कि 5:12 में वर्णित है), बलिदान करने वाले याजक को भोजन के रूप में दिया जाना चाहिए, ठीक उसी प्रकार जैसे उस **अन्नबलि** के हिस्से के मामले में होता है जो स्मरण दिलानेवाले भाग के रूप में नहीं जलाया जाता। वैकल्पिक अनुवाद: [और मैदे का शेष भाग जो स्मरण दिलानेवाले भाग के रूप में नहीं जलाया गया, वह याजक का भोजन होगा]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:14 (#1)

לֵאמֹר

“कहा”

कहा के रूप में अनुवादित शब्द एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, उन तरीकों पर विचार करें जिनसे आप अपनी भाषा में इस उद्धरण को स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 5:15 (#1)

תִּמְעֹל מַעַל

“कोई” - “विश्वासघात करे”

यहाँ, क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल से आए हैं। वाक्यांश **कोई... विश्वासघात करे** एक क्रिया का अनुवाद करता है जो उस संज्ञा से संबंधित है जिसका अनुवाद **विश्वासघात** के रूप में होता है। संबंधित शब्दों की पुनरावृत्ति कथन में जोर जोड़ती है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है और आपकी भाषा में तुलनीय शब्द हैं जिन्हें आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं, तो इस अनुवाद में उस संरचना का उपयोग करना उपयुक्त होगा।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 5:15 (#2)

וְחָטְאָה בִּשְׁגָגָה מִקָּדְשֵׁי יְהוָה

“यदि कोई यहोवा की पवित्र की हुई वस्तुओं के विषय में भूल से” - “पापी ठहरे”

अभिव्यक्ति **यहोवा की पवित्र की हुई वस्तुओं के विषय में भूल से... पापी ठहरे** यहोवा की आराधना से संबंधित पवित्र स्थान और पवित्र वस्तुओं के उचित व्यवहार के संबंध में यहोवा की आज्ञाओं का अनजाने में उल्लंघन करने का संकेत देती है। यदि यह उपयोगी होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह यहोवा के पवित्र स्थान में आचरण करने और यहोवा को समर्पित पवित्र वस्तुओं को संभालने के विषय में यहोवा की आज्ञाओं के संबंध में अनजाने में पाप करता है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:15 (#3)

“कोई” - “भूल से” - “पापी ठहरे”

देखें कि आपने 4:2 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:15 (#4)

וְהֵבִיאוּ֙ אֶת־אֲשָׁמוֹ֔ לַיהוָ֖ה

“तब वह यहोवा के पास ... दोषबलि के लिए ले आए”

यहाँ, **यहोवा के पास** आवश्यक बलिदान **ले आए** का अर्थ है बलिदान को उस वेदी तक ले जाना जो मिलापवाले तंबू के प्रवेश द्वार पर स्थित है, जैसा कि पिछले अध्यायों में अन्य बलिदान प्रक्रियाओं के साथ वर्णित है। क्योंकि मिलापवाला तंबू वह स्थान था, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते थे, बलिदान को वेदी तक ले जाना, इसे सीधे यहोवा के पास लाने के समान माना जाता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर वह अपना दोषबलि उस वेदी पर ले आए जो मिलापवाले तंबू के अंदर स्थित है, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते हैं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:15 (#5)

וְהֵבִיאוּ֙ אֶת־אֲשָׁמוֹ֔

“तो वह” - “दोषबलि” - “ले आए”

यहाँ लैव्यव्यवस्था की पुस्तक बलिदान को **उसके दोष** के रूप में संदर्भित कर रही है, क्योंकि बलिदान व्यक्ति के दोष के लिए प्रायश्चित करने के लिए आवश्यक होता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर वह अपने दोष के लिए प्रायश्चित करने के लिए आवश्यक बलिदान लाए]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 5:15 (#6)

“एक निर्दोष मेढ़ा”

मूलभाषा में यहाँ पर **झुण्ड में से** वाक्यांश का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में **एक निर्दोष मेढ़ा** वाक्यांश का उपयोग किया गया है। देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 5:6 में किस प्रकार किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 5:15 (#7)

בְּעֶרְכְּךָ֖

“उसका दाम”

अभिव्यक्ति **उसका दाम** इस पद में वर्णित मेढ़े के मौद्रिक मूल्य को वजन के उपयोग के माध्यम से निर्धारित करने की प्रक्रिया को संदर्भित करती है, जिसमें **पवित्रस्थान के शेकेल** को आधार माप के रूप में उपयोग किया जाता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [चाँदी में मेढ़े के मूल्य का आपका आँकलन]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:15 (#8)

בְּעֶרְכְּךָ֖

“उसका दाम”

मूलभाषा में यहाँ पर सर्वनाम **तुम्हारा** का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद ऐसा नहीं करता है। हालाँकि यहोवा लोगों के एक समूह से बात कर रहे हैं, इस पद में सर्वनाम **तुम** एकवचन है। यदि आपकी भाषा में इन सर्वनामों के एकवचन रूप स्वाभाविक नहीं होंगे, तो आप अपने अनुवाद में बहुवचन रूपों का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: समूह को दिखाने वाले एकवचन सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 5:15 (#9)

בְּעֶרְכְּךָ֨ כֶּסֶף־שְׁקָלִ֜ים בְּשֶׁ֗קֶל־הַקֹּֽדֶשׁ

“उसका दाम पवित्रस्थान के शेकेल” - “शेकेल चाँदी”

पवित्रस्थान में उपयोग होने वाली **शेकेल चाँदी**, चाँदी के वजन की एक प्राचीन माप थी जो मुद्रा के रूप में कार्य करती थी, और यह लगभग 10 ग्राम या पाँच में से दो हिस्से औंस चाँदी के बराबर होती थी। आप इस मात्रा को चाँदी के वर्तमान मौद्रिक मूल्य के संदर्भ में व्यक्त करने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन इससे आपका अनुवाद समय के साथ पुराना और गलत हो सकता है क्योंकि ये मूल्य समय के साथ बदल सकते हैं। इसके बजाय, एक सामान्य वाक्यांश का उपयोग करने का विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [आपके मूल्यांकन में, पवित्रस्थान में याजकों द्वारा उपयोग किया जाने वाला चाँदी का मानक वजन]

देखें: बाइबल में धन

लैव्यव्यवस्था 5:16 (#1)

וְאֵ֣את אֲשֶׁר־חָטָ֣א מִן־הַקֹּ֗דֶשׁ יְשַׁלֵּ֔ם

“और जिस पवित्र वस्तु के विषय उसने पाप किया हो” - “दे”

मूलभाषा में यहाँ पर **वह लौटाए** वाक्यांश का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद ऐसा नहीं करता है। अभिव्यक्ति **वह लौटाए** का अर्थ यह नहीं है कि दोषी व्यक्ति को पवित्र तंबू में अपवित्र वस्तु को शारीरिक रूप से बदलना होगा। बल्कि, अभिव्यक्ति का अर्थ है कि वस्तु के मौद्रिक मूल्य को चाँदी में (उसके मूल्य में पाँचवाँ भाग बढ़ाकर) याजक के पास बलिदान के हिस्से के रूप में लाना। सुनिश्चित करें कि आपके

अनुवाद में यह भेद स्पष्ट हो। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह उस पाप के लिए क्षतिपूर्ति भरे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:16 (#2)

"उसने पाप किया हो"

वैकल्पिक अनुवाद: [और जिस किसी वस्तु को उसने गलत तरीके से अपवित्र किया]

लैव्यव्यवस्था 5:16 (#3)

מִן־הַקֹּדָשׁ

"पवित्र वस्तु के विषय"

अभिव्यक्ति **पवित्र वस्तु के विषय** उन पवित्र वस्तुओं को संदर्भित करती है जो यहोवा के लिए विशेष उपयोग हेतु पवित्र तम्बू में समर्पित की जाती हैं। यदि यह उपयोगी होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [पवित्र वस्तुओं के बारे में जो यहोवा को समर्पित की जाती हैं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:16 (#4)

וְאֶת־חֲמִישִׁתוֹ יוֹסֵף עָלָיו

"उसमें वह पाँचवाँ भाग और बढ़ाकर"

यहाँ, सर्वनाम **यह** उस वस्तु को दर्शाता है **जिसके विषय में उसने पाप किया है**। हालाँकि, अभिव्यक्तियाँ **पाँचवाँ भाग** और **उसमें बढ़ाकर** पवित्र वस्तु के भौतिक हिस्से को जोड़ने का संदर्भ नहीं देती हैं। बल्कि, ये अभिव्यक्तियाँ वस्तु के मौद्रिक मूल्य का संदर्भ देती हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और पवित्र वस्तु के मूल्य का पाँचवाँ हिस्सा वह उस वस्तु के मूल्य में जोड़ेगा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 5:16 (#5)

וְאֶת־חֲמִישִׁתוֹ

"पाँचवाँ भाग"

पाँचवाँ, पाँच समान भागों में से एक भाग है।

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 5:16 (#6)

וְנָתַן אֹתוֹ

"वह" - "दे"

मूलभाषा में यहाँ पर सर्वनाम **यह** का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। सर्वनाम **यह** पवित्र वस्तु के मूल्य को संदर्भित करता है, जिसमें **उसका पाँचवाँ भाग** शामिल होता है, जिससे मूल वस्तु के मूल्य का 120% प्राप्त होता है। वैकल्पिक अनुवाद, बाद में अल्पविराम के साथ: [और वह पवित्र वस्तु के मूल्य के साथ-साथ उसके मूल्य का पाँचवाँ हिस्सा भी दे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 5:16 (#7)

"और याजक... उसके लिए प्रायश्चित करे"

देखें कि आपने 1:4 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 5:16 (#8)

בְּאֵיל הָאָשָׁם

"दोषबलि का मेढ़ा"

यहाँ, अभिव्यक्ति **दोषबलि का मेढ़ा** स्वामित्व रूप का उपयोग करती है ताकि एक ऐसे **मेढ़े** का वर्णन किया जा सके जिसका उपयोग **दोषबलि** के रूप में किया जाता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप अर्थ को सामान्य रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह मेढ़ा जो व्यक्ति दोषबलि के रूप में चढ़ाता है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 5:16 (#9)

וְנִסְלַח לוֹ

"उसका पाप क्षमा किया जाएगा"

देखें कि आपने 4:20 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और यहोवा उसे क्षमा करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 5:17 (#1)

"तो भी वह दोषी ठहरेगा"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 5:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 5:18 (#1)

"और याजक उसके लिए... प्रायश्चित करे"

देखें कि आपने 1:4 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 5:18 (#2)

עַל שְׁגִגָתוֹ אֲשֶׁר־שָׁגָג

"उसकी उस भूल का जो उसने अनजाने में की हो"

यहाँ, एक क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल से आते हैं। वाक्यांश **उसने अनजाने में** एक क्रिया का अनुवाद करता है जो संज्ञा **भूल** के रूप में अनुवादित होती है। संबंधित शब्दों की पुनरावृत्ति कथन में जोर जोड़ती है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है और आपकी भाषा में तुलनीय शब्द हैं जिन्हें आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं, तो यहाँ उस संरचना का उपयोग करना

उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उनकी अनजाने में की गई गलती के लिए]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 5:18 (#3)

וְהוּא לֹא־יָדַע

“अनजाने में”

मूलभाषा में यहाँ **वह स्वयं नहीं जानता** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **अनजाने में** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जहाँ दोनों का सन्दर्भ पता नहीं होना है। यह वाक्यांश एक कोष्ठकीय टिप्पणी के रूप में है जो वर्तमान विचार के लिए आवश्यक पृष्ठभूमि जानकारी प्रदान करता है। यह तथ्य कि **स्वयं नहीं जानता** यह स्पष्ट करता है कि उसने अनजाने में गलती की है, न कि खुल्लेआम या जानबूझकर यहोवा की आज्ञाओं का उल्लंघन करते हुए (अर्थात, “अत्यधिक पाप”)। वैकल्पिक अनुवाद: [उसे पता नहीं था]

देखें: पृष्ठभूमि की जानकारी

लैव्यव्यवस्था 5:18 (#4)

וְהוּא לֹא־יָדַע

“अनजाने में”

मूलभाषा में यहाँ **स्वयं** शब्द का भी प्रयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। यह अभिव्यक्ति निजवाचक सर्वनाम **स्वयं** का उपयोग करती है ताकि यह जोर दिया जा सके कि यह कितना महत्वपूर्ण था कि वह व्यक्ति, जो पहले अपने अनजाने पाप से अनजान था, अब उसे अपने किए का एहसास हो गया है कि उसने क्या किया है। इस महत्व को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका चुनें। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन यहाँ तक कि उसे भी नहीं पता था]

देखें: कर्मकर्त्ता सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 5:18 (#5)

וְנִסְלַח לוֹ

“और वह क्षमा किया जाएगा”

देखें कि आपने 4:20 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और यहोवा उसके पाप के लिए उसे क्षमा करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 5:19 (#1)

אָשֹׁם אָשַׁם לַיהוָה

“यहोवा के सम्मुख दोषी ठहरेगा”

मूलभाषा में शब्दों का दोहराव है लेकिन हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। अभिव्यक्ति **दोषी ठहरेगा** एक क्रिया का अनुवाद करती है जो जोर देने के लिए दोहराई जाती है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में इस संरचना का उपयोग करना उपयुक्त होगा। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा निश्चित रूप से उसे दोषी मानते हैं]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 6:1 (#1)

לֵאמֹר

“कहा”

कहा के रूप में अनुवादित शब्द एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, उन तरीकों पर विचार करें जिनसे आप अपनी भाषा में इस उद्धरण को स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, अल्पविराम के बजाय पूर्णविराम का इस्तेमाल कर सकते हैं: [यहोवा ने कहा]

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 6:2 (#1)

“यदि कोई... विश्वासघात करके पापी ठहरे”

देखें कि आपने 5:15 में प्रयुक्त शब्दों को दोहराकर समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 6:2 (#2)

וְכִחֵשׁ בַּעֲמִיתוֹ

“अपने भाई से छल करे”

जैसा कि इस अध्याय की प्रस्तावना में चर्चा की गई है, 6:2–3 के संदर्भ में, **अपने भाई से छल करे** एक मुहावरा है जो उन क्रियाओं को संदर्भित करता है जिनके द्वारा कोई व्यक्ति अपने परिवार या कुल के सदस्य के साथ सामाजिक रूप से बाध्यकारी शपथ लेता है और अपने आप को दूसरे व्यक्ति के संबंध में कुछ कार्यों के लिए प्रतिबद्ध करता है, लेकिन बाद में शपथ की शर्तों के अनुसार व्यवहार करने में विफल रहता है। यह दूसरे व्यक्ति से चोरी करके, उनसे मज़दूरी या किसी बकाया रुपये-पैसे को जबरन वसूल करके, दूसरे व्यक्ति की किसी वस्तु को पाकर उसे वापस न करके, या किसी अन्य तरीके से यह साबित करके किया जा सकता है कि मूल शपथ बिना ईमानदारी से पालन करने के इरादे से ली गई थी। यदि यहाँ का मुहावरा आपकी भाषा में इस अर्थ को संप्रेषित नहीं करता है, तो एक अधिक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह इस तरह से कार्य करता है कि वह अपने साथी नागरिक के साथ की गई शपथ को तोड़ देता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 6:2 (#3)

בְּפִקָּדוֹן

“जैसा कि धरोहर”

यह **धरोहर** या तो (1) एक आर्थिक अग्रिम राशि, जो किसी बड़े कुल भुगतान की प्रत्याभूत के रूप में दी जाती है। वैकल्पिक अनुवाद: [एक बड़ी बकाया राशि पर अग्रिम भुगतान के साथ] या (2) एक वस्तु जो एक व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति को सुरक्षित रखने के लिए दी गई थी। वैकल्पिक अनुवाद: [सुरक्षित रखने के लिए दी गई वस्तु के साथ]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 6:2 (#4)

אוֹ־בִתְשׂוּמֶת יָד

“या लेन-देन”

अभिव्यक्ति **लेन-देन** एक भौतिक वस्तु को संदर्भित करती है जो समाज के एक सदस्य से दूसरे को दी जाती है। यह वस्तु उसे प्राप्त करने वाले व्यक्ति को शपथ की शर्तों को पूरा करने के लिए बाध्य करती थी। वैकल्पिक अनुवाद: [या किसी भौतिक वस्तु के साथ, जो उनके बीच की गई शपथ की शर्तों की याद दिलाने वाली निशानी के रूप में काम करती थी]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 6:2 (#5)

אוֹ בְגָזֵל

“या लूट के विषय में”

यदि आपकी भाषा में **लूट** शब्द के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक क्रियात्मक रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [या उसे लूटकर]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 6:2 (#6)

“या अपने भाई से छल करे, या उस पर अत्याचार करे”

वैकल्पिक अनुवाद: [या वह अपने कर्मचारियों को उनका बकाया देने से इनकार करता है, या जानबूझकर वह धन रोक लेता है जिसे उसने अपने सह-नागरिक को देने पर सहमति दी थी]

लैव्यव्यवस्था 6:3 (#1)

“और झूठी शपथ भी खाए, ऐसी कोई भी बात क्यों न हो जिसे करके मनुष्य पापी ठहरते हैं”

वैकल्पिक अनुवाद: [और वह किसी भी प्रकार से झूठी कसम खाता है जिसमें लोग कार्य करते हैं और, परिणामस्वरूप, पाप करते हैं]

लैव्यव्यवस्था 6:3 (#2)

וְנִשְׁבַּע עַל־שָׁקֶר

“और झूठी शपथ भी खाए”

अभिव्यक्ति **झूठी शपथ भी खाए** एक मुहावरा है जो किसी अन्य व्यक्ति से धोखे से वादा करने का संदर्भ देता है, जिसमें शपथ के आवश्यक कार्यों को पूरा करने का कोई इरादा नहीं होता। वैकल्पिक अनुवाद: [या वह शपथ लेता है बिना शपथ की शर्तों को पूरा करने के इरादे के, और इसलिए, वह शपथ को धोखे से लेता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 6:3 (#3)

וְנִשְׁבַּע עַל־שָׁקֶר

“और झूठी शपथ भी खाए”

यदि आपकी भाषा **झूठी** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [या वह झूठी शपथ लेता है]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 6:4 (#1)

“वह... दोषी हो जाए”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का 5:2 में और पिछले अध्याय में कैसे अनुवाद किया था।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 6:4

אֶת־הַגְּזֵלָה אֲשֶׁר גָּזָל

“तब जो भी वस्तु उसने लूट”

यहाँ, एक क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल से आते हैं। वाक्यांश **उसने लूट** एक क्रिया का अनुवाद करता है जो उस संज्ञा से संबंधित है जिसका अनुवाद **लूट** के रूप में होता है। ऐसे संबंधित शब्दों की पुनरावृत्ति कथन पर विशेष ज़ोर डालती है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति की जा सकती है और आपकी भाषा में तुलनीय शब्द हैं जिन्हें आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं, तो इस निर्माण का उपयोग करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जो कुछ भी उसने चुराया]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 6:4 (#3)

אוֹ אֶת־הָעֹשֶׁק אֲשֶׁר עָשָׁק

“या अत्याचार करके”

यहाँ, एक क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल से आते हैं।वाक्यांश **अत्याचार करके** एक क्रिया का अनुवाद करता है जो उस संज्ञा से संबंधित है जिसका अनुवाद **अत्याचार** के रूप में होता है। ऐसे संबंधित शब्दों की पुनरावृत्ति कथन पर विशेष ज़ोर डालती है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति की जा सकती है और आपकी भाषा में तुलनीय शब्द हैं जिन्हें आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं, तो यहाँ अपने अनुवाद में उस संरचना का उपयोग करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [या जो भी रुपये-पैसे उसने देने से मना कर दिया]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 6:4 (#4)

אֶת־הַפִּקָּדוֹן אֲשֶׁר הָפְקַד אִתּוֹ

“या धरोहर, या पड़ी पाई हो”

यहाँ क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल शब्द से आए हैं। वाक्यांश **धरोहर** एक क्रिया का अनुवाद करता है जो उस संज्ञा से संबंधित है जिसका अनुवाद **धरोहर** के रूप में किया जाता है। ऐसे संबंधित शब्दों की पुनरावृत्ति कथन पर विशेष ज़ोर डालती है। यदि आपकी भाषा में ज़ोर देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति की जा सकती है और आपके पास समान अर्थ वाले उपयुक्त शब्द उपलब्ध हैं, तो अपने अनुवाद में इस प्रकार की संरचना का प्रयोग करना उचित होगा। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद [जो कुछ भी उसके पास जमा किया गया था]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 6:4 (#5)

אֲשֶׁר הָפְקַד אִתּוֹ

“या पड़ी पाई हो”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जो उसके साथी नागरिक ने उसके पास जमा किया था]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:5 (#1)

“जिसके विषय में उसने झूठी शपथ खाई हो”

वैकल्पिक अनुवाद: [या जिस भी विषय में उसने छल से शपथ खाई और अपनी शपथ पूरी नहीं की]

लैव्यव्यवस्था 6:5 (#2)

“जिसके विषय में उसने झूठी शपथ खाई हो”

देखें कि आपने 6:3 में इसी तरह के मुहावरे का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 6:5 (#3)

בְּרֹאשׁוֹ

“वह उसको पूरा-पूरा”

पूरा-पूरा यह अभिव्यक्ति एक ज़ोर देने वाला मुहावरा है, जिसका अर्थ है “पूरी तरह” या “पूर्ण रूप से।” इस संदर्भ में, इसका अर्थ यह है कि व्यक्ति ने अपने सह-इस्राएली से जो कुछ भी चुराया, जबरन वसूला, या रोक लिया है, उसके पूरे आर्थिक मूल्य की भरपाई करना। यदि आपकी भाषा में एक समान मुहावरा है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [पूरी तरह से] या [संपूर्ण रूप से]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 6:5 (#4)

וַחֲמִשִׁתָּיו

“और पाँचवाँ भाग भी”

पाँचवाँ हिस्सा पाँच बराबर हिस्सों में से एक हिस्सा है।

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 6:5 (#5)

“जिस दिन यह मालूम हो कि वह दोषी है”

वैकल्पिक अनुवाद: [जिसके पास भी यह बकाया है]

लैव्यव्यवस्था 6:5 (#6)

יִתְּנֶנּוּ

“वह... लौटा दे”

यहाँ **यह** सर्वनाम उस पूरी धनराशि की ओर संकेत करता है, जो व्यक्ति पर बकाया है, साथ ही व्यवस्था द्वारा निर्धारित अतिरिक्त एक-पाँचवाँ हिस्सा भी शामिल है। वैकल्पिक अनुवाद: [वह बकाया पूरी धनराशि देगा, साथ ही ज़रूरी अतिरिक्त एक-पाँचवाँ हिस्सा भी लौटा देगा।]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 6:5

בְּיֹום אַשְׁמָתוֹ

“जिस दिन यह मालूम हो कि वह दोषी है”

यहाँ, अभिव्यक्ति **जिस दिन यह मालूम हो कि वह दोषी है** का उपयोग अधिकारवाचक रूप में किया गया है ताकि या तो: (1) **जिस** भी **दिन दोष** बोध को महसूस किया जाता है, चाहे वह गलत काम करने की अंदरूनी भावना के रूप में हो या उस गलत काम के लिए व्यवस्था के तौर पर मुआवज़ा देने की ज़रूरत के रूप में हो। वैकल्पिक अनुवाद: [जब भी वह महसूस करता है कि वह दोषी है] या (2) वह दिन जब यह व्यक्ति अपनी दोषबलि प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस दिन वह अपनी दोषबलि प्रस्तुत करता है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 6:5 (#8)

בְּיֹום אַשְׁמָתוֹ

“जिस दिन यह मालूम हो कि वह दोषी है”

यहाँ, **दोषी** नामक भाववाचक संज्ञा स्वयं दोषबलि की ओर संकेत नहीं करती, जैसा कि 5:6 और पिछले अध्याय के अन्य स्थानों में उसी अभिव्यक्ति द्वारा संदर्भित किया गया था। बल्कि, यह या तो निम्न में से किसी एक की ओर संकेत करता है: (1) किसी गलत कार्य के करने की आंतरिक भावना और उस गलत कार्य के लिए क्षतिपूर्ति देने की कानूनी स्थिति, चाहे वह जानबूझकर किया गया हो या अनजाने में, जैसा कि आपने 6:4 में देखी अभिव्यक्ति में पाया। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस दिन वह अपराधी बनता है]; या (2) व्यक्ति के दोषबलि देने के दिन। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस दिन वह अपनी दोषबलि चढ़ाता है]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 6:6 (#1)

וְאֶת־אֲשָׁמֹו יָבִיא לַיהוָה

“और वह यहोवा के सम्मुख अपना दोषबलि भी ले आए”

जैसा कि 5:6 में है, यहाँ **अपना दोषबलि**, अपराध की कानूनी स्थिति या गलत काम करने के एहसास को नहीं बताता, बल्कि उस व्यक्ति के अपराध के लिए ज़रूरी सज़ा को बताता है, यानी वह बलिदान जो उस व्यक्ति के अपराध के लिए प्रायश्चित करेगा, जो उसने अनजाने में पाप करके प्राप्त किया था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो अर्थ को स्पष्ट बनाने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह अपने अपराध का प्रायश्चित करने के लिए यहोवा के पास दोषबलि लाएगा]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 6:6 (#2)

“वह उतने ही दाम का हो”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 5:15 में कैसे किया था।

देखें: बाइबल में धन

लैव्यव्यवस्था 6:7 (#1)

לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के सामने”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा की उपस्थिति में] या [पवित्र तम्बू के परिसर में, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच रहते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 6:7 (#2)

וְנִסְלַח לוֹ

“उसकी क्षमा उसे मिलेगी”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यहोवा उसे क्षमा करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:7 (#3)

עַל־אַחַת מִכֹּל אֲשֶׁר־יַעֲשֶׂה לְאַשְׁמָה בָהּ

“और जिस काम को करके वह दोषी हो गया है”

वाक्यांश **और जिस काम को करके वह दोषी हो गया है** में, **दोष** नामक भाववाचक संज्ञा क्रिया **गया है** का अप्रत्यक्ष कर्म नहीं है, बल्कि उस क्रिया का परिणाम या परिणामस्वरूप प्रभाव है। दूसरे शब्दों में, व्यक्ति का **दोष** उस कार्य का परिणाम होता है जो उन्होंने किया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वह जो कुछ भी करता है, उसमें से एक बात ऐसी है जिससे वह दोषी बन जाता है]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 6:7 (#4)

מִכֹּל אֲשֶׁר־יַעֲשֶׂה לְאַשְׁמָה

“और जिस काम को करके वह दोषी हो गया है”

यहाँ **वह** सर्वनाम किसी खास व्यक्ति के लिए नहीं हैं, बल्कि आम तौर पर किसी भी ऐसे व्यक्ति के लिए हैं जो कुछ ऐसा करता है जिससे उसे कानूनी तौर पर दोषी ठहराया जा सके। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से बनाने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उन सभी कामों से जिससे कोई व्यक्ति दोषी हो सकता है] या [हर उस चीज़ से जिससे कोई दोषी हो सकता है]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 6:8 (#1)

“कहा”

वैकल्पिक अनुवाद: [और उसने कहा]

लैव्यव्यवस्था 6:8–9 (#1)

לֵאמֹר: צַוֵּו אֶת־אַהֲרֹן וְאֶת־בָּנָיו לֵאמֹר

“कहा, “हारून और उसके पुत्रों को आज्ञा देकर यह कह कि”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, जिसके पहले एक बिंदु है: [उसने मूसा से हारून और उसके पुत्रों को आज्ञा देने के लिए कहा]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 6:9 (#1)

אֶת־אַהֲרֹן וְאֶת־בָּנָיו

“हारून और उसके पुत्रों”

जैसा कि 2:2 में है, जिस समय यहोवा ने मिलापवाले तम्बू से मूसा से बात की, उस समय **हारून और उसके पुत्र** याजक थे। लेकिन ये नियम आने वाली पीढ़ियों पर भी लागू होते थे, जब “पुत्रों” शब्द का इस्तेमाल हारून के “वंशजों” यानी याजकों को बताने के लिए किया जाता था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप उस शब्द का उपयोग कर सकते हैं, जो असली याजकों और उनके उत्तराधिकारियों दोनों पर लागू होगा। वैकल्पिक अनुवाद: [हारून और उसके वंशजों को]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 6:9 (#2)

תּוֹרַת הָעֹלָה

“होमबलि ईंधन के ऊपर”

यहाँ, **होमबलि ईंधन के ऊपर** वाक्यांश का उपयोग उस नियम का वर्णन करने के लिए किया गया है जो **होमबलि** से संबंधित है। वैकल्पिक अनुवाद: [इस बारे में निर्देश कि याजकों को होमबलि कैसे चढ़ानी चाहिए]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 6:9 (#3)

“होमबलि ईंधन के ऊपर रात भर भोर तक वेदी पर”

वैकल्पिक अनुवाद: [यह होमबलि वेदी पर ईंधन के ऊपर है]

लैव्यव्यवस्था 6:9 (#4)

עַל־מוֹקְדָהּ עַל־הַמִּזְבֵּחַ

“होमबलि ईंधन के ऊपर... वेदी पर”

वेदी की **ईंधन** का मतलब वेदी के आग जलाने की जगह का फर्श है, जहाँ जलते हुए कोयले और लकड़ी रखे जाते थे और आग के ऊपर चढ़ाई गई **होमबलि** को लगातार तब तक जलाते थे जब तक कि वह भट्टी से निकलने वाली आग से पूरी तरह जल न जाए। वैकल्पिक अनुवाद: [वेदी की ईंधन के ऊपर]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 6:9 (#5)

וְאֵשׁ הַמִּזְבֵּחַ תּוּקַד בּוֹ

“और वेदी की अग्नि वेदी पर जलती रहे”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजकों को वेदी की अग्नि को जलाते रहना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:9 (#6)

וְאֵשׁ הַמִּזְבֵּחַ

“और वेदी की अग्नि”

यहाँ, अभिव्यक्ति **वेदी की अग्नि** का उपयोग **अग्नि** का वर्णन करने के लिए किया गया है जो **वेदी** पर स्थित है। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह अग्नि जो वेदी पर है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 6:10 (#1)

מִדּוֹ בַד

“अपने सनी के वस्त्र”

यह **सनी के वस्त्र** निर्गमन 28:1–5 और निर्गमन28:31–35 में वर्णित है। यह एक नीला सनी का कुर्ता था, जो एक ही कपड़े के टुकड़े से बना था, और इसमें नीले, बैंगनी, और लाल अनारों की रचना थी, और किनारे पर सोने की घंटियाँ लगी थीं। अगर आपकी भाषा में किसी खास बाहरी कपड़े के लिए कोई शब्द है, खासकर धार्मिक संदर्भों में, तो उसे यहाँ इस्तेमाल करने पर विचार करें।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 6:10 (#2)

בַד & בַדּ֔

“सनी... और सनी”

यह **सनी** जिससे यह कपड़ा बना है, एक सन-आधारित कपड़ा है जो सन के पौधे के तनों से निकले रेशों से बनता है। अगर आपकी भाषा में इस तरह के कपड़े के लिए कोई शब्द नहीं है, तो कोई आम शब्द इस्तेमाल करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उत्तम वस्त्र ... उत्तम वस्त्र]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 6:10 (#3)

וּמִכְנְסֵי־בַדּ֔

“और... सनी की जाँघिया”

ये **सनी की जाँघिया** निर्गमन 28:1–5 और निर्गमन28:42–43 में वर्णित हैं। ये याजक की कमर से जाँघ तक को ढकते थे और जब भी याजक मिलापवाले तम्बू में प्रवेश करता या वेदी के पास जाकर बलिदान चढ़ाता, तो इन्हें पहनना आवश्यक था। यदि आपकी भाषा में धार्मिक संदर्भों में पहने जाने वाले विशेष अंतर्वस्त्रों के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसका अनुष्ठानिक सनी का अंतर्वस्त्र]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 6:10 (#4)

יִלְבַּשׁ עַל־בְּשָׂרוֹ

“अपने तन पर”

यहाँ, **तन** या तो: (1) नंगी त्वचा के लिए एक मुहावरेदार अभिव्यक्ति। वैकल्पिक अनुवाद: [उसे इसे सीधे अपनी त्वचा पर पहनना चाहिए] या (2) पुरुष जननांगों के लिए प्रयुक्त एक शिष्ट अभिव्यक्ति। वैकल्पिक अनुवाद: [उसे अपने जननांगों को ढकने के लिए पहनना चाहिए]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 6:10 (#5)

וְהֵרִים

“उसे उठाकर”

देखें कि आपने इस मुहावरे का अनुवाद 4:8 में कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसे हटा देना चाहिए]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 6:10 (#6)

“आग के भस्म”

देखें कि आपने 1:16 में उसी शब्द का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 6:10 (#7)

אֲשֶׁר תֹּאכַל הָאֵשׁ אֶת־הָעֹלָה עַל־הַמִּזְבֵּחַ

“होमबलि की राख, जो आग के भस्म करने से वेदी पर रह जाए”

लैव्यव्यवस्था **आग** के चित्र का उपयोग करती है जो **होमबलि** को भस्म कर देती है, जो उस प्रक्रिया को दर्शाता है जिसमें बलिदान आग में जलकर पूरी तरह से **होमबलि की राख** बन जाता है। यदि आपकी भाषा में किसी चीज़ को पूरी तरह जला देने वाली आग के लिए कोई समान मुहावरा या अभिव्यक्ति है, तो उसका प्रयोग यहाँ किया जा सकता है। यदि नहीं, तो किसी सामान्य अभिव्यक्ति का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जहाँ आग ने वेदी पर होमबलि को पूरी तरह जला दिया है ताकि अब वे केवल राख ही रह जाएँ]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 6:12 (#1)

וְהָאֵשׁ עַל־הַמִּזְבֵּחַ תּוּקַד־בּוֹ

“वेदी पर अग्नि जलती रहे, और कभी बुझने न पाए”

देखें कि आपने 6:9 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हें वेदी पर आग को निरंतर जलाए रखना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:12 (#2)

בַּבֹּ֣קֶר בַּבֹּ֣קֶר

“प्रतिदिन भोर”

वाक्यांश **प्रतिदिन** की पुनरावृत्ति “हर सुबह” कहने का एक प्रभावी तरीका है। यदि आपकी भाषा भी इस प्रकार जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग करती है, तो यहाँ ऐसा करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो अर्थ को स्पष्ट तौर पर बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [हर सुबह] या [सुबह दर सुबह]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 6:12 (#3)

“मेलबलियों की चर्बी”

वैकल्पिक अनुवाद: [मेलबलियों के लिए ज़रूरी चर्बी वाले हिस्से, जिसमें अंदर के अंगों को ढकने वाली चर्बी, अंदर के अंगों पर मौजूद सारी चर्बी, दोनों गुर्दे और उन पर लगी चर्बी जो कमर के पास होती है]

लैव्यव्यवस्था 6:13 (#1)

אֵ֣שׁ תָּמִ֗יד תּוּקַ֤ד עַל־הַמִּזְבֵּ֙חַ֙

“वेदी पर आग लगातार जलती रहे”

वैकल्पिक अनुवाद: [वेदी पर आग को लगातार जलते रहने दे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:14 (#1)

וְזֹ֣את תּוֹרַ֣ת הַמִּנְחָ֔ה

“अन्नबलि की व्यवस्था इस प्रकार है”

देखें कि आपने 6:9 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: [और यह वह निर्देश है कि याजक अन्नबलि को किस प्रकार चढ़ाए]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 6:14 (#2)

“हारून के पुत्र”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में किस प्रकार किया था।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 6:14 (#3)

לִפְנֵ֥י יְהוָ֖ה

“यहोवा के समीप”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: [पवित्र तम्बू के इलाके में, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच रहता है]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 6:14 (#4)

אֶל־פְּנֵ֥י הַמִּזְבֵּֽחַ

“वेदी के आगे”

यहाँ, **आगे** किसी वस्तु की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करता है, जो वेदी के सामने की ओर का स्थान है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वेदी के सामने] या [वेदी के सामने के स्थान में]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 6:16

“हारून और उसके पुत्र”

देखें कि 2:2 में आपने याजकों के लिए इसी प्रकार के संदर्भ का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 6:16 (#2)

מַצּ֣וֹת תֵּאָכֵ֗ל בְּמָקוֹם֙ קָד֔וֹשׁ בַּחֲצַ֥ר אֹֽהֶל־מוֹעֵ֖ד יֹאכְלֻֽהָ

“वह बिना ख़मीर पवित्रस्थान में खाया जाए, अर्थात् वे मिलापवाले तम्बू के आँगन में उसे खाएँ”

ये दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही बात कहते हैं। दूसरा उपवाक्य पहले के अर्थ को दूसरे शब्दों में दोहराकर उस पर ज़ोर देता है। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप दोनों उपवाक्यों को किसी ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो यह दिखाए कि दूसरा उपवाक्य कोई नई बात नहीं जोड़ रहा, बल्कि पहले ही विचार को दोहरा रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [बिना ख़मीर की रोटी किसी पवित्रस्थान में खाई जानी चाहिए; अर्थात्, याजकों को उसे मिलापवाले तम्बू के आँगन में खाना चाहिए]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 6:16 (#3)

מַצּ֣וֹת תֵּאָכֵ֗ל

“बिना ख़मीर... में खाया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वे बिना ख़मीर की रोटी खाएँगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:17 (#1)

לֹ֣א תֵאָפֶ֔ה חָמֵ֖ץ

“वह ख़मीर के साथ पकाया न जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [इसे ख़मीर के साथ पकाया न जाए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:17 (#2)

“उनका निज भाग होने के लिये उन्हें दिया है”

वैकल्पिक अनुवाद: [मैंने उनका निज भाग उन्हें दे दिया है]

लैव्यव्यवस्था 6:17 (#3)

חֶלְקָם נָתַתִּי אֹתָהּ

“उनका निज भाग होने के लिये उन्हें दिया है”

यहाँ सर्वनाम **उनका** हारून और उसके पुत्रों की ओर संकेत करता है, जो पिछले पद में उल्लेखित हैं। यदि यह सहायक होगा, तो संदर्भ को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [मैंने हारून और उसके पुत्रों को उनका हिस्सा होने के लिए दिया है]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 6:17 (#4)

“परमपवित्र हैं”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 2:3 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 6:18 (#1)

“यहोवा के हवनों में”

देखें कि आपने 2:3 में समान अधिकारवाचक रूप का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 6:18 (#2)

כֹּל אֲשֶׁר־יִגַּע בָּהֶם יִקְדָּשׁ

“जो कोई उन हवनों को छूए वह पवित्र ठहरेगा”

इसका अर्थ हो सकता है: (1) याजकों के भोजन के लिए अलग रखे गए बलि के भाग को जो भी व्यक्ति या वस्तु छूता है, वह उस भाग के समान ही पवित्र हो जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जो कोई भी उन्हें छूता है वह पवित्र हो जाता है] या (2) कोई भी व्यक्ति जो इस भेंट को छूता है, उसे पवित्र वस्तुओं को संभालने के लिए अलग किया गया होना चाहिए, अर्थात केवल याजक। वैकल्पिक अनुवाद: [जो कोई भी उन्हें छूता है उसे स्वयं पवित्र होना चाहिए]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 6:20 (#1)

“जिस दिन... चढ़ावा चढ़ाए”

देखें कि आपने 1:2 में इन शब्दों की प्रभावशाली पुनरावृत्ति का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 6:20 (#2)

“हारून और उसके पुत्रों”

देखें कि आपने 2:3 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 6:20 (#3)

בְּיוֹם֨ הִמָּשַׁ֜ח אֹתֹ֗ו

“जिस दिन... अभिषेक हो”

जिस दिन... अभिषेक हो इस वाक्यांश का मतलब है कि हारून या उसके पुत्रों में से किसी एक का अभिषेक किया जा रहा है ताकि वह याजक बन सके। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो इस निहित जानकारी को स्पष्ट रूप से देने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उस दिन जब उसे याजक के रूप में सेवा करने के लिए अभिषेक किया गया]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 6:20 (#4)

בְּיוֹם֨ הִמָּשַׁ֜ח אֹתֹ֗ו

“जिस दिन... अभिषेक हो”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस दिन महायाजक हारून के पुत्र का याजक बनने के लिए अभिषेक होगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:20 (#5)

בְּיוֹם֨ הִמָּשַׁ֜ח אֹתֹ֗ו

“जिस दिन... अभिषेक हो”

बाइबल के मूल भाषा में यहाँ उसके शब्द का प्रयोग किया गया है पर हिन्दी आई.आर.वि. में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। सर्वनाम **उसका** सामान्य रूप से हारून के किसी भी पुरुष वंशज की ओर संकेत करता है जिसे याजक बनने के लिए अभिषिक्त किया जाएगा। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करना सहायक हो, तो इसे यहाँ व्यक्त करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [हारून के किसी भी पुत्र के याजक के रूप में अभिषेक के दिन]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 6:20 (#6)

עֲשִׂירִ֥ת הָאֵפָ֖ה סֹ֑לֶת

“एपा का दसवाँ भाग मैदा”

एक **एपा** प्राचीन मात्रा माप है जो लगभग 22.8 लीटर के बराबर है। परिणामस्वरूप, **एपा का दसवां भाग** थोड़ा अधिक दो लीटर के बराबर होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में या एक पाद लेख में समकक्ष आधुनिक माप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लगभग दो लीटर आटा]

देखें: बाइबलीय मात्रा

लैव्यव्यवस्था 6:20 (#7)

עֲשִׂירִת

“दसवाँ भाग”

एक **दसवाँ** हिस्सा दस बराबर हिस्सों का एक हिस्सा होता है।

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 6:20 (#8)

מַחֲצִיתָהּ בַּבֹּקֶר וּמַחֲצִיתָהּ בָּעָרֶב

“आधा भोर को और आधा संध्या”

यह वाक्यांश इस बात का संकेत देता है कि यह पहले से जाना हुआ नियम है कि निर्धारित अन्नबलि का **आधा** भाग दिन के पहले हिस्से में और बाकी आधा भाग बाद में, दिन के दूसरे हिस्से में चढ़ाया जाना चाहिए। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक होगी तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, एक बिंदु के साथ पहले: [याजक को अन्नबलि का आधा भाग भोर और दूसरा आधा भाग संध्या को लाना चाहिए]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 6:21 (#1)

עַל־מַחֲבַת בַּשֶּׁשֶׁן תֵּעָשֶׂה

“जब वह तेल से तर हो जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [याजक को इसे तेल में तवे पर पकाना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:21

“एक तवे”

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 2:5 में कैसे किया है।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 6:21 (#3)

מֻרְבָּכָת

“तर हो जाए”

तर हो जाए के रूप में अनुवादित शब्द का अर्थ या तो (1) आटा और तेल का अच्छी तरह से मिलाया या गूंथा हुआ होना है। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हें इसे अच्छी तरह से गूंथकर लाना चाहिए] या (2) आटे को तेल से “अच्छी तरह भिगोया” गया था। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हें इसे तेल में अच्छी तरह भिगोकर लाना चाहिए] यदि आपकी भाषा में यह जानकारी सहायक होगी, तो कृपया इसे प्रदान करने पर विचार करें।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 6:21 (#4)

תְּבִיאֶנָּה & תַּקְרִיב

“उसे ले आना... चढ़ाना”

जैसा कि लैव्यव्यवस्था की प्रस्तावना में बताया गया है, यह पुस्तक अक्सर इस्राएलियों के विषय में और इस्राएलियों से तीसरे पुरुष में बात करती है, यहाँ तक कि सीधे संबोधन में भी। हालाँकि, जैसा कि अध्याय 6 की प्रस्तावना में बताया गया है, यहाँ और इस पूरे अध्याय के शेष भाग में लैव्यव्यवस्था का लेखक दूसरे पुरुष में संबोधन करने लगता है। यदि आप अध्याय 4 से तीसरे पुरुष के सर्वनामों का प्रयोग करते आ रहे हैं और अचानक दूसरे पुरुष में परिवर्तन आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं लगेगा, तो अपने अनुवाद में तीसरे पुरुष का प्रयोग जारी रखने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वह इसे ले आएगा ... वह चढ़ाएगा]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 6:22 (#1)

וְהַכֹּהֵן הַמָּשִׁיחַ תַּחְתָּיו מִבָּנָיו יַעֲשֶׂהָ אֹתָהּ

“हारून के पुत्रों में से जो भी उस याजकपद पर अभिषिक्त होगा”

यहाँ, **यह** उस विशेष अन्नबलि को संदर्भित करता है जो याजक के अभिषेक के दिन याजक का पद ग्रहण करने के लिए आवश्यक है, जैसा कि 6:19–20 में वर्णित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो संदर्भ को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसके पुत्रों में से अभिषिक्त याजक को यह विशेष अन्नबलि तैयार करनी चाहिए]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 6:22 (#2)

לַיהוָה כָּלִיל תֻּקְטָר

“यहोवा के सम्मुख वह सम्पूर्ण चढ़ावा जलाया जाए”

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। इस वाक्य को सक्रिय रूप में बनाने के लिए, देखें कि आपने 1:9 में इस अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [याजकों को सम्पूर्ण चढ़ावे को यहोवा के लिए जलाना चाहिए, जिससे यह धुआँ बन जाए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:23 (#1)

וְכָל־מִנְחַת כֹּהֵן כָּלִיל תִּהְיֶה

“याजक के सम्पूर्ण अन्नबलि भी सब जलाए जाएँ”

यह वाक्यांश **सम्पूर्ण अन्नबलि** यह दर्शाता है कि याजकों को इस विशेष अन्नबलि को पूरी तरह से अर्पित करना चाहिए, जबकि सामान्य अन्नबलि में, याजक केवल उस हिस्से को जलाते थे जिसे वे वेदी पर चढ़ाने के लिए चुनते थे। उन मामलों में, याजकों को भोजन के लिए अन्नबलि के शेष भाग को रखने की अनुमति थी। वैकल्पिक अनुवाद: [सामान्य अन्नबलि के विपरीत, यह विशेष अन्नबलि जो एक याजक तब अर्पित करता है जब वह याजक बनने के लिए अभिषिक्त होता है, उसे पूरी तरह से वेदी पर अर्पित किया जाना चाहिए]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 6:23 (#2)

לֹ֥א תֵאָכֵֽל

“वह कभी न खाया जाए”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी उस विशेष अन्नबलि को नहीं खा सकता है जो एक याजक तब अर्पित करता है जब वह याजक बनने के लिए अभिषिक्त होता है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:24–25 (#1)

לֵּאמֹ֑ר׃ דַּבֵּ֣ר אֶל־אַהֲרֹ֗ן וְאֶל־בָּנָיו֙ לֵאמֹ֔ר

“कहा,”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। यहां एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [उन्होंने मूसा से कहा कि वह हारून और उसके पुत्रों से यह कहे]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 6:25 (#1)

תּוֹרַ֣ת הַֽחַטָּ֔את

“पापबलि की व्यवस्था यह है”

जैसा कि 6:9 में समान अभिव्यक्ति के मामले में है, अभिव्यक्ति **पापबलि की व्यवस्था** का उपयोग **पापबलि** के संबंध में नियम का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप में किया जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: [यह वह व्यवस्था है कि याजक पापबलि किस प्रकार चढ़ाए]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 6:25 (#2)

בִּמְקוֹם֙ אֲשֶׁר־תִּשָּׁחֵ֣ט הָעֹלָ֔ה

“जिस स्थान में होमबलि पशु वध किया जाता है”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उस स्थान पर जहाँ लोग होमबलि चढ़ाते हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:25 (#3)

בִּמְקוֹם֙ אֲשֶׁר־תִּשָּׁחֵ֣ט הָעֹלָ֔ה

“जिस स्थान में होमबलि पशु वध किया जाता है”

यहाँ लैव्यव्यवस्था का लेखक वर्तमान काल का उपयोग समकालीन या चल रही क्रिया का वर्णन करने के लिए नहीं करता है, जैसे कि वह यहाँ किसी विशेष उदाहरण का उल्लेख कर रहा हो जहाँ कोई व्यक्ति इस विशेष बलिदान की तैयारी कर रहा हो। बल्कि, वर्तमान काल का उपयोग उस क्रिया का वर्णन करने के लिए किया जा रहा है जो पहले लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में वर्णित की गई थी और एक काल्पनिक स्थिति को चित्रित करने के लिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो ऐसी भाषा चुनने पर विचार करें जो स्पष्ट रूप से दर्शाए कि लेखक विशिष्ट भूतकालीन क्रियाओं का उल्लेख नहीं कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [उस स्थान पर जहाँ सामान्यतः होमबलि का वध किया जाता है]

देखें: काल के अनियमित उपयोग

लैव्यव्यवस्था 6:25 (#4)

תִּשָּׁחֵ֣ט הַֽחַטָּ֔את

“पापबलि पशु भी... बलि किया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लोगों को पापबलि पशु का वध करना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:25 (#5)

“यहोवा के सम्मुख”

देखें कि आपने 1:5 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया था।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 6:25 (#6)

“वह परमपवित्र है”

देखें कि आपने 2:3 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया था।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 6:26 (#1)

בְּמָקוֹם֙ קָדֹ֔שׁ תֵּאָכֵ֖ל

“वह पवित्रस्थान में... खाया जाए”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह इसे एक पवित्रस्थान में... खाएगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:27 (#1)

“उसके माँस”

वैकल्पिक अनुवाद: [पापबलि का वह माँस, जो वेदी पर पूरी तरह नहीं जलाया जाता]

लैव्यव्यवस्था 6:27 (#2)

“और यदि उसके लहू के छींटे किसी वस्त्र पर पड़ जाएँ, तो उसे किसी पवित्रस्थान में धो देना”

वैकल्पिक अनुवाद: [और जो कोई इसका कुछ लहू किसी वस्त्र पर छिड़कता है, तो उसे उस कपड़े पर जहाँ लहू छिड़का गया था, उन जगहों को पवित्रस्थान पर धोना चाहिए]

लैव्यव्यवस्था 6:27 (#3)

וַאֲשֶׁר יִזֶּה מִדָּמָהּ עַל־הַבֶּגֶד אֲשֶׁר יִזֶּה עָלָיו תְּכַבֵּס בְּמָקוֹם קָדֹשׁ

“और यदि उसके लहू के छींटे किसी वस्त्र पर पड़ जाएँ, तो उसे किसी पवित्रस्थान में धो देना”

यह बात निहित रूप से समझी जाती है कि लहू वस्त्रों पर नहीं, बल्कि केवल पवित्र वस्तुओं जैसे वेदी पर छिड़का जाना चाहिए, ताकि उन्हें पाप की अशुद्धता से शुद्ध किया जा सके। यह वाक्यांश एक काल्पनिक स्थिति की ओर संकेत करता है, जिसमें पवित्र वस्तुओं पर लहू छिड़कते समय कुछ लहू अनजाने में किसी के वस्त्रों पर भी लग जाता है, और ऐसी स्थिति में उन वस्त्रों को ध्यानपूर्वक धोना आवश्यक होता है। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और जो कोई मिलापवाले तम्बू की पवित्र वस्तुओं पर लहू छिड़कते समय, अनजाने में अपने वस्त्रों पर भी कुछ लहू छिड़क दे, तो जिस स्थान पर लहू लगा हो, उसे पवित्रस्थान में धोना आवश्यक है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 6:27 (#4)

תְּכַבֵּס

“तो उसे... धो देना”

जैसा कि लैव्यव्यवस्था की प्रस्तावना में बताया गया है, यह पुस्तक अक्सर सीधे संबोधन में भी इस्राएलियों के बारे में और इस्राएलियों से तीसरे पुरुष में बात करती है। लेकिन जैसा कि इस अध्याय की भूमिका में चर्चा की गई है, यहाँ और इस अध्याय के शेष भाग में लैव्यव्यवस्था का लेखक दूसरे पुरुष में संबोधन करने लगता है। यदि आप अध्याय 4 से तीसरे पुरुष के सर्वनामों का उपयोग कर रहे हैं और अचानक दूसरे पुरुष में परिवर्तन आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं लगेगा, तो अपने अनुवाद में तीसरे पुरुष का प्रयोग जारी रखने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक व्यक्ति धोएगा]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 6:28(#1)

וּכְלִי־חֶרֶשׂ אֲשֶׁר תְּבֻשַּׁל־בּוֹ יִשָּׁבֵר

“और वह मिट्टी का पात्र जिसमें वह पकाया गया हो तोड़ दिया जाए”

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [याजक को मिट्टी के उस बर्तन को तोड़ देना चाहिए जिसमें उसने पापबलि पकाई हो]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:28 (#2)

חֶרֶשׂ

“मिट्टी का पात्र”

यह **पात्र मिट्टी का पात्र** के रूप में वर्णित है, अर्थात ऐसी मिट्टी से बना हुआ जिसे घड़े या पात्र के आकार में ढाला जाता था और फिर भट्ठी में पकाया जाता था ताकि वह कठोर तो हो जाए, लेकिन छिद्रयुक्त बना रहे। इसे इतनी अधिक गर्मी नहीं दी जाती थी कि मिट्टी काँच या चीनी मिट्टी जैसी बन जाए। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की सामग्री के लिए कोई विशेष शब्द उपलब्ध हो, तो यहाँ उसका प्रयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [पकी और कठोर मिट्टी]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 6:28 (#3)

וְאִם־בִּכְלִי נְחֹשֶׁת בֻּשָּׁלָה

“यदि वह पीतल के पात्र में उबाला गया हो”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन यदि याजक ने इसे पीतल के पात्र में उबाला है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:28 (#4)

וּמֹרַק וְשֻׁטַּף בַּמָּיִם

“तो वह माँजा जाए, और जल से धो लिया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर वह इसे माँजेगा और इसे जल से धोएगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:29 (#1)

“वह परमपवित्र वस्तु है”

देखें कि आपने 2:3 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया था।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 6:30 (#1)

וְכָל־חַטָּאת אֲשֶׁר־יוּבָא מִדָּמָהּ אֶל־אֹהֶל מוֹעֵד

“पर जिस पापबलि... मिलापवाले तम्बू के भीतर पवित्रस्थान में प्रायश्चित करने को पहुँचाया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन हर पापबलि जिसमें याजक को लहू का कुछ हिस्सा मिलापवाले तम्बू में लाना होता है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:30 (#2)

“प्रायश्चित करने को”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:4 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 6:30 (#3)

לֹ֣א תֵאָכֵ֗ל

“कभी न खाया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा किसी को इसे खाने की अनुमति नहीं देते हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 6:30 (#4)

תִּשָּׂרֵ֖ף

“वह आग में जला दिया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [याजक को इसे जलाना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:1 (#1)

“वह परमपवित्र है”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 2:3 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 7:2 (#1)

בִּמְקוֹם֙ אֲשֶׁ֣ר יִשְׁחֲט֔וּ אֶת־הָעֹלָ֖ה

“जिस स्थान पर होमबलि पशु का वध करते हैं”

यहाँ लैव्यव्यवस्था का लेखक इस क्रिया-रूप का उपयोग किसी चल रही या किसी विशेष घटना का वर्णन करने के लिए नहीं कर रहा है, मानो वह किसी एक व्यक्ति द्वारा किए जाने वाले किसी निश्चित कार्य की बात कर रहा हो। इसके बजाय, भविष्य काल का प्रयोग दो उद्देश्यों से किया गया है: उस कार्य का वर्णन करने के लिए जिसे लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में पहले ही बताया जा चुका है, और एक काल्पनिक स्थिति को दर्शाने के लिए। वैकल्पिक अनुवाद: [उस स्थान पर जहाँ सामान्यतः होमबलि का वध किया जाता है]

देखें: काल के अनियमित उपयोग

लैव्यव्यवस्था 7:2 (#2)

יִשְׁחֲט֔וּ & יִשְׁחֲטוּ

(वे) “पशु का वध करते हैं... पशु भी बलि करें”

मूल भाषा में, **वे** का उपयोग किया गया है लेकिन हिंदी अनुवाद में “पशु का वध करते हैं... पशु भी बलि करें” के रूप में अनुवाद किया गया है। यहाँ, **वे** सामान्य रूप से किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो ये कार्य कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो किसी व्यक्ति के लिए एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई व्यक्ति सामान्य रूप से वध करता है... लोग वध करेंगे] या [एक व्यक्ति वध करता है... वह व्यक्ति वध करेगा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 7:2 (#3)

יִשְׁחֲט֔וּ & יִשְׁחֲטוּ

“पशु का वध करते हैं... पशु भी बलि करें”

यद्यपि पिछले अध्याय के अंत में इस्राएल के लोगों को दूसरे पुरुष एकवचन रूप में संबोधित किया गया था, यहाँ लैव्यव्यवस्था का लेखक मिलापवाले तम्बू के पास बलि चढ़ाने आने वाले सभी लोगों को तीसरे पुरुष बहुवचन रूप में संबोधित करता है।
यदि आपकी भाषा में दूसरे पुरुष से तीसरे पुरुष में यह परिवर्तन स्वाभाविक न लगे, तो अपने अनुवाद में वही रूप प्रयोग करने पर विचार करें जिसे आप पिछले अध्यायों में लगातार उपयोग करते आ रहे हैं।

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 7:6 (#1)

יֵאָכֵ֔ל

“खाया जाए”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वे इसे खाएंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:6 (#2)

“क्योंकि वह परमपवित्र है”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 2:3 में किस प्रकार किया था।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 7:7 (#1)

“प्रायश्चित करे”

देखें कि आपने **प्रायश्चित** को भाववाचक संज्ञा के उपयोग को 1:4 में कैसे प्रस्तुत किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 7:7 (#2)

לֹ֥ו יִהְיֶ֖ה

“वही उन... को ले ले”

वाक्यांश **वही उन... को ले ले** यह संकेत देता है कि पशु का वह भाग (इस संदर्भ में मेलबलि की खाल, साथ ही छाती का माँस और दाहिनी

जाँघ) यहोवा की ओर से याजक का निर्धारित भाग है। यह स्पष्ट नहीं है कि खाल याजकों के लिए भोजन के रूप में उपयोग होती थी, जैसा कि अन्य भाग होते थे। बल्कि अधिक संभावना यह है कि खाल का उपयोग अन्य, निर्दिष्ट न किए गए कार्यों के लिए किया जाता था। वैकल्पिक अनुवाद: [बलिदान के ये हिस्से उस याजक के होंगे जिन्होंने इसको लेके प्रायश्चित किया]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:8 (#1)

אֶת־עֹלַת אִישׁ

"किसी के लिये होमबलि को चढ़ाए"

मूल भाषा में इस वाक्यांश में जहाँ **पुरुष** शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में **किसी** शब्द का इस्तेमाल हुआ है। इस अभिव्यक्ति में, यद्यपि **पुरुष** शब्द पुल्लिंग है, यह सामान्य रूप से उस किसी भी व्यक्ति की ओर संकेत करता है जो यह बलिदान चढ़ाता है। **किसी के लिये होमबलि** यह नहीं दर्शाता कि किसी मनुष्य को जला कर बलिदान किया जाए, बल्कि इसका अर्थ है किसी भी व्यक्ति द्वारा चढ़ाया गया होमबलि। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करने के लिए कोई सामान्य शब्द उपलब्ध हो, तो उस सर्वनाम का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी का होमबलि] या [वह होमबलि जिसे कोई भी व्यक्ति चढ़ा सकता है]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 7:8 (#2)

"वही... ले ले"

देखें कि आपने पिछले पद 7:7 में इसी प्रकार की अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:9 (#1)

וְכָל־מִנְחָה אֲשֶׁר תֵּאָפֶה֙ בַּתַּנּ֔וּר

"और तंदूर में, या कढ़ाही में, या तवे पर पके हुए सब अन्नबलि"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने **तंदूर में** का अनुवाद 2:4 में कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी अन्नबलि जो किसी ने तंदूर में पकाई]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:9 (#2)

וְכָל־נַעֲשָׂה֙ בַּמַּרְחֶ֔שֶׁת

"या कढ़ाही में, या तवे पर पके हुए सब"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी चीज़ जो किसी ने कढ़ाही या तवे पर पकाया हो]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:10 (#1)

וְכָל־מִנְחָה בְלוּלָה־בַשֶּׁ֖מֶן וַחֲרֵבָ֑ה

"और सब अन्नबलि, जो चाहे तेल से सने हुए हों चाहे रूखे हों"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और हर अन्नबलि, चाहे कोई उसे तेल के साथ मिलाए या रूखी ही चढ़ाए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:10 (#2)

וַחֲרֵבָ֑ה

"चाहे रूखे हों"

जिस शब्द का अनुवाद **रूखे** किया गया है, वह यह संकेत देता है कि यह गेहूँ के आटे की अन्नबलि है जिसे जैतून के तेल के साथ न तो मिलाया गया है और न ही गूँथा गया है। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [या किसी भी तेल के साथ नहीं मिलाया गया]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:10 (#3)

"हारून के सब पुत्रों"

देखें कि आपने 1:5 में याजकों को संदर्भित करने के समान तरीके का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 7:11 (#1)

אֲשֶׁר יַקְרִיב לַיהוָה

"जिसे कोई यहोवा के लिये चढ़ाए"

बाइबल के मूल भाषा में यहाँ 'वह' का प्रयोग किया गया है पर हिन्दी आई.आर.वी. में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। यहाँ, हालांकि सर्वनाम **वह** पुल्लिंग है, लेकिन यह आम तौर पर किसी भी ऐसे व्यक्ति को बताता है जो इस तरह का बलिदान दे सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो व्यक्ति के लिए एक सामान्य शब्द का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कि कोई यहोवा के लिये चढ़ाएगा] या [कि कोई भी यहोवा को चढ़ाएगा]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 7:11 (#2)

אֲשֶׁר יַקְרִיב לַיהוָה

"जिसे कोई यहोवा के लिये चढ़ाए"

यहाँ लैव्यव्यवस्था का लेखक भविष्य काल का प्रयोग किसी वास्तविक भविष्य की घटना का वर्णन करने के लिए नहीं कर रहा है, मानो वह किसी विशेष अवसर पर किसी व्यक्ति द्वारा किए जाने वाले निश्चित कार्य की बात कर रहा हो। इसके बजाय, भविष्य काल का प्रयोग एक काल्पनिक स्थिति को दर्शाने के लिए किया गया है। यदि आपकी भाषा

में यह स्पष्ट करना सहायक हो, तो ऐसे शब्दों या संरचना का चयन करने पर विचार करें जो यह साफ़ कर दे कि लेखक किसी विशेष भविष्य की कार्रवाई की ओर संकेत नहीं कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [कि कोई भी यहोवा के लिये चढ़ाए]

देखें: काल के अनियमित उपयोग

लैव्यव्यवस्था 7:12 (#1)

אִ֣ם עַל־תּוֹדָ֗ה יַקְרִיבֶ֤נּוּ

“यदि वह उसे धन्यवाद के लिये चढ़ाए”

यहाँ लैव्यव्यवस्था का लेखक भविष्य काल का प्रयोग किसी वास्तविक भविष्य की कार्रवाई का वर्णन करने के लिए नहीं कर रहा है, मानो वह किसी विशेष अवसर पर किसी व्यक्ति द्वारा किए जाने वाले निश्चित कार्य की बात कर रहा हो। इसके बजाय, भविष्य काल का प्रयोग एक काल्पनिक स्थिति को चित्रित करने के लिए किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो ऐसे शब्दों या अभिव्यक्ति का चयन करने पर विचार करें जो यह स्पष्ट कर दे कि लेखक किसी विशेष भविष्य की कार्रवाई की ओर संकेत नहीं कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि, काल्पनिक रूप से, वह इसे धन्यवाद के लिये चढ़ाए]

देखें: काल के अनियमित उपयोग

लैव्यव्यवस्था 7:12 (#2)

יַקְרִיבֶ֤נּוּ

“वह... चढ़ाए”

यहाँ और निम्नलिखित पदों में, शब्द **वह** सामान्य रूप से किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करता है जो इस प्रकार का बलिदान यहोवा को प्रस्तुत कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो व्यक्ति के लिए एक सामान्य शब्द का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई इसे... चढ़ाएगा] या [कोई भी इसे... चढ़ाएगा]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 7:12 (#3)

יַקְרִיבֶ֤נּוּ

“वह उसे... चढ़ाए”

सर्वनाम **उसे** मेलबलि को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो संदर्भ को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वह मेलबलियों को चढ़ाए]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 7:12 (#4)

עַל־תּוֹדָ֗ה

“धन्यवाद-बलि के साथ”

अभिव्यक्ति **धन्यवाद-बलि के साथ** उस विशेष परिस्थिति को संदर्भित करती है जिसमें कोई व्यक्ति यहोवा के प्रति आभार या धन्यवाद व्यक्त करने के विशेष उद्देश्य के लिए मेलबलि अर्पित कर सकता है, जो यहोवा ने उसके जीवन में किया। यदि आपकी भाषा में **धन्यवाद** शब्द के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक क्रियात्मक रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा के प्रति धन्यवाद व्यक्त करने के उद्देश्य से]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 7:12 (#5)

חַלֹּ֣ות מַצּ֣וֹת בְּלוּלֹ֣ת בַּשָּׁ֗מֶן & וְסֹלֶת֙ מֻרְבָּ֣כֶת חַלֹּ֣ת בְּלוּלֹ֣ת בַּשָּׁ֗מֶן

“तेल से सने हुए अख़मीरी फुलके, और तेल से चुपड़ी हुई अख़मीरी रोटियाँ”

2:4 में पाए गए समान वाक्यांश के आधार पर, **तेल से सने हुए अख़मीरी फुलके,** और **तेल से चुपड़ी हुई अख़मीरी रोटियाँ** जैसी अभिव्यक्तियाँ कुछ शब्द छोड़ देती हैं जिन्हें कुछ भाषाओं में समझने के लिए आवश्यक माना जा सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप छूटे हुए शब्दों को स्पष्ट करके इन वाक्यों को अधिक स्पष्ट बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [अख़मीरी रोटी के लिए तेल में सना हुआ आटा... और तेल में अच्छी तरह चुपड़ा हुआ आटा] या [तेल में सने आटे से बनी अख़मीरी रोटी... और तेल द्वारा आटे से चुपड़ी हुई रोटियाँ बनाई गईं]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 7:12 (#6)

“अख़मीरी फुलके”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 2:4 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 7:12 (#7)

וּרְקִיקֵ֣י מַצּ֗וֹת מְשֻׁחִ֤ים בַּשָּׁ֙מֶן֙

“और तेल से चुपड़ी हुई अख़मीरी रोटियाँ”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और अख़मीरी रोटियाँ जो तेल से चुपड़ी हुई हों]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:12 (#8)

וְסֹלֶת֙ מֻרְבָּ֣כֶת

“और तेल से सने हुए मैदे”

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक है, व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 6:14 में इसी तरह के निष्क्रिय रूप का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और मैदा जिसे बनाने वाले व्यक्ति ने अच्छी तरह साना था]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:13 (#1)

חַלֹּ֣ת לֶ֔חֶם חָמֵ֖ץ

“अख़मीरी रोटियाँ”

यहाँ, अभिव्यक्ति **अख़मीरी रोटियाँ** एक रोटी का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग करती है जो **ख़मीर** के साथ तैयार की गई **रोटी** से बनी होती है। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [ख़मीरी रोटी]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 7:13 (#2)

"वह... चढ़ाए"

देखें कि आपने 1:2 में समान शब्दों के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 7:13 (#3)

זֶ֣בַח תּוֹדַ֗ת שְׁלָמָ֔יו

"अपने धन्यवादवाले मेलबलि"

अभिव्यक्ति **अपने धन्यवादवाले मेलबलि** का उपयोग पशुबलि का वर्णन करने के लिए किया जाता है, जो मेलबलि के रूप में यहोवा के प्रति आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से अर्पित किए जा रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वे पशुबलि जो उसके मेलबलि के भाग हैं और जिन्हें वह धन्यवादवाले बलि के रूप में चढ़ा रहा है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 7:14 (#1)

מִמֶּ֣נּוּ

"चढ़ावे में से"

बाइबल के मूल भाषा में यहाँ 'यह' का प्रयोग किया गया है पर हिन्दी आई.आर.वी. में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। सर्वनाम **यह** पूरे मेलबलि को संदर्भित करता है, जिसमें पशुबलि और निर्धारित अन्नबलि अर्पण शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो संदर्भ को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद, इसके बाद एक अल्पविराम: [उसके द्वारा मेलबलि के रूप में चढ़ाई जा रही सभी वस्तुओं में से जिसमें पशुबलि और अन्नबलियाँ दोनों शामिल हैं]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 7:14 (#2)

אֶחָ֥ד מִכָּל־קָרְבָּ֖ן

"एक-एक चढ़ावे में से"

अभिव्यक्ति **एक-एक चढ़ावे में से** का अर्थ है कि भेंट चढ़ाने वाला व्यक्ति पशुबलियों से एक भाग और अन्नबलियों से एक भाग चढ़ाए। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकती है, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [पशुबलियों से एक भाग और अन्नबलियों से एक भाग]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:14 (#3)

תְּרוּמָ֥ה לַיהוָ֖ה

"यहोवा को उठाने की भेंट करके"

यहाँ लैव्यव्यवस्था का लेखक परमेश्वर के नाम "यहोवा" का प्रयोग संबंध के आधार पर यहोवा के याजकों के लिए कर रहा है। इसलिए वाक्यांश **यहोवा को उठाने की भेंट करके** का अर्थ है "यहोवा के याजकों के लिए विशेष भोजन-भेंट के रूप में।" सुनिश्चित करें कि आपके अनुवाद में यह बात स्पष्ट रूप से प्रकट हो और ऐसा न लगे कि यह भोजन स्वयं यहोवा के लिए है। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा के याजकों के लिए भोजन का एक विशेष योगदान]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 7:15 (#1)

וּבְשַׂ֣ר זֶ֣בַח תּוֹדַ֗ת שְׁלָמָ֔יו בְּיֹ֥ום קָרְבָּנ֖וֹ יֵאָכֵ֑ל

"और उस धन्यवादवाले मेलबलि का माँस बलिदान चढ़ाने के दिन ही खाया जाए"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक अपने धन्यवादवाले मेलबलि का माँस उसी दिन खाए जिस दिन वह उसे चढ़ाए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:15 (#2)

בְּיֹ֥ום קָרְבָּנ֖וֹ

"चढ़ाने के दिन"

अभिव्यक्ति **चढ़ाने के दिन** उस दिन का उल्लेख करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग करती है जिस दिन कोई विशेष भेंट देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो इसे स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस दिन भी वह इसे चढ़ाए] या [जब भी वह इसे चढ़ाए]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 7:15 (#3)

וּבְשַׂ֣ר זֶ֣בַח תּוֹדַ֗ת שְׁלָמָ֔יו

"और उस धन्यवादवाले मेलबलि का माँस बलिदान"

यदि आपकी भाषा में **धन्यवादवाले मेलबलि** शब्द के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को एक क्रियात्मक रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसकी मेलबलि का वह माँस, जिसे वह यहोवा के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए चढ़ाता है]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 7:15 (#4)

"भोर तक"

वैकल्पिक अनुवाद: [अगले दिन]

लैव्यव्यवस्था 7:16 (#1)

זֶבַח קָרְבָּנוֹ

“उसके बलिदान का चढ़ावा”

वाक्यांश **उसके बलिदान का चढ़ावा** का संदर्भ मेलबलि के उस भाग से है जो पशुबलि से बना होता है, यह उन अन्नबलियों से अलग है, जिन्हें इन पशुबलियों के साथ-साथ चढ़ाया जाना था। यदि यह सहायक होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से बनाने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उसकी मेलबलियों से आने वाले पशुबलि के भाग]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 7:16 (#2)

בְּיָוֹם הַקְּרִיבוֹ אֶת־זִבְחוֹ

“तो उस बलिदान को जिस दिन वह चढ़ाया जाए”

पहले की तरह, **उस बलिदान को जिस दिन वह चढ़ाया जाए** अभिव्यक्ति किसी भी दिन को संदर्भित करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग करती है जिस दिन कोई व्यक्ति यह विशेष भेंट प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो इसे स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: वैकल्पिक अनुवाद: [जिस भी दिन वह अपना बलिदान चढ़ाता है] या [जब भी वह अपना बलिदान चढ़ाता है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 7:16 (#3)

יֵאָכֵל & וְהַנּוֹתָר מִמֶּנּוּ יֵאָכֵל

“वह... खाया जाए और उसमें से जो शेष रह जाए वह... भी खाया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [याजकों को इसे खाना चाहिए ... और उन्हें इसका शेष भाग भी खाना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:16 (#4)

“जो शेष रह जाए वह दूसरे दिन भी”

वैकल्पिक अनुवाद: [जो शेष रह जाए, वह अगले दिन]

लैव्यव्यवस्था 7:17 (#1)

וְהַנּוֹתָר מִבְּשַׂר הַזֶּבַח בַּיּוֹם הַשְּׁלִישִׁי בָּאֵשׁ יִשָּׂרֵף

“परन्तु जो कुछ बलिदान के माँस में से तीसरे दिन तक रह जाए वह आग में जला दिया जाए”

यह लग सकता है कि अभिव्यक्ति **आग में जला दिया जाए** में अतिरिक्त जानकारी है जो आपकी भाषा में व्यक्त करना अप्राकृतिक होगा। यदि ऐसा है, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन बलिदान के माँस का बचा हुआ हिस्सा तीसरे दिन पूरी तरह जला दिया जाएगा]

देखें: विशिष्ट सूचना को अंतर्निहित कब बनाएँ

लैव्यव्यवस्था 7:17 (#2)

וְהַנּוֹתָר מִבְּשַׂר הַזֶּבַח בַּיּוֹם הַשְּׁלִישִׁי בָּאֵשׁ יִשָּׂרֵף

“परन्तु जो कुछ बलिदान के माँस में से तीसरे दिन तक रह जाए वह आग में जला दिया जाए”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन याजकों को बलिदान के माँस के शेष भाग को तीसरे दिन आग में जलाना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:17 (#3)

“परन्तु जो कुछ बलिदान के माँस में से... रह जाए”

वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन जो माँस बलिदान में से बच जाए]

लैव्यव्यवस्था 7:17 (#4)

בַּיּוֹם הַשְּׁלִישִׁי

“तीसरे दिन”

शब्द **तीसरे** तीन के लिए क्रमसूचक संख्या है। जिस दिन पशु का बलिदान दिया जाता है, वह पहला दिन माना जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: [दो दिन बाद]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 7:18 (#1)

וְאִם הֵאָכֹל תֵּאָכֵל מִבְּשַׂר־זִבְחַ שְׁלָמָיו

“और उसके मेलबलि के माँस में से यदि कुछ भी तीसरे दिन खाया जाए”

यहाँ लैव्यव्यवस्था के लेखक **खाया जाए** क्रिया रूप की पुनरावृत्ति का उपयोग उस विचार को और अधिक बल देने के लिए करता है जिसे वह व्यक्त करना चाहता है। यदि आपकी भाषा में ज़ोर देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति की जाती है, तो अपने अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि ऐसा नहीं है, तो आपकी भाषा में ज़ोर व्यक्त करने का कोई अन्य तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि किसी भी समय उसके मेलबलि के बलिदान के माँस में से कुछ खाया जाए] या [और यदि कोई उसके मेलबलि के बलिदान के माँस का कुछ हिस्सा खाता है]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 7:18 (#2)

וְאִם הֵאָכֹל תֵּאָכֵל מִבְּשַׂר־זִבְחַ שְׁלָמָיו

“और उसके मेलबलि के माँस में से यदि कुछ भी तीसरे दिन खाया जाए”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि खाते हुए कोई व्यक्ति उसके मेलबलि के बलिदान के माँस में से कुछ खाए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:18 (#3)

לֹא יֵרָצֶה הַמַּקְרִיב אֹתוֹ

“तो वह ग्रहण न किया जाएगा”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा उस व्यक्ति को स्वीकार नहीं करेंगे जिसने इसे चढाया हो]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:18 (#4)

לֹא יֵחָשֵׁב לוֹ

“और न उसके हित में गिना जाएगा”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा बलिदान को उसके हित में नहीं गिनेंगे] या [यहोवा उस बलिदान को उसके हित में स्वीकार नहीं करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:18 (#5)

לֹא יֵחָשֵׁב לוֹ

“और न उसके हित में गिना जाएगा”

यहाँ बलिदान के द्वारा मिलने वाली क्षमा को कानूनी या संभवतः आर्थिक शब्दावली में व्यक्त किया गया है, मानो वह बलिदान यहोवा के सामने किसी व्यक्ति के खाते में जमा कर दिया जाता हो। यदि आपकी भाषा में इन विचारों को व्यक्त करने के लिए ऐसे ही रूपक प्रयुक्त होते हैं, तो यहाँ उनका उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जो व्यक्ति बलिदान चढ़ाता है उसे क्षमा प्राप्त नहीं होगी]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 7:18 (#6)

“वह घृणित कर्म समझा जाएगा”

देखें कि आपने 5:1 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया था।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 7:19 (#1)

וְהַבָּשָׂר אֲשֶׁר־יִגַּע בְּכָל־טָמֵא לֹא יֵאָכֵל

“फिर जो माँस किसी अशुद्ध वस्तु से छू जाए वह न खाया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक उस माँस को न खाएँ जो किसी भी अशुद्ध वस्तु से छू जाए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:19 (#2)

וְהַבָּשָׂר

“फिर जो माँस”

वाक्यांश **माँस** किसी विशेष हिस्से का उल्लेख नहीं करता है, बल्कि यह सामान्य रूप से किसी भी माँस का उल्लेख करता है जो बलिदान किया गया था और जो किसी अशुद्ध चीज से छू जाता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी माँस]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 7:19 (#3)

“किसी अशुद्ध वस्तु”

देखें कि आपने इस शब्द के उपयोग का अनुवाद 5:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:19 (#4)

“वह आग में जला दिया जाए”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 7:17 में किस प्रकार किया है।

देखें: विशिष्ट सूचना को अंतर्निहित कब बनाएँ

लैव्यव्यवस्था 7:19 (#5)

יִשָּׂרֵף

“वह आग में जला दिया जाए”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [याजक इसे जलाएँगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:19 (#6)

וְהַבָּשָׂר

“फिर... माँस”

वाक्यांश **फिर... माँस** कुछ जानकारी छोड़ देता है जिसे कुछ भाषाएँ समझने के लिए आवश्यक मान सकती हैं। इसका मतलब है शुद्ध माँस जिसने किसी भी अशुद्ध वस्तु को नहीं छुआ हो, इसके विपरीत वह माँस जो **किसी अशुद्ध वस्तु से छू जाए**। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा तो आप 7:16–17 से शब्द जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर शुद्ध माँस के लिए जो किसी भी अशुद्ध वस्तु से छू जाए]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 7:19 (#7)

כָּל־טָהוֹר

“जितने शुद्ध हों”

वाक्यांश **जितने शुद्ध हों** से अभिप्राय ऐसे किसी भी व्यक्ति से है जिसने लैव्यव्यवस्था में दिए गए निर्देशों के अनुसार उन वस्तुओं को छूने से स्वयं को दूर रखा हो जो उसे अनुष्ठानिक रूप से अशुद्ध कर देती हैं। यदि आपकी भाषा में यह बात स्पष्ट रूप से कहना सहायक हो, तो अपने अनुवाद में इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी व्यक्ति जिसने किसी अशुद्ध वस्तु को नहीं छुआ है और इसलिए, वह खुद भी शुद्ध है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:19 (#8)

בָּשָׂר

"माँस"

यहाँ **माँस** शब्द का अर्थ है, वह माँस जो किसी अशुद्ध वस्तु को नहीं छूता है, और इसलिए, इसे शुद्ध माना जाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो इसे स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी शुद्ध माँस]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:20 (#1)

בָּשָׂר מִזֶּבַח הַשְּׁלָמִים אֲשֶׁר לַיהוָה

"यहोवा के मेलबलि के माँस में से"

वाक्यांश **यहोवा के मेलबलि** से ऐसा प्रतीत हो सकता है कि मानो मेलबलियाँ यहोवा के लिए भोजन प्रदान कराती हों। परन्तु, जैसा कि पहले स्पष्ट किया गया है, यहोवा न तो भोजन करते हैं और न ही उन्हें मनुष्यों से भोजन की आवश्यकता है। मेलबलियाँ यहोवा की इस अर्थ में हैं कि वे यहोवा के विशेष उद्देश्य के लिए समर्पित की जाती हैं। इसी कारण इन बलियों से प्राप्त माँस के भागों का किसी सामान्य या सांसारिक उपयोग के लिए प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। अपने अनुवाद में यह सुनिश्चित करें कि ऐसा कोई अर्थ न निकले कि इन बलियों का माँस यहोवा के भोजन के लिए है।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:20 (#2)

וְטֻמְאָתוֹ עָלָיו

"परन्तु जो अशुद्ध होकर"

एक व्यक्ति जो परमेश्वर के विशेष, पवित्रस्थान के लिए उपयुक्त नहीं है, उसके बारे में ऐसा कहा जाता है जैसे **जो अशुद्ध होकर** शारीरिक रूप से **उस पर** टिका हुआ हो। यदि आपकी भाषा में ऐसा ही कोई रूपक होता है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह अशुद्ध है]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 7:20 (#3)

וְטֻמְאָתוֹ עָלָיו

"जो अशुद्ध होकर"

मूल भाषा में यहाँ पर शब्द **उसकी** और **उसी** उपयोग किया गया है जो सामान्य रूप से किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए उपयोग किए जा रहे हैं जो अशुद्ध हो सकते हैं और इसलिए उन्हें उस माँस को खाने से बचना चाहिए जो विशेष रूप से पवित्र उद्देश्यों के लिए अलग रखा गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से बनाने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और उस व्यक्ति की अशुद्धता उसी पर बनी रहती है]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 7:20 (#4)

"जो अशुद्ध होकर"

देखें कि आपने **अशुद्ध** जैसी भाववाचक संज्ञा को 5:3 में कैसे प्रस्तुत किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 7:20 (#5)

וְנִכְרְתָה הַנֶּפֶשׁ הַהִוא מֵעַמֶּיהָ

"वह अपने लोगों में से नाश किया जाए"

यहाँ एक ऐसे व्यक्ति की बात हो रही है जो यहोवा को समर्पित माँस खाता है, जबकि उसे अशुद्ध माना जाता है। उसके बारे में ऐसे बात की जा रही है जैसे वह किसी ऐसी चीज़ का हिस्सा हो जिसे पूरे से अलग किया जा सके। इसका मतलब है कि लोगों को उसे अपने समुदाय से निकाल देना चाहिए। दूसरा अनुवाद: [तो उस व्यक्ति को उसके लोगों से अलग कर देना चाहिए और समाज से निकाल देना चाहिए] या, निष्क्रिय रूप से बचने के लिए, [तो लोगों को उस व्यक्ति को समुदाय से निकाल देना चाहिए और उससे संपर्क रखने से मना कर देना चाहिए]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 7:20 (#6)

וְנִכְרְתָה הַנֶּפֶשׁ הַהִוא

"वह अपने लोगों में से नाश किया जाए"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। इस अभिव्यक्ति के व्याख्यात्मक विकल्पों के लिए, पिछले टिप्पणी को देखें। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल के लोग उस व्यक्ति को अलग कर देंगे" या "यहोवा उस व्यक्ति को अलग कर देंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:21 (#1)

"कोई किसी अशुद्ध"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का 5:3 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 7:21 (#2)

טָמֵא & טָמֵאָה

"अशुद्ध और अशुद्ध"

जैसा कि लैव्यव्यवस्था की प्रस्तावना में चर्चा की गई है, शुद्ध और **अशुद्ध** माने जाने वाले जानवरों का विवरण 11:1–47 में विस्तार से दिया गया है। जब कोई चीज़ सांस्कृतिक रूप से मृत्यु से जुड़ी होती थी, तो उसे अशुद्ध माना जाता था और उसमें उस जगह या चीज़ों को अपवित्र करने की क्षमता होती थी जो खास तौर पर यहोवा और उसके उद्देश्यों के लिए समर्पित थीं। यदि आपकी भाषा में इस अवधारणा के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [अनुष्ठानिक रूप से अशुद्ध ... अनुष्ठानिक रूप से अशुद्ध]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:21 (#3)

בְּכָל־שֶׁשֶׁץ טָמֵא

“कोई अशुद्ध और घृणित वस्तु”

यह **अशुद्ध और घृणित वस्तु** उन विशेष जानवरों को संदर्भित करती है जिन्हें यहोवा ने 11:29–31 में खाने और छूने से मना किया है। इनमें छछूंदर, चूहा, और कई प्रकार की छिपकली शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में उस प्रकार के पशु के लिए एक विशेष शब्द है जिसे छूना या खाना निषिद्ध माना जाता है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी अशुद्ध पशु जो खाने या छूने के लिए निषिद्ध है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 7:21 (#4)

וְאָכַל

“और यदि कोई... खाए”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में **वह** शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में **कोई** शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यहाँ, **वह** किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करता है जो बलिदान का माँस खा सकते हैं। यदि यह सहायक हो, तो किसी व्यक्ति के लिए एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह व्यक्ति खाता है]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 7:21 (#5)

“तो वह भी अपने लोगों में से नाश किया जाए”

देखें कि आपने 7:20 में समान अभिव्यक्तियों का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 7:22 (#1)

לֵאמֹר

“कहा”

शब्द जिसका अनुवाद **कहा** किया गया है, एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, उन तरीकों पर विचार करें जिनसे आप इस उद्धरण को अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 7:22–23 (#1)

לֵאמֹר: דַּבֵּר אֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל

“कहा, “इस्राएलियों से इस प्रकार कह”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, इससे पहले एक पूर्ण विराम के साथ: [उन्होंने मूसा से इस्राएल के पुत्रों को बताने के लिए कहा]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 7:23 (#1)

לֹא תֹאכֵלוּ

“तुम लोग... न खाना”

जैसा कि इस अध्याय की प्रस्तावना में चर्चा की गई है, यहाँ और 7:26 तक लैव्यव्यवस्था के लेखक तीसरे पुरुष सर्वनामों के उपयोग से दूसरे पुरुष बहुवचन रूपों के उपयोग में बदल जाते हैं। यदि आपकी भाषा में तीसरे पुरुष से दूसरे पुरुष के रूपों में बदलाव स्वाभाविक नहीं होगा, तो पिछले अध्यायों में जिस रूप का उपयोग कर रहे थे, उसे जारी रखने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी नहीं खा सकता]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 7:23 (#2)

לֹא תֹאכֵלוּ

“तुम लोग न... खाना”

यहाँ, **तुम** बहुवचन है। यह इस्राएल के लोगों को संदर्भित करता है जो मिलापवाले तम्बू में बलिदान चढ़ाते थे। यदि आपकी भाषा में लोगों के एक समूह को संबोधित करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग होता है, तो यहाँ उस रूप का उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो पिछली टिप्पणी द्वारा नमूना दिए किए गए अनुसार, तीसरे पुरुष के रूप का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [मेरे लोगों को नहीं खाना चाहिए]

देखें: समूह को दिखाने वाले एकवचन सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 7:24 (#1)

וְחֵלֶב נְבֵלָה וְחֵלֶב טְרֵפָה יֵעָשֶׂה

“और जो पशु स्वयं मर जाए, और जो दूसरे पशु से फाड़ा जाए, उसकी चर्बी और अन्य काम में लाना”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम किसी मरे हुए जानवर की चर्बी या फाड़े हुए जानवर की चर्बी इस्तेमाल करोगे] या, तीसरे पुरुष के लिए, [और कोई भी मरे हुए जानवर की चर्बी या फाड़े हुए जानवर की चर्बी इस्तेमाल करेगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 7:24 (#2)

וְחֵלֶב נְבֵלָה

“और जो पशु स्वयं मर जाए... उसकी चर्बी”

पशु स्वयं मर जाए... उसकी चर्बी का मतलब किसी भी जानवर, जंगली या पालतू, के शरीर का कोई भी चर्बी वाला हिस्सा है, जो मर गया हो, आमतौर पर यह उन पालतू जानवरों के बारे में होता है जो प्राकृतिक कारणों से मर गए हों और उन जंगली जानवरों के बारे में जिन्हें कोई भी इस्राएली जंगल में पा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप वाक्य के पहले के शब्दों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और जो पशु मर जाए उसका चर्बी वाला हिस्सा, चाहे वह जंगली हो या पालतू]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:24 (#3)

וְחֵלֶב טְרֵפָה

“और जो दूसरे पशु से फाड़ा जाए, उसकी चर्बी”

इस अभिव्यक्ति **और जो दूसरे पशु से फाड़ा जाए उसकी चर्बी** का अर्थ है एक पशु का चर्बी वाला हिस्सा, आमतौर पर एक पालतू पशु, जिसे जंगली जानवरों द्वारा हमला करके मार दिया गया हो। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकती है, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [या एक पालतू पशु की चर्बी जिसे जंगली जानवरों द्वारा मारा और फाड़ा गया हो]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:24 (#4)

וְאָכֹל לֹא תֹאכְלֻהוּ

“परन्तु उसे किसी प्रकार से खाना नहीं”

यहाँ **उसे किसी प्रकार से खाना नहीं** अभिव्यक्ति में क्रिया-रूप की पुनरावृत्ति की गई है, ताकि यह बात विशेष रूप से बल देकर कही जा सके कि इन चर्बी वाले भागों को खाना निषिद्ध है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति की जा सकती है, तो अपने अनुवाद में यहाँ ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर प्रकट करने का कोई अन्य तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [परन्तु तुम्हें इसे किसी भी स्थिति में नहीं खाना चाहिए] या, तीसरे पुरुष का प्रयोग करते हुए, [परन्तु किसी को भी इसे कभी नहीं खाना चाहिए]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 7:24 (#5)

לֹא תֹאכְלֻהוּ

“परन्तु उसे किसी प्रकार से खाना नहीं”

मूल भाषा में यहाँ **तुम** का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी आई.आर.वी. में इस शब्द और का उपयोग नहीं हुआ है। यहाँ, **तुम** बहुवचन है। यह इस्राएल के लोगों को दर्शाता है, इसलिए अगर आपकी भाषा में यह अंतर बताया जाता है, तो अपने अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 7:24 (#6)

לֹא תֹאכְלֻהוּ

“उसे किसी प्रकार से खाना नहीं”

यदि तीसरे पुरुष से दूसरे पुरुष में रूपांतरण आपकी भाषा में स्वाभाविक न लगे, तो पिछले अध्यायों में जिस रूप का प्रयोग किया गया है, उसी का प्रयोग जारी रखने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी इसे नहीं खाएगा]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 7:25 (#1)

“पशु की चर्बी खाएगा... यहोवा के लिये हवन करके चढ़ाया करते हैं”

वैकल्पिक अनुवाद: [उस पालतू पशु की चर्बी, जिससे किसी ने यहोवा के लिये हवन करके माँस या चर्बी का हिस्सा चढ़ाया हो]

लैव्यव्यवस्था 7:25 (#2)

“वह खानेवाला अपने लोगों में से नाश किया जाएगा”

देखें कि आपने 7:20 में समान अभिव्यक्तियों का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 7:26 (#1)

וְכָל־דָּם לֹא תֹאכְלוּ בְּכֹל מוֹשְׁבֹתֵיכֶם

“और तुम अपने घर में किसी भाँति का लहू... न खाना”

इस पद में, **तुम** और **अपने** शब्द बहुवचन हैं। यहोवा उन सभी के बारे में बात कर रहे हैं जो बलिदान चढ़ाएँगे, चाहे वे कहीं भी रहते हों। यदि आपकी भाषा में यह भेद दर्शाया जाता है, तो अपने अनुवाद में बहुवचन रूप के प्रयोग पर विचार करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 7:26 (#2)

וְכָל־דָּם לֹא תֹאכְלוּ בְּכֹל מוֹשְׁבֹתֵיכֶם

“और तुम अपने घर में किसी भाँति का लहू... न खाना”

यदि इस अध्याय में आप लगातार तीसरे पुरुष के रूपों का प्रयोग करते आ रहे हैं, तो अपनी भाषा में जो रूप सबसे अधिक स्पष्ट हो, उसी का प्रयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी अपने घरों में किसी भी प्रकार का लहू नहीं खाएगा]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 7:26 (#3)

לָעוֹף וְלַבְּהֵמָה

“चाहे पक्षी का चाहे पशु का हो”

पक्षी और **पशु** ये अभिव्यक्तियाँ किसी विशेष पशु या पशुओं के किसी निश्चित समूह की ओर संकेत नहीं करतीं। ये शब्द किसी भी ऐसे पक्षी या पशु का वर्णन करते हैं जिसे कोई इस्राएली खाने के लिए रख सकता था या खरीद सकता था। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से

व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी ऐसे पक्षी या किसी भी पशु का, जिसे तुम रखते हो] या, तीसरे पुरुष का प्रयोग करते हुए, [किसी भी ऐसे पक्षी या किसी भी पशु का, जिसे कोई रख सकता है]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 7:28–29 (#1)

לֵאמֹר: דַּבֵּר אֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל

“कहा,”

इस वाक्य में उद्धरण के भीतर उद्धरण है। आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, पूर्ण विराम पहले रखते हुए: [उन्होंने मूसा से इस्राएल के पुत्रों से बोलने के लिए कहा]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 7:29 (#1)

“जो यहोवा के लिये मेलबलि चढ़ाए वह उसी मेलबलि में से यहोवा के पास भेंट ले आए”

वैकल्पिक अनुवाद: [जो कोई भी व्यक्ति यहोवा को अपने मेलबलि का बलिदान चढ़ाता है, उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह अपने मेलबलि के बलिदान के माँस से आने वाला यह अंश यहोवा के पास लाए]

लैव्यव्यवस्था 7:29 (#2)

הַמַּקְרִיב אֶת־זֶבַח שְׁלָמָיו לַיהוָה יָבִיא אֶת־קָרְבָּנוֹ לַיהוָה מִזֶּבַח שְׁלָמָיו

“जो यहोवा के लिये मेलबलि चढ़ाए वह उसी मेलबलि में से यहोवा के पास भेंट ले आए”

मूल भाषा में यहाँ **अपनी** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी आई.आर.वि. में इस शब्द का उपयोग नहीं हुआ है। यहाँ लैव्यव्यवस्था का लेखक **अपनी** शब्द प्रयोग करके इस्राएल की प्रजा को संबोधित करने के लिए फिर से तीसरे पुरुष एकवचन के रूप में लौट आता है। यदि तीसरे पुरुष से दूसरे पुरुष और फिर वापस तीसरे पुरुष में परिवर्तन आपकी भाषा में स्वाभाविक न लगे, तो अपने अनुवाद में पिछले अध्यायों में जिस रूप का प्रयोग किया गया है, उसी का प्रयोग जारी रखने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि तुम यहोवा को अपनी मेलबलि का बलिदान चढ़ाते हो, तो तुम्हें अपनी मेलबलि के बलिदान से अपनी भेंट यहोवा के पास लानी चाहिए]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 7:30 (#1)

יָדָיו תְּבִיאֶינָה

“वह अपने ही हाथों से”

यहाँ **अपने हाथों** पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं और बलिदान लाने में व्यक्ति की व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी और सक्रिय भूमिका पर ज़ोर देते हैं। यदि आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए कोई समान अभिव्यक्ति है, तो यहाँ उसका प्रयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो किसी सामान्य अभिव्यक्ति का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वह स्वयं लाए] या, दूसरे पुरुष का प्रयोग करते हुए, [तुम स्वयं लाओ]

देखें: उपलक्षण अलंकार

लैव्यव्यवस्था 7:30 (#2)

אֶת־הַחֵלֶב עַל־הֶחָזֶה & אֵאֵת הֶחָזֶה

“छाती समेत चर्बी... छाती”

यहाँ, **छाती** पशु के माँस का वह हिस्सा है जिसमें पशु की छाती का बड़ा भाग गर्दन के क्षेत्र के नीचे होता है। **छाती** और **छाती समेत चर्बी** को विशेष रूप से माँस और चर्बी के बेहतरीन हिस्से के रूप में माना जाता था। इसलिए, इसे विशेष रूप से यहोवा को समर्पित किया गया था। यदि आपकी भाषा में इस माँस और चर्बी के हिस्से के लिए कोई विशेष शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [छाती के माँस समेत चर्बी ... स्वयं छाती का माँस]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 7:30 (#3)

לְהָנִיף אֹתוֹ תְנוּפָה לִפְנֵי יְהוָה

“हिलाने की भेंट करके यहोवा के सामने हिलाई जाए”

याजक द्वारा यहोवा की उपस्थिति में भेंट को **हिलाना** एक प्रतीकात्मक कार्य है, जो यह दर्शाता है कि व्यक्ति बलिदान को यहोवा के लिए समर्पित कर रहा है। इस कार्य का अर्थ यह हो सकता है: (1) केवल एक विशेष ढंग से बलिदान को यहोवा के सामने प्रस्तुत करना। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा की उपस्थिति में बलिदान की छाती के माँस को उठाकर दिखाना]; या (2) बलिदान की सुगंध को यहोवा की ओर फैलने देना, जिससे यहोवा के लिए एक [मनभावनी सुगंध] उत्पन्न हो और बलिदान स्वीकार किया जाए। वैकल्पिक अनुवाद: [बलिदान की छाती के माँस को ऊपर आगे-पीछे हिलाना, ताकि माँस की सुगंध यहोवा की उपस्थिति की ओर पहुँचे]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 7:30 (#4)

לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के सामने”

यहाँ **यहोवा के सामने** अभिव्यक्ति का अर्थ है “यहोवा की उपस्थिति की ओर” है। यह दर्शाता है कि मूसा ने रोटियों और पतली रोटी को परमपवित्र स्थान की दिशा में लहराया, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते थे। यदि यह बात आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [परमपवित्र स्थान की दिशा में, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते थे]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 7:31 (#1)

וְהָיָה הֶחָזֶה לְאַהֲרֹן וּלְבָנָיו

“परन्तु छाती हारून और उसके पुत्रों की होगी”

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि **छाती** का माँस पूरी तरह से वेदी पर नहीं जलाया जाना चाहिए, बल्कि इसे भोजन के लिए याजकों को दिया जाना चाहिए। देखें कि आपने इस समान अभिव्यक्ति का अनुवाद 7:7 में कैसे किया था।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:31 (#2)

"हारून और उसके पुत्रों की होगी"

देखें कि आपने 2:2 में उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 7:32 (#1)

וְאֵת שׁוֹק הַיָּמִין

"दाहिनी जाँघ"

दाहिनी जाँघ पशु के दाहिने पैर का ऊपरी भाग होता है, जो घुटने के ठीक ऊपर और कूल्हे के जोड़ के नीचे स्थित होता है। यद्यपि जाँघ के **दाहिने** भाग को चुनने का कारण अज्ञात है और इस पर विद्वानों में मतभेद है, फिर भी **जाँघ** स्वयं माँस का एक विशेष रूप से उत्तम भाग माना जाता था। इसी कारण यह भाग विशेष रूप से यहोवा और उनके विशिष्ट उद्देश्यों के लिए समर्पित किया जाता था, जैसे याजकों के लिए भोजन की व्यवस्था करना। यदि आपकी भाषा में पशु के इस उत्तम माँस-भाग के लिए कोई विशेष शब्द है, तो यहाँ उसका प्रयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो किसी सामान्य अभिव्यक्ति का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और पशु के दाहिने पैर में कूल्हे और घुटने के जोड़ के बीच का उत्तम माँस-भाग]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 7:32 (#2)

תִּתְּנוּ & שַׁלְמֵיכֶם

"तुम अपने मेलबलियों... को देना"

जैसा कि इस अध्याय की भूमिका में चर्चा की गई है, यहाँ लैव्यव्यवस्था का लेखक अचानक तीसरे पुरुष सर्वनामों के प्रयोग से दूसरे पुरुष बहुवचन रूपों के प्रयोग की ओर बदल जाता है। यदि तीसरे पुरुष से दूसरे पुरुष के रूपों में यह परिवर्तन आपकी भाषा में स्वाभाविक न लगे, तो अपने अनुवाद में पिछले अध्यायों में जिस रूप का प्रयोग किया गया है, उसी का प्रयोग जारी रखने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [भेंट चढ़ाने वाला व्यक्ति ... अपनी मेलबलियाँ देगा]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 7:32 (#3)

תִּתְּנוּ & שַׁלְמֵיכֶם

"तुम अपने मेलबलियों ... को देना"

यहाँ **तुम** और **अपने** बहुवचन हैं। ये उन इस्राएलियों की ओर संकेत करते हैं जो मिलापवाले तम्बू में बलिदान चढ़ाते थे। यदि आपकी भाषा में किसी समूह को संबोधित करने के लिए बहुवचन रूप का प्रयोग किया जाता है, तो यहाँ उसी रूप के प्रयोग पर विचार करें। यदि नहीं, तो पिछले निर्देश में दिखाए अनुसार तीसरे पुरुष का प्रयोग करने पर विचार करें।

देखें: समूह को दिखाने वाले एकवचन सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 7:32 (#4)

תְּרוּמָמָה לַכֹּהֵן

"भेंट करके याजक को देना"

पहले **भेंट** यहोवा की थी। यहाँ यह संकेतित है कि यह विशेष माँस का अंश यहोवा के लिए, उसके उद्देश्यों के लिए था, विशेष रूप से याजकों को उनका भोजन प्रदान करने के लिए। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो इसे शामिल करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक महत्वपूर्ण भेंट के रूप में उत्तम माँस का अंश जो याजकों को भोजन प्रदान करता है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:33 (#1)

"हारून के पुत्रों में से"

देखें कि आपने 1:5 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 7:33 (#2)

לוֹ תִּהְיֶה שׁוֹק הַיָּמִין לְמָנָה

"दाहिनी जाँघ उसी का भाग होगा"

जैसा कि इस अध्याय की प्रस्तावना में बताया गया है, यह **भाग** याजकों के लिए निर्धारित विशेष भोजन के हिस्से को दर्शाता है, जो यहोवा ने इस्राएल की प्रजा को दिए गए नियमों के अनुसार प्रदान किया। क्योंकि लेवियों, यानी हारून के पुत्रों को कोई भूमि नहीं दी गई थी और वे स्वयं खेती नहीं कर सकते थे, इसलिए उन्हें अपने भोजन के लिए अन्य इस्राएलियों की भेंटो पर निर्भर रहना पड़ता था। यहोवा ने यह भोजन याजकों के लिए इन उत्तम हिस्सों को अलग रखकर प्रदान किया। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो इसे शामिल करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [दाहिनी जाँघ उस याजक के लिए होगी, जो यहोवा द्वारा उसके भोजन के हिस्से के रूप में दी गई है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:34 (#1)

כִּי

"क्योंकि"

क्योंकि के रूप में अनुवादित शब्द यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: [यह इसलिए है] या, दूसरे व्यक्ति का उपयोग करते हुए, [तुम्हें यह करना चाहिए क्योंकि]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 7:34 (#2)

לָקַחְתִּי & וָאֶתֵּן

"लेकर... मैंने दिया"

यह सर्वनाम **मैंने** यहोवा की ओर संकेत करता है, जो अब सीधे अपने बारे में बोल रहे हैं। यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट करने में सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं, यहोवा, ने लेकर ... और मैं, यहोवा, ने दिया]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 7:34 (#3)

“इस्राएलियों... इस्राएलियों”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 7:34 (#4)

אֹתָם

(उसको)

मूल भाषा में **उसको** शब्द का उपयोग किया गया है जो हिन्दी अनुवाद में नहीं पाया जाता है। सर्वनाम **उसको छाती** और **दाहिनी जाँघ** को संदर्भित करता है, जो माँस के विशेष हिस्से हैं जिन्हें यहोवा ने याजकों के भोजन के लिए प्रदान किया था। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [छाती का माँस और दाहिनी जाँघ का हिस्सा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 7:34 (#5)

בְּנֵי־יִשְׂרָאֵל & בְּנֵי יִשְׂרָאֵל

“याजक हारून और उसके पुत्रों को”

देखें कि आपने 2:2 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 7:34 (#6)

“सर्वदा... हक़ बना रहे”

वैकल्पिक अनुवाद: [भोजन के एक हिस्से के रूप में जो हमेशा याजकों को दिया जाना चाहिए]

लैव्यव्यवस्था 7:35 (#1)

זֹאת מִשְׁחַת אַהֲרֹן וּמִשְׁחַת בָּנָיו

“हारून और उसके पुत्र... भाग ठहराया गया”

यह **भाग** पिछले पद में बताए गए “सर्वदा के हक़” के समान है। यह माँस के उत्तम हिस्सों—छाती और दाहिनी जाँघ—की ओर संकेत करता है, जिन्हें यहोवा ने निर्देश दिया था कि यह याजकों को भोजन के लिए दिया जाना चाहिए, और ये उस मेलबलि से लिए गए हैं जिसे इस्राएल की प्रजा चढ़ाएगी। यदि आपके पाठक इस शब्द से परिचित न हों, तो आप अपने क्षेत्र में इसके समान किसी नाम का प्रयोग कर सकते हैं, या कोई सामान्य शब्द उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यह बलिदानों के माँस का वह हिस्सा है जिसे हारून और उसके पुत्रों को दिया जाना चाहिए]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 7:35 (#2)

“यहोवा के हव्यों में से”

देखें कि आपने 2:3 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 7:35 (#3)

בְּיוֹם הִקְרִיב אֹתָם לְכַהֵן לַיהוָה

“जिस दिन... यहोवा के समीप याजकपद के लिये लाए गए”

बाइबल के मूल भाषा में यहाँ **वह, वे** का प्रयोग किया गया है पर हिन्दी आई.आर.वी. में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। यह सर्वनाम **वह** मूसा की ओर संकेत करता है, और **वे** हारून और उसके पुत्रों की ओर संकेत करता है। **जिस दिन... यहोवा के समीप याजकपद के लिये लाए गए** अभिव्यक्ति उस दिन को दर्शाती है जब मूसा ने हारून और उसके पुत्रों को तेल से अभिषिक्त किया और उन्हें यहोवा की सेवा में याजक के रूप में समर्पित किया, जैसा कि 8:12 और 8:30 में वर्णित है। यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट करने में सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस दिन मूसा ने हारून और उसके पुत्रों को यहोवा के लिए याजक के रूप में प्रस्तुत किया]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 7:36 (#1)

בְּיוֹם מָשְׁחוֹ אֹתָם מֵאֵאת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל

“जिस दिन यहोवा ने उनका अभिषेक किया... इस्राएलियों की ओर से”

जिस दिन यहोवा ने उनका अभिषेक किया... इस्राएलियों की ओर से अभिव्यक्ति उस दिन को दर्शाती है जब याजकों को विशेष रूप से यहोवा के लिए समर्पित किया गया, यानी उन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए बाकी इस्राएलियों से अलग कर दिया गया। इस अर्थ में, याजक इस्राएल की प्रजा **की ओर से** अभिषिक्त किए जाते हैं। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो इसे शामिल करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस दिन उन्हें यहोवा के लिए याजक बनने और इस्राएल की प्रजा के बाकी लोगों से अलग समर्पित किए जाने के लिए अभिषिक्त किया गया]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 7:36 (#2)

בְּיוֹם מָשְׁחוֹ אֹתָם

“जिस दिन... उनका अभिषेक किया”

जैसा कि पिछले पद में, सर्वनाम **उसका** मूसा को संदर्भित करता है और **उनका** याजकों को, अर्थात् हारून और उसके पुत्रों को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस दिन मूसा ने हारून और उसके पुत्रों को यहोवा के लिए याजक के रूप में अभिषेक किया]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 7:36 (#3)

בְּיוֹם מָשְׁחוֹ אֹתָם

“जिस दिन यहोवा ने उनका अभिषेक किया”

याजकों को **अभिषेक** करने का कार्य एक प्रतीकात्मक क्रिया थी, जिसमें तेल आम तौर पर जैतून का तेल को उदारतापूर्वक याजकों के सिर पर लगाया जाता था, ताकि यह दर्शाया जा सके कि वे यहोवा की विशेष, पवित्र सेवा के लिए समर्पित हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट न हो, तो आप इस क्रिया के महत्व को पाठ में या पाद टिप्पणी में समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस दिन उन्हें यहोवा के लिए याजक बनने और उसकी सेवा के लिए समर्पित किए जाने का चिन्ह देने हेतु तेल से अभिषेक किया गया]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 7:36 (#4)

“इस्राएलियों”

देखें कि आपने 1:2 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 7:36 (#5)

חֻקַּת עוֹלָם לְדֹרֹתָם

“उनकी पीढ़ी-पीढ़ी के लिये उनका यही हक़ ठहराया गया”

अभिव्यक्ति **उनकी पीढ़ी-पीढ़ी के लिये उनका यही हक़ ठहराया गया** कुछ शब्दों को छोड़ देती है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यह संकेत देती है कि हर इस्राएली को हमेशा इस आज्ञा का पालन करना चाहिए, चाहे वे कहीं भी रहते हों। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [एक हक़ के रूप में] या [जो एक हक़ होगा]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 7:37 (#1)

וְלַמִּלּוּאִים

“याजकों के संस्कार बलि”

यह **संस्कार बलि** एक विशेष बलिदान था जो एक याजक को याजक पद पर समर्पित करने के अवसर पर चढ़ाया जाता था जो यहोवा की विशेष, पवित्र सेवा थी। इसे 8:22–32 में विस्तार से वर्णित किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: [और उस बलिदान का जो याजकों के लिए चढ़ाया जाता है, जब उन्हें यहोवा के लिए याजक के रूप में समर्पित किया जाता है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 7:38 (#1)

בְּיוֹם צַוֹּתוֹ

“जब यहोवा ने... आज्ञा दी”

जब यहोवा ने... आज्ञा दी अभिव्यक्ति का अर्थ हो सकता है: (1) यहोवा द्वारा इस्राएल की प्रजा को बलिदान लाना शुरू करने का आज्ञा देना। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस दिन यहोवा ने... आज्ञा दी]; या (2) मूसा द्वारा, जो यहोवा से प्राप्त नियमों को प्रजा को बता रहा था, बलिदान लाना शुरू करने का आदेश देना। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस दिन मूसा ने... आज्ञा दी]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 7:38 (#2)

“इस्राएली”

देखें कि आपने 1:2 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 7:38 (#3)

“मेरे लिये... चढ़ावा चढ़ाएँ”

देखें कि आपने 1:2 में शब्दों की काव्यात्मक पुनरावृत्ति के प्रभाव को कैसे व्यक्त किया था।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 8:1 (#1)

לֵאמֹר

“कहा”

कहा के रूप में अनुवादित शब्द एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, उन तरीकों पर विचार करें जिनसे आप इस उद्धरण को अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 8:2 (#1)

“और उसके पुत्रों”

वैकल्पिक अनुवाद: [और उसके चार पुत्रों, नादाब, अबीहू, एलीआजर, और ईतामार]

लैव्यव्यवस्था 8:2 (#2)

“वस्त्रों”

वैकल्पिक अनुवाद: [और याजकीय वस्त्र] या [और विशेष वस्त्र जो याजक पहनते थे]

लैव्यव्यवस्था 8:2 (#3)

וְאֵת שֶׁמֶן הַמִּשְׁחָה

“और अभिषेक के तेल”

अभिषेक के तेल अभिव्यक्ति सर्वनाम रूप में प्रयुक्त हुई है ताकि उस जैतून के तेल का वर्णन किया जा सके, जिसे सुगंधित मसालों के साथ मिलाया जाता था और जिसका प्रयोग यहोवा की सेवा के लिए याजकों और राजाओं को औपचारिक रूप में अलग करने में किया जाता था। यह कार्य उस व्यक्ति या वस्तु पर तेल छिड़ककर या डालकर किया जाता था जिसे अलग किया जा रहा था। इस तेल का विवरण विस्तार से निर्गमन 30:23–24 में दिया गया है। यदि आपकी भाषा में **अभिषेक** जैसी भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इसे क्रिया रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह तेल जिसका उपयोग लोगों और वस्तुओं को यहोवा की सेवा के लिए अभिषेक करने में किया जाता है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 8:2 (#4)

וְאֵאֵת ׀ פַּר הַחַטָּאת

“और पापबलि के बछड़े”

अभिव्यक्ति **पापबलि के बछड़े** उस बछड़े का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग करती है जिसे **पापबलि** के लिए चुना गया था। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह बछड़ा जिसे हारून और उनके पुत्र पापबलि के रूप में प्रस्तुत करेंगे]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 8:6 (#1)

וַיַּקְרֵב מֹשֶׁה אֶת־אַהֲרֹן וְאֶת־בָּנָיו

“मूसा ने हारून और उसके पुत्रों को समीप ले जाकर”

किसी व्यक्ति या वस्तु को **समीप ले जाना** एक प्रतीकात्मक क्रिया है जिसमें व्यक्ति, वस्तु, या पशु को मिलापवाले तम्बू के प्रवेश द्वार पर लाना शामिल है, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते थे। यहाँ, उसी क्रिया का प्रयोग हारून और उनके पुत्रों के लिए किया गया है जो लैव्यव्यवस्था 1–7 में बलिदानों के लिए की गई थी। वैकल्पिक अनुवाद: [और मूसा हारून और उसके पुत्रों को यहोवा की उपस्थिति में खड़ा करने के लिए आगे लाए]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:6 (#2)

וַיִּרְחַץ אֹתָם בַּמָּיִם

“मूसा ने... जल से नहलाया”

यह एक प्रतीकात्मक क्रिया है जो अभिषेक के समारोह के दौरान आवश्यक होती है, जैसा कि निर्गमन 29:1–46में वर्णित है। यहाँ जल से नहलाया जाना एक अनुष्ठानिक शुद्धिकरण का हिस्सा है, जो हारून और उसके पुत्रों को याजक बनने के लिए तैयार करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस क्रिया के महत्व को पाद टिप्पणी या अनुवाद के पाठ में स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसने उन्हें जल से नहलाया ताकि उन्हें शुद्ध किया जा सके और यहोवा के लिए याजक बनने के लिए तैयार किया जा सके]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:6 (#3)

וַיִּרְחַץ אֹתָם בַּמָּיִם

“मूसा ने... जल से नहलाया”

ऐसा लग सकता है कि अभिव्यक्ति **मूसा ने... जल से नहलाया** में अतिरिक्त जानकारी है जो आपकी भाषा में व्यक्त करना अप्राकृतिक होगा। यदि ऐसा है, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:9 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसने उन्हें अच्छी तरह से नहलाया]

देखें: विशिष्ट सूचना को अंतर्निहित कब बनाएँ

लैव्यव्यवस्था 8:7 (#1)

בְּחֵשֶׁב הָאֵפֹד

“कमरबन्ध”

यह **कमरबन्ध** सन के कपड़े की एक लंबी पट्टी थी, जिसे अंगरखे के ऊपर पहना जाता था। इस पर नीले, बैंगनी और लाल रंगों की कढ़ाई की गई थी, और इसके किनारों पर छोटी-छोटी घंटियाँ तथा अनार के आकार की सजावट लगी होती थी—जैसा कि निर्गमन 28:4, निर्गमन 28:39–40, निर्गमन 29:9, और निर्गमन 29:29 में वर्णित है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार के धार्मिक वस्त्र के लिए कोई विशेष शब्द हो, तो यहाँ उसका प्रयोग करें; यदि न हो, तो कोई सामान्य शब्द प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [विशेष कमरबन्ध के साथ]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 8:7 (#2)

אֶת־הַמְּעִיל

“बागा पहना दिया”

यह **बागा** नीले और बैंगनी रंग का बाहरी वस्त्र था जो बुने हुए ऊन से बना था; यह एक कपड़े का टुकड़ा था जिसमें सिर के लिए एक छेद था, जैसा कि निर्गमन 28:31–35 और निर्गमन 39:22–26 में वर्णित है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार के धार्मिक वस्त्र के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य शब्द का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [विशेष बागे के साथ]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 8:7 (#3)

אֶת־הָאֵפֹד

“एपोद”

एपोद शब्द इब्रानी भाषा से लिया गया है। आपको यह निर्णय करना होगा कि आप इस शब्द को अपनी भाषा में भी उसी रूप में अपनाएँ या इसके अर्थ का अनुवाद करें। दोनों तरीकों को व्यापक समर्थन प्राप्त है। यदि आप इस शब्द को उधार लेते हैं, तो आप इसे अपनी भाषा में उसके उच्चारण के अनुसार लिख सकते हैं और फिर उसके अर्थ को पाद टिप्पणी में समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [याजक का विशेष अँगोछा]

देखें: शब्दों की नकल करना या यथावत रखना

लैव्यव्यवस्था 8:7 (#4)

“एपोद के काढ़े हुए पट्टे से”

यह **एपोद का काढ़ा हुआ पट्टा** कुशलता से बुना हुए सनी का एक टुकड़ा था, जिस पर नीले, लाल और बैंगनी धागे से कढ़ाई की गई थी; इसे कमर के चारों ओर पहना जाना था, और यह याजकीय **एपोद** से मेल खाता था। इसका वर्णन निर्गमन 28:8, निर्गमन 39:5, और निर्गमन 39:20–21 में किया गया है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार के धार्मिक वस्त्र के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य शब्द का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एपोद के विशेष सनी पट्टे के साथ]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 8:7 (#5)

“बाँधकर कस दिया”

वैकल्पिक अनुवाद: [और उसने उसके साथ एपोद को जोड़ दिया]

लैव्यव्यवस्था 8:8 (#1)

אֶת־הָאוּרִים וְאֶת־הַתֻּמִּים

“ऊरीम और तुम्मीम”

यद्यपि उनकी सटीक पहचान और कार्य को लेकर मतभेद हैं, फिर भी **ऊरीम और तुम्मीम** ऐसे प्रतीत होते हैं कि वे वस्तुएँ थीं जिनका उपयोग याजक पवित्र तम्बू में यहोवा की इच्छा जानने के लिए करते थे। **ऊरीम और तुम्मीम** याजकों के **छाती के वस्त्र** की जेब में रखे जाते थे, और निर्गमन 28:30 में कहा गया है कि जब हारून यहोवा के सामने आए, तो वे “उसके हृदय के ऊपर” हों। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की धार्मिक वस्तु के लिए कोई विशेष शब्द हो, तो यहाँ उसका प्रयोग करें; यदि न हो, तो कोई सामान्य अभिव्यक्ति प्रयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वे विशेष पत्थर जिनका उपयोग याजक यहोवा की इच्छा जानने के लिए करते हैं]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 8:8 (#2)

אֶת־הָאוּרִים וְאֶת־הַתֻּמִּים

“ऊरीम और तुम्मीम”

शब्द **ऊरीम** और **तुम्मीम** इब्रानी भाषा से लिए गए हैं। आपको यह तय करना होगा कि आप इन शब्दों को अपनी भाषा में भी लेंगे या उनके अर्थ का अनुवाद करेंगे। यदि आप शब्दों को लेते हैं, तो आप उन्हें अपनी भाषा में जिस तरह से वे सुनाई देते हैं, उस तरह से लिख सकते हैं और फिर अनुवाद को एक पाद टिप्पणी में रख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [विशेष पत्थर जिन्होंने याजक को यहोवा की इच्छा जानने में सहायता की]

देखें: शब्दों की नकल करना या यथावत रखना

लैव्यव्यवस्था 8:9 (#1)

אֶת־הַמִּצְנֶפֶת

“पगड़ी”

एक **पगड़ी** एक पुरुष के सिर को ढकने वाला वस्त्र है जो सिर के चारों ओर लपेटे गए लंबे कपड़े से बना होता है। यह **पगड़ी** बारीक बुने हुए सनी से बनी थी (जैसा कि निर्गमन 28:39 में बताया गया है) और इसे याजको द्वारा यहोवा को बलिदान चढ़ाते समय उनके सिर को ढकने के लिए पहना जाता था। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार के धार्मिक वस्त्र के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य शब्द का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [महायाजक की विशेष साफ़ा] या [महायाजक द्वारा पहना गया सिर की टोपी]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 8:9 (#2)

אֶל־מִמּוּל פָּנָיו

“के सामने”

अभिव्यक्ति **के सामने** एक मुहावरा है। यह पगड़ी के सामने की ओर संकेत करता है, जिस पर **सोने के टीके** लगाई गई थी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [पगड़ी के सामने की ओर]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 8:9 (#3)

אֵאֶת צִיץ הַזָּהָב

“सोने का टीका”

यह **सोने का टीका** संभवतः एक सजावटी आकार की सोने की थाली थी जिस पर “यहोवा के लिए पवित्र” शब्द खुदे हुए थे, (जैसा कि निर्गमन 28:36 में बताया गया है)। निर्गमन 28:36–38 यह समझाता है कि यह **सोने का टीका** याजकों को इस्राएलियों के दोष को सहन करने की अनुमति देता था जब वे लोगों की ओर से बलिदान चढ़ाते थे। यदि आपकी भाषा में इस विशेष धार्मिक वस्तु के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य शब्द का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [विशेष नक्काशीदार सोने का चिन्ह]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 8:9 (#4)

נֵזֶר הַקֹּדֶשׁ

“पवित्र मुकुट”

अभिव्यक्ति **पवित्र मुकुट** अधिकारवाचक रूप का उपयोग करती है ताकि या तो: (1) एक मुकुट जो विशेष रूप से पवित्र था। वैकल्पिक अनुवाद: [पवित्र मुकुट] या (2) एक मुकुट जो याजक की अपनी पवित्रता को धारण करता था और दर्शाता था। वैकल्पिक अनुवाद: [मुकुट जो दर्शाता है कि याजक कितना पवित्र है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 8:10 (#1)

“अभिषेक का तेल”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 8:2 में कैसे किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 8:10 (#2)

וַיִּמְשַׁח אֶת־הַמִּשְׁכָּן וְאֶת־כָּל־אֲשֶׁר־בּוֹ

“और जो कुछ उसमें था उन सब का भी अभिषेक करके उन्हें पवित्र किया”

यह एक अनुष्ठानिक क्रिया है। मिलापवाले तम्बू के सभी बर्तनों और चल सामग्री पर विशेष अभिषेक तेल छिड़ककर और डालकर, मूसा ने उन्हें यहोवा के उद्देश्यों के लिए विशेष उपयोग हेतु अलग कर दिया। इस समारोह का विस्तार से वर्णन निर्गमन 30:26–29 में किया गया है।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:11 (#1)

וַיַּז מִמֶּנּוּ

“और उस... छिड़का”

सर्वनाम **उस** पिछले पद में उल्लिखित अभिषेक के तेल को संदर्भित करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो संदर्भ को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसने कुछ अभिषेक के तेल का छिड़काव किया]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 8:11 (#2)

“और सम्पूर्ण सामान”

वैकल्पिक अनुवाद: [मिलापवाले तम्बू में वेदी पर उपयोग किए जाने वाले सभी बर्तन, कड़ाही, फावड़े, और कांटे]

लैव्यव्यवस्था 8:11 (#3)

וְאֶת־הַכִּיֹּר

“हौदी”

यह **हौदी** एक बड़ा काँसे का टब था जिसे पानी से भरा जाता था और धार्मिक धुलाई के लिए उपयोग किया जाता था। इसका वर्णन निर्गमन 30:17–21 में किया गया है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की धार्मिक वस्तु के लिए कोई शब्द है, तो उसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य शब्द का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [विशेष काँसे का बर्तन]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 8:11 (#4)

וְאֶת־כַּנּוֹ

“और पाए समेत”

यह **पाए** काँसे से बने थे। इसके ऊपर **हौदी** रखी गई थी। इसका उल्लेख निर्गमन 30:18 में किया गया है, जहाँ हौदी का भी वर्णन किया गया है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की धार्मिक वस्तु के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य शब्द का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और हौदी के लिए काँसे के पाए]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 8:11 (#5)

לְקַדְּשָׁם

“अभिषेक करके”

यहाँ शब्द **अभिषेक** के तेल से उन्हें छिड़कने के लक्ष्य या उद्देश्य के रूप में **पवित्र** करने का संकेत देता है।अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि यह उद्देश्य है। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, पूर्ण विराम से पहले: [उसने यह उन्हें पवित्र करने के लिए किया]

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 8:12 (#1)

“अभिषेक के तेल में से कुछ”

देखें कि आपने 8:2 में समान अधिकारवाचक रूप का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 8:12 (#2)

“और उसने अभिषेक... किया”

देखें कि आपने 8:10 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:12 (#3)

לְקַדְּשׁוֹ

“उसे पवित्र किया”

यहाँ **के** शब्द हारून के अभिषेक को लक्ष्य या उद्देश्य के रूप में दर्शाता है, अर्थात उसके सिर पर **अभिषेक का तेल** उंडेलने का उद्देश्य उसे पवित्र ठहराना था। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक प्रयोग करें जिससे यह उद्देश्य स्पष्ट हो जाए। यहाँ नया वाक्य आरंभ करना भी सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, पूर्ण विराम पहले रखते हुए: [उसने ऐसा हारून को पवित्र करने के लिए किया]

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 8:13 (#1)

“फिर मूसा ने हारून के पुत्रों को समीप ले आकर”

देखें कि आपने इस प्रतीकात्मक क्रिया का अनुवाद 8:6 में किस प्रकार किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:13 (#2)

מִגְּבָעֹות

“सिर पर टोपी”

ये **सिर पर टोपी** बारीक बुने हुए सनी के वस्त्र से बने थे, जो संभवतः सिर के चारों ओर लपेटे जाते थे। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार के धार्मिक वस्त्र के लिए कोई विशेष शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य शब्द का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [याजकों के सिर पर बांधने वाला विशेष वस्त्र]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 8:14 (#1)

וַיַּגֵּשׁ אֵאֵת פַּר הַחַטָּאת

“तब वह पापबलि के बछड़े को समीप ले गया”

पापबलि के बछड़े को समीप एक प्रतीकात्मक क्रिया है, जो इस अध्याय और लैव्यव्यवस्था के अन्य स्थानों में प्रयुक्त “प्रस्तुत करना” अभिव्यक्ति के समान अर्थ रखती है। इसका अर्थ है व्यक्ति, वस्तु या पशु को मिलापवाले तम्बू के द्वार पर लाना, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते थे, और उसे यहोवा के सामने प्रदर्शित करना। यदि आपकी भाषा में इस क्रिया का महत्व स्पष्ट न हो, तो इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से

व्यक्त करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह पापबलि के बछड़े को मिलापवाले तम्बू में यहोवा की उपस्थिति के सामने ले आया]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:14 (#2)

"पापबलि के बछड़े और पापबलि के बछड़े"

देखें कि आपने इस अधिकारवाचक रूप का अनुवाद 8:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 8:14 (#3)

וַיִּסְמְכוּ אַהֲרֹן וּבָנָיו אֶת־יְדֵיהֶם עַל־רֹאשׁ פַּר הַחַטָּאת

"और हारून और उसके पुत्रों ने अपने-अपने हाथ पापबलि के बछड़े के सिर पर रखे"

यह एक प्रतीकात्मक क्रिया है जो **हारून और उसके पुत्रों** को उस पशु के साथ जोड़ती है जिसे वे चढ़ा रहे हैं। इस प्रकार वे यहोवा की उपस्थिति में अपने पाप को उस पशु पर स्थानांतरित करते हैं। देखें कि आपने इस क्रिया का अनुवाद 1:4 में कैसे किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:15 (#1)

וַיִּשְׁחָט

"तब वह बलि किया गया"

मूल भाषा में यहाँ 'उसने' का प्रयोग किया गया है पर हिन्दी आई.आर.वि. में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। जो व्यक्ति बलिदान चढ़ाता था, वही आमतौर पर उस बलि के लिए जानवर को मारता था। हालाँकि, इस मामले में, भले ही मूसा बलि चढ़ा रहा था, लेकिन सर्वनाम **उसने** शायद हारून और उसके बेटों को बताता है, जो मिलकर काम कर रहे थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो संदर्भ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और हारून और उसके बेटों ने वह बलि किया]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 8:15 (#2)

"और मूसा ने लहू को लेकर"

देखें कि आपने 1:5 में इस अभिव्यक्ति में निहित जानकारी को कैसे प्रस्तुत किया था।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 8:15 (#3)

וַיְחַטֵּא אֶת־הַמִּזְבֵּחַ

"और मूसा ने... वेदी पवित्र किया"

यहाँ **और मूसा ने... वेदी पवित्र किया** का अर्थ है कि उसकी प्रतीकात्मक क्रिया ने पाप की उपस्थिति से उत्पन्न अशुद्धता को वेदी से दूर कर दिया। वेदी के सींगों पर लहू लगाकर और वेदी के पाए पर लहू उण्डेलकर, मूसा ने लहू की शुद्ध करने वाली शक्ति का उपयोग किया ताकि वेदी को शुद्ध किया जा सके और उसे ऐसा पात्र बनाया जा सके जिसके माध्यम से यहोवा को स्वीकार्य बलिदान चढ़ाए जा सकें। यदि यह बात आपकी भाषा में स्पष्ट न हो, तो अपने अनुवाद में शब्द जोड़कर या पाद टिप्पणी देकर इसे स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वेदी पर लहू लगाकर उसने पाप की अशुद्धता से वेदी को शुद्ध किया, ताकि वह यहोवा के लिए बलिदान चढ़ाने का एक स्वीकार्य स्थान बन सके]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:15 (#4)

וְיִקְדְּשֵׁהוּ לְכַפֵּר עָלָיו

"और उसके लिये प्रायश्चित करके उसको पवित्र किया"

यहाँ **उसके लिये** शब्द वेदी पर **प्रायश्चित** किए जाने को मूसा द्वारा वेदी को शुद्ध करने का उद्देश्य या लक्ष्य दर्शाता है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक प्रयोग करें जिससे यह उद्देश्य स्पष्ट हो जाए। यहाँ नया वाक्य आरंभ करना भी सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसने उसे पवित्र किया। उसने ऐसा इसलिए किया ताकि उस पर प्रायश्चित किया जा सके]

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 8:15 (#5)

"उसके लिये प्रायश्चित"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति और इसके भाववाचक संज्ञा को 1:4 में कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 8:17 (#1)

"उसने... आग में जलाया"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति में अतिरिक्त जानकारी को 4:12 में कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: विशिष्ट सूचना को अंतर्निहित कब बनाएँ

लैव्यव्यवस्था 8:17 (#2)

שָׂרַף בָּאֵשׁ

"उसने... आग में जलाया"

यद्यपि विषय को स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है, फिर भी **उसने** सर्वनाम न तो मूसा की ओर संकेत कर सकता है, जो याजक के रूप में बलिदान चढ़ाता है और न ही हारून और उसके पुत्रों की ओर, जिन्हें याजक के रूप में अभिषिक्त किया जा रहा है। जैसा कि पहले बताया गया है, यह कार्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किया जाना चाहिए था, जो मृत पशु के शव के संपर्क में आकर अशुद्ध होने का जोखिम उठा सकता था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो संदर्भित व्यक्ति को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी और ने उसे आग से जलाया] या [किसी अन्य इस्राएली ने उसे आग से जलाया]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 8:18 (#1)

"होमबलि के मेढ़े को समीप ले गया"

देखें कि आपने 8:2 में समान अधिकारवाचक के रूप का अनुवाद कैसे किया।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 8:18 (#2)

וְיִסְמְכוּ֙ אַהֲרֹ֣ן וּבָנָ֔יו אֶת־יְדֵיהֶ֖ם עַל־רֹ֥אשׁ הָאֵֽיל

“और हारून और उसके पुत्रों ने अपने-अपने हाथ मेढ़े के सिर पर रखे”

यह एक प्रतीकात्मक कार्य है जो **हारून और उसके पुत्रों** को उन पशुओं के साथ जोड़ता है जिन्हें वे चढ़ा रहे हैं। इस प्रकार, वे यहोवा की उपस्थिति में अपने पापों को पशु पर स्थानांतरित कर रहे हैं। देखें कि आपने इसे 1:4 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:19 (#1)

וַיִּשְׁחָטֻ֔ט

“तब वह बलि किया गया”

सामान्यतः जो व्यक्ति बलिदान चढ़ाता था, वही उस बलिदान के पशु को वध करता था। परन्तु इस स्थिति में, यद्यपि मूसा बलिदान चढ़ा रहा है, फिर भी **वह** सर्वनाम संभवतः हारून की ओर संकेत करता है, जो अपने पुत्रों के साथ मिलकर कार्य कर रहा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो संदर्भित कर्ता को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और हारून और उसके पुत्रों ने उसे बलि किया]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 8:20 (#1)

וְאֶת־הָאַ֖יִל נִתַּ֑ח לִנְתָחָ֖יו

“तब मेढ़ा टुकड़े-टुकड़े किया गया”

ज़ोर देने के लिए, यहाँ एक ही मूल से आए हुए क्रिया और उसके कर्म का प्रयोग किया गया है। **काटना** क्रिया **टुकड़े** संज्ञा से संबंधित है। अपनी भाषा में यदि इसी प्रकार की रचना उपलब्ध हो, तो अर्थ को व्यक्त करने के लिए उसका प्रयोग किया जा सकता है। अन्यथा, आपकी भाषा में ज़ोर देने का कोई अन्य तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसने मेढ़े को सावधानीपूर्वक और पूरी तरह उसके विभिन्न टुकड़ों में काट दिया]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 8:20 (#2)

וְאֶת־הַנִּתָּחִֽים

“तब... टुकड़े-टुकड़े”

टुकड़े अभिव्यक्ति से पशु के शरीर के सभी भागों का संकेत मिलता है—खाल को छोड़कर—जिन्हें लैव्यव्यवस्था 1:8 और 7:8 में दर्ज नियमों के अनुसार अग्निबलि में सम्मिलित किया जाता था। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो इसे शामिल करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और, याजक को दी गई खाल को छोड़कर, शरीर के सभी अंग]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 8:20 (#3)

“और चर्बी”

देखें कि आपने इस चर्बी के हिस्से का अनुवाद 1:8 में कैसे किया।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 8:21 (#1)

“जल से धोये”

देखें कि आपने 1:5में इस अभिव्यक्ति से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी को कैसे प्रस्तुत किया था।

देखें: विशिष्ट सूचना को अंतर्निहित कब बनाएँ

लैव्यव्यवस्था 8:22 (#1)

אֵ֣יל הַמִּלֻּאִ֗ים

“मेढ़े को जो संस्कार का मेढ़ा था”

अभिव्यक्ति **संस्कार का मेढ़ा** अधिकारवाचक रूप का उपयोग करती है ताकि उस **मेढ़े** का वर्णन किया जा सके जिसे **संस्कार** के लिए बलिदान के रूप में चुना गया था। यदि यह आपके भाषा में अस्पष्ट हो, तो अर्थ को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वह मेढ़ा जिसे हारून और उसके पुत्रों ने संस्कार में प्रस्तुत किया]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 8:23 (#1)

וַיִּתֵּ֣ן עַל־תְּנ֣וּךְ אֹ֣זֶן־אַהֲרֹ֗ן הַיְמָנִית֮ וְעַל־בֹּ֣הֶן יָדוֹ֒ הַיְמָנִ֣ית וְעַל־בֹּ֣הֶן רַגְלֹ֔ו הַיְמָנִֽית

“और मूसा ने उसके लहू में से कुछ लेकर हारून के दाहिने कान के सिरे पर और उसके दाहिने हाथ और दाहिने पाँव के अँगूठों पर लगाया”

यह एक प्रतीकात्मक क्रिया है। जिस प्रकार वेदी के किनारों पर लहू लगाने से वेदी शुद्ध होती थी और उसे यहोवा के लिए स्वीकार्य बलिदान चढ़ाने का उपयुक्त माध्यम बनाया जाता था, उसी प्रकार हारून के दाहिने कान के सिरे, दाहिने हाथ के अँगूठे और दाहिने पैर के बड़े अँगूठे पर लहू लगाकर मूसा ने हारून को शुद्ध किया और उसे यहोवा के लिए स्वीकार्य बलिदान चढ़ाने के लिए अलग ठहराने की तैयारी की। यदि यह बात आपकी भाषा में स्पष्ट न हो, तो इस विधि के अर्थ को पाद टिप्पणी में या अपने अनुवाद के पाठ में समझाने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसने उसे हारून के दाहिने कान के सिरे पर, उसके दाहिने हाथ के अँगूठे पर और उसके दाहिने पैर के बड़े अँगूठे पर लगाया। उसने ऐसा हारून को पाप की अशुद्धता से शुद्ध करने और यहोवा को स्वीकार्य बलिदान चढ़ाने के लिए तैयार करने के उद्देश्य से किया]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:24 (#1)

“और वह हारून के पुत्रों को समीप ले गया”

देखें कि आपने इस प्रतीकात्मक क्रिया का अनुवाद 8:6 में किस प्रकार किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:24

וַיִּתֵּן מֹשֶׁה מִן־הַדָּמוֹ עַל־תְּנוּךְ אָזְנוֹ הַיְמָנִית וְעַל־בֹּהֶן יָדוֹ הַיְמָנִית וְעַל־בֹּהֶן רַגְלוֹ הַיְמָנִית

“और वह हारून के पुत्रों को समीप ले गया, और लहू में से कुछ एक-एक के दाहिने कान के सिरे पर और दाहिने हाथ और दाहिने पाँव के अँगूठों पर लगाया; और मूसा ने लहू को वेदी पर चारों ओर छिड़का”

जैसा कि हारून के साथ किया गया था, यह भी एक अनुष्ठानिक क्रिया है। जिस प्रकार वेदी के सिरों पर लहू लगाने से वेदी शुद्ध होती थी और वह यहोवा के लिए स्वीकार्य बलिदान चढ़ाने का उपयुक्त माध्यम बनाया जाता था, उसी प्रकार हारून के पुत्रों के दाहिने कान के सिरे, उनके दाहिने हाथ के अँगूठे और उनके दाहिने पैर के बड़े अँगूठे पर लहू लगाकर मूसा ने हारून के पुत्रों को शुद्ध किया और उन्हें यहोवा के लिए स्वीकार्य बलिदान चढ़ाने के लिए अलग ठहराने की तैयारी की। यदि यह बात आपकी भाषा में स्पष्ट न हो, तो इस विधि के अर्थ को पाद टिप्पणी में या अपने अनुवाद के पाठ में समझाने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और मूसा ने कुछ लहू उनके दाहिने कान के सिरे पर, उनके दाहिने हाथ के अँगूठे पर और उनके दाहिने पैर के बड़े अँगूठे पर लगाया। उसने ऐसा हारून के पुत्रों को पाप की अशुद्धता से शुद्ध करने और यहोवा को स्वीकार्य बलिदान चढ़ाने के लिए तैयार करने के उद्देश्य से किया]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:26 (#1)

וּמִסַּל הַמַּצּוֹת אֲשֶׁר ׀ לִפְנֵי יְהוָה

“और अख़मीरी रोटी की टोकरी जो यहोवा के आगे रखी गई थी”

यहाँ **यहोवा के आगे** का अर्थ **अख़मीरी रोटी की टोकरी** के स्थान से है, जैसा कि निर्गमन 29:3 में निर्दिष्ट है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और उस अख़मीरी रोटी की टोकरी में से, जो पवित्र तम्बू के पवित्र स्थान में यहोवा की उपस्थिति में रखी थी, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच रहते थे]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 8:26 (#2)

וּמִסַּל הַמַּצּוֹת

“और अख़मीरी रोटी की टोकरी जो”

अभिव्यक्ति **अख़मीरी रोटी की टोकरी** एक टोकरी का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग करती है जो अख़मीरी रोटी की उपस्थिति से विशेषता रखती है। यदि यह आपके भाषा में अस्पष्ट हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और उस टोकरी से जिसमें अख़मीरी रोटी थी]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 8:26 (#3)

וְחַלַּת לֶחֶם שֶׁמֶן אַחַת

“और तेल से सने हुए मैदे का एक फुलका”

तेल से सने हुए मैदे का एक फुलका अभिव्यक्ति अधिकारवाचक रूप का प्रयोग करती है, जिससे ऐसी रोटी का वर्णन किया गया है जिसके ऊपर तेल लगा हुआ है या जिसमें तेल की उपस्थिति विशेष रूप से दिखाई देती है। यह उस रोटी के अनुरूप है जिसका आटा 7:12 में तेल से अच्छी तरह साना गया है। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक रोटी का टुकड़ा जो तेल से अच्छी तरह सानी गई थी]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 8:27 (#1)

אֶת־הַכֹּל

“सब”

यहाँ, **सब** का अर्थ हारून और उसके पुत्रों को चर्बी के हिस्से, दाहिनी जाँघ, और सभी रोटियों को देना है। यदि यह सहायक हो, तो संदर्भ को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [चर्बी के सभी हिस्से, दाहिनी जाँघ, और रोटियाँ]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 8:27 (#2)

וַיָּנֶף אֹתָם תְּנוּפָה

“और हिलाने की भेंट के लिये यहोवा के सामने हिलाई गईं”

यद्यपि विषय का नाम स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है, फिर भी सामान्यतः वही व्यक्ति जो बलिदान चढ़ाता है, यहोवा की उपस्थिति में बलिदान के अंशों को हिलाकर उन्हें यहोवा के लिए समर्पित करने का अधिकारी होता है। इसलिए यहाँ **वह** संभवतः हारून और उसके पुत्रों की ओर संकेत करता है। यह बात इस तथ्य से और स्पष्ट होती है कि मूसा ने चर्बी के अंश, दाहिनी जाँघ और रोटियाँ हारून और उसके पुत्रों की खुली हथेलियों में रखी थीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो संदर्भित कर्ता को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और हारून और उसके पुत्रों ने उन्हें यहोवा के सामने हिलाई जाने की भेंट के रूप में हिलाया]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 8:27 (#3)

וַיָּנֶף אֹתָם תְּנוּפָה

“और हिलाने की भेंट के लिये यहोवा के सामने हिलाई गईं”

देखें कि आपने इस प्रतीकात्मक क्रिया और इसके संबंधित प्रकार की भेंट का 7:30 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:27 (#4)

לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के सामने”

यहाँ, **यहोवा के सामने** का अर्थ है “यहोवा की उपस्थिति की ओर।” यह संकेत करता है कि मूसा ने रोटियाँ परमपवित्र स्थान की ओर हिलाई, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएलियों के बीच निवास करने वाले यहोवा के परमपवित्र स्थान की ओर]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 8:28 (#1)

וַיִּקַּ֣ח מֹשֶׁ֗ה אֹתָ֤ם

“तब मूसा ने उन्हें... लेकर “

यहाँ, सर्वनाम **उन्हें** चर्बी के हिस्सों, दाहिनी जाँघ, और सभी रोटी के टुकड़ों को संदर्भित करता है। यदि यह सहायक होगा, तो संदर्भ को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और मूसा ने चर्बी के हिस्सों, दाहिनी जाँघ, और रोटी के टुकड़ों को लिया]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 8:29 (#1)

וַיְנִיפֵ֥הוּ תְנוּפָ֖ה

“हिलाने की भेंट के लिये... आगे हिलाया”

देखें कि आपने इस प्रतीकात्मक क्रिया और इसके संबंधित प्रकार की भेंट का अनुवाद 7:30 में किस प्रकार किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:29 (#2)

לִפְנֵ֣י יְהוָ֑ה

“यहोवा के आगे”

यहाँ, **यहोवा के आगे** का अर्थ है “यहोवा की उपस्थिति में,” या “उस दिशा की ओर जहाँ परमपवित्र स्थान है, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते हैं।” यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उस दिशा की ओर, जहाँ परमपवित्र स्थान है, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 8:30 (#1)

וּמִן־הַדָּ֣ם אֲשֶׁ֣ר עַל־הַמִּזְבֵּ֗חַ

“वेदी पर के लहू”

अभिव्यक्ति **वेदी पर के लहू** का अर्थ है बलिदान किए गए पशु का लहू जो पहले वेदी के सींगों पर रखा गया था। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और कुछ लहू जो उन्होंने पहले वेदी के चार सींगों पर लगाया था]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 8:30

וַיַּ֤ז עַל־אַהֲרֹן֙ עַל־בְּגָדָ֔יו וְעַל־בָּנָ֖יו וְעַל־בִּגְדֵ֣י בָנָ֑יו אִתּ֔וֹ

“दोनों में से कुछ लेकर हारून और उसके वस्त्रों पर, और उसके पुत्रों और उनके वस्त्रों पर भी छिड़का”

यह एक अनुष्ठानिक क्रिया है। जिस प्रकार पवित्र तम्बू के बर्तन पर तेल छिड़कने से वे पवित्र हो जाते थे और यहोवा की सेवा के लिए समर्पित किए जाते थे, उसी प्रकार लहू और तेल के मिश्रण ने हारून और उसके पुत्रों को याजक के रूप में यहोवा की सेवा के लिए समर्पित किया और लहू की शुद्ध करने वाली शक्ति के माध्यम से उन्हें और उनके वस्त्रों को पाप की अशुद्धि से शुद्ध किया। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट न हो, तो आप इस प्रतीकात्मक क्रिया के अर्थ को पाद टिप्पणी या अनुवाद के पाठ में समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसने उन्हें हारून, उसके वस्त्रों, उसके पुत्रों और उनके वस्त्रों पर छिड़का। उसने ऐसा हारून और उसके पुत्रों को समर्पित करने और उन्हें पाप की अशुद्धि से शुद्ध करने के उद्देश्य से किया]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 8:31 (#1)

אֶת־הַבָּשָׂר֒

“माँस”

हालांकि यह स्पष्ट नहीं है, यह संभावना है कि यहाँ **माँस** से तात्पर्य संस्कार भेंट के लिए बछड़े के माँस से है, जिसे हारून और उसके पुत्रों ने चढ़ाया और जिसे मूसा ने यहोवा की उपस्थिति में हिलाई जाने वाली भेंट के रूप में हिलाया। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [संस्कार भेंट के बछड़े का माँस]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 8:31 (#2)

תֹּאכְלֻ֔הוּ

(तुम) “खाओ”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में तुम शब्द का इस्तेमाल हुआ है पर हिंदी आई.आर.वी. में इसका इस्तेमाल नहीं हुआ है। यहाँ, सर्वनाम **तुम** बहुवचन है। यह हारून और उसके पुत्रों को संदर्भित करता है, इसलिए अगर आपकी भाषा में यह अंतर बताया जाता है, तो अपने अनुवाद में बहुवचन रूप का इस्तेमाल करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 8:31 (#3)

“और उस रोटी को जो संस्कार की टोकरी में है”

देखें कि आपने 8:22 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 8:31 (#4)

כַּאֲשֶׁ֣ר צִוִּ֔יתִי לֵאמֹ֖ר אַהֲרֹ֣ן וּבָנָ֑יו יֹאכְלֻֽהוּ

“जैसा मैंने आज्ञा दी है कि हारून और उसके पुत्र उसे खाएँ”

यह एक उद्धरण के भीतर एक उद्धरण है। आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसा कि मैंने आज्ञा दी थी कि हारून और उसके पुत्र इसे खाएँगे]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 8:32 (#1)

“उसे आग में जला देना”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति में अतिरिक्त जानकारी को 4:12 में कैसे प्रस्तुत किया था।

देखें: विशिष्ट सूचना को अंतर्निहित कब बनाएँ

लैव्यव्यवस्था 8:32 (#2)

בָּאֵשׁ תִּשְׂרֹפוּ

“उसे आग में जला देना”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में **तुम** शब्द का इस्तेमाल हुआ है पर हिंदी आई.आर.वी. में इस शब्द का इस्तेमाल नहीं हुआ है। यहाँ, **तुम** बहुवचन है। यह हारून और उसके पुत्रों को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 8:33 (#1)

תֵּצְאוּ & מִלֻּאֵיכֶם & אֶת־יֶדְכֶם

“तुम... बाहर जाना... तुम्हारा संस्कार करता रहेगा”

सर्वनाम **तुम** और **तुम्हारा** यहाँ बहुवचन हैं। ये हारून और उसके पुत्रों को संदर्भित करते हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह अंतर होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 8:33 (#2)

עַד יוֹם מְלֹאת יְמֵי מִלֻּאֵיכֶם

“और जब तक तुम्हारे संस्कार के दिन पूरे न हों तब तक”

एक ही मूल से आए शब्दों का काव्यात्मक पुनरावृत्ति के रूप में प्रयोग किया गया है। **पूरे** और **संस्कार** शब्द उसी मूल से आते हैं जैसे कि क्रिया रूप **वह तुम्हारा संस्कार करता रहेगा**। यदि आपकी भाषा में इसी तरह संबंधित शब्द उपलब्ध हों, तो उनका प्रयोग करें। यदि नहीं, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जब तक वह दिन न आए जब तुम्हारा संस्कार पूरा हो जाए, क्योंकि उन सात दिनों के दौरान, वह तुम्हारा संस्कार करता रहेगा]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 8:33 (#3)

“तुम्हारे संस्कार के दिन”

वैकल्पिक अनुवाद: [उस दिन जब तुम यहोवा की सेवा में याजक के रूप में अभिषिक्त हो रहे होंगे]

लैव्यव्यवस्था 8:33 (#4)

כִּי שִׁבְעַת יָמִים יְמַלֵּא אֶת־יֶדְכֶם

“क्योंकि वह सात दिन तक तुम्हारा संस्कार करता रहेगा”

अभिव्यक्ति **वह तुम्हारा संस्कार करता रहेगा** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है किसी को सेवकाई और याजक के पद की जिम्मेदारियों में शामिल करना। इस पद के अनुसार, यहोवा को हारून और उसके पुत्रों को याजक के पद में शामिल करने में सात दिन लगेंगे। (कुछ उदाहरणों के लिए निर्गमन 28:41 और निर्गमन 29:9 देखें।) यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि यहोवा को तुम्हें याजक के पद की जिम्मेदारियाँ देने और तुम्हें याजक के रूप में समर्पित करने में सात दिन लगेंगे]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 8:34 (#1)

“जिस प्रकार आज किया गया है वैसा ही करने की आज्ञा यहोवा ने दी है”

वैकल्पिक अनुवाद: [आज जो किया गया है, वह ठीक वैसा ही है जैसा यहोवा ने करने की आज्ञा दी थी]

लैव्यव्यवस्था 8:34 (#2)

“तुम्हारा प्रायश्चित किया जाए”

देखें कि आपने 1:4 में **प्रायश्चित** शब्द का कैसे उपयोग किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 8:34 (#3)

לְכַפֵּר עֲלֵיכֶם

“तुम्हारा प्रायश्चित किया जाए”

यहाँ **किया जाए** शब्द विभिन्न बलिदानों की प्रक्रिया के संबंध में यहोवा के आज्ञाओं के उद्देश्य या लक्ष्य **प्रायश्चित** करने को दर्शाता है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक प्रयोग करें जिससे यह उद्देश्य स्पष्ट हो जाए। यहाँ नया वाक्य आरंभ करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, पूर्ण विराम पहले रखते हुए: [उसने ऐसा किया ताकि वह तुम्हारे लिए प्रायश्चित कर सके]

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 8:34 (#4)

עֲלֵיכֶם

“तुम्हारा... किया जाए”

यहाँ, सर्वनाम **तुम्हारा** बहुवचन है। यह हारून और उसके पुत्रों को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 8:35 (#1)

תֵּשְׁבוּ & וּשְׁמַרְתֶּם & וְלֹא תָמוּתוּ

“तुम... ठहरे रहना, और आज्ञा को मानना, ताकि तुम मर न जाओ”

यहाँ, सर्वनाम **तुम** बहुवचन है। यह हारून और उसके पुत्रों को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह अंतर होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'तुम' के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 8:35 (#2)

וּשְׁמַרְתֶּם אֶת־מִשְׁמֶרֶת יְהוָה

"और यहोवा की आज्ञा को मानना"

मूल शब्दों पर जोर देने के लिए उन्हें दोहराया जाता है। **ठहरे रहना** शब्द उसी मूल से आया है जैसा कि क्रिया **मानना**। आप अपनी भाषा में यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए समान संरचना का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 8:35 (#3)

וּשְׁמַרְתֶּם אֶת־מִשְׁמֶרֶת יְהוָה

"और यहोवा की आज्ञा को मानना"

यहोवा की आज्ञा को **मानने** का मतलब पवित्र तम्बू के प्रवेश द्वार पर खड़े होकर पहरा देना नहीं है। बल्कि, यह अभिव्यक्ति यह संकेत देती है कि यहोवा की मनाही का सावधानीपूर्वक पालन किया जाए, यानी वे कार्य जिनके बारे में यहोवा ने अपनी प्रजा से कहा है कि वे न करें। यदि यह अर्थ स्पष्ट न हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम ध्यान से यहोवा के उन नियमों का पालन करोगे जो बताते हैं कि तुम्हें क्या नहीं करना है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 8:35 (#4)

וְלֹא תָמֻתוּ

"ताकि तुम मर न जाओ"

वाक्यांश **ताकि तुम मर न जाओ** इससे पहले जो हुआ उसका परिणाम है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह इससे पहले का परिणाम है। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और ऐसा करने पर, तुम नहीं मरोगे]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 8:35 (#5)

כִּי־כֵן צִוִּיתִי

"क्योंकि ऐसी ही आज्ञा मुझे दी गई है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि इस प्रकार यहोवा ने मुझे आज्ञा दी है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 8:35 (#6)

כִּי־כֵן צִוִּיתִי

"क्योंकि मुझे ऐसा ही आदेश दिया गया है।"

जिस शब्द का अनुवाद **क्योंकि** के रूप में किया गया है, वह यह दर्शाता है कि जो आगे आता है वह पहले की बात का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले की बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद, पूर्ण विराम से पहले: [तुम्हें यह सब करना चाहिए क्योंकि इसकी आज्ञा मैंने दी है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 8:35 (#7)

צִוִּיתִי

"क्योंकि ऐसी ही आज्ञा मुझे दी गई है"

यहाँ सर्वनाम **मुझे** मूसा को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [मुझे, मूसा को आज्ञा दी गई है]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 8:36 (#1)

אֲשֶׁר־צִוָּה יְהוָה בְּיַד־מֹשֶׁה

"तब यहोवा... जो उसने मूसा के द्वारा दी थीं"

मूल भाषा में, "मूसा के हाथ के द्वारा दी थी" इस अभिव्यक्ति का उपयोग किया गया है, जहाँ हाथ उस व्यक्ति को दर्शाता है जिसके द्वारा आज्ञा दी गई हो। हिंदी अनुवाद में इसे सरलता से "मूसा के द्वारा दी थीं" के रूप में अनुवाद किया गया है। अभिव्यक्ति **मूसा के द्वारा दी थीं** एक व्यक्ति के एक भाग, **हाथ**, का उपयोग पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करने के लिए करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अपनी संस्कृति से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जो यहोवा ने मूसा के माध्यम से आज्ञा दी थी]

देखें: उपलक्षण अलंकार

लैव्यव्यवस्था 9:1 (#1)

בַּיּוֹם הַשְּׁמִינִי

"आठवें दिन"

शब्द **आठवां** आठ के लिए क्रमवाचक संख्या है।

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 9:1 (#2)

בַּיּוֹם הַשְּׁמִינִי

"आठवें दिन"

आठवां दिन अभिषेक समारोह की सात दिनों की अवधि के बाद का पहला दिन है। वैकल्पिक अनुवाद: [अभिषेक समारोह के पूरा होने के बाद का पहला दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 9:2 (#1)

עֵגֶל בֶּן־בָּקָר לְחַטָּאת וְאַיִל לְעֹלָה תְּמִימִם

“पापबलि के लिए एक निर्दोष बछड़ा, और होमबलि के लिए एक निर्दोष मेढ़ा”

शब्द **निर्दोष** पर चर्चा के लिए, लैव्यव्यवस्था के परिचय के भाग 3 में “‘निष्कलंक’ या ‘निर्दोष’” शीर्षक वाले खण्ड को देखें। वैकल्पिक अनुवाद: [पापबलि के लिए एक निर्दोष बछड़ा, जो गाय-बैलों में से हो, और होमबलि के लिए एक निर्दोष मेढ़ा] या [पापबलि के लिए बिना किसी दोष का एक बछड़ा, जो गाय-बैलों में से हो, और होमबलि के लिए बिना किसी दोष का एक मेढ़ा]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 9:2 (#2)

וַיֹּאמֶר אֶל־אַהֲרֹן

“... हारून से कहा”

मूलभाषा में यहाँ पर सर्वनाम **वह** का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद ऐसा नहीं करता है। **कहा** के रूप में अनुवादित शब्द एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, उन तरीकों पर विचार करें जिनसे आप इस उद्धरण को अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह हारून से बोला] या [और उसने हारून को बताया]

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 9:2 (#3)

“बछड़ा”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में कैसे किया है।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 9:2 (#4)

“भेंट चढ़ा”

देखें कि आपने इस प्रतीकात्मक क्रिया का अनुवाद 8:6 में कैसे किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 9:2 (#5)

לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के सामने”

जैसा कि लैव्यव्यवस्था की प्रस्तावना में चर्चा की गई है, ऐसे संदर्भों में, **यहोवा के सामने** अभिव्यक्ति का अर्थ है “जहाँ यहोवा देख सकते हैं” और विस्तार से, “यहोवा की उपस्थिति में।” देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा के आगे] या [पवित्र तंबू के परिसर में, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 9:3 (#1)

וְאֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל תְּדַבֵּר לֵאמֹר קְחוּ שְׂעִיר־עִזִּים

“और इस्राएलियों से यह कह” - “एक बकरा” - “लो”

मूलभाषा में यहाँ पर **इस्राएलियों की संतान से कह, बकरियों में से एक बकरा लो** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं है। यह अभिव्यक्ति एक प्रत्यक्ष उद्धरण के भीतर एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करती है। आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण में बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम्हें इस्राएलियों से बकरियों में से एक बकरा लेने के लिए कहना चाहिए]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 9:3 (#2)

“इस्राएली”

मूलभाषा में यहाँ पर **इस्राएलियों की संतान** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **इस्राएलियों** शब्द का उपयोग हुआ है। देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:2 में किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 9:3 (#3)

תְּדַבֵּר

“कह”

मूलभाषा में यहाँ पर **तुम कहोगे** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जिसमें सर्वनाम **तुम** भी शामिल है, जबकि हिंदी अनुवाद में यहाँ पर **कह** शब्द का उपयोग हुआ है। यहाँ, **तुम** एकवचन है। यह हारून को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 9:3 (#4)

לֵאמֹר

“कह”

अनुवादित शब्द **कह** एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, उन तरीकों पर विचार करें जिनसे आप अपनी भाषा में इस उद्धरण को स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 9:3 (#5)

שְׂעִיר־עִזִּים

“एक बकरा”

अभिव्यक्ति **एक बकरा** का उपयोग उस बकरे के लिए किया गया है जो जानवरों की उस श्रेणी से संबंधित है जिसे बकरियाँ भी कहा जाता है। यदि आपकी भाषा में बकरे के लिए कोई विशिष्ट शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें या एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक वयस्क बकरा]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 9:3 (#6)

עִזִּים

“बकरा”

मूलभाषा में यहाँ पर **बकरियाँ** शब्द का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। अभिव्यक्ति **बकरा** किसी विशेष दल की बकरियों का उल्लेख नहीं करता है। यह उन बकरियों के किसी भी समूह का वर्णन करता है जो किसी भी इस्राएली के पास हो सकता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [आपके स्वामित्व वाला कोई भी बकरा]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 9:3 (#7)

וְעֵגֶל וָכֶבֶשׂ בְּנֵי־שָׁנָה תְּמִימִם

“एक बछड़ा और एक भेड़ का बच्चा लो, जो एक वर्ष के हों और निर्दोष हों,”

अभिव्यक्ति **एक वर्ष के निर्दोष** एक मुहावरा है जो उन जानवरों को संदर्भित करता है जो एक वर्ष के होते हैं। यदि आपकी भाषा में एक समान मुहावरा है, तो यहाँ उसका उपयोग करने का विचार करें। यदि नहीं, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक निर्दोष बछड़ा और एक निर्दोष मेम्ना जो एक वर्ष के होते हैं] या [और एक निर्दोष बछड़ा और एक निर्दोष मेम्ना जो बारह महीने के होते हैं]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 9:4 (#1)

לִפְנֵי יְהוָֹה

“यहोवा के सम्मुख”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा की उपस्थिति में] या [पवित्र तंबू के परिसर में, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 9:4 (#2)

וּמִנְחָה בְלוּלָה בַשָּׁמֶן

“और तेल से सने हुए मैदे का एक अन्नबलि”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 7:10 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक अन्नबलि जिसे तेल के साथ मिलाया गया हो]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 9:4 (#3)

כִּי הַיּוֹם יְהוָֹה נִרְאָה אֲלֵיכֶם

“क्योंकि आज यहोवा तुम को दर्शन देगा”

यहाँ, **क्योंकि,** यहोवा का इस्राएल के लोगों के सामने प्रकट होना उन सभी बलिदान पशुओं को प्रस्तुत करने का लक्ष्य या उद्देश्य है जिन्हें मूसा यहाँ नामित करते हैं। अपनी भाषा में एक संयोजक शब्द का उपयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि उद्देश्य यही है। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना भी उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, पूर्ण विराम से पहले: [आपको यह करना चाहिए क्योंकि यहोवा आज आपके सामने प्रकट होंगे]

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 9:4 (#4)

אֲלֵיכֶם

“तुम को”

यहाँ, सर्वनाम **तुम** बहुवचन है। यह इस्राएली लोगों को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 9:5 (#1)

וַיִּקְחוּ

“ले आए”

मूलभाषा में यहाँ पर सर्वनाम वे का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। सर्वनाम **वे** इस्राएली लोगों को संदर्भित करता है, “इस्राएल की संतान” को। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो, तो संदर्भ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और इस्राएल के लोग लाए]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 9:5 (#2)

“और जिस-जिस वस्तु की आज्ञा मूसा ने दी”

वैकल्पिक अनुवाद: [बलिदानों के लिए पशु और भेंट के लिए अन्न जैसे कि मूसा ने निर्देश दिए]

लैव्यव्यवस्था 9:5 (#3)

אֶל־פְּנֵי אֹהֶל מוֹעֵד

“मिलापवाले तम्बू के आगे”

यहाँ, **मिलापवाले तम्बू के आगे** का सन्दर्भ “मिलापवाले तम्बू के सामने” के स्थान से है। यदि आपकी भाषा में इस वाक्यांश का यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा का कोई ऐसा मुहावरा प्रयोग कर सकते हैं जिसका यही अर्थ हो या फिर इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं।। वैकल्पिक अनुवाद: [मिलापवाले तम्बू के प्रवेश द्वार पर]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 9:5 (#4)

“सारी मण्डली समीप जाकर यहोवा के सामने खड़ी हुई”

मूलभाषा में यहाँ पर सारी मण्डली उन्हें चढ़ाएँ वाक्यांश का प्रयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। देखें कि आपने इस प्रतीकात्मक क्रिया का अनुवाद 8:6 में किस प्रकार किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 9:5 (#5)

וַיַּעַמְדוּ לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के सामने खड़ी हुई”

यहाँ, अभिव्यक्ति **यहोवा के सामने खड़ी हुई** इस तथ्य को संदर्भित करती है कि इस्राएली लोग मिलापवाले तम्बू के आँगन में वेदी के सामने खड़े होने आए, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते थे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो इस अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे यहोवा की उपस्थिति में मिलापवाले तम्बू के पास खड़े हुए, जिसमें यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते थे]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 9:6 (#1)

צִוָּה יְהוָה תַּעֲשׂוּ

“यहोवा ने आज्ञा दी है कि तुम उसे करो”

यहाँ, **तुम** बहुवचन है। यह इस्राएली लोगों को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 9:6 (#2)

וְיֵרָא אֲלֵיכֶם כְּבוֹד יְהוָה

“और यहोवा की महिमा का तेज तुम को दिखाई पड़ेगा”

यहाँ, **यहोवा की महिमा** का अर्थ यहोवा का पृथ्वी पर अग्नि के रूप में प्रकट होना है (देखें 9:23–24)। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो इस अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और यहोवा स्वयं आपके सामने स्वर्गीय अग्नि के रूप में प्रकट होंगे]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 9:7 (#1)

“अपने पापबलि और होमबलि को चढ़ाकर & और जनता के चढ़ावे”

वैकल्पिक अनुवाद: [और अपनी पापबलि और अपनी होमबलि अर्पित करें ... और लोगों की भेंटे अर्पित करें]

लैव्यव्यवस्था 9:7 (#2)

אֶת־קָרְבַּן הָעָם

“जनता के चढ़ावे”

अभिव्यक्ति **जनता के चढ़ावे** में स्वामित्व रूप का उपयोग, यहोवा द्वारा इस्राएल के लोगों को लाने के लिए आदेशित बलिदानों का वर्णन करने के लिए किया गया है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह भेंट जो यहोवा ने लोगों को लाने की आज्ञा दी थी]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 9:8 (#1)

אֲשֶׁר־לוֹ

“अपने”

अभिव्यक्ति **अपने** यह दर्शाती है कि यह पशु, पापबलि का बछड़ा, हारून के लिए अर्पित किया जा रहा था, न कि लोगों के लिए। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक होगा, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जो उसने अपने पाप के प्रायश्चित के लिए अर्पित किया]

देखें: कर्मकर्त्ता सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 9:9 (#1)

“और हारून के पुत्र लहू को उसके पास ले गए”

देखें कि आपने इस प्रतीकात्मक क्रिया का अनुवाद 1:2 में किस प्रकार किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 9:9 (#2)

“हारून के पुत्र”

वैकल्पिक अनुवाद, अल्पविराम के साथ: [हारून के चार पुत्र, नादाब, अबीहू, एलीआजर, और ईतामार]

लैव्यव्यवस्था 9:9 (#3)

“उसने अपनी उँगली को... डुबाकर & लगाया {उण्डेल दिया”

वैकल्पिक अनुवाद: [और हारून ने अपनी उंगली डुबोई ... और हारून ने इसे लगाया ... उसने उण्डेला]

लैव्यव्यवस्था 9:10 (#1)

“और गुर्दों और कलेजे पर की झिल्ली”

देखें कि आपने इन आंतरिक अंगों का अनुवाद 3:4 में किस प्रकार किया।

लैव्यव्यवस्था 9:11 (#1)

וְאֶת־הַבָּשָׂר

“माँस”

यहाँ, **माँस** का मतलब पापबलि के बछड़े के उन हिस्सों से है जिन्हें छावनी के बाहर ले जाकर जलाना था। 4:11 के अनुसार, इसमें बछड़े का सिर, पैर, शेष आंतरिक अंग (गुर्दे और जिगर को छोड़कर), और शेष माँस (छाती का माँस और दाहिनी जांघ को छोड़कर) शामिल था। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो, तो इस अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद, इसके बाद अल्पविराम के साथ: [बछड़े का माँस, उसके सिर और पैरों के साथ, उसकी अंतड़ियाँ, उसका गोबर]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 9:11 (#2)

“उसने... आग में जलाया”

देखें कि आपने 6:30 में समान अभिव्यक्ति में अतिरिक्त जानकारी को किस प्रकार प्रस्तुत किया।

देखें: विशिष्ट सूचना को अंतर्निहित कब बनाएँ

लैव्यव्यवस्था 9:13 (#1)

וְאֶת־הָעֹלָה הִמְצִיאוּ אֵלָיו

“तब उन्होंने...उसके हाथ में दे दिया”

सर्वनाम **उन्होंने** हारून के पुत्रों को संदर्भित करता है, जबकि सर्वनाम **उसके** स्वयं हारून को संदर्भित करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो इन संदर्भों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और हारून के चारों पुत्र होमबलि अपने पिता के पास लाए]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 9:15 (#1)

“तब उसने लोगों के चढ़ावे को आगे लेकर”

देखें कि आपने संबंधित शब्दों की समान पुनरावृत्ति का अनुवाद 1:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 9:15 (#2)

“आगे लेकर”

मूलभाषा में यहाँ पर **और उसने चढ़ाया** वाक्यांश का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में **आगे लेकर** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जो दोनों ही समान अर्थ को संदर्भित करते हैं। देखें कि आपने इस प्रतीकात्मक क्रिया का अनुवाद 8:6 में किस प्रकार किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 9:15 (#3)

“लोगों के चढ़ावे को”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का 9:7 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 9:15 (#4)

“पापबलि का बकरा”

देखें कि आपने 8:2 में समान स्वामित्व रूप का अनुवाद कैसे किया।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 9:15 (#5)

כָּרִאשׁוֹן

“पहले के समान”

शब्द **पहला** एक के लिए क्रमवाचक संख्या है। अभिव्यक्ति **पहले वाला** उस बछड़े को संदर्भित करती है जिसे हारून ने अपने लिए पापबलि के रूप में प्रस्तुत किया। वैकल्पिक अनुवाद: [उस बछड़े के समान, जिसे हारून ने अपने लिए पापबलि के रूप में चढ़ाया]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 9:17 (#1)

וַיְמַלֵּא כַפּוֹ מִמֶּנָּה

“उसमें से मुट्ठी भर”

अभिव्यक्ति **उसमें से मुट्ठी भर** याजकों की उस प्रथा को संदर्भित करती है जिसमें वे अन्नबलि के कितने हिस्से को जलाना है, यह निर्धारित करने के लिए अपनी खुली, ऊपर की ओर मुड़ी हुई हथेली में जितना आ सके उतना निकाल लेते थे। इस प्रथा का वर्णन 2:2 और 5:12 में किया गया है। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो, तो इस अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और हारून ने अपनी हथेली में अन्नबलि का एक मुट्ठी भर अनाज लिया ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि वह वेदी पर कितना अनाज जलाएगा।]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 9:17 (#2)

וַיַּקְטֵר עַל־הַמִּזְבֵּחַ

“वेदी पर जलाया”

मूलभाषा में यहाँ पर सर्वनाम **इसे** का प्रयोग किया, जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। यहाँ, सर्वनाम **इसे** पूरे अन्नबलि को नहीं, बल्कि उस हिस्से को संदर्भित करता है जिसे हारून ने अपनी मुट्ठी से निकाला था। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो इस अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसने अन्नबलि के उस हिस्से को, जिसे उसने अपनी मुट्ठी से निकाला था, वेदी पर जला दिया]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 9:17 (#3)

מִלְּבַד עֹלַת הַבֹּקֶר

“भोर के होमबलि के अलावा”

अभिव्यक्ति **भोर के होमबलि के अलावा** में स्वामित्व रूप का उपयोग उस होमबलि का वर्णन करने के लिए किया गया है जो प्रत्येक दिन पहली बलि के रूप में चढ़ाई जाति थी। सामान्यतः, याजक इस होमबलि को सुबह के समय किसी अन्य बलिदान से पहले चढ़ाते थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो इस अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उस होमबलि के अतिरिक्त जो उस सुबह दिन के पहले बलिदान के रूप में पहले ही चढ़ाई जा चुकी थी]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 9:18 (#1)

וְאֶת־הָאַיִל זֶבַח הַשְּׁלָמִים

“और मेढ़ा, अर्थात् जो मेलबलि पशु”

अभिव्यक्ति **मेढ़ा, अर्थात् जो मेलबलि पशु** एक मेढ़े का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है जिसे मेलबलि के लिए पशु बलिदान के रूप में चुना गया था। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो इस अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वह मेढ़ा जिसे लोगों ने हारून को उनके मेलबलि के बलिदान के रूप में प्रस्तुत किया था]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 9:21 (#1)

הֵנִיף אַהֲרֹן תְּנוּפָה

“हारून ने ... हिलाने की भेंट के लिये यहोवा के सामने हिलाया**”**

देखें कि आपने इस प्रतीकात्मक क्रिया और इससे संबंधित भेंट के प्रकार का अनुवाद 7:30 में कैसे किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 9:21 (#2)

לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के सामने”

जैसा कि लैव्यव्यवस्था की प्रस्तावना में चर्चा की गई है, ऐसे संदर्भों में **यहोवा के सामने** का अर्थ है “ जहाँ यहोवा देख सकते हैं” और विस्तार से, “यहोवा की उपस्थिति में।” यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा की उपस्थिति में] या [मिलापवाले तंबू के पवित्र परिसर के भीतर, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 9:22 (#1)

וַיִּשָּׂא אַהֲרֹן אֶת־יָדוֹ אֶל־הָעָם

“तब हारून ने लोगों की ओर हाथ बढ़ाकर”

हाथ उठाना एक प्रतीकात्मक क्रिया है जो प्रार्थना की शारीरिक मुद्रा को दर्शाती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो आप इस क्रिया के महत्व को पाठ में या पाद टिप्पणी में समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और हारून ने लोगों की ओर अपने हाथ उठाए ताकि वह उनके लिए प्रार्थना कर सकें]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 9:22 (#2)

וַיְבָרְכֵם

“उन्हें आशीर्वाद दिया”

हारून यहोवा से लोगों को आशीर्वाद देने की विनती कर रहे हैं। आप इसे आशीर्वाद या प्रार्थना के रूप में व्यक्त कर सकते हैं, जो भी आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [और उन्होंने लोगों पर यहोवा के आशीर्वाद की प्रार्थना की]

देखें: आशीष

लैव्यव्यवस्था 9:22 (#3)

וַיֵּרֶד מַעֲשֹׂת הַחַטָּאת וְהָעֹלָה וְהַשְּׁלָמִים

“और पापबलि, होमबलि, और मेलबलियों को चढ़ाकर वह नीचे उतर आया”

अभिव्यक्ति **वह नीचे उतर आया** का अर्थ है कि हारून संभवतः सीढ़ियों या रैंप के सहारे ज़मीन से ऊपर उठा हुआ था ताकि वह वेदी के ऊपर बलिदान चढ़ा सके। परिणामस्वरूप, हारून उस स्थान से ऊँचा रहा होगा जहाँ लोग खड़े थे। यदि यह उपयोगी हो, तो इस निहित जानकारी को प्रदान करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और, क्योंकि हारून बलिदान चढ़ाते समय लोगों से ऊपर था, इसलिए वह पापबलि, होमबलि और मेलबलि चढ़ाने के बाद नीचे आया।]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 9:23 (#1)

וְיָבָרְכוּ אֶת־הָעָם

“लोगों को आशीर्वाद दिया”

हारून और मूसा ने यहोवा से **लोगों** को आशीर्वाद देने की विनती की। आप इसे आशीर्वाद या प्रार्थना के रूप में व्यक्त कर सकते हैं, जो भी आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [और उन्होंने प्रार्थना की कि यहोवा लोगों को आशीर्वाद दें]

देखें: आशीष

लैव्यव्यवस्था 9:23 (#2)

“तब यहोवा का तेज सारी जनता को दिखाई दिया”

देखें कि आपने **यहोवा का तेज** का 9:6 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 9:24 (#1)

מִלִּפְנֵי יְהוָה וַתֹּאכַל

“यहोवा के सामने, भस्म कर दिया”

अभिव्यक्ति **यहोवा के सामने से आग निकली** यह संकेत करती है कि आग, परमपवित्र स्थान में से यहोवा की उपस्थिति की दिशा से आई, जहाँ वह इस्राएलियों के बीच निवास करते थे। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [परमपवित्र स्थान में, यहोवा की उपस्थिति से, जहाँ वह इस्राएलियों के बीच निवास करते थे, और इसने जला कर ख़ाक कर दिया]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 9:24 (#2)

וַיַּרְא כָּל־הָעָם

“इसे देखकर जनता”

अभिव्यक्ति **इसे देखकर जनता** कई शब्दों को छोड़ देती है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों की पूर्ति वाक्य के पहले से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: वैकल्पिक अनुवाद: [और सब लोगों ने देखा कि यहोवा ने वेदी पर चढ़ाए गए बलि और चर्बी को भस्म करने के लिए आग कैसे भेजी] या [और सब लोगों ने देखा कि यहोवा के सामने से निकली आग ने वेदी पर चढ़ाए गए होमबलि और चर्बी को भस्म कर दिया]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 9:24 (#3)

וַיָּרֹנּוּ

“जनता ने जय जयकार का नारा लगाया”

मूल भाषा में यहाँ पर **वे जोर से चिल्लाए** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **नारा लगाया** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ, **नारा लगाया** का मतलब है कि वे ख़ुशी के मारे जोर से चिल्लाए। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट नहीं है, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और उन्होंने जोर से जयकारे लगाए]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 9:24 (#4)

וַיִּפְּלוּ עַל־פְּנֵיהֶם

“और अपने-अपने मुँह के बल गिरकर”

किसी के **मुँह** के बल गिरना एक प्रतीकात्मक क्रिया है। श्रद्धा, आदर, और समर्पण के कार्य के रूप में, इसका अर्थ या तो: (1) घुटनों के बल झुककर चेहरे को जमीन की ओर करना। यदि आपकी भाषा में अधिकार के प्रति आदर से झुकने के लिए कोई समान मुहावरा है, तो उसे यहाँ उपयोग करें। यदि नहीं, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे आदर और भय में अपने चेहरे जमीन की ओर करके घुटनों के बल झुक गए] या (2) जमीन पर सपाट लेटना। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे जमीन पर सपाट लेट गए]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 10:1 (#1)

וַיִּקְּחוּ

“तब”

शब्द तब यह संकेत करता है कि इस अध्याय की घटनाएँ पिछले अध्याय में हुई घटनाओं के तुरंत बाद घटित होती हैं। यहाँ दर्ज घटनाओं को दीक्षा समारोह की कहानी की निरंतरता के रूप में माना जाना चाहिए। आपके अनुवाद में, सुनिश्चित करें कि आप एक ऐसा जोड़ने वाला शब्द उपयोग करें जो आपके पाठकों को यह संकेत दे।

देखें: संयोजक - अनुक्रमिक समय संबंध

लैव्यव्यवस्था 10:1 (#2)

מַחְתָּתוֹ

“अपना धूपदान”

धूपदान एक उथला पीतल का पात्र होता है जिसका उपयोग याजक गर्म कोयले रखने और उन पर धूप जलाने के लिए करते थे। यदि आपकी भाषा में मंदिर के क्रिया वस्तु के लिए उपयोगी पात्र के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उसका धूप का पात्र]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 10:1 (#3)

אֵשׁ

“आग”

यहाँ, शब्द **आग** उन कोयलों का प्रतिनिधित्व करता है जो आग उत्पन्न करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [चमकते कोयले] या [जलते कोयले]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 10:1 (#4)

לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के सम्मुख”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [मिलापवाले तम्बू के परिसर में, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते थे] या [यहोवा की उपस्थिति में]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 10:1 (#5)

אֵשׁ זָרָה

“अनुचित आग”

मूलभाषा में यहाँ पर **विचित्र आग** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **अनुचित आग** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। संभावना है कि **विचित्र आग** का अर्थ है कि या तो: (1) नादाब और अबीहू ने जलते हुए कोयले का उपयोग किया जो एक सामान्य, रोज़मर्रा के स्रोत से आया था, बजाय इसके कि एक पवित्र स्रोत से, जैसा कि यहोवा ने आदेश दिया था। वैकल्पिक अनुवाद: [सामान्य आग जो विशेष रूप से यहोवा के उद्देश्यों के लिए अलग नहीं की गई थी] या (2) धूप जो नादाब और अबीहू ने जलते हुए कोयले के ऊपर रखी थी, वह उस प्रकार की धूप नहीं थी जिसे यहोवा ने आदेश दिया था कि मिलापवाले तंबू में चढ़ाई जाए। वैकल्पिक अनुवाद: [अनधिकृत धूप]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 10:2 (#1)

אֵשׁ

“आग”

यहाँ, आग का मतलब लपटें हैं, न कि गर्म कोयले, जैसा कि पिछले पद में था। शब्दों की काव्यात्मक पुनरावृत्ति व्यंग्यात्मक होने का उद्देश्य रखती है। नादाब और अबीहू ने आग को कोयले के रूप में प्रस्तुत किया, लेकिन आग की लपटों ने उन्हें न्याय में भस्म कर दिया। यदि आपकी भाषा में जलते हुए कोयले और जलती हुई आग के लिए समान शब्द हैं जो इस व्यंग्य को बनाए रख सकते हैं, तो यहाँ उन शब्दों का उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो यहाँ जलती हुई आग के लिए शब्द का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [धधकती लपटें]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 10:2 (#2)

מִלִּפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के सम्मुख से”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [अतिपवित्र स्थान से जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते थे] या [यहोवा की उपस्थिति से]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 10:2 (#3)

וַתֹּאכַל אוֹתָם

“भस्म कर दिया”

लैव्यव्यवस्था के लेखक ने हारून के दो पुत्रों को भस्म करने या खा जाने वाली **आग** की छवि का उपयोग, बलिदान की उस प्रक्रिया को दर्शाने के लिए किया है, जिसमें आग उसे तब तक जलाती है जब तक वह पूरी तरह से राख न हो जाए। यदि आपकी भाषा में आग के द्वारा किसी चीज़ को पूरी तरह से जलाने के लिए कोई समान मुहावरा है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और इसने उन्हें मार डाला]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 10:3 (#1)

הוּא אֲשֶׁר־דִּבֶּר יְהוָה ׀ לֵאמֹר בִּקְרֹבַי אֶקָּדֵשׁ וְעַל־פְּנֵי כָל־הָעָם אֶכָּבֵד

“यह वही बात है जिसे यहोवा ने कहा था, कि जो मेरे समीप आए अवश्य है कि वह मुझे पवित्र जाने, और सारी जनता के सामने मेरी महिमा करे”

इसमें एक उद्धरण के भीतर एक उद्धरण है। आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा ने यही कहाँ था जब उन्होंने कहा कि वह उनके निकट आने वालों के बीच खुद को पवित्र दिखाएंगे और वह सभी लोगों के सामने सम्मानित होंगे]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 10:3 (#2)

לֵאמֹר

“कहा”

कहा के रूप में अनुवादित शब्द एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, उन तरीकों पर विचार करें जिनसे आप अपनी भाषा में इस उद्धरण को स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 10:3 (#3)

“जो मेरे समीप आए”

वैकल्पिक अनुवाद: [उन याजकों में से जो मुझे बलिदान चढ़ाते हैं]

लैव्यव्यवस्था 10:3 (#4)

אֶקָּדֵשׁ

“मुझे पवित्र जाने”

मूलभाषा में यहाँ पर **मैं स्वयं को पवित्र ठहराऊँगा** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **मुझे पवित्र जाने** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। अभिव्यक्ति **मैं स्वयं को पवित्र ठहराऊँगा** यह दर्शाती है कि, हारून के उन पुत्रों को मारकर जिन्होंने पाप किया था, या तो: (1) यहोवा ने प्रदर्शित किया कि वही अकेले परमेश्वर हैं। वे केवल पाप से अलग ही नहीं हैं, बल्कि वह सिद्ध और सामर्थी भी हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं दिखाऊँगा कि मैं परमेश्वर हूँ और केवल मैं ही पाप से अलग हूँ] या (2) यहोवा ने नादाब और अबीहू के पापों से उत्पन्न अशुद्धता को दूर किया, इस प्रकार स्वयं को शुद्ध किया। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं लोगों के पाप की अशुद्धता से स्वयं को शुद्ध करूँगा]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 10:3 (#5)

וְעַל־פְּנֵי כָל־הָעָם

“और सारी जनता के सामने”

यहाँ, **सारी जनता के सामने** लोगों की दृष्टि की क्षमताओं को संदर्भित करता है और विस्तार से कहें तो, वे क्या देख सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और सभी लोगों की दृष्टि में]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 10:3 (#6)

אֶכָּבֵד

“मेरी महिमा करे”

मूलभाषा में यहाँ पर **मैं सम्मानित ठहरूँगा** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **मेरी महिमा करे** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लोग मेरी महिमा करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 10:4 (#1)

מִישָׁאֵל & אֶלְצָפָן בְּנֵי עֻזִּיאֵל

“मीशाएल और एलसाफान, उज्जीएल के पुत्र”

मीशाएल और **एलसाफान** हारून के चचेरे भाई हैं, जो उनके चाचा **उज्जीएल** के पुत्र हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

लैव्यव्यवस्था 10:4 (#2)

עֻזִּיאֵל

“उज्जीएल”

उज्जीएल हारून के चाचा का नाम था।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

लैव्यव्यवस्था 10:4 (#3)

דֹּדֵי אַהֲרֹן

“हारून के चाचा”

यहाँ **चाचा** शब्द विशेष रूप से हारून के पिता के भाई को संदर्भित करता है। चूंकि हारून और मूसा भाई हैं, उज्जीएल मूसा के भी चाचा हैं। यदि आपकी भाषा में चाचा के लिए एक विशिष्ट शब्द है, तो इसे यहाँ उपयोग करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [हारून के पिता के भाई]

देखें: परिजन

लैव्यव्यवस्था 10:4 (#4)

קְרָבוּ

“निकट आओ”

मूलभाषा में यहाँ पर **उपस्थित हो** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **निकट आओ** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जो दोनों ही समान अर्थ को प्रकट करते हैं। खुद को **उपस्थित** करना एक प्रतीकात्मक क्रिया है जिसका अर्थ है यहोवा की उपस्थिति में आकर उसके उद्देश्यों की पूर्ति करना। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [मिलापवाले तम्बू के परिसर के पास आएँ, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते हैं, और यहोवा जो आपसे चाहते हैं उसे करने के लिए तैयार रहें]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 10:4 (#5)

אֶת־אֲחֵיכֶם

“अपने भतीजे”

यहाँ, **अपने** बहुवचन है। यह मीशाएल और एलसाफान को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद स्पष्ट होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 10:4 (#6)

מֵאֵאֵת פְּנֵי־הַקֹּדֶשׁ

“पवित्रस्थान के आगे से”

यहाँ, **पवित्रस्थान के आगे से** पवित्र स्थान के सामने स्थित एक स्थान को संदर्भित करता है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसी कोई अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मिलापवाले तम्बू के भीतर पवित्र स्थान के सामने की जगह से]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 10:5 (#1)

וַיִּשָּׂאֵם בְּכֻתְּנֹתָם

“उनको अंगरखों सहित उठाकर”

पाठ से यह संकेत मिलता है कि मीशाएल और एलसाफान ने नादाब और अबीहू को **उनके अंगरखों सहित उठाकर** उठाया ताकि वे उनके शवों के सीधे संपर्क में न आएँ, जिससे मीशाएल और एलसाफान अनुष्ठानिक रूप से अशुद्ध हो जाते। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो कृपया इस निहित जानकारी को पाद टिप्पणी में या अपने अनुवाद के पाठ में शामिल करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और, क्योंकि वे मृत शरीरों को छूकर अशुद्ध नहीं होना चाहते थे, इसलिए उन्होंने उन्हें उनके अंगरखों से उठाया]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 10:5 (#2)

וַיִּשָּׂאֵם

“वे” - “उनको” - “उठाकर”

यहाँ सर्वनाम **उनको** नादाब और अबीहू के शरीरों को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और उन्होंने नादाब और अबीहू के शरीरों को उठाया]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 10:5 (#3)

בְּכֻתְּנֹתָם

“अंगरखों सहित”

मूलभाषा में यहाँ पर **उनके अंगरखों द्वारा** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **अंगरखों सहित** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ पर अधिकारवाचक सर्वनाम **उनके** संदर्भित कर सकता है: (1) नादाब और अबीहू को। वैकल्पिक अनुवाद: [नादाब और अबीहू के अंगरखो से] या (2) मीशाएल और एलसाफान को। वैकल्पिक अनुवाद: [मीशाएल और एलसाफान के अंगरखों द्वारा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 10:6 (#1)

רָאשֵׁיכֶם אַל־תִּפְרָעוּ ׀ וּבִגְדֵיכֶם לֹא־תִפְרֹמוּ

“तुम लोग अपने सिरों के बाल मत बिखराओ, और न अपने वस्त्रों को फाड़ो”

ये मृत रिश्तेदारों के लिए शोक से संबंधित प्रतीकात्मक कार्य हैं। यदि आपकी भाषा में शोक की अवधि से संबंधित ऐसे कार्य नहीं हैं, तो इन कार्यों के अर्थ को पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में समझाने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [अपने सिर के बालों को बिखराकर या अपने कपड़े फाड़कर, अपने रिश्तेदारों के लिए शोक न करें]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 10:6 (#2)

רָאשֵׁיכֶם אַל־תִּפְרָעוּ

“अपने सिरों के बाल मत बिखराओ”

यहाँ अभिव्यक्ति **अपने सिरों के बाल मत बिखराओं** का अर्थ है अपने बालों को बिखरा और अस्त-व्यस्त न छोड़ें। यह संकेत मिलता है कि हारून के बेटों के बाल इतने लंबे थे कि उनके सिर से लटक सकते थे। जैसा कि पिछला नोट सुझाव देता है, यह एक सामान्य प्रथा थी जो मृत रिश्तेदार के लिए शोक से जुड़ी थी। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [अपने लंबे बालों को खुल्ला लटकने न दें]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 10:6 (#3)

רָאשֵׁיכֶם & וּבִגְדֵיכֶם & וְלֹא תָמֻתוּ & וְאַחֵיכֶם

“तुम लोग अपने सिरों के बाल मत बिखराओ, और न अपने वस्त्रों को फाड़ो, ऐसा न हो कि तुम भी मर जाओ... परन्तु इस्राएल के सारे घराने के लोग जो तुम्हारे भाई-बन्धु हैं

यहाँ सर्वनाम **तुम** और **अपने** बहुवचन हैं। ये हारून के पुत्रों, एलीआजर और ईतामार को संदर्भित करते हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 10:6 (#4)

רָאשֵׁיכֶם אַל־תִּפְרָעוּ ׀ וּבִגְדֵיכֶם לֹא־תִפְרֹמוּ וְלֹא תָמֻתוּ וְעַל כָּל־הָעֵדָה יִקְצֹף

“तुम लोग अपने सिरों के बाल मत बिखराओ, और न अपने वस्त्रों को फाड़ो, ऐसा न हो कि तुम भी मर जाओ, और सारी मण्डली पर उसका क्रोध भड़क उठे”

मूलभाषा में यहाँ पर **ताकि** शब्द का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। यहाँ, **ताकि** शब्द **ऐसा न हो कि तुम भी मर जाओ, और सारी मण्डली पर उसका क्रोध भड़क उठे** को **तुम लोग अपने सिरों के बाल मत बिखराओ, और न अपने वस्त्रों को फाड़ो** के लक्ष्य या उद्देश्य के रूप में चिह्नित करता है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि यह उद्देश्य है। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम लोग अपने सिरों के बाल मत बिखराओ, और न अपने वस्त्रों को फाड़ो। यदि आप ये चीजें नहीं करेंगे, तो आप नहीं मरेंगे और सारी मण्डली के खिलाफ वह क्रोधित नहीं होंगे]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 10:6 (#5)

יִקְצֹף

“उसका क्रोध & भड़क उठे”

मूलभाषा में यहाँ पर सर्वनाम **वह** का प्रयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में सर्वनाम **उसका** प्रयोग किया गया है। सर्वनाम **उसका** यहोवा को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा गुस्सा नहीं होंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 10:6 (#6)

וְאַחֵיכֶם

“परन्तु” - “तुम्हारे भाई-बन्धु”

यहाँ, शब्द **भाई** का अर्थ पुरुष रिश्तेदार नहीं है। बल्कि, यह संभवतः उनके सभी साथी इस्राएलियों को संदर्भित करता है, जिन्हें एक ही बड़े परिवार के सदस्य माना जाता था। वैकल्पिक अनुवाद: [परंतु आपके सभी साथी इस्राएली]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 10:6 (#7)

כָּל־בֵּית יִשְׂרָאֵל

“इस्राएल के सारे घराने के”

यहाँ, **घराना** इस्राएल के सभी लोगों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल के सभी लोग]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 10:6 (#8)

אֶת־הַשְּׂרֵפָה אֲשֶׁר שָׂרַף יְהוָה

“यहोवा की लगाई हुई आग”

यहाँ, एक क्रिया और उसका वस्तु एक ही जड़ से आते हैं। वाक्यांश **यहोवा की लगाईं हुई आग** एक क्रिया के रूप में अनुवादित होता है जो उस संज्ञा से संबंधित है जिसका अनुवाद **आग** लगाना होता है। संबंधित शब्दों की पुनरावृत्ति कथन पर जोर देती है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति की जा सकती है और आपकी भाषा में तुलनीय शब्द हैं जिन्हें आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं, तो आपके अनुवाद में इस संरचना का उपयोग करना उचित होगा।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 10:6 (#9)

אֶת־הַשְּׂרֵפָה אֲשֶׁר שָׂרַף יְהוָה

“यहोवा की लगाई हुई आग”

शब्द **आग** उस आग का संकेत देता है जो पवित्रस्थान से निकली और नादाब और अबीहू को भस्म कर गई। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस प्रकार यहोवा ने नादाब और अबीहू को आग से मार दिया]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 10:7 (#1)

לֹא תֵצְאוּ & תָמֻתוּ & עֲלֵיכֶם

“तुम - बाहर न जाना & तुम मर जाओ & तुम पर”

यहाँ सर्वनाम **तुम** बहुवचन है। यह एलीआजर और ईतामार को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद चिन्हित है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 10:7 (#2)

כִּי

“क्योंकि”

क्योंकि के रूप में अनुवादित शब्द यह संकेत करता है कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद, पहले की अवधि के साथ के साथ: [ऐसा इसलिए है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 10:7 (#3)

שֶׁמֶן מִשְׁחַת יְהוָה

“यहोवा के अभिषेक का तेल”

अभिव्यक्ति **यहोवा के अभिषेक का तेल** उस तेल का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है जो यहोवा की सेवा के लिए लोगों को अभिषेक करने हेतु उपयोग किया जाता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति के साथ अर्थ को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह विशेष तेल जो लोगों को यहोवा के याजकों के रूप में सेवा करने के लिए अलग करने के लिए उपयोग किया जाता है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 10:7 (#4)

וַיַּעֲשׂוּ כִּדְבַר מֹשֶׁה

“मूसा के इस वचन के अनुसार उन्होंने किया”

वचन शब्द का उपयोग यहाँ उस संदेश के अर्थ में किया गया है जो मूसा ने बोला था। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उन्होंने वही किया जो मूसा ने उनसे करने के लिए कहा]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 10:9 (#1)

וְשֵׁכָר

“या मद्य”

यहाँ, **मद्य** संभवतः गेहूं, जौ या अन्य अनाज से बनी एक किण्वित और मादक पेय है। यदि आपकी भाषा में इस पेय के लिए कोई शब्द है, तो कृपया उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [या अन्य मादक पेय]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 10:9 (#2)

אַתָּה ׀ וּבָנֶיךָ אִתָּךְ

“तू या तेरे पुत्र में से”

यहाँ, सर्वनाम **तू** एकवचन है। यह हारून को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद चिन्हित है, तो अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 10:9 (#3)

בְּבֹאֲכֶם & וְלֹא תָמֻתוּ & לְדֹרֹתֵיכֶם

“जब-जब... तम्बू में आएँ & न हो कि तुम मर जाओ & तुम्हारी पीढ़ी-पीढ़ी में”

सर्वनाम **तुम** और **तुम्हारी** बहुवचन हैं। ये हारून और उसके पुत्रों को संदर्भित करते हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद चिन्हित है, तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 10:10 (#1)

וּלְהַבְדִּיל

“और” - “अन्तर कर सको”

जिस शब्द का अनुवाद **और** के रूप में किया गया है, वह यह दर्शाता है कि पवित्र और अपवित्र के बीच तथा शुद्ध और अशुद्ध के बीच अंतर करने की क्षमता, याजकीय कर्तव्यों का पालन करते समय मदिरा पीने से परहेज़ करने का एक और परिणाम है। इस कथन को पिछले कथन से जोड़ने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [इस प्रकार आप अलग करने में भी सक्षम होंगे]

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

लैव्यव्यवस्था 10:10 (#2)

הַקֹּדֶשׁ & הַחֹל

“पवित्र और अपवित्र”

मूलभाषा में यहाँ पर **सामान्य** शब्द का प्रयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **अपवित्र** शब्द का, और यहाँ दोनों समान अर्थ, अपवित्रता को प्रकट करते हैं विशेषण **पवित्र** और **अपवित्र** संज्ञा के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं ताकि उस वस्तु का उल्लेख किया जा सके जो केवल यहोवा के लिए अलग की गई है और जो साधारण रोजमर्रा के जीवन से जुड़ी है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इसी प्रकार से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह जो पवित्र है ... वह जो अपवित्र / सामान्य है]

देखें: आम विशेषण

लैव्यव्यवस्था 10:10 (#3)

הַחֹל

“अपवित्र”

मूलभाषा में यहाँ पर **सामान्य** शब्द का प्रयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में यहाँ **अपवित्र** शब्द का उपयोग हुआ है। शब्द **अपवित्र** उन चीजों, जानवरों, या लोगों को संदर्भित करता है जो यहोवा के लिए अलग नहीं किए गए हैं बल्कि साधारण, रोजमर्रा के जीवन से जुड़े हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो एक साधारण अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [साधारण] या [प्रचलित]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 10:10 (#4)

הַטָּמֵא & הַטָּהוֹר

“शुद्ध और अशुद्ध”

विशेषण **शुद्ध** का उपयोग संज्ञा के रूप में किया जा रहा है, जो उस वस्तु को संदर्भित करता है जो पवित्र स्थान में हो सकती है और पवित्र वस्तुओं के संपर्क में आ सकती है। विशेषण **अशुद्ध** का उपयोग संज्ञा के रूप में किया जा रहा है, जो उस वस्तु को संदर्भित करता है जो अशुद्ध है और पवित्र स्थान में बिना अशुद्धता लाए नहीं जा सकती। आपकी भाषा में भी विशेषण का उपयोग इसी प्रकार किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह जो शुद्ध है ... वह जो अशुद्ध है]

देखें: आम विशेषण

लैव्यव्यवस्था 10:11 (#1)

וְלְהוֹרֹת

“सिखा”

यहाँ, **इस्राएलियों को** सिखाने का **उद्देश्य या लक्ष्य**, पवित्र और अपवित्र, शुद्ध और अशुद्ध के बीच अंतर करना सीखना है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो स्पष्ट करता है कि यह उद्देश्य है। वैकल्पिक रूप से, यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, पहले की अवधि के साथ: [याजकों को यह करना सीखना चाहिए ताकि वे सिखाने में सक्षम हो सकें]

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 10:11 (#2)

“इस्राएलियों”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:2 में किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 10:11 (#3)

בְּיַד־מֹשֶׁה

“मूसा के द्वारा”

मूलभाषा में यहाँ पर **‘मूसा के हाथों’** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **मूसा के द्वारा** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **हाथ** व्यक्ति के माध्यम या अधिकार का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मूसा के माध्यम से]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 10:12 (#1)

“यहोवा के हव्य में से”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 2:3 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 10:12 (#2)

וְאִכְלוּהָ

“उसे... खाओ”

यहाँ सर्वनाम **उसे** उस हिस्से को संदर्भित करता है जो **अन्नबलि** का बचा हुआ था और वेदी पर नहीं जलाया गया था। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और बचे हुए अन्नबलि को खाएँ]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 10:12 (#3)

כִּֽי־קֹדֶשׁ קָדָשִׁים הִוא

“क्योंकि वह परमपवित्र है”

शब्द **क्योंकि** यह संकेत करता है कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद, पूर्ण विराम के साथ: [ऐसा इसलिए है क्योंकि यह परमपवित्र वस्तुओं में से पवित्र वस्तु है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 10:12 (#4)

“वह परमपवित्र है”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 2:3 में किस प्रकार किया।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 10:13 (#1)

וַאֲכַלְתֶּם

“और तुम” - “खाओ”

यहाँ, सर्वनाम **तुम** बहुवचन है। यह हारून और उसके पुत्रों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करने पर विचार करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 10:13 (#2)

“उसे”

वैकल्पिक अनुवाद: [अन्नबलि का शेष हिस्सा]

लैव्यव्यवस्था 10:13 (#3)

כִּֽי־חָקְךָ וְחָק־בָּנֶיךָ הִוא מֵאִשֵּׁי יְהוָה

“वह यहोवा के हव्य में से तेरा और तेरे पुत्रों का हक़ है”

मूलभाषा में यहाँ पर **क्योंकि** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद ऐसा नहीं करता है। शब्द **क्योंकि** यह संकेत करता है कि आगे आने वाली बात पहले कही गई बात का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो स्पष्ट करता है कि आगे आने वाली बात पहले कही गई बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद, पूर्ण विराम के साथ: [आपको यह करना चाहिए क्योंकि यह यहोवा के हव्यों में से आपका और आपके पुत्रों का हिस्सा है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 10:13 (#4)

“यहोवा के हव्य में से”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 2:3 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 10:13 (#5)

כִּי־כֵ֣ן צִוִּ֔יתִי

“क्योंकि मैंने ऐसी ही आज्ञा पाई है”

शब्द **क्योंकि** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि आगे आने वाली बात पहले कही गई बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद, पहले की अवधि के साथ: [ऐसा इसलिए है क्योंकि मुझे ऐसा करने का आदेश दिया गया है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 10:13 (#6)

כִּי־כֵ֣ן צִוִּ֔יתִי

“क्योंकि मैंने ऐसी ही आज्ञा पाई है”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि यहोवा ने मुझे ऐसा ही आदेश दिया है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 10:14 (#1)

וְאֵ֤ת׳ חֲזֵה֙ הַתְּנוּפָ֔ה

“हिलाई हुई भेंट की छाती”

अभिव्यक्ति **हिलाई हुई भेंट की छाती** में स्वामित्व रूप का उपयोग छाती के माँस का वर्णन करने के लिए किया गया है, जिसे हिलाई हुई भेंट के रूप में प्रस्तुत किया जाना है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और छाती का माँस जो हारून और उसके पुत्रों ने हिलाई हुई भेंट के रूप में प्रस्तुत किया]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 10:14 (#10)

“इस्राएलियों”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 10:14 (#2)

“हिलाई हुई भेंट”

देखें कि आपने इस प्रकार की भेंट का अनुवाद 7:30 में कैसे किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 10:14 (#3)

וְאֵ֣את ׀ שֹׁ֣ק הַתְּרוּמָ֗ה

“और उठाई हुई भेंट की जाँघ”

अभिव्यक्ति **और उठाई हुई भेंट की जाँघ** में स्वामित्व रूप का उपयोग, जाँघ के माँस का वर्णन करने के लिए किया जाता है जिसे यहोवा के याजकों को विशेष भोजन के रूप में भेंट देने के लिए चुना गया है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और जाँघ का माँस जो हारून और उसके पुत्रों ने विशेष भेंट के रूप में पेश किया]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 10:14 (#4)

תֹּאכֻלוּ

“तुम” - “खाओ”

यहाँ, **तुम** बहुवचन है। यह हारून और उसके पुत्रों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है, तो अपने अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करने पर विचार करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 10:14 (#5)

אַתָּ֣ה וּבָנֶ֔יךָ וּבְנֹתֶ֖יךָ אִתָּ֑ךְ

“तू और तेरे बेटे-बेटियाँ”

सर्वनाम **तू** और **तेरे** हारून को संदर्भित करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [आप, हारून, और आपके पुत्र और आपकी पुत्रियाँ]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 10:14 (#6)

אַתָּ֣ה וּבָנֶ֔יךָ וּבְנֹתֶ֖יךָ אִתָּ֑ךְ & חֻקֶּ֣ךָ & בָּנֶ֣יךָ

“तू और तेरे बेटे-बेटियाँ सब & तुझे और तेरे बच्चों का हक़”

यहाँ, शब्द **तू** और **तेरे** एकवचन है। वे केवल हारून को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है, तो अपने अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करने पर विचार करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 10:14 (#7)

כִּ֣י־חֻקְּךָ֗ וְחֹק־בָּנֶ֤יךָ נִתְּנוּ

“क्योंकि वे इस्राएलियों के मेलबलियों में से तुझे और तेरे बच्चों का हक़ ठहरा दी गई हैं।”

शब्द **क्योंकि** यह संकेत करता है कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद, पहले की अवधि के साथ: [आपको यह करना चाहिए क्योंकि उन्हें आपका और आपके पुत्रों का हिस्सा ठहराया गया है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 10:14 (#8)

כִּי־חָקֶךָ וְחֹק־בָּנֶיךָ נִתְּנוּ

“क्योंकि वे तुझे और तेरे बच्चों का हक़ ठहरा दी गई हैं”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि यहोवा ने उन्हें आपके और आपके पुत्रों के हिस्से के रूप में दिया है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 10:14 (#9)

נִתְּנוּ

“वे” - “ठहरा दी गई हैं”

यहाँ सर्वनाम **वे** हारून के पुत्रों और पुत्रियों का उल्लेख नहीं करता है। बल्कि, यह हिलाई हुई भेंट के छाती का माँस और उठाई हुई भेंट के जाँघ के माँस का उल्लेख करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [हिलाई हुई भेंट का छाती का माँस और उठाई हुई भेंट की जाँघ का माँस दिया गया है]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 10:15 (#1)

“उठाई हुई जाँघ और हिलाई हुई छाती”

देखें कि आपने इन अभिव्यक्तियों का अनुवाद 10:14 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 10:15 (#2)

“चर्बी के हव्यों”

यहाँ, **चर्बी के हव्यों** का अर्थ है सभी चर्बी और आंतरिक अंगों के हिस्से जो सामान्यतः मेलबलियों के साथ अर्पित किए जाते हैं। सटीक हिस्सों के लिए 3:3–4, 3:9–10, और 3:14–15 देखें।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 10:15 (#3)

יָבִיאוּ

“आया करेंगी”

मूलभाषा में यहाँ पर सर्वनाम **वे** और **लाया करें** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। यहाँ सर्वनाम **वे** संभवतः इस्राएल के लोगों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो संदर्भ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल के लोग लाएँगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 10:15 (#4)

לְהָנִיף תְּנוּפָה

“हिलाने के लिए”

देखें कि आपने इस अनुष्ठानिक क्रिया और उससे संबंधित भेंट के प्रकार का अनुवाद 7:30 में कैसे किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 10:15 (#5)

לְהָנִיף תְּנוּפָה

“हिलाने के लिए”

यहाँ, माँस और चर्बी के हिस्सों को **हिलाने वाली भेंट** के रूप में हिलाते हुए उन्हें मिलापवाले तंबू में लाने का उद्देश्य बताया गया है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि यह उद्देश्य है।

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 10:15 (#6)

לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के सामने”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [मिलापवाले तंबू के परिसर में जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते थे] या [यहोवा की उपस्थिति में]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 10:16 (#1)

וְאֵת שְׂעִיר הַחַטָּאת ׀

“पापबलि के बकरे”

देखें कि आपने 9:15 में इस स्वामित्व रूप का अनुवाद कैसे किया। यहाँ, **पापबलि के बकरे** का मतलब पशु के जीवित रूप से नहीं बल्कि उसके काटे गए माँस से है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट नहीं है, तो अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और पापबलि के बकरे का माँस]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 10:16 (#2)

דָּרֹשׁ דָּרַשׁ מֹשֶׁה

“मूसा, खोजबीन, पाया”

इस अभिव्यक्ति में “पाया” क्रिया को दोहराया गया है ताकि इसके द्वारा व्यक्त किए गए विचार को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। यदि आपकी भाषा में शब्दों को दोहराकर प्रभाव को तीव्र किया जा सकता है, तो अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर व्यक्त करने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [मूसा ने लगन से खोजा]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 10:16 (#3)

שֹׂרֻף

“वह जलाया गया है”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [हारून के पुत्रों ने इसे जला दिया था]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 10:17 (#1)

מַדּוּעַ לֹא־אֲכַלְתֶּם & לָכֶם

“तुमने क्यों नहीं खाया & तुम्हें दिया”

यहाँ सर्वनाम **तुम** बहुवचन है। यह एलीआजर और ईतामार को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद चिन्हित है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 10:17 (#2)

“पापबलि”

वैकल्पिक अनुवाद: [उस बकरे का माँस जो पाप बलि के रूप में अर्पित किया गया था]

लैव्यव्यवस्था 10:17 (#3)

כִּי קֹדֶשׁ קָדָשִׁים הִוא

“जो परमपवित्र है”

मूलभाषा में यहाँ पर क्योंकि शब्द का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं है। शब्द **क्योंकि** यह दर्शाता है कि आगे आने वाली बात पहले कही गई बात का कारण है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि आगे आने वाली बात पहले कही गई बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद, पहले प्रश्नवाचक चिन्ह और बाद में पूर्णविराम: [आपको यह करना चाहिए था क्योंकि यह पवित्र वस्तुओं में सबसे पवित्र है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 10:17 (#4)

לָשֵׂאת אֶת־עֲוֹן הָעֵדָה

“मण्डली के अधर्म का भार अपने पर उठाकर”

यहाँ, **यहोवा** द्वारा **पापबलि** का माँस याजकों को खाने के लिए देने का उद्देश्य या लक्ष्य **लोगों के अधर्म का भार** सहने को दर्शाना है। अपनी भाषा में एक ऐसा संयोजक प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि यही उद्देश्य है।

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 10:17 (#5)

“मण्डली के अधर्म का भार अपने पर उठाकर”

देखें कि आपने इस मुहावरे का अनुवाद 5:1 में किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 10:17 (#6)

לְכַפֵּר עֲלֵיהֶם

“उनके लिए” - “प्रायश्चित करने हेतु”

यहाँ, यहोवा द्वारा **पापबलि** का माँस याजकों को खाने के लिए देने का उद्देश्य या लक्ष्य लोगों के **प्रायश्चित** करना है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि यही उद्देश्य है।

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 10:17 (#7)

“प्रायश्चित के लिए”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:4 में किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 10:17 (#8)

לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के सामने”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा की उपस्थिति में] या [यहोवा के न्याय में]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 10:18 (#1)

לֹא־הוּבָא אֶת־דָּמָהּ אֶל־הַקֹּדֶשׁ פְּנִימָה

“उसका लहू पवित्रस्थान के भीतर तो लाया ही नहीं गया”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [इस बलिदान के लिए याजकों को इसका लहू आंतरिक पवित्रस्थान में लाने की आवश्यकता नहीं थी।]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 10:18 (#2)

לֹא־הוּבָא אֶת־דָּמָהּ אֶל־הַקֹּדֶשׁ פְּנִימָה

“उसका लहू पवित्रस्थान के भीतर तो लाया ही नहीं गया”

6:23 के अनुसार, जिन पापबलियों में याजक को पशु का लहू पवित्र स्थान के भीतर के निवासस्थान में ले जाना पड़ता था, उन्हें याजक खा नहीं सकते थे। इसके बजाय, इस प्रकार की पापबलियों को पूरी तरह जला देना होता था। मूसा यह कह रहा है कि क्योंकि लोगों द्वारा चढ़ाई गई पापबलि इस विशेष प्रकार की नहीं थी, इसलिए उसे याजकों द्वारा खाया जाना चाहिए था। यदि यह बात आपके पाठकों के लिए स्पष्ट न हो, तो आप इस कथन के महत्व को पाद टिप्पणी में या अपने अनुवाद के पाठ में समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि पापबलि का लहू पवित्रस्थान के भीतरी भाग में लाया जाता, तो उसे खाया नहीं जा सकता

था, परन्तु क्योंकि यह लोगों द्वारा चढ़ाई गई पापबलि थी, इसलिए इसकी आवश्यकता नहीं थी।]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 10:18 (#3)

אֶת־דָּמָהּ

“उसका लहू”

यहाँ, अधिकारवाचक सर्वनाम **उसका** पापबलि को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [पापबलि का लहू]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 10:18 (#4)

הַקֹּדֶשׁ פְּנִימָה

“पवित्र स्थान के भीतर”

पवित्रस्थान के भीतर उस स्थान को संदर्भित करता है जो मिलापवाले तंबू के भीतर होता है, विशेष रूप से, आंतरिक तंबू का वह स्थान जिसे परमपवित्र स्थान कहा जाता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [पवित्र स्थान के तंबू का आंतरिक भाग]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 10:18 (#5)

אָכֹל תֹּאכְלוּ אֹתָהּ

“ तुम मेरी आज्ञा के अनुसार उसके माँस को पवित्रस्थान में खाते”

मूलभाषा में यहाँ पर **तुम्हें इसे खाना चाहिए** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। इस अभिव्यक्ति में ‘**खाना**’ क्रिया को दोहराया गया है ताकि इसके द्वारा व्यक्त किए गए विचार को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। यदि आपकी भाषा में शब्दों को दोहराकर किसी बात पर ज़ोर दिया जा सकता है, तो अनुवाद में ऐसा करना उचित होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में ज़ोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको इसे निश्चित रूप से खाना चाहिए]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 10:18 (#6)

תֹּאכְלוּ

“तुम मेरी आज्ञा के अनुसार उसके माँस को पवित्रस्थान में खाते”

यहाँ सर्वनाम **तुम** बहुवचन है। यह हारून और उनके बेटों को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद चिन्हित है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको खाना चाहिए]

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 10:19 (#1)

הִקְרִיבוּ אֶת־חַטָּאתָם וְאֶת־עֹלָתָם

“उन्होंने अपने पापबलि और होमबलि को” - “चढ़ाया”

यहाँ सर्वनाम **उन्होंने** और **अपने** हारून के चार पुत्रों को संदर्भित करते हैं, जिन्होंने अपने साथ-साथ लोगों की ओर से भी **होमबलि** और **पाप बलि** अर्पित किए थे। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [मेरे चार पुत्रों ने अपने पापबलि और होमबलि अर्पित किए]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 10:19 (#2)

לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के सामने”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [मिलापवाले तम्बू के परिसर में, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते थे] या [यहोवा की उपस्थिति में]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 10:19 (#3)

וַתִּקְרֶאנָה אֹתִי כָּאֵלֶּה

“मुझ पर ऐसी विपत्तियाँ आ पड़ी हैं”

मूलभाषा में यहाँ पर **और यह मेरे साथ इन बातों के अनुसार हुआ** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **मुझ पर ऐसी विपत्तियाँ आ पड़ी हैं** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। हारून अपने बेटों, नादाब और अबीहू की मृत्यु का जिक्र एक शिष्ट तरीके से कर रहे हैं, इस वाक्यांश का उपयोग करके **यह मेरे साथ इन बातों के अनुसार हुआ है**। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इन घटनाओं का जिक्र करने के लिए अपनी भाषा में विनम्रतापूर्ण तरीका अपना सकते हैं, या आप इसे सीधे-सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और अब यहोवा की आग द्वारा भस्म हो जाने के कारण, मेरे पुत्र तम्बू के बाहर मृत पड़े हैं]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 10:19 (#4)

וְאָכַלְתִּי חַטָּאת הַיּוֹם הַיִּטַּב בְּעֵינֵי יְהוָה

“यदि मैं आज पापबलि का माँस खाता तो क्या यह बात यहोवा के सम्मुख भली होती”

यहाँ हारून प्रश्नवाचक रूप का प्रयोग करते हुए मूसा से यह प्रश्न करता है कि क्या पापबलि का माँस खाना उचित था, जबकि उसके दो पुत्रों को मिलापवाले तम्बू के पवित्र स्थान में ही मार डाला गया था। उसका प्रश्न नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा रखता है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का प्रयोग नहीं करते, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, प्रश्न चिह्न के स्थान पर पूर्णविराम के साथ: [परन्तु यदि मैं आज पापबलि खा भी लेता, तो यहोवा की दृष्टि में यह उचित नहीं होता]

देखें: उत्तर की अपेक्ष किए बिना प्रभावोत्पादक प्रश्न

लैव्यव्यवस्था 10:19 (#5)

הַיִּטַּב בְּעֵינֵי יְהוָה

“क्या यह बात यहोवा के सम्मुख भली होती”

मूलभाषा में यहाँ पर **यहोवा की दृष्टि में** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **यहोवा के सम्मुख** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ, **दृष्टि** एक व्यक्ति की नज़र का प्रतिनिधित्व करती हैं और विस्तार से, उसके निर्णय या स्वीकृति का भी। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [क्या यह यहोवा के निर्णय में अच्छा होता]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 10:19 (#6)

הַיִּיטַב בְּעֵינֵי יְהוָה

“क्या यह बात यहोवा के सम्मुख भली होती”

अभिव्यक्ति **यहोवा के सम्मुख भली** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “यहोवा को प्रसन्न करना” या “यहोवा को स्वीकार्य होना।” यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [क्या यहोवा इसे स्वीकार करते] या [क्या यह यहोवा को प्रसन्न करता]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 10:20 (#1)

וַיִּיטַב בְּעֵינָיו

“तब उसे संतोष हुआ”

मूलभाषा में यहाँ **यह उसकी दृष्टि में अच्छा था** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **तब उसे संतोष हुआ** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। अभिव्यक्ति **उसकी दृष्टि में अच्छा** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “उसे प्रसन्न करना” या “उसे स्वीकार्य होना”। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसने स्वीकृति दी] या [और यह उसे अच्छा लगा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 11:1 (#1)

לֵאמֹר אֲלֵהֶם

“से कहा”

शब्द **से कहा** एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, उन तरीकों पर विचार करें जिनसे आप इस उद्धरण को अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 11:1–2 (#1)

לֵאמֹר אֲלֵהֶם: דַּבְּרוּ אֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל לֵאמֹר

“से कहा, “इस्राएलियों से कहो”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, पहले एक पूर्ण विराम लगाकर: [उन्होंने उन्हें इस्राएल के पुत्रों से कहने के लिए कहा]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 11:2 (#1)

“इस्राएलियों”

देखें कि आपने 1:2 में इस्राएलियों को संदर्भित करने के इस तरीके का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 11:2 (#2)

זֹאת הַחַיָּה

“इन जीवधारियों”

इस पद में, **जीवधारियों** शब्द एकवचन रूप में है, लेकिन यह सभी निम्नलिखित जानवरों, पक्षियों, मछलियों, छिपकलियों, और कीड़ों को एक समूह के रूप में संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [ये प्राणी हैं]

देखें: सामूहिक संज्ञाएं

लैव्यव्यवस्था 11:2 (#3)

הַחַיָּה

“इन जीवधारियों”

अभिव्यक्ति **जीवधारियों** किसी विशेष पशु का उल्लेख नहीं करती है। यह किसी भी जानवरों, पक्षियों, मछलियों, छिपकलियों, और कीड़ों का वर्णन करती है जिससे एक इस्राएली का सामना हो सकता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [प्राणी का प्रकार है]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 11:3 (#1)

“पशुओं में से जितने चिरे या फटे खुर के होते हैं और पागुर करते हैं”

वैकल्पिक अनुवाद: [ऐसे जानवर जिनके खुर दो भागों में बँटे होते हैं, और वे अपना भोजन लाते हैं और दोबारा चबाते हैं]

लैव्यव्यवस्था 11:3 (#2)

כֹּל ׀ מַפְרֶסֶת פַּרְסָה וְשֹׁסַעַת שֶׁסַע פְּרָסוֹת

“जितने चिरे या फटे खुर के होते हैं और पागुर करते हैं”

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को जोर देता है, उसी विचार को अलग-अलग शब्दों में दोहराकर। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इन वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं, यह दिखाने के लिए कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है और कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [खुर को बाँटने वाली कोई भी चीज़ जो खुरों के बीच के हिस्से को पूरी तरह से अलग कर दे]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 11:3 (#3)

מַפְרֶסֶת פַּרְסָה

“फटे खुर के होते हैं”

यहाँ, जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा रहा है। क्रिया **फटे** उसी जड़ से आती है जैसे संज्ञा **खुर**। आप अपनी भाषा में यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए उसी निर्माण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जिसका खुर पूरी तरह से विभाजित है]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 11:3 (#4)

וְשֹׁסַעַת שֶׁסַע פְּרָסֹת

“जितने चिरे या फटे खुर के होते हैं”

यहाँ, जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा रहा है। क्रिया **फटे** उसी जड़ से आती है जैसे संज्ञा **चिरे**। आप अपनी भाषा में यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए उसी निर्माण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और खुर जो पूरी तरह से दो हिस्सों में विभाजित हैं]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 11:3 (#5)

מַעֲלַת גֵּרָה

“पागुर करते हैं”

यह अभिव्यक्ति एक मुहावरा है जो आंशिक रूप से पचे हुए भोजन को चबाने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। इस अभिव्यक्ति को आधुनिक, तकनीकी अर्थ में नहीं लिया जाना चाहिए, क्योंकि इसमें चट्टान बैजर्स और खरगोशों का समावेश (जो सख्ती से **पागुर** नहीं करते) सुझाव देता है। यदि आपकी भाषा में इस पाचन प्रक्रिया के लिए कोई उपयुक्त शब्द है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जो आंशिक रूप से पचा हुआ भोजन खाता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 11:3 (#6)

גֵּרָה

“पागुर”

यहाँ, **पागुर** किसी विशेष भोजन पदार्थ को नहीं दर्शाती। बल्कि इसका अर्थ उस किसी भी भोजन से है जिसे कोई जानवर फिर से ऊपर लाकर चबाता है, या ऐसा भोजन जो पचने के बाद बाहर निकलता है और फिर से खाया जाता है, जैसे खरगोश और पहाड़ी बिज्जू करते हैं। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [पहली बार खाए गए भोजन से]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्मितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 11:3 (#7)

אֹתָהּ תֹּאכֵלוּ

“उन्हें खा सकते हो”

यहाँ, **उन्हें** किसी भी भूमि-निवासी चौपाया प्राणी को संदर्भित करता है जो इस पद में सूचीबद्ध दोनों मानदंडों को पूरा करता है। अर्थात्, इसे स्वच्छ और खाने के लिए स्वीकार्य माना जाने के लिए इसे पागुर करनी चाहिए और पूरी तरह से विभाजित खुर होना चाहिए। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको कोई भी चार-पैर वाला पशु खाना चाहिए जो इन मानदंडों को पूरा करता हो]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 11:4 (#1)

אֶת־הַגָּמָל

“ऊँट”

अभिव्यक्ति **ऊँट** किसी विशेष पशु का उल्लेख नहीं करती है। यह किसी भी ऊँट का वर्णन करती है जिसे कोई इस्राएली स्वामित्व में रख सकते हैं या सामना कर सकते हैं। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी ऊँट]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्मितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 11:4 (#2)

אֶת־הַגָּמָל

“ऊँट”

यह **ऊँट** एक बड़ा, लंबी गर्दन वाला पशु है जो आमतौर पर गर्म, शुष्क जलवायु में रहता है। इसके लंबे पतले पैर, चौड़े गद्देदार पैर होते हैं, और इसकी पीठ पर एक या दो कूबड़ होते हैं जो वसायुक्त ऊतक से बने होते हैं। इन्हें अब भी बोझ ढोने वाले जानवर के रूप में उपयोग किया जाता है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पशु से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान चीज़ का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:4 (#3)

כִּי

“जो”

शब्द **जो** यह दर्शाता है कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: [इस कारण से कि]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 11:4 (#4)

וּפַרְסָהּ אֵינֶנָּנּוּ מַפְרִיס

“जो पागुर तो करता है परन्तु चिरे खुर का नहीं होता”

यहाँ, जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा रहा है। क्रिया **चिरे** उसी जड़ से आती है जैसे संज्ञा **खुर**। आप अपनी भाषा में इसी निर्माण का उपयोग करके अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा

में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, अल्पविराम के बाद: [लेकिन इसका खुर पूरी तरह से विभाजित नहीं है]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 11:5 (#1)

וְאֶת־הַשָּׁפָן כִּי

"और चट्टानी बिज्जू,जो"

शब्द **जो** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पहले के लिए एक कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले के लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: [इसी प्रकार, आप चट्टानी बिज्जू नहीं खाएंगे। इसका कारण यह है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 11:5 (#2)

וְאֶת־הַשָּׁפָן

"और चट्टानी बिज्जू"

यह **चट्टानी बिज्जू** एक छोटे से मध्यम आकार का कृंतक जैसा पशु है जो चट्टानी स्थानों में रहता है और शिकार करता है। इसे शापान, चट्टान खरगोश, या कुछ स्थानों में कोनी के नाम से भी जाना जाता है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पशु से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान नाम का उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। ऊँटों की तरह, चट्टान बिज्जू कुछ विशेषताओं को पूरा करते हैं, लेकिन सभी नहीं। जबकि यह ऊँट की तरह जुगाली नहीं करता, यह अपने जबड़े को उन जानवरों की तरह हिलाता है जो जुगाली करते हैं। इसके अलावा, चट्टान बिज्जू आमतौर पर पहले से पचा हुआ और निकला हुआ भोजन खाते हैं। फिर भी, चट्टान बिज्जू के पास पूरी तरह से विभाजित खुर नहीं होते, क्योंकि उनके पास खुर होते ही नहीं हैं। इस कारण से, इसे अशुद्ध माना जाना चाहिए। आपके पाठकों के लिए इसे एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:5 (#3)

וְאֶת־הַשָּׁפָן

"और चट्टानी बिज्जू"

अभिव्यक्ति **चट्टानी बिज्जू** किसी विशेष पशु का उल्लेख नहीं करती है। यह किसी भी चट्टानी बिज्जू का वर्णन करती है जिससे कोई इस्राएली का सामना हो सकता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से कहें। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी चट्टानी बिज्जू]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 11:5 (#4)

וּפַרְסָה לֹא יַפְרִיס

"परन्तु चिरे खुर का नहीं होता"

यहाँ, जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा रहा है। क्रिया **चिरे** उसी जड़ से आती है जैसे संज्ञा **खुर**। आप अपनी भाषा में इसी निर्माण का उपयोग करके अर्थ को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन इसका खुर पूरी तरह से विभाजित नहीं है]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 11:6 (#1)

וְאֶת־הָאַרְנֶבֶת כִּי

"और खरगोश, जो"

शब्द **जो** यह दर्शाता है कि जो आगे आता है वह पहले की बात के लिए एक कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले की बात के लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: [इसी प्रकार, आप खरगोश नहीं खाएंगे। इसका कारण यह है कि]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 11:6 (#2)

וְאֶת־הָאַרְנֶבֶת

"खरगोश"

खरगोश एक बिल बनाने वाला, पौधे खाने वाला पशु है जिसके लंबे कान, लंबे पिछले पैर और छोटी पूंछ होती है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार के पशु के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पशु से परिचित नहीं है, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान नाम का उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। जैसे चट्टान बिज्जू, खरगोश कुछ विशेषताओं को पूरा करते हैं, लेकिन सभी को नहीं। यह ऊँट की तरह पागुर नहीं करता, लेकिन उन जानवरों की तरह जबड़े को हिलाता है जो पागुर करते हैं। इसके अलावा, खरगोश आमतौर पर पहले से पचा हुआ और निकला हुआ भोजन खाते हैं। फिर भी, उनके पास पूरी तरह से विभाजित खुर नहीं होते, क्योंकि उनके पास खुर होते ही नहीं। इस कारण से, खरगोशों को अशुद्ध माना जाना चाहिए। आपके पाठकों के लिए इसे एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:6 (#3)

וְאֶת־הָאַרְנֶבֶת

"और खरगोश"

अभिव्यक्ति **खरगोश** किसी विशेष पशु का उल्लेख नहीं करती है। यह किसी भी खरगोश का वर्णन करती है जिससे एक इस्राएली अपने दैनिक जीवन में मिल सकते हैं। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी खरगोश]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 11:6 (#4)

"परन्तु चिरे खुर का नहीं होता"

देखें कि आपने इन दोहराए गए शब्दों का अनुवाद 11:5 में किस प्रकार किया है।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 11:7 (#1)

וְאֶת־הַחֲזִיר כִּי

"और सूअर, जो"

शब्द **जो** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: [इसी प्रकार, आपको सूअर नहीं खाना चाहिए। इसका कारण यह है कि]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 11:7 (#2)

וְאֶת־הַחֲזִיר

"और सूअर"

यह **सूअर** खुर वाला सूअर है जिसकी थूथन चपटी होती है ताकि वह मिट्टी में जड़ें जमा सके। अगर आपके पढ़ने वाले इस तरह के जानवर को नहीं जानते हैं, तो आप किसी मिलते-जुलते नाम का इस्तेमाल कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:7 (#3)

וְאֶת־הַחֲזִיר

"और सूअर"

अभिव्यक्ति **सूअर** किसी विशेष पशु को संदर्भित नहीं करती है। यह किसी भी सूअर का वर्णन करती है जिसे एक इस्राएली मिल सकता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी सूअर]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 11:7 (#4)

כִּי־מַפְרִיס פַּרְסָה הִוא וְשֹׁסַעַ שֶׁסַע פַּרְסָה

"जो चिरे अर्थात् फटे खुर का होता तो है परन्तु पागुर नहीं करता"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ पर जोर देता है, उसी विचार को अलग शब्दों में दोहराकर। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप वाक्यांशों को **जो** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं, यह दिखाने के लिए कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है और कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि यह खुर को इस तरह विभाजित करता है कि खुरों की दरार को पूरी तरह से विभाजित कर देता है]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 11:7 (#5)

"अर्थात् फटे खुर"

देखें कि आपने इन दोहराए गए शब्दों का 11:5 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 11:7 (#6)

וְשֹׁסַעַ שֶׁסַע פַּרְסָה

"अर्थात् फटे खुर का होता तो है"

यहाँ, जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा रहा है। क्रिया **फटे** उसी जड़ से आती है जैसे संज्ञा **खुर**। आप अपनी भाषा में इसी निर्माण का उपयोग करके यहाँ का अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि खुर पूरी तरह से विभाजित है तो दरार]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 11:7 (#7)

וְהִוא גֵּרָה לֹא־יִגְּרַ

"परन्तु पागुर नहीं करता"

यहाँ, जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा रहा है। यहाँ, क्रिया **पागुर नहीं करता** उसी जड़ से आता है जैसे संज्ञा **पागुर**। आप अपनी भाषा में इसी निर्माण का उपयोग करके यहाँ का अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन यह स्वयं जुगाली नहीं करता है]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 11:7 (#8)

וְהִוא גֵּרָה לֹא־יִגְּרַ

"परन्तु पागुर नहीं करता"

यह अंग्रेजी अनुवाद अभिव्यक्ति **स्वयं** शब्द का उपयोग करती है ताकि यह जोर दिया जा सके कि **सूअर** पागुर नहीं करता। इस महत्व को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: [परंतु सूअर स्वयं जुगाली नहीं करता]

देखें: कर्मकर्त्ता सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 11:9 (#1)

"जितनों के पंख और चोंयेटे होते हैं"

वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी चीज़ जिसमें पंख और शल्क दोनों हों]

लैव्यव्यवस्था 11:9 (#2)

סְנַפִּיר

"पंख"

यहाँ, **पंख** से तात्पर्य मछली के पतले और चपटे शरीर के उन हिस्सों से है जिनका उपयोग वे पानी में तैरने के लिए करती हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:9 (#3)

וְקַשְׂקֶשֶׂת

“और चोंयेटे“

यहाँ, **चोंयेटे** से तात्पर्य मछली के शरीर को ढकने वाली छोटी, कठोर, सुरक्षात्मक परतों से है।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:9 (#4)

אֹתָם תֹּאכֵלוּ

“उन्हें खा सकते हो“

यहाँ, **उन्हें** का संदर्भ उन मछलियों से है जिनके पास दोनों **पंख** और **चोंयेटे** होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो संदर्भों को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [आप कुछ भी खा सकते हैं जो पानी में रहता है और जिसके पास दोनों पंख और चोंयेटे होते हैं]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 11:10 (#1)

אֵין־לוֹ סְנַפִּיר וְקַשְׂקֶשֶׂת

“जितने जीवधारी बिना पंख और चोंयेटे के”

वाक्यांश **बिना पंख और चोंयेटे के** का मतलब अशुद्ध समुद्री जीवों को स्वच्छ समुद्री जीवों से अलग करना है। यह अभिव्यक्ति उन मानदंडों को स्थापित करती है जिनके द्वारा इस्राएल के लोग यह निर्धारित कर सकते हैं कि पानी में रहने वाला कोई जीव, चाहे वह समुद्र में रहता हो या नदियों में, खाने के लिए स्वीकार्य है या नहीं। उस जीव के पास दोनों **पंख और चोंयेटे** होने चाहिए। यदि कोई जीव केवल इन मानदंडों में से एक को पूरा करता है, तो उसे **घृणित** माना जाना चाहिए और इससे बचना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: [दोनों पंख और शल्क नहीं हैं]

देखें: सूचना देने बनाम याद दिलाने वाले शब्दों में अंतर करना

लैव्यव्यवस्था 11:10 (#2)

“बिना पंख और चोंयेटे के“

वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन जो भी दोनों पंख और शल्क नहीं रखता है]

लैव्यव्यवस्था 11:10 (#3)

מִכֹּל שֶׁרֶץ הַמַּיִם

“जलचरी प्राणियों में से जितने”

यह अभिव्यक्ति **प्राणियों** में रहने वाली मछलियों का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है, जो **जलचरी** हैं, अर्थात, छोटी मछलियों के समूह जो बड़ी संख्या में एक साथ तैरते हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [हर मछली जो बड़ी संख्या में झुंड में तैरती है और पानी में रहती है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 11:10 (#4)

וּמִכֹּל נֶפֶשׁ הַחַיָּה אֲשֶׁר בַּמָּיִם

“समुद्र या नदियों में रहते हैं वे सब”

यह अभिव्यक्ति, **प्राणियों में से जितने**, स्वामित्व रूप का उपयोग करती है ताकि **प्राणियों** का वर्णन किया जा सके जो जीवित, सांस लेने वाले प्राणी हैं और **समुद्र या नदियों** में रहते हैं। जबकि अभिव्यक्ति **जलचरी** छोटे मछलियों के समूहों को संदर्भित करती है, यह अभिव्यक्ति संभवतः बड़ी मछलियों और स्तनधारियों को संदर्भित करती है जो पानी में रहते हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और हर जीवित प्राणी जो पानी में रहता है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 11:12 (#1)

“जिस किसी जन्तु के पंख और चोंयेटे नहीं होते”

वैकल्पिक अनुवाद: [ऐसी कोई भी चीज़ जिसमें पंख और शल्क दोनों न हों]

लैव्यव्यवस्था 11:13 (#1)

מִן־הָעוֹף

“पक्षियों में“

मूल भाषा में “पक्षी से” वाक्यांश उपयोग किया गया है और हिंदी में शब्द **पक्षियों** बहुवचन रूप में है, यह सभी पंख वाले जानवरों को एक समूह के रूप में संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [पंख वाले जानवरों से]

देखें: सामूहिक संज्ञाएं

लैव्यव्यवस्था 11:13 (#2)

לֹא יֵאָכְלוּ

“खाए न जाएँ”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको उन्हें नहीं खाना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 11:13 (#3)

אֶת־הַנֶּשֶׁר

“उकाब”

हालांकि **उकाब** का सटीक पदनाम विवादित है, यह संभवतः एक बड़े मांसाहारी शिकार के पक्षी को संदर्भित करता है, जिसे आमतौर पर उकाब के रूप में जाना जाता है। इस सूची के कई पक्षियों की तरह, यह पक्षी भी एक बड़ा शिकार का पक्षी है। यदि आपके पाठक इस विशेष पक्षी से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:13 (#4)

וְאֶת־הַפֶּרֶס

“हड़फोड़”

हालाँकि इस पक्षी का सटीक पदनाम विवादित है, यह संभवतः उस पक्षी को संदर्भित करता है जिसे आमतौर पर **हड़फोड़** के रूप में जाना जाता है। विशेष रूप से, गिद्ध एक बड़ा शिकारी पक्षी है जिसके सिर और गर्दन पर कम या ज्यादा पंख नहीं होते हैं, और यह मुख्य रूप से मरे हुए जानवरों पर निर्भर रहता है। यदि आपके पाठक इस विशेष पक्षी से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:13 (#5)

וְאֵת הָעָזְנִיָּה

“कुरर”

हालाँकि इस पक्षी का सटीक पदनाम विवादित है, यह संभवतः सामान्य रूप से **कुरर** को संदर्भित करता है। इस पद में सभी पक्षियों की तरह, यह एक बड़ा मांसाहारी पक्षी है, लेकिन यह जीवित जानवरों को पकड़कर खाना पसंद करता है। यदि आपके पाठक इस पक्षी के समूह से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:14 (#1)

וְאֶת־הַדָּאָה

“चील”

हालाँकि इस पक्षी का सटीक नाम विवादित है, यह संभवतः एक **चील** को संदर्भित करता है, जो एक छोटे से मध्यम आकार का शिकार करने वाला पक्षी है जो मृत जानवरों और कीड़ों को खाता है। एक **चील** का चेहरा आंशिक रूप से नंगा होता है और चोंच छोटी होती है। यदि आपके पाठक इस विशेष पक्षी से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:14 (#2)

וְאֶת־הָאַיָּה

“बाज”

हालाँकि इस पक्षियों के समूह का सटीक पदनाम विवादित है, यह शब्द संभवतः **बाज** को संदर्भित करता है, जो बड़े से छोटे आकार तक के शिकार करने वाले पक्षी होते हैं, जिनके लंबे, नुकीले पंख और एक कटी हुई चोंच होती है। यदि आपके पाठक इस विशेष पक्षी से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:15 (#1)

אֵאֵת כָּל־עֹרֵב

“काग”

हालाँकि इस पक्षी का सटीक नाम विवादित है, यह संभवतः **काग** को संदर्भित करता है, जो पूरी तरह से काले पंखों वाला एक मध्यम से बड़े आकार का पक्षी है। यह मुख्य रूप से मांसाहारी होता है। यदि आपके पाठक इस विशेष पक्षी से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में इसी तरह की प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:16 (#1)

וְאֵתת בַּבַּת הַיַּעֲנָה

“शुतुर्मुर्ग”

मूल भाषा में **“कोलाहल की बेटी”** वाक्यांश का उपयोग किया गया है पर हिंदी में **शुतुर्मुर्ग** उपयोग किया गया है, और यहाँ पर अभिव्यक्ति **शुतुर्मुर्ग** एक ऐसे पक्षी का वर्णन है जिसकी आवाज़ बहुत तेज़ और भ्रमित करने वाली होती है। विशेष रूप से यह अभिव्यक्ति शुतुरमुर्ग के लिए प्रयोग की गई है। शुतुरमुर्ग एक उड़ान-रहित, तेज़ दौड़ने वाला पक्षी है, जिसकी गर्दन लंबी होती है, टाँगें लंबी और बिना पंखों की होती हैं, और हर पैर में दो उँगलियाँ होती हैं। प्राचीन काल में इसे खंडहरों और उजाड़ स्थानों से जोड़ा जाता था, इसलिए यह मृत्यु और विनाश का प्रतीक भी माना जाता था। यदि आपकी भाषा में कोई समान मुहावरा हो तो उसका उपयोग किया जा सकता है, या अर्थ को सीधे शब्दों में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोलाहल की बेटी]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 11:16 (#2)

וְאֶת־הַתַּחְמָס

“तखमास”

हालाँकि इस पक्षी का सटीक पदनाम विवादित है, यह संभवतः सामान्य रूप से **तखमास** (उल्लू) को संदर्भित करता है, जो एक ऐसा पक्षी है जो रात में शिकार करता है। इसका आकार छोटा से बड़ा होता है, और इसकी बड़ी आँखें और एक मुड़ी हुई चोंच होती हैं। यदि आपके पाठक इस विशेष समूह के पक्षियों से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:16 (#3)

וְאֶת־הַשָּׁשָׁחַף

“जलकुक्कट“

हालाँकि इस पक्षी का सटीक नाम विवादित है, यह संभवतः **जलकुक्कट** नामक पक्षी को संदर्भित करता है, जो बड़े जल निकायों में रहता है और शिकार करता है। यदि आपके पाठक इस पक्षी के समूह से परिचित

नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में इसी तरह की प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:16 (#4)

וְאֶת־הַנֵּץ לְמִינֵהוּ

"और भाँति-भाँति के शिकरे"

हालाँकि इस पक्षी का सटीक नाम विवादित है, यह संभवतः **शिकरे** को संदर्भित करता है, जो शिकार करने वाला एक छोटा से मध्यम आकार का पक्षी है जिसकी चौड़ी, गोल पंख और लंबी पूंछ होती है। यदि आपके पाठक इस पक्षी के समूह से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:17 (#1)

וְאֶת־הַכּוֹס

"हबासिल"

हालाँकि इस पक्षी का सटीक पदनाम विवादित है, यह संभवतः **हबासिल** को संदर्भित करता है, जो उल्लुओं की एक छोटी आकार की प्रजाति है, एक निशाचर शिकार पक्षी जो आमतौर पर मरे हुए जानवरों पर निर्भर करता है। यदि आपके पाठक इस पक्षी के समूह से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने पिछले आयत में "उल्लू" शब्द का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:17 (#2)

וְאֶת־הַשָּׁלָךְ

"हाड़गील"

हालाँकि इस पक्षी का सटीक नाम विवादित है, यह संभवतः **हाड़गील** को संदर्भित करता है, जो एक बड़ा, गोताखोर पक्षी है जिसकी लंबी गर्दन, लंबी मुड़ी हुई चोंच और काले पंख होते हैं। यदि आपके पाठक इस विशेष पक्षी से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:17 (#3)

וְאֶת־הַינְשׁוּף

"उल्लू"

हालाँकि इस पक्षी का सटीक पदनाम विवादित है, यह संभवतः **उल्लू** को संदर्भित करता है, जो उल्लुओं की एक बड़ी प्रजाति है, एक निशाचर शिकार पक्षी जो मरे हुए जानवरों को भी खाता है। यदि आपके पाठक इस पक्षी के समूह से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में पक्षी की एक समान प्रजाति का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने पिछले आयत में "उल्लू" शब्द का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:18 (#1)

וְאֶת־הַתִּנְשֶׁמֶת

"राजहँस"

हालाँकि इस पक्षी का सटीक नाम विवादित है, यह संभवतः **राजहँस** को संदर्भित करता है, जो एक छोटा से मध्यम आकार का जल पक्षी है जो पानी में रहता है और उथले पानी में चलकर शिकार करता है। यदि आपके पाठक इस पक्षियों के समूह से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:18 (#2)

וְאֶת־הַקָּאָת

"धनेश"

हालाँकि इस पक्षी का सटीक नाम विवादित है, यह संभवतः **धनेश** की ओर संकेत करता है, जो एक बड़ा सफेद या भूरा जल पक्षी है जिसकी बड़ी चोंच मछली और शिकार को पकड़ने के लिए बनी होती है। यह शब्द विशेष रूप से उस **धनेश** की एक किस्म को संदर्भित कर सकता है जो मरुभूमि में रहता है। यदि आपके पाठक इन पक्षियों के समूह से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:18 (#3)

וְאֶת־הָרָחָם

"गिद्ध"

हालाँकि इस पक्षी का सटीक नाम विवादित है, यह संभवतः एक **गिद्ध** (आइबिस) को संदर्भित करता है, जो लंबे गले और पैरों और एक लंबे, मुड़े हुए चोंच वाले पानी में चलने वाले पक्षियों का एक समूह है। यदि आपके पाठक इस पक्षियों के समूह से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:19 (#1)

וְאֵתת הַחֲסִידָה

"सारस"

हालाँकि इस पक्षी का सटीक नाम विवादित है, यह संभवतः **सारस** को संदर्भित करता है, जो एक लंबी टांगों वाला पक्षी है जिसकी लंबी और भारी चोंच होती है। सारस उथले पानी में मछली और जल जीवों को पकड़ने के लिए चलता है। यदि आपके पाठक इस विशेष प्रकार के पक्षी

से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:19 (#2)

הָאֲנָפָה לְמִינָהּ

"भाँति-भाँति के बगुले"

हालाँकि इस पक्षी का सटीक पदनाम विवादित है, यह संभवतः **बगुले** को संदर्भित करता है, जो एक लंबा, मछली खाने वाला पक्षी है जिसकी लंबी टांगें होती हैं। इसे इसकी लंबी एस (S)-आकार की गर्दन और लंबी, नुकीली चोंच से पहचाना जाता है। यदि आपके पाठक इस विशेष पक्षी से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:19 (#3)

וְאֶת־הַדּוּכִיפַת

"टिटीहरी"

हालाँकि इस पक्षी का सटीक नाम विवादित है, यह संभवतः **टिटीहरी** नामक पक्षी को संदर्भित करता है, जो एक सलमोन-गुलाबी पक्षी है जिसकी लंबी, पतली चोंच और काले और सफेद पंख और पूंछ होते हैं। प्राचीन संसार में, इसे अक्सर गंदगी और मल के साथ जोड़ा जाता था। यदि आपके पाठक इस विशेष पक्षी से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान प्रजाति के पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:19 (#4)

וְאֶת־הָעֲטַלֵּף

"और चमगादड़"

हालाँकि इस उड़ने वाले पशु का सटीक पदनाम विवादित है, यह संभवतः **चमगादड़** को संदर्भित करता है, जो एक पंखों वाला, कृंतक जैसा स्तनधारी है जो आमतौर पर रात में उड़ता और शिकार करता है। हालाँकि चमगादड़ एक पक्षी नहीं है, यह प्राचीन संसार में मृत्यु और विनाश से जुड़ा हुआ उड़ने वाला जीव है क्योंकि यह निर्जन या सुनसान स्थानों के पास रहने की प्रवृत्ति रखता है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पशु से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान उड़ने वाले पशु का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:20 (#1)

כֹּל שֶׁרֶץ הָעוֹף הַהֹלֵךְ עַל־אַרְבַּע

"**जितने पंखवाले कीड़े चार पाँवों के बल चलते हैं"**

यहाँ, **चार पाँवों के बल चलते** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है चार पैरों पर जमीन पर रेंगना। यह इन कीड़ों को अन्य उड़ने वाली चीजों, जैसे कि पक्षियों से अलग करता है, जिनके पास केवल दो पैर होते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [पंखों वाली हर रेंगने वाली वस्तु जिसके चार पैर होते हैं]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 11:20 (#2)

כֹּכֹל שֶׁשֶׁרֶץ הָעוֹף

"जितने पंखवाले कीड़े"

अभिव्यक्ति **जितने पंखवाले कीड़े** स्वामित्व रूप का उपयोग करती है ताकि झुंड में उड़ने वाले कीड़ों का वर्णन किया जा सके जो पंखों के स्वामी होते हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [हर पंखों वाला, झुंड में उड़ने वाला कीड़ा]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 11:21 (#1)

"पर रेंगनेवाले और पंखवाले जो चार पाँवों के बल चलते हैं"

देखें कि आपने इन अभिव्यक्तियों का 11:20 में अनुवाद कैसे किया।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 11:21 (#2)

אֲשֶׁר־לֹו כְרָעַיִם מִמַּעַל לְרַגְלָיו לְנַתֵּר בָּהֵן עַל־הָאָרֶץ

"जिनके भूमि पर कूदने फाँदने को टाँगें होती हैं"

अभिव्यक्ति **जिनके भूमि पर कूदने फाँदने को टाँगें होती हैं** इस्राएल के लोगों के लिए एक मानदंड का संकेत देती है जिससे वे यह पहचान सकते हैं कि कोई पंख वाला, झुंड में उड़ने वाला कीड़ा खाने के लिए स्वीकार्य है या नहीं। कीड़े के पास जोड़दार पैर होने चाहिए जिनसे वह जमीन पर कूदकर चलता है। इसका तात्पर्य यह है कि यदि किसी कीड़े के पास जोड़दार पैर नहीं हैं, तो इस्राएल के लोगों को उस कीड़े को अशुद्ध मानना चाहिए। इसे अपनी भाषा में जिस भी तरीके से सबसे स्वाभाविक रूप से व्यक्त किया जा सके, करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जिसके पास उसके पैरों के ऊपर जोड़दार पैर हैं जिनसे वह जमीन पर कूदता है]

देखें: सूचना देने बनाम याद दिलाने वाले शब्दों में अंतर करना

लैव्यव्यवस्था 11:21 (#3)

לְנַתֵּר בָּהֵן

"जिनके भूमि पर कूदने फाँदने को टाँगें होती हैं"

यहाँ, **जिनके** इस बात को दिखाता है कि जोड़दार टाँगें होने का उद्देश्य कूदना है। अपने अनुवाद में ऐसा संयोजक शब्द प्रयोग करें जिससे यह साफ़ हो जाए कि जोड़दार टाँगें कूदने के लिए हैं।

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 11:22 (#1)

"वे ये हैं"

वैकल्पिक अनुवाद: [इनमें से ये]

लैव्यव्यवस्था 11:22 (#2)

אֶת־הָאַרְבֶּה לְמִינוֹ וְאֶת־הַסְּלְעָם לְמִינֵהוּ וְאֶת־הַחַרְגֹּל לְמִינֵהוּ וְאֶת־הַחָגָב לְמִינֵהוּ

“भाँति-भाँति की टिड्डी, भाँति-भाँति के फनगे, भाँति-भाँति के झींगुर, और भाँति-भाँति के टिड्डे”

हालाँकि इन कीड़ों का सटीक पदनाम विवादित है, ये शब्द संभवतः टिड्डी या टिड्डे जैसे कीड़ों को संदर्भित करते हैं जिनके पंख और संयुक्त पैर होते हैं जिनसे वे जमीन पर कूदते हैं। हालाँकि इन कीड़ों के आमतौर पर छह पैर होते हैं, 11:20 इन कीड़ों को चार पैरों वाले झुंड के रूप में वर्णित करता है। इसका कारण यह है कि अधिकांश मामलों में, ये कीड़े चार पैरों पर चलते हैं और अपने पिछले दो पैरों का उपयोग करते हैं, जो आकार और रूप में बाकी से काफी अलग होते हैं, कूदने के लिए। आपके पाठकों के लिए इसे एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। यदि आपके पाठक इन प्रकार के कीड़ों से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में समान कीड़ों के नामों का उपयोग कर सकते हैं, या आप अधिक सामान्य शब्दों का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:23 (#1)

“परन्तु और सब रेंगनेवाले पंखवाले जो चार पाँव वाले होते हैं”

वैकल्पिक अनुवाद: [हर पंखों वाला कीट जो झुंड में उड़ता है और जिसके चार पैर होते हैं]

लैव्यव्यवस्था 11:23 (#2)

אֲשֶׁר־לוֹ אַרְבַּע רַגְלָיִם

“चार पाँव वाले”

यह कथन 11:20 में कही गई बात को दोहराता है। कोई भी पंखों वाला, झुंड में उड़ने वाला कीट जिसके पास केवल चार पैर हैं जिनसे वह जमीन पर चलता है, पिछले पद में सूचीबद्ध कीटों के अलावा, अशुद्ध माना जाएगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो अपने पाठकों के लिए इसे एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करने पर विचार करें।

देखें: सूचना देने बनाम याद दिलाने वाले शब्दों में अंतर करना

लैव्यव्यवस्था 11:24 (#1)

וּלְאֵלֶּה

“इनके कारण”

यहाँ, **इनके** या तो: 1) कोई भी पंखों वाला, झुंड में उड़ने वाला कीट है जिसके चार पैर हैं और जिनके जोड़ नहीं होते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी पंखों वाला, झुंड में उड़ने वाला कीट जिसके चार पैर हैं जो जोड़ वाले नहीं हैं जिन पर यह चलता है] या 2) सभी अशुद्ध चौपायों को, जिनमें पंजे वाले भी शामिल हैं, 11:26–27 में सूचीबद्ध हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी चौपाया जो या तो जुगाली करता है या उसके खुर पूरी तरह से विभाजित होते हैं, लेकिन दोनों विशेषताएँ नहीं होतीं, या कोई भी चौपाया जिसके पंजे होते हैं]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 11:25 (#1)

“और जो कोई इनकी लोथ में का कुछ भी उठाए”

वैकल्पिक अनुवाद: [और जो कोई उनकी लाशों में से एक को उठाते हैं]

लैव्यव्यवस्था 11:25 (#2)

יְכַבֵּס בְּגָדָיו

“वह अपने वस्त्र धोए और”

कपड़े धोने का कार्य केवल स्वच्छता के लिए नहीं होता, बल्कि यह शरीर या किसी भी वस्तु के संपर्क में आने से उत्पन्न हुई अनुष्ठानिक अशुद्धि को दूर करने के लिए होता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए अस्पष्ट हो, तो इस क्रिया के महत्व को पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में समझाने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वे अपनी अशुद्धि को दूर करने के लिए अपने कपड़े धोएंगे, जो उन्होंने अशुद्ध कीट या पशु के शव को छूने से प्राप्त की हो सकती है]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 11:26 (#1)

“फिर जितने पशु चिरे खुर के होते हैं परन्तु न तो बिलकुल फटे खुर और न पागुर करनेवाले हैं”

देखें कि आपने इन अभिव्यक्तियों का 11:3 में अनुवाद कैसे किया है।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 11:29 (#1)

הַחֹלֶד

“चूहा”

हालाँकि इस पशु का सटीक नाम विवादित है, यह शब्द संभवतः एक **चूहा** को संदर्भित करता है, जो एक बड़ा कृंतक है, आमतौर पर इसकी नुकीली नाक और लंबी, नंगी पूंछ होती है। यदि आपके पाठक इस पशु से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र के किसी अन्य पशु का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:29 (#2)

וְהָעַכְבָּר

“चूहा”

हालाँकि इस पशु का सटीक पदनाम विवादित है, यह शब्द संभवतः **चूहा** को संदर्भित करता है, जो एक छोटा कृंतक है, आमतौर पर लंबे कान और लंबी पूंछ वाला होता है। यदि आपके पाठक इस पशु से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र के किसी अन्य पशु का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:29 (#3)

וְהַצָּב לְמִינֵהוּ

“और भाँति-भाँति के गोह”

हालाँकि इस पशु का सटीक पदनाम विवादित है, यह शब्द एक **गोह** को संदर्भित कर सकता है। इस शब्द में चार छोटे पैरों वाले बड़े पपड़ीदार सरीसृपों की एक विस्तृत विविधता शामिल है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पशु से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में जानवरों के एक समान समूह का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:30 (#1)

וְהָאַנָּקָה

“और छिपकली”

हालाँकि इस पशु का सटीक नाम विवादित है, यह शब्द **छिपकली** को संदर्भित कर सकता है, जो छोटे छिपकलियों के एक बड़े समूह का हिस्सा होती हैं जिनके पैरों पर चिपचिपे गद्दी होते हैं जिनसे वे चढ़ती हैं। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पशु से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में जानवरों के एक समान समूह का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:30 (#2)

וְהַכֹּחַ

“मगर”

हालाँकि इस पशु का सटीक पदनाम विवादित है, यह शब्द **मगर** को संदर्भित कर सकता है, जो बड़े, भारी-भरकम छिपकलियों की एक विस्तृत विविधता को शामिल करता है जिनके बड़े पंजे और एक कांटेदार, सांप जैसी जीभ होती है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पशु से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में जानवरों के एक समान समूह का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:30 (#3)

וְהַלְּטָאָה

“टिकटिक”

हालांकि इस पशु का सटीक पदनाम विवादित है, यह शब्द आमतौर पर **टिकटिक** को संदर्भित कर सकता है, जिसमें छोटे से बड़े आकार के चार छोटे पैरों और एक लंबी पूंछ वाले शल्कीय सरीसृप शामिल होते हैं। यदि आपके पाठक इन जानवरों के समूह से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में इसी तरह के पशु का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:30 (#4)

וְהַחֹמֶט

“सांडा”

हालाँकि इस पशु का सटीक नाम विवादित है, यह शब्द **सांडा** को संदर्भित कर सकता है। इस शब्द में आमतौर पर छोटे, चिकनी त्वचा वाली छिपकलियों की एक विस्तृत विविधता शामिल होती है, जो आमतौर पर रेतीली जमीन में बिल बनाती हैं। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पशु से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में जानवरों के एक समान समूह का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:30 (#5)

וְהַתִּנְשֶׁמֶת

“और गिरगिट”

हालाँकि इस पशु का सटीक पदनाम विवादित है, यह शब्द **गिरगिट** को संदर्भित कर सकता है। यदि ऐसा है, तो यह शब्द एक छोटी, धीमी छिपकली को संदर्भित करता है जिसमें लंबी, घुमावदार पूंछ और लंबी, चिपचिपी जीभ होती है। इसकी उभरी हुई आंखें होती हैं जो स्वतंत्र रूप से घूम सकती हैं, और यह अपने परिवेश के साथ घुलने-मिलने की क्षमता के लिए सबसे अधिक पहचाना जाता है। यदि आपके पाठक इस विशेष पशु से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान पशु का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:32 (#1)

מֵהֶם

“और इनमें से किसी की”

अभिव्यक्ति **इनमें से किसी की** किसी भी अशुद्ध पशु को संदर्भित करती है, विशेष रूप से छिपकलियों और “रेंगने वाले जीवों” की सूची 11:29–30 से।

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 11:32 (#2)

מִכָּל־כְּלִי־עֵץ֙ אוֹ־בֶ֔גֶד אוֹ־עוֹר֙ אוֹ־שָׂ֔ק

“चाहे वह काठ का कोई पात्र हो, चाहे वस्त्र, चाहे खाल, चाहे बोरा”

यहाँ, वाक्यांश **चाहे वह काठ का कोई पात्र हो, चाहे वस्त्र, चाहे खाल, चाहे बोरा** एक **पात्र** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहा है, जो इन वस्तुओं में से एक या अधिक से बना होता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप से किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लकड़ी, वस्त्र, चमड़े या टाट से बना कोई भी वस्तु]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 11:32 (#3)

כָּל־כְּלִ֣י אֲשֶׁר־יֵעָשֶׂ֣ה מְלָאכָ֗ה בָּהֶם֙ בַּמַּ֔יִם יוּבָ֖א

“चाहे किसी काम का कैसा ही पात्र आदि क्यों न हो; वह जल में डाला जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस किसी के पास वह वस्तु है जिसके साथ वह काम करता है, उसे पानी में लाना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 11:33 (#1)

"का कोई पात्र हो"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का 11:32 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 11:33 (#2)

וְאֹתוֹ תִשְׁבֹּרוּ

"और पात्र को तुम तोड़ डालना"

यहाँ, **तुम** बहुवचन है। यह इस्राएल के लोगों को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'तुम' के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 11:33 (#3)

וְאֹתוֹ תִשְׁבֹּרוּ

"और पात्र को तुम तोड़ डालना"

यहाँ, **पात्र मिट्टी का कोई पात्र** का उल्लेख करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो संदर्भ को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और आप मिट्टी के मर्तबान को तोड़ देंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 11:34 (#1)

מִכָּל־הָאֹכֶל אֲשֶׁר יֵאָכֵל

"उसमें जो खाने के योग्य भोजन हो"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी भोजन जो कोई खाता है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 11:34 (#2)

מִכָּל־הָאֹכֶל אֲשֶׁר יֵאָכֵל

"उसमें जो खाने के योग्य भोजन हो"

शब्दों पर जोर देने के लिए उन्हें दोहराया जा रहा है। विशेष रूप से, क्रिया **खाने** उसी मूल से आती है जैसे संज्ञा **भोजन**। आप अपनी भाषा में यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए इसी संरचना का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी चीज़ से जो खाई जा सकती है]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 11:34 (#3)

"जिसमें पानी का छुआव हो वह"

वैकल्पिक अनुवाद: [जिस पर कोई भी ऐसा जल आता है]

लैव्यव्यवस्था 11:34 (#4)

וְכָל־מַשְׁקֶה אֲשֶׁר יִשָּׁתֶה

"फिर यदि ऐसे पात्र में पीने के लिये कुछ हो"

यहाँ शब्दों को जोर देने के लिए दोहराया जा रहा है। यहाँ, क्रिया **पीने** उसी जड़ से आती है जैसे संज्ञा **पानी**। आप अपनी भाषा में यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए उसी निर्माण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी तरल जिसे आप पी सकते हैं]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 11:34 (#5)

וְכָל־מַשְׁקֶה אֲשֶׁר יִשָּׁתֶה

"पीने के लिये कुछ हो"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और जो भी पेय आप पीते हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 11:34 (#6)

"ऐसे पात्र में"

वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी बर्तन से जिसमें एक मृत, अशुद्ध पशु गिरा हो]

लैव्यव्यवस्था 11:35 (#1)

מִנִּבְלָתָם

"और यदि इनकी लोथ में का कुछ"

यहाँ, **इनकी** संदर्भ अशुद्ध जानवरों की सूची से है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो संदर्भ को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी अशुद्ध पशु के शवों में से एक]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 11:35 (#2)

תַּנּוּר וְכִירַיִם יֻתָּץ

"कुछ तंदूर या चूल्हे" - "तोड़ डाला जाए"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आप एक भट्ठी या चूल्हे को तोड़ देंगे] या [भट्ठी या चूल्हे का मालिक इसे तोड़ देगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 11:35 (#3)

“कुछ तंदूर”

देखें कि आपने 2:4में जिस घरेलू वस्तु का आपने अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:35 (#4)

וְכִירַיִם

“या चूल्हे”

यह **चूल्हे** संभवतः एक घरेलू वस्तु थी जिस पर या खुली आग के ऊपर खाना पकाया जा सकता था। यदि आपकी भाषा में ऐसी वस्तु के लिए कोई शब्द है, तो उसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [या खाना पकाने के अन्य साधन]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 11:36 (#1)

בְּנִבְלָתָם

“इनकी लोथ”

यहाँ, **इनकी** संदर्भ अशुद्ध जानवरों की सूची से है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो संदर्भ को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी अशुद्ध पशु का शव]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 11:37 (#1)

מִנִּבְלָתָם

“इनकी लोथ में का कुछ”

यहाँ, **इनकी** संदर्भ अशुद्ध जानवरों की सूची से है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो संदर्भ को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी अशुद्ध पशु के शवों में से एक]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 11:37 (#2)

כָּל־זֶרַע זָרוּעַ אֲשֶׁר יִזָּרֵעַ

“किसी प्रकार के बीज पर जो बोने के लिये हो पड़े”

शब्दों पर जोर देने के लिए उन्हें दोहराया जा रहा है। संज्ञा **बीज** क्रिया **बोने** से संबंधित है। जोर देने से इन बीजों को पौधा बीज के रूप में पहचाना जाता है और किसी अन्य प्रकार के बीज, चाहे वह पुरुष शुक्राणु हो, स्राव हो, या अन्यथा, से नहीं। आप अपनी भाषा में इसी संरचना का उपयोग करके यहाँ अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी पौधा बीज जो भूमि में बोया जाता है]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था11:37 (#3)

כָּל־זֶרַע זָרוּעַ אֲשֶׁר יִזָּרֵעַ

“किसी प्रकार के बीज पर जो बोने के लिये हो पड़े”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी बीज जो कोई व्यक्ति जमीन में बो सकता है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 11:38 (#1)

וְכִכְּי יֻתַּן־מַיִם עַל־זֶרַע

“पर यदि बीज पर जल डाला गया हो”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन जब आप बीज को पानी देते हैं“ या “लेकिन जब कोई बीज को पानी देता है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 11:38 (#2)

וְכִכְּי יֻתַּן־מַיִם עַל־זֶרַע

“लेकिन जब बीज पर पानी डाला जाता है”

यह अभिव्यक्ति एक मुहावरा है जो जमीन में बीज बोने के बाद उसे पानी देने का संदर्भ देती है। यदि आपकी भाषा में ऐसा ही कोई मुहावरा है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। हालाँकि, यदि आपकी भाषा में इसका अर्थ स्पष्ट नहीं हो, तो अर्थ को सीधे तौर पर बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन जब जमीन में बीज बोने के बाद उसे पानी दिया जाता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 11:38 (#3)

עַל־זֶרַע

“बीज पर”

इस पद में, शब्द **बीज** एकवचन रूप में है, लेकिन यह सभी पौधों के बीजों को एक समूह के रूप में संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे सरलता से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कुछ बीजों पर]

देखें: सामूहिक संज्ञाएं

लैव्यव्यवस्था 11:38 (#4)

מִנִּבְלָתָם

“और पीछे लोथ में”

यहाँ, मूल भाषा अंग्रेजी अनुवाद में **उनका** संदर्भ अशुद्ध जानवरों की सूची से है, और यह आईआरवी में नहीं है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो संदर्भ को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी अशुद्ध पशु के शवों में से एक]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 11:39 (#1)

וְכִי יָמוּתתֹ מִן־הַבְּהֵמָה אֲשֶׁר־הִהְיֹא לָכֶם לְאָכְלָה

“यदि उनमें से कोई पशु मरे”

अभिव्यक्ति **जिन पशुओं के खाने की आज्ञा** उन जानवरों को संदर्भित करती है जिन्हें भोजन प्रदान करने के लिए पाला जाता है, न कि अन्य उपयोगी उत्पादों के लिए। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन जब भी आपके लिए खाने योग्य कोई पशुधन मर जाता है]

देखें: सूचना देने बनाम याद दिलाने वाले शब्दों में अंतर करना

लैव्यव्यवस्था 11:39 (#2)

הַנֹּגֵעַ בְּנִבְלָתָהּ

“जो कोई उसकी लोथ छूए”

वाक्यांश **जो कोई उसकी लोथ छूए** सामान्य रूप से इन जानवरों को छूने वाले किसी भी व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, न कि किसी विशेष व्यक्ति का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जो भी इसके शव को छूते हैं]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 11:40 (#1)

וְהָאֹכֵל מִנִּבְלָתָהּ

“और उसकी लोथ में से जो कोई कुछ खाए”

वाक्यांश **जो कोई कुछ खाए** सामान्य रूप से उन सभी व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करता है जो इन जानवरों का मांस खाते हैं, न कि किसी विशेष व्यक्ति का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और जो भी इसके शव से मांस खाता है]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 11:40 (#2)

וְהַנֹּשֵׂא אֶת־נִבְלָתָהּ

“और जो कोई उसकी लोथ उठाए”

वाक्यांश **जो कोई उसकी लोथ उठाए** सामान्य रूप से इन मृत जानवरों को हटाने वाले किसी भी व्यक्ति को दर्शाता है, न कि किसी विशेष व्यक्ति को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और जो भी इसका शव उठाते हैं]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 11:41 (#1)

וְכָל־הַשֶּׁשֶׂץ הַשֹּׁרֵץ עַל־הָאָרֶץ

“सब प्रकार के पृथ्वी पर रेंगनेवाले जन्तु घिनौने हैं”

यह अभिव्यक्ति एक प्रभावशाली संरचना है जो एक क्रिया और उसके वस्तु का उपयोग करती है, जो एक ही मूल से आती है। आप अपनी भाषा में इसी संरचना का उपयोग करके यहाँ का अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जमीन पर रेंगने वाली कोई भी वस्तु]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 11:41 (#2)

לֹא יֵאָכֵל

“वे खाए न जाएँ।”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको इसे नहीं खाना चाहिए।]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 11:42 (#1)

כֹּלֹ֗ הוֹלֵךְ֙ עַל־גָּח֔וֹן

“जितने पेट” -“बल चलते हैं”

यह अभिव्यक्ति एक मुहावरा है जो किसी भी झुंड में चलने वाले पशु को संदर्भित करती है जो रेंगता है और जिसके छोटे अंग होते हैं या ऐसे कोण में होते हैं कि उसका पेट जमीन पर घिसटता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी पशु जो अपने पेट के बल जमीन पर रेंगता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 11:42 (#2)

עַ֚ד כָּל־מַרְבֵּ֣ה רַגְלַ֔יִם

“कुछ भी करने के लिए कदम बढ़ाना”

यह अभिव्यक्ति एक मुहावरा है जो किसी भी झुंड में चलने वाले पशु को संदर्भित करती है जिसके कई पैर होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [या कुछ भी जिसके कई पैर हों]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 11:42 (#3)

לְכָל־הַשֶּׁשֶׂץ הַשֹּׁרֵץ עַל־הָאָרֶץ

“पृथ्वी पर सब रेंगनेवालों में से जितने पेट या चार पाँवों के बल चलते हैं”

यह अभिव्यक्ति एक प्रभावशाली संरचना है जो एक क्रिया और उसके वस्तु का उपयोग करती है, जो एक ही मूल से आती है। आप अपनी भाषा में इसी संरचना का उपयोग करके यहाँ का अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जमीन पर रेंगने वाली किसी भी चीज़ के लिए]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 11:43 (#1)

אַל־תְּשַׁקְּצוּ֙ אֶת־נַפְשֹׁ֣תֵיכֶ֔ם

“अपने को अशुद्ध करके अपवित्र ठहराना।”

यहोवा एक भविष्यद्वाणी के माध्यम से एक निर्देश या आदेश दे रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन शब्दों का अनुवाद आदेश या निर्देश के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको अपने जीवन को घृणास्पद नहीं बनाना चाहिए]

देखें: कथन - अन्य उपयोग

लैव्यव्यवस्था 11:43 (#2)

בְּכָל־הַשֶּׁ֖רֶץ הַשֹּׁרֵֽץ

“तुम किसी प्रकार के रेंगनेवाले जन्तु के द्वारा”

यह अभिव्यक्ति एक प्रभावशाली निर्माण है जो एक क्रिया और उसके वस्तु का उपयोग करता है, जो एक ही मूल से आता है। आप अपनी भाषा में इसी निर्माण का उपयोग करके यहाँ अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी चीज़ के साथ जो पूरी तरह से भर जाती है]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 11:43 (#3)

וְלֹ֥א תִטַּמְּאוּ֖ בָּהֶ֑ם וְנִטְמֵתֶ֥ם בָּֽם

“और न उनके द्वारा अपने को अशुद्ध करके अपवित्र ठहराना”

यहोवा एक ही विचार को दो बार अलग-अलग शब्दों में निर्देश में दोहराते हैं ताकि इस्राएल के लोगों को यह आदेश सुदृढ़ किया जा सके कि वे किसी भी अशुद्ध पशु का मांस न खाएं। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप वाक्यों को एक ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दिखाए कि दूसरा वाक्य पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [और आपको उनके द्वारा अशुद्ध नहीं बनना चाहिए। नहीं, निश्चित रूप से, आपको उनके द्वारा कभी भी अशुद्ध नहीं बनाया जाना चाहिए।]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 11:43 (#4)

וְנִטְמֵתֶ֥ם בָּֽם

“और न उनके द्वारा अपने को अशुद्ध करके अपवित्र ठहराना”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे आपको अशुद्ध न बनने दें]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 11:44 (#1)

כִּ֣י אֲנִ֣י יְהוָ֔ה אֱלֹהֵיכֶ֑ם

“क्योंकि मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ”

क्योंकि के रूप में अनुवादित शब्द यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। अपनी भाषा में एक ऐसा संयोजक उपयोग करें जो यह स्पष्ट करे कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको उनके साथ अशुद्ध नहीं होना चाहिए, क्योंकि मैं यहोवा आपका परमेश्वर हूँ]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 11:44 (#2)

“अपने आपको अशुद्ध न करना”

वैकल्पिक अनुवाद: [और आप अपने आप को अशुद्ध नहीं करेंगे]

लैव्यव्यवस्था 11:45 (#1)

כִּ֣י ׀ אֲנִ֣י יְהוָ֗ה

“क्योंकि मैं वह यहोवा हूँ”

क्योंकि के रूप में अनुवादित शब्द यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। अपनी भाषा में एक ऐसा संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको स्वयं को अशुद्ध नहीं करना चाहिए, क्योंकि मैं यहोवा हूँ।]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 11:45 (#2)

לִהְי֣וֹת לָכֶ֔ם לֵאלֹהִ֖ים

“तुम्हारा परमेश्वर ठहरूँ”

यहाँ, शब्द **तुम्हारा** यहोवा को इस्राएल का परमेश्वर होने के उद्देश्य के रूप में चिह्नित करता है, जब उन्होंने उन्हें मिस्र से बाहर निकाला। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि यह उद्देश्य है। वैकल्पिक अनुवाद, एक पूर्ण विराम से पहले: [ताकि मैं तुम्हारे लिए परमेश्वर बन सकूं]

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 11:45 (#3)

כִּ֣י קָד֑וֹשׁ אֲנִ֖י

“क्योंकि मैं पवित्र हूँ”

क्योंकि अनुवादित शब्द यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए का कारण है। अपनी भाषा में एक ऐसा संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करे कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद, एक पूर्ण विराम के पहले: [आपको एक पवित्र लोग होना चाहिए क्योंकि मैं पवित्र हूँ]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 11:46 (#1)

זֹ֣את תּוֹרַ֣ת הַבְּהֵמָ֗ה וְהָע֛וֹף

“पशुओं, पक्षियों, और सब जलचरी प्राणियों,” - “में यही व्यवस्था है”

यह अभिव्यक्ति उस **व्यवस्था** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है जो इस पद में सूचीबद्ध जानवरों, मछलियों, और जीवित चीजों की विस्तृत विविधता का संदर्भ देता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यह वह कानून है जो पशुधन और पक्षियों से संबंधित है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 11:46 (#2)

הַבְּהֵמָה וְהָעוֹף

“पशुओं, पक्षियों”

अभिव्यक्तियाँ **पशुओं** और **पक्षियों** विशेष पशु समूहों का उल्लेख नहीं करती हैं। बल्कि, वे उन जानवरों का वर्णन करती हैं जिन्हें भोजन और अन्य उपयोगी उत्पाद प्रदान करने के लिए पाला जाता है, या कोई भी पक्षी जिसे कोई इस्राएली व्यक्ति रख सकता है या सामना कर सकता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [आपके द्वारा पाले गए किसी भी जानवर और पक्षी]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 11:46 (#3)

וְהָעוֹף

“पक्षियों”

मूल अंग्रेजी भाषा अभिव्यक्ति पक्षी एकवचन है और हिंदी में शब्द **पक्षियों** बहुवचन रूप में है, लेकिन यह सभी पंख वाले जानवरों को एक समूह के रूप में संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे सीधे कह सकते हैं। देखें कि आपने इस सामूहिक संज्ञा का 11:13 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और पंख वाले जानवर]

देखें: सामूहिक संज्ञाएं

लैव्यव्यवस्था 11:46 (#4)

וְכֹלֹ נֶפֶשׁ הַחַיָּה

“और सब जलचरी प्राणियों”

अभिव्यक्ति **सब जलचरी प्राणियों** एक जीवित, सांस लेने वाले प्राणी का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और प्रत्येक जीवित प्राणी]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 11:46 (#5)

“और पृथ्वी पर सब रेंगनेवाले प्राणियों”

वैकल्पिक अनुवाद: [और हर जीवित प्राणी जो भूमि पर रेंगता है]

लैव्यव्यवस्था 11:47 (#1)

לְהַבְדִּיל

“भेद किया जाए”

यहाँ, शब्द **भेद किया जाए** का उद्देश्य स्वच्छ और अशुद्ध जानवरों के बीच अंतर करना है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि यह उद्देश्य है। वैकल्पिक अनुवाद, पहले एक पूर्ण विराम के साथ: [ये निर्देश आपको भेद करने में सहायता करने के लिए हैं]

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 11:47 (#2)

בֵּין הַטָּמֵא וּבֵין הַטָּהֹר

“शुद्ध अशुद्ध और भक्ष्य और अभक्ष्य “

विशेषण **अशुद्ध** और **शुद्ध** का उपयोग संज्ञा के रूप में किया जा रहा है, जो उन वस्तुओं को संदर्भित करता है जो पवित्र स्थान में हो सकती हैं और पवित्र वस्तुओं के संपर्क में आ सकती हैं, और वे जो अशुद्ध हैं और पवित्र स्थान में नहीं हो सकती बिना उस स्थान और उन वस्तुओं में अशुद्धता लाए। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इसी तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके बीच जो अशुद्ध हैं और जो स्वच्छ हैं]

देखें: आम विशेषण

लैव्यव्यवस्था 11:47 (#3)

הַחַיָּה הַנֶּאֱכָלֶת & הַחַיָּה אֲשֶׁר לֹא תֵאָכֵל

“भक्ष्य और अभक्ष्य जीवधारियों में”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह जीवित चीज जिसे आप खाएंगे ... वह जीवित चीज जिसे आपको नहीं खाना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 12:1 (#1)

לֵאמֹר

“कहा”

अनुवादित शब्द **कहा** एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, उन तरीकों पर विचार करें जिनसे आप अपनी भाषा में इस उद्धरण को स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 12:1–2 (#1)

לֵאמֹר׃ דַּבֵּר אֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל לֵאמֹר

“कहा,”इस्राएलियों से कह:“

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, इससे पहले एक पूर्ण विराम के साथ: [उन्होंने मूसा से इस्राएल के पुत्रों को बताने के लिए कहा]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 12:2 (#1)

כִּימֵ֣י נִדַּ֣ת דְּוֹתָ֗הּ

“जिस प्रकार वह ऋतुमती होकर अशुद्ध रहा करती”

शब्दों पर जोर देने के लिए दोहराया जा रहा है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में इस संरचना का उपयोग करना उपयुक्त होगा। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसे वह दिन जब वह मासिक धर्म में होती हैं]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 12:2 (#2)

כִּימֵ֣י נִדַּ֣ת דְּוֹתָ֗הּ

“जिस प्रकार वह ऋतुमती होकर अशुद्ध रहा करती”

यह अभिव्यक्ति **दिनों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है, जिन दिनों में एक महिला **ऋतुमती** होती है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसे जब वह सामान्य रूप से मासिक धर्म कर रही होती हैं]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 12:3 (#1)

וּבַיּ֣וֹם הַשְּׁמִינִ֔י

“और आठवें दिन”

शब्द **आठवें** आठ के लिए क्रमवाचक संख्या है। यदि आपकी भाषा क्रमवाचक गिनती का उपयोग नहीं करती है, तो आप यहाँ एक मूल संख्या या एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [सात दिनों के बाद]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 12:3 (#2)

יִמּ֥וֹל בְּשַׂ֖ר עָרְלָתֹ֑ו

“लड़के का खतना किया जाए”

केवल याजक ही खतना कर सकते थे। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप से किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [एक याजक को बच्चे के लड़के की त्वचा के माँस का खतना करना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 12:4 (#1)

“तैंतीस दिन”

वैकल्पिक अनुवाद: [और 33 दिनों तक]

लैव्यव्यवस्था 12:4 (#2)

תֵּשֵׁ֣ב בִּדְמֵ֣י טָהֳרָ֑הּ

“वह स्त्री अपने शुद्ध करनेवाले रुधिर में”

शब्द **अपने शुद्ध करनेवाले रुधिर** उस रक्तस्राव को संदर्भित करता है जो एक महिला प्रसव के बाद अनुभव करती है। प्रसव के साथ होने वाला रक्तस्राव प्रतीक्षा का समय दर्शाता है जब तक कि उसे फिर से अनुष्ठानिक रूप से शुद्ध घोषित नहीं किया जाता। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह उस अशुद्धि के लहू से शुद्ध होने की प्रतीक्षा करेगी जो उसने प्रसव के दौरान बहाया]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 12:4 (#3)

עַד־מְלֹ֣את יְמֵ֣י טָהֳרָ֑הּ

“जब तक उसके शुद्ध हो जाने के दिन पूरे न हों”

इन वाक्यांशों में, लेखक “दिन” शब्द का उपयोग एक विशेष समय का उल्लेख करने के लिए कर रहे हैं, **उसके शुद्ध हो जाने के दिन**। वह इसे जीवनकाल के व्यक्तिगत दिनों से बने होने के तरीके के साथ संबंध द्वारा कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब तक उनके शुद्धिकरण की प्रतीक्षा अवधि समाप्त नहीं हो जाती] या [जब तक वे शुद्ध होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, वह पूरी नहीं हो जाती]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 12:5 (#1)

“चौदह दिन”

वैकल्पिक अनुवाद: [चौदह दिन के लिए] या [14 दिन के लिए]

लैव्यव्यवस्था 12:5 (#2)

“और फिर छियासठ दिन”

वैकल्पिक अनुवाद: [और 66 दिनों तक]

लैव्यव्यवस्था 12:6 (#1)

וּבִמְלֹ֣את ׀ יְמֵ֣י טָהֳרָ֗הּ

“जब उसके शुद्ध हो जाने के दिन पूरे हों”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 12:4 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और जब उनके शुद्धिकरण के दिन पूरे हो जाते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 12:6 (#2)

“चाहे उसके बेटा हुआ हो चाहे बेटी”

वैकल्पिक अनुवाद: [चाहे पुत्र के लिए 33 दिन हों या पुत्री के लिए 66 दिन हों]

लैव्यव्यवस्था 12:6 (#3)

כֶּ֣בֶשׂ בֶּן־שְׁנָתֹ֔ו

“एक वर्ष का भेड़ का बच्चा”

अभिव्यक्ति **एक वर्ष का भेड़ का बच्चा** एक मुहावरा है जो एक वर्ष के पशु को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में एक समान मुहावरा है,

तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताएँ। देखें कि आपने 9:3 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [एक वर्ष पुराना मेम्ना] या [बारह महीने पुराना मेम्ना]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 12:6 (#4)

וּבֶן־יוֹנָה

"कबूतरी का एक बच्चा"

अभिव्यक्ति **का एक बच्चा** एक व्यक्ति या पशु का वर्णन करती है जो किसी चीज़ के आवश्यक गुणों को साझा करता है। लैव्यव्यवस्था के लेखक इस वाक्यांश का उपयोग इस पक्षी को **कबूतरी का एक बच्चा** के रूप में वर्णित करने के लिए करते हैं क्योंकि यह एक पक्षी है जो उस वर्ग के पक्षियों के आवश्यक गुणों को साझा करता है। यदि यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष मुहावरे का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:14 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक कबूतर]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 12:6 (#5)

אֶל־פֶּתַח אֹהֶל־מוֹעֵד אֶל־הַכֹּהֵן

"मिलापवाले तम्बू के द्वार पर याजक के पास"

इन दोनों वाक्यों का मतलब असल में एक ही है। दूसरा वाक्य अलग-अलग शब्दों से उसी बात को दोहराकर पहले वाक्य के मतलब पर ज़ोर देता है। अगर यह आपके पढ़ने वालों के लिए मददगार हो, तो आप वाक्यों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दिखाए कि दूसरा वाक्य पहले वाले को दोहरा रहा है, न कि कुछ और कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [सभा के तम्बू के प्रवेश द्वार पर, जहाँ याजक हैं] या [सभा के तम्बू के प्रवेश द्वार पर याजक के पास]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 12:7 (#1)

"यहोवा के सामने"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:3 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 12:7 (#2)

וְכִפֶּר עָלֶיהָ

"उसके लिये प्रायश्चित करे"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **प्रायश्चित** का 1:4 में कैसे अनुवाद किया। कृपया अपने अनुवाद में स्पष्ट करें कि महिला को किसी भी पाप के कारण प्रायश्चित की आवश्यकता नहीं है। यहाँ, याजक द्वारा किए गए बलिदान महिलाओं से अशुद्धता को दूर करने के लिए होते हैं—इस मामले में, औरत के शरीर से निकले खून की वजह से अशुद्धता आई है, किसी पाप की वजह से नहीं, बल्कि बच्चे के जन्म के बाद सामान्य रूप से होती है। यह आपके पाठकों के लिए एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 12:7 (#3)

וְטָהֲרָה מִמְּקוֹר דָּמֶיהָ

"और वह अपने रुधिर के बहने की अशुद्धता से छूटकर शुद्ध ठहरेगी"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यहोवा उनके लहू के प्रवाह से उन्हें शुद्ध करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 12:7 (#4)

מִמְּקוֹר דָּמֶיהָ

"रुधिर के बहने की अशुद्धता से"

वाक्यांश **अपने रुधिर के बहने की अशुद्धता से छूटकर शुद्ध** का तात्पर्य यह है कि महिला अशुद्ध हो गई थीं क्योंकि उनके शरीर से लहू का स्राव हो रहा था। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक होगी, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उस अशुद्धता से जो उन्होंने प्रसव से संबंधित रक्तस्राव के कारण प्राप्त की]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 12:7 (#5)

תּוֹרַת הַיֹּלֶדֶת לַזָּכָר אוֹ לַנְּקֵבָה

"लड़का या लड़की उत्पन्न हो उसके लिये यही व्यवस्था है"

यह अभिव्यक्ति उन निर्देशों का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है जो उन महिलाओं से संबंधित हैं जिन्होंने लड़कों या लड़कियों को जन्म दिया है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यह नियम उस महिला से संबंधित है जो पुत्र या पुत्री को जन्म देती है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 12:7 (#6)

הַיֹּלֶדֶת לַזָּכָר אוֹ לַנְּקֵבָה

"जिस स्त्री के लड़का या लड़की उत्पन्न हो"

वैकल्पिक अनुवाद: [वह महिला जो पुत्र या पुत्री को जन्म देती हैं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 12:8 (#1)

וְאִם־לֹא תִמְצָא יָדָהּ דֵּי שֶׂה

"और यदि उसके पास भेड़ या बकरी देने की पूँजी न हो"

यह अभिव्यक्ति एक मुहावरा है जो अपने स्वयं के भेड़-बकरियों या खरीदे गए पशु को देने में असमर्थ होने का संदर्भ देती है। यदि आपकी भाषा में

एक समान मुहावरा है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। अन्यथा, यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। देखें कि आपने 5:7 और 5:11 में समान अभिव्यक्तियों का कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन यदि वे अपने स्वयं के भेड़-बकरियों को देने या किसी और का खरीदने में सक्षम नहीं हैं]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 12:8 (#2)

וְכִפֶּֽר עָלֶ֖יהָ הַכֹּהֵ֑ן

“और याजक उसके लिये प्रायश्चित करे”

देखें कि आपने **प्रायश्चित** जैसे भाववाचक संज्ञा का 1:4 में कैसे अनुवाद किया। हालाँकि, अपने अनुवाद में यह स्पष्ट करें कि महिला को किसी भी पाप के कारण प्रायश्चित की आवश्यकता नहीं है। यहाँ, याजक द्वारा किए गए बलिदान महिलाओं से अशुद्धता को दूर करने के लिए होते हैं—इस मामले में, महिला के शरीर से लहू के स्राव की उपस्थिति से प्राप्त अशुद्धता, न कि किसी पाप के कारण। यह आपके पाठकों के लिए एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 13:1 (#1)

לֵּאמֹֽר

“कहा”

कहा के रूप में अनुवादित शब्द एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, उन तरीकों पर विचार करें जिनसे आप अपनी भाषा में इस उद्धरण को स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 13:2 (#1)

אָדָ֣ם כִּֽי־יִהְיֶ֣ה

“जब किसी मनुष्य के”

इस व्यवस्था को लागू करने के तरीके को समझाने के लिए, लैव्यव्यवस्था के लेखक ने **किसी मनुष्य** (**एक पुरुष**) का उपयोग एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करने के लिए किया है। अपनी भाषा में एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक विधि का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि किसी पुरुष के पास है]

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 13:2 (#2)

“मनुष्य के शरीर के चर्म में” - “उसके चर्म में”

वैकल्पिक अनुवाद: [उनके शरीर की त्वचा पर ... उनके शरीर की चर्म पर]

लैव्यव्यवस्था 13:2 (#3)

שְׂאֵ֤ת

“सूजन”

यह **सूजन** त्वचा के उस हिस्से को संदर्भित करता है जो उठ गया है, सूजन हो गया है, सूजा हुआ है, और असामान्य रूप से रंग बदल गया है। कुछ मामलों में, यह संक्रामक त्वचा रोग का लक्षण हो सकता है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की त्वचा स्थिति के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [त्वचा का उभरा हुआ स्थान] या [एक जगह जो सूजी हुई है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 13:2 (#4)

סַפַּ֥חַת

“पपड़ी या दाग”

यह **पपड़ी** त्वचा के उस बदरंग, कठोर, खुरदरे हिस्से को संदर्भित करती है जो त्वचा में एक घाव के ऊपर उपचार के दौरान बनती है। कुछ मामलों में, यह एक संक्रामक त्वचा रोग का लक्षण हो सकता है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की त्वचा स्थिति के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [सूखी, खुरदरी पपड़ी]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 13:2 (#5)

לְנֶ֣גַע צָרָ֑עַת

“चर्म में कोढ़ की व्याधि”

अभिव्यक्ति **चर्म में कोढ़ की व्याधि** एक संक्रामक त्वचा रोग का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है, जो कुछ लक्षणों की उपस्थिति से विशेषित होता है—इस मामले में, एक दृश्य संक्रमण। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [संक्रामक त्वचा स्थिति का एक संभावित लक्षण]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 13:2 (#6)

צָרָ֑עַת

“कोढ़ की व्याधि”

वाक्यांश **कोढ़ की व्याधि** को आमतौर पर “कोढ़” के रूप में अनुवादित किया जा सकता है, लेकिन आधुनिक चिकित्सा के संदर्भ में, यह वाक्यांश वास्तव में संक्रामक त्वचा रोगों की एक विस्तृत श्रृंखला को समाहित करता है, जो आधुनिक पदनाम हैनसेन की बीमारी तक सीमित नहीं है, जिसे कोढ़ के रूप में अधिक जाना जाता है। यदि आपकी भाषा में कोई ऐसा शब्द या अभिव्यक्ति है जो संक्रामक और कभी-कभी घातक त्वचा रोगों की एक विस्तृत श्रृंखला का वर्णन करता है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक संक्रामक रोग जो लोगों की त्वचा को प्रभावित करता है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 13:2 (#7)

וְהוּבָא אֶל־אַהֲרֹן הַכֹּהֵן

“तो उसे हारून याजक के पास” - “ले जाएँ”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर कोई उसे हारून याजक के पास ले जाएगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 13:3 (#1)

וְשֵׂעָר בַּנֶּגַע הָפַךְ ׀ לָבָן

“उस व्याधि के स्थान के रोएँ उजले हो गए हों”

यह अभिव्यक्ति संकेत करती है कि **व्याधि** पर **रोएँ** की उपस्थिति जो **उजले** रंग में है, याजक को यह संकेत देना चाहिए कि संक्रमण एक संक्रामक त्वचा रोग का लक्षण हो सकता है। विशेष रूप से, **उजले** बाल का मतलब है कि बाल का रंग बदल गया है और यह अस्वस्थ दिखता है। यदि आपकी भाषा में अस्वस्थ या रोगग्रस्त बालों के लिए किसी विशेष रंग का उल्लेख होता है, तो यहाँ उस रंग का उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि संक्रमण पर बाल रोगग्रस्त दिखते हैं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 13:4 (#1)

“परन्तु चर्म से गहरा न देख पड़े”

वैकल्पिक अनुवाद: [और ऐसा प्रतीत नहीं होता कि यह त्वचा के नीचे है] या [और यह त्वचा के नीचे दिखाई नहीं देता]

लैव्यव्यवस्था 13:4 (#2)

וְהִסְגִּיר הַכֹּהֵן אֶת־הַנֶּגַע

“तो याजक उसको” -“बन्द करके रखे”

यह अभिव्यक्ति उस प्रक्रिया के अस्तित्व को इंगित करती है जिसमें संक्रमण वाले व्यक्ति को एक निश्चित अवधि के लिए अलग-थलग किया जाता है। यह संक्रमण को या तो स्वयं ठीक होने की अनुमति देता है या इस तरह से प्रगति करने की अनुमति देता है जिससे लक्षण अधिक आसानी से पहचानने योग्य हो जाते हैं, जैसे कि एक संक्रामक त्वचा रोग, जबकि बीमारी के प्रसार को दूसरों तक पहुंचने से रोकता है। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक होगी, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर, संक्रमण के कारण का बेहतर निर्धारण करने के निर्देश में, याजक संक्रमण को अलग करेंगे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 13:4 (#3)

אֶת־הַנֶּגַע

“उसको”

यहाँ, **उसको** शब्द उस पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है जिसे संक्रमण है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [संक्रमित व्यक्ति] या [वह व्यक्ति जिसे संक्रमण है]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 13:5 (#1)

בַּיּוֹם הַשְּׁבִיעִי׳

“सातवें दिन”

शब्द **सातवें** संख्या सात का क्रमवाचक रूप है। वैकल्पिक अनुवाद: [उस सप्ताह की अवधि के अंतिम दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 13:5 (#2)

וְהִנֵּה הַנֶּגַע עָמַד

“उसको देखे, और यदि वह व्याधि” - “बनी रहे”

यहाँ, **व्याधि, बनी रहे** एक मुहावरा है जो सात-दिन के क्वारंटाइन के बाद संक्रमण के पहले जैसा ही बने रहने को संदर्भित करता है, अर्थात् व्यक्ति की त्वचा पर न फैलने या बढ़ने को नहीं। यदि आपकी भाषा में इसी तरह का कोई मुहावरा है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि, इसके विपरीत, इस अभिव्यक्ति का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और देखिए, संक्रमण जैसा था वैसा ही बना हुआ है] या [और देखिए, संक्रमण अपरिवर्तित है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 13:5 (#3)

בְּעֵינָיו

“जैसी की तैसी”

यहाँ, **जैसी की तैसी** एक व्यक्ति की दृष्टि का प्रतिनिधित्व करती हैं और विस्तार से, उनके निर्णय या मूल्यांकन का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके मूल्यांकन में] या [जितना वे निर्धारित कर सकते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 13:5 (#4)

שִׁבְעַת יָמִים שֵׁנִית

“और भी सात दिन तक”

मूल अंग्रेजी भाषा में अभिव्यक्ति **“दूसरे सात दिनों के लिए”** पाया जाता है , पर हिंदी में यह अभिव्यक्ति **“और भी सात दिन तक”** के रूप में है जो दूसरी सात-दिवसीय अवधि को संदर्भित करती है, जिसके दौरान संक्रमित व्यक्ति को अन्य लोगों से अलग रखा जाना चाहिए। शब्द **और भी** संख्या दो का क्रमवाचक रूप है। यदि आपकी भाषा क्रमवाचक गिनती का उपयोग नहीं करती है, तो आप यहाँ एक मूल संख्या या एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [अगले सात दिनों के लिए]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 13:6 (#1)

בַּיּוֹם הַשְּׁבִיעִי שֵׁנִית

“और सातवें दिन”

मूलभाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति **“दूसरे सातवें दिन”** का उपयोग हुआ है पर हिंदी में **“और सातवें दिन”** का प्रयोग हुआ है । मूल भाषा में शब्द **दूसरे** संख्या दो का क्रमवाचक रूप है जिसे हिंदी में **“और”** के रूप में प्रकट किया गया है, और शब्द **सातवें** संख्या सात का क्रमवाचक रूप है। वैकल्पिक अनुवाद: [अतिरिक्त सप्ताह की लंबी अवधि का अंतिम दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 13:6 (#2)

וְהִנֵּה כֵּהָה הַנֶּגַע

“और यदि देख पड़े कि व्याधि की चमक कम है और व्याधि चर्म पर फैली न हो”

व्याधि **की चमक कम है** यह दर्शाता है कि इसका आकार कम हो गया है और इसका रंग फीका पड़ गया है। यदि यह अर्थ आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो इसे सीधे तौर पर बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वास्तव में, संक्रमण का आकार कम हो गया है और संक्रमण का रंग व्यक्ति की सामान्य त्वचा के रंग के जैसा है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 13:6 (#3)

וְכִבֶּבֶס בְּגָדָיו וְטָהֵר

“वह अपने वस्त्र धोकर शुद्ध हो जाए”

यहाँ, एक व्यक्ति को अनुष्ठानिक और औपचारिक रूप से शुद्ध बनने के लिए अपने कपड़े धोने होते हैं, न कि शारीरिक रूप से स्वच्छ होने के लिए निर्देश में। यदि आपकी भाषा में कपड़ों को अनुष्ठानिक (और न कि स्वच्छता) उद्देश्य के लिए धोने का विशेष शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह अपने कपड़े शुद्ध करेगा, और वह अनुष्ठानिक रूप से शुद्ध होगा]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 13:7 (#1)

וְאִם־פָּשׂוֹשׂ תִּפְשֶׂה הַמִּסְפַּחַת בָּעוֹר

“पर यदि...वह पपड़ी उसके चर्म पर बहुत फैल जाए”

यह अभिव्यक्ति विचार को स्पष्ट करने के लिए क्रिया **फैल जाए** को निर्देश में दोहराती है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन यदि पपड़ी त्वचा पर एक बड़े क्षेत्र में फैल जाती है]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 13:7 (#2)

וְאִם־פָּשׂוֹשׂ

“पर यदि...बहुत फैल जाए”

लैव्यव्यवस्था के लेखक एक काल्पनिक स्थिति को समझाने के लिए **पर यदि** का उपयोग करते हैं कि क्या हो सकता है। एक काल्पनिक स्थिति को प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक विधि का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन मान लीजिए कि, फैल रहा है]

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 13:7 (#3)

שֵׁנִית

“वह फिर”

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति **“दूसरी बार”** का उपयोग किया गया है पर हिंदी में **“वह फिर”** का प्रयोग हुआ है, मूल भाषा में शब्द “दूसरी” संख्या दो का क्रमवाचक रूप है। वैकल्पिक अनुवाद: [पुनः]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 13:9 (#1)

בְּאָדָם

“किसी मनुष्य के”

हालाँकि **पुरुष** शब्द पुल्लिंग है, आईआरवी में **मनुष्य** शब्द का इस्तेमाल हुआ है, इसे एक सामान्य अर्थ में उपयोग किया जा रहा है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी व्यक्ति पर]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 13:9 (#2)

וְהוּבָא אֶל־הַכֹּהֵן

“तो वह याजक के पास पहुँचाया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर किसी को उन्हें याजक के पास लाना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 13:10 (#1)

וְהֹיָא הִפְכָּה שֵׂעָר לָבָן

“और उसके कारण रोएँ भी उजले हो गए हों”

इस अभिव्यक्ति का तात्पर्य है कि **सूजन** पर **रोएँ** का **उजले** रंग में होना याजक को यह संकेत देना चाहिए कि सूजन एक संक्रामक त्वचा रोग का लक्षण हो सकता है। विशेष रूप से, **उजले** बाल से तात्पर्य है कि बाल का रंग बदल गया है और यह अस्वस्थ है। यदि आपकी भाषा में अस्वस्थ या रोगग्रस्त बाल के लिए किसी विशेष रंग का उल्लेख होता है, तो यहाँ उस रंग का उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति

का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि सूजन पर बाल अस्वस्थ हैं और रोगग्रस्त दिखते हैं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 13:10 (#2)

"और उस सूजन में बिना चर्म का माँस हो"

वैकल्पिक अनुवाद: [और सूजन पर खुली त्वचा है]

लैव्यव्यवस्था 13:11 (#1)

"और बन्द न रखे, क्योंकि वह तो अशुद्ध है"

याजक को जो अतिरिक्त कार्य करने थे, उनके लिए पद 45 और आगे देखें।

लैव्यव्यवस्था 13:12 (#1)

וְאִם־פָּרוֹחַ תִּפְרַח הַצָּרַעַת בָּעוֹר

"और यदि कोढ़ किसी के चर्म में फूटकर यहाँ तक फैल जाए"

लेखक क्रिया **फैल जाए** को निर्देश में दोहराता है ताकि वह जिस विचार को व्यक्त करना चाहते हैं, उसे तीव्रता से व्यक्त किया जा सके। यदि आपकी भाषा में शब्दों को तीव्रता के लिए दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन यदि त्वचा रोग त्वचा पर आक्रामक रूप से फैलता है]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 13:12 (#2)

אֵת כָּל־עוֹר הַנֶּגַע

"कोढ़ ने सारे चर्म"

यहाँ, **कोढ़** उस व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है जिसे संक्रमण है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [संक्रमित व्यक्ति की पूरी त्वचा] या [संक्रमण वाले व्यक्ति की पूरी त्वचा]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 13:12 (#3)

מֵרֹאשׁוֹ וְעַד־רַגְלָיו

"रोगी के सिर से पैर के तलवे तक"

यह अभिव्यक्ति व्यक्ति के उन सभी हिस्सों को संदर्भित करती है, जो इसके चरम छोरों पर होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [सम्पूर्ण व्यक्ति]

देखें: विभज्योतक

लैव्यव्यवस्था 13:12 (#4)

לְכָל־מַרְאֵה עֵינֵי הַכֹּהֵן

"याजक देखे"

यहाँ, **देखे** व्यक्ति की दृष्टि का प्रतिनिधित्व करती हैं और विस्तार से, उनके निर्णय या मूल्यांकन का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [पूरा स्वरूप, जितना याजक देख सकते हैं] या [पूरा स्वरूप, जैसा याजक न्याय करते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 13:13 (#1)

וְטִהַר אֶת־הַנֶּגַע

"तो वह उस व्यक्ति को शुद्ध ठहराए"

यहाँ, **कोढ़** शब्द उस पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है जिसे संक्रमण है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तब वे संक्रमित व्यक्ति को स्वच्छ घोषित करेंगे]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 13:13 (#2)

"जो बिलकुल उजला हो गया है"

वैकल्पिक अनुवाद: [व्यक्ति की संक्रमित त्वचा स्वाभाविक रूप से गिर गई है, जिससे उसकी जगह असंक्रमित, श्वेत त्वचा रह गई है]

लैव्यव्यवस्था 13:14 (#1)

"पर जब उसमें चर्महीन माँस देख पड़े"

वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन यदि कभी उस पर जीवित माँस दिखाई देता है]

लैव्यव्यवस्था 13:15 (#1)

הַבָּשָׂר הַחַי טָמֵא הוּא

"चर्महीन माँस अशुद्ध ही होता है"

यहाँ, **चर्महीन माँस** का अर्थ उस संपूर्ण व्यक्ति से है जिसकी त्वचा कच्ची है या खुला घाव है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कच्ची त्वचा या खुले घाव वाला व्यक्ति अशुद्ध है]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 13:16 (#1)

וְנֶהְפַּךְ לְלֶבָן

"फिर उजला हो जाए"

यहाँ, **उजला हो जाए** का अर्थ है कि यदि याजक व्यक्ति के शरीर पर **उजला** त्वचा देखता है, तो **चर्महीन माँस**, अर्थात कच्ची त्वचा, स्वाभाविक रूप से ठीक हो सकती है। संक्रमित त्वचा स्वाभाविक रूप से गिर सकती है, जिससे उसकी जगह पर सफेद, नई त्वचा आ सकती

है। यदि यह अर्थ आपकी भाषा में स्पष्ट नहीं है, तो इसे आपके पाठकों के लिए एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। देखें कि आपने 13:13 में **उजला** त्वचा की उपस्थिति को कैसे संभाला।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 13:18 (#1)

שְׁחִין

"फोड़ा"

एक **फोड़ा** त्वचा पर एक दर्दनाक, बदरंग, सूजा हुआ क्षेत्र होता है जिसमें संक्रमण होता है। कुछ मामलों में, यह एक संक्रामक त्वचा रोग का लक्षण हो सकता है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की त्वचा की स्थिति के लिए कोई शब्द है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक फुंसी]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 13:18 (#2)

וְנִרְפָּא

"चंगा हो गया हो"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यह अच्छे स्वास्थ्य में लौट आया]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 13:19 (#1)

בִּמְקוֹם הַשְּׁחִין׃

"फोड़े के स्थान में"

यहाँ लैव्यव्यवस्था एक ** स्थान** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रही है, जो **फोड़ा** द्वारा विशेषीकृत है। अभिव्यक्ति **फोड़े के स्थान** उस त्वचा के स्थान को संदर्भित करती है जहाँ पहले फोड़ा था। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जहाँ फोड़ा था] या [जहाँ फोड़ा पहले स्थित था]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 13:19 (#2)

וְנִרְאָה אֶל־הַכֹּהֵן

"तो वह याजक को दिखाया जाए"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर वे इसे याजक को दिखाएंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 13:20 (#1)

"और उसके रोएँ भी उजले हो गए हों"

वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि सूजन या चमकीले स्थान पर बाल अस्वस्थ हैं और रोगग्रस्त प्रतीत होते हैं]

लैव्यव्यवस्था 13:20 (#2)

נֶגַע־צָרַעַת הִוא בַּשְּׁחִין פָּרָחָה

"क्योंकि वह कोढ़ की व्याधि है जो फोड़े में से फूटकर निकली है"

यह अभिव्यक्ति उस निर्देश को संदर्भित करती है जिसमें याजक लक्षणों का निरीक्षण करने के बाद व्यक्ति को अशुद्ध घोषित करते हैं। यह न समझें कि रोग याजक की घोषणा का परिणाम है। बल्कि, रोग कारण है, और घोषणा परिणाम है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो कुछ भी आता है वह पहले के परिणामस्वरूप है। वैकल्पिक अनुवाद: [लक्षण यह संकेत देते हैं कि यह त्वचा रोग का संक्रमण है जो फोड़े में फैल गया है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 13:21 (#1)

וְאִם, יִרְאֶנָּה הַכֹּהֵן

"परन्तु यदि याजक देखे कि उसमें"

यहाँ, **उसमें** त्वचा पर सफेद सूजन या चमकीले धब्बे को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि याजक चमकीला धब्बा या सूजन देखते हैं]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 13:21 (#2)

"और वह चर्म से गहरी नहीं"

वैकल्पिक अनुवाद: [और यह त्वचा की सतह से गहरा नहीं है]

लैव्यव्यवस्था 13:22 (#1)

וְאִם־פָּשׂוֹשָׂה תִפְשֶׂשֶׂה בָּעוֹר

"और यदि वह व्याधि उस समय तक चर्म में सचमुच फैल जाए"

यह अभिव्यक्ति उस विचार को प्रबल करने के लिए क्रिया **फैल जाए** को निर्देश में दोहराती है जिसे यह व्यक्त करती है। यदि आपकी भाषा में प्रबलता के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में ऐसा करना उचित होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन अगर यह त्वचा पर आक्रामक रूप से फैलता है]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 13:23 (#1)

וְאִם־תַּחְתֶּיהָ תַּעֲמֹד הַבַּהֶרֶת׃

"परन्तु यदि वह दाग न फैले और अपने स्थान ही पर बना रहे"

यहाँ, **अपने स्थान ही पर** एक मुहावरा है जो उस **दाग** को संदर्भित करता है जो व्यक्ति की त्वचा पर उस स्थान पर अपरिवर्तित रहता है जहाँ **फोड़ा** एक बार था। यदि आपकी भाषा में इसी तरह की कोई अभिव्यक्ति है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि, वैकल्पिक रूप से, इस अभिव्यक्ति का अर्थ आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन अगर उज्ज्वल स्थान उस स्थान पर अपरिवर्तित रहता है जहाँ एक बार फोड़ा था]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 13:23 (#2)

וְאִם־תַּחְתֶּיהָ תַּעֲמֹד הַבַּהֶרֶת

“परन्तु यदि वह दाग न फैले और अपने स्थान ही पर बना रहे”

यहाँ, **अपने स्थान ही पर** उस **फोड़े** को संदर्भित करता है जो ठीक हो गया है, जैसा कि 13:18 में वर्णित है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन यदि चमकीला स्थान उस फोड़े के स्थान के नीचे स्थित है जो अब ठीक हो गया है]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 13:23 (#3)

“वह फोड़े का दाग है”

वैकल्पिक अनुवाद: [यह केवल एक निशान है जो ठीक हुए फोड़े से उत्पन्न हुआ है]

लैव्यव्यवस्था 13:24 (#1)

“फिर यदि किसी के चर्म में जलने का घाव हो”

वैकल्पिक अनुवाद: [या जब किसी की त्वचा आग से जल जाती है]

लैव्यव्यवस्था 13:24 (#2)

מִכְוַת־אֵשׁ

“जलने का”

यह अभिव्यक्ति एक व्यक्ति के **आग** के संपर्क में आने से हुए **जलने** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [एक जलन]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 13:24 (#3)

“जलने के घाव में चर्महीन दाग”

वैकल्पिक अनुवाद: [जलने के स्थान पर नई त्वचा]

लैव्यव्यवस्था 13:25 (#1)

“और यदि उस दाग में के रोएँ उजले हो गए हों”

वैकल्पिक अनुवाद: [और देखिए, बाल अस्वस्थ और रोगग्रस्त दिखाई देते हैं]

लैव्यव्यवस्था 13:25 (#2)

“और वह चर्म से गहरा दिखाई पड़े”

वैकल्पिक अनुवाद: [और यह त्वचा से गहरा दिखाई देता है]

लैव्यव्यवस्था 13:25 (#3)

“तो वह कोढ़ है; जो उस जलने के दाग में से फूट निकला है”

वैकल्पिक अनुवाद: [विकृत कच्ची त्वचा वास्तव में एक संक्रामक त्वचा रोग का संकेत है]

लैव्यव्यवस्था 13:26 (#1)

וְאִם׃ יִרְאֶנָּה הַכֹּהֵן

“पर यदि याजक देखे”

यहाँ, अंग्रेजी अनुवाद में **यह** उस कच्ची त्वचा को संदर्भित करता है जो व्यक्ति की त्वचा पर जलने पर उभरती है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन यदि याजक जलने पर उभरती हुई रंगहीन, कच्ची त्वचा को देखता है]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 13:26 (#2)

“और न वह चर्म से कुछ गहरा है”

वैकल्पिक अनुवाद: [और यह त्वचा से गहरा नहीं है]

लैव्यव्यवस्था 13:26 (#3)

“और उसकी चमक कम हुई है”

वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन इसका आकार कम हो गया है और इसका रंग व्यक्ति की सामान्य त्वचा के रंग के समान है]

लैव्यव्यवस्था 13:27 (#1)

בַּיּוֹם הַשְּׁבִיעִי

“और सातवें दिन”

शब्द **सातवें** संख्या सात का क्रमवाचक रूप है। वैकल्पिक अनुवाद: [उस सप्ताह की अवधि के अंतिम दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 13:27 (#2)

אִם־פָּשׂוֹה תִּפְשֶׂהוּ בָּעוֹר

“और यदि वह चर्म में फैल गई हो”

यह अभिव्यक्ति विचार को स्पष्ट करने के लिए क्रिया **फैल** को निर्देश में दोहराती है। यदि आपकी भाषा में शब्दों को जोर देने के लिए दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि यह त्वचा पर तेजी से फैल गया है]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 13:28 (#1)

וְאִם־תַּחְתֶּיהָ תַּעֲמֹד הַבַּהֶרֶת

“और अपने स्थान ही पर जहाँ का तहाँ बना हो,”

यहाँ, **जहाँ का तहाँ बना हो** एक मुहावरा है जो उस **उज्ज्वल स्थान** को संदर्भित करता है जो व्यक्ति की त्वचा पर उस स्थान पर अपरिवर्तित रहता है जहाँ जलन पहले थी। यदि आपकी भाषा में एक समान अभिव्यक्ति है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि, वैकल्पिक रूप से, इस अभिव्यक्ति का अर्थ आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन यदि उज्ज्वल स्थान उस स्थान पर अपरिवर्तित रहता है जहाँ जलन पहले थी]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 13:28 (#2)

“जल जाने के कारण सूजा हुआ है”

वैकल्पिक अनुवाद: [उज्ज्वल स्थान केवल जलने से हुई सूजन है]

लैव्यव्यवस्था 13:28 (#3)

כִּי־צָרֶבֶת הַמִּכְוָה הִוא

“क्योंकि वह दाग जल जाने के कारण से है”

शब्द का अनुवाद **क्योंकि** के रूप में किया जाता है, यह दर्शाता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद, पहले एक बिंदु के साथ: [याजक को व्यक्ति को स्वच्छ घोषित करना चाहिए क्योंकि यह जलने का दाग है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 13:29 (#1)

“फिर यदि किसी पुरुष या स्त्री के सिर पर, या पुरुष की दाढ़ी में व्याधि हो”

वैकल्पिक अनुवाद: [और जब किसी पुरुष या महिला को संक्रमण होता है]

लैव्यव्यवस्था 13:29 (#2)

כִּי־יִהְיֶה בּוֹ נָגַע

“ पुरुष की दाढ़ी में व्याधि हो,”

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति **“जब उसे संक्रमण हो जाता है”** का उपयोग किया गया है पर हिंदी में **“पुरुष की दाढ़ी में व्याधि हो,”** का प्रयोग हुआ है, हालाँकि अंग्रेजी अनुवाद में **उसे** शब्द पुल्लिंग हैं, इन्हें एक सामान्य अर्थ में उपयोग किया जा रहा है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जब किसी व्यक्ति को संक्रमण होता है]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 13:29 (#3)

אוֹ בְזָקָן

“दाढ़ी में”

यहाँ, **दाढ़ी** चेहरे के उस हिस्से को दर्शाती है जहाँ आमतौर पर बाल उगते हैं। लेकिन चूंकि यह पद स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है, इसलिए इस शब्द को केवल पुरुषों के चेहरे तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [या चेहरे के उस हिस्से पर जहाँ बाल उग सकते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 13:30 (#1)

“देखे, और यदि वह चर्म से गहरी देख पड़े”

वैकल्पिक अनुवाद: [और देखिए, यह उनकी माँस की त्वचा से अधिक गहरा प्रतीत होता है]

लैव्यव्यवस्था 13:30 (#2)

“और उसमें भूरे-भूरे पतले बाल हों”

वैकल्पिक अनुवाद: [और संक्रमण के कारण बाल अस्वस्थ और रोगग्रस्त दिखाई देते हैं]

लैव्यव्यवस्था 13:30 (#3)

נֶתֶק הוּא

“वह व्याधि सेंहुआ”

सेंहुआ एक पपड़ीदार और खुरदरी संक्रमण है जो आमतौर पर खुजलीदार होती है। ये खोपड़ी या उन स्थानों से संबंधित होते हैं जहाँ बाल उगते हैं और अक्सर विभिन्न संक्रामक त्वचा रोगों के लक्षण होते हैं। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की त्वचा स्थिति के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [यह एक खुजलीदार, पपड़ीदार संक्रमण है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 13:30 (#4)

צָרַעַת הָרֹאשׁ אוֹ הַזָּקָן הִוא

“अर्थात् सिर या दाढ़ी का कोढ़ है”

यह अभिव्यक्ति **कोढ़** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है, जो व्यक्ति के **सिर** या **दाढ़ी** पर स्थित होने की विशेषता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यह एक त्वचा रोग है जो सिर या दाढ़ी को प्रभावित करता है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 13:30 (#5)

הַזָּקָן

“दाढ़ी”

जैसा कि पिछले पद में बताया गया है, यहाँ **दाढ़ी** चेहरे के उस निचले हिस्से का प्रतिनिधित्व करती है जहाँ आमतौर पर बाल उगते हैं। चूंकि पद में स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल किया गया है, इसलिए इस शब्द को केवल पुरुषों तक सीमित नहीं करना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [चेहरे का वह निचला हिस्सा जहाँ बाल उग सकते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 13:31 (#1)

אֶת־נֶגַע הַנֶּגֶף & אֶת־נֶגַע הַנֶּגֶף

“सेंहुएँ की व्याधि”

ये अभिव्यक्तियाँ एक **व्याधि** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती हैं, जो अपनी विशेषताओं के कारण **सेंहुएँ** के रूप में योग्य होती हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [खुजलीदार, पपड़ीदार संक्रमण ... खुजलीदार, पपड़ीदार संक्रमण]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 13:31 (#2)

וְשֵׂעָר שָׁחֹר אֵין בּוֹ

“और उसमें काले-काले बाल नहीं हैं”

यहाँ, **काले-काले बाल** का मतलब स्वस्थ बाल है, इसके विपरीत पीले, पतले बाल जो **सेंहुएँ** से उगते हैं। यदि आपकी भाषा में स्वस्थ बालों के लिए किसी विशेष रंग का उल्लेख होता है, तो यहाँ उस रंग का उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और उस पर कोई स्वस्थ बाल नहीं हैं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 13:31 (#3)

אֶת־נֶגַע הַנֶּגֶף

“सेंहुएँ की व्याधि”

यहाँ, **सेंहुएँ की व्याधि** उस व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है जिसे यह संक्रमण है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति जिसे सेंहुएँ का संक्रमण है]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 13:32 (#1)

בַּיּוֹם הַשְּׁבִיעִי׃

“और सातवें दिन”

शब्द **सातवें** संख्या सात का क्रमवाचक रूप है। वैकल्पिक अनुवाद: [उस सप्ताह की अवधि के अंतिम दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 13:32 (#2)

“और उसमें भूरे-भूरे बाल न हों, और सेंहुआ चर्म से गहरा न देख पड़े”

वैकल्पिक अनुवाद: [और ऐसा प्रतीत नहीं होता कि यह त्वचा से अधिक गहरा है]

लैव्यव्यवस्था 13:33 (#1)

וְאֶת־הַנֶּגֶף לֹא יְגַלֶּחַ

“परन्तु जहाँ सेंहुआ हो वहाँ न मुँड़ा जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन वे गंजेपन को नहीं मुँडवाएंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 13:33 (#2)

אֶת־הַנֶּגֶף

“सेंहुआ”

यहाँ, **सेंहुआ** उस व्यक्ति को दर्शाता है जिसे संक्रमण है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति जिसे सेंहुआ है]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 13:33 (#3)

שִׁבְעַת יָמִים שֵׁנִית

“और भी सात दिन “

शब्द **और भी सात दिन** संख्या दो का क्रमवाचक रूप है। वैकल्पिक अनुवाद: [पुनः सात दिनों के लिए]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 13:34 (#1)

בַּיּוֹם הַשְּׁבִיעִי

“और सातवें दिन”

शब्द **सातवें** संख्या सात का क्रमवाचक रूप है। वैकल्पिक अनुवाद: [उस सप्ताह की सात दिवसीय अवधि का अंतिम दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 13:34 (#2)

וּמַרְאֵהוּ אֵינֶנּוּ עָמֹק מִן־הָעוֹר

“और चर्म से गहरा न देख पड़े”

वैकल्पिक अनुवाद: [और ऐसा नहीं लगता कि यह त्वचा से अधिक गहरा है]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 13:34 (#3)

וְכִבֶּבֶס בְּגָדָיו

"और वह अपने वस्त्र धोकर शुद्ध ठहरे"

जैसा कि इस अध्याय की प्रस्तावना में चर्चा की गई है, एक व्यक्ति को न केवल शारीरिक रूप से स्वच्छ होने के लिए बल्कि अनुष्ठानिक और औपचारिक रूप से पवित्र बनने के लिए भी अपने कपड़े धोने होते थे। यदि आपकी भाषा में कपड़ों को अनुष्ठानिक (और न कि स्वच्छता) उद्देश्य के लिए धोने के लिए एक विशेष शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह अपने कपड़ों को पानी से पवित्र करेगा]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 13:35 (#1)

וְאִם־פָּשׂשֵׂה יִפְשֶׂה הַנֶּגַעַת בָּעוֹר

"पर यदि उसके शुद्ध ठहरने के पश्चात् सेंहुआ चर्म में कुछ भी फैले"

यह अभिव्यक्ति उस विचार को बल देने के लिए क्रिया **फैले** को निर्देश में दोहराती है जिसे यह व्यक्त करती है। यदि आपकी भाषा में बल देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई अन्य तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन अगर त्वचा पर सेंहुआ आक्रामक रूप से फैल गया है]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 13:37 (#1)

בְּעֵינָיו׳

"उसकी दृष्टि में"

यहाँ, **दृष्टि** एक व्यक्ति की दृष्टि का प्रतिनिधित्व करती हैं और विस्तार से, उनके निर्णय या मूल्यांकन का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 13:5 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके मूल्यांकन में] या [उनके सर्वोत्तम निर्णय में]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 13:37 (#2)

עָמַד הַנֶּגַע

"सेंहुआ जैसे का तैसा"

सेंहुआ जैसे का तैसा एक मुहावरा है जो **सेंहुआ** के अपरिवर्तित रहने का संकेत देता है (आक्रामक रूप से फैलने के विपरीत)। यदि आपकी भाषा में ऐसा कोई समान मुहावरा है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। यदि इसके विपरीत, इस अभिव्यक्ति का अर्थ आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं हो, तो अर्थ को सीधे तौर पर बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [सेंहुआ में कोई बदलाव नहीं हुआ है या यह नहीं फैला है] या [सेंहुआ जैसा था, वैसा ही बना हुआ है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 13:37 (#3)

"और उसमें काले-काले बाल"

वैकल्पिक अनुवाद: [और स्वस्थ बालों के लिए]

लैव्यव्यवस्था 13:37 (#4)

נִרְפְּאָ הַנֶּגַעְתֶּק

"सेंहुआ चंगा हो गया है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर घाव ठीक हो गया है।]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 13:38 (#1)

"फिर यदि किसी पुरुष या स्त्री के चर्म में उजले दाग हों"

वैकल्पिक अनुवाद: [और जब किसी पुरुष या महिला की त्वचा पर चमकीले धब्बे होते हैं]

लैव्यव्यवस्था 13:40 (#1)

וְאִישׁ כִּכִּי יִמָּרֵט רֹאשׁוֹ

"फिर जिसके सिर के बाल झड़ गए हों"

मूल भाषा या अंग्रेजी अनुवाद में लैव्यव्यवस्था के लेखक एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करने के लिए "**फिर जिसके सिर के बाल"** का उपयोग करते हैं ताकि यह समझाया जा सके कि इस व्यवस्था को कैसे लागू किया जाए। अपनी भाषा में एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक विधि का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि कोई पुरुष अपने सिर के ऊपर से बाल खो देता है]

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 13:40 (#2)

כִּכִּי יִמָּרֵט רֹאשׁוֹ

"फिर जिसके सिर के बाल झड़ गए हों"

यह अभिव्यक्ति एक मुहावरा है। इसका मतलब जानबूझकर सिर मुंडवाना नहीं है, बल्कि पुरुषों के गंजे होने की कुदरती प्रक्रिया से है, खासकर सिर के पिछले हिस्से (यानी सिर के ऊपरी हिस्से) पर गंजेपन से। अगर आपकी भाषा में गंजेपन के बारे में ऐसा ही कोई मुहावरा है, तो उसे यहाँ इस्तेमाल करने के बारे में सोचें। अगर, इसके बजाय, इस अभिव्यक्ति का मतलब आपके पढ़ने वालों को साफ़ नहीं है, तो इसका मतलब साफ़-साफ़ बताने के बारे में सोचें। दूसरा अनुवाद: [जब वह कुदरती तौर पर गंजा हो जाता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 13:40 (#3)

“सिर के बाल झड़ गए हों”

वैकल्पिक अनुवाद: [उसके सिर के ऊपर के बाल प्राकृतिक तरीके से झड़ रहे हैं]

लैव्यव्यवस्था 13:41 (#1)

“सिर के आगे के बाल झड़ गए हों”

वैकल्पिक अनुवाद: [उनके सिर के बाल झड़ जाते हैं]

लैव्यव्यवस्था 13:41 (#2)

מִפְּאַאַת פָּנָיו

“तो वह माथे का चन्दुला तो है”

अभिव्यक्ति **माथे का चन्दुला** एक मुहावरा है जो किसी के चेहरे के सामने की ओर के बालों की रेखा को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में एक समान अभिव्यक्ति है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि, वैकल्पिक रूप से, इस अभिव्यक्ति का अर्थ आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं होगा, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उसके माथे के बालों की रेखा पर]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 13:43 (#1)

“चन्दुले माथे पर ऐसी लाली लिये हुए उजली हो जैसा चर्म के कोढ़ में होता है”

वैकल्पिक अनुवाद: [जैसे किसी व्यक्ति के शरीर पर त्वचा रोग का उभरना]

लैव्यव्यवस्था 13:44 (#1)

אִישׁ-צָרֻעַ הוּא

“तो वह मनुष्य कोढ़ी है”

अभिव्यक्ति वह **मनुष्य कोढ़ी है** एक पुरुष का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है जिसने इस प्रकार के संक्रामक त्वचा रोग को अनुबंधित किया है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उस पुरुष को त्वचा रोग हो गया है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 13:44 (#2)

טָמֵא הוּא יְטַמְּאֶנּוּ הַכֹּהֵן

“और अशुद्ध है; और याजक उसको अवश्य अशुद्ध ठहराए”

यह अभिव्यक्ति उस विचार को प्रबल करने के लिए **अशुद्ध** शब्द को निर्देश में दोहराती है। यदि आपकी भाषा में शब्दों को प्रबलता के लिए दोहराया जा सकता है, तो अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [याजक निश्चित रूप से उन्हें अशुद्ध घोषित करेंगे]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 13:44 (#3)

בְּרֹאשׁוֹ נִגְעוֹ

“वह व्याधि उसके सिर पर है”

यह अभिव्यक्ति उस व्यक्ति के **सिर** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है जिसने **व्याधि** प्राप्त किया है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके संक्रमित सिर के कारण]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 13:45 (#1)

“जिसमें वह व्याधि हो उस कोढ़ी के वस्त्र फटे और सिर के बाल बिखरे रहें”

वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन वह व्यक्ति जिनके पास त्वचा रोग है और संक्रमण उनके कपड़ों पर है]

लैव्यव्यवस्था 13:45 (#2)

יִהְיוּ פְרֻמִים

“उस कोढ़ी के वस्त्र फटे”

यहाँ, **उस कोढ़ी के वस्त्र** व्यक्ति के संक्रमित कपड़ों को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [व्यक्ति के संक्रमित कपड़े फाड़ दिए जाएंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 13:45 (#3)

יִהְיוּ פְרֻמִים

“वस्त्र फटे”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उन्हें अपने कपड़े फाड़ने चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 13:45 (#4)

וְרֹאשׁוֹ יִהְיֶה פָרוּעַ

“और सिर के बाल बिखरे रहें”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह अपना सिर खुला छोड़ देगा] या [वह अपना सिर खोल देगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 13:45 (#5)

וְרֹאשׁוֹ יִהְיֶה פָרוּעַ

“और सिर के बाल बिखरे रहें”

यहाँ, **सिर** का मतलब किसी के सिर के बालों से है। परिणामस्वरूप, अभिव्यक्ति **सिर के बाल बिखरे रहें** का मतलब है कि किसी के लंबे बाल ढीले और बिना बंधे लटकेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उनके लंबे बाल ढीले और बिना बंधे लटकेंगे]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 13:45 (#6)

וְעַל־שָׂפָם יַעְטֶה

“और वह अपने ऊपरवाले होंठ को ढाँपे हुए”

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति **“और वह मूंछों को ढक लेगा”** का उपयोग किया गया है पर हिंदी में “**वह अपने ऊपरवाले होंठ को ढाँपे”** का प्रयोग हुआ है, और यहाँ किसी की “**ऊपरवाले होंठ को ढकना”** सार्वजनिक शर्म को दिखाने के लिए एक प्रतीकात्मक कार्य है। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो आप इस क्रिया के महत्व को पाठ में या एक पाद टिप्पणी में समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे अपनी शर्म को व्यक्त करने के लिए अपनी मूंछ ढकेंगे]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 13:45 (#7)

שָׂפָם

“ऊपरवाले होंठ”

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति **“और वह मूंछों”** का उपयोग किया गया है पर हिंदी में **“अपने ऊपरवाले होंठ”** का प्रयोग हुआ है, यहाँ मूल भाषा में, **मूंछों** किसी विशेष मूंछ का उल्लेख नहीं करती हैं, बल्कि संक्रमित व्यक्ति के चेहरे के बालों का संदर्भ देती हैं। इस तरह, यह सामान्य रूप से ऊपरी होंठ का प्रतिनिधित्व करती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी चेहरे के बाल] या [कोई भी ऊपरी होंठ]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 13:46 (#1)

כָּל־יְמֵי אֲשֶׁר הַנֶּגַע בּוֹ

“जितने दिन तक वह व्याधि उसमें रहे “

इन वाक्यांशों में, लेखक “दिन” शब्द का उपयोग एक विशेष समय का उल्लेख करने के लिए कर रहे हैं, **जितने दिन तक वह व्याधि उसमें रहे**। वे यह जीवनकाल के व्यक्तिगत दिनों से बने होने के तरीके के साथ संबंध द्वारा कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उस समय के दौरान जब उन पर संक्रमण है]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 13:46 (#2)

“छावनी के बाहर हो”

वैकल्पिक अनुवाद: [जहाँ बाकी सभी लोग रहते हैं, उस स्थान से अलग होगा]

लैव्यव्यवस्था 13:47 (#1)

“फिर जिस वस्त्र में कोढ़ की व्याधि हो”

वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन जब कपड़े बीमारी को ले जाते हैं और फैलाते हैं]

लैव्यव्यवस्था 13:47 (#2)

וְהַבֶּגֶד

“वह वस्त्र”

अभिव्यक्ति **वस्त्र** का मतलब आम तौर पर सभी कपड़ों से है, न कि किसी एक कपड़े से। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप कोई और आम बात इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन कोई भी वस्त्र]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 13:47 (#3)

נֶגַע צָרַעַת

“कोढ़ की व्याधि”

हालाँकि यह अभिव्यक्ति संक्रामक त्वचा रोगों के संक्रामक पहलुओं के लिए पहले उपयोग की गई अभिव्यक्ति के समान है, यहाँ समस्या उन संक्रमणों के साथ है जो कपड़ों और अन्य घरेलू वस्तुओं पर फैल सकते हैं। परिणामस्वरूप, यह अभिव्यक्ति संभवतः संक्रामक फफूंद या फफूंदी को संदर्भित करती है। यदि आपकी भाषा में कोई अभिव्यक्ति है जो त्वचा रोगों और इन प्रकार की फफूंद और फफूंदी दोनों का वर्णन कर सकती है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक संक्रामक फफूंद या फफूंदी]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 13:47 (#4)

בְּבֶגֶד צֶמֶר

“वस्त्र ऊन का हो”

यह **ऊन** भेड़, बकरियों, या समान जानवरों के कतरन बाल हैं। ऊन का उपयोग गर्म कपड़े और कंबल के लिए वस्त्रों के उत्पादन में किया जाता है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की सामग्री के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [ऊन के कपड़े पर]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 13:47 (#5)

“चाहे सनी का”

देखें कि आपने इस प्रकार के कपड़ों का अनुवाद 6:10 में कैसे किया है।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 13:48 (#1)

אוֹ בְשָׁתִי֙ אוֹ בְעֵרֶב֙ לַפִּשְׁתִּ֔ים וְלַצֶּ֖מֶר

“चाहे उस सनी या ऊन के वस्त्र के ताने में हो चाहे बाने में”

शब्द **ताने** और **बाने** बुनाई और वस्त्र उत्पादन में उपयोग की जाने वाली संरचना को संदर्भित करते हैं। विशेष रूप से, **ताने** उन धागों को संदर्भित करता है जो लंबवत, या ऊपर और नीचे चलते हैं, और **बाने** (या वेफ्ट) उन धागों को संदर्भित करता है जो क्षैतिज रूप से, या एक ओर से दूसरी ओर चलते हैं। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की बुनाई संरचना के लिए कोई अभिव्यक्ति है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [या उन लिनन या ऊनी धागों पर जो करघे पर एक साथ बुने जा रहे हैं]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 13:48 (#2)

לַפִּשְׁתִּ֔ים

“सनी” -“के वस्त्र”

यहाँ, **सनी** किसी विशेष कपड़े के टुकड़े का उल्लेख नहीं करता है, बल्कि सामान्य रूप से किसी भी लिनन उत्पाद का संदर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जो भी लिनन आप बुन रहे हैं]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 13:48 (#3)

וְלַצֶּ֖מֶר

“या ऊन के वस्त्र”

यहाँ, **ऊन** किसी विशेष ऊन के टुकड़े का उल्लेख नहीं करता है, बल्कि सामान्य रूप से किसी भी ऊनी उत्पाद का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह ऊन जिसे आप बुन रहे हैं]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 13:48 (#4)

בְּכָל־מְלֶאכֶת עֹ֔ור

“या चमड़े की बनी हुई किसी वस्तु में हो”

अभिव्यक्ति **चमड़े की बनी हुई किसी वस्तु में हो** एक वस्तु का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है जो चमड़े से बनी होती है। इसमें बेल्ट, बैग, काठी, पट्टियाँ आदि जैसी कई वस्तुएँ शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी चीज़ पर जो चमड़े से बनी हो] या [किसी भी चमड़े के काम पर]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 13:49 (#1)

כְּלִי־עֹ֔ור

“चमड़े की किसी वस्तु”

अभिव्यक्ति **चमड़े की किसी वस्तु** का अर्थ है कि किसी उपयोगी वस्तु को पशु की खाल या त्वचा से बनाया गया है। यह उसी चमड़े के काम का उल्लेख कर सकता है जिसे पिछले पद में “चमड़े का कोई काम” कहा गया था। यदि यह अर्थ आपकी भाषा में स्पष्ट नहीं है, तो इसे स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [चमड़े से बनी उपयोगी चीजें] या [चमड़े का काम]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 13:49 (#2)

“वह कोढ़ की व्याधि है”

वैकल्पिक अनुवाद: [वस्तु पर संक्रमण वास्तव में संक्रामक रोग का संकेत देता है]

लैव्यव्यवस्था 13:49 (#3)

וְהֹרְאָ֥ה אֶת־הַכֹּהֵֽן

“और वह याजक को दिखाई जाए।”

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और कपड़े के मालिक को इसे याजक को दिखाना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 13:50 (#1)

אֶת־הַנֶּ֖גַע

“व्याधि”

यहाँ, **व्याधि** शब्द का अर्थ उन सभी कपड़ों, कपड़े के तारों, या चमड़े के काम से है जिन पर फफूंदी या फफूंद लगी हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [संक्रमित वस्तु] या [वह वस्तु जिस पर संक्रमण है]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 13:51 (#1)

בַּיּ֥וֹם הַשְּׁבִיעִֽי

“सातवें दिन”

शब्द **सातवें** संख्या सात का क्रमवाचक रूप है। वैकल्पिक अनुवाद: [उस सप्ताह की अवधि के अंतिम दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 13:51 (#2)

לְכֹ֗ל אֲשֶׁר־יֵעָשֶׂ֤ה הָעֹור֙ לִמְלָאכָ֔ה

“चमड़े की बनी हुई किसी वस्तु में”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी वस्तु का जो किसी ने चमड़े से बनाया हो]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 13:51 (#3)

צָרַעַת מַמְאֶאֶרֶת הַנֶּגַע טָמֵא הוּא

“तो जानना कि व्याधि गलित कोढ़ है”

गलित कोढ़ एक ऐसी स्वास्थ्य या संपूर्णता की स्थिति है जो बिगड़ने या मृत्यु की ओर ले जाती है। यह एक ऐसी स्थिति है जो चोट पहुंचाती है और फैलने की प्रवृत्ति रखती है। मृत्यु के साथ इसके संबंध के कारण, कोई भी घातक रोग उस रोग के धारक को **अशुद्ध** घोषित कर देगा। वैकल्पिक अनुवाद: [संक्रमण उन सभी के कल्याण को खतरे में डाल देगा जो इसके संपर्क में आते हैं, इसलिए सामग्री को अशुद्ध माना जाता है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 13:52 (#1)

כִּי־צָרַעַת מַמְאֶאֶרֶת הִוא

“वह उस वस्त्र को जिसके ताने या बाने में वह व्याधि हो”

मूल भाषा में **क्योंकि** के रूप में अनुवादित शब्द यह इंगित करता है कि जो आगे आता है वह पहले जो आया उसके लिए एक कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले जो आया उसके लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि संक्रमण फैल सकता है और दूसरों को हानि पहुंचा सकता है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 13:52 (#2)

בָּאֵשׁ תִּשָּׂרֵף

“वह वस्तु आग में जलाई जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह इसे आग से जला देगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 13:52 (#3)

בָּאֵשׁ תִּשָּׂרֵף

“वह वस्तु आग में जलाई जाए”

यह अभिव्यक्ति कुछ भाषाओं में अप्राकृतिक लग सकती है। यदि यह आपकी भाषा के लिए सही है, तो आप अभिव्यक्ति को संक्षिप्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 7:17 में समान अभिव्यक्ति को कैसे संभाला। वैकल्पिक अनुवाद: [यह पूरी तरह से जला दिया जाएगा]

देखें: सूचना को अंतर्निहित कब रखें

लैव्यव्यवस्था 13:54 (#1)

וְצִוָּה הַכֹּהֵן

“तो जिस वस्तु में व्याधि हो उसके धोने की आज्ञा दे”

आईआरवी में यह अभिव्यक्ति कुछ शब्दों को छोड़ देती है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यहाँ, **याजक** लोगों को बता रहे हैं कि उन्हें फफूंदी या फफूंद से संक्रमित घर की वस्तुओं के साथ क्या करना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप वाक्य के पहले के भाग से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर याजक लोगों को आदेश देंगे कि उन्हें क्या करना चाहिए]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 13:54 (#2)

“तो जिस वस्तु में व्याधि हो”

वैकल्पिक अनुवाद: [वह वस्तु जिस पर फफूंदी या फफूंद लगी हो]

लैव्यव्यवस्था 13:54 (#3)

שִׁבְעַת־יָמִים שֵׁנִית

“और भी सात दिन”

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति **“दूसरे सात दिनों के लिए”** का उपयोग किया गया है पर हिंदी में **“और भी सात दिन”** का प्रयोग हुआ है, मूल भाषा में अभिव्यक्ति **“दूसरे सात”** संख्या दो का क्रमवाचक रूप है। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर से सात दिनों के लिए]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 13:55 (#1)

אַחֲרֵי ׀ הֻכַּבֵּס אֶת־הַנֶּגַע

“और उसके धोने के बाद”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वस्तु के स्वामी ने संक्रमण धोने के बाद]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 13:55 (#2)

וְהִנֵּה לֹא־הָפַךְ הַנֶּגַע אֶת־עֵינוֹ

“देखे, और यदि व्याधि का न तो रंग बदला हो”

अभिव्यक्ति **रंग बदला हो** एक मुहावरा है जो संक्रमण के रूप में बदलाव को संदर्भित करता है। दूसरे शब्दों में, किसी संक्रमण का **रंग बदला हो** का अर्थ है कि उस संक्रमण का रूप बदल गया है, संभवतः फैलने या रंग बदलने के कारण। यदि आपकी भाषा में एक समान अभिव्यक्ति है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और ध्यान दें, संक्रमण अपरिवर्तित प्रतीत होता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 13:55 (#3)

בָּאֵשׁ תִּשְׂרְפֶנּוּ

“उसे आग में जलाना”

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति **“तुम इसे आग से जला दोगे”** का उपयोग किया गया है पर हिंदी में **“उसे आग में जलाना”** का प्रयोग हुआ है। यहाँ मूल भाषा में **तुम** एकवचन रूप में है। यह संक्रमित वस्तु के स्वामी को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है, तो अपने अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 13:55 (#4)

בָּאֵשׁ תִּשְׂרְפֶנּוּ

“उसे आग में जलाना”

जैसा कि इस अध्याय की प्रस्तावना में चर्चा की गई है, यहाँ लैव्यव्यवस्था के लेखक दूसरे व्यक्ति के संबोधन में बदल जाते हैं। यदि आपकी भाषा में दूसरे व्यक्ति में अचानक बदलाव स्वाभाविक नहीं होगा, तो अपने अनुवाद में तीसरे व्यक्ति का उपयोग जारी रखने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वस्तु के मालिक इसे आग से जला दें]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 13:55 (#5)

בָּאֵשׁ תִּשְׂרְפֶנּוּ

“आप इसे आग में जलाएंगे”

यह अभिव्यक्ति अतिरिक्त जानकारी रखती है जो कुछ भाषाओं में व्यक्त करना अप्राकृतिक हो सकता है। यदि यह आपकी भाषा के लिए सही है, तो आप अभिव्यक्ति को संक्षिप्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 7:17 में समान अभिव्यक्ति को कैसे संभाला। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको इसे पूरी तरह से जलाना होगा]

देखें: सूचना को अंतर्निहित कब रखें

लैव्यवस्था 13:55 (#6)

“खा जानेवाली व्याधि है”

वैकल्पिक अनुवाद: [यह संक्रमण और सड़न पैदा करने वाला फफूंद या फफूंदी माना जाता है]

लैव्यव्यवस्था 13:56 (#1)

“देखे, कि उसके धोने के पश्चात् व्याधि की चमक कम हो गई”

वैकल्पिक अनुवाद: [और देखिए, संक्रमण का आकार घट गया है और संक्रमण का रंग वस्तु के सामान्य रंग के करीब आ गया है]

लैव्यव्यवस्था 13:56 (#2)

אַחֲרֵי הֻכַּבֵּס אֹתָוֹ

“उसके धोने के पश्चात्”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वस्तु के मालिक ने इसे धोने के पश्चात]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 13:56 (#3)

וְקָרַע אֹתוֹ

“तो वह उसको” - “फाड़कर निकाले”

यहाँ, **उसको** उस वस्तु के उस हिस्से को संदर्भित करता है जिस पर संक्रामक फफूंदी या फफूंद लगी हो। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर वह वस्तु के संक्रमित हिस्से को हटा देंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 13:57 (#1)

“वह फूटकर निकली हुई”

वैकल्पिक अनुवाद: [यह एक संकेत है कि संक्रामक फफूंदी या फफूंद पूरे वस्त्र में फैल गई है, जिससे इसे धोकर स्वच्छ नहीं किया जा सकता।]

लैव्यव्यवस्था 13:57 (#2)

בָּאֵשׁ תִּשְׂרְפֶנּוּ

“उसे आग में जलाना”

जैसा कि इस अध्याय की प्रस्तावना में चर्चा की गई है, यहाँ लैव्यव्यवस्था के लेखक दूसरे व्यक्ति के संबोधन में बदल जाते हैं। यदि आपकी भाषा में दूसरे व्यक्ति में अचानक बदलाव स्वाभाविक नहीं है, तो अपने अनुवाद में तीसरे व्यक्ति का उपयोग जारी रखने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [मालिक को इसे आग से जलाना चाहिए]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 13:57 (#3)

בָּאֵשׁ תִּשְׂרְפֶנּוּ

“उसे आग में जलाना”

यहाँ, मूल भाषा में **तुम** एकवचन है और संक्रमित वस्तु के मालिक को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आप अनुवाद में द्वितीय व्यक्ति का रूप चुनते हैं और आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो एकवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 13:57 (#4)

בָּאֵשׁ תִּשְׂרְפֶנּוּ

“उसे आग में जलाना”

यह अभिव्यक्ति अतिरिक्त जानकारी रखती है, जो कुछ भाषाओं में व्यक्त करना स्वाभाविक नहीं होगा। यदि यह आपकी भाषा के लिए सही है, तो आप अभिव्यक्ति को संक्षिप्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 7:17 में समान अभिव्यक्ति को कैसे संभाला। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको इसे पूरी तरह से जलाना चाहिए]

देखें: सूचना को अंतर्निहित कब रखें

लैव्यव्यवस्था 13:57 (#5)

“जिसमें वह व्याधि हो”

वैकल्पिक अनुवाद: [जिस भी वस्तु पर फफूंदी या फफूंद लगी हो]

लैव्यव्यवस्था 13:58 (#1)

אֲשֶׁר תְּכַבֵּס

“जो वस्तु हो उससे जब धोई जाए”

जैसा कि इस अध्याय की प्रस्तावना में चर्चा की गई है, यहाँ लैव्यव्यवस्था के लेखक दूसरे व्यक्ति के संबोधन में बदल जाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह परिवर्तन स्वाभाविक नहीं है, तो अपने अनुवाद में तीसरे व्यक्ति का उपयोग जारी रखने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कि वस्तु के मालिक ने धोया है]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 13:58 (#2)

אֲשֶׁר תְּכַבֵּס

“जब धोई जाए”

यहाँ, मूल भाषा में **तुम** एकवचन है। यह संक्रमित वस्तु के मालिक को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आप दूसरी व्यक्ति का रूप चुनते हैं और आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है, तो अपने अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 13:58 (#3)

וְסָר מֵהֶם הַנֶּגַע

“और व्याधि जाती रही”

यह अभिव्यक्ति एक मुहावरा है। **व्याधि** का वस्तु से **जाती रही** का अर्थ है कि इसे धोने की प्रक्रिया के माध्यम से हटा दिया गया है। यदि आपकी भाषा में एक समान अभिव्यक्ति है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और संक्रमण को सफलतापूर्वक उनसे हटा दिया गया है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 13:58 (#4)

שֵׁנִית

“दूसरी बार”

शब्द **दूसरी बार** संख्या दो का क्रमवाचक रूप है। वैकल्पिक अनुवाद: [पुनः]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 13:59 (#1)

זֹאת תּוֹרַת נֶגַע־צָרַעַת

“कोढ़ की व्याधि” - “की यही व्यवस्था है”

यह अभिव्यक्ति उस **व्यवस्था** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है जो **कोढ़ की व्याधि** का उल्लेख करता है, जो विभिन्न वस्त्रों और सामग्रियों में हो सकता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यह वह कानून है जो रोग के संक्रमण से संबंधित है] या [यह वह कानून है जो रोग के संक्रमण से जुड़ा है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 13:59 (#2)

נֶגַע־צָרַעַת בֶּגֶד הַצֶּמֶר ׀ אוֹ הַפִּשְׁתִּים אוֹ הַשְּׁתִי׳ אוֹ הָעֵרֶב אוֹ כָּל־כְּלִי־עוֹר

“ऊन या सनी के वस्त्र में के ताने या बाने में, या चमड़े की किसी वस्तु में जो कोढ़ की व्याधि हो”

यह अभिव्यक्ति एक लंबे समय तक चलने वाले स्वामित्व रूप का उपयोग करती है ताकि एक **व्याधि** का वर्णन किया जा सके जो वास्तव में एक संक्रामक **कोढ़** का लक्षण है जो विभिन्न प्रकार के वस्त्रों और घराना सामग्रियों पर हो सकता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [एक संक्रमण जो एक संक्रामक रोग का लक्षण है जो ऊन या लिनन के कपड़ों पर या ताना या बाना पर या किसी भी चमड़े के लेख पर हो सकता है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 13:59 (#3)

“ताने या बाने”

देखें कि आपने इन शब्दों का अनुवाद 13:48 में किस प्रकार किया है।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था13:59 (#4)

לְטַהֲרוֹ אוֹ לְטַמְּאוֹ

“उसके शुद्ध और अशुद्ध ठहराने की”

यहाँ, **उसके** उस वस्तु को स्वच्छ या अशुद्ध घोषित करने के उद्देश्य या लक्ष्य के रूप में **व्यवस्था** को चिह्नित करता है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि यह उद्देश्य है।

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 14:1 (#1)

לֵאמֹר

“कहा”

कहा के रूप में अनुवादित शब्द एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, विचार करें कि आप अपनी भाषा में इस उद्धरण को स्वाभाविक रूप से कैसे प्रस्तुत करेंगे।

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 14:2 (#1)

תּוֹרַת הַמְּצֹרָ֑ע

“कोढ़ी के शुद्ध ठहराने की व्यवस्था यह है”

यह अभिव्यक्ति स्वामित्व रूप का उपयोग उस **व्यवस्था** का वर्णन करने के लिए करती है जो किसी **कोढ़ी** के लिए शुद्धिकरण की प्रक्रिया का उल्लेख करता है जिसे याजक द्वारा शुद्ध घोषित किया गया है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यह उस व्यक्ति के लिए कानून है जिसे पहले त्वचा रोग था] या [यह कानून उस व्यक्ति से संबंधित है जिसे पहले त्वचा रोग था]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 14:2 (#2)

בְּיֹ֥ום טָהֳרָתֹ֖ו

“वह याजक के पास पहुँचाया जाए”

यहाँ, अभिव्यक्ति **शुद्ध ठहराने** का उपयोग स्वामित्व रूप में किया गया है ताकि एक **दिन** का वर्णन किया जा सके जो **उसके शुद्ध ठहराने** द्वारा विशेषता प्राप्त करता है। यह अभिव्यक्ति उस **दिन** को संदर्भित करती है जिस पर याजक व्यक्ति को धार्मिक रूप से स्वच्छ घोषित करते हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप अर्थ को सामान्य रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस दिन उसे स्वच्छ बनाया जाना है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 14:2 (#3)

וְהוּבָ֥א אֶל־הַכֹּֽהֵן

“वह याजक के पास पहुँचाया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे उसे याजक के पास लाएँ] या [उन्हें याजक के पास जाना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:3 (#1)

וְהִנֵּ֣ה נִרְפְּ֔אָ נֶ֥גַע־הַצָּרַ֖עַת מִן־הַצָּרוּֽעַ

“देखे, और यदि उसके कोढ़ की व्याधि चंगी हुई हो,”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और देखिए, त्वचा रोग का संक्रमण त्वचा रोग वाले व्यक्ति से पूरी तरह से ठीक हो गया है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:3 (#2)

“कोढ़ की व्याधि”

देखें कि आपने इन शब्दों का अनुवाद 13:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 14:4 (#1)

וְצִוָּה֣ הַכֹּהֵ֗ן

“तो याजक आज्ञा दे”

यह अभिव्यक्ति कुछ शब्दों को छोड़ देती है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यहाँ, **याजक** संक्रमित व्यक्ति को उसकी शुद्धि के लिए कैसे तैयारी करनी है, यह बता रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से शब्द जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक लोगों को आदेश देंगे कि उन्हें क्या करना चाहिए]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 14:4

וְלָקַ֣ח לַמִּטַּהֵ֗ר

“कि शुद्ध ठहरानेवाले के लिये”

मूल भाषा में यह अभिव्यक्ति उस संदर्भ को दर्शाती है जिसमें याजक आदेश दे रहे हैं। यहाँ, **वह** आम तौर पर किसी को भी संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई उस व्यक्ति को ले जाएगा जिसे शुद्ध किया जा रहा है]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:4 (#3)

לַמִּטַּהֵ֔ר

“शुद्ध ठहरानेवाले के लिये”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उस व्यक्ति के लिए जिसे याजक शुद्ध कर रहे हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:4 (#4)

וּשְׁנִ֥י תוֹלַ֖עַת

“और लाल रंग का कपड़ा”

अंग्रेजी मूल भाषा में अभिव्यक्ति **“और कीड़े का लाल रंग”** पाया जाता है पर हिंदी अनुवाद में **“और लाल रंग का कपड़ा”** का प्रयोग किया गया है । मूल भाषा में लेखक **“और कीड़े का लाल रंग”** अभिव्यक्ति का उपयोग करके, इसके रंग के साथ कपड़े या धागे का संबंध उल्लेख कर रहे हैं। इस लाल रंग के लिए रंगने का मसाला (डाई) संभवतः एक निश्चित कीड़े के अंडों को कुचलने का उपोत्पाद था, जिसे यहाँ **कीड़े** कहा गया है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है, चाहे वह एक पाद टिप्पणी में हो या आपके अनुवाद के पाठ में। वैकल्पिक अनुवाद: [और धागा जो स्वाभाविक रूप से चमकीले लाल रंग में रंगा गया है]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 14:4 (#5)

וְאֵזֹב

"और जूफा"

यह **जूफा** एक पत्तेदार पौधा था, जो इस्राएल में आमतौर पर पाया जाता था। इसकी बड़ी और अनेक पत्तियाँ इसे छिड़काव के लिए आदर्श बनाती थीं, विशेष रूप से धार्मिक या अनुष्ठानिक संदर्भों में, जैसा कि वर्तमान अध्याय में वर्णित है। यदि आपकी भाषा में इस पौधे के लिए कोई शब्द नहीं है, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और कुछ पत्तेदार शाखाएँ]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 14:5 (#1)

וְצִוָּה הַכֹּהֵן

"और याजक आज्ञा दे"

यह अभिव्यक्ति फिर से कुछ शब्दों को छोड़ देती है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यहाँ, **याजक** संक्रमित व्यक्ति को अनुष्ठानिक शुद्धिकरण के साथ कैसे आगे बढ़ना है, यह बता रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करने के लिए संदर्भ से कुछ शब्द जोड़ना आवश्यक हो तो आप ऐसा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक व्यक्ति को आदेश देंगे कि उसे क्या करना चाहिए]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 14:5 (#2)

וְשָׁחַט אֶת־הַצִּפּוֹר הָאֶחָת

"एक पक्षी" - "बलि किया जाए"

मूल अंग्रेजी भाषा में अभिव्यक्ति **"और वह एक पक्षी का बलि करेगा"** पाया जाता है पर हिंदी अनुवाद में **"एक पक्षी" - "बलि किया जाए"** का प्रयोग किया गया । यहाँ, मूल भाषा में **वह** उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जिसे शुद्ध किया जाना है। यह अभिव्यक्ति उस संदर्भ को शामिल करती है जो याजक आदेश दे रहे हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और जिसे शुद्ध किया जाना है, वह एक पक्षी का बलि करेगा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:5 (#3)

כְּלִי־חֶרֶשׂ

"मिट्टी के पात्र"

अभिव्यक्ति **मिट्टी के पात्र** एक **मिट्टी** या मिट्टी के बर्तन से बने मर्तबान को संदर्भित करती है, जो संभवतः आधुनिक रसोई के बर्तनों या शायद मिट्टी के बर्तनों जैसा दिखता है जो पानी रख सकते हैं। यदि आपकी भाषा में इस सामग्री से बने बर्तन के लिए एक विशिष्ट शब्द है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक मिट्टी का मर्तबान]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 14:5 (#4)

חֶרֶשׂ

"मिट्टी"

पात्र को **मिट्टी** से बना हुआ बताया गया है, जो मिट्टी के बर्तन के समान एक सामग्री को संदर्भित करता है, जिससे एक बर्तन के आकार का मर्तबान बनाया जा सकता है। फिर इसे भट्टी में पकाया जाता है जब तक कि यह सख्त न हो जाए। यदि आपकी भाषा में इस सामग्री के लिए कोई विशेष शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [मिट्टी के बर्तन]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 14:5 (#5)

מַיִם חַיִּים

"बहते हुए जल"

यहाँ, **बहते हुए जल** एक मुहावरा है जो बहते हुए **जल** को संदर्भित करता है। मिट्टी के बरतन में पानी बहते हुए स्रोत जैसे नदी या कुएं से लिया जाना चाहिए, न कि किसी जलाशय से। यदि आपकी भाषा में ऐसा कोई समान मुहावरा है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [बहते हुए स्रोत से लिया गया ताज़ा पानी]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 14:7 (#1)

וְהִזָּה עַל הַמִּטַּהֵר מִן־הַצָּרַעַת שֶׁשֶׁבַע פְּעָמִים

"और कोढ़ से शुद्ध ठहरनेवाले पर सात बार छिड़ककर उसको शुद्ध ठहराए"

यह एक अनुष्ठानिक क्रिया है जिसमें देवदार की लकड़ी, जूफा, और एक जीवित पक्षी का उपयोग करके **कोढ़** के साथ व्यक्ति को लहू और स्वच्छ पानी से छिड़का जाता है। यह क्रिया अनुष्ठानिक रूप से व्यक्ति को किसी भी अशुद्धता से शुद्ध और स्वच्छ करती है जो उन्होंने अपने त्वचा रोग के माध्यम से प्राप्त की हो। इसे आपके पाठकों को एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में समझाना सहायक हो सकता है। देखें कि आपने 1:5 और अन्य जगहों पर अनुष्ठानिक छिड़काव के विचार को कैसे व्यक्त किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 14:7 (#2)

עַל הַמִּטַּהֵר מִן־הַצָּרַעַת

"और कोढ़ से शुद्ध ठहरनेवाले पर"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उस व्यक्ति पर जिसे वे शुद्ध कर रहे हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:7 (#3)

עַל־פְּנֵי הַשָּׂדֶה

“मैदान में”

यहाँ, अभिव्यक्ति **मैदान में** एक खुले मैदान को संदर्भित करती है। यदि आपकी भाषा में एक समान अभिव्यक्ति है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक खुले मैदान की ओर]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 14:7 (#4)

הַשָּׂדֶה

“मैदान”

यहाँ, **मैदान** शब्द किसी विशेष खेत का उल्लेख नहीं करता है, बल्कि उस स्थान के पास किसी भी खेत का उल्लेख करता है जहाँ इस्राएली बसे थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी पास का खेत]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 14:8 (#1)

וְכִבֶּס֣וּ הַמִּטַּהֵר֮ אֶת־בְּגָדָיו֒ וְגִלַּ֣ח אֶת־כָּל־שְׂעָרוֹ֮ וְרָחַ֣ץ בַּמַּ֣יִם

“और शुद्ध ठहरनेवाला अपने वस्त्रों को धोए, और सब बाल मुँण्डवाकर जल से स्नान करे, तब वह शुद्ध ठहरेगा”

ये अनुष्ठानिक क्रियाएँ इस उद्देश्य से की जाती हैं कि लोगों और उस व्यक्ति को दिखाया जा सके जिसे शुद्ध किया जा रहा है कि वह अब अनुष्ठानिक और धार्मिक रूप से स्वच्छ हैं। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की अनुष्ठानिक क्रियाओं के लिए अभिव्यक्तियाँ हैं, विशेष रूप से धर्म के संदर्भों में, तो यहाँ उनका उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो इन क्रियाओं के महत्व को एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में समझाने पर विचार करें।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 14:8 (#2)

הַמִּטַּהֵר

“और शुद्ध ठहरनेवाला”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति जिसे याजक शुद्ध कर रहे हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:8 (#3)

וְרָחַ֣ץ בַּמַּ֣יִם

“और सब बाल मुँण्डवाकर जल से स्नान करे”

ऐसा लग सकता है कि अभिव्यक्ति और वह **जल से स्नान करे** में अतिरिक्त जानकारी है जो आपकी भाषा में व्यक्त करना अप्राकृतिक होगा। यदि ऐसा है, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:9 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह अपना शरीर अच्छी तरह से धोएंगे]

देखें: सूचना को अंतर्निहित कब रखें

लैव्यव्यवस्था 14:9 (#1)

בַּיּ֣וֹם הַשְּׁבִיעִ֗י

“सातवें दिन”

शब्द **सातवें** संख्या सात का क्रमवाचक रूप है। यदि आपकी भाषा क्रमवाचक गिनती का उपयोग नहीं करती है, तो आप यहाँ एक मूल संख्या या एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उस सप्ताह की अवधि के अंतिम दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 14:9 (#2)

יְגַלַּ֣ח אֶת־כָּל־שְׂעָרוֹ֮ אֶת־רֹאשׁוֹ֒ וְאֶת־זְקָנוֹ֮ וְאֵת֣ גַּבּ֣ת עֵינָ֣יו וְאֶת־כָּל־שְׂעָרוֹ֒ יְגַלֵּ֗חַ

“वह सिर, दाढ़ी और भौहों के सब बाल मुँड़ाएँ, और सब अंग मुँण्ड़न कराए”

ये अभिव्यक्तियाँ मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखती हैं। दूसरा वाक्य पहले के अर्थ को जोर देकर बताता है, वही विचार अलग शब्दों में दोहराकर। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप उन वाक्यांशों को एक ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दिखाता है कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [वे अपने सभी बाल मुंडवाएँगे, जिसमें उनका सिर, दाढ़ी और उनकी आँखों की भौंहें शामिल हैं—उनके सभी बाल]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 14:9 (#3)

“और अपने वस्त्रों को धोए, और जल से स्नान करे”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद पिछले पद में और 1:9 में किस प्रकार किया है।

देखें: सूचना को अंतर्निहित कब रखें

लैव्यव्यवस्था 14:9 (#4)

“और सब अंग”

वैकल्पिक अनुवाद: [उनका पूरा शरीर]

लैव्यव्यवस्था 14:10 (#1)

וּבַיּ֣וֹם הַשְּׁמִינִ֗י

“आठवें दिन”

शब्द **आठवें** संख्या आठ का क्रमवाचक रूप है। यदि आपकी भाषा में क्रमवाचक गिनती का उपयोग नहीं होता है, तो आप यहाँ एक मूल

संख्या या एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और अगले दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 14:10 (#2)

“वह” - “लाए”

वैकल्पिक अनुवाद: [जिस व्यक्ति का शुद्धिकरण किया जा रहा है, वह लेगा]

लैव्यव्यवस्था 14:10 (#3)

וְכַבְשָׂה אַחַת בַּת־שְׁנָתָהּ תְּמִימָה

“भेड़ के बच्चे, और एक वर्ष की निर्दोष भेड़ की बच्ची”

अभिव्यक्ति **एक वर्ष की निर्दोष भेड़ की बच्ची** एक मुहावरा है जो एक वर्ष पुराने पशु को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में एक समान मुहावरा है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताएँ। देखें कि आपने 9:3 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक निष्कलंक मादा मेम्ना जो एक वर्ष की हो] या [और एक परिपूर्ण मादा मेम्ना जो बारह महीने की उम्र की हो]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 14:10 (#4)

וּשְׁלֹשָׁה עֶשְׂרֹנִים סֹלֶת

“तीन दहाई अंश मैदा”

हालाँकि माप यहाँ स्पष्ट रूप से सूचीबद्ध नहीं है, **मैदा** संभवतः एपा में मापा जाएगा। एक एपा लगभग 23 लीटर था, इसलिए एक एपा के **तीन दहाई** लगभग सात लीटर आटे के बराबर होंगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में या एक पाद टिप्पणी में समकक्ष आधुनिक माप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और लगभग सात लीटर आटा]

देखें: बाइबलीय मात्रा

लैव्यव्यवस्था 14:10 (#5)

וּשְׁלֹשָׁה עֶשְׂרֹנִים

“तीन दहाई अंश”

शब्द **दहाई** का अर्थ दस समान भागों में से एक भाग होता है, इसलिए **तीन दहाई अंश** का अर्थ दस भागों में से तीन भाग होता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और लगभग सात चौथाई (क्वार्ट्स) का]

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 14:10 (#6)

“तेल से सना हुआ एपा”

वैकल्पिक अनुवाद: [तेल मिलाकर अर्पित किया गया अनाज का भेंट]

लैव्यव्यवस्था 14:10 (#7)

וְלֹג אֶחָד שָׁמֶן

“और लोज भर तेल लाए”

एक **लोज भर** लगभग आधा लीटर था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में समकक्ष आधुनिक माप का उपयोग कर सकते हैं या एक पाद टिप्पणी जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आधा लीटर तेल]

देखें: बाइबलीय मात्रा

लैव्यव्यवस्था 14:11 (#1)

וְהֶעֱמִיד הַכֹּהֵן הַמְטַהֵר אֵת הָאִישׁ הַמִּטַּהֵר וְאֹתָם

“और शुद्ध ठहरानेवाला याजक इन वस्तुओं समेत उस शुद्ध होनेवाले मनुष्य को यहोवा के सम्मुख मिलापवाले तम्बू के द्वार पर खड़ा करे”

यह अभिव्यक्ति पुरुष और उसके बलिदान की वस्तुओं को इस तरह से स्थापित करने का सुझाव देती है कि वे सभा के तंबू के आंतरिक तंबू की ओर मुख करें, जिसमें परम पवित्र स्थान स्थित था। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक, जो स्वच्छ घोषित कर रहे हैं, वे पुरुष, जो शुद्ध किए जा रहे हैं, और वे बलिदान जो वे चढ़ा रहे हैं, को इस तरह से स्थापित करेंगे कि वे खड़े हों]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 14:11 (#2)

אֵת הָאִישׁ הַמִּטַּהֵר

“उस शुद्ध होनेवाले मनुष्य”

हालाँकि मूल भाषा में शब्द **मनुष्य** पुल्लिंग है, इसे एक सामान्य अर्थ में उपयोग किया जा रहा है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति जो शुद्ध किए जा रहे हैं]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 14:11 (#3)

אֵת הָאִישׁ הַמִּטַּהֵר

“उस शुद्ध होनेवाले मनुष्य को”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति जिसे याजक शुद्ध कर रहे हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:11 (#4)

וְאֹתָם

“इन”

यहाँ, **इन** संदर्भ तीन मेमनों, आटे और तेल से है, जिन्हें पिछले पद में लाने के लिए कहा गया था। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और तीन मेमने, आटा, और तेल जो उन्होंने लाए हैं]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:11 (#5)

לִפְנֵי יְהוָֹה

“यहोवा के सम्मुख”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:9 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा की उपस्थिति में, मिलापवाले तम्बू के पवित्र परिसर में, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 14:12 (#1)

“समीप लाए”

देखें कि आपने इस अनुष्ठानिक क्रिया को 1:2 में किस प्रकार व्यक्त किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 14:12 (#2)

“दोषबलि के लिये”

अध्याय 5 की प्रस्तावना में दोषबलि के बारे में चर्चा देखें। देखें कि आपने इस बलिदान का अनुवाद 5:16 में कैसे किया है।

लैव्यव्यवस्था 14:12 (#3)

וְאֶת־לֹג הַשָּׁמֶן

“लोज भर तेल”

एक **लोज** लगभग एक-छठा लीटर (या 0.167 लीटर) होता था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में या एक पाद टिप्पणी में समकक्ष आधुनिक माप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और तेल का एक-छठा लीटर]

देखें: बाइबलीय मात्रा

लैव्यव्यवस्था 14:12 (#4)

וְהֵנִיף אֹתָם תְּנוּפָה לִפְנֵי יְהוָה

“इन दोनों को हिलाने की भेंट के लिये यहोवा के सामने हिलाए”

यह अत्यधिक असंभाव्य है कि जीवित **मेम्ना** को यहोवा की उपस्थिति में शारीरिक रूप से हिलाया गया था इससे पहले कि उसे मारा जाता। इसके बजाय, यह अभिव्यक्ति कुछ शारीरिक गति को संदर्भित कर सकती है ताकि यह दिखाया जा सके कि मेम्ना (और तेल) उस प्रकार के बलिदान थे जो **हिलाने की भेंट** के रूप में योग्य थे। आपके पाठकों के लिए इसे एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह उन्हें यहोवा के सामने एक हिलाने की भेंट के रूप में प्रस्तुत करेंगे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 14:12 (#5)

“हिलाने की भेंट के लिये”

देखें कि आपने इस बलिदान का अनुवाद 7:30 पर कैसे किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 14:13 (#1)

וְשָׁחַט אֶת־הַכֶּבֶשׂ

“और वह उस भेड़ के बच्चे को” - “बलिदान किया करेगा”

यहाँ, **वह** या तो: 1) याजक को संदर्भित करता है, जो पिछले पद में विषय था। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक मेम्ने का वध करेंगे] या 2) वह व्यक्ति जिसे शुद्ध किया जाना है। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह व्यक्ति जिसे शुद्ध किया जाना है, मेम्ने का वध करेगा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:13 (#2)

בְּבְמְקוֹם אֲשֶׁר יִשְׁחַט אֶת־הַחַטָּאת וְאֶת־הָעֹלָה

“उसी स्थान में जहाँ वह पापबलि और होमबलि पशुओं का बलिदान किया करेगा”

यहाँ, लैव्यव्यवस्था के लेखक वर्तमान काल का उपयोग एक नियमित क्रिया का वर्णन करने के लिए करते हैं - कुछ ऐसा जो नियमित रूप से किया जाता है। साथ ही, **वह** यहाँ किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करता है जो यह क्रिया करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [उसी स्थान पर जहाँ पापबलि और होमबलि की जाती हैं] या [उसी स्थान पर जहाँ वे पाप भेंट और होम भेंट का वध करते हैं]

देखें: काल के अनियमित उपयोग

लैव्यव्यवस्था 14:13 (#3)

כִּכְּי כַּחַטָּאת הָאָשָׁם

“क्योंकि जैसे पापबलि” - “वैसे ही दोषबलि”

जिस शब्द का अनुवाद **क्योंकि** के रूप में किया गया है, यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद, एक पूर्ण विराम से पहले: [यह इसलिए है क्योंकि दोष बलिदान पाप बलिदान के समान है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 14:13 (#4)

“वह परमपवित्र है”

देखें कि आपने 2:3 में समान अभिव्यक्ति को किस प्रकार व्यक्त किया।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 14:14 (#1)

“तब याजक दोषबलि के लहू में से कुछ लेकर शुद्ध ठहरनेवाले के दाहिने कान के सिरे पर, और उसके दाहिने हाथ और दाहिने पाँव के अँगूठों पर लगाए”

देखें कि आपने 8:23–24 में समान अनुष्ठान की प्रक्रिया का अनुवाद कैसे किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 14:14 (#2)

הַמִּטַּהֵֽר

“शुद्ध ठहरनेवाले के”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति जिसे याजक शुद्ध कर रहे हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:14 (#3)

וְנָתַן֙ הַכֹּהֵ֔ן

“तब याजक” - “पर लगाए”

देखें कि आपने इस मुहावरे को 1:7 में कैसे संभाला। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक को बलिदान किए गए पशु के लहू का कुछ भाग फैलाना चाहिए]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 14:17 (#1)

“और जो तेल उसकी हथेली पर रह जाएगा याजक उसमें से कुछ शुद्ध होनेवाले के दाहिने कान के सिरे पर, और उसके दाहिने हाथ और दाहिने पाँव के अँगूठों पर दोषबलि के लहू के ऊपर लगाए”

देखें कि आपने 8:23–24 में समान अनुष्ठानिक क्रिया का अनुवाद कैसे किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 14:17 (#2)

הַמִּטַּהֵרֹ

“शुद्ध होनेवाले के”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति जिसे याजक शुद्ध कर रहे हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:18 (#1)

עַל־רֹ֣אשׁ הַמִּטַּהֵֽר

“शुद्ध होनेवाले के सिर पर”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उस व्यक्ति के सिर पर जिसे याजक शुद्ध कर रहे हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:18 (#2)

וְכִפֶּ֥ר עָלָ֖יו הַכֹּהֵ֑ן לִפְנֵ֖י יְהוָֽה

“और याजक उसके लिये यहोवा के सामने प्रायश्चित करे”

देखें कि आपने **प्रायश्चित** जैसे भाववाचक संज्ञा का 1:4 में कैसे अनुवाद किया। हालाँकि, यहाँ और इस अध्याय के पूरे भाग में, सुनिश्चित करें कि आपका अनुवाद यह स्पष्ट करता है कि व्यक्ति का प्रायश्चित किसी भी पाप के कारण नहीं किया जा रहा है। इस मामले में, **प्रायश्चित** अशुद्धता को दूर करता है जो पाप के कारण नहीं, बल्कि संक्रमण और अशुद्धता के कारण होती है। यह आपके पाठकों के लिए एक पाद टिप्पणी या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 14:19 (#1)

הַמִּטַּהֵֽר

“शुद्ध होनेवाला”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति जिसे याजक शुद्ध कर रहे हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:19 (#2)

מִטֻּמְאָתֹ֑ו

“अपनी अशुद्धता से”

यदि आपकी भाषा में **अशुद्धता** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उससे जो उसे अशुद्ध करता है]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 14:20 (#1)

וְהֶעֱלָ֥ה הַכֹּהֵ֖ן אֶת־הָעֹלָ֑ה וְאֶת־הַמִּנְחָ֖ה הַמִּזְבֵּֽחָה

“अन्नबलि समेत वेदी पर चढ़ाए: और याजक उसके लिये प्रायश्चित करे, और वह शुद्ध ठहरेगा”

अभिव्यक्ति **वेदी पर चढ़ाए** एक मुहावरा है। यह वेदी पर **होमबलि** और **अन्नबलि** को जलाने की प्रक्रिया को दर्शाता है, जिससे भेंट धुएं में बदलकर वेदी में **चढ़ाकर** परमेश्वर के पास स्वर्ग में जाती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक होम भेंट और अनाज भेंट को वेदी पर इस प्रकार जलाएंगे कि वे यहोवा के पास धुएं में ऊपर जाएँ]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 14:21 (#1)

וְאֵ֣ין יָדוֹ֮ מַשֶּׂגֶת֒

“और इतना लाने के लिये उसके पास पूँजी न हो”

अभिव्यक्ति **उसके पास पूँजी न हो** एक मुहावरा है जो उस स्थिति को दर्शाता है जब कोई व्यक्ति अनुष्ठानिक शुद्धिकरण के लिए आवश्यक तीन भेड़ों को प्रदान करने या खरीदने में असमर्थ होता है। यदि आपकी भाषा में एक समान मुहावरा है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। अन्यथा, यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। देखें कि आपने 5:11 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह तीन भेड़ों को प्रदान करने का खर्च नहीं उठा सकते]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 14:21 (#2)

לִתְנוּפָה לְכַפֵּר עָלָיו

"वह अपना प्रायश्चित करवाने के निमित्त, हिलाने के लिये"

यहाँ, **हिलाने के लिये** और **प्रायश्चित** के लिए **भेड़ का बच्चा**, **मैदा**, और पक्षियों को याजक के पास लाना उद्देश्य बनाता है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि यह उद्देश्य है।

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 14:21 (#3)

וְעִשָּׂרוֹן סֹלֶת אֶחָד

"दसवाँ अंश"

शब्द "दसवाँ" का अर्थ है दस समान भागों में से एक भाग, इसलिए **दसवाँ अंश** का अर्थ होगा दस भागों में से एक भाग। वैकल्पिक अनुवाद: [और लगभग दो क्वार्ट्स महीन आटा]

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 14:21 (#4)

וְעִשָּׂרוֹן סֹלֶת אֶחָד

"दसवाँ अंश मैदा"

हालाँकि यह स्पष्ट नहीं है, यह संभवतः **दसवाँ अंश** मैदा के एक एपा के दसवें हिस्से को संदर्भित करता है। देखें कि आपने इस माप को 14:10 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: बाइबलीय मात्रा

लैव्यव्यवस्था 14:21 (#5)

"और लोज भर तेल"

देखें कि आपने इस माप का 14:10 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: बाइबलीय मात्रा

लैव्यव्यवस्था 14:22 (#1)

"कबूतरी के दो बच्चे"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:14 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 14:22 (#2)

אֲשֶׁר תַּשִּׂיג יָדוֹ

"जो वह ला सके"

यह अभिव्यक्ति एक मुहावरा है जो एक पशु खरीदने की क्षमता का संकेत देता है। दूसरे शब्दों में, **जो वह ला सके** का मतलब है कि व्यक्ति जो भी पक्षी खरीदने में सक्षम है। यदि आपकी भाषा में एक समान मुहावरा है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। अन्यथा, यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। अध्याय 5 की प्रस्तावना में दरिद्रों के लिए बलिदानों की चर्चा देखें और 5:7 और 5:11 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया गया है, देखें। वैकल्पिक अनुवाद: [जो वह वहन कर सकते हैं]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 14:23 (#1)

וְהֵבִיא אֹתָם בַּיּוֹם הַשְּׁמִינִי

"और आठवें दिन वह इन सभी को" - "ले आए"

यहाँ, **वह** उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जिसे शुद्ध किया जाना है, और **इन सभी को** मेम्ना, मैदा के हिस्से, और पक्षियों को संदर्भित करता है जो अनुष्ठानिक शुद्धिकरण के लिए आवश्यक हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और आठवें दिन, जिसे शुद्ध किया जाना है वह व्यक्ति मेम्ना, आटे के हिस्से, तेल, और पक्षियों को लाए]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:23 (#2)

בַּיּוֹם הַשְּׁמִינִי

"आठवें दिन"

शब्द **आठवें** संख्या आठ का क्रमवाचक रूप है। यदि आपकी भाषा क्रमवाचक गिनती का उपयोग नहीं करती है, तो आप यहाँ एक मूल संख्या या समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। **आठवें दिन** उस दिन को संदर्भित करता है जो शुद्धिकरण की सप्ताह-लंबी अवधि के बाद आता है, जैसा कि 14:8 में उल्लेख किया गया है, जिसके दौरान व्यक्ति शिविर के बाहर रहता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उस सप्ताह-लंबी अवधि के बाद का दिन जब वह शिविर के बाहर रहता था]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 14:23 (#3)

לְטָהֳרָתוֹ

"शुद्ध ठहरने के लिये"

यहाँ, **शुद्ध ठहरने** के लिए सभी आवश्यक वस्तुओं और जानवरों को लाने का उद्देश्य है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो कि यह उद्देश्य है।

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 14:23 (#4)

אֶל־הַכֹּהֵן אֶל־פֶּתַח אֹהֶל־מוֹעֵד לִפְנֵי יְהוָה

“मिलापवाले तम्बू के द्वार पर, यहोवा के सम्मुख, याजक के पास ले आए;”

ये तीन वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा और तीसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को बल देते हैं, उसी विचार को अलग-अलग शब्दों में दोहराते हुए। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप वाक्यांशों को एक ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दिखाता है कि दूसरा और तीसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहे हैं, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उस याजक के लिए जो सभा के तम्बू के प्रवेश द्वार पर है, अर्थात् यहोवा के सामने]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 14:23 (#5)

“यहोवा के सम्मुख”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:3–5 में कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 14:24 (#1)

אֶת־כֶּבֶשׂ הָאָשָׁם

“दोषबलिवाले भेड़ के बच्चे को”

यह अभिव्यक्ति एक **भेड़ के बच्चे** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है, जिसे इस तथ्य से चिह्नित किया गया है कि उसे **दोषबलि** बनने के लिए चुना गया है। यदि आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो अपनी भाषा में स्वाभाविक निर्माण का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वह मेम्ना जिसे किसी ने दोष भेंट के रूप में अर्पित करने के लिए चुना है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 14:24 (#2)

וְהֵנִיף אֹתָם הַכֹּהֵן תְּנוּפָה לִפְנֵי יְהוָה

“तब याजक उस लोज भर तेल और दोषबलिवाले भेड़ के बच्चे को लेकर हिलाने की भेंट के लिये यहोवा के सामने हिलाए”

फिर से, यह अत्यधिक असंभावित है कि दोषबलि का जीवित **भेड़ के बच्चे** यहोवा की उपस्थिति में शारीरिक रूप से लहराया गया था। इसके बजाय, यह अभिव्यक्ति किसी शारीरिक गति का संकेत दे सकती है जो दिखाए कि यह (तेल के माप के साथ) उस प्रकार का बलिदान था जो एक हिलाने की भेंट के रूप में योग्य था। आपके पाठकों के लिए इसे एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक उन्हें यहोवा के सामने एक हिलाने की भेंट के रूप में प्रस्तुत करेंगे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 14:25 (#1)

וְשָׁחַטׇ אֶת־כֶּבֶשׂ הָאָשָׁם

“फिर दोषबलि के भेड़ के बच्चे का बलिदान किया जाए”

यहाँ, मूल भाषा में **वह** उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जिसे शुद्ध किया जाना है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और जिन्हें शुद्ध किया जाना है वे दोषबलि के मेम्ने का वध करेंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:25 (#2)

“और याजक उसके लहू में से कुछ लेकर शुद्ध ठहरनेवाले के दाहिने कान के सिरे पर, और उसके दाहिने हाथ और दाहिने पाँव के अँगूठों पर लगाए।”

देखें कि आपने 8:23–24 में समान अनुष्ठान क्रिया का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 14:25 (#3)

הַמִּטַּהֵר

“शुद्ध ठहरनेवाले के”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति जिसे याजक शुद्ध कर रहे हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:27 (#1)

“यहोवा के सम्मुख”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:9 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 14:28 (#1)

הַמִּטַּהֵרֹ

“शुद्ध ठहरनेवाले के”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति जिसे याजक शुद्ध कर रहे हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:29 (#1)

לְכַפֵּר עָלָיו

“प्रायश्चित करने को”

यहाँ, **प्रायश्चित** को लक्ष्य या उद्देश्य के रूप में चिह्नित करने के लिए **तेल** को **शुद्ध ठहरनेवाले** के सिर पर लगाने का निर्देश दिया गया है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि यह उद्देश्य है।

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 14:29 (#2)

“यहोवा के सामने”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का 1:9 में अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 14:31 (#1)

“जो पक्षी वह ला सका हो”

वैकल्पिक अनुवाद: [जो कुछ भी वे वहन कर सकते हैं]

लैव्यव्यवस्था 14:31 (#2)

“शुद्ध ठहरनेवाले के”

वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति जिसे याजक शुद्ध कर रहे हैं]

लैव्यव्यवस्था 14:31 (#3)

“यहोवा के सामने”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:3–5 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 14:32 (#1)

זֹאת תּוֹרַת אֲשֶׁר־בּוֹ נֶגַע צָרָעַת

“जिसे कोढ़ की व्याधि हुई हो” - “उसके लिये यही व्यवस्था है”

यह अभिव्यक्ति स्वामित्व रूप का उपयोग करती है **व्यवस्था** का वर्णन करने के लिए जो किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करता है जिनके पास **कोढ़ की व्याधि** है और जो आमतौर पर अनुष्ठानिक शुद्धिकरण के लिए आवश्यक तीन मेमनों का खर्च नहीं उठा सकते। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यह नियम व्यवस्था है उन लोगों के लिए जिनके पास त्वचा रोग का संक्रमण है] या [यह नियम व्यवस्था है जो उन लोगों से संबंधित है जिनके पास त्वचा रोग का संक्रमण है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 14:32 (#2)

“कोढ़ की व्याधि”

देखें कि आपने इन शब्दों का 13:2 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 14:32 (#3)

אֲשֶׁשָּׁר לֹא־תַשִּׂיג יָדוֹ בְּטָהֳרָתוֹ

“और उसके इतनी पूँजी न हो”

यह अभिव्यक्ति **और उसके इतनी पूँजी न हो** एक मुहावरा है जो उन लोगों को संदर्भित करता है जो अनुष्ठानिक शुद्धि के लिए आवश्यक तीन मेमनों को खरीदने का खर्च नहीं उठा सकते। यदि आपकी भाषा में कोई समान मुहावरा है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। अन्यथा, यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। अध्याय 5 की प्रस्तावना में दरिद्रों के लिए बलिदानों की चर्चा देखें और 5:11 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया गया है, देखें। वैकल्पिक अनुवाद: [जो अपनी शुद्धि के लिए आवश्यक तीन मेमनों का खर्च नहीं उठा सकते]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 14:32 (#4)

אֲשֶׁשָּׁר לֹא־תַשִּׂיג יָדוֹ בְּטָהֳרָתוֹ

“और उसके इतनी पूँजी न हो”

जैसे 5:7 में समान अभिव्यक्ति है, वाक्यांश **और उसके इतनी पूँजी न हो** एक मुहावरा है जो बलिदान के लिए किसी के साधारण पशु खरीदने में असमर्थ होने का संकेत देता है। यदि आपकी भाषा में एक समान मुहावरा है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। अन्यथा, यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जो शुद्धिकरण के लिए आवश्यक साधारण बलिदान का खर्च नहीं उठा सकते]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 14:32 (#5)

אֲשֶׁשָּׁר לֹא־תַשִּׂיג יָדוֹ בְּטָהֳרָתוֹ

“उसके इतनी पूँजी न हो”

वाक्यांश **उसके इतनी पूँजी न हो** हर उस व्यक्ति का वर्णन नहीं करती जिसे कोढ़ है। यह केवल उन लोगों का वर्णन करती है जो सामान्य तीन भेड़ों की भेंट का खर्च नहीं उठा सकते। वैकल्पिक अनुवाद: [जो शुद्धि के लिए आवश्यक भेंट प्रदान करने में सक्षम नहीं हैं]

देखें: सूचना देने बनाम याद दिलाने वाले शब्दों में अंतर करना

लैव्यव्यवस्था 14:32 (#6)

“वह शुद्ध ठहरने”

वैकल्पिक अनुवाद: [जिस माध्यम से वह स्वच्छ हो सकता है] या [जिस माध्यम से उसे स्वच्छ किया जा सकता है]

लैव्यव्यवस्था 14:34 (#1)

תָּבֹאוּ & לְכֶם & אֲחֻזַּתְכֶם

“तुम” - “देश में पहुँचो” - “तुम्हारी” - “तुम्हारी निज भूमि”

यहाँ, **तुम** और **तुम्हारी** बहुवचन हैं। ये इस्राएल के लोगों को संदर्भित करते हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 14:34 (#2)

נֶגַע צָרַעַת

“कोढ़ की व्याधि”

यहाँ, **कोढ़ की व्याधि** अभिव्यक्ति है, जबकि वही अभिव्यक्ति जो ऊपर संक्रामक त्वचा रोगों के लिए उपयोग की गई थी, संभवतः एक संक्रामक

प्रकार की फफूंदी या कवक को संदर्भित करती है। आपके पाठकों के लिए इसे एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [फफूंदी या कवक का संक्रमण]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 14:34 (#3)

נֶגַע צָרַעַת

"कोढ़ की व्याधि"

यह अभिव्यक्ति एक **व्याधि** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है, जो इस तथ्य से विशेषता है कि यह एक **कोढ़** का लक्षण है, संभवतः एक फफूंदी या फफूंद का उल्लेख करती है। यदि आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो अपनी भाषा में एक स्वाभाविक निर्माण का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [संक्रामक रोग] या [संक्रामक फफूंदी या फफूंद]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 14:34 (#4)

בְּבֵית אֶרֶץ אֲחֻזַּתְכֶם

"तुम्हारी निज भूमि होने के लिये" - "किसी घर में"

यह अभिव्यक्ति एक **घर** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है जो उस **निज भूमि** में है जिसे इस्राएली प्राप्त करेंगे, अर्थात् कनान की भूमि। यदि आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो अपनी भाषा में एक स्वाभाविक निर्माण का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक घर जो उस भूमि में है जिसे आप प्राप्त करेंगे]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 14:34 (#5)

אֶרֶץ אֲחֻזַּתְכֶם

"तुम्हारी निज भूमि होने के लिये"

यदि आपकी भाषा में **निज भूमि** शब्द के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक क्रियात्मक रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उस भूमि में जिसे आप अपने अधिकार में लेंगे]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 14:35 (#1)

"तो जिसका वह घर हो वह आकर"

वैकल्पिक अनुवाद: [फिर वह जो घर के मालिक हैं, आएंगे]

लैव्यव्यवस्था 14:35 (#2)

וְהִגִּיד לַכֹּהֵן לֵאמֹר כְּנֶגַע נִרְאָה לִי בַּבָּיִת

"वह आकर याजक को बता दे कि मुझे ऐसा देख पड़ता है कि घर में मानो कोई व्याधि है'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह याजक को सूचित करेंगे कि उनके घर में संक्रमण जैसा कुछ दिखाई दिया है]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 14:36 (#1)

וְצִוָּה הַכֹּהֵן

"तब याजक आज्ञा दे"

यह अभिव्यक्ति कुछ शब्दों को छोड़ देती है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यहाँ, **याजक** लोगों को यह बता रहे हैं कि फफूंदी या फफूंद से संक्रमित घर के बारे में क्या करना है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप वाक्य के पहले के भाग से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [याजक लोगों को आदेश देंगे कि उन्हें क्या करना चाहिए]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 14:36 (#2)

וּפִנּוּ אֶת־הַבַּיִת בְּטֶרֶם יָבֹא הַכֹּהֵן לִרְאֹות אֶת־הַנֶּגַע וְלֹא יִטְמָא כָּל־אֲשֶׁר בַּבָּיִת

"तब याजक" - "उस घर में व्याधि देखने के लिये मेरे जाने से पहले उसे खाली करो, कहीं ऐसा न हो कि जो कुछ घर में हो वह सब अशुद्ध ठहरे; और इसके बाद याजक घर देखने को भीतर जाए"

इसका अर्थ यह है कि जब तक घर के मालिक और निवासी याजक के आने और घर की फफूंदी की जांच करने की तैयारी में घर को पूरी तरह से खाली नहीं करते, याजक घर और उसमें मौजूद हर चीज (और, संभवतः, हर व्यक्ति) को अशुद्ध घोषित कर देंगे। आपके पाठकों के लिए इसे एक पाद टिप्पणी या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे खिड़कियाँ खोलकर और याजक के संक्रमण की जांच के लिए आने से पहले घर की वस्तुओं को खाली करके घर की तैयारी करेंगे। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो याजक घर में मौजूद हर चीज को अशुद्ध घोषित कर देंगे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 14:36 (#3)

וּפִנּוּ אֶת־הַבַּיִת

"घर" - "खाली करो,"

यहाँ मूल भाषा में, **वे** घर के निवासियों को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और घर के लोग द्वार खोलेंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:36 (#4)

וְלֹא יִטְמָא כָּל־אֲשֶׁר בַּבָּיִת

"कहीं ऐसा न हो कि जो कुछ घर में हो वह सब अशुद्ध ठहरे"

एक बार जब याजक ने **घर** को अशुद्ध घोषित कर दिया, तो घर में सब कुछ **अशुद्ध** हो गया। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप से किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [ताकि याजक को घर में चीजों और लोगों को अशुद्ध घोषित करने की आवश्यकता न हो]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:37 (#1)

שְׁקֲעֲרוּרֹתׁ יְרַקְרַקֹּת אוֹ אֲדַמְדַּמֹּת

“हरी-हरी या लाल-लाल मानो खुदी हुई लकीरों”

शब्द **लकीरों** संभवतः दीवार पर उन स्थानों को संदर्भित करता है जहाँ फफूंदी या फफूंद ने आक्रामक रूप से फैलकर रंग बदल दिया है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की फैलती हुई फफूंदी या फफूंद के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [यह हरे या लाल रंग की फफूंदी या फफूंद के धब्बे हैं]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 14:37 (#2)

וּמַרְאֵיהֶן שָׁפֵל מִן־הַקִּיר

“और ये लकीरें दीवार में गहरी देख पड़ती हों”

अभिव्यक्ति **ये लकीरें दीवार में गहरी देख पड़ती हों** का अर्थ है कि याजक को यह निर्धारित करना है कि फफूंदी या फफूंद सिर्फ़ दीवार की सतह के अलावा निर्माण वस्तुओं में ज़्यादा **गहरी देख पड़ती हों**। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे ऐसे दिखते हैं जैसे वे दीवार की सतह से गहरे हैं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 14:38 (#1)

וְהִסְגִּיר אֶת־הַבַּיִת שִׁבְעַת יָמִים

“घर से बाहर द्वार पर जाकर घर को सात दिन तक बन्द कर रखे”

जैसा कि उस व्यक्ति के मामले में था जिसके पास संक्रामक त्वचा रोग का संभावित लक्षण था, यह अभिव्यक्ति घर को एक अवधि के लिए संगरोधन (क्वारंटाइन) करने का उल्लेख करती है ताकि फफूंदी को स्वाभाविक रूप से बढ़ने दिया जा सके और एक दिशा या दूसरी दिशा में रोग-निदान को अधिक आसानी से किया जा सके। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह घर को सात दिनों के लिए बंद कर देंगे ताकि कोई अंदर या बाहर न जा सके]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 14:39 (#1)

בַּיּוֹם הַשְּׁבִיעִי

“और सातवें दिन”

शब्द **सातवें** संख्या सात का क्रमवाचक रूप है। यदि आपकी भाषा क्रमवाचक गिनती का उपयोग नहीं करती है, तो आप यहाँ एक मूल संख्या या एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उस सप्ताह की अवधि के अंतिम दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 14:40 (#1)

וְצִוָּה הַכֹּהֵן

“तो याजक आज्ञा दे”

यह अभिव्यक्ति कुछ शब्दों को छोड़ देती है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यहाँ, **याजक** लोगों को बता रहे हैं कि फफूंदी या काई से संक्रमित घर के साथ क्या करना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप वाक्य के पहले के हिस्से से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक लोगों को आदेश देंगे कि उन्हें क्या करना चाहिए]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 14:40 (#2)

וְחִלְּצוּ & וְהִשְׁלִיכוּ

“उन्हें निकालकर” - “उन्हें” - “फेंक दें”

यहाँ, **उन्हें** घर के निवासियों या मालिकों को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [घर के निवासी बाहर खींच लेंगे ... और वे डाल देंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:40 (#3)

“नगर से बाहर किसी अशुद्ध स्थान में”

वैकल्पिक अनुवाद: [शहर के बाहर की वह अशुद्ध जगह जहाँ लोग अशुद्ध वस्तुएं फेंकते हैं]

लैव्यव्यवस्था 14:40 (#4)

אֶל־מִחוּץ לָעִיר

“नगर से बाहर”

यहाँ, और जैसा कि 14:34 भी सुझाव देता है, शब्द **नगर** का समावेश यहोवा के उस भविष्य के समय की बात करता है जब इस्राएल के लोग जंगल में नहीं बल्कि शहरों में बसे होंगे, जैसा कि जब यहोवा ने ये शब्द मूसा से कहे थे। आपके पाठकों के लिए इसे एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [उस शहर के बाहर की जगह पर जहाँ आप एक दिन रहेंगे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 14:40 (#5)

לָעִיר

“नगर का”

यहाँ, **नगर** किसी विशेष शहर का उल्लेख नहीं करता है, बल्कि किसी भी शहर का उल्लेख करता है जिसमें कोई इस्राएली किसी दिन रह

सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी भी शहर का जिसमें आप किसी दिन रह सकते हैं]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 14:41 (#1)

"और वह घर के भीतर ही भीतर चारों ओर खुरचवाए"

वैकल्पिक अनुवाद: [और उसे उन सभी सामग्री को खुरच कर हटा देना चाहिए जो पत्थरों को एक साथ जोड़कर उसके घर की आंतरिक दीवारें बनाती थीं]

लैव्यव्यवस्था 14:41 (#2)

וְאֶת־הַבַּיִת יַקְצִעַ

"और वह घर के भीतर ही भीतर चारों ओर खुरचवाए"

यहाँ, **वह** याजक को संदर्भित करता है, हालाँकि याजक वह नहीं हैं जो घर को खुरचेंगे। पद का शेष भाग यह सुझाव देता है कि घर के निवासी दीवारों को खुरचेंगे। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक आदेश देंगे कि मालिक को घर खुरचना चाहिए]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:41 (#3)

וְשָׁפְכוּ אֶת־הֶעָפָר אֲשֶׁר הִקְצוּ

"और वह खुरचन की मिट्टी नगर से बाहर किसी अशुद्ध स्थान में डाली जाए"

यहाँ, **वह** घर के निवासियों को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और घर के निवासी उस पुताई को बाहर निकालेंगे जिसे वे खुरचते हैं]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:41 (#4)

אֶת־הֶעָפָר

"मिट्टी"

यह **मिट्टी** संभवतः एक मिट्टी या पुताई जैसी सामग्री को संदर्भित करता है जिसका उपयोग घर की दीवारों को ढकने के लिए किया जाता है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की निर्माण सामग्री के लिए कोई विशेष शब्द है, तो उसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [दीवार की पुताई]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 14:42 (#1)

וְלָקְחוּ & וְהֵבִיאוּ

"उन पत्थरों के स्थान में और दूसरे पत्थर लेकर लगाएँ"

यहाँ, मूल भाषा में सर्वनाम **वे** मालिक और घर के निवासी या किसी ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जिन्हें उन्होंने काम पर रखा है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और श्रमिक लेंगे ... और वे उन्हें लाएंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:42 (#2)

"उन पत्थरों के स्थान में और दूसरे पत्थर लेकर लगाएँ"

वैकल्पिक अनुवाद: [नए, साफ़ पत्थर ... प्लास्टरिंग के लिए ताज़ा सामग्री,]

लैव्यव्यवस्था 14:42 (#3)

"और दूसरे पत्थर लेकर लगाएँ"

वैकल्पिक अनुवाद: [और वे उन्हें वहीं डालेंगे जहाँ से संक्रमित पत्थरों को दीवार से हटाया गया था]

लैव्यव्यवस्था 14:44 (#1)

צָרַעַת מַמְאֶרֶת הִוָּא בַּבַּיִת

"यदि वह व्याधि घर में फैल गई हो"

देखें कि आपने 13:51 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [संक्रमण वास्तव में इस बात का संकेत है कि घर में एक संक्रामक और संभावित रूप से घातक फफूंदी या फफूंद है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 14:45 (#1)

וְנָתַץ אֶת־הַבַּיִת

"वह " - "घर को खुदवाकर गिरा दे"

यहाँ, **वह** या तो: 1) घर के मालिक को। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर घर के मालिक घर को गिरा देंगे] या 2) याजक को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर याजक घर को गिरा देंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:45 (#2)

וְהוֹצִיא

"और उन सब वस्तुओं को" - "बाहर"

यहाँ, **उन** का उल्लेख घर के उन सभी हिस्सों से है जिनका इस पद में पहले उल्लेख किया गया था, जिसमें घर के **पत्थर**, **लकड़ी**, और **मिट्टी** शामिल हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे घर के पत्थर, लकड़ी, और मिट्टी को बाहर निकाल देंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:46 (#1)

וְהַבָּא אֶל־הַבַּיִת

"यदि कोई उसमें जाए"

यह अभिव्यक्ति घर में आने वाले किसी भी आम इंसान को दिखाती है, किसी एक खास इंसान को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो,

तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी व्यक्ति जो घर में प्रवेश करता है]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 14:46 (#2)

"और जब तक वह घर बन्द रहे तब तक"

वैकल्पिक अनुवाद: [उस समय के दौरान जब याजक ने घर को बंद कर रखा है]

लैव्यव्यवस्था 14:47 (#1)

וְהַשֹּׁכֵב בַּבַּיִת

"और जो कोई उस घर में सोए"

यह अभिव्यक्ति आम तौर पर संगरोधित (क्वारंटाइन) किए गए घर में रहने वाले किसी भी व्यक्ति को दिखाती है, किसी एक खास व्यक्ति को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी व्यक्ति जो घर में रहता है]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 14:47 (#2)

וְהָאֹכֵל בַּבַּיִת

"और जो कोई उस घर में खाना खाए"

यह अभिव्यक्ति घर में खाने वाले किसी भी आम इंसान को दिखाती है, किसी एक खास इंसान को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी व्यक्ति जो घर में भोजन करता है]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 14:48 (#1)

וְאִם־בֹּבֹא יָבֹא הַכֹּהֵן

"पर यदि याजक आकर"

यह अभिव्यक्ति उस विचार को प्रबल करने के लिए क्रिया **आकर** को दोहराती है जिसे यह व्यक्त करती है। यदि आपकी भाषा में शब्दों को प्रबलता के लिए दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन यदि याजक कभी आते हैं" या "लेकिन जब याजक आते हैं]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 14:48 (#2)

כִּי נִרְפְּאָ הַנָּגַע

"वह व्याधि दूर हो गई है"

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति **"क्योंकि व्याधि ठीक हो गया था"** का उपयोग किया गया है पर हिंदी में **"वह व्याधि दूर हो गई है"** का प्रयोग हुआ है। मूल भाषा में **क्योंकि** के रूप में अनुवादित शब्द यह इंगित करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद, एक अवधि से पहले: [घर को स्वच्छ घोषित किया जाना चाहिए, क्योंकि संक्रमण ठीक हो गया था।]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 14:48 (#3)

נִרְפְּאָ הַנָּגַע

"व्याधि दूर हो गई है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मालिक ने घर से संक्रमण को सफलतापूर्वक हटा दिया है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:49 (#1)

וְלָקַח

"और उस घर को पवित्र करने के लिये दो पक्षी"

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति **"और वह ले जाएगा"** का उपयोग किया गया है, और यहाँ **वह** याजक को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक लेंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:49 (#2)

"देवदार की लकड़ी, लाल रंग का कपड़ा और जूफा लाए"

देखें कि आपने इन शब्दों का अनुवाद 14:4 में किस प्रकार किया है।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 14:49 (#3)

לְחַטֵּא אֶת־הַבָּיִת

"घर को पवित्र करने के लिये"

यहाँ, **को** चिह्न याजकों द्वारा इन वस्तुओं का उपयोग करने के उद्देश्य या लक्ष्य के रूप में **घर को** सफाई को दर्शाता है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि यह उद्देश्य है।

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 14:51 (#1)

וְלָקַח

"तब वह" - "इन सभी को लेकर"

यहाँ, **वह** याजक को संदर्भित करता है, न कि उस घर के मालिक को जिसे शुद्ध किया जा रहा है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक लेंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:51 (#2)

בְּדַמֹּ֣ הַצִּפֹּ֗ר הַשְּׁחוּטָ֤ה

“पक्षी के लहू में और बहते हुए जल में डुबा दे”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उस पक्षी के लहू में जिसे घर के मालिक ने बलि दी]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 14:51 (#3)

“और बहते हुए जल”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 14:5 में किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 14:52 (#1)

“और बहते हुए जल”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 14:5 में किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 14:52 (#2)

“और जीवित पक्षी, और देवदार की लकड़ी, और जूफा और लाल रंग के कपड़े”

देखें कि आपने इन शब्दों का अनुवाद 14:4 में किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 14:53 (#1)

וְשִׁלַּ֣ח אֶת־הַצִּפֹּ֣ר הַחַיָּ֔ה

यहाँ, **वह** याजक की बात कर रहे हैं, न कि उस घर के मालिक की जिसे साफ़ किया जा रहा है। आपके पढ़ने वालों के लिए इसे साफ़ करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक जीवित पक्षी को भेजेंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 14:53 (#2)

“बाहर मैदान में”

देखें कि आपने 14:7 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 14:53 (#3)

וְכִפֶּ֥ר עַל־הַבַּ֖יִת

“वह घर के लिये प्रायश्चित करे”

देखें कि आपने **प्रायश्चित** जैसे भाववाचक संज्ञा का 1:4 में कैसे अनुवाद किया। हालाँकि, यहाँ सुनिश्चित करें कि आपके अनुवाद से यह स्पष्ट हो कि घर किसी भी पाप के कारण प्रायश्चित नहीं किया जा रहा है जो उसमें रहने वाले किसी व्यक्ति द्वारा किया गया हो। इस मामले में, **प्रायश्चित** अशुद्धता को दूर करता है जो पाप के कारण नहीं बल्कि संक्रमण और अशुद्धता के कारण होती है। यह आपके पाठकों के लिए एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 14:54 (#1)

זֹ֣את הַתּוֹרָ֗ה לְכָל־נֶ֙גַע֙ הַצָּרַ֔עַת

“सब भाँति के कोढ़ की व्याधि”

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति “यह हर कोढ़ की व्याधि या बीमारी का व्यवस्था है” का उपयोग किया गया है, यह अभिव्यक्ति स्वामित्व रूप का उपयोग करती है **व्यवस्था** का वर्णन करने के लिए जो किसी भी परिदृश्य के लिए शुद्धिकरण की प्रक्रिया का उल्लेख करके विशेषता रखता है जैसा कि 14:54–57 में वर्णित है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यह वह कानून है जो त्वचा रोग के हर संक्रमण से संबंधित है] या [यह वह कानून है जो त्वचा रोग के हर संक्रमण से जुड़ा है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 14:54 (#2)

“और सेंहुएँ”

देखें कि आपने इस त्वचा की स्थिति का अनुवाद 13:30 पर कैसे किया है।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 14:56 (#1)

“और सूजन”

देखें कि आपने इस त्वचा की स्थिति का अनुवाद 13:2 में कैसे किया है।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 14:56 (#2)

“और पपड़ी”

देखें कि आपने इस त्वचा की स्थिति का अनुवाद 13:6 में किस प्रकार किया है।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 14:57 (#1)

לְהוֹרֹ֣ת

“शिक्षा देने की”

यहाँ, **देने की** का मतलब है कि **व्यवस्था** के लक्ष्य या मकसद के तौर पर **अशुद्ध** और शुद्ध को पहचानना सिखाया जाए। अपनी भाषा में ऐसा

संयोजक शब्द इस्तेमाल करें जिससे यह साफ़ हो जाए कि यही उद्देश्य है।

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 14:57 (#2)

בְּיִוֹם הַטָּמֵא וּבְיִוֹם הַטָּהֹר

“शुद्ध और अशुद्ध ठहराने की शिक्षा देने की “

यदि आपकी भाषा में **शुद्ध** और **अशुद्ध** शब्दों के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक क्रियात्मक रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब कोई व्यक्ति अशुद्ध होता है या जब कोई व्यक्ति स्वच्छ होता है]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 14:57 (#3)

בְּיִוֹם הַטָּמֵא וּבְיִוֹם הַטָּהֹר

“शुद्ध और अशुद्ध ठहराने की शिक्षा देने की व्यवस्था यही है”

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति “अशुद्धता के दिन या शुद्धता के दिन” का उपयोग किया गया है, यहाँ मूल भाषा में **दिन** शब्द उस समय को संदर्भित करता है जब कुछ अशुद्ध या स्वच्छ माना जा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब कोई व्यक्ति या वस्तु अशुद्ध या स्वच्छ मानी जाती है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 14:57 (#4)

זֹאת תּוֹרַת הַצָּרַעַת

“कोढ़ की व्यवस्था”

यह अभिव्यक्ति स्वामित्व रूप का उपयोग करती है **व्यवस्था** का वर्णन करने के लिए जो 14:54–57 में वर्णित त्वचा रोगों की विस्तृत विविधता का उल्लेख करके विशेषता रखता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यह वह कानून है जो त्वचा रोगों से संबंधित है] या [यह वह कानून है जो त्वचा रोगों से संबंधित है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 15:1 (#1)

לֵאמֹר

“कहा”

कहा के रूप में अनुवादित शब्द एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, उन तरीकों पर विचार करें जिनसे आप इस उद्धरण को अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उन्होंने उनसे कहा]

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 15:1–2 (#1)

לֵאמֹר: דַּבְּרוּ אֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וַאֲמַרְתֶּם אֲלֵהֶם

“कहा,“इस्राएलियों से कहो कि जिस-जिस पुरुष के प्रमेह हो,”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, इससे पहले एक पूर्ण विराम के साथ: [उन्होंने मूसा और हारून से इस्राएल के पुत्रों से बात करने और उनसे यह कहने के लिए कहा]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 15:2 (#1)

דַּבְּרוּ אֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וַאֲמַרְתֶּם אֲלֵהֶם

“इस्राएलियों से कहो कि जिस-जिस पुरुष के प्रमेह हो”

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पुनरावृत्ति इस बात पर जोर देती है कि मूसा और हारून को इस्राएल के लोगों को निम्नलिखित भाषण देना है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [सुनिश्चित करें कि आप इस्राएल के पुत्रों से कहें]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 15:2 (#2)

“इस्राएलियों”

देखें कि आपने इस रूपक का अनुवाद 1:2 में कैसे किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 15:2 (#3)

וַאֲמַרְתֶּם

“इस्राएलियों से कहो”

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति **“और तुम कहोगे”** का उपयोग किया गया, यहाँ मूल भाषा में **तुम** शब्द बहुवचन है। यह शब्द मूसा और हारून को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 15:2 (#4)

אִישׁ אִישׁ

“जिस-जिस पुरुष”

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति **“एक पुरुष, एक पुरुष”** का उपयोग किया गया है, पर हिंदी में **“जिस-जिस पुरुष”** का प्रयोग हुआ है। मूल भाषा में शब्दों पर जोर देने के लिए उन्हें दोहराया जा रहा है। विशेष रूप से, यहाँ **पुरुष** का उल्लेख किसी भी पुरुष के लिए किया गया है। यदि आपकी भाषा में इसी प्रकार से शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो ऐसा करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी पुरुष]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 15:2

מִבְּשָׂרוֹ

“जिस-जिस पुरुष के प्रमेह हो”

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति **“उसके शरीर से”** का उपयोग किया गया है, और यह शब्द **शरीर** एक पुरुष के जननांगों का सम्मानजनक तरीका है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे अपनी भाषा में सम्मानजनक तरीके से संदर्भित कर सकते हैं, या आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके यौन अंग से]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 15:3 (#1)

וְזֹאת תִּהְיֶה טֻמְאָתוֹ & טֻמְאָתוֹ הֽוּא

“वह चाहे बहता रहे, चाहे बहना बन्द भी हो, तो भी उसकी अशुद्धता बनी रहेगी”

यदि आपकी भाषा में **अशुद्धता** शब्द के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक क्रियात्मक रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यही उसे अशुद्ध करता है ... यह उसे अशुद्ध करता है]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 15:3 (#2)

“वह चाहे बहता रहे”

वैकल्पिक अनुवाद: [क्या स्राव उसके मांस से टपकता है]

लैव्यव्यवस्था 15:3 (#3)

“चाहे बहना बन्द भी हो”

वैकल्पिक अनुवाद: [या स्राव पुरुष के शरीर में रुक जाता है]

लैव्यव्यवस्था 15:4 (#1)

“प्रमेह”

वैकल्पिक अनुवाद: [प्रवाह वाला आदमी] या [प्रचुर के साथ आदमी]

लैव्यव्यवस्था 15:5 (#1)

“और जो कोई उसके बिछौने को छूए वह अपने वस्त्रों को धोकर जल से स्नान करे”

देखें कि आपने इस अनुष्ठानिक क्रिया को 14:8 में कैसे संपन्न किया।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 15:5 (#2)

וְאִאִ֣ישׁ

“और जो कोई”

हालाँकि मूल भाषा में पुल्लिंग शब्द **पुरुष** इस्तेमाल किया गया है, आईआरवी में इसका अनुवाद एक सामान्य अर्थ में किया जा रहा है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी व्यक्ति]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 15:5 (#3)

וְרָחַץ בַּמַּ֖יִם

“वह” - “जल से स्नान करे”

यह लग सकता है कि अभिव्यक्ति **वह जल से स्नान करे** में अतिरिक्त जानकारी है जो आपकी भाषा में व्यक्त करना अस्वाभाविक होगा। यदि ऐसा है, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:9 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह अच्छी तरह से धोएंगे]

देखें: सूचना को अंतर्निहित कब रखें

लैव्यव्यवस्था 15:6 (#1)

וְהַיֹּשֵׁב֙ עַל־הַכְּלִ֔י

“और जिसके प्रमेह हो और वह जिस वस्तु पर बैठा हो”

यह अभिव्यक्ति किसी भी व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती है जो उस **वस्तु** पर **बैठा** है जिस पर स्राव वाला पुरुष बैठा है, न कि किसी विशेष व्यक्ति का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी व्यक्ति जो फर्नीचर पर बैठता है]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 15:6 (#2)

“वह अपने वस्त्रों को धोकर जल से स्नान करे”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का 1:9 में अनुवाद कैसे किया है।

देखें: सूचना को अंतर्निहित कब रखें

लैव्यव्यवस्था 15:7 (#1)

וְהַנֹּגֵ֗עַ בִּבְשַׂ֤ר הַזָּב֙

“और जिसके प्रमेह हो उससे जो कोई छू जाए”

यहाँ, मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति **“और जो व्यक्ति बहते हुए शारीर को छूता है”** के रूप में प्रकट किया गया है, जहाँ शब्द **शारीर** संभवतः विशेष रूप से जननांगों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है, बल्कि स्राव वाले व्यक्ति के शरीर को समग्र रूप से दर्शाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह व्यक्ति जो बहते हुए आदमी के शरीर के किसी भी हिस्से को छूता है]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 15:7 (#2)

וְהַנֹּגֵ֗עַ בִּבְשַׂ֤ר

“और जिसके प्रमेह हो उससे जो कोई छू जाए”

यह अभिव्यक्ति किसी भी व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती है जो **पुरुष** के **शरीर** को प्रमेह के साथ **छू जाए**, न कि किसी विशेष व्यक्ति को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी व्यक्ति जो माँस को छूता है]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 15:7 (#3)

"वह अपने वस्त्रों को धोकर जल से स्नान करे"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:9 में किस प्रकार किया है।

देखें: सूचना को अंतर्निहित कब रखें

लैव्यव्यवस्था 15:8 (#1)

"वह अपने वस्त्रों को धोकर जल से स्नान करे"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:9 में किस प्रकार किया है।

देखें: सूचना को अंतर्निहित कब रखें

लेवीव्यवस्था 15:9 (#1)

וְכָל־הַמֶּרְכָּב אֲשֶׁר יִרְכַּב עָלָיו הַזָּב

"और जिसके प्रमेह हो वह सवारी की जिस वस्तु पर बैठे वह अशुद्ध ठहरे"

शब्दों पर जोर देने के लिए उन्हें दोहराया जा रहा है। विशेष रूप से, अभिव्यक्ति **सवारी की जिस वस्तु** एक संज्ञा का अनुवाद करती है जो क्रिया **बैठे** से संबंधित है। यदि आपकी भाषा में इसी प्रकार से शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो यहाँ ऐसा करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी रथ या सवारी की सीट जिस पर वह पुरुष बैठा है जिसके पास प्रवाह है]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 15:9 (#2)

וְכָל־הַמֶּרְכָּב

"सवारी की जिस वस्तु"

अभिव्यक्ति **सवारी की जिस वस्तु** का अर्थ होगा कुछ भी जो घोड़े या गधे की पीठ पर रखा जाता है जिस पर कोई व्यक्ति सवारी कर सकता है। इसमें काठी, कपड़े, कंबल और इस प्रकार की वस्तुएं शामिल हैं। इसमें रथ या सवारी की सीट भी शामिल हो सकती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और कुछ भी जो पशु पर सवारी करने के लिए या वाहन में यात्रा करने के लिए उपयोग किया जा सकता है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 15:10 (#1)

בְּכֹלֹ אֲשֶׁר יִהְיֶה תַחְתָּיו

"और जो कोई किसी वस्तु को जो उसके नीचे रही हो"

यह अभिव्यक्ति उस "सवारी के वस्तु" को संदर्भित करती है जो पिछले पद में वर्णित किया गया था। इसलिए इस अभिव्यक्ति में **उसके** शब्द उस पुरुष को संदर्भित करता है जिसे स्राव है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी चीज जिस पर स्राव वाला पुरुष पशु या वाहन पर सवारी करने के लिए बैठा था]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 15:10 (#2)

וְהַנּוֹשֵׂא אוֹתָם

"जो कोई ऐसी किसी वस्तु को उठाए"

यह अभिव्यक्ति किसी भी व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती है जो उस वस्तु को **उठाए** जिस पर स्राव वाला पुरुष बैठे थे; यह किसी विशेष व्यक्ति का उल्लेख नहीं करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और जो कोई उन्हें उठाते हैं]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 15:11 (#1)

"और जिसके प्रमेह हो वह जिस किसी को बिना हाथ धोए छूए"

वैकल्पिक अनुवाद: [और जिसे भी संक्रमित प्रवाह वाला व्यक्ति छूते हैं]

लैव्यव्यवस्था 15:12 (#1)

וּכְלִי־חֶרֶשׂ אֲשֶׁר־יִגַּע־בּוֹ הַזָּב יִשָּׁבֵר

"और जिसके प्रमेह हो वह मिट्टी के जिस किसी पात्र को छूए वह तोड़ डाला जाए"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और जो कोई भी मिट्टी के बर्तन का मालिक है जिसे बहने वाला आदमी छूता है वह उसे तोड़ देगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 15:12 (#2)

וּכְלִי־חֶרֶשׂ

"वह मिट्टी के जिस किसी पात्र"

अभिव्यक्ति **मिट्टी के पात्र** एक बरतन को वर्णित करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है जो **मिट्टी** से बना होता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक विशेषण का उपयोग कर सकते हैं यह दिखाने के लिए कि एक संज्ञा दूसरे का वर्णन करती है। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक मिट्टी का बरतन]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 15:12 (#3)

וְכָל־כְּלִי־עֵץ יִשָּׁטֵף בַּמָּיִם

"और काठ के सब प्रकार के पात्र जल से धोए जाएँ"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और हर लकड़ी के बरतन को पानी से धोना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 15:12 (#4)

וְכָל־כְּלִי־עֵץ יִשָּׁטֵף בַּמָּיִם

“और काठ के सब प्रकार के पात्र जल से धोए जाएँ”

यह अभिव्यक्ति अतिरिक्त जानकारी रखती है, जो कुछ भाषाओं में अस्वाभाविक हो सकती है। यदि यह आपकी भाषा के लिए सही है, तो आप अभिव्यक्ति को संक्षिप्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 7:17 में इसी तरह की अभिव्यक्ति को कैसे व्यक्त किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और जिसके पास लकड़ी का मर्तबान है, उसे अच्छी तरह से धोएं]

देखें: सूचना को अंतर्निहित कब रखें

लैव्यव्यवस्था 15:12 (#5)

וְכָל־כְּלִי־עֵץ

“और काठ के सब प्रकार के पात्र”

अभिव्यक्ति **काठ के सब प्रकार के पात्र** संभवतः एक उपकरण है, न कि एक **पात्र**। इसके अतिरिक्त, यहाँ अभिव्यक्ति किसी भी लकड़ी के उपकरण को संदर्भित करती है जो **प्रमेह** के संपर्क में आती है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के उपकरण से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और हर लकड़ी का उपकरण जिसे व्यक्ति जो बहाव में है, छूता है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 15:13 (#1)

“फिर जिसके प्रमेह हो वह जब अपने रोग से चंगा हो जाए”

वैकल्पिक अनुवाद: [और जब वह पुरुष, जिसके प्रमेह था, अपनी बिमारी से उबर जाता है और अब संक्रमित नहीं होता है]

लैव्यव्यवस्था 15:13 (#2)

“तब से शुद्ध ठहरने के सात दिन गिन ले”

वैकल्पिक अनुवाद: [फिर वे सात दिनों की अवधि निर्धारित करेंगे]

लैव्यव्यवस्था 15:13 (#3)

לְטָהֳרָתוֹ

“शुद्ध ठहरने के”

यहाँ, **सात दिन** की गिनती का उद्देश्य या लक्ष्य **शुद्ध ठहरने के** लिए है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि यह उद्देश्य है।

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 15:13 (#4)

“अपने वस्त्रों को धोकर बहते हुए जल से (अपने शरीर को) स्नान करे”

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति “**अपने शरीर को**” का उपयोग किया गया है, देखें कि आपने 15:2 में इस सम्मानजनक भाषा को कैसे व्यक्त किया।

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 15:13 (#5)

“बहते हुए जल से”

देखें कि आपने इस मुहावरे का अनुवाद 14:5 में किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 15:14 (#1)

וּבַיּוֹם הַשְּׁמִינִי

“और आठवें दिन”

शब्द **आठवें** संख्या आठ का क्रमवाचक रूप है। यदि आपकी भाषा क्रमवाचक गिनती का उपयोग नहीं करती है, तो आप यहाँ` एक मूल संख्या या एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और अगले दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 15:14 (#2)

“कबूतरी के दो बच्चे”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:14 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 15:14 (#3)

“यहोवा के सम्मुख”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:9 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 15:15 (#1)

“तब याजक उनमें से एक को”

वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक उन्हें तैयार करेंगे]

लैव्यव्यवस्था 15:15 (#2)

וְעָשָׂה אֹתָם הַכֹּהֵן

“तब याजक उनमें से एक को”

यहाँ, **उनमें** संदर्भ पिछले पद में वर्णित दो पक्षियों से है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक दो पक्षियों को तैयार करेंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 15:15 (#3)

וְכִפֶּֽר עָלָיו הַכֹּהֵן

“और याजक उसके लिये” - “प्रायश्चित करे”

देखें कि आपने **प्रायश्चित** जैसे भाववाचक संज्ञा का 1:4 में कैसे अनुवाद किया। हालाँकि, यहाँ और इस अध्याय में हर जगह, सुनिश्चित करें कि आपका अनुवाद स्पष्ट करता है कि पुरुष का प्रायश्चित किसी भी पाप के कारण नहीं किया जा रहा है। इस मामले में, **प्रायश्चित** अशुद्धता को हटाता है जो पाप के कारण नहीं बल्कि संक्रमण और अशुद्धता के कारण होती है। आपके पाठकों के लिए इसे एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 15:15 (#4)

“यहोवा के सम्मुख”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:9 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 15:16 (#1)

וְאִֽישׁ כִּי

“फिर यदि किसी पुरुष का”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 13:2 में कैसे किया। इस वाक्यांश पर चर्चा लैव्यव्यवस्था की प्रस्तावना में भी देखें।

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 15:16 (#2)

“फिर यदि किसी पुरुष का वीर्य स्खलित हो जाए”

वैकल्पिक अनुवाद: [जब वे स्खलन का अनुभव करते हैं]

लैव्यव्यवस्था 15:16 (#3)

אֶת־כָּל־בְּשָׂרוֹ

“वह अपने सारे शरीर को”

अन्यत्र, शब्द **शरीर** आमतौर पर विशेष रूप से किसी व्यक्ति के जननांगों को संदर्भित करता है, लेकिन यहाँ अभिव्यक्ति **अपने सारे शरीर** एक पुरुष के पूरे शरीर को संदर्भित करती है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [उसका पूरा शरीर]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 15:17 (#1)

וְכֻבַּס בַּמַּיִם

“वह जल से धोया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वस्तु का स्वामी इसे पानी से धोएगा] या [और कोई इसे पानी से धोएगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 15:18 (#1)

וְאִשָּׁה אֲשֶׁר יִשְׁכַּב אִֽישׁ אֹתָהּ

“और जब कोई पुरुष स्त्री से प्रसंग करे”

यह अभिव्यक्ति एक पुरुष और एक महिला के बीच यौन संबंधों का शिष्ट तरीके से संदर्भ देती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा में इसका शिष्ट तरीके से उल्लेख कर सकते हैं, या आप इसे सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि एक पुरुष और महिला के बीच यौन संबंध होते हैं]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 15:18 (#2)

“प्रसंग करे”

वैकल्पिक अनुवाद: [और पुरुष का स्खलन होता है]

लैव्यव्यवस्था 15:18 (#3)

“तो वे दोनों जल से स्नान करें”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:9 में कैसे किया है।

देखें: सूचना को अंतर्निहित कब रखें

लैव्यव्यवस्था 15:19 (#1)

בִּבְשָׂרָהּ

“फिर जब कोई स्त्री ऋतुमती रहे”

मूल भाषा अंग्रेजी में अभिव्यक्ति **“उसके शरीर में”** का उपयोग किया गया है , और यहाँ, शब्द **शरीर** एक महिला के जननांगों का शिष्ट तरीके से उल्लेख करने का तरीका है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा में इसका शिष्ट तरीका उपयोग कर सकते हैं, या आप इसे सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके जननांगों में]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 15:19 (#2)

שִׁבְעַת יָמִים תִּהְיֶה בְנִדָּתָהּ

“ऋतुमती रहे, तो वह सात दिन तक”

यह अभिव्यक्ति यह संकेत देती है कि जब एक महिला मासिक धर्म शुरू करती है, तो उसे सात दिनों के लिए अशुद्ध माना जाएगा। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह अपने मासिक धर्म के कारण अशुद्ध मानी जाएगी]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 15:19 (#3)

תִּהְיֶה בְנִדָּתָהּ

“जब कोई स्त्री ऋतुमती रहे”

शब्द **ऋतुमती** उस समय को संदर्भित करता है जब एक महिला के गर्भाशय की परत से रक्तस्राव होता है। यदि आपके पाठक इस शब्द से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले शब्द या उपमा का उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह महिलाओं के समय में है] या [यह उनका मासिक चक्र है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 15:23 (#1)

וְאִאֵם עַל־הַמִּשְׁכָּב הוּא אוֹ עַל־הַכְּלִי אֲשֶׁר־הִוא יֹשֶׁבֶת־עָלָיו

“और यदि बिछौने या और किसी वस्तु पर जिस पर वह बैठी हो”

यहाँ, **यह** किसी भी वस्तु को संदर्भित करता है जो **बिछौने या और किसी वस्तु** के टुकड़े पर रखी जा सकती है, जिस पर मासिक धर्म वाली महिला बैठी हों या लेटी हों। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन अगर कोई वस्तु बिछौना या उस फर्नीचर पर रखी जाती है जिस पर वे बैठी हैं]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 15:24 (#1)

וְאִאֵם שָׁכַב יִשְׁכַּב אִישׁ אֹתָהּ

“और यदि कोई पुरुष उससे प्रसंग करे”

यह अभिव्यक्ति एक पुरुष और एक महिला के बीच यौन संबंधों का शिष्टाचारपूर्ण संदर्भ है जब वह मासिक धर्म में होती हैं। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप अपनी भाषा में इसका शिष्ट संदर्भ उपयोग कर सकते हैं, या आप इसे सीधे रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि एक पुरुष उनके साथ यौन संबंध बनाता है]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 15:24 (#2)

וְאִאֵם שָׁכַב יִשְׁכַּב אִישׁ אֹתָהּ

“और यदि कोई पुरुष उससे प्रसंग करे”

यह अभिव्यक्ति उस विचार को प्रबल करने के लिए क्रिया **प्रसंग करे** को दोहराती है जिसे यह व्यक्त करती है। यदि आपकी भाषा में प्रबलता के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई अन्य तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और निश्चित रूप से, यदि कोई पुरुष उसके साथ सोता है]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 15:24 (#3)

וּתְהִי נִדָּתָהּ עָלָיו

“और उसका रुधिर उसके लग जाए”

यहाँ, **उसका रुधिर** एक महिला के मासिक लहू का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप से स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसका मासिक प्रवाह उस पर है]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 15:25 (#1)

כִּי־יָזוּב זוֹב דָּמָהּ

“फिर यदि किसी स्त्री के” - “रुधिर बहता रहे”

शब्दों को जोर देने के लिए दोहराया जा रहा है। विशेष रूप से, शब्द **रुधिर** एक संज्ञा का अनुवाद करता है जो क्रिया **बहता** से संबंधित है। यदि आपकी भाषा में इसी तरह से शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो यहाँ ऐसा करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जब उनका लहू निश्चित रूप से बहता है]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 15:25 (#2)

“उस नियुक्त समय से अधिक समय तक ऋतुमती रहे”

वैकल्पिक अनुवाद: [जब वह अपनी जननांगों से अपेक्षित समय से अधिक अवधि तक रक्तस्राव करती रहती हैं]

लैव्यव्यवस्था 15:25 (#3)

כָּל־יְמֵי זֹב טֻמְאָתָהּ

“तो जब तक वह ऐसी दशा में रहे तब तक वह अशुद्ध ठहरी रहे”

यहाँ, **नियुक्त समय** का उपयोग **दिनों** का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो महिला के अशुद्ध **रुधिर** की उपस्थिति से विशेषता रखते हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब तक वह रक्तस्राव कर रही हैं और अशुद्ध हैं, यह]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 15:25 (#4)

כִּימֵי נִדָּתָהּ

“अपने मासिक धर्म के नियुक्त समय”

यह अभिव्यक्ति **नियुक्त समय** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है जो महिला के **मासिक धर्म** की उपस्थिति से विशेषता रखते हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसे वह अवधि जब वह सामान्य रूप से मासिक धर्म करती हैं]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 15:26 (#1)

“उसके ऋतुमती रहने के सब दिनों में जिस-जिस बिछौने पर वह लेटे वे सब उसके मासिक धर्म के बिछौने के समान ठहरें”

वैकल्पिक अनुवाद: [हर बिस्तर जिस पर वह अपने प्रवाह के सभी दिनों में लेटती हैं, उसे अपवित्र माना जाना चाहिए, जैसे उनके मासिक धर्म का बिस्तर]

लैव्यव्यवस्था 15:26 (#2)

כָּל־יְמֵי זוֹבָהּ

“ऋतुमती रहने के सब दिनों”

यह अभिव्यक्ति महिला के अशुद्ध **ऋतुमती** रहने के **दिनों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब वह असामान्य जननांग रक्तस्राव का अनुभव कर रही हों]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 15:26 (#3)

כְּמִשְׁכַּב נִדָּתָהּ

“उसके मासिक धर्म के बिछौने के समान”

यह अभिव्यक्ति **बिछौने** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है, जो महिला के **मासिक धर्म** के दौरान उपयोग के लिए विशेष होता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसे वह बिछौना जिस पर वह सामान्य रूप से मासिक धर्म के दौरान लेटती हैं]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 15:26 (#4)

כְּטֻמְאַת נִדָּתָהּ

“ऋतुमती रहने के दिनों के समान अशुद्ध”

यह अभिव्यक्ति महिला के **मासिक धर्म** से उत्पन्न **अशुद्धता** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसे मासिक धर्म के कारण उसे होने वाली अशुद्धता]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 15:28 (#1)

וְאִם־טָהֲרָה מִזּוֹבָהּ

“और जब वह स्त्री अपने ऋतुमती से शुद्ध हो जाए”

लेखक इसे एक काल्पनिक स्थिति के रूप में प्रस्तुत कर रहा हैं और वर्णन कर रहा हैं कि क्या होना चाहिए यदि यह स्थिति, कि **वह स्त्री अपने ऋतुमती से शुद्ध हो जाए**। अपनी भाषा में एक ऐसी स्थिति को प्रस्तुत करने के लिए स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जो हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: [मान लीजिए कि वह महिला जो असामान्य जननांग रक्तस्राव का अनुभव कर रही थीं, अपने लहू के प्रवाह से शुद्ध हो जाती हैं]

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 15:28 (#2)

“तब से वह सात दिन गिन ले”

वैकल्पिक अनुवाद: [फिर वे सात दिनों की अवधि निर्धारित करेंगे]

लैव्यव्यवस्था 15:29 (#1)

וּבַיּוֹם הַשְּׁמִינִי

“फिर आठवें दिन”

शब्द **आठवें** संख्या आठ का क्रमवाचक रूप है। यदि आपकी भाषा क्रमवाचक गिनती का उपयोग नहीं करती है, तो आप यहाँ एक मूल संख्या या एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और अगले दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 15:29 (#2)

“कबूतरी के दो बच्चे”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:14 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 15:30 (#1)

וְכִפֶּר עָלֶיהָ הַכֹּהֵן

“तब याजक एक को” - “प्रायश्चित करे”

देखें कि आपने **प्रायश्चित** जैसे भाववाचक संज्ञा को 1:4 में कैसे संभाला। हालाँकि, अपने अनुवाद में इस बात का ध्यान रखें कि यह विचार न पहुँचे कि महिला ने पाप किया है और इसलिए उन्हें प्रायश्चित की आवश्यकता है। यहाँ, प्रायश्चित महिला से उस अशुद्धि को हटाता है जो उन्होंने लहू से प्राप्त की है जो उन्होंने बहाया है। आपके पाठकों के लिए इसे एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक इन भेंटों को उनके शुद्धिकरण के लिए प्रस्तुत करेंगे]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 15:30 (#2)

“यहोवा के सामने”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का 1:9 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 15:30 (#3)

“उसके मासिक धर्म की अशुद्धता के कारण”

वैकल्पिक अनुवाद: [उनके लहू के प्रवाह से जो उन्हें अशुद्ध बना देता था]

लैव्यव्यवस्था 15:31 (#1)

וְהִזַּרְתֶּם

“इस प्रकार से तुम” - “अलग रखा करो”

यहाँ, **तुम** बहुवचन है। यह हारून और मूसा को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 15:31 (#2)

“इस्राएलियों”

देखें कि आपने 1:2 में इस्राएल के लोगों को संदर्भित करने के इस तरीके को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 15:31 (#3)

מִטֻּמְאָתָם & בְּטֻמְאָתָם

“उनकी अशुद्धता से अलग रखा करो और अशुद्ध करके अपनी अशुद्धता में”

शब्दों पर जोर देने के लिए उन्हें दोहराया जा रहा है। विशेष रूप से, शब्द **अशुद्धता** एक संज्ञा है जो क्रिया **अशुद्ध** से संबंधित है। आप अपनी भाषा में अर्थ को व्यक्त करने के लिए इसी प्रकार के निर्माण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 15:31 (#4)

מִטֻּמְאָתָם

“अपनी अशुद्धता में”

यदि आपकी भाषा में **अशुद्धता** शब्द के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को “अशुद्ध” के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [अशुद्ध होने के कारण]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 15:31 (#5)

אֶת־מִשְׁכָּנִי אֲשֶׁר בְּתוֹכָם

“यहोवा के निवास को जो उनके बीच में है”

यहोवा इस निवास को इस्राएलियों के बीच में अन्य निवासों से अलग कर रहे हैं जो उनके बीच में नहीं हैं। यहोवा उन्हें उनके साथ अपने निवास के स्थान की याद दिला रहे हैं। सुनिश्चित करें कि यह आपके अनुवाद में स्पष्ट है। वैकल्पिक अनुवाद: [मेरा निवास। आखिरकार, यह उनके बीच में है]

देखें: सूचना देने बनाम याद दिलाने वाले शब्दों में अंतर करना

लैव्यव्यवस्था 15:32 (#1)

זֹאת תּוֹרַת הַזָּב

“जिसके प्रमेह हो” - “इन सभी के लिये यही व्यवस्था है”

यह अभिव्यक्ति स्वामित्व रूप का उपयोग करती है **व्यवस्था** का वर्णन करने के लिए जो कि 15:32–33 में सूचीबद्ध विभिन्न प्रकार के शारीरिक स्रावों का उल्लेख करता है। यदि आपकी भाषा में स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यह वह कानून है जो उन लोगों से संबंधित है जिनके पास स्राव होते हैं] या [यह वह कानून है जो उन लोगों से संबंधित है जिन्हें स्राव होते हैं]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 15:32 (#2)

“पुरुष वीर्य स्खलित होने से”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति को 15:16 में कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 15:32 (#3)

“अशुद्ध हो”

वैकल्पिक अनुवाद: [और इसके द्वारा वह अशुद्ध हो जाते हैं]

लैव्यव्यवस्था 15:33 (#1)

וְהַדָּוָה בְּנִדָּתָהּ

“जो स्त्री ऋतुमती हो” - “जिस किसी के धातुरोग हो”

इस बात का मतलब शारीरिक बीमारी नहीं है, बल्कि यह एक महिला के मासिक धर्म के अनुभव को दर्शाती है। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकती है, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उस महिला का जो मासिक धर्म का अनुभव करती हैं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 15:33 (#2)

וְהַזָּב אֶת־זוֹבוֹ

“और उसकी धारा का प्रवाह”

हालाँकि शब्द **उसकी** पुल्लिंग है, यहाँ इसे एक सामान्य अर्थ में उपयोग किया जा रहा है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और किसी भी व्यक्ति के प्रवाह का]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 15:33 (#3)

וְהַזָּב אֶת־זוֹבוֹ

“और जो स्त्री ऋतुमती हो”

शब्दों को जोर देने के लिए दोहराया जा रहा है। विशेष रूप से, शब्द **ऋतुमती** एक संज्ञा का अनुवाद करता है जो क्रिया **बहना** से संबंधित है। यदि आपकी भाषा में इसी तरह से शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो यहाँ ऐसा करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और उनके बहने वाले स्राव का]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 15:33 (#4)

וּלְאִאִישׁ אֲשֶׁר יִשְׁכַּב עִם־טְמֵאָה

“और जो पुरुष अशुद्ध स्त्री के साथ प्रसंग करे”

यह अभिव्यक्ति एक पुरुष और एक महिला के बीच यौन संबंधों को शिष्ट तरीके से संदर्भित करती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा में इसे शिष्ट तरीके से संदर्भित कर सकते हैं, या आप इसे सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उस पुरुष का जो एक अशुद्ध महिला के साथ यौन संबंध रखते हैं]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 16:1 (#1)

"जब हारून के दो पुत्र"

वाक्यांश **हारून के दो पुत्र** नादाब और अबीहू को संदर्भित करता है, जो इसलिए मारे गए क्योंकि उन्होंने यहोवा के पास वह आग लाई थी जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया था (लैव्यव्यवस्था 10:1–2)।

लैव्यव्यवस्था 16:4 (#1)

"सनी के कपड़े की जाँघिया पहने हुए"

ये **जाँघिया** बाहरी कपड़ों के नीचे त्वचा के पास पहने जाने वाले वस्त्र होते थे।

लैव्यव्यवस्था 16:4 (#2)

"और सनी के कपड़े का कमरबन्ध"

एक **कमरबन्ध** वस्त्र का एक टुकड़ा होता है जिसे कमर या छाती के चारों ओर बांधा जाता है।

लैव्यव्यवस्था 16:4 (#3)

"और सनी के कपड़े की पगड़ी"

एक **पगड़ी** सिर पर पहनने वाला आवरण है, जो लपेटे गए वस्त्र की पट्टियों से बना होता है।

लैव्यव्यवस्था 16:6 (#1)

"पापबलि के बछड़े को जो उसी के लिये होगा"

वैकल्पिक अनुवाद: [अपने लिए पाप के प्रायश्चित के रूप में]

लैव्यव्यवस्था 16:8 (#1)

לַעֲזָאזֵל

"बकरों पर"

हारून को किसी से यह कहना था कि वह बकरी को जंगल में छोड़ दे। वैकल्पिक अनुवाद: [उस बकरी के लिए जो भेजी जाती है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 16:9 (#1)

"चिट्ठी निकले" - "चढ़ाए"

वैकल्पिक अनुवाद: [जिसे चिट्ठी डालकर निर्दिष्ट किया गया था]

लैव्यव्यवस्था 16:10 (#1)

וְהַשְּׁעִיר & יָעֲמַד־חַי

"परन्तु जिस बकरे" - "यहोवा के सामने जीवित खड़ा किया जाए"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन हारून को बकरी लानी चाहिए ... जो अभी भी जीवित है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 16:12 (#1)

"भरे हुए धूपदान को"

धूपदान आग और धूप के लिए एक पात्र है, जिसका उपयोग याजक करते हैं।

लैव्यव्यवस्था 16:14 (#1)

"तब वह बछड़े के लहू"

यह **लहू** हारून ने लैव्यव्यवस्था 16:11 में एक कटोरे के साथ ग्रहण किया।

लैव्यव्यवस्था 16:14 (#2)

עַל־פְּנֵי הַכַּפֹּרֶת

"प्रायश्चित के ढकने के ऊपर"

उन्होंने परमपवित्र स्थान में प्रवेश करते समय अपने ओर के **ढकने** के ऊपरी हिस्से पर लहू लगाया।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 16:14 (#3)

"ओर प्रायश्चित के ढकने के ऊपर"

इसका अर्थ हो सकता है: (1) "प्रायश्चित के ढकने के नीचे छाती पर" या (2) "प्रायश्चित के ढकने के सामने भूमि पर।"

लैव्यव्यवस्था 16:15 (#1)

"उसको प्रायश्चित के ढकने के ऊपर और उसके सामने छिड़के।"

हारून ने उसी प्रकार लहू छिड़का जैसे उन्होंने बछड़े के लहू के साथ किया था। देखें कि आपने लैव्यव्यवस्था 16:14 में पिछले निर्देशों का अनुवाद कैसे किया।

लैव्यव्यवस्था 16:16 (#1)

"और वह इस्राएलियों की" - "और उनके सब पापों के कारण पवित्रस्थान के लिये प्रायश्चित करे"

इस्राएलियों के पापों ने **पवित्रस्थान** को अशुद्ध कर दिया।

लैव्यव्यवस्था 16:16 (#2)

"अशुद्धता, और अपराधों, और उनके सब पापों के कारण"

शब्द **अशुद्धता**, **अपराधों**, और **पाप** मूल रूप से एक ही चीज़ का अर्थ रखते हैं। वे इस बात पर जोर देते हैं कि लोगों ने सभी प्रकार के पाप किए हैं।

लैव्यव्यवस्था 16:16 (#3)

מִטֻּמְאֹתֹ

“अशुद्धता” - “के कारण”

पापपूर्ण कार्य जो लोगों को यहोवा के लिए अस्वीकार्य बनाते हैं, उनके बारे में ऐसे बात की जाती है जैसे वे शारीरिक रूप से अशुद्ध हों।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 16:16 (#4)

בְּתוֹךְ טֻמְאֹתָם

“अशुद्धता के बीच”

वाक्यांश **उनके अशुद्धता** उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो पापपूर्ण कार्य करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उन लोगों की उपस्थिति में जो पापपूर्ण कार्य करते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 16:18 (#1)

“फिर वह निकलकर उस वेदी के पास जो यहोवा के सामने है जाए”

यह तम्बू के आंगन के अंदर ही बलिदान की **वेदी** है।

लव्यव्यवस्थाs 16:18 (#2)

“वेदी के चारों कोनों के सींगों”

वेदी के सींगों वेदी के कोनों को संदर्भित करते हैं। वे बैल के सींगों की आकार में होते हैं। देखें कि आपने इसे लैव्यव्यवस्था 4:7 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [वेदी के कोनों पर प्रक्षेपण]

लैव्यव्यवस्था 16:18 (#3)

“और उसके लिये प्रायश्चित करे”

पवित्रस्थान और मिलापवाले तम्बू की तरह, वेदी लोगों के पापों के कारण अशुद्ध है।

लैव्यव्यवस्था 16:19 (#1)

וְטִהֲרוֹ

“शुद्ध और पवित्र करे”

वेदी को परमेश्वर के उद्देश्यों के लिए उपयुक्त बनाने की चर्चा इस प्रकार होती है जैसे याजक इसे शारीरिक रूप से शुद्ध कर रहे हों।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 16:19 (#2)

וְקִדְּשׁוֹ מִטֻּמְאֹת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל

“इस्राएलियों की भाँति-भाँति की अशुद्धता छुड़ाकर शुद्ध और पवित्र करे”

यहोवा को समर्पित वेदी के बारे में ऐसा कहा जाता है जैसे कि यह लोगों के पापों से शारीरिक रूप से अलग होती हो।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 16:19 (#3)

מִטֻּמְאֹת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל

“इस्राएलियों की भाँति-भाँति की अशुद्धता”

पापपूर्ण कार्य जो लोगों को यहोवा के लिए अस्वीकार्य बनाते हैं, उनके बारे में ऐसे बात की जाती है जैसे वे शारीरिक **अशुद्धता** के समान हों।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 16:20 (#1)

“तब जीवित बकरे को आगे ले आए”

इस **बकरे** को लैव्यव्यवस्था 16:10 में बलि का बकरा कहा गया है।

लैव्यव्यवस्था 16:21 (#1)

“और हारून” - “अंगीकार करे”

वैकल्पिक अनुवाद: [और बकरी पर अंगीकार करें]

लैव्यव्यवस्था 16:21 (#2)

“सब अधर्म के कामों, और उनके सब अपराधों, अर्थात् उनके सारे पापों को”

शब्द **अधर्म के कामों**, **अपराधों**, और **पापों** मूल रूप से एक ही चीज़ का अर्थ रखते हैं। हारून सभी प्रकार के पापों को स्वीकार कर रहे हैं जो लोगों ने किए हैं।

लैव्यव्यवस्था 16:21 (#3)

וְנָתַן אֹתָם עַל־רֹאשׁ הַשָּׂעִיר

“और हारून अपने दोनों हाथों को जीवित बकरे पर रखकर”

हारून की क्रियाएं यहाँ लोगों के पापों का प्रतीकात्मक हस्तांतरण **बकरे** पर थीं, जो इस बात का संकेत था कि बकरी उनके दोष के लिए दण्ड भोगेगी। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस क्रिया के महत्व को पाठ में या एक पाद टिप्पणी में समझा सकते हैं।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 16:23 (#1)

“और जिस सनी के वस्त्रों को पहने हुए “

यह विशेष **सनी के वस्त्र** था जिसे हारून केवल तब पहनते थे जब वे परमपवित्र स्थान में प्रवेश करते थे।

लैव्यव्यवस्था 16:24 (#1)

“फिर वह किसी पवित्रस्थान में जल से स्नान कर अपने निज वस्त्र पहन ले”

यहाँ, **पवित्रस्थान** सभा के यहाँ का उल्लेख नहीं करता है। यह एक अलग स्थान था जिसे उनके लिए **स्नान** करने हेतु अलग रखा गया था।

लैव्यव्यवस्था 16:24 (#2)

“अपने निज वस्त्र पहन ले”

ये **निज वस्त्र** वे वस्त्र थे जो हारून ने अपनी सामान्य सेवा के लिए पहने थे।

लैव्यव्यवस्था 16:25 (#1)

“और पापबलि की चर्बी को वह वेदी पर जलाए”

वैकल्पिक अनुवाद: [हारून को जलाना चाहिए]

लैव्यव्यवस्था 16:26 (#1)

וְהַמְשַׁלֵּחַ אֶת־הַשָּׂעִירׁ לַעֲזָאזֵל יְכַבֵּס בְּגָדָיו וְרָחַץ אֶת־בְּשָׂרוֹ בַּמָּיִם

“और जो मनुष्य बकरे को अजाजेल के लिये छोड़कर आए वह भी अपने वस्त्रों को धोए, और जल से स्नान करे”

पुरुष अशुद्ध था क्योंकि उनका संपर्क बलि के बकरे के साथ था, जो लोगों का पाप ढोता था।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 16:26 (#2)

“बकरे”

देखें कि आपने इसे लैव्यव्यवस्था 16:8 में कैसे अनुवादित किया। वैकल्पिक अनुवाद: [जो लोगों के पापों को ढोता है]

लैव्यव्यवस्था 16:27 (#1)

אֲשֶׁר הוּבָא אֶת־דָּמָם

“जिनका लहू” - “पहुँचाया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जिसका लहू हारून लेकर आए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 16:27 (#2)

יוֹצִיא

“बाहर पहुँचाए जाएँ”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी को ले जाना आवश्यक है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 16:27 (#3)

“उनका चमड़ा”

यहाँ, **उनका** बछड़ा और बकरी को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [सांड और बकरी की खाल]

लैव्यव्यवस्था 16:29 (#1)

לָכֶם

“तुम्हारे”

शब्द **तुम्हारे** बहुवचन है और इस्राएल के लोगों को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा उस भेद को दर्शाती है तो अपने अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 16:29 (#2)

בַּחֹדֶשׁ הַשְּׁבִיעִי בֶּעָשׂוֹר לַחֹדֶשׁ

“सातवें महीने के दसवें दिन को”

इब्री कैलेंडर का **सातवें महीने** और **दसवें दिन** पश्चिमी कैलेंडर पर सितंबर के अंत के करीब होता है। आप अपनी संस्कृति द्वारा उपयोग किए जाने वाले कैलेंडर पर इब्री दिन और महीने को एक अनुमानित तारीख में परिवर्तित कर सकते हैं। हालाँकि, यहूदी एक चंद्र कैलेंडर का उपयोग करते हैं, इसलिए यदि आप एक सौर कैलेंडर का उपयोग करते हैं, तो तारीख हर साल अलग होगी, और अनुवाद पूरी तरह से सटीक नहीं होगा। इसलिए, आप इब्री कैलेंडर पर दिन की संख्या और महीने का नाम देना चाह सकते हैं और एक पाद टिप्पणी में यह बता सकते हैं कि यह आपके कैलेंडर पर वर्ष के किस समय के आसपास है।

देखें: इब्रानी महीने

लैव्यव्यवस्था 16:29 (#3)

בַּחֹדֶשׁ הַשְּׁבִיעִי בֶּעָשׂוֹר לַחֹדֶשׁ

“सातवें महीने के दसवें दिन”

शब्द **सातवें** और **दसवें** “सात” और “दस” के क्रमवाचक रूप हैं। यदि आपकी भाषा में संख्या को इस रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाता है जैसे **सातवें महीने के**, तो आप इस संख्या को अपनी भाषा में उपयोग किए जाने वाले रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [महीने के सातवें महीने में, महीने के दसवें दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 16:30 (#1)

יְכַפֵּר עֲלֵיכֶם

“तुम्हारे निमित्त प्रायश्चित किया जाएगा”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [हारून आपके लिए प्रायश्चित करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 16:30 (#2)

לְטַהֵר אֶתְכֶם & תִּטְהָרוּ

“तुम्हें शुद्ध करने के लिये” - “पवित्र ठहरोगे”

यहाँ, जो लोग परमेश्वर के उद्देश्यों के लिए स्वीकार्य हैं, उनके बारे में ऐसा कहा गया है जैसे वे शारीरिक रूप से **पवित्र** बनाए गए हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको शुद्ध करने के लिए ... आप पवित्र हो जाएंगे]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 16:31 (#1)

“यह तुम्हारे लिये परमविश्राम का दिन ठहरे,”

यह उसी प्रकार का नहीं था जैसा कि वे प्रत्येक सप्ताह के सातवें दिन सब्त मनाते थे। यह प्रायश्चित के दिन का एक विशेष सब्त था।

लैव्यव्यवस्था 16:32 (#1)

“पिता के स्थान पर”

जब महायाजक की मृत्यु हो जाती, तो उनके बेटों में से एक उनकी जगह लेता।

लैव्यव्यवस्था 16:32 (#2)

“पवित्र वस्त्रों”

ये **पवित्र वस्त्र** विशेष वस्त्र थे जो महायाजक को परमपवित्र स्थान में प्रवेश करते समय पहनने होते थे।

लैव्यव्यवस्था 16:33 (#1)

“मण्डली के सब लोगों”

वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल के समस्त लोग]

लैव्यव्यवस्था 17:4 (#1)

“यहोवा के निवास के सामने”

वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा के तम्बू के समक्ष]

लैव्यव्यवस्था 17:4 (#2)

וְנִכְרַתָ֣ הָאִ֗אישׁ הַהֽוּא מִקֶּ֥֫רֶב עַמּ֥ו

“वह अपने लोगों के बीच से नष्ट किया जाए”

एक व्यक्ति जो अपने समाज से बाहर कर दिया गया है, उसके बारे में ऐसे बात की जाती है जैसे उसे अपने लोगों से **नष्ट कर दिया** गया हो, जैसे कोई वस्त्र का टुकड़ा काटता है या पेड़ से डाली काटता है। देखें कि आपने इसे लैव्यव्यवस्था 7:20 में कैसे अनुवादित किया। वैकल्पिक अनुवाद: [उस व्यक्ति को उसके लोगों में से अलग कर दिया जाना चाहिए जैसे पेड़ से डाली काटी जाती है]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 17:4 (#3)

וְנִכְרַתָ֣ הָאִ֗אישׁ הַהֽוּא מִקֶּ֥֫רֶב עַמּ֥ו

“वह अपने लोगों के बीच से नष्ट किया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति अब अपने लोगों के बीच नहीं रह सकता] या [आपको उस व्यक्ति को उनके लोगों से अलग करना होगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 17:7 (#1)

אֲשֶׁ֣ר הֵ֗מָּה זֹנִ֤ים אַחֲרֵיהֶם֙

“वे जो बकरों के पूजक होकर व्यभिचार करते हैं”

झूठे देवताओं की पूजा करके यहोवा के प्रति अविश्वासयोग्य होने वाले लोगों की तुलना उन वेश्याओं से की जाती है जिन्होंने धन के लिए अपने शरीर बेचे हों। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट रूप से कहना सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जिसके लिए वे यहोवा के प्रति अविश्वासयोग्य रहे हैं]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 17:7 (#2)

“तुम्हारी पीढ़ियों के लिये यह सदा की विधि होगी”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद लैव्यव्यवस्था 3:17 में किस प्रकार किया है।

लैव्यव्यवस्था 17:9 (#1)

וְנִכְרַתָ֣ הָאִ֗אישׁ הַהֽוּא מֵעַמָּ֑יו

“वह मनुष्य अपने लोगों में से नष्ट किया जाए”

एक व्यक्ति जो अपने समाज से बहिष्कृत किया जा रहा है, उसके बारे में ऐसे बात की जाती है जैसे उसे **अपने लोगों में से नष्ट किया जाए**, जैसे कोई वस्त्र का टुकड़ा काटता है या पेड़ से डाली काटता है। देखें कि आपने इसे लैव्यव्यवस्था 7:20 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [उस व्यक्ति को उसके लोगों में से ऐसे अलग कर दिया जाना चाहिए जैसे पेड़ से डाली काटी जाती है]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 17:9 (#2)

וְנִכְרַתָ֣ הָאִ֗אישׁ הַהֽוּא מֵעַמָּ֑יו

“वह मनुष्य अपने लोगों में से नष्ट किया जाए”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति अब अपने लोगों के बीच नहीं रह सकता] या [आपको उस व्यक्ति को उसके लोगों से अलग करना होगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 17:10 (#1)

וְנָתַתִּ֥י פָנַ֖י בַּנֶּ֑פֶשׁ

“मैं” - “उसको उसके लोगों के बीच में से नष्ट कर डालूँगा”

यहाँ, **उसको उसके लोगों के बीच में से नष्ट कर डालूँगा** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि उन्होंने “दृढ़ता से विरोध करने का निर्णय लिया।” यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मैंने उस व्यक्ति का विरोध करने का निश्चय किया है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 17:10 (#2)

וְהִכְרַתִּתִּי אֹתָהּ מִקֶּרֶב עַמָּהּ

“मैं” - “उसको उसके लोगों के बीच में से नष्ट कर डालूँगा”

जब किसी व्यक्ति को उसके समाज से बाहर कर दिया जाता है, तो उसके बारे में ऐसा कहा जाता है जैसे उसे **उसके लोगों के बीच में से नष्ट कर दिया** गया हो, जैसे कोई वस्त्र का टुकड़ा या पेड़ से डाली काट दी जाती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं उस व्यक्ति को उसके लोगों के बीच और अधिक समय तक रहने की अनुमति नहीं दूँगा] या [मैं उस व्यक्ति को उसके लोगों से अलग कर दूँगा]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 17:11 (#1)

“क्योंकि शरीर का प्राण लहू में रहता है; और उसको मैंने तुम लोगों को वेदी पर चढ़ाने के लिये दिया है कि तुम्हारे प्राणों के लिये प्रायश्चित किया जाए”

इसका अर्थ है कि परमेश्वर लोगों के पापों का प्रायश्चित करने के लिए **लहू** का उपयोग करते हैं क्योंकि लहू **प्राण** है। लोगों को लहू का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि इसका यह विशेष उद्देश्य है।

लैव्यव्यवस्था 17:12 (#1)

“मैं” - “कहता हूँ”

यहाँ, **मैं** यहोवा का संदर्भ देता है।

लैव्यव्यवस्था 17:12 (#2)

“तुम में से कोई प्राणी लहू न खाए”

वैकल्पिक अनुवाद: [आप में से कोई भी खून के साथ मांस नहीं खा सकते]

लैव्यव्यवस्था 17:13 (#1)

אֲשֶׁר יֵאָכֵל

“जो” - “खाने के योग्य”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कि मैंने कहा है कि वे खा सकते हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 17:14 (#1)

נֶפֶשׁ כָּל־בָּשָׂר דָּמוֹ

“शरीर का प्राण जो है वह उसका लहू ही है”

निहितार्थ यह है कि **लहू** प्राणी को जीवित रहने की क्षमता प्रदान करता है। इस कथन का पूरा अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [प्रत्येक प्राणी अपने लहू के कारण जीवित रहने की क्षमता रखता है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 17:14 (#2)

כָּל־אֹכְלָיו יִכָּרֵת

“जो कोई उसको खाए वह नष्ट किया जाएगा”

एक व्यक्ति जिसे उसके समाज से बाहर कर दिया गया है, उसके बारे में ऐसा कहा जाता है जैसे वह अपने लोगों से **नष्ट कर दिया** गया हो, जैसे कोई वस्त्र का टुकड़ा या पेड़ से डाली काट दी जाए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जो कोई लहू खाता है, वह अब अपने लोगों के बीच नहीं रह सकता] या [जो कोई लहू खाता है, उसे उसके लोगों से अलग कर दिया जाना चाहिए, जैसे वह पेड़ से काटी गई डाली हो]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 17:14 (#3)

כָּל־אֹכְלָיו יִכָּרֵת

“जो कोई उसको खाए वह नष्ट किया जाएगा”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जो कोई लहू खाता है, वह अब अपने लोगों के बीच नहीं रह सकेगा] या [आपको उसके लोगों से किसी को भी अलग करना होगा जो लहू खाता है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 17:15 (#1)

וּטְרֵפָה

“या फाड़े हुए पशु का”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [या जिसे जंगली जानवरों ने मार दिया हो]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 17:15 (#2)

“और चाहे वह देशी हो”

वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएलियों के मध्य]

लैव्यव्यवस्था 17:15 (#3)

וְטָמֵא & וְטָהֵר

“और साँझ तक अशुद्ध रहे; तब वह शुद्ध होगा”

जिस व्यक्ति को अन्य लोग छू नहीं सकते, उसके बारे में ऐसा कहा जाता है जैसे वह शारीरिक रूप से **अशुद्ध** हो, और जिस व्यक्ति को अन्य लोग छू सकते हैं, उसके बारे में ऐसा कहा जाता है जैसे वह शारीरिक रूप से **शुद्ध** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन अर्थों को स्पष्ट रूप से समझा सकते हैं।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 17:15 (#4)

“साँझ तक”

वैकल्पिक अनुवाद: [सूर्यास्त तक]

लैव्यव्यवस्था 17:16 (#1)

וְנָשָׂא עֲוֹנוֹ

“उसको अपने अधर्म का भार स्वयं उठाना पड़ेगा”

यहाँ एक व्यक्ति के **अधर्म** के बारे में इस प्रकार से चर्चा की गई है जैसे वह एक भौतिक वस्तु हो जिसे व्यक्ति अपने साथ ले जाता है।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 17:16 (#2)

וְנָשָׂא עֲוֹנוֹ

“तो उसको अपने अधर्म का भार स्वयं उठाना पड़ेगा”

यहाँ शब्द **अधर्म** उस अन्याय के लिए दंड का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तब वह अपने पाप के लिए जिम्मेदार होंगे] या [तब मैं उन्हें उनके पाप के लिए दंडित करूँगा]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 18:4 (#1)

אֶת־מִשְׁפָּטַי תַּעֲשׂוּ וְאֶת־חֻקֹּתַי תִּשְׁמְרוּ

“मेरे ही नियमों को मानना, और मेरी ही विधियों को मानते हुए उन पर चलना”

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं और इस बात पर जोर देते हैं कि लोगों को यहोवा द्वारा आदेशित सभी बातों का पालन करना चाहिए। आप इस समानता को एक वाक्य में अनुवाद कर सकते हैं जो यहोवा की सभी आज्ञाओं का पालन करने की आवश्यकता को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको मेरी सभी विधियों और आज्ञाओं का पालन करना चाहिए।]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 18:4 (#2)

לָלֶכֶת בָּהֶם

“उन पर चलना”

यहोवा की आज्ञाओं का पालन करना ऐसा माना जाता है जैसे वे एक मार्ग या पथ हों जिस पर कोई व्यक्ति चलता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [ताकि आप उनके अनुसार अपना आचरण करें]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 18:6 (#1)

לְגַלּוֹת עֶרְוָה

“तन उघाड़ने को”

वाक्यांश **तन उघाड़ने को** यौन गतिविधि का उल्लेख करने का एक शिष्ट तरीका है। आपकी भाषा में जो उपयुक्त हो, उसके अनुसार आप इसका शिष्ट तरीके से उल्लेख कर सकते हैं, या इसे सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यौन संबंध बनाना]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 18:7 (#1)

עֶרְוַת אָבִיךָ וְעֶרְוַת אִמְּךָ לֹא תְגַלֵּה

“अपनी माता का तन, जो तुम्हारे पिता का तन है, न उघाड़ना”

यह यौन गतिविधि का उल्लेख करने का एक शिष्ट तरीका है। आपकी भाषा में जो उपयुक्त हो, उसके आधार पर आप इसे शिष्ट तरीके से व्यक्त कर सकते हैं, या इसे सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [अपने पिता या माता के साथ यौन संबंध न रखें]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 18:7 (#2)

לֹא תְגַלֶּה עֶרְוָתָהּ

“इसलिए तुम उसका तन न उघाड़ना”

यह यौन गतिविधि का उल्लेख करने का एक शिष्ट तरीका है। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको उनके साथ यौन संबंध नहीं रखने चाहिए]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 18:8 (#1)

“अपनी सौतेली माता का”

कभी-कभी पुरुषों की एक से अधिक पत्नियाँ होती थीं। परमेश्वर ने पुत्र को अपने पिता की किसी भी पत्नी के साथ यौन संबंध बनाने की अनुमति नहीं दी, भले ही वह उसकी माँ न हो।

लैव्यव्यवस्था 18:8 (#2)

“वह तो तुम्हारे पिता ही का तन है”

वैकल्पिक अनुवाद: [तुम अपने पिता का अनादर करेंगे]

लैव्यव्यवस्था 18:9 (#1)

עֶרְוַת אֲחֹתְךָ בַת־אָבִיךָ אוֹ בַת־אִמֶּךָ מוֹלֶדֶת בַּבַּיִת אוֹ מוֹלֶדֶת חוּץ לֹא תְגַלֶּה עֶרְוָתָן

“अपनी बहन चाहे सगी हो चाहे सौतेली हो, चाहे वह घर में उत्पन्न हुई हो चाहे बाहर, उसका तन न उघाड़ना”

यह यौन गतिविधि का उल्लेख करने का एक शिष्ट तरीका है। देखें कि इसका अनुवाद लैव्यव्यवस्था 18:7 में कैसे किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: [अपनी बहन के साथ यौन संबंध न बनाएं, चाहे वह आपके पिता की बेटी हो या आपकी माता की बेटी, जो घर में पैदा हुई हो या बाहर पैदा हुई हो]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 18:9 (#2)

“अपनी बहन चाहे सगी हो चाहे सौतेली हो”

इसका अर्थ है कि एक पुरुष अपनी बहन के साथ यौन संबंध नहीं बना सकता, चाहे उसकी माँ या पिता अलग हों।

लैव्यव्यवस्था 18:10 (#1)

“उनकी देह तो मानो तुम्हारी ही है”

वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि आप न केवल उनका बल्कि स्वयं का भी अपमान करेंगे]

लैव्यव्यवस्था 18:11 (#1)

“तुम्हारी सोतेली बहन जो तुम्हारे पिता से उत्पन्न हुई”

इसका अर्थ हो सकता है: 1) “आपकी आधी बहन” या 2) “आपकी सौतेली बहन।” यहाँ पुरुष का वही पिता या माँ नहीं है जो महिला की है। वे भाई और बहन तब बने जब उनके माता-पिता ने विवाह किया।

लैव्यव्यवस्था 18:12 (#1)

עֶרְוַת אֲחוֹת־אָבִיךָ לֹא תְגַלֵּה

“अपनी फूफी का तन न उघाड़ना”

यह यौन गतिविधि का उल्लेख करने का एक शिष्ट तरीका है। देखें कि यह लैव्यव्यवस्था 18:7 में कैसे अनुवादित है। वैकल्पिक अनुवाद: [अपने पिता की बहन के साथ यौन संबंध न बनाएं]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 18:14 (#1)

אֶל־אִשְׁתּוֹ לֹא תִקְרָב

“अर्थात् उसकी स्त्री के पास न जाना”

आपको दृष्टिकोण के उद्देश्य को स्पष्ट करना पड़ सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [उनकी पत्नी के पास यौन संबंध बनाने के लिए उसके पास न जाएं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 18:15 (#1)

עֶרְוַת כַּלָּתְךָ לֹא תְגַלֵּה

“अपनी बहू का तन न उघाड़ना”

यह यौन गतिविधि का उल्लेख करने का एक शिष्ट तरीका है। देखें कि लैव्यव्यवस्था 18:7 में इसका अनुवाद कैसे किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: [अपनी बहू के साथ यौन संबंध न बनाएं]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 18:15 (#2)

לֹא תְגַלֶּה עֶרְוָתָהּ

“इस कारण तुम उसका तन न उघाड़ना”

यह यौन गतिविधि का उल्लेख करने का एक शिष्ट तरीका है। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको उनके साथ यौन संबंध नहीं बनाने चाहिए]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 18:16 (#1)

“वह तो तुम्हारे भाई ही का तन है”

वैकल्पिक अनुवाद: [यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप अपने भाई का अपमान करेंगे।]

लैव्यव्यवस्था 18:17 (#1)

עֶרְוַת אִשָּׁה וּבִתָּהּ לֹא תְגַלֵּה

“किसी स्त्री और उसकी बेटी दोनों का तन न उघाड़ना”

यह यौन गतिविधि का उल्लेख करने का एक शिष्ट तरीका है। देखें कि इसे लैव्यव्यवस्था 18:7 में कैसे अनुवादित किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी महिला और उसकी बेटी के साथ यौन संबंध न बनाएं]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 18:17 (#2)

“उसका तन न उघाड़ना”

वैकल्पिक अनुवाद: [उनके साथ यौन संबंध स्थापित करना]

लैव्यव्यवस्था 18:19 (#1)

“फिर जब तक कोई स्त्री अपने ऋतु के कारण अशुद्ध रहे”

यह उस समय का उल्लेख करता है जब हर महीने एक महिला के गर्भाशय से रक्तस्राव होता है।

लैव्यव्यवस्था 18:19 (#2)

“उसका तन उघाड़ने को न जाना”

वैकल्पिक अनुवाद: [उनके साथ यौन संबंध स्थापित करना]

लैव्यव्यवस्था 18:21 (#1)

וּמִזַּרְעֲךָ לֹא־תִתֵּן לְהַעֲבִיר לַמֹּלֶךְ

“अपनी सन्तान में से किसी को मोलेक के लिये होम करके न चढ़ाना”

वाक्यांश **मोलेक के लिये होम** का अर्थ है आग में एक बालक को मूर्ति मोलेक के लिए बलिदान के रूप में जलाना। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको अपने बच्चों को मोलेक के लिए जीवित नहीं जलाना चाहिए।]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 18:21 (#2)

וְלֹא תְחַלֵּל אֶת־שֵׁשֵׁם אֱלֹהֶיךָ

“और न अपने परमेश्वर के नाम को अपवित्र ठहराना”

यहाँ शब्द **नाम** स्वयं परमेश्वर का प्रतिनिधित्व करता है, और शब्द **अपवित्र** का अर्थ “अपमान करना” है। वैकल्पिक अनुवाद: [और आपको अपने परमेश्वर का अपमान नहीं करना चाहिए]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 18:22 (#1)

וְאֶת & לֹא תִשְׁכַּב

“पुरुषगमन न करना”

यह यौन संबंधों के बारे में बात करने का एक शिष्ट तरीका है। अपनी भाषा में इसका शिष्ट तरीके से उल्लेख करें या अर्थ को सीधे तौर पर बताएं। वैकल्पिक अनुवाद: [यौन संबंध न बनाएं]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 18:22 (#2)

“वह तो घिनौना काम है”

यहाँ, **घिनौना** का अर्थ उन चीजों के स्वाभाविक निर्देश का उल्लंघन है जैसा कि यहोवा ने उन्हें होने का इरादा किया था।

लैव्यव्यवस्था 18:23 (#1)

לִרְבָעָה

“उसके संग कुकर्म करे”

यह यौन गतिविधि का उल्लेख करने का एक सम्मानजनक तरीका है। वैकल्पिक अनुवाद: [इसके साथ यौन संबंध स्थापित करना]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 18:24 (#1)

נִטְמְאוּ הַגּוֹיִם

“जातियों को” - “अशुद्ध हो गई हैं”

यहाँ, **जातियों** का अर्थ कनान में पहले से रहने वाले लोगों के समूहों से है। इसे इस तरह अनुवादित करें कि **जातियों** का अर्थ लोग के रूप में स्पष्ट हो जाए। वैकल्पिक अनुवाद: [जातियों के लोगों ने स्वयं को अपवित्र कर लिया है]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 18:25 (#1)

“उनका देश भी अशुद्ध हो गया है”

वैकल्पिक अनुवाद: [और लोगों ने भूमि को अशुद्ध किया]

लैव्यव्यवस्था 18:25 (#2)

וַתִּקְקָא הָאָרֶץ אֶת־יֹשְׁבֶיהָ

“और वह देश अपने निवासियों को उगल देता है”

यहोवा द्वारा लोगों को भूमि से ज़बरदस्ती हटाने के बारे में इस तरह से कहा गया है जैसे **वह देश अपने निवासियों को उगल देता है**। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा ने लोगों को भूमि से जबरन हटा दिया]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 18:25 (#3)

וַתִּקְקָא הָאָרֶץ אֶת־יֹשְׁבֶיהָ

“और वह देश अपने निवासियों को उगल देता है”

देश के बारे में इस प्रकार बात की जाती है जैसे यह एक जीवित वस्तु हो जो उल्टी कर सकती हो।

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 18:26 (#1)

“ऐसा घिनौना का”

वैकल्पिक अनुवाद: [इन घृणित वस्तुओं में से कोई भी]

लैव्यव्यवस्था 18:28 (#1)

וְלֹא־תָקִיא הָאָרֶץ אֶתְכֶם & קָאָה

“उस देश में रहती थी, उसको उसने उगल दिया, उसी रीति जब तुम उसको अशुद्ध करो, तो वह तुम को भी उगल दे”

यहोवा द्वारा लोगों को भूमि से जबरन हटाने की बात इस प्रकार की गई है जैसे भूमि ने लोगों को **उगल** दिया हो। देखें कि आपने इस रूपक का अनुवाद लैव्यव्यवस्था 18:25 में कैसे किया है।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 18:28 (#2)

וְלֹא־תָקִיא הָאָרֶץ אֶתְכֶם & קָאָה

“उसको उसने उगल दिया, उसी रीति जब तुम उसको अशुद्ध करो, तो वह तुम को भी उगल दे”

भूमि के बारे में ऐसे बात की जाती है जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जो **उगल** सकती है। देखें कि आपने इन वाक्यांशों का अनुवाद लैव्यव्यवस्था 18:25 में कैसे किया।

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 18:29 (#1)

וְנִכְרְתוּ הַנְּפָשׁוֹת הָעֹשֹׂת מִקֶּרֶב עַמָּם

“जितने ऐसा कोई घिनौना काम करें वे सब प्राणी अपने लोगों में से नष्ट किए जाएँ”

जिन लोगों को समाज से बाहर कर दिया जाता है, उनके बारे में ऐसे बात की जाती है जैसे उन्हें उनके लोगों से **नष्ट किए** गए हो, जैसे कोई पेड़ से डाली काटता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जो लोग ये काम करते हैं, उन्हें उनके लोगों से अलग कर दिया जाना चाहिए, जैसे एक डाली को पेड़ से काटा जाता है]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 18:29 (#2)

וְנִכְרְתוּ הַנְּפָשׁוֹת הָעֹשֹׂת מִקֶּרֶב עַמָּם

“जितने ऐसा कोई घिनौना काम करें वे सब प्राणी अपने लोगों में से नष्ट किए जाएँ”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको ऐसे कार्य करने वाले लोगों को उनके समुदाय से अलग करना होगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 18:30 (#1)

אֲשֶׁר נַעֲשׂוּ לִפְנֵיכֶם

“तुम से पहले प्रचलित हैं”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: [जो लोग आपके आने से पहले यहाँ करते थे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 18:30 (#2)

“उनके कारण”

यहाँ, **उनके** संदर्भ घृणित और निंदनीय रीति-रिवाजों से है।

लैव्यव्यवस्था 19:3 (#1)

“और मेरे विश्रामदिनों को मानना”

वैकल्पिक अनुवाद: [और आपको मेरे विश्राम दिन का पालन करना चाहिए] या [और आपको मेरे विश्राम के दिन का सम्मान करना चाहिए]

लैव्यव्यवस्था 19:4 (#1)

אַל־תִּפְנוּ אֶל־הָאֱלִילִלִּים

“तुम मूरतों की ओर न फिरना”

मूरतों की उपासना के बारे में ऐसा कहा जाता है जैसे लोग शारीरिक रूप से उनकी ओर मुड़ते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [व्यर्थ मूर्तियों की आराधना करना आरंभ न करें]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 19:5 (#1)

“तब ऐसा बलिदान करना जिससे मैं तुम से प्रसन्न हो जाऊँ”

इसका अर्थ हो सकता है: 1) यहोवा उस व्यक्ति को स्वीकार करेंगे जो बलिदान का भेंट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको इसे सही तरीके से भेंट करना होगा ताकि मैं आपको स्वीकार कर सकूं] या 2) यहोवा व्यक्ति के बलिदान को स्वीकार करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको इसे सही तरीके से भेंट करना होगा ताकि मैं आपके बलिदान को स्वीकार कर सकूं]

लैव्यव्यवस्था 19:6 (#1)

יֵאָכֵל

“खाया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको इसे खाना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 19:6 (#2)

וְהַנּוֹתָר עַד־יוֹם הַשְּׁלִישִׁי בָּאֵשׁ יִשָּׂרֵף

“परन्तु तीसरे दिन तक जो रह जाए वह आग में जला दिया जाए”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको तीसरे दिन तक जो कुछ भी बचा है, उसे आग में जला देना चाहिए।]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 19:7 (#1)

וְאִאָם הֵאָכֹל יֵאָכֵל

“यदि उसमें से कुछ भी तीसरे दिन खाया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि आप इसका कोई हिस्सा ग्रहण करते हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 19:7 (#2)

לֹא יֵרָצֶה

“और ग्रहण न किया जाएगा”

निर्धारित समय के बाद भेंट का खाना परमेश्वर के विरुद्ध है और उस दोष को बढ़ाता है जिसे भेंट को ढकना था। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप से किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [परमेश्वर इसे स्वीकार नहीं करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 19:8 (#1)

וְאֹכְלָיו עֲוֹנוֹ יִשָּׂא

“और उसका खानेवाला” - “इसलिए उसको अपने अधर्म का भार स्वयं उठाना पड़ेगा”

एक व्यक्ति के **अधर्म** के बारे में ऐसे बात की जाती है जैसे वह एक भौतिक वस्तु हो जिसे व्यक्ति उठा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और जो व्यक्ति इसे खाएगा, वह दोषी ठहराया जाएगा]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 19:8 (#2)

וְאֹכְלָיו עֲוֹנוֹ יִשָּׂא

“इसलिए उसको अपने अधर्म का भार स्वयं उठाना पड़ेगा”

यहाँ **अधर्म** शब्द उस पाप के लिए दंड का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और जो कोई बलिदान खाता है वह अपने पाप के लिए जिम्मेदार होगा] या [यहोवा उस व्यक्ति के पाप को दंडित करेंगे जो बलिदान खाता है]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 19:8 (#3)

וְנִכְרְתָה הַנֶּפֶשׁ הַהִוא מֵעַמֶּיהָ

“और वह प्राणी अपने लोगों में से नष्ट किया जाएगा”

एक व्यक्ति को उसके समाज से बाहर निकाला जाना ऐसा कहा जाता है जैसे उसे उसके लोगों से काट दिया गया हो, जैसे कोई वस्त्र का टुकड़ा काटता है या पेड़ से डाली काटता है। देखें कि आपने इसे लैव्यव्यवस्था 7:20 में कैसे अनुवादित किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और उस व्यक्ति को उसके लोगों के बीच से काट दिया जाना चाहिए जैसे पेड़ से डाली काटी जाती है]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 19:8 (#4)

וְנִכְרְתָה הַנֶּפֶשׁ הַהִוא מֵעַמֶּיהָ

“और वह प्राणी अपने लोगों में से नष्ट किया जाएगा”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति अब अपने लोगों के बीच नहीं रह सकता] या [आपको उस व्यक्ति को उनके लोगों से अलग करना होगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 19:9 (#1)

“फिर जब तुम अपने देश के खेत काटो, तब अपने खेत के कोने-कोने तक पूरा न काटना”

वैकल्पिक अनुवाद: [और जब आप अपनी फसलें इकट्ठा करें, तो अपने खेतों के किनारों तक पूरी तरह से न काटें]

लैव्यव्यवस्था 19:9 (#2)

וְלֶקֶט קְצִירְךָ לֹא תְלַקֵּט

“और काटे हुए खेत की गिरी पड़ी बालों को न चुनना”

यह उन खेतों पर दूसरी बार जाने की प्रथा को संदर्भित करता है ताकि पहली बार के बाद जो भी उपज बची हो, उसे इकट्ठा किया जा सके। इस कथन का पूरा अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और जो कुछ आपने पीछे छोड़ दिया है, उसे लेने के लिए वापस न जाएं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 19:12 (#1)

“तुम मेरे नाम की झूठी शपथ खाके अपने परमेश्वर का नाम अपवित्र न ठहराना”

वैकल्पिक अनुवाद: [और मेरे नाम का उपयोग किसी ऐसी बात की शपथ लेने के लिए न करें जो सत्य नहीं है]

लैव्यव्यवस्था 19:13 (#1)

לֹא־תַעֲשֹׁק אֶת־רֵעֲךָ וְלֹא תִגְזֹל

“एक दूसरे पर अंधेर न करना, और न एक दूसरे को लूट लेना”

यहाँ, **“एक दूसरे को”** का अर्थ “कोई भी” है। मूल भाषा में यह **पड़ोसी** है। इसका अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी को चोट न पहुँचाएं और न ही लूटें]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 19:13 (#2)

לֹא־תָלִין פְּעֻלַּת שָׂכִיר אִתְּךָ עַד־בֹּקֶר

“मजदूर की मजदूरी तेरे पास सारी रात सवेरे तक न रहने पाए”

यहोवा नियोक्ता को आदेश देते हैं कि वे अपने मजदूर को उसी दिन उसका काम पूरा होने पर तुरंत मजदूरी दे। इस कथन का पूरा अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 19:15 (#1)

לֹא־תַעֲשׂוּ עָוֶל בַּמִּשְׁפָּט

“न्याय में कुटिलता न करना”

दोहरे नकारात्मक **न ... कुटिलता** का उपयोग जोर देने के लिए किया जाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [हमेशा सही निर्णय लें]

देखें: विडंबना

लैव्यव्यवस्था 19:15 (#2)

לֹא־תִשָּׂא פְנֵי־דָל וְלֹא תֶהְדַּר פְּנֵי גָדוֹל

“और न तो कंगाल का पक्ष करना और न बड़े मनुष्यों का मुँह देखा विचार करना”

शब्द **कंगाल** और **बड़े मनुष्यों** दो चरम सीमाएँ हैं, जो मिलकर “कोई भी” का अर्थ देती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको किसी के प्रति पक्षपात नहीं करना चाहिए, चाहे उनके पास कितनी भी धन-दौलत क्यों न हो]

देखें: विभज्योतक

लैव्यव्यवस्था 19:15 (#3)

“एक दूसरे का न्याय धार्मिकता से करना”

वैकल्पिक अनुवाद: [जो सही है उसके अनुसार सभी का न्याय करें]

लैव्यव्यवस्था 19:16 (#1)

“बकवादी बनके”

बकवादी वह व्यक्ति होता है जो अन्य लोगों के बारे में असत्य और हानिकारक बातें कहता है।

लैव्यव्यवस्था 19:17 (#1)

לֹא־תִשְׂנָא אֶת־אָחִיךָ בִּלְבָבֶךָ

“अपने मन में एक दूसरे के प्रति बैर न रखना”

किसी व्यक्ति से लगातार बैर करना ऐसा माना जाता है जैसे कि यह **मन** में किसी व्यक्ति से नफरत करना हो। वैकल्पिक अनुवाद: [अपने भाई से लगातार नफरत न करें]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 19:17 (#2)

“अपने पड़ोसी को अवश्य डाँटना, नहीं तो उसके पाप का भार तुझको उठाना पड़ेगा”

वैकल्पिक अनुवाद: [आपको अपने पाप करने वाले साथी इस्राएली को सुधारना चाहिए]

लैव्यव्यवस्था 19:20 (#1)

יִשְׁכַּב אֶת

“कुकर्म करे”

यह यौन गतिविधि का उल्लेख करने का एक शिष्ट तरीका है। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके साथ यौन संबंध हो]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 19:20 (#2)

נֶחֱרֶפֶת לְאִישׁ

“और उसकी मंगनी किसी पुरुष से हुई हो”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जिसे किसी ने एक पुरुष को उसकी पत्नी के रूप में देने का वचन दिया था]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 19:20 (#3)

וְהִפְדֵּהוּ לֹא נִפְדָּתָה אוֹ חֻפְשָׁה לֹא נִתַּן־לָהּ

“परन्तु वह न तो दास से और न सेंत-मेंत स्वाधीन की गई हो”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन जिसे उसके भावी पति ने न तो छुड़ाया है और न ही उसे स्वतंत्रता दी है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 19:20 (#4)

לֹא יוּמָתוּ

“वे दोनों मार न डाले जाएँ”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको उन्हें नहीं मारना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 19:21 (#1)

“पर वह पुरुष मिलापवाले तम्बू के द्वार पर यहोवा के पास एक मेढ़ा दोषबलि के लिये ले आए”

वैकल्पिक अनुवाद: [और एक व्यक्ति को यहोवा के लिए दोषबलि के रूप में एक मेढ़ा मिलापवाले तम्बू के द्वार पर लाना चाहिए]

लैव्यव्यवस्था 19:22 (#1)

וְנִסְלַח לוֹ מֵחַטָּאתוֹ אֲשֶׁר חָטָא

“तब उसका किया हुआ पाप क्षमा किया जाएगा”

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा उस पाप को क्षमा करेंगे जो उन्होंने किया है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 19:23 (#1)

וַעֲרַלְתֶּם עָרְלָתוֹ אֶת־פִּרְיוֹ שָׁלֹשׁ שָׁנִים יִהְיֶה לָכֶם עֲרֵלִים לֹא יֵאָכֵל

“तो उनके फल तीन वर्ष तक तुम्हारे लिये मानो खतनारहित ठहरे रहें; इसलिए उनमें से कुछ न खाया जाए”

मूल अंग्रेजी भाषा में यहोवा निर्देश में निषेध को दोहराते हैं ताकि इसे जोर देकर स्पष्ट किया जा सके कि यह पहले तीन वर्षों के लिए लागू है जब पेड़ फल देते हैं। इसका अनुवाद यह साफ़ करने के लिए करें कि पेड़ों को कितने समय तक अकेला छोड़ा जाना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: [तो तुम पेड़ों के फल को पहले तीन सालों तक अशुद्ध समझो और उसके बाद तक उनमें से कुछ भी मत खाना]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 19:23 (#2)

לֹא יֵאָכֵל

“उनमें से कुछ न खाया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको इसे नहीं खाना चाहिए।]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 19:29 (#1)

וְלֹא־תִזְנֶה הָאָרֶץ וּמָלְאָה הָאָרֶץ זִמָּה

“अपनी बेटियों को वेश्या बनाकर अपवित्र न करना, ऐसा न हो कि देश वेश्यागमन के कारण महापाप से भर जाए”

यहाँ मूल भाषा में **देश** शब्द के दोनों उदाहरण उन लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो वहाँ निवास करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [या लोग वेश्यावृत्ति और कई बुरी चीजें करने लगेंगे]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 19:29 (#2)

וְלֹא־תִזְנֶה הָאָרֶץ וּמָלְאָה הָאָרֶץ זִמָּה

“ऐसा न हो कि देश वेश्यागमन के कारण महापाप से भर जाए”

कई लोग **वेश्यागमन** और अन्य **महापाप** अपनाते हैं, ऐसा कहा जाता है जैसे पूरी ज़मीन इन चीज़ों से भर गई हो। वैकल्पिक अनुवाद: [कहीं लोग वेश्यावृत्ति और कई बुरी चीजों का अभ्यास न करने लगें]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 19:31 (#1)

“ओझाओं और भूत साधनेवालों”

ओझा वे लोग होते थे जो मृतकों से बात करने का दावा करते थे। **भूत साधनेवाले** यह दावा करते थे कि वे भविष्य की घटनाओं का अंदाज़ा लगा सकते हैं। इस्राएलियों को इन लोगों से कोई लेना-देना नहीं था।

लैव्यव्यवस्था 19:31 (#2)

“और ऐसों की खोज करके उनके कारण अशुद्ध न हो जाना”

वैकल्पिक अनुवाद: [उन लोगों की खोज मत करें। यदि आप ऐसा करते हैं, तो वे आपको अपवित्र कर देंगे।]

लैव्यव्यवस्था 19:32 (#1)

תָּקוּם

“सामने उठ खड़े होना”

यहाँ, **उठ खड़े होना** एक प्रतीकात्मक क्रिया है जो आदर दिखाने के लिए की जाती है। किसी के सामने खड़ा होना कुछ संस्कृतियों में सम्मान का प्रतीक होता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो आप इस क्रिया के महत्व को पाठ में या पाद टिप्पणी में समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको उनके प्रति आदरपूर्वक व्यवहार करना चाहिए]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 19:32 (#2)

“पक्के बाल वाले”

पक्के बाल वाले उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जिनके बाल उम्र के कारण सफेद हो गए हैं, या “एक वृद्ध व्यक्ति।”

लैव्यव्यवस्था 19:35 (#1)

“तुम न्याय में, और परिमाण में, और तौल में, और नाप में, कुटिलता न करना”

यह जानबूझकर उन उपकरणों का उपयोग करने की प्रथा को प्रतिबंधित करता है जो वस्तुओं को मापते समय गलत मूल्य देते हैं।

लैव्यव्यवस्था 19:36 (#1)

אֵיפַת צֶדֶק

“सच्चा एपा”

एक **एपा** अनाज के लिए एक माप होता था।

देखें: बाइबलीय मात्रा

लैव्यव्यवस्था 19:36 (#2)

וְהִין צֶדֶק

“और धर्म का हीन”

एक **हिन** तरल पदार्थों के लिए एक माप इकाई थी।

देखें: बाइबलीय मात्रा

लैव्यव्यवस्था 19:37 (#1)

וּשְׁמַרְתֶּם & וַעֲשִׂיתֶם

“मानते हुए” - “निरन्तर पालन करो”

इन वाक्यों का मतलब एक ही है और ये आज्ञा मानने पर ज़ोर देते हैं।

देखें: दोहरात्मक

लैव्यव्यवस्था 20:1 (#1)

לֵאמֹר

“कहा”

जिस शब्द का अनुवाद **कहा** किया गया है, वह एक प्रत्यक्ष उद्धरण की शुरुआत को दर्शाता है।अपने अनुवाद में, अपनी भाषा में प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करने का एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। इस शब्द को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना आवश्यक नहीं हो सकता है।

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 20:1–2 (#1)

לֵאמֹר׃ וְאֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל תֹּאמַר׃

“कहा, “इस्राएलियों से कह कि”

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं कि उद्धरण के भीतर उद्धरण न आए। यहाँ एक नया वाक्य आरम्भ करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद (पहले पूर्ण विराम के साथ): [उन्होंने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से बोले और यह कहे कि]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 20:2 (#1)

“इस्राएलियों में से, या इस्राएलियों के”

देखें कि आपने इस रूपक का अनुवाद 1:2 में कैसे किया है।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 20:2 (#10)

יִרְגְּמֻהוּ בָאֶבֶן

“उसको पथरवाह करे”

पथरवाह अभिव्यक्ति यहाँ किसी विशेष पत्थर के लिए नहीं, बल्कि सामान्य रूप से "पत्थरों" के लिए प्रयुक्त हुई है। यदि आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक लगे, तो आप ऐसा शब्द या वाक्यांश प्रयोग कर सकते हैं जो सामान्य अर्थ को स्पष्ट करे।वैकल्पिक अनुवाद: [उसे पत्थरों से मार डालना]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 20:2 (#2)

אִ֣ישׁ אִישׁ֩

"इस्राएलियों में से, या इस्राएलियों के बीच रहनेवाले परदेशियों में से"

मूल भाषा में यहाँ "पुरुष" शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी आई.आर.वि. में "इस्राएलियों" शब्द का उपयोग हुआ है। यहाँ पुल्लिंग शब्द **पुरुष** सामान्य अर्थ में प्रयोग हुआ है, जिसमें स्त्री और पुरुष दोनों शामिल हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट करना उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का प्रयोग कर सकते हैं जो स्त्री और पुरुष दोनों को स्पष्ट रूप से सम्मिलित करे। अधिक जानकारी के लिए, लैव्यव्यवस्था 20 अध्याय की भूमिका में बल देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति के विषय में देखें। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी व्यक्ति]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 20:2 (#3)

אֲשֶׁ֤ר יִתֵּן֙ מִזַּרְעוֹ֙ לַמֹּ֔לֶךְ

"जो अपनी कोई सन्तान मोलेक को बलिदान करे"

यह अभिव्यक्ति एक मुहावरा है जिसका अर्थ है अपनी सन्तानों को **मोलेक** को बलिदान के रूप में अर्पित करना। जो लोग **मोलेक** की आराधना करते थे, वे अक्सर अपनी सन्तानों को अग्नि के माध्यम से उन्हें बलिदान करते थे। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो, या आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जो अपनी सन्तानों में से किसी को मोलेक को बलिदान के रूप में अर्पित करता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:2 (#4)

מִזַּרְעוֹ֙

"सन्तान... को"

यह अभिव्यक्ति एक रूपक का उपयोग करके **सन्तान** शब्द को किसी की सन्तानों से संबंधित करती है। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या वीर्य को पौधों के बीज के समान समझा जाता था, यद्यपि दोनों के लिए एक ही शब्द का प्रयोग किया गया है (संदर्भ के लिए 11:37 और 15:16 देखें।)। यदि आपकी भाषा में भी ऐसा ही रूपक प्रयोग होता है, तो आप यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार कर सकते हैं। यदि नहीं, तो किसी सामान्य अभिव्यक्ति का प्रयोग करना उचित होगा। वैकल्पिक अनुवाद: [उसकी सन्तानों में से]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 20:2 (#5)

לַמֹּ֔לֶךְ

"मोलेक के लिए"

मोलेक इब्रानी भाषा से लिया गया एक शब्द है। आपको यह निर्णय करना होगा कि क्या आप भी इस शब्द को अपनी भाषा में उसी रूप में लेंगे। यदि आप इसे लेते हैं, तो आप इसे अपनी भाषा के अनुसार लिख सकते हैं और फिर उसका अर्थ पाद-टिप्पणी में दे सकते हैं। यदि आप इस शब्द का अनुवाद करने का निर्णय लेते हैं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। देखें कि आपने इस देवता के नाम का अनुवाद 18:21 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [एक झूठे देवता को] या [एक मूर्ति को]

देखें: शब्दों की नकल करना या यथावत रखना

लैव्यव्यवस्था 20:2 (#6)

מָ֣וֹת יוּמָ֑ת

"जब मार डाला जाए...उसको पथरवाह करे"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मरते समय, इस्राएल के लोग उसका पथरवाह कर देंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 20:2 (#7)

מָ֣וֹת יוּמָ֑ת

"जब निश्चय मार डाला जाए... उसको पथरवाह करे"

यह अभिव्यक्ति **मार डाला जाए** क्रिया को दोहराकर उसके अर्थ को अधिक प्रबल बनाती है। यदि आपकी भाषा में बल देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति की जा सकती है, तो यहाँ ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में बल प्रकट करने का कोई अन्य स्वाभाविक तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [उस व्यक्ति को निश्चय ही मृत्यु-दण्ड दिया जाए] या, निष्क्रिय निर्माण से बचने के लिए: [इस्राएली लोग निश्चय ही उसे मार डालें]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 20:2 (#8)

עַ֥ם הָאָ֖רֶץ יִרְגְּמֻ֥הוּ בָאָֽבֶן

"और जनता उसको पथरवाह करे"

यह अभिव्यक्ति एक सार्वजनिक मृत्युदण्ड की विधि को दर्शाती है, जिसमें समुदाय के लोग किसी दोषी ठहराए गए व्यक्ति का पथरवाह करते हैं जब तक कि उसकी मृत्यु न हो जाए। इस प्रकार उसकी मृत्यु सार्वजनिक और धीमी होती है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार के सार्वजनिक दण्ड के लिए कोई विशिष्ट शब्द या वाक्यांश है, तो यहाँ उसका प्रयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो किसी सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [देश के लोग उसे सार्वजनिक रूप से मृत्यु-दण्ड दें]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:2 (#9)

עַם הָאָרֶץ

“जनता”

अभिव्यक्ति **जनता** उस भूमि में रहने वाले लोगों का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है, चाहे वे इस्राएल देश में विदेशी हों या देश में जन्मे हों। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जो कोई भी इस्राएल देश में रहता है] या [हर कोई]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 20:3 (#1)

וַאֲנִי֙ אֶתֵּ֣ן אֶת־פָּנַ֔י

“मैं भी उस... के विरुद्ध होकर”

यहाँ, शब्द **मैं** यहोवा को संदर्भित करता है, जो मूसा से बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में अर्थ को स्पष्ट करने से समझने में सहायता मिलती हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करने पर विचार कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और मैं, यहोवा... विरुद्ध होकर]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 20:3 (#2)

בָּאִישׁ הַהֽוּא

“उस मनुष्य के विरुद्ध”

यहाँ, अभिव्यक्ति **उस मनुष्य** उस व्यक्ति को संदर्भित करती है जो अपनी सन्तानों को मोलेक की आराधना के लिए बलिदान करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो संदर्भ को स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उस व्यक्ति के विरुद्ध जो अपनी सन्तानों को मोलेक की आराधना के लिए बलिदान करता है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:3 (#3)

וְהִכְרַתִּ֥י אֹתֹ֖ו מִקֶּ֑רֶב עַמֹּ֕ו

“उसको उसके लोगों में से इस कारण नाश करूँगा”

अपनी सन्तानों को मोलेक की आराधना के लिए बलिदान करने का दण्ड इस प्रकार से बताया गया है जैसे यहोवा सचमुच उस व्यक्ति को उसके लोगों से अलग कर रहे हों। यह सहायक हो सकता है कि आप देखें, आपने 7:20 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 20:3 (#4)

כִּֽי־מִזַּרְעֹו֙ נָתַ֣ן לַמֹּ֔לֶךְ

“कि उसने अपनी सन्तान मोलेक को देकर”

देखें कि आपने 20:2 में समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि उसने अपनी सन्तान को मोलेक के लिए बलिदान किया है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:3 (#5)

כִּֽי־

“कि”

जिस शब्द का अनुवाद **कि** किया गया है, वह यह दर्शाता है कि आगे जो कहा गया है, वह पहले कही गई बात का कारण है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक शब्द प्रयोग करें जो स्पष्ट करे कि आगे का कथन पहले के कथन का कारण बता रहा है। वैकल्पिक अनुवाद (पहले पूर्ण विराम के साथ): [मैं ऐसा करूँगा क्योंकि]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 20:3 (#6)

לְמַעַן֙ טַמֵּא֔ אֶת־מִקְדָּשִׁ֖י

“मेरे पवित्रस्थान को अशुद्ध किया”

यह अभिव्यक्ति यह संकेत करती है कि मोलेक की आराधना में सन्तान-बलि चढ़ाना यहोवा के **पवित्रस्थान** को अशुद्ध कर देता है, अर्थात् उसे यहोवा की पवित्र उपस्थिति या उनकी आराधना के योग्य नहीं रहने देता। यदि आपके पाठकों के लिए यह जानकारी उपयोगी हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट कर सकते हैं। यह भी सहायक हो सकता है कि आप देखें, 5:3 में किसी वस्तु के अशुद्ध होने की धारणा का आपने कैसे अनुवाद किया था।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:3 (#7)

לְמַעַן֙

“कि”

शब्द का अनुवाद **कि** इस बात को इंगित करने के लिए किया जाता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए का परिणाम है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद (पहले पूर्ण विराम के साथ): [उसने ऐसा इसलिए किया ताकि]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 20:3 (#8)

וּלְחַלֵּ֔ל אֶת־שֵׁ֥שֶׁם קָדְשִֽׁי

“और मेरे पवित्र नाम को अपवित्र ठहराया”

यहाँ **नाम** शब्द यहोवा का प्रतिनिधित्व करता है और विस्तार से उसकी पवित्रता की प्रतिष्ठा को भी दर्शाता है। इसलिए उसके **नाम को अपवित्र ठहराया** का अर्थ है यहोवा को ऐसी बातों के साथ जोड़ना जो पवित्र नहीं, बल्कि घृणित और निंदनीय हैं—जैसे सन्तान-बलि। यदि आपकी भाषा में इसी प्रकार की कोई समान अभिव्यक्ति है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो किसी सामान्य अभिव्यक्ति का प्रयोग किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और मुझे सार्वजनिक रूप से बदनाम करना] या [और मेरी प्रतिष्ठा को खुले रूप से कलंकित करना]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 20:4 (#1)

הַעְלֵם יַעְלִימוּ עַם הָאָרֶץ אֶת־עֵינֵיהֶם מִן־הָאִישׁ הַהוּא

“और जनता उसके विषय में आनाकानी करे”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में जहाँ **आँखें** शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में **आनाकानी** शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यहाँ **आँखें** किसी व्यक्ति के ध्यान और एकाग्र होने का प्रतीक हैं। **और जनता उसके विषय में आनाकानी करे** एक मुहावरेदार अभिव्यक्ति है, जिसका अर्थ है किसी बात को जानबूझकर अनदेखा करना या उस पर ध्यान न देना। अर्थात् **जनता उसके** कार्य को नजरअंदाज कर रही है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [देश के लोग उस व्यक्ति को अनदेखा करते हैं] या [देश के लोग उसके किए हुए कार्य को नजरअंदाज करते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 20:4 (#2)

הַעְלֵם יַעְלִימוּ עַם הָאָרֶץ אֶת־עֵינֵיהֶם

“जनता उसके विषय में आनाकानी करे”

यह अभिव्यक्ति **आनाकानी** क्रिया को दोहराकर उसके अर्थ को और अधिक प्रबल बनाती है। यदि आपकी भाषा में बल देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति की जा सकती है, तो अपने अनुवाद में यहाँ ऐसा करना उचित होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जिस प्रकार जोर या तीव्रता व्यक्त की जाती है, उस तरीके का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जानता हमेशा उसके विषय में आनाकानी करते हैं]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 20:4 (#3)

הָאִישׁ הַהוּא

“कोई”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में जहाँ “पुरुष” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में “कोई” शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यहाँ, अभिव्यक्ति **वह पुरुष** उस व्यक्ति को संदर्भित करती है जो अपनी सन्तानों को मोलेक की आराधना के लिए बलिदान करता है। यदि यह आपकी भाषा में आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह व्यक्ति जो अपनी सन्तानों को मोलेक की आराधना के लिए बलिदान करता है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:4 (#4)

בְּתִתּוֹ מִזַּרְעוֹ לַמֹּלֶךְ

“यदि कोई अपनी सन्तान मोलेक को बलिदान करे”

देखें कि आपने 20:2 में समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [जब वह अपनी सन्तान को मोलेक को बलिदान करता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:4 (#5)

לְבִלְתִּתִּי הָמֵת אֹתוֹ

“और उसको मार न डाले”

और... न के रूप में अनुवादित शब्द यह संकेत देते हैं कि जो आगे आता है वह पहले की वजह से होता है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक शब्द प्रयोग करें जो स्पष्ट करे कि आगे जो कहा गया है, वह पहले कही गई बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: [और, परिणामस्वरूप, पुरुष को मार न डाले] या, निष्क्रिय से बचने के लिए: [अर्थात, वे उसे मार नहीं देते]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 20:5 (#1)

וְשַׂמְתִּי אֲנִי אֶת־פָּנַי בָּאִישׁ הַהוּא

“तब तो मैं स्वयं उस मनुष्य और उसके घराने के विरुद्ध होकर”

मैं, **स्वयं** शब्द यहाँ यहोवा के लिए प्रयुक्त हुए हैं, जबकि **उस मनुष्य** उस व्यक्ति की ओर संकेत करता है जिसने अपने बच्चों को झूठे देवता मोलेक के लिए बलि चढ़ाया है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट करना सहायक हो, तो आप इन संदर्भों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने पर विचार कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तब मैं, यहोवा, उस व्यक्ति के विरुद्ध हो जाऊंगा जिसने अपने बच्चों को मोलेक के लिए बलि चढ़ाया है]

देखें: कर्मकर्त्ता सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 20:5 (#2)

וְשַׂמְתִּי אֲנִי אֶת־פָּנַי בָּאִישׁ הַהוּא

“तब तो मैं स्वयं उस मनुष्य...के विरुद्ध होकर”

20:3 में प्रयुक्त “मैं भी उस मनुष्य के विरुद्ध होकर” अभिव्यक्ति की तरह, यहाँ भी यह एक मुहावरा है जो किसी के विरोध में खड़े होने या उसके विरुद्ध निर्णय लेने को दर्शाता है। मूल भाषा में इस वाक्यांश में जहाँ “मुख” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में “विरुद्ध” शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यहाँ **मुख** शब्द लक्षणालंकार के रूप में पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में इसके समान कोई मुहावरा है, तो उसका प्रयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो किसी सामान्य और स्पष्ट अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और मैं स्वयं उस व्यक्ति का विरोध करूँगा] या [और मैं उस व्यक्ति का शत्रु बन जाऊँगा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:5 (#3)

וְהִכְרַתִּי אֹתוֹ וְאֵת כָּל־הַזֹּנִים אַחֲרָיו לִזְנוֹת אַחֲרֵי הַמֹּלֶךְ מִקֶּרֶב עַמָּם

“और जितने उसके पीछे होकर मोलेक के साथ व्यभिचार करें उन सभी को भी उनके लोगों के बीच में से नाश करूँगा”

अपने सन्तानो को मोलेक की आराधना के लिए बलिदान करने का दण्ड इस प्रकार से बताया गया है जैसे यहोवा सचमुच उस व्यक्ति को उसकी प्रजा से नाश कर रहे हों। यह देखना सहायक हो सकता है कि आपने 7:20 में इसी तरह की अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया था।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 20:5 (#4)

וְאֵאֵת ׀ כָּל־הַזֹּנִים אַחֲרָיו לִזְנוֹת אַחֲרֵי הַמֹּלֶךְ

“और जितने उसके पीछे होकर मोलेक के साथ व्यभिचार करें”

यहाँ यहोवा उन लोगों के बारे में बात कर रहे हैं जो उनके प्रति अविश्वासयोग्य हैं और अन्य देवताओं की आराधना करते हैं, जैसे कि वे **उसके पीछे होकर व्यभिचार करते हैं**। यह यहोवा और इस्राएल के लोगों के बीच एक विवाह का संकेत देता है, जैसे कि यहोवा एक पति की तरह हैं और इस्राएल के लोग एक पत्नी की तरह हैं। यदि आपकी भाषा में आराधना के विषय में धार्मिक अविश्वासयोग्यता को व्यक्त करने के लिए कोई समान रूपक है, तो यहाँ उसका प्रयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो किसी सामान्य और स्पष्ट अभिव्यक्ति का प्रयोग करना उचित होगा। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे सभी लोग जो मोलेक की आराधना करने का चुनाव करके यहोवा के प्रति विश्वासघात करते हैं]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 20:6 (#1)

וְהַנֶּפֶשׁ אֲשֶׁר תִּפְנֶה אֶל־הָאֹבֹת וְאֶל־הַיִּדְּעֹנִים

“फिर जो मनुष्य ओझाओं या भूत साधनेवालों की ओर फिरके”

यह अभिव्यक्ति **ओझाओं** और **भूत साधनेवालों** की ओर फिरने के मुहावरे का प्रयोग ऐसे व्यक्ति के लिए करती है जो यहोवा और उसकी आज्ञाओं की उपेक्षा करने का निर्णय लेता है और इसके स्थान पर मृतकों से संपर्क करने के इन साधनों का सहारा लेता है। यदि आपकी भाषा में धार्मिक अवज्ञा या अविश्वास को व्यक्त करने के लिए कोई समान मुहावरा है, तो उसका प्रयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो अर्थ को सीधे और स्पष्ट रूप में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और जो व्यक्ति ओझाओं या भूत साधनेवालों से बात करने वालों के पास जाकर यहोवा के प्रति अविश्वासयोग्य होता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:6 (#2)

“ओझाओं या भूत साधनेवालों”

देखें कि आपने इन शब्दों का अनुवाद 19:31 में किस प्रकार किया था।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 20:6 (#3)

לִזְנוֹת אַחֲרֵיהֶם

“और उनके पीछे होकर व्यभिचारी बने”

यहाँ जो लोग यहोवा के प्रति अविश्वासयोग्य होकर अन्य देवताओं की उपासना करते हैं, उनकी तुलना व्यभिचारियों से की गई है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। यह भी देखें कि पिछले पद में आपने इसी प्रकार की अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: [मोलेक की आराधना करने का चुनाव करके]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 20:6 (#4)

וְהִכְרַתִּתִּי אֹתוֹ מִקֶּרֶב עַמּוֹ

“तब मैं... उसको उसके लोगों के बीच में से नाश कर दूँगा”

इन व्यवहारों के लिए दण्ड का वर्णन इस प्रकार किया गया है मानो यहोवा सचमुच उस व्यक्ति को उसके लोगों में से नाश कर रहे हों। यह सहायक हो सकता है कि आप देखें, 7:20 में इसी प्रकार की अभिव्यक्ति का आपने किस प्रकार अनुवाद किया था।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 20:7 (#1)

כִּכִּי אֲנִי יְהוָה אֱלֹהֵיכֶם

“क्योंकि मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ”

जिस शब्द का अनुवाद **क्योंकि** किया गया है, वह यह दर्शाता है कि आगे जो कहा गया है, वह पहले कही गई बात का कारण है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक शब्द प्रयोग करें जो स्पष्ट करे कि आगे का कथन पहले के कथन का कारण बता रहा है। वैकल्पिक अनुवाद (पहले पूर्ण विराम के साथ): [तुम्हें ऐसा करना चाहिए क्योंकि मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 20:8 (#1)

וּשְׁמַרְתֶּם אֶת־חֻקֹּתַי וַעֲשִׂיתֶם אֹתָם & מְקַדִּשְׁכֶם

“और तुम मेरी विधियों को मानना; क्योंकि मैं तुम्हारा पवित्र करनेवाला”

यहाँ, **तुम** बहुवचन है। यह इस्राएल के लोगों की ओर संकेत करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद किया जाता है, तो अपने अनुवाद में बहुवचन रूप का प्रयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 20:8 (#2)

וּשְׁמַרְתֶּם אֶת־חֻקֹּתַי וַעֲשִׂיתֶם אֹתָם

“और तुम मेरी विधियों को मानना, और उनका पालन भी करना”

वाक्यांश **तुम मेरी विधियों को मानना** और **उनका पालन भी करना** मूल रूप से एक ही बात का मतलब रखते हैं। इन शब्दों का प्रयोग साथ-साथ इसलिए किया गया है ताकि यह बल दिया जा सके कि लोगों को परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन अवश्य करना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम मेरी विधियों को मानो; वास्तव में तुम्हें उन्हें लगन से पूरा करना चाहिए]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 20:9 (#1)

אִישׁ אִישׁ

“कोई”

मूल भाषा में इस पद में जहाँ “पुरुष” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में “कोई” शब्द का इस्तेमाल हुआ है। शब्दों

पर जोर देने के लिए उन्हें दोहराया जा रहा है। यहाँ विशेष रूप से **पुरुष** शब्द की पुनरावृत्ति किसी भी व्यक्ति को दर्शाने के लिए की गई है। यद्यपि **पुरुष** पुल्लिंग है, फिर भी यहाँ इसका प्रयोग सामान्य अर्थ में हुआ है, जिसमें स्त्री और पुरुष दोनों सम्मिलित हैं। यदि आपकी भाषा में इसी प्रकार शब्दों की पुनरावृत्ति की जा सकती है, तो यहाँ ऐसा करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो किसी सामान्य अभिव्यक्ति का प्रयोग किया जा सकता है। यह भी देखें कि 20:2में आपने इस पुनरावृत्ति का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी व्यक्ति]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 20:9 (#2)

אֲשֶׁר יְקַלֵּל אֶת־אָבִיו וְאֶת־אִמּוֹ & אָבִיו וְאִמּוֹ קִלֵּל

“कोई क्यों न हो, जो अपने पिता या माता को श्राप दे... उसने अपने पिता या माता को श्राप दिया है”

यहाँ अपने पिता या माता को **श्राप देने** का अर्थ है उनके विरुद्ध अपमानजनक और हानिकारक बातें कहना, या ऐसे निश्चित शब्द बोलना जिनका उद्देश्य उन्हें हानि पहुँचाना हो। माता-पिता को श्राप देना इस बात को दर्शाता है कि व्यक्ति उनका आदर और देखभाल करने के बजाय उनके नुकसान की इच्छा करता है (देखें 19:3)। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की हानिकारक या अपमानजनक बोली के लिए कोई विशेष शब्द है, तो उसका प्रयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो किसी सामान्य अभिव्यक्ति का प्रयोग किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जो अपने पिता या अपनी माता के लिए बुरा चाहता है और उनके विरुद्ध अपमानजनक बातें कहता है ... उसने अपने पिता और अपनी माता के विरुद्ध बुरी बातें कही हैं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:9 (#3)

“निश्चय मार डाला जाए”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति को 20:2 में कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 20:9 (#4)

דְּמָיו בּוֹ

“उसका खून उसी के सिर पर पड़ेगा”

उसका खून वाक्यांश उस व्यक्ति के माता-पिता के रक्तपात या मृत्यु के लिए व्यक्ति के अपराध को दर्शाता है जो उसके श्राप के कारण होता है। यहाँ इस दोष को ऐसे बताया गया है मानो वह व्यक्ति पर एक बोझ की तरह पड़ा हो जिसे उसे स्वयं उठाना है। यदि आपकी भाषा में कोई तुलनीय अभिव्यक्ति है जिसका उपयोग किसी व्यक्ति को उनके कार्यों के लिए जिम्मेदार ठहराने की कानूनी आवश्यकता के बारे में बात करने के लिए किया जाता है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए] या, निष्क्रिय से बचने के लिए, [उसे अपने कार्यों से प्राप्त रक्तदोष को सहन करना चाहिए]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:10 (#1)

וְאִישׁ אֲשֶׁר יִנְאַף אֶת־אֵשֶׁת אִישׁ אֲשֶׁר יִנְאַף אֶת־אֵשֶׁת רֵעֵהוּ

“फिर यदि कोई पराई स्त्री के साथ व्यभिचार करे, तो जिसने किसी दूसरे की स्त्री के साथ व्यभिचार किया हो “

ये दोनों वाक्य मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं और इस बात पर जोर देते हैं कि पुरुष ने किसी अन्य पुरुष की **स्त्री** के साथ **व्यभिचार** किया है। आप इस समानता को एक वाक्य में अनुवाद कर सकते हैं जो इन कार्यों की गंभीरता को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और जो कोई दूसरे पुरुष की पत्नी के साथ, बल्कि अपने पड़ोसी की पत्नी के साथ व्यभिचार करता है]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 20:10 (#2)

“वह... निश्चय मार डालें जाएँ”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति को 20:2 में किस प्रकार प्रस्तुत किया है।

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 20:10 (#3)

הַנֹּאֵף וְהַנֹּאֶפֶת

“वह व्यभिचारी और वह व्यभिचारिणी”

शब्द **व्यभिचारी** और **व्यभिचारिणी** क्रमशः उस पुरुष और स्त्री को संदर्भित करते हैं जिन्होंने व्यभिचार किया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह पुरुष और स्त्री जिन्होंने व्यभिचार किया है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:11 (#1)

וְאִישׁ אֲשֶׁר יִשְׁכַּב אֶת־אֵשֶׁת & אָבִיו

“यदि कोई अपनी सौतेली माता के साथ सोए”

यह लैंगिक सम्बंधो के बारे में बात करने का एक शिष्ट तरीका है। आपकी भाषा में जो अधिक सहायक और उपयुक्त हो, उसके अनुसार आप इस बात का शिष्ट तरीके से उल्लेख कर सकते हैं, या आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक पुरुष जो अपने पिता की पत्नी के साथ सोता है] या [और एक पुरुष जो अपने पिता की पत्नी के साथ लैंगिक सम्बन्ध रखता है]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:11 (#2)

“वह अपने पिता ही का तन उघाड़नेवाला ठहरेगा”

देखें कि आपने 18:6 में समान अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:11 (#3)

מוֹת־יוּמְתוּ שְׁנֵיהֶם

“इसलिए वे दोनों निश्चय मार डाले जाएँ”

देखें कि आपने 20:2 में इसी तरह की अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया था। वैकल्पिक अनुवाद: [उन दोनों को निश्चित रूप से मार डालना चाहिए] या, निष्क्रिय निर्माण से बचने के लिए [इस्राएल के लोग निश्चित रूप से उन दोनों को मार डालेंगे]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 20:11 (#4)

“उनका खून उन्हीं के सिर पर पड़ेगा”

देखें कि आपने 20:9 में समान अभिव्यक्ति को किस प्रकार प्रस्तुत किया था।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:12 (#1)

וְאִ֣ישׁ אֲשֶׁ֗ר יִשְׁכַּב֙ אֶת־כַּלָּתֹ֔ו

“यदि कोई अपनी बहू के साथ सोए”

यह लैंगिक सम्बन्धों के बारे में बात करने का एक शिष्ट तरीका है। देखें कि आपने पिछले पद में इसी प्रकार की अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया था। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक पुरुष जो अपनी बहू के साथ सोता है] या [और एक पुरुष जो अपनी बहू के साथ लैंगिक सम्बन्ध बनाता है]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:12 (#2)

אֶת־כַּלָּתֹ֔ו

“अपनी बहू के साथ”

एक **बहू** बेटे की पत्नी होती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [अपने बेटे की पत्नी]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:12 (#3)

“तो वे दोनों निश्चय मार डाले जाएँ”

देखें कि आपने इस समान वाक्यांश का अनुवाद 20:11 में किस प्रकार किया।

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 20:12 (#4)

תֵּ֥בֶל עָשׂ֖וּ

“क्योंकि वे उलटा काम करनेवाले ठहरेंगे”

यहाँ भाववाचक संज्ञा **उलटा काम** ऐसे व्यवहार की ओर संकेत करती है जिसे यहोवा की इच्छा के अनुसार मनुष्यों के लिए निर्धारित आचरण की सीमाओं से बहुत बाहर माना जाता है। यदि आपकी भाषा में **उलटा काम** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उन्होंने जो काम किया है वह विकृत और घिनौना है] या [ऐसा व्यवहार निषिद्ध है क्योंकि यह बहुत घिनौना और उलटा है]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 20:12 (#5)

“उनका खून उन्हीं के सिर पर पड़ेगा”

देखें कि आपने 20:9 में समान अभिव्यक्ति को किस प्रकार प्रस्तुत किया था।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:13 (#1)

וְאִ֣ישׁ אֲשֶׁ֗ר יִשְׁכַּ֤ב אֶת־זָכָר֙ מִשְׁכְּבֵ֣י אִשָּׁ֔ה

“यदि कोई जिस रीति स्त्री से उसी रीति पुरुष से प्रसंग करे”

अभिव्यक्ति **जिस रीति स्त्री से उसी रीति पुरुष से प्रसंग करे** लैंगिक गतिविधि का प्रतिनिधित्व करती है। विशेष रूप से, यह एक पुरुष के दूसरे पुरुष के साथ उसी तरीके से लैंगिक सम्बन्ध रखने का उल्लेख करता है जैसे वह एक स्त्री के साथ लैंगिक सम्बन्ध रखता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या इसे साधारण भाषा में कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक पुरुष जो एक पुरुष के साथ उसी तरह लेटता है जैसे वह एक स्त्री के साथ लेटता है]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 20:13 (#2)

“जिस रीति स्त्री से उसी रीति पुरुष से”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति को 20:11 में कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:13 (#3)

תֹּועֵבָ֥ה עָשׂ֖וּ שְׁנֵיהֶ֑ם

“तो वे दोनों घिनौना काम करनेवाले ठहरेंगे”

यहाँ, भाववाचक संज्ञा **घिनौना काम** उस बात की ओर संकेत करता है जो यहोवा द्वारा ठहराए गए सृष्टि के उचित क्रम का उल्लंघन करती है। यदि आपकी भाषा में **घिनौना काम** जैसे भाववाचक शब्द का प्रयोग स्वाभाविक न हो, तो आप उसी अर्थ को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उन दोनों ने जो किया है, वह उस तरीके का सम्मान नहीं करता जिस तरह से परमेश्वर अपनी सृष्टि को व्यवस्थित करना चाहते हैं]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 20:13 (#4)

“इस कारण वे निश्चय मार डाले जाएँ”

देखें कि आपने 20:2 में समान अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 20:13 (#5)

“उनका खून उन्हीं के सिर पर पड़ेगा”

देखें कि आपने 20:9 में समान अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:14 (#1)

וְאִאִ֣ישׁ אֲשֶׁ֣ר יִקַּ֗ח אֶת־אִשָּׁ֤ה וְאֶת־אִמָּהּ֙

“यदि कोई अपनी पत्नी और अपनी सास दोनों को रखे”

अभिव्यक्ति **अपनी पत्नी और अपनी सास दोनों को रखे** एक मुहावरा है जो एक पुरुष के एक स्त्री और उसकी माता से विवाह करने का संदर्भ देता है या एक शिष्ट भाषा है जो एक पुरुष के एक स्त्री और उसकी माता के साथ लैंगिक सम्बन्ध रखने का संदर्भ देता है। यदि संभव हो, तो एक ऐसा अनुवाद पर विचार करें जो दोनों संभावनाओं की अनुमति दे। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक पुरुष जो एक स्त्री और अपनी सास से विवाह करता है] या [और एक पुरुष जो एक स्त्री और उसकी माता दोनों के साथ लैंगिक सम्बन्ध रखता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:14 (#2)

זִמָּ֣ה הִ֔וא & וְלֹא־תִהְיֶ֥ה זִמָּ֖ה בְּתוֹכְכֶ֑ם

“यह महापाप और जिससे तुम्हारे बीच महापाप न हो”

यहाँ **महापाप** शब्द ऐसे व्यवहार को दर्शाता है जो परमेश्वर की उस व्यवस्था का खुला उल्लंघन करता है जिसके अनुसार परिवारों को चलना चाहिए और परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे से सम्बन्ध रखना चाहिए। यदि आपकी भाषा में **महापाप** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का प्रयोग नहीं हुआ है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [ऐसा व्यवहार निश्चित ही भ्रष्ट है... और ऐसा भ्रष्ट व्यवहार तुम्हारे बीच नहीं रहेगा] या [ऐसा व्यवहार परमेश्वर की उस इच्छा के अनुरूप नहीं है कि परिवार के सदस्य एक-दूसरे से कैसे सम्बन्ध रखें ... और ऐसा घृणित व्यवहार तुम्हारे बीच नहीं रहेगा]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 20:14 (#3)

בָּאֵ֖שׁ יִשְׂרְפוּ אֹתוֹ֙ וְאֶתְהֶ֔ן

“इसलिए वह पुरुष और वे स्त्रियाँ तीनों के तीनों आग में जलाए जाएँ”

मूल भाषा में यहाँ “वे” शब्द का उपयोग हुआ है लेकिन हिंदी आई.आर.वि. में इस शब्द का उपयोग नहीं हुआ है। यहाँ शब्द **वे** इस्राएल के लोगों को संदर्भित करता है, जबकि शब्द **वे** उस स्त्री और उसकी माता को संदर्भित करता है जिन्होंने एक ही पुरुष के साथ लैंगिक सम्बन्ध बनाए हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल के लोग उस पुरुष और दोनों स्त्रियों को आग से जला देंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 20:14 (#4)

בְּתוֹכְכֶ֑ם

“तुम्हारे बीच”

यहाँ, **तुम्हारे** बहुवचन है। यह इस्राएल के लोगों को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 20:15 (#1)

וְאִאִ֣ישׁ אֲשֶׁ֣ר יִתֵּ֣ן שְׁכָבְתּ֗וֹ בַּבְּהֵמָ֤ה

“फिर यदि कोई पुरुष पशुगामी हो”

यह लैंगिक गतिविधि के लिए एक शिष्ट शब्द है। देखें कि आपने 18:20 और 18:23 में समान अभिव्यक्तियों का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि कोई पुरुष किसी पशु के साथ लैंगिक सम्बन्ध रखे जिससे उसका वीर्य स्खलित हो]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:15 (#2)

“निश्चय मार डाले जाएँ”

देखें कि आपने 20:2 में समान अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 20:15 (#3)

וְאֶת־הַבְּהֵמָ֥ה תַהַרְגוּ֖

“तो... पशु दोनों निश्चय मार डाले जाएँ”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में “तुम” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, पर हिंदी आई.आर.वी. में इसका इस्तेमाल नहीं हुआ है। यहाँ, **तुम** बहुवचन है। यह इस्राएल के लोगों को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 20:16 (#1)

וְאִשָּׁ֣ה אֲשֶׁ֣ר תִּקְרַ֗ב אֶל־כָּל־בְּהֵמָה֙ לְרִבְעָ֣ה אֹתָ֔הּ

“यदि कोई स्त्री पशु के पास जाकर उसके संग कुकर्म करे”

यह दो पशुओं के बीच होने वाली लैंगिक क्रिया के बारे में बोलने का एक शिष्ट किन्तु तकनीकी तरीका है। देखें कि आपने 18:23 में एक समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि कोई स्त्री किसी पशु के पास उसके साथ संसर्ग करने के लिए जाए] या [और यदि कोई स्त्री किसी पशु के पास उसके साथ लैंगिक सम्बन्ध रखने के लिए जाए]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:16 (#2)

וְהָרַגְתָּ֤ אֶת־הָאִשָּׁה֙ וְאֶת־הַבְּהֵמָ֔ה מ֥וֹת יוּמָתֻ֖ו

“तो तू उस स्त्री और पशु दोनों को घात करना; वे निश्चय मार डाले जाएँ”

ये दोनों वाक्यांश मूलतः एक ही बात कहते हैं और इस बात पर बल देते हैं कि इस्राएल के लोगों को उस स्त्री को मार डालना चाहिए और उस पशु को भी मार डालना चाहिए जो इस प्रकार के कार्य में सम्मिलित हुआ है। पहला वाक्यांश इस विचार को अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त करता है, जबकि दूसरा सामान्य अभिव्यक्ति का प्रयोग करता है। आप इन दोनों वाक्यांशों का अनुवाद एक ही वाक्य में कर सकते हैं जो इन कार्यों की गंभीरता को स्पष्ट रूप से प्रकट करे। वैकल्पिक अनुवाद: [तो तुझे स्त्री को अवश्य मार डालना चाहिए, हाँ, और पशु को भी मार डालना चाहिए]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 20:16 (#3)

"वे निश्चय मार डाले जाएँ"

देखें कि आपने 20:2 में समान अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 20:16 (#4)

"उनका खून उन्हीं के सिर पर पड़ेगा"

देखें कि आपने 20:9 में समान अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:17 (#1)

וְאִישׁ אֲשֶׁר־יִקַּח אֶת־אֲחֹתֹו

"यदि कोई अपनी बहन का... नग्न तन देखे"

अपनी बहन का... नग्न तन देखे यह अभिव्यक्ति या तो एक मुहावरा है जिसका अर्थ है कि कोई पुरुष अपनी बहन से विवाह करता है, या यह एक मंगल भाषण है जिसका अर्थ है कि कोई पुरुष अपनी बहन के साथ लैंगिक सम्बन्ध रखता है। यदि संभव हो, तो ऐसा अनुवाद चुनें जो दोनों संभावनाओं को समाहित करे। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक पुरुष जो अपनी बहन से विवाह करता है] या [और एक पुरुष जो अपनी बहन के साथ लैंगिक सम्बन्ध रखता है]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:17 (#2)

בַּת־אָבִיו אֹו בַת־אִמֹּו

"चाहे उसकी सगी बहन हो चाहे सौतेली"

इसका तात्पर्य यह है कि कोई व्यक्ति अपनी बहन के साथ लैंगिक सम्बन्ध नहीं बना सकता, चाहे उसकी माता या उसका पिता अलग हो। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक होगी, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तेरी सौतेली बहन]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:17 (#3)

וְרָאָה אֶת־עֶרְוָתָהּ וְהִיא־תִרְאֶה אֶת־עֶרְוָתוֹ

"उसका नग्न तन देखे, और उसकी बहन भी उसका नग्न तन देखे"

किसी व्यक्ति का **नग्न तन** देखना उसी तरह का विचार व्यक्त करता है जैसे किसी की **नग्नता** को उजागर करना। यह माना जाता है कि किसी अन्य व्यक्ति का नग्न तन देखना दोनों व्यक्तियों को अपमानित करता है और शर्मिंदगी लाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो सकता है, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे एक-दूसरे को नग्न देखते हैं और इस प्रकार एक-दूसरे को शर्मिंदा करते हैं]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:17 (#4)

חֶסֶד הוּא

"यह निन्दित बात है"

यहाँ **निन्दित** शब्द ऐसे व्यवहार को दर्शाता है जो परमेश्वर की उस व्यवस्था का खुला उल्लंघन करता है जिसके अनुसार परिवारों को चलना चाहिए और परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे से सम्बन्ध रखना चाहिए। यदि आपकी भाषा में **निन्दित** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [ऐसा व्यवहार निश्चित रूप से अपमानजनक है] या [ऐसा व्यवहार उस तरह नहीं दिखाता जैसा परमेश्वर चाहते हैं कि परिवार के सदस्य एक-दूसरे के साथ व्यवहार करें]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 20:17 (#5)

וְנִכְרְתוּ לְעֵינֵי בְנֵי עַמָּם

"वे दोनों अपने जातिभाइयों की आँखों के सामने नाश किए जाएँ"

देखें कि आपने 7:20 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। यह अभिव्यक्ति **आँखों** शब्द का प्रयोग ध्यान और देखने के अर्थ में करती है। यदि आपकी भाषा में इसी प्रकार की कोई समान अभिव्यक्ति है, तो उसका प्रयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो किसी सामान्य और स्पष्ट अभिव्यक्ति का प्रयोग किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और उन्हें अपने लोगों के सामने अलग कर दिया जाए] या, निष्क्रिय रूप से बचने के लिए: [और लोगों के पुत्र उन्हें सबके सामने अलग कर दें और उनसे कोई सम्बन्ध न रखें]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:17 (#6)

בְּנֵי עַמָּם

"जातिभाइयों"

यहाँ पर **भाइयों** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो सभी वंशजों, पुरुष और महिला दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुत्रों और पुत्रियों दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके लोगों की संतान]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 20:17 (#7)

"जो अपनी बहन का तन उघाड़नेवाला ठहरेगा"

देखें कि आपने 18:6 में समान अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:17 (#8)

“उसे अपने अधर्म का भार स्वयं उठाना पड़ेगा”

देखें कि आपने 5:1 में समान अभिव्यक्ति को किस प्रकार प्रस्तुत किया।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:18 (#1)

“फिर यदि कोई पुरुष किसी ऋतुमती स्त्री के संग सोकर “

देखें कि आपने इस मंगल भाषण को 20:11 में किस प्रकार प्रस्तुत किया।

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:18 (#2)

אִשָּׁה דָוָה

“ऋतुमती स्त्री”

यह अभिव्यक्ति शारीरिक बीमारी का उल्लेख नहीं करती है बल्कि एक स्त्री के सामान्य मासिक धर्म के अनुभव को संदर्भित करती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। देखें कि आपने 15:33 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [एक स्त्री जो अपने सामान्य मासिक धर्म का अनुभव कर रही हैं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:18 (#3)

“उसका तन उघाड़े”

देखें कि आपने 18:6 में समान अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:18 (#4)

אֶת־מְקֹרָהּ הֶעֱרָה וְהִהֵיא גִלְּתָה אֶת־מְקֹרָהּ דָּמֶיהָ

“तो वह पुरुष उसके रुधिर के सोते का उघाड़नेवाला ठहरेगा, और वह स्त्री अपने रुधिर के सोते की उघाड़नेवाली ठहरेगी”

उसके रुधिर और **अपने रुधिर के सोते** ये अभिव्यक्तियाँ स्त्री के मासिक धर्म के समय उसके गुप्तांगों की ओर संकेत करती हैं। “उसका तन उघाड़नेवाली” जैसे शिष्ट रूपक की तरह, मासिक धर्म के समय स्त्री के गुप्तांगों को प्रकट करना ऐसा कार्य माना जाता था जो पुरुष और स्त्री दोनों के लिए लज्जा का कारण बनता है। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट करना सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उसने उसके मासिक धर्म के समय उसके गुप्तांग प्रकट किए और इस प्रकार उसे लज्जित किया, और उसने अपने रुधिर के स्रोत को प्रकट किया और इस प्रकार अपने ऊपर लज्जा लाई]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:18 (#5)

“इस कारण वे दोनों अपने लोगों के बीच में से नाश किए जाएँ”

देखें कि आपने 7:20 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 20:19 (#1)

“अपनी मौसी या फूफी का तन न उघाड़ना”

देखें कि आपने 18:6 में समान व्यंजना को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:19 (#2)

כִּכְיָ אֶת־שְׁאֵרוֹ הֶעֱרָה

“क्योंकि जो उसे उघाड़े”

क्योंकि के रूप में अनुवादित शब्द यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद (पहले पूर्ण विराम के साथ): [उसे ऐसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि वह अपनी निकट सम्बन्धी को उघाड़ेगा]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 20:19 (#3)

“इसलिए इन दोनों को अपने अधर्म का भार उठाना पड़ेगा”

देखें कि आपने 5:1 में इसी अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:19 (#4)

“इसलिए इन दोनों को अपने अधर्म का भार उठाना पड़ेगा”

देखें कि आपने 5:1 में समान अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 20:20 (#1)

“यदि कोई अपनी चाची के संग सोए”

देखें कि आपने इस मंगल भाषण को 20:11 में किस प्रकार प्रस्तुत किया था।

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:20 (#2)

“तो वह अपने चाचा का तन उघाड़नेवाला ठहरेगा”

देखें कि आपने 18:6 में समान अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:20 (#3)

חֶטְאָם יִשָּׂאוּ

“इसलिए वे दोनों अपने पाप के भार को उठाए”

"अपने पाप का भार उठाना" जैसी अभिव्यक्ति की तरह, यह वाक्यांश **पाप** को ऐसे बताता है मानो वह एक बोझ हो जिसे व्यक्ति को स्वयं उठाना पड़ता है। इसका अर्थ है कि व्यक्ति को अपने अपराध के लिए उत्तरदायी ठहराया जाएगा। यदि आपकी भाषा में इस वाक्यांश का यही अर्थ स्पष्ट न हो, तो आप अपनी भाषा की किसी समान अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वे अपने पाप के लिए जिम्मेदार ठहराए जाएँगे] या [वे अपने पाप का दोष सहन करेंगे]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 20:21 (#1)

"यदि कोई अपनी भाभी को अपनी पत्नी बनाए"

देखें कि आपने 20:14 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:21 (#2)

"और वह अपने भाई का तन उघाड़नेवाला ठहरेगा"

देखें कि आपने 18:6 में इसी अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 20:21 (#3)

עֲרִירִרִים יִהְיוּ

"इस कारण वे दोनों निःसन्तान रहेंगे"

पिछले पद के विपरीत, जिसमें एक पुरुष जो अपनी चाची के साथ लैंगिक सम्बन्ध रखता है, उसे "निःसन्तान मरने" के लिए कहा गया है, यहाँ दोनों पुरुष और उसके भाई की पत्नी **निःसन्तान रहेंगे**। ये दोनों अभिव्यक्तियाँ सम्भवतः एक ही अर्थ को व्यक्त करती हैं: दोनों दम्पति अपनी सन्तान उत्पन्न करने से पहले ही मर जाएँगे। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट करना सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वे निःसन्तान मर जाएँगे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:22 (#1)

וּשְׁמַרְתֶּם & וַעֲשִׂיתֶם & אֶתְכֶם & אֶתְכֶם

"तुम... मानना; तुम्हें लिये जा रहा... तुम"

यहाँ, **तुम** बहुवचन है। यह इस्राएल के लोगों की ओर संकेत करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा में एकवचन और बहुवचन का भेद किया जाता है, तो अपने अनुवाद में बहुवचन रूप का प्रयोग करें।

देखें: 'तुम' के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 20:22 (#2)

וְלֹא־תָקִיא אֶתְכֶם הָאָרֶץ

"और जिस देश में... वह तुम को उगल दे"

यहोवा द्वारा लोगों को **देश** से जबरन हटाना इस तरह से कहा गया है जैसे कि देश ने स्वयं लोगों को **उगल दिया** हो। यदि आपकी भाषा में ऐसा कोई समान रूपक है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट तौर पर बता सकते हैं। देखें कि आपने 18:25 में देश के इस मानवीकरण का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: [और देश से ... मैं तुम्हें जबरदस्ती नहीं हटाऊँगा]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 20:22 (#3)

וְלֹא־תָקִיא אֶתְכֶם הָאָרֶץ אֲשֶׁר אֲנִי מֵבִיא אֶתְכֶם שָׁמָּה לָשֶׁבֶת בָּהּ

"यह न हो कि जिस देश में मैं तुम्हें लिये जा रहा हूँ वह तुम को उगल दे"

यहाँ, **देश** का वर्णन इस प्रकार किया गया है जैसे कि यह एक जीवित वस्तु हो जो **उगल** सकती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और जिस देश में मैं तुम्हें ले जा रहा हूँ वह तुम्हें अस्वीकार नहीं करेगा]

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 20:23 (#1)

תֵּלְכוּ & מִפְּנֵיכֶם

"और जिस जाति के लोगों को मैं तुम्हारे आगे से निकालता हूँ उनकी रीति-रस्म पर न चलना"

यहाँ और इस पूरे अध्याय में, **तुम्हारे** शब्द बहुवचन है। ये इस्राएल के लोगों को संदर्भित करता है, इसलिए यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है तो अपने अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'तुम' के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 20:23 (#2)

וְלֹא תֵלְכוּ בְּחֻקּוֹת הַגּוֹי

"जिस जाति के लोगों को... उनकी रीति-रस्म पर न चलना"

यहाँ **चलना** शब्द एक आदतन जीवन-शैली को दर्शाने के लिए प्रयोग हुआ है। इस सन्दर्भ में **जाति की रीति-रस्म पर चलने** का अर्थ है ऐसा जीवन जीना जो इस्राएल के चारों ओर रहने वाली जातियों की रीति-रिवाजों का अनुकरण करता हो। यदि आपकी भाषा में इसी प्रकार का कोई समान रूपक है, तो उसका प्रयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो अर्थ को स्पष्ट रूप में व्यक्त किया जा सकता है।वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम जाति की विधियों का पालन नहीं करोगे] या [और तुम जाति की विधियों के अनुसार जीने का अभ्यास नहीं करोगे]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 20:23 (#3)

אֲשֶׁר־אֲנִי מְשַׁלֵּחַ מִפְּנֵיכֶם

"मैं तुम्हारे आगे से निकालता हूँ"

मूल भाषा में यहाँ "मुँह"शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी आई.आर.वि. में "आगे" शब्द का उपयोग हुआ है। यहाँ, **मुँह** एक व्यक्ति की उपस्थिति का प्रतीक है। इस अभिव्यक्ति में, यहोवा **जाति** को हटा रहे हैं जो वर्तमान समय में इस्राएल के देश के सामने है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: [जो मैं तुम्हारी उपस्थिति से दूर निकाल रहा हूँ] या [जो मैं तुम्हारे सामने से निकाल रहा हूँ]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 20:24 (#1)

וְאֹמַר לָכֶם אַתֶּם֙ תִּירְשׁוּ אֶת־אַדְמָתָם֔

“पर मैं तुम लोगों से कहता हूँ कि तुम तो उनकी भूमि के अधिकारी होंगे”

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं कि उद्धरण के भीतर उद्धरण न आए। यहाँ एक नया वाक्य आरम्भ करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद (पहले पूर्ण विराम के साथ): [और मैंने तुमसे कहा तुम ही उनकी भूमि के अधिकारी बनोगे]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 20:24 (#2)

אַתֶּם֙ תִּירְשׁוּ אֶת־אַדְמָתָם֔

“तुम तो उनकी भूमि के अधिकारी होंगे”

यह अभिव्यक्ति **तुम तो** शब्दों का प्रयोग करके इस बात पर बल देती है कि इस्राएल का प्रतिज्ञा के देश का अधिकारी बनना कितना महत्वपूर्ण था। अपनी भाषा में इस महत्व को व्यक्त करने के लिए किसी स्वाभाविक तरीके का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम भी उनकी भूमि के अधिकारी होगे] या [यह तुम ही हो जो उनकी भूमि के अधिकारी होगे]

देखें: कर्मकर्त्ता सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 20:24 (#3)

אֶאֱרֶץ זָבַת חָלָב וּדְבָשׁ

“इस देश को जिसमें दूध और मधु की धाराएँ बहती हैं”

वाक्यांश **इस देश में जिसमें दूध और मधु की धाराएँ बहती** उस संस्कृति में एक सामान्य अभिव्यक्ति है, जिसका अर्थ है “एक ऐसा देश जिसमें उपजाऊ और उर्वर मिट्टी होती है, जो अच्छा और प्रचुर मात्रा में भोजन उत्पन्न करता है।” यदि इस अभिव्यक्ति का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें यह अर्थ हो, या आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [एक अत्यंत उत्पादक देश] या [एक देश जो प्रचुर मात्रा में भोजन उत्पन्न करता है]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 20:25 (#1)

הַבְּהֵמָה הַטְּהֹרָה֮ & לַטָּהֹר

“शुद्ध पशुओं और शुद्ध “

इस संदर्भ में शब्द **शुद्ध** का अनुवाद कैसे करना है, इसके लिए अध्याय की प्रस्तावना देखें।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:25 (#2)

לַטָּמֵאָ֣ה & הָעֹ֑וף הַטָּמֵ֖א

“और अशुद्ध और अशुद्ध पक्षियों”

इस संदर्भ में **अशुद्ध** और **अशुद्ध पक्षियों** का अनुवाद कैसे करना है, इसके लिए अध्याय की प्रस्तावना देखें।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:25 (#3)

“अपने आपको अशुद्ध न करना”

देखें कि आपने 11:43 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:25 (#4)

וּבְכֹ֣ל אֲשֶׁר־תִּרְמֹ֣שׂ הָאֲדָמָ֗ה

“या किसी प्रकार का भूमि पर रेंगनेवाला जीवजन्तु”

देखें कि आपने 11:44 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [या भूमि पर रेंगनेवाले किसी भी जानवर के साथ]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 20:26 (#1)

כִּ֣י קָדֹ֔וש אֲנִ֖י יְהוָֽה

“क्योंकि मैं यहोवा स्वयं पवित्र हूँ”

क्योंकि के रूप में अनुवादित शब्द यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पहले जो आया उसके लिए एक कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले जो आया उसके लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि मैं यहोवा स्वयं पवित्र हूँ]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 20:27 (#1)

“ओझाई”

देखें कि आपने **ओझाई** और **भूत साधनेवालों** शब्दों का 19:31 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 20:27 (#2)

“तो वह निश्चय मार डाला जाए; ऐसों पर पथराव किया जाए”

देखें कि आपने 20:2 में समान अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 20:27 (#3)

בָּאֶ֣בֶן יִרְגְּמ֔וּ אֹתָ֖ם

“ऐसों पर पथराव किया जाए”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में "वे" शब्द का इस्तेमाल हुआ है, जो की हिंदी आई.आर.वी. में इस्तेमाल नहीं हुआ है। यहाँ, शब्द **वे** इस्राएल के लोगों को संदर्भित करता है, जबकि शब्द **ऐसों** उन लोगों को संदर्भित करता है जो किसी **ओझाई** या **भूत की साधना करनेवालों** से परामर्श करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल के लोग उन लोगों को पत्थरों से मार डालेंगे जो ओझाई या भूत की साधना करनेवालों से परामर्श करते हैं]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 20:27 (#4)

"उनका खून उन्हीं के सिर पर पड़ेगा"

देखें कि आपने 20:9 में समान अभिव्यक्ति को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 21:1 (#1)

וַיֹּ֣אמֶר יְהוָה֮ אֶל־מֹשֶׁה֒ אֱמֹ֤ר אֶל־הַכֹּהֲנִים֙ בְּנֵ֣י אַהֲרֹ֔ן וְאָמַרְתָּ֖ אֲלֵהֶ֑ם

"फिर यहोवा ने मूसा से कहा, "हारून के पुत्र जो याजक हैं उनसे कह कि"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा ने मूसा से कहा कि वह याजकों, हारून के पुत्रों, से बात करें और उनसे कहें कि]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 21:1 (#2)

אֱמֹ֤ר אֶל־הַכֹּהֲנִים֙ בְּנֵ֣י אַהֲרֹ֔ן וְאָמַרְתָּ֖ אֲלֵהֶ֑ם

"हारून के पुत्र जो याजक हैं उनसे कह"

मूलभाषा में यहाँ पर **याजकों से कह** और **तू उनसे कह** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं हुआ है। अभिव्यक्तियाँ **याजकों से कह** और **तू उनसे कह** समान अर्थ रखते हैं। इन दोनों वाक्यांशों का उपयोग जोर देने के लिए किया जाता है। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [हारून के पुत्र, याजकों से बोल]

देखें: दोहरात्मक

लैव्यव्यवस्था 21:1 (#3)

לֹא־יִטַּמָּ֥א בְּעַמָּ֖יו

"तुम में से कोई अपने को अशुद्ध न करे"

मूलभाषा में यहाँ पर **वह अपने लोगों के बीच स्वयं को अशुद्ध न करें** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **तुम में से कोई अपने को अशुद्ध न करें** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ शब्द **तुम**, **अपने** किसी भी याजक को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे अपने पाठकों के लिए स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी याजक अपने लोगों के बीच अपने आप को अशुद्ध न करें]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 21:2 (#1)

לִשְׁאֵרוֹ

"निकट कुटुम्बियों"

यहाँ, शब्द **निकट कुटुम्बियों** का उपयोग किसी ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए किया जा रहा है जो किसी और के साथ समान रक्त संबंध साझा करता है। दूसरे शब्दों में, निकट कुटुम्बी एक करीबी परिवार के सदस्य को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उसके करीबी परिवार के सदस्य के लिए]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 21:3 (#1)

וְלַאֲחֹתֹ֥ו הַבְּתוּלָ֖ה

"या अपनी कुँवारी बहन"

कुँवारी के रूप में अनुवादित शब्द विवाह योग्य आयु की उस युवती को संदर्भित करता है जिसने अभी तक यौन संबंध नहीं बनाए हैं। यदि आपकी भाषा में इस सामाजिक वर्ग की महिला के लिए एक विशेष शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [या उसकी अविवाहित बहन के लिए]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 21:4 (#1)

לְהֵחָלֹ֑ו

"अपने को" - "अपवित्र"

को के रूप में अनुवादित शब्द यह संकेत करता है कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का परिणाम है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का परिणाम है। वैकल्पिक अनुवाद: [जिसके परिणामस्वरूप वह स्वयं को अपवित्र करता है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 21:5 (#1)

לֹא־יִקְרְחֻ֣ו קָרְחָ֗ה בְּרֹאשָׁ֤ם וּפְאַת֙ זְקָנָ֔ם לֹ֥א יְגַלֵּ֖חוּ וּבִבְשָׂרָ֑ם לֹ֥א יִשְׂרְטֻ֖ו שָׂרָֽטֶת

"वे न तो अपने सिर मुँड़ाएँ, और न अपने गाल के बालों को मुँड़ाएँ, और न अपने शरीर चीरें"

यहाँ और अगले पद में, शब्द **वे** और **अपने** इस्राएल के सभी याजकों को संदर्भित करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल के याजक अपने सिर पर मुण्डन नहीं कराएँगे, अपनी दाढ़ी के बाल नहीं मुंडवाएँगे, और अपने शरीर में चीरे नहीं लगवाएँगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 21:5 (#2)

לֹא־יִקְרְחוּ קָרְחָה בְּרֹאשָׁם וּפְאַת זְקָנָם לֹא יְגַלֵּחוּ

“वे न तो अपने सिर मुँड़ाएँ, और न अपने गाल के बालों को मुँड़ाएँ, और न अपने शरीर चीरें”

ये अभिव्यक्तियाँ इस्राएल के चारों ओर बसे राष्ट्रों के लोगों द्वारा पालन किए जाने वाले शोक अनुष्ठानों का वर्णन करती हैं। यहोवा के याजक होने के कारण, इस्राएल के याजकों को अन्य राष्ट्रों के याजकों की तरह शोक नहीं मनाना था। ऐसा करने से यहोवा का पवित्र स्थान अन्य राष्ट्रों की मूर्तिपूजा से जुड़ जाता और वह अपवित्र हो जाता (जैसा कि अगले पद में बताया गया है)। यदि आपकी भाषा में यह जानकारी उपयोगी हो, तो कृपया इसे पाद टिप्पणी में या अपने अनुवाद के पाठ में शामिल करें, जैसा कि यूएसटी मॉडल में किया गया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 21:5 (#3)

לֹא־יִקְרְחוּ קָרְחָה בְּרֹאשָׁם

“वे अपने सिर न मुँड़ाएँ”

मूलभाषा में यहाँ पर **गंजापन** और **गंजा** शब्द का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं है। शब्दों को ज़ोर देने के लिए दोहराया जा रहा है। विशेष रूप से, संज्ञा ‘**गंजापन**’ और क्रिया ‘**गंजा**’ एक ही मूल से आए हैं। यदि आपकी भाषा में शब्दों को इसी तरह दोहराया जा सकता है, तो यहाँ भी ऐसा करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वे अपने सिर के ऊपरी भाग को नहीं मुंडवाएंगे]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 21:5 (#4)

וּבִבְשָׂרָם לֹא יִשְׂרְטוּ שָׂרָטֶת

“और न अपने शरीर चीरें”

मूलभाषा में यहाँ पर शब्दों पर जोर देने के लिए उन्हें दोहराया जा रहा है, जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। विशेष रूप से, संज्ञा **चीरना** और क्रिया **काटना** समान मूल से आती हैं। यदि आपकी भाषा में इसी प्रकार शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो यहाँ भी ऐसा करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वे खुद को नहीं काटेंगे]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 21:6 (#1)

וְלֹא יְחַלְּלוּ שֵׁשֵׁם אֱלֹהֵיהֶם

“और अपने परमेश्वर का नाम अपवित्र न करें”

यह शब्द **नाम** यहोवा के चरित्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपयोग किया जाता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उन्हें परमेश्वर की प्रतिष्ठा का अपमान नहीं करना चाहिए] या [और उन्हें अपने परमेश्वर का अपमान नहीं करना चाहिए]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 21:6 (#2)

כִּי

“क्योंकि”

क्योंकि के रूप में अनुवादित शब्द यह संकेत करता है कि आगे आने वाली बात, पहले आई हुई बात का कारण है। अपनी भाषा में एक ऐसा संयोजक उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि आगे आने वाली बात, पहले आई हुई बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद (पहले एक पूर्णविराम के साथ): [ऐसा इसलिए है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 21:6 (#3)

אֶת־אִשֵּׁי יְהוָה לֶחֶם אֱלֹהֵיהֶם הֵם מַקְרִיבִם

“वे यहोवा के हव्य को जो उनके परमेश्वर का भोजन है चढ़ाया करते हैं”

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही अर्थ रखते हैं। वाक्यांश **उनके परमेश्वर का भोजन** वाक्यांश **यहोवा के हव्य** का अर्थ स्पष्ट करता है। आप इस समानता को एक वाक्य में अनुवाद कर सकते हैं जो इस संबंध को व्यक्त करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [वे यहोवा की भेंट चढ़ा रहे हैं, अर्थात् अपने परमेश्वर की रोटी] या [वे अपने परमेश्वर यहोवा को अर्पित की जाने वाली भोजन-भेंट प्रस्तुत कर रहे हैं]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 21:6 (#4)

לֶחֶם אֱלֹהֵיהֶם

“उनके परमेश्वर का भोजन”

मूल भाषा में यहाँ पर रोटी शब्द का प्रयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में भोजन शब्द का प्रयोग हुआ है। यह अभिव्यक्ति एक प्रकार के भोजन, **रोटी** का उपयोग, सामान्य रूप से भोजन को दर्शाने के लिए करती है। इसके अलावा, यह अभिव्यक्ति रोटी (यानी भोजन) का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग करती है, जिसकी विशेषता यह है कि इसे परमेश्वर को अर्पित किया जाता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अपनी संस्कृति से एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह भोजन भेंट जो लोग अपने परमेश्वर को अर्पित करते हैं]

देखें: उपलक्षण अलंकार

लैव्यव्यवस्था 21:6 (#5)

“वे पवित्र बने रहें”

वैकल्पिक अनुवाद: [इसलिए उन्हें पवित्र होना चाहिए।]

लैव्यव्यवस्था 21:7 (#1)

לֹא יִקָּחוּ & לֹא יִקָּחוּ כִּי־קָדֹשׁ הוּא לֵאלֹהָיו

“वे - न लें” और “वे - न लें” और “क्योंकि - अपने परमेश्वर के लिए पवित्र होता है”

यहाँ और अगले कुछ पदों में, शब्द **वे** और **अपने** इस्राएल के किसी भी याजक के लिए संदर्भित होते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट

करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई याजक नहीं लेगा ... और न ही वह लेगा ... क्योंकि वह याजक अपने परमेश्वर के लिए पवित्र है]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 21:7 (#2)

לֹא יִקָּחוּ & לֹא יִקָּחוּ

"वे... न लें"

वाक्यांश **वे... न लें** एक महिला के साथ यौन संबंधों का शिष्ट तरीका है, लेकिन यह एक सामान्य अभिव्यक्ति भी है जिसका अर्थ "विवाह करना" होता है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें यह अर्थ हो या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह विवाह नहीं करेगा ... और न ही वह विवाह करेगा] या [उसके साथ वह यौन संबंध नहीं बनाएगा ... और न ही वह उसके साथ यौन संबंध बनाएगा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 21:7 (#3)

כִּי

"क्योंकि"

जिस शब्द का अनुवाद **क्योंकि** के रूप में किया गया है, वह इंगित करता है कि आगे आने वाली बात पहले आई हुई बात का कारण है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि आगे आने वाली बात पहले आई हुई बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद (पूर्णविराम के साथ): [ऐसा इसलिए है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 21:8 (#1)

וְקִדַּשְׁתּוֹ כִּי־אֶת־לֶחֶם אֱלֹהֶיךָ הוּא מַקְרִיב קָדֹשׁ יִהְיֶה־לְּךָ

"इसलिए तू याजक को पवित्र जानना, क्योंकि वह तुम्हारे परमेश्वर का भोजन चढ़ाया करता है; इसलिए वह तेरी दृष्टि में पवित्र ठहरे"

मूलभाषा में यहाँ पर सर्वनामों को प्रयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में संज्ञा **याजक** का प्रयोग किया गया है। यहाँ, **तू** एकवचन है और मूसा को संदर्भित करता है, जिससे यहोवा बात कर रहे हैं। शब्द **वह** एक याजक को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और मूसा आप, याजक को पवित्र जानेंगे, क्योंकि वही है जो आपके परमेश्वर को भोजन चढ़ाता है। वह याजक आपके लिए पवित्र होगा, मूसा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 21:8 (#2)

"तुम्हारे परमेश्वर का भोजन"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 21:6 में किस प्रकार किया है।

देखें: उपलक्षण अलंकार

लैव्यव्यवस्था 21:8 (#3)

כִּי קָדֹשׁ אֲנִי יְהוָה מְקַדִּשְׁכֶם

"क्योंकि मैं यहोवा, जो तुम को पवित्र करता हूँ, पवित्र हूँ"

यहाँ **तुम** शब्द बहुवचन है और यह या तो याजकों या इस्राएल के लोगों को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि मैं, यहोवा पवित्र हूँ, जो याजकों को पवित्र बनाता हूँ] या [क्योंकि मैं, यहोवा पवित्र हूँ, जो इस्राएल के लोगों को पवित्र बनाता हूँ]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 21:8 (#4)

כִּי

"क्योंकि"

जिस शब्द का अनुवाद **क्योंकि** के रूप में किया गया है, वह इंगित करता है कि आगे आने वाली बात पहले कही गई बात का कारण है। अपनी भाषा में एक ऐसे संयोजक का प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि आगे आने वाली बात पहले कही गई बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद (पूर्णविराम के साथ): [ऐसा इसलिए है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 21:9 (#1)

"और यदि याजक की बेटी"

वैकल्पिक अनुवाद: [और किसी याजक की बेटी]

लैव्यव्यवस्था 21:9 (#2)

כִּי תֵחֵל לִזְנוֹת

"वेश्या बनकर अपने आपको अपवित्र करे"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब वह वेश्यावृत्ति करके स्वयं को अपवित्र करती है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 21:9 (#3)

בָּאֵשׁ תִּשָּׂרֵף

"वह आग में जलाई जाए"

यह अभिव्यक्ति एक प्रकार के मृत्युदण्ड को दर्शाती है, जिसमें किसी व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से जिंदा जलाकर मृत्युदण्ड दिया जाता है। इसके अतिरिक्त, यह देखना उपयोगी हो सकता है कि आपने इस अभिव्यक्ति में अतिरिक्त जानकारी को 6:30 में कैसे प्रस्तुत किया। इसके अलावा, यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल के लोग उसे सार्वजनिक रूप से जलाकर मार डालें]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 21:10 (#1)

אֲשֶׁר־יוּצַק עַל־רֹאשׁוֹ ׀ שֶׁמֶן הַמִּשְׁחָה

“जिसके सिर पर अभिषेक का तेल डाला गया हो”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जिसके सिर पर याजकों ने अभिषेक का तेल उण्डेला]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 21:10 (#2)

“अभिषेक का तेल”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 8:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 21:10 (#3)

וּמִלֵּא אֶת־יָדוֹ לִלְבֹּשׁ אֶת־הַבְּגָדִים

“और जिसका पवित्र वस्त्रों को पहनने के लिये संस्कार हुआ हो”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जिसे परमेश्वर ने याजकीय वस्त्र पहनने के लिए नियुक्त किया]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 21:10 (#4)

וּמִלֵּא אֶת־יָדוֹ

“और जिसका - संस्कार हुआ है”

वाक्यांश **जिसका - संस्कार हुआ है** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है किसी को सेवकाई और याजक के पद की ज़िम्मेदारियों में शामिल करना। इस पद के अनुसार, परमेश्वर ने महायाजक को उनकी सेवा और आराधना करने की ज़िम्मेदारियाँ दी हैं। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से कोई तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें वह अर्थ हो, या आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और जिसे मुझ यहोवा ने याजक के पद की ज़िम्मेदारियाँ दी हैं]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 21:10 (#5)

אֶת־רֹאשׁוֹ לֹא יִפְרָע וּבְגָדָיו לֹא יִפְרֹם

“वह अपने सिर के बाल बिखरने न दे, और न अपने वस्त्र फाड़े”

बिखरे बाल और फटे **वस्त्र** शोक के संकेत थे। यहोवा के महायाजकों को अपने मृत रिश्तेदारों के लिए किसी भी तरह से शोक नहीं करना चाहिए जिससे इस्राएल के बलिदान चढ़ाने के उनके कर्तव्यों में बाधा उत्पन्न हो। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उसे अपने मृत रिश्तेदारों के लिए शोक मनाने के द्वारा अपने याजकीय कर्तव्यों से विचलित नहीं होना चाहिए]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 21:10 (#6)

אֶת־רֹאשׁוֹ לֹא יִפְרָע

“वह अपने सिर के बाल बिखरने न दे”

यहाँ **सिर,** सिर के बालों का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह अपने बालों को खुला नहीं छोड़ेगा] या [वह अपने बालों को अस्त-व्यस्त नहीं रखेगा]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 21:11 (#1)

וְעַל כָּל־נַפְשֹׁת מֵתֶת לֹא יָבֹא לְאָבִיו וּלְאִמּוֹ לֹא יִטַּמָּא

“और न वह किसी लोथ के पास जाए, और न अपने पिता या माता के कारण अपने को अशुद्ध करे”

यहाँ और अगले पदों में, शब्द **वह** और **अपने** महायाजक को संदर्भित करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और महायाजक किसी भी मृत व्यक्ति के पास न जाए—चाहे वह उसके पिता हो या उसकी माता। महायाजक अपने आप को अशुद्ध न करे।]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 21:12 (#1)

כִּי

“क्योंकि”

जिस शब्द का अनुवाद **क्योंकि** के रूप में किया गया है, वह इंगित करता है कि आगे आने वाली बात पहले आई हुई बात का कारण है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि आगे आने वाली बात पहले आई हुई बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद (पूर्णविराम के साथ): [ऐसा इसलिए है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 21:12 (#2)

נֵזֶר שֶׁמֶן מִשְׁחַת אֱלֹהָיו עָלָיו

“वह अपने परमेश्वर के अभिषेक का तेलरूपी मुकुट धारण किए हुए है”

इस अभिव्यक्ति में **मुकुट** की छवि का प्रयोग **परमेश्वर के अभिषेक के तेल** का वर्णन करने के लिए किया गया है जो परमेश्वर ने महायाजक के सिर पर उंडेला था ताकि उसे महायाजक नियुक्त किया जा सके। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो कृपया इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बताएँ। वैकल्पिक अनुवाद: [उसके सिर पर वह अभिषिक्त तेल है जिसका उपयोग परमेश्वर ने उसे नियुक्त करने के लिए किया था, जिसे उसे मुकुट के समान समझना चाहिए]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 21:12 (#3)

“अभिषेक का तेल”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 8:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 21:13 (#1)

בִּבְתוּלֶיהָ

“कुँवारी”

यदि आपकी भाषा में **कुँवारी** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब वह अभी भी एक कुँवारी हैं] या [जब उसने अभी तक यौन संबंध नहीं बनाए हैं]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 21:15 (#1)

וְלֹא־יְחַלֵּל זַרְעוֹ בְּעַמָּיו

“और वह अपनी सन्तान को अपने लोगों में अपवित्र न करे”

मूलभाषा में यहाँ पर **बीज** शब्द आया है जबकि हिंदी अनुवाद में **संतान** शब्द का प्रयोग हुआ है। यहाँ **संतान** शब्द का मतलब किसी के बच्चों से है। यह स्पष्ट नहीं है कि वीर्य को पौधे के बीज के समान समझा जाता था या नहीं, हालांकि दोनों के लिए एक ही शब्द का उपयोग किया गया है (संदर्भ के लिए 11:37 और 15:16 देखें)। यह अभिव्यक्ति यह संकेत देती है कि यदि याजक किसी अपवित्र या अधार्मिक महिला से विवाह करते हैं, तो उनके बच्चे याजक बनने के योग्य नहीं होंगे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह अपने लोगों के बीच अपने बच्चों को अपवित्र नहीं करेगा]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 21:15 (#2)

כִּי

“क्योंकि”

जिस शब्द का अनुवाद **क्योंकि** के रूप में किया गया है, वह इंगित करता है कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। अपनी भाषा में एक ऐसे संयोजक का प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: [ऐसा इसलिए है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 21:16 (#1)

לֵּאמֹר

“कहा”

जिस शब्द का अनुवाद **कहा** के रूप में किया गया है, वह एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, उन तरीकों पर विचार करें जिनसे आप इस उद्धरण को अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 21:16–17 (#1)

לֵּאמֹר: דַּבֵּר אֶל־אַהֲרֹן לֵאמֹר

“कहा, “हारून से कह”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद (पूर्ण विराम से पहले): [उन्होंने मूसा से कहा कि वह हारून को यह बताएँ]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 21:17 (#1)

אִישׁ מִזַּרְעֲךָ

“तेरे वंश में - किसी के”

मूलभाषा में यहाँ पर **तेरे बीज में से किसी पुरुष के** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **तेरे वंश में** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ **बीज** शब्द का अर्थ किसी के बच्चों से है। यह स्पष्ट नहीं है कि वीर्य को पौधे के बीज के समान समझा जाता था या नहीं, हालांकि दोनों के लिए एक ही शब्द का उपयोग किया गया है। (संदर्भ के लिए 11:37 और 15:16 देखें।) यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आपकी संतानों में से एक पुरुष] या [आपके पुत्रों में से एक]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 21:17 (#2)

לְדֹרֹתָם

“पीढ़ी-पीढ़ी में”

वाक्यांश **उनकी पीढ़ी-पीढ़ी में** हारून के वंशजों को संदर्भित करता है जो याजक होंगे। इसके लिए एक अभिव्यक्ति का उपयोग करें जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [हारून के वंशजों की आने वाली पीढ़ियों में, जो याजक होंगे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 21:17 (#3)

לֹא יִקְרַב לְהַקְרִיב

“चढ़ाने के लिये समीप न आए”

यहाँ क्रिया **चढ़ाना** उसी मूल से आती है जिससे क्रिया **समीप आना**। इस संरचना का प्रयोग ज़ोर देने के लिए किया जाता है। आप अपनी भाषा में अर्थ व्यक्त करने के लिए इसी सरंचना का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [कभी भी अर्पण करने के लिए पास न आए] या [अर्पण करने के लिए कभी भी वेदी के पास न जाए]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 21:17 (#4)

“अपने परमेश्वर का भोजन”

देखें कि आपने 21:6 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया।

देखें: उपलक्षण अलंकार

लैव्यव्यवस्था 21:18 (#1)

כִּֽי

(क्योंकि)

मूल भाषा में यहाँ पर क्योंकि शब्द का उपयोग किया गया है जो हिंदी अनुवाद में नहीं पाया जाता है। यह शब्द इंगित करता है कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। अपनी भाषा में एक ऐसे संयोजक का प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: [ऐसा इसलिए है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 21:18 (#2)

לֹֽא יִקְרָֽב

"समीप न आए"

यह अभिव्यक्ति कुछ शब्दों को छोड़ देती है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों की पूर्ति वाक्य के पहले भाग से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [बलिदान चढ़ाने के लिए वेदी के पास नहीं जाए।]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 21:18 (#3)

שָׂרוּעַ

"अधिक"

यह अभिव्यक्ति संभवतः उस व्यक्ति को संदर्भित करती है जिसका जन्म एक दोष के साथ होता है जिसमें एक पैर दूसरे से लंबा होता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लंबे पैर वाला] या [जिसका एक पैर दूसरे से लंबा है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 21:20 (#1)

גִּבֵּן

"कुबड़ा"

शब्द **कुबड़ा** उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जिनकी रीढ़ की हड्डी विकृत होती है और इस कारण से उनकी पीठ झुकी या मुड़ी हुई होती है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की दिव्यांगता के लिए कोई विशेष शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक व्यक्ति जिनकी रीढ़ की हड्डी विकृत है] या [ऐसा व्यक्ति जो झुकी हुई पीठ के साथ जन्मा हो]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 21:20 (#2)

דַּק

"बौना"

यहाँ **बौना** शब्द ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जो जन्मजात आनुवंशिक दोष के कारण सामान्य ऊँचाई से काफी छोटा होता है। यह दिव्यांगता कभी-कभी अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ भी उत्पन्न कर सकती है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की दिव्यांगता के लिए कोई विशेष शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [सामान्य से काफी छोटा व्यक्ति] या [असामान्य रूप से छोटा व्यक्ति]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 21:21 (#1)

מִזֶּרַע אַהֲרֹן

"हारून याजक के वंश में"

मूलभाषा में यहाँ पर **बीज** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **वंश** शब्द का प्रयोग हुआ है। देखें कि आपने **बीज** शब्द का 21:15 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [हारून के बच्चों में से] या [हारून की संतानों से]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 21:21 (#2)

"यहोवा के हव्य"

देखें कि आपने 2:2 में इसी प्रकार की अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 21:21 (#3)

"अपने परमेश्वर का भोजन"

देखें कि आपने 21:6 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: उपलक्षण अलंकार

लैव्यव्यवस्था 21:22 (#1)

"अपने परमेश्वर... भोजन"

देखें कि आपने 21:6 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 21:22 (#2)

מִקֹּדֶשׁ֨י הַקֳּדָשִׁ֜ים וּמִן־הַקֳּדָשִׁ֗ים

"पवित्र और परमपवित्र दोनों प्रकार के"

याजकों के भोजन के लिए अलग-अलग भेंटे और बलिदान निर्धारित किए गए थे। भोजन के इन भागों को **पवित्र** और **परमपवित्र** वस्तुएँ कहा जाता था। यह देखना उपयोगी हो सकता है कि आपने 6:17 में इसी तरह

के वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: [भोजन के सबसे पवित्र भागों में से या भोजन के पवित्र भागों में से]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 21:22 (#3)

יֹאכֵ֑ל

"वह... खाए"

यहाँ शब्द **वह** शारीरिक दोष वाले याजक को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [दोषयुक्त याजक खा सकता है]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 21:23 (#1)

אֶל־הַפָּרֹ֜כֶת לֹ֣א יָבֹ֗א

"वह - पर्दे के भीतर न आए"

पर्दे के भीतर आने का अर्थ है निवासस्थान में पवित्रस्थान को परमपवित्र स्थान से अलग करने वाले पर्दे को पार करना। कोई भी याजक जो दोषपूर्ण होता, उसे परमपवित्र स्थान में परमेश्वर के पास जाने की अनुमति नहीं होती थी। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो सकती है, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह पर्दे को पार करके परमपवित्र स्थान में प्रवेश न करें]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 21:23 (#2)

כִּ֤י & כִּֽי־

"के कारण - क्योंकि"

जिस शब्द का अनुवाद **क्योंकि** या **के कारण** के रूप में किया गया है, वह इंगित करता है कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। अपनी भाषा में एक ऐसा संयोजक प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद (पूर्णविराम के साथ): [ऐसा इसलिए है... ऐसा इसलिए है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 21:23 (#3)

מְקַדְּשָׁ֑ם

"उनका पवित्र करनेवाला"

यहाँ शब्द **उनका** याजकों को संदर्भित करता है जिनमें दोष हैं और इसलिए वे यहोवा की वेदी के पास जाकर बलिदान नहीं दे सकते। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [वह जो दोषयुक्त याजकों को भी पवित्र करते हैं]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 21:24 (#1)

וְאֶל־בָּנָ֖יו

"और उसके पुत्रों को"

शब्द **उसके** हारून को संदर्भित करता है, न कि मूसा को। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो यहाँ हारून का नाम उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और हारून के पुत्रों को]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 21:24 (#2)

"तथा सब इस्राएलियों को"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का 4:2 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 22:1 (#1)

לֵּאמֹֽר

"कहा"

जिस शब्द का अनुवाद **कहा** के रूप में किया गया है, वह एक प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है। अपनी भाषा में प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करने के स्वाभाविक तरीकों पर विचार करें।

देखें: उद्धरण एवं उद्धरण हासिये

लैव्यव्यवस्था 22:2 (#1)

מִקָּדְשֵׁ֣י בְנֵֽי־יִשְׂרָאֵ֗ל

"इस्राएलियों की पवित्र की हुई वस्तुओं से"

यह अभिव्यक्ति **पवित्र वस्तुओं** (बलिदान के भोजन की भेंट) का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग करती है जिन्हें **इस्राएली** यहोवा को बलिदान के रूप में अर्पित करते हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वे पवित्र वस्तुएँ जो इस्राएली यहोवा को अर्पित करते हैं]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 22:2 (#2)

"इस्राएली"

मूल भाषा में **इस्राएल के वंशज** वाक्यांश का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में **इस्राएलियों** शब्द का उपयोग किया गया है। देखें कि आपने इस्राएल के लोगों के लिए इस रूपक को 1:2 में कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 22:2 (#3)

וְלֹ֣א יְחַלְּלוּ֔ אֶת־שֵׁ֥שֵׁם קָדְשָׁ֖י

"और मेरे पवित्र नाम को अपवित्र न करें"

यहाँ, शब्द **नाम** यहोवा की प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है और विस्तार में, यहोवा स्वयं का भी। इसलिए इस **नाम** को **अपवित्र** करना यहोवा को, जो पवित्र हैं, उससे जोड़ना है जो न केवल अपवित्र है, बल्कि घृणित और निंदनीय भी है, जैसे बच्चों का बलिदान। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। देखें कि

आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 20:3 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे सार्वजनिक रूप से मुझे बदनाम न करें] या [और वे खुलेआम मेरी प्रतिष्ठा को धूमिल न करें]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 22:2 (#4)

אֶת־שֵׁשֵׁם קָדְשִׁשֵׁי

"मेरे पवित्र नाम को"

यह अभिव्यक्ति यहोवा के **नाम** (परमेश्वर के रूप में उनकी प्रतिष्ठा) का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग करती है, जो **पवित्रता** द्वारा विशेषीकृत है। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मेरा पवित्र नाम] या [मेरी पवित्र प्रतिष्ठा]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 22:3 (#1)

אֱמֹ֣ר אֲלֵהֶ֗ם לְדֹרֹתֵיכֶם

"उनसे कह, 'तुम्हारी पीढ़ी-पीढ़ी में"

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: [उन्हें यह उनकी पीढ़ी-दर-पीढ़ी बताना है]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 22:3 (#2)

לְדֹרֹתֵיכֶם & מִכָּל־זַרְעֲכֶם

"तुम्हारी पीढ़ी-पीढ़ी में तुम्हारे सारे वंश में से"

यहाँ, शब्द **तुम्हारे** बहुवचन है और इस्राएली याजकों, हारून के पुरुष वंशजों को संदर्भित करता है। यदि आप इस पद को अप्रत्यक्ष वाक्य में बदलने का निर्णय लेते हैं (जैसा कि पिछली टिप्पणी में सुझाव दिया गया था), तो द्वितीय पुरुष सर्वनामों को तृतीय पुरुष में बदलना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [उनकी पीढ़ियों में ... उनके सभी वंशजों में से]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 22:3 (#3)

כָּל־אִ֣ישׁ

"जो कोई"

यहाँ **कोई** शब्द हारून के किसी भी पुरुष वंशज को संदर्भित करता है जो एक याजक के रूप में सेवा करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी याजक]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 22:3 (#4)

מִכָּל־זַרְעֲכֶ֜ם

"तुम्हारे सारे वंश में से"

मूलभाषा में यहाँ पर **बीज** शब्द का प्रयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में **वंश** शब्द का। यह अभिव्यक्ति किसी के बच्चों को संदर्भित करने के लिए **बीज** शब्द का उपयोग करती है। यह स्पष्ट नहीं है कि वीर्य को पौधे के बीज के समान समझा जाता था या नहीं, हालांकि दोनों के लिए एक ही शब्द का उपयोग किया गया है (संदर्भ के लिए 11:37 और 15:16 देखें)। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। देखें कि आपने इस रूपक का अनुवाद 20:2 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [आपके सभी बच्चों में से] या [आपकी सभी संतानों में से]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 22:3 (#5)

אֶל־הַקֳּדָשִׁים֙ אֲשֶׁ֣ר יַקְדִּישׁ֔וּ בְּנֵי־יִשְׂרָאֵ֖ל לַיהוָ֑ה

"उन पवित्र की हुई वस्तुओं के पास, जिन्हें इस्राएली यहोवा के लिये पवित्र करते हैं"

यहाँ एक क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल से आते हैं। वाक्यांश **पवित्र करते हैं** एक क्रिया का अनुवाद करता है जो उस संज्ञा से संबंधित है जिसका अनुवाद **पवित्र वस्तु** के रूप में किया गया है। संबंधित शब्दों की पुनरावृत्ति कथन पर जोर देती है। आप अपनी भाषा में यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए उसी संरचना का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई अन्य तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [वे पवित्र चीज़ें जो इस्राएली यहोवा को पवित्र भेंट के रूप में चढ़ा रहे हैं]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 22:3 (#6)

וְטֻמְאָתוֹ עָלָיו

"अपनी अशुद्धता की दशा में"

यदि आपकी भाषा **अशुद्धता** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यह देखना उपयोगी हो सकता है कि आपने इस भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 5:3 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [जब वह अशुद्ध है] या [और वह अशुद्ध है]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 22:3 (#7)

"वह मनुष्य मेरे सामने से नाश किया जाएगा"

देखें कि आपने 7:20 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 22:3 (#8)

מִלְּפָנַ֑י

"मेरे सामने से"

मूलभाषा में यहाँ पर **मेरे चेहरे के सामने से** वाक्यांश का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में **मेरे सामने से** वाक्यांश का उपयोग किया

गया है। यहाँ, **चेहरा** एक व्यक्ति की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करता है। इस अभिव्यक्ति में, यदि कोई याजक अशुद्ध होते हुए बलिदान चढ़ाता है, तो उसे यहोवा की उपस्थिति से हटा दिया जाना चाहिए—अर्थात, उसे निर्वासित किया जाना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मेरी उपस्थिति से] या [उस स्थान से जहाँ मैं इस्राएलियों के बीच निवास करता हूँ]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 22:4 (#1)

אִישׁ אִישׁ

“कोई... मनुष्य”

मूलभाषा में यहाँ पर **पुरुष** शब्द आया है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं है। यहाँ शब्द **पुरुष** किसी भी याजक को संदर्भित करता है। देखें कि आपने 15:2 में **पुरुष** शब्द की पुनरावृत्ति को कैसे प्रस्तुत किया है। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी याजक]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 22:4 (#2)

מִזֶּרַע אַהֲרֹן

“हारून के वंश में से”

मूलभाषा में यहाँ पर **बीज** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **वंश** शब्द का उपयोग हुआ है। देखें कि आपने 20:2 में संतानों के लिए इस रूपक को कैसे प्रस्तुत किया। वैकल्पिक अनुवाद: [हारून के बच्चों में से] या [हारून की संतानों में से]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 22:4 (#3)

וְהוּא צָרוּעַ אוֹ זָב

“जो कोढ़ी हो, या उसके प्रमेह हो”

शब्द **कोढ़ी** और **प्रमेह** विभिन्न प्रकार के दिखने वाले, संक्रामक त्वचा रोगों को संदर्भित करते हैं। देखें कि आपने अभिव्यक्ति **कोढ़ी** का अनुवाद 13:44 में कैसे किया। इसी तरह, देखें कि आपने **प्रमेह** शब्द का अनुवाद 15:2 में कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 22:4 (#4)

וְהַנֹּגֵעַ בְּכָל־טָמֵא

“और जो लोथ के कारण अशुद्ध हुआ हो”

यह अभिव्यक्ति सामान्य रूप से किसी भी याजक को संदर्भित करती है जो किसी **अशुद्ध** वस्तु को छूता है, न कि किसी विशेष याजक को। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी याजक जो किसी भी अशुद्ध वस्तु को छूता है]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 22:4 (#5)

בְּכָל־טָמֵא־נֶפֶשׁ

“जो लोथ के कारण अशुद्ध”

यह अभिव्यक्ति किसी भी **अशुद्ध चीज़** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग करती है जिसका स्रोत मनुष्य है, चाहे वह कोई अशुद्ध व्यक्ति हो या कोई स्राव या लहू जो किसी व्यक्ति से आया हो। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी अशुद्ध चीज़ जो किसी व्यक्ति से आई हो] या [कोई भी अशुद्ध व्यक्ति]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 22:4 (#6)

“जिसका वीर्य स्खलित हुआ”

देखें कि आपने 15:16 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 22:5 (#1)

אוֹ בְאָדָם אֲשֶׁר יִטְמָא־לוֹ

“मनुष्य” - “अशुद्धता हो” - “लग सकती है”

मूलभाषा में यहाँ पर **एक व्यक्ति जो उसे अशुद्ध करता है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं है। अभिव्यक्ति **एक व्यक्ति जो उसे अशुद्ध करता है** कुछ शब्दों को छोड़ देती है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो तो आप इन शब्दों की पूर्ति वाक्य के पहले भाग से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [या कोई व्यक्ति जो ऐसे व्यक्ति को छूता है जो उसे अशुद्ध करता है] या [या कोई याजक जो ऐसे व्यक्ति को छूता है जो उसे अशुद्ध करता है]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 22:5 (#2)

לְכֹל טֻמְאָתוֹ

“जिसमें किसी प्रकार की अशुद्धता हो**”**

यहाँ शब्द **जिसमें** उस अशुद्ध व्यक्ति को संदर्भित करता है जिसे याजक छूते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उस व्यक्ति की अशुद्धता चाहे जो भी हो]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 22:5 (#3)

“किसी प्रकार की अशुद्धता”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **अशुद्धता** को 5:3 में कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 22:6 (#1)

בּוֹ

“इनमें से”

मूलभाषा में यहाँ पर **इसे** शब्द का प्रयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **इनमें से,** दोनों ही अशुद्ध वस्तुओं को संदर्भित करते हैं। यहाँ शब्द **यह** उन पहले सूचीबद्ध अशुद्ध चीज़ों को संदर्भित करता है जिन्हें एक याजक छू सकता है और अशुद्ध हो सकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो इसे स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [इन अशुद्ध चीज़ों में से कोई भी]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 22:6 (#2)

רָחַץ בְּשָׂרוֹ בַּמָּיִם

“जल से स्नान न कर ले”

मूल भाषा में यहाँ पर **शरीर** शब्द का प्रयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं है। यहाँ शब्द **शरीर** एक व्यक्ति की पूर्ण देह को संदर्भित करता है। इसके अतिरिक्त, देखें कि आपने 1:9 में समान अभिव्यक्ति में अतिरिक्त जानकारी को कैसे प्रस्तुत किया। वैकल्पिक अनुवाद: [वह अपने आपको धोए]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 22:7 (#1)

וּבָבָא הַשֶּׁשֶׁמֶשׁ

“सूर्य अस्त होने पर”

यह एक सामान्य अभिव्यक्ति है जो दिन के अंत में **सूर्य** के अस्त होने को संदर्भित करती है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें यह अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और जब सूरज डूबता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 22:7 (#2)

כִּי

“क्योंकि”

जिस शब्द का अनुवाद **क्योंकि** के रूप में किया गया है, वह इंगित करता है कि आगे आने वाली बात पहले कही गई बात का कारण है। अपनी भाषा में एक ऐसे संयोजक का प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि आगे आने वाली बात पहले कही गई बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद (पूर्णविराम के साथ): [ऐसा इसलिए है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 22:9 (#1)

וְשָׁמְרוּ & וְלֹא־יִשְׂאוּ & יְחַלְּלֻהוּ & מְקַדְּשָׁם

“रक्षा करें - और ऐसा न हो कि वे... भार उठाए - अपवित्र करके - उनका पवित्र करने वाला”

यहाँ लैव्यव्यवस्था की पुस्तक एक काल्पनिक याजक का वर्णन करने से हटकर याजक के पद का समग्र रूप से वर्णन करने की ओर स्थानांतरित होती है। इस प्रकार, शब्द **वे** और **उनका** इस्राएली याजकों को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक पालन करेंगे ... और याजक भार नहीं उठाएँगे ... उन्होंने इसे अपवित्र किया ... याजकों को पवित्र बनाने वाले]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 22:9 (#2)

“और वे मेरी... रक्षा करेंगे”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 8:35 और 18:30 पर कैसे किया।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 22:9 (#3)

וְלֹא־יִשְׂאוּ עָלָיו חֵטְא וּמֵתוּ בוֹ כִּי יְחַלְּלֻהוּ

“ऐसा न हो कि वे उनको अपवित्र करके पाप का भार उठाए, और इसके कारण मर भी जाएँ”

मूलभाषा में यहाँ पर **इ से** शब्द का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में **उनको** शब्द का प्रयोग किया गया है। यहाँ शब्द **उनको** यहोवा की **निगरानी** को संदर्भित करता है, अर्थात् बलिदान संबंधी कर्तव्यों का पालन करते समय अशुद्ध वस्तुओं के संपर्क से बचने के लिए यहोवा की आज्ञा। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और याजक उन बातों के कारण दोषी न ठहरें जिनसे बचने की मैंने उन्हें आज्ञा दी है, ऐसा न हो कि वे मेरी आज्ञा का उल्लंघन करके मर जाएँ और इस प्रकार मेरी आज्ञाओं को अपवित्र करें।]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 22:9 (#4)

וְלֹא־יִשְׂאוּ עָלָיו חֵטְא

“ऐसा न हो कि वे... पाप का भार उठाए”

यहाँ, **ऐसा न हो कि वे... पाप का भार उठाए** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जो एक याजक को उनके पाप या गलतियों के लिए ज़िम्मेदार ठहराए जाने का संदर्भ देती है। यदि आपकी भाषा में इस वाक्यांश का यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जो उस अर्थ को रखती हो या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे इसके संबंध में पाप नहीं करेंगे]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 22:9 (#5)

כִּי

“इसके कारण”

जिस शब्द का अनुवाद **इसके कारण** के रूप में किया गया है, वह इंगित करता है कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि

आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद (पूर्णविराम के साथ): [वे मर जाएँगे क्योंकि]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 22:10 (#1)

קֹדֶשׁ & קֹדֶשׁ

“पवित्र वस्तु - पवित्र वस्तु”

यहाँ, **पवित्र वस्तु** का अर्थ उन सभी भोजन भेंटों से है जो इस्राएलियों ने यहोवा को बलिदान और अर्पण के रूप में दिए हैं, न कि किसी विशेष भोजन भेंट से। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी पवित्र वस्तु ... कोई भी पवित्र वस्तु]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 22:10 (#2)

תּוֹשַׁב כֹּהֵן

“याजक का अतिथि”

मूलभाषा में यहाँ पर **याजक के घर में ठहरने वाला** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **याजक का अतिथि** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यह अभिव्यक्ति एक **अतिथि** (अर्थात, एक यात्रा करने वाले अतिथि) का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग करती है, जिसे **याजक** द्वारा आतिथ्य सत्कार प्राप्त है। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [याजक का यात्रा करने वाला अतिथि] या [एक यात्री जो याजक के घर पर ठहरा हुआ है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 22:11 (#1)

כִּי־יִקְנֶה נֶפֶשׁ קְנִין כַּסְפּוֹ

“यदि याजक किसी दास को रुपया देकर मोल ले”

मूलभाषा में यहाँ पर **चाँदी** द्वारा मोल लेकर उसकी **संपत्ति** होने की बात कही गई है जबकि हिंदी अनुवाद **रुपया** शब्द का उपयोग करता है। यह अभिव्यक्ति अधिकारवाचक रूप का प्रयोग उस दास का वर्णन करने के लिए करती है जो याजक की **संपत्ति** होता है, क्योंकि उसे याजक ने अपने **रुपये** से खरीदा है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए अधिकारवाचक रूप का प्रयोग नहीं होता, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यहाँ चांदी किसी भी धन या मुद्रा का प्रतिनिधित्व करती है जिससे याजक दास को खरीदता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जब वह किसी व्यक्ति को खरीदता है और वह उसकी संपत्ति बन जाता है जिसे उसने अपने धन से खरीदा है] या [जब वह किसी व्यक्ति को अपने धन से खरीदता है और वह उसकी संपत्ति बन जाता है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 22:11 (#2)

הוּא יֹאכַל & הֵם יֹאכְלוּ

“वह... उसमें से खा सकता है और वे भी... में से खाएँ”

इन अभिव्यक्तियों में **वह** और **वे** शब्दों का उपयोग यह जोर देने के लिए किया गया है कि इन दासों को याजक का पवित्र भोजन खाने की अनुमति मिलना कितना महत्वपूर्ण था। इस महत्व को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: [यहाँ तक कि वह भी खा सकता है ... वे भी खा सकते हैं]

देखें: कर्मकर्त्ता सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 22:11 (#3)

הוּא יֹאכַל

“वह... खा सकता है”

यहाँ, शब्द **वह** उस दास को संदर्भित करता है जिसे याजक ने खरीदा था, न कि याजक को। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वह दास खा सकता है]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 22:11 (#4)

וִילִיד בֵּיתוֹ הֵם יֹאכְלוּ בְלַחְמוֹ

“और जो याजक के घर में उत्पन्न हुए हों, वे भी उसके भोजन में से खाएँ”

मूलभाषा में यहाँ पर सर्वनाम **उसके** उपयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद **याजक** शब्द का उपयोग करता है। यहाँ, शब्द **उसके** एक याजक को संदर्भित करता है, जबकि वाक्यांश **उसके घर में उत्पन्न हुए** एक बालक को संदर्भित करता है जो याजक के घराने में रहने वाले एक दास से उत्पन्न हुआ है। यह अभिव्यक्ति इस दास को संदर्भित करने के लिए बहुवचन **वे** का उपयोग करती है, संभवतः उस माँ को भी शामिल करते हुए जिसने उसे जन्म दिया। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक दास जो याजक के घराने में जन्मा है—वह और उसके माता-पिता याजक के भोजन में से खा सकते हैं]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 22:11 (#5)

בְלַחְמוֹ

“उसके भोजन”

यहाँ, **भोजन** उस पवित्र भोजन का प्रतिनिधित्व करता है जो याजकों को इस्राएल के लोगों द्वारा यहोवा को अर्पित की गई भोजन भेंटों से प्राप्त होता था। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उसका भोजन]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 22:12 (#1)

הִוא בִּתְרוּמַת הַקֳּדָשִׁים לֹא תֹאכֵל

“वह भेंट की हुई पवित्र वस्तुओं में से न खाए”

मूलभाषा में यहाँ पर **स्वयं** शब्द का प्रयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। यह अभिव्यक्ति **स्वयं** शब्द का उपयोग करती है ताकि यह जोर दिया जा सके कि यह कितना महत्वपूर्ण था कि एक याजक की पुत्री को विवाह के बाद अपने पिता के पवित्र भोजन को खाने की अनुमति नहीं थी। इस महत्व को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [यहाँ तक कि वह भी अर्पित की गई पवित्र चीज़ों को नहीं खा सकती]

देखें: कर्मकर्त्ता सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 22:12 (#2)

בִּתְרוּמַ֣ת הַקֳּדָשִׁ֑ים

“भेंट की हुई पवित्र वस्तुएँ”

यदि आपकी भाषा में **भेंट की हुई** शब्द के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वे पवित्र चीजें जो इस्राएल के लोगों ने अर्पित की हैं]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 22:13 (#1)

וְזֶ֥רַע אֵ֖ין לָהּ֑

“और उसकी सन्तान न हो”

मूलभाषा में यहाँ पर **बीज** शब्द का प्रयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **संतान** शब्द का प्रयोग हुआ है। देखें कि आपने 20:2 में वंशजों के लिए इस रूपक को कैसे प्रस्तुत किया है। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसके कोई बच्चे नहीं हैं]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 22:13 (#2)

מִלֶּ֣חֶם אָבִ֔יהָ

“अपने पिता के भोजन में से”

यहाँ, **भोजन** उस पवित्र भोजन का प्रतिनिधित्व करता है जो याजकों को इस्राएल के लोगों द्वारा यहोवा को अर्पित भोजन भेंटों से प्राप्त होता था। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उसके पिता के भोजन से]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 22:13 (#3)

“पराए कुल का कोई उसमें से न खाने पाए”

वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी अजनबी इसे नहीं खा सकता है]

लैव्यव्यवस्था 22:14 (#1)

וְאִ֣ישׁ

“कोई मनुष्य”

यद्यपि **मनुष्य** शब्द पुल्लिंग है, यहाँ इसका उपयोग एक सामान्य अर्थ में किया गया है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [या एक व्यक्ति]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 22:14 (#2)

“तो वह उसका पाँचवाँ भाग बढ़ाकर उसे याजक को भर दे”

इसका अर्थ यह हो सकता है: 1) कि उस व्यक्ति को खाए गए भोजन को उसी प्रकार के भोजन से बदलना होगा या 2) कि उस व्यक्ति को खाए गए भोजन के लिए याजक को धन देना होगा।

लैव्यव्यवस्था 22:14 (#3)

וְיָסַ֣ף חֲמִשִׁיתוֹ֔ עָלָ֖יו

“तो वह उसका पाँचवाँ भाग बढ़ाकर”

यहाँ, **उसका पाँचवाँ भाग बढ़ाकर** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जो एक पवित्र खाद्य वस्तु के कुल मूल्य में उसके मौद्रिक मूल्य का एक-पाँचवाँ जोड़ने को संदर्भित करती है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में वही अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें वही अर्थ हो या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर वह खाद्य वस्तु के कुल मौद्रिक मूल्य में एक-पाँचवाँ जोड़ लेगा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 22:14 (#4)

חֲמִשִׁיתוֹ֔

“उसका पाँचवाँ”

शब्द **उसका पाँचवाँ** पाँच बराबर भागों में से एक भाग को संदर्भित करता है।

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 22:15 (#1)

וְלֹ֣א יְחַלְּלוּ֔ & אֵ֥ת אֲשֶׁר־יָרִ֖ימוּ

“वे... जिन्हें... वे चढ़ाएँ - अपवित्र न करें”

यहाँ, सर्वनाम **वे** इस्राएल के लोगों को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और इस्राएल के लोग अपवित्र न करें ... जिन्हें इस्राएल के लोग चढ़ाते हैं]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 22:15 (#2)

“इस्राएलियों की पवित्र की हुई वस्तुओं को”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 22:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 22:15 (#3)

“इस्राएलियों”

देखें कि आपने इस्राएल के लोगों के लिए इस रूपक को 1:2 में कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 22:15 (#4)

אֵת אֲשֶׁר־יָרִימוּ

"जिन्हें वे ... चढ़ाएँ"

यहाँ, शब्द **चढ़ाना** यहोवा को भेंट अर्पित करने की अनुष्ठानिक क्रिया को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की अनुष्ठानिक क्रिया के लिए कोई शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। आप इस क्रिया के महत्व को पाठ में या एक पाद टिप्पणी में भी स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जो वे प्रस्तुत करते हैं] या [जो वे अर्पित करते हैं]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 22:15 (#5)

לַיהוָה

"यहोवा के लिए"

यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बोल रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्वाभाविक न हो, तो आप प्रथम-पुरुष रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मुझ, यहोवा को]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 22:16 (#1)

וְהִשִּׁיאוּ אוֹתָם עֲוֹן אַשְׁמָה

"उनसे अपराध का दोष न उठवाएँ"

यहाँ, **अपराध का दोष उठवाना** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जो दोष को एक भौतिक वस्तु के रूप में संदर्भित करती है जिसे उठाकर ले जाना होता है। क्योंकि **दोष** लैव्यव्यवस्था में गलत कार्य के लिए क्षतिपूर्ति प्रदान करने की कानूनी स्थिति या वह दण्ड जिसे क्षतिपूर्ति के रूप में प्रदान किया जाता है, दोनों को संदर्भित कर सकता है, इस अभिव्यक्ति का अर्थ हो सकता है: 1) इस्राएल के लोग दोषी होंगे और इस प्रकार अपने पाप के लिए ज़िम्मेदार होंगे। वैकल्पिक अनुवाद: [या वे उस पाप के दोषी होंगे जो उन्होंने किया] या 2) शब्द **दोष** उस पाप के लिए दण्ड का एक लाक्षणिक रूपक है जो उन्होंने किया। वैकल्पिक अनुवाद: [या फिर उन्हें वह दण्ड मिलेगा जिसके वे हक़दार हैं क्योंकि उन्होंने गलत काम किया है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 22:16 (#2)

"उनको अपनी पवित्र वस्तुओं में से खिलाकर"

वैकल्पिक अनुवाद: [जब उन्होंने अपनी पवित्र वस्तुएँ खाई]

लैव्यव्यवस्था 22:16 (#3)

כִּי

(क्योंकि)

मूलभाषा में **क्योंकि** शब्द का प्रयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में इसका प्रयोग नहीं हुआ है। जिस शब्द का अनुवाद **क्योंकि** के रूप में किया गया है, वह इंगित करता है कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। अपनी भाषा में एक ऐसे संयोजक का प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि आगे आने वाली बात पहले वाली बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: [ऐसा इसलिए है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 22:17–18 (#1)

לֵאמֹר: דַּבֵּר אֶל־אַהֲרֹן וְאֶל־בָּנָיו וְאֶל כָּל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְאָמַרְתָּ אֲלֵהֶם

"फिर यहोवा ने मूसा से कहा"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [हारून, उसके पुत्रों और सभी इस्राएलियों को बता कि]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 22:18 (#1)

דַּבֵּר אֶל־אַהֲרֹן וְאֶל־בָּנָיו וְאֶל כָּל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְאָמַרְתָּ אֲלֵהֶם

"हारून और उसके पुत्रों से और इस्राएलियों से समझाकर कह"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं, लेकिन उनका कार्य अलग-अलग है। पहला वाक्यांश एक आदेश के रूप में है, जबकि दूसरा वाक्यांश यह बताता है कि मूसा को हारून, याजकों और इस्राएल के लोगों से क्या कहना है। आप इस समानता को एक कथन में अनुवादित कर सकते हैं जो इस संबंध को व्यक्त करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [हारून और उसके पुत्रों और इस्राएल के सभी लोगों को बता] या [हारून और उसके पुत्रों और सभी इस्राएलियों से बात कर, उन्हें यह बता]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 22:18 (#2)

"और इस्राएलियों से"

मूलभाषा में यहाँ पर **इस्राएल के वंशजों से** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **इस्राएलियों से** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। देखें कि आपने इस्राएल के लोगों के लिए इस रूपक को 1:2 में कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 22:18 (#3)

מִבֵּית יִשְׂרָאֵל

"इस्राएल के घराने से"

इस अभिव्यक्ति में **घराने** का प्रयोग इस्राएल के लोगों के लिए किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अपनी भाषा से कोई समतुल्य अभिव्यक्ति प्रयोग कर सकते हैं या अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल के लोगों से]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 22:18 (#4)

אִ֣אִישׁ אִישׁ֩

“कोई... कोई”

मूलभाषा में यहाँ पर **मनुष्य** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **कोई** शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ **मनुष्य** शब्द सामान्य रूप से किसी भी इस्राएली व्यक्ति के लिए प्रयोग हुआ है, न कि केवल पुरुषों के लिए। देखें कि आपने **पुरुष** शब्द की पुनरावृत्ति को 15:2 में कैसे प्रस्तुत किया। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी व्यक्ति]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 22:18 (#5)

“कोई होमबलि चढ़ाए”

देखें कि आपने 1:2 में इन दोहराए गए शब्दों को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 22:18 (#6)

לַיהוָ֔ה

“यहोवा को”

यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बात कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्वाभाविक न हो, तो आप प्रथम-पुरुष रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मुझ यहोवा को]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 22:19 (#1)

לְרִצֹנְכֶ֖ם תָּמִ֑ים זָכָ֗ר בַּבָּקָ֤ר בַּכְּשָׂבִים֙ וּבָעִזִּ֔ים

“तो अपने निमित्त ग्रहणयोग्य ठहरने के लिये बैलों या भेड़ों या बकरियों में से निर्दोष नर चढ़ाया जाए”

यह अभिव्यक्ति कुछ शब्दों को छोड़ देती है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों की पूर्ति वाक्य के पहले भाग से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [अपने लिए स्वीकार्य योग्य, अपने बैलों में से, भेड़ों में से, या बकरियों में से एक निर्दोष नर प्रस्तुत करना होगा]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 22:19 (#2)

לְרִצֹנְכֶ֖ם

“अपने निमित्त ग्रहणयोग्य”

यहाँ और इस अध्याय के बाकी हिस्सों में, “अपने” शब्द बहुवचन में है और यह पूरे इस्राएल के लोगों और विशेष रूप से याजकों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में तृतीय पुरुष के रूपों से द्वितीय पुरुष के बहुवचन रूपों में परिवर्तन स्वाभाविक नहीं है, तो तृतीय पुरुष के रूपों का उपयोग जारी रखने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके लिए स्वीकार्ययोग्य]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 22:19 (#3)

בַּבָּקָ֤ר בַּכְּשָׂבִים֙ וּבָעִזִּ֔ים

“बैलों या भेड़ों या बकरियों में से”

अभिव्यक्तियाँ **बैलों**, **भेड़ों**, और **बकरियों** किसी विशेष पशु समूहों का उल्लेख नहीं करती हैं। वे किसी भी ऐसे पशुओं के समूह का वर्णन करती हैं जो किसी इस्राएली के पास हो सकता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [आपके बैलों, भेड़ों या बकरियों में से जो आपके पास हैं या आपने ख़रीदे हैं] या, तृतीय पुरुष के रूप में, [किसी भी बैलों, भेड़ों या बकरियों में से जो उसके पास हैं या उसने खरीदे हैं]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 22:20 (#1)

“जिसमें कोई भी दोष हो”

वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी पशु जिसमें कोई भी दोष हो]

लैव्यव्यवस्था 22:20 (#2)

כִּ֣י

“क्योंकि”

जिस शब्द का अनुवाद **क्योंकि** के रूप में किया गया है, वह इंगित करता है कि आगे आने वाली बात पहले कही गई बात का कारण है। अपनी भाषा में एक ऐसे संयोजक का प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि आगे आने वाली बात पहले कही गई बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद (पूर्णविराम के साथ): [ऐसा इसलिए है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 22:21 (#1)

וְאִ֣אִישׁ

“जो कोई”

मूलभाषा में यहाँ पर **कोई मनुष्य** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **जो कोई** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। हालाँकि **मनुष्य** शब्द पुल्लिंग है, यहाँ इसका उपयोग एक सामान्य अर्थ में किया गया है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक व्यक्ति]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 22:21 (#2)

לַיהוָ֔ה

“यहोवा को”

यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बोल रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्वाभाविक न हो, तो आप प्रथम पुरुष रूप उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मुझ यहोवा को]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 22:21 (#3)

בַּבָּקָר אוֹ בַצֹּאן

“बैलों या भेड़-बकरियों में से”

अभिव्यक्तियाँ **बैलों** और **भेड़-बकरियों** विशेष समूहों का उल्लेख नहीं करती हैं। वे किसी भी ऐसे पशु समूह का वर्णन करती हैं जो किसी इस्राएली के पास हो सकता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [आपके बैलों या भेड़-बकरियों में से जो आपके पास हैं या आपने ख़रीदे हैं] या, तृतीय पुरुष में, [उसके बैलों या भेड़-बकरियों में से जो उसके पास हैं या उसने ख़रीदे हैं]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 22:21 (#4)

“उसमें कोई भी दोष न हो”

वैकल्पिक अनुवाद: [इसमें कोई दोष नहीं होना चाहिए]

लैव्यव्यवस्था 22:22 (#1)

לַיהוָה & לַיהוָה

“यहोवा के लिए... यहोवा के लिए”

यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बात कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्वाभाविक न हो, तो आप प्रथम पुरुष रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मुझ यहोवा को ... मुझे]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 22:22 (#2)

“उनको वेदी पर... हव्य न चढ़ाना”

देखें कि आपने 4:7 में इसी मुहावरे को कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 22:23 (#1)

לֹא יֵרָצֶה

“वह ग्रहण न होगा”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं इसे स्वीकार नहीं करूँगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 22:24 (#1)

וּמָעוּךְ וְכָתוּת וְנָתוּק וְכָרוּת לֹא תַקְרִיבוּ לַיהוָה

“जिसके अण्ड दबे या कुचले या टूटे या कट गए हों उसको यहोवा के लिये न चढ़ाना”

शब्द **दबे**, **कुचले**, **टूटे** और **कटे** उन तरीकों को संदर्भित करते हैं जिनमें एक गौवंश का मालिक उस पशु के अंडकोष को हटाने के लिए उसे बधिया कर सकता है। यह प्राचीन काल में एक आम प्रथा थी, जिसके बारे में माना जाता था कि इससे पशु के माँस की गुणवत्ता बढ़ती है। ऐसी प्रथाएँ उन जानवरों के लिए निषिद्ध हैं जिन्हें बलिदान के रूप में चढ़ाया जाएगा क्योंकि यह उस पशु में एक दोष को उत्पन्न करता है जिसे यहोवा संपूर्ण और पूर्ण रूप में चाहता है। यदि आपकी भाषा में यह जानकारी उपयोगी होगी, तो इसे एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में शामिल करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [परन्तु तुम यहोवा को ऐसा कोई पशु अर्पित न करो जिसके अंडकोष दबे, कुचले, टूटे या कटे हुए हों] या [परन्तु तुम यहोवा को ऐसा कोई पशु अर्पित न करो जिसके स्वामी ने पशु के अंडकोष को दबाया, कुचला, तोड़ा या काटा हो]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 22:25 (#1)

וּמִיַּד בֶּן־נֵכָר לֹא תַקְרִיבוּ אֶת־לֶחֶם אֱלֹהֵיכֶם מִכָּל־אֵאֵלֶּה

“इनमें से किसी को तुम अपने परमेश्वर का भोजन जानकर किसी परदेशी से लेकर न चढ़ाओ”

मूलभाषा में यहाँ पर **हाथ** शब्द का प्रयोग किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद ऐसा नहीं करता है। यहाँ शब्द **हाथ** पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। संदर्भ में, यह अभिव्यक्ति किसी अन्य से, विशेष रूप से एक **परदेशी** से एक पशु खरीदने को संदर्भित करती है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम अपने परमेश्वर का भोजन, जो तुमने किसी परदेशी से लिया हो, न चढ़ाना]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 22:25 (#2)

בֶּן־נֵכָר

“किसी परदेशी से”

मूलभाषा में यहाँ पर **किसी परदेशी के पुत्र से** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में यहाँ पर **किसी परदेशी से** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ, शब्द **पुत्र** सामान्य रूप से वंशजों को संदर्भित करता है, विशेष रूप से पुरुष संतानों को नहीं। यदि आपकी भाषा में बच्चों के लिए एक सामान्य शब्द है, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एक विदेशी] या [कोई ऐसा जिसे आप विदेशी मानते हैं]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 22:25 (#3)

לֹא תַקְרִיבוּ אֶת־לֶחֶם אֱלֹהֵיכֶם

“तुम अपने परमेश्वर का भोजन... न चढ़ाओ”

मूलभाषा में यहाँ पर **रोटी** शब्द आया है जबकि हिंदी अनुवाद में **भोजन** शब्द का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **रोटी** सामान्य रूप में भोजन का प्रतिनिधित्व करती है। इसके अलावा, यह अभिव्यक्ति **रोटी** (अर्थात् भोजन) के अधिकारवाचक रूप का उपयोग करती है, जिसकी विशेषता यह है कि इसे **परमेश्वर** को अर्पित किया जाता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आप अपने परमेश्वर को किसी भी भोजन को भेंट के रूप में न चढ़ाना]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 22:25 (#4)

מִכָּל־אֵאֵלֶּה & בָּהֶם & בָּבֶם

“इनमें से किसी को - उनमें”

मूलभाषा में यहाँ पर **उनमें** सर्वनाम को दोहराया गया है जबकि हिंदी अनुवाद ऐसा नहीं करता है। यहाँ, शब्द **इनमें से** और **उनमें** विकलांग या विकृत जानवरों को संदर्भित करते हैं, न कि **विदेशी** को। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [इन दोषपूर्ण जानवरों में से कोई... इन जानवरों पर है ... उन पर]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 22:25 (#5)

כִּֽי־

“क्योंकि”

जिस शब्द का अनुवाद **क्योंकि** के रूप में किया गया है, वह इंगित करता है कि आगे आने वाली बात पहले कही गई बात का कारण है। अपनी भाषा में एक ऐसे संयोजक का प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि आगे आने वाली बात पहले कही गई बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद (पूर्णविराम के साथ): [ऐसा इसलिए है]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 22:25 (#6)

“उनमें दोष और कलंक है”

वैकल्पिक अनुवाद: [उनका दोष उनमें है] या [उनका कलंक उनमें है]

लैव्यव्यवस्था 22:25 (#7)

לֹֽא יֵרָצוּ לָכֶם

“वे तुम्हारे निमित्त ग्रहण न होंगे”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा आपके लिए उनको स्वीकार नहीं करेंगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 22:27 (#1)

כִּֽי־יִוָּלֵד

“जब... उत्पन्न हो”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब इसकी माँ इसे जन्म देती है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 22:27 (#2)

תַּחַת אִמּוֹ

“अपनी माँ के साथ”

मूलभाषा में यहाँ पर **अपनी माँ के नीचे** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **अपनी माँ के साथ** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ, **अपनी माँ के नीचे** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जो एक बछड़े को उसकी माँ के साथ होने का वर्णन करती है। **नीचे** शब्द का प्रयोग संभवतः माँ द्वारा बच्चे को दूध पिलाने का वर्णन करता है। यदि आपकी भाषा में इस वाक्यांश का यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें यह अर्थ हो या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [अपनी माँ के साथ] या [अपनी माँ से दूध पी रहा है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 22:27 (#3)

וּמִיּוֹם הַשְּׁמִינִי וָהָלְאָה

“फिर आठवें दिन से आगे को”

यदि आपकी भाषा इस प्रकार की संख्या का उपयोग नहीं करती है, तो आप यहाँ एक अलग प्रकार की संख्या या एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और सात दिनों के बाद]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 22:27 (#4)

יֵרָצֶה

“वह ... ग्रहणयोग्य ठहरेगा”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं इसे स्वीकार करूँगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 22:27 (#5)

לַיהוָה

“यहोवा के... लिए”

यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बोल रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं है, तो आप प्रथम पुरुष रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मुझ यहोवा को]

देखें: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुष

लैव्यव्यवस्था 22:28 (#1)

אֹתוֹ וְאֶת־בְּנוֹ

“उसको और उसके बच्चे को”

हालाँकि **बच्चा** शब्द पुल्लिंग है, यहाँ इसका उपयोग एक सामान्य अर्थ में किया गया है जो नर और मादा दोनों जानवरों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: [वह और उसका छोटा बच्चा] या [वह और उसकी संतान]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 22:29 (#1)

וְכִי־תִזְבְּחוּ֙ זֶ֣בַח־תּוֹדָ֔ה

“और जब तुम... धन्यवाद का मेलबलि चढ़ाओ”

यहाँ, **जब तुम... मेलबलि चढ़ाओं**, यह एक जोर देने वाली रचना है जिसमें प्रयुक्त क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल से आते हैं। आप अपनी भाषा में भी इसी वाक्य का प्रयोग करके इस अर्थ को व्यक्त कर सकते हैं। या फिर, आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और जब भी कभी आप धन्यवाद के बलिदान के रूप में एक पशु चढ़ाओं]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 22:30 (#1)

בַּיּ֥וֹם הַהוּא֙ יֵאָכֵ֔ל

“वह उसी दिन खाया जाए”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उसी दिन, आपको इसे खाना चाहिए] या [उसी दिन, इस्राएल के लोगों को इसे खाना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 22:31 (#1)

וּשְׁמַרְתֶּם֙ מִצְוֹתַ֔י וַעֲשִׂיתֶ֥ם אֹתָ֖ם

“इसलिए तुम मेरी आज्ञाओं को मानना और उनका पालन करना”

यहाँ, शब्द **मानना** और **करना** समान अर्थ रखते हैं। वे दोनों इस बात पर जोर देते हैं कि लोगों को परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने की आदत डालनी चाहिए। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने के लिए एकल वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और आप मेरी आज्ञाओं को मानेंगे] या [और आप मेरी आज्ञाओं का पालन करेंगे ताकि आप उन्हें पूरा कर सकें]

देखें: दोहरात्मक

लैव्यव्यवस्था 22:32 (#1)

“मेरे पवित्र नाम को”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 22:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 22:32 (#2)

“मैं... अवश्य ही पवित्र माना जाऊँगा”

वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन मुझे पवित्र माना जाना चाहिए]

लैव्यव्यवस्था 22:32 (#3)

“इस्राएलियों”

देखें कि आपने इस्राएल के लोगों के लिए इस रूपक को 1:2 में कैसे प्रस्तुत किया।

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 23:2 (#1)

דַּבֵּ֣ר אֶל־בְּנֵ֣י יִשְׂרָאֵ֗ל וְאָמַרְתָּ֤ אֲלֵהֶם֙

“इस्राएलियों से कह कि”

देखें कि आपने 1:2 में और पूरी पुस्तक में उद्धरण के भीतर उद्धरण की शुरुआत को कैसे संभाला है।

देखें: प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 23:2 (#2)

מוֹעֲדֵ֣י יְהוָ֔ה אֲשֶׁר־תִּקְרְא֥וּ אֹתָ֖ם מִקְרָאֵ֣י קֹ֑דֶשׁ אֵ֣לֶּה הֵ֔ם מוֹעֲדָ֖י

“यहोवा के पर्व जिनका तुम को पवित्र सभा एकत्रित करने के लिये नियत समय पर प्रचार करना होगा”

यह पद **नियत समय** वाक्यांश को जोर देने के लिए दोहराता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [ये विशेष समय हैं जो यहोवा ने निर्धारित किए हैं, जिन्हें तुम्हें पवित्र सभाओं के रूप में घोषित करना चाहिए] या [ये वे समय हैं जिन्हें यहोवा ने चुना है, जिन्हें तुम लोगों को इकट्ठा करने और उनकी आराधना करने के लिए घोषित करना चाहिए]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 23:2

מִקְרָאֵ֣י קֹ֑דֶשׁ

“पवित्र सभा”

यदि आपकी भाषा में **पवित्र** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को एक विशेषण के साथ व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने इस अमूर्त संज्ञा का 8:9 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [पवित्र सभाओं के रूप में] या [पवित्र समारोह के रूप में]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 23:2 (#4)

אֵ֣לֶּה הֵ֔ם מוֹעֲדָ֖י

“नियत समय... मेरे वे पर्व ये हैं”

यहाँ, **मेरे** यहोवा को संदर्भित करता है। सुनिश्चित करें कि यह आपके अनुवाद में स्पष्ट है। वैकल्पिक अनुवाद: [ये यहोवा के नियत समय हैं]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 23:3(#1)

שֵׁ֣שֶׁת יָמִ֗ים תֵּעָשֶׂ֤ה מְלָאכָה֙

“छः दिन काम-काज किया जाए”

यदि आपकी भाषा में **किया जाए** जैसी निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम छः

दिनों तक काम-काज कर सकते हो] या [लोग छः दिनों तक काम-काज कर सकते हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 23:3 (#2)

שַׁבַּת שַׁבָּתוֹן

“परमविश्राम”

यहाँ, **परमविश्राम** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जो इस बात पर जोर देती है कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण सब्त है। वैकल्पिक अनुवाद: [यह एक विशेष सब्त है] या [यह पूर्ण विश्राम का अत्यधिक महत्वपूर्ण सब्त है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 23:3 (#3)

בְּכֹל מֹושְׁבֹתֵיכֶם

“तुम्हारे सब घरों में”

यह वाक्यांश उन सभी स्थानों को संदर्भित करता है जहाँ लोग निवास करते हैं, जिसमें उनके घर और आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में “हर जगह” की इस अवधारणा को व्यक्त करने का कोई तरीका है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जहाँ भी तुम निवास करते हो] या [तुम्हारे सब नगरों और घरों में]

देखें: विभज्योतक

लैव्यव्यवस्था 23:4(#1)

אֵאֵלֶּה מֹועֲדֵי יְהוָה מִקְרָאֵי קֹדֶשׁ אֲשֶׁר־תִּקְרְאוּ אֹתָם בְּמֹועֲדָם

“फिर यहोवा के पर्व जिनमें से एक-एक के ठहराये हुए समय में तुम्हें पवित्र सभा करने के लिये प्रचार करना होगा वे ये हैं”

यह पद **ठहराये हुए समय** वाक्यांश पर जोर देने के लिए इसे दोहराता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने इस पुनरावृत्ति को 23:2 में कैसे संभाला।

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 23:5 (#1)

בַּחֹדֶשׁ הָרִאשֹׁון

“पहले महीने के”

यह इब्रानी तिथिपत्र के पहले महीने को संदर्भित करता है, जो आधुनिक तिथिपत्र पर मार्च-अप्रैल में आता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वर्ष के पहले महीने में, जो प्रारंभिक वसंत ऋतु में आता है]

देखें: इब्रानी महीने

लैव्यव्यवस्था 23:5

בְּאַרְבָּעָה עָשָׂר

“चौदहवें दिन को”

यहाँ, **चौदहवें** एक मूल संख्या है जिसका उपयोग वहां किया जाता है जहाँ कई भाषाएं एक क्रम संख्या का उपयोग करती हैं। यदि आपकी भाषा इस संदर्भ में एक मूल संख्या का उपयोग नहीं करती है, तो इसके बजाय एक क्रम संख्या का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [चौदहवें दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 23:5 (#3)

בֵּין הָעַרְבָּיִם

“साँझ के समय”

वाक्यांश **साँझ के समय** उस संस्कृति की एक सामान्य अभिव्यक्ति थी जिसका अर्थ “गोधूलि में” होता था, जो सूर्यास्त और अंधेरे के बीच की समयावधि है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो, या आप अर्थ को स्पष्ट तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसे ही सूरज डूबता है] या [संध्या के समय]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 23:6 (#1)

וּבַחֲמִשָּׁה עָשָׂר יֹום לַחֹדֶשׁ הַזֶּה

“और उसी महीने के पन्द्रहवें दिन को”

यहाँ, **पन्द्रहवें दिन** एक मूल संख्या है जिसका उपयोग उन स्थानों पर किया जाता है जहाँ कई भाषाएं एक क्रमसूचक संख्या का उपयोग करती हैं। यदि आपकी भाषा इस संदर्भ में मूल संख्या का उपयोग नहीं करती है, तो इसके बजाय एक क्रमसूचक संख्या का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसी महीने के पंद्रहवें दिन को]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 23:7 (#1)

מְלֶאכֶת עֲבֹדָה

“परिश्रम का कोई काम”

ये दो शब्द **काम** और **परिश्रम** एक ही विचार को व्यक्त करते हैं और इस बात पर जोर देने के लिए एक साथ उपयोग किए जाते हैं कि कोई कार्य नहीं किया जाना चाहिए। यदि आपकी भाषा में कार्य की मनाही पर जोर देने का कोई तरीका है, तो आप इसे यहाँ उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [काम का प्रकार] या [किसी भी प्रकार का काम]

देखें: हेन्डियडिस

लैव्यव्यवस्था 23:8 (#1)

שִׁבְעַת יָמִים

“सातों दिन”

इस वाक्यांश का अर्थ है किसी चीज़ को एक सप्ताह तक प्रतिदिन करना। वैकल्पिक अनुवाद: [सात दिनों तक प्रतिदिन] या [एक सप्ताह तक प्रतिदिन]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 23:10 (#1)

אֶת־עֹמֶר

“का पूला”

एक **पूला** कटाई के बाद बाँधी गई अनाज की बालियों का एक गट्ठर होता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए कोई विशेष शब्द नहीं है, तो आप वर्णनात्मक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कटे हुए अनाज की बालियों का एक गट्ठर] या [एक मुट्ठी भर]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 23:11 (#1)

לִפְנֵי יְהוָה

“यहोवा के सामने”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा के समक्ष] या [यहोवा की उपस्थिति में]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 23:11 (#2)

לִרְצֹנְכֶם

“तुम्हारे निमित्त ग्रहण किया जाए”

देखें कि आपने इस भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:3 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [ताकि यहोवा तुम्हें ग्रहण करें] या [ताकि यहोवा तुम्हारी भेंट को ग्रहण करें]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 23:12 (#1)

בֶּן־שְׁנָתוֹ

“एक वर्ष का”

देखें कि आपने इस मुहावरे का अनुवाद 9:3 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [एक वर्षीय] या [जो एक वर्ष का है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 23:13 (#1)

אִשֶּׁה לַיהוָה רֵיחַ נִיחֹחַ

“वह सुखदायक सुगन्ध के लिये यहोवा का हव्य हो”

देखें कि आपने इस मुहावरे का अनुवाद 1:9 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [एक भेंट जो यहोवा को प्रसन्न करती है] या [एक बलिदान जो यहोवा को स्वीकार्य है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 23:13 (#2)

שְׁנֵי עֶשְׂרֹנִים

“दो दसवें अंश”

दो दसवें अंश का अर्थ है दस समान भागों में से दो भाग। विभिन्न भाषाएँ अंशों को अलग-अलग तरीकों से व्यक्त करती हैं। ध्यान दें कि आपकी भाषा अंशों को कैसे प्रकट करती है और उसी अनुसार अनुवाद करें। वैकल्पिक अनुवाद: [एपा का दस में से दो अंश] या [एपा का पाँचवाँ अंश]

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 23:13 (#3)

שְׁנֵי עֶשְׂרֹנִים

“दो दसवें अंश”

पाठ में केवल **दो दसवें अंश** लिखा है, परन्तु इससे अभिप्राय यह है कि माप एपा में है, जो मैदे के लिए मानक माप था। यदि आपकी भाषा में माप की इकाई को स्पष्ट रूप से बताना आवश्यक है, तो आप उसे जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [एक एपा का दो-दसवें अंश]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 23:13 (#4)

שְׁנֵי עֶשְׂרֹנִים

“दो दसवें अंश”

एपा एक इब्रानी शुष्क माप की इकाई है, जो लगभग 22 लीटर या 20 चौथाई के बराबर होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक आधुनिक समकक्ष का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लगभग 4.4 लीटर] या [लगभग 4 चौथाई]

देखें: बाइबलीय मात्रा

लैव्यव्यवस्था 23:13 (#5)

רְבִיעִת הַהִין

“हीन भर की चौथाई”

चौथाई का अर्थ है चार समान भागों में से एक भाग। अलग-अलग भाषाएँ अंशों को अलग-अलग तरीकों से व्यक्त करती हैं। अपनी भाषा में अंशों को कैसे प्रकट किया जाता है, इस पर विचार करें और उसी अनुसार अनुवाद करें। वैकल्पिक अनुवाद: [चार में से एक भाग] या [एक चौथाई]

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 23:13 (#6)

רְבִיעִת הַהִין

“हीन भर की चौथाई”

एक **हीन** एक इब्रानी तरल माप की इकाई है, जो लगभग 3.8 लीटर या 1 गैलन के बराबर होती है। यदि यह आपके लिए अधिक सहायक होगा, तो आप एक आधुनिक समकक्ष का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लगभग 1 लीटर] या [लगभग 1 सेर]

देखें: बाइबलीय मात्रा

लैव्यव्यवस्था 23:14 (#1)

אֶת־קָרְבַּן אֱלֹהֵיכֶם

“इस चढ़ावे को अपने परमेश्वर”

यह वाक्य एक चढ़ावे का वर्णन करने के लिए स्वामित्व का उपयोग करता है जो परमेश्वर का है क्योंकि यह उन्हें चढ़ाया जाता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [वह चढ़ावा जो तुमने अपने परमेश्वर को दिया हैं] या [वह चढ़ावा जो तुम्हारे परमेश्वर का है]

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 23:14 (#2)

“यह तुम्हारी पीढ़ी-पीढ़ी में तुम्हारे सारे घरानों में सदा की विधि ठहरे”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:17 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [यह एक नियम है जो तुम्हारे सभी वंशजों के लिए सदैव जारी रहेगा] या [यह एक स्थायी व्यवस्था है जिसका पालन सभी भावी पीढ़ियों को करना होगा]

लैव्यव्यवस्था 23:15 (#1)

“सात विश्रामदिन”

यहाँ, **सात विश्रामदिन** का अर्थ सात सप्ताह है, क्योंकि सब्त प्रत्येक सप्ताह के अंत को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: [सात सप्ताह] या [उनचास दिन]

लैव्यव्यवस्था 23:16 (#1)

עַ֣ד מִמָּחֳרַ֗ת הַשַּׁבָּ֤תֹת הַשְּׁבִיעִת֙ תִּסְפְּרוּ֔ חֲמִשִּׁ֖ים יֹ֑ום

“सातवें विश्रामदिन के अगले दिन तक पचास दिन गिनना”

यह पद स्पष्ट करता है कि पचास दिनों में पिछले पद में उल्लिखित सात विश्रामदिन शामिल हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [पचास दिन गिनना, जो सातवें विश्रामदिन के अगले दिन समाप्त होते हैं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 23:17 (#1)

מִמֹּושְׁבֹתֵיכֶ֖ם

“तुम अपने घरों में से”

यहाँ, **घरों** विशेष रूप से उन घरों को संदर्भित करता है जहाँ लोग रहते हैं, न कि अध्याय में पहले उपयोग किए गए व्यापक अर्थ को। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हारे घरों से] या [प्रत्येक घराने से]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 23:17 (#2)

“एपा के दो दसवें अंश मैदे की”

देखें कि आपने इस माप का 23:13 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 23:18 (#1)

בְּנֵ֣י שָׁנָ֔ה

“एक-एक वर्ष के”

देखें कि आपने इस सामान्य अभिव्यक्ति का अनुवाद 9:3 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [एक वर्ष के बच्चे] या [जो एक वर्ष के हैं]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 23:18 (#2)

וּפַ֣ר בֶּן־בָּקָ֗ר אֶחָ֤ד

“भेड़ के बच्चे, और एक बछड़ा”

इस वाक्यांश में ऐसी अतिरिक्त जानकारी हो सकती है जिसे आपकी भाषा में व्यक्त करना स्वाभाविक नहीं होगा। देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 4:3 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक बछड़ा]

देखें: विशिष्ट सूचना को अंतर्निहित कब बनाएँ

लैव्यव्यवस्था 23:18 (#3)

“सुखदायक सुगन्ध देनेवाला”

देखें कि आपने इस सामान्य अभिव्यक्ति का 23:13 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 23:19 (#1)

“एक-एक वर्ष के”

देखें कि आपने इस सामान्य अभिव्यक्ति का अनुवाद 23:18 में किस प्रकार किया।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 23:20 (#1)

לִפְנֵ֣י יְהוָ֔ה

“यहोवा के सामने”

यहाँ, **यहोवा के सामने** का अर्थ है कि यहोवा के सामने किसी वस्तु को सीधे तौर पर प्रस्तुत करना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा के सामने] या [यहोवा की उपस्थिति में]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 23:21 (#1)

“परिश्रम का कोई काम”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 23:7 में किस प्रकार किया।

देखें: हेन्डियडिस

लैव्यव्यवस्था 23:21 (#2)

“यह तुम्हारे सारे घरानों में तुम्हारी पीढ़ी-पीढ़ी में सदा की विधि ठहरे”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 23:14 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वत्वबोधन

लैव्यव्यवस्था 23:22 (#1)

לֹא־תְכַלֶּה פְּאַאת שָׂדְךָ בְּקֻצְרֶךָ וְלֶקֶט קְצִירְךָ לֹא תְלַקֵּט

“जब तुम अपने देश में के खेत काटो, तब अपने खेत के कोनों को पूरी रीति से न काटना, और खेत में गिरी हुई बालों को न इकट्ठा करना”

यह निर्देश विशेष कटनी संबंधी विधियों को संदर्भित करता है। यदि आपके अनुवाद में यह सहायक हो, तो आप इन प्रथाओं के उद्देश्य की व्याख्या करते हुए और जहाँ यह आज्ञा दी गई थी उसका संदर्भ देते हुए एक पाद टिप्पणी जोड़ सकते हैं। इस व्यवस्था और इसके उद्देश्य की पूरी व्याख्या के लिए लैव्यव्यवस्था 19:9–10 देखें। वैकल्पिक अनुवाद: [अपने खेत के कोनों तक फसल मत काटो, और जो अनाज ज़मीन पर गिरे उसे मत उठाओ]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 23:24 (#1)

בַּחֹדֶשׁ הַשְּׁבִיעִי

“सातवें महीने में”

यह इब्रानी कैलेंडर के सातवें महीने को संदर्भित करता है, जो आधुनिक कैलेंडर पर सितंबर-अक्टूबर में आता है। यदि आपकी भाषा में यह जानकारी सहायक होगी, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वर्ष के सातवें महीने में, जो पतझड़ की शुरुआत में होता है]

देखें: इब्रानी महीने

लैव्यव्यवस्था 23:24 (#2)

בְּאֶחָד לַחֹדֶשׁ

“महीने के पहले दिन को”

यदि आपकी भाषा **पहले दिन** जैसे रूप में संख्या का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस संख्या को अपनी भाषा में उपयोग किए जाने वाले रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [महीने का पहला दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 23:24 (#3)

שַׁבָּתוֹן זִכְרוֹן תְּרוּעָה מִקְרָא־קֹדֶשׁ

“परमविश्राम हो... स्मरण दिलाने के लिये नरसिंगे फूँके जाएँ, और एक पवित्र सभा”

यदि आपकी भाषा इन अवधारणाओं के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [एक दिन जब आप काम से विश्राम लेते हैं, महत्वपूर्ण घटनाओं को स्मरण दिलाने के लिये नरसिंगे फूँकते हैं, और एक विशेष तरीके से आराधना के लिए इकट्ठा होते हैं] या [एक समय जब आप काम करना बंद करते हैं, महत्वपूर्ण क्षणों को याद करते हुए नरसिंगे फूँकते हैं, और एक पवित्र सभा के लिए एक साथ आते हैं]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 23:25 (#1)

“परिश्रम का कोई काम”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 23:7 में किस प्रकार किया।

देखें: हेन्डियडिस

लैव्यव्यवस्था 23:27 (#1)

“पवित्र”

देखें कि आपने इस भाववाचक संज्ञा का 8:9 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 23:27 (#2)

וְעִנִּיתֶם אֶת־נַפְשֹׁתֵיכֶם

“और उसमें तुम उपवास करना”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 16:29 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम अपने आप को नकारोगे] या [और तुम अपने पापों के लिए अपना दुख दिखाने के लिए उपवास और प्रार्थना करोगे]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 23:28 (#1)

לִפְנֵי יְהוָה אֱלֹהֵיכֶם

“तुम्हारे परमेश्वर यहोवा के सामने”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का 1:5 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा तुम्हारे परमेश्वर के सामने] या [यहोवा तुम्हारे परमेश्वर की उपस्थिति में]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 23:29 (#1)

“वह अपने लोगों में से नाश किया जाएगा”

अधिक जानकारी के लिए अध्याय 7 की प्रस्तावना देखें और यह देखें कि आपने इसे 7:20 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 23:31 (#1)

חֻקַּת עוֹלָם לְדֹרֹתֵיכֶם

“यह तुम्हारी पीढ़ी-पीढ़ी में तुम्हारे घराने में सदा की विधि ठहरे”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 23:14 और 23:21 में कैसे किया। यह वाक्यांश व्यवस्था की स्थायी प्रकृति पर जोर देता है। वैकल्पिक अनुवाद: [यह एक नियम है जो तुम्हारे सभी वंशजों के लिए सदैव लागू रहेगा] या [यह एक स्थायी व्यवस्था है जिसका पालन सभी आने वाली पीढ़ियों को करना होगा]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 23:32 (#1)

שַׁבַּת שַׁבָּתוֹן

“परमविश्राम”

यह एक मुहावरा है जो इस बात पर जोर देता है कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण विश्रामदिन है। वैकल्पिक अनुवाद: [यह एक विशेष विश्रामदिन है] या [यह एक विशेष रूप से महत्वपूर्ण विश्रामदिन है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 23:34

בַּחֲמִשָּׁה עָשָׂר יוֹם לַחֹדֶשׁ הַשְּׁבִיעִי הַזֶּה

“उसी सातवें महीने के पन्द्रहवें दिन”

यदि आपकी भाषा किसी संख्या को **पन्द्रहवें दिन** जैसे रूप में प्रस्तुत नहीं करती है, तो आप इस संख्या को अपनी भाषा में उपयोग किए जाने वाले रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [सातवें महीने के पंद्रहवें दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 23:35 (#1)

देखें कि आपने 23:7 का अनुवाद कैसे किया है।

लैव्यव्यवस्था 23:36 (#1)

שִׁבְעַת יָמִים

“सातों दिन”

इस वाक्यांश का अर्थ है एक सप्ताह के लिए हर दिन कुछ करना। देखें कि आपने इसे 23:8 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [प्रत्येक दिन सात दिनों के लिए] या [एक सप्ताह तक हर दिन]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 23:36 (#2)

“पवित्र सभा”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 23:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 23:36 (#3)

“परिश्रम का कोई काम”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 23:7 में किस प्रकार किया है।

देखें: हेन्डियडिस

लैव्यव्यवस्था 23:37 (#1)

דְּבַר־יוֹם בְּיוֹמוֹ

“प्रत्येक अपने-अपने नियत समय”

यह एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है प्रत्येक दिन जो आवश्यक होता है उसे करना। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसा कि प्रत्येक दिन की आवश्यकता होती है] या [प्रत्येक विशेष दिन पर जो करने की आवश्यकता होती है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 23:38 (#1)

מִלְּבַד שַׁבְּתוֹת יְהוָה וּמִלְּבַד מַתְּנֹתֵיכֶם וּמִלְּבַד כָּל־נִדְרֵיכֶם וּמִלְּבַד כָּל־נִדְבֹתֵיכֶם

“इन सभी से अधिक यहोवा के विश्रामदिनों को मानना, और अपनी भेंटों, और सब मन्नतों, और स्वेच्छाबलियों को जो यहोवा को अर्पण करोगे चढ़ाया करना”

यह पद उन विभिन्न भेंटों को सूचीबद्ध करता है जो नियमित पर्व भेंटों के अतिरिक्त हैं। यदि आपकी भाषा में उन वस्तुओं को व्यक्त करने का कोई तरीका है जो किसी और चीज़ के अतिरिक्त हैं, तो आप इसे यहाँ उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हारे नियमित विश्रामदिन भेंटों के अतिरिक्त, तुम्हारे अन्य उपहार, तुम्हारी मन्नतें, और तुम्हारी स्वेच्छाबलियाँ]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 23:39 (#1)

בַּחֲמִשָּׁה עָשָׂר יוֹם לַחֹדֶשׁ הַשְּׁבִיעִי

“सातवें महीने के पन्द्रहवें दिन”

यदि आपकी भाषा में संख्या को **पन्द्रहवें दिन** के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो आप इस संख्या को अपनी भाषा में उपयोग किए जाने वाले रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [सातवें महीने का पंद्रहवां दिन]

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

लैव्यव्यवस्था 23:40(#1)

“अपने परमेश्वर यहोवा के सामने”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:5 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 23:40 (#2)

שִׁבְעַת יָמִים

“सात दिन तक”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 23:8 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [सात दिनों तक प्रत्येक दिन] या [एक सप्ताह तक हर दिन]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 23:41 (#1)

“यह तुम्हारी पीढ़ी-पीढ़ी में सदा की विधि ठहरे”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 23:14 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 23:43 (#1)

אֶת־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל

“इस्राएलियों”

यहाँ, **इस्राएलियों** उन इस्राएली लोगों को संदर्भित करता है जो मिस्र से बाहर आए थे। यह उन्हें पुत्रों के रूप में संदर्भित करके सभी इस्राएली लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएली लोग] या [इस्राएल के लोग]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 23:43 (#2)

לְמַעַן֙ יֵדְע֣וּ דֹרֹתֵיכֶ֔ם

“कि तुम्हारी पीढ़ी-पीढ़ी के लोग जान रखें”

यह पद बताता है कि परमेश्वर ने पर्व के दौरान लोगों को तम्बुओं में रहने का आदेश क्यों दिया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस सम्बन्ध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मैंने यह आदेश दिया ताकि तुम्हारे सभी वंशज यह याद रखें]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 24:2 (#1)

אֶת־בְּנֵ֣י יִשְׂרָאֵ֗ל וְיִקְח֤וּ אֵלֶ֙יךָ֙

“इस्राएलियों... मेरे पास ले आना”

यह पाठ अप्रत्यक्ष रूप से बताता है कि इस्राएलियों को क्या करना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इसे प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएलियों... ‘मेरे पास ले आओ’]

देखें: प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 24:2 (#2)

לְהַעֲלֹ֥ת נֵֽר

“दीपक नित्य जलता रहे”

यहाँ, **दीपक नित्य जलता रहे** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है इसे जलाए रखना। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका यही अर्थ हो या अर्थ को स्पष्ट तौर पर स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [दीपक को जलाए रखना]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 24:2–3 (#1)

यदि आपने निर्गमन का अनुवाद किया है, तो देखें कि आपने इन समान निर्देशों का अनुवाद निर्गमन 27:20–21 में कैसे किया है।

लैव्यव्यवस्था 24:3

מִחוּץ֙

“से बाहर”

कुछ भाषाओं में, यहाँ **से** शब्द अनावश्यक है। इसे अपनी भाषा में इस तरह से व्यक्त करें जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [बाहर]

देखें: विशिष्ट सूचना को अंतर्निहित कब बनाएँ

लैव्यव्यवस्था 24:3 (#2)

לִפְנֵ֣י

“के सामने”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 23:40 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [की उपस्थिति में]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 24:3 (#3)

חֻקַּ֥ת עוֹלָ֖ם

“यह... पीढ़ी-पीढ़ी के लिये सदा की विधि ठहरे”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का 23:41 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [यह एक स्थायी नियम है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 24:4 (#1)

לִפְנֵ֣י

“के सामने”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का 24:3 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [उपस्थिति में]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 24:4 (#2)

יַעֲרֹ֥ךְ

“वह... सजाया करे”

शब्द **वह** हारून को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [हारून... सजाया करेगा]

देखें: सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 24:5 (#1)

“एपा का दो दसवाँ अंश”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 23:13 में कैसे किया है।

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 24:5

וְלָקַחְתָּ֣ & וְשַׂמְתָּ֣ & וְנָתַתָּ֣

“तू... लेकर...रखना....रखना”

शब्द **तू** मूसा को संदर्भित कर सकता है (क्योंकि यहोवा सीधे उससे बात कर रहे हैं) या हारून को (क्योंकि पद 8 से निर्देश हारून के लिए हैं और पद 5–7 पद 8–9 के साथ जाते हैं)। कुछ लोग सोचते हैं कि यह शुरू में मूसा को संदर्भित करता है और बाद में हारून और उसके पुत्रों को संदर्भित करता है। यह आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है, इसलिए आपको यह तय करना पड़ सकता है कि **तू** किसे संदर्भित करता है।

देखें: सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 24:6 (#1)

לִפְנֵי

“के सामने”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 24:3 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [उपस्थिति में]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 24:7 (#1)

עַל־הַמַּעֲרֶכֶת

“पंक्ति पर”

यहाँ, **पंक्ति पर** का अर्थ है “प्रत्येक पंक्ति पर।” यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे अपने पाठकों के लिए स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [प्रत्येक पंक्ति पर]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 24:8 (#1)

בְּיוֹם הַשַּׁבָּת בְּיוֹם הַשַּׁבָּת

“प्रति विश्रामदिन”

इसका अर्थ है “प्रत्येक विश्रामदिन।” यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक लगे, तो आप इसे अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [प्रत्येक विश्रामदिन]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 24:8 (#2)

לִפְנֵי

“के सम्मुख”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का 24:3 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [उपस्थिति में]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 24:8 (#3)

מֵאֵת בְּנֵי־יִשְׂרָאֵל

“इस्राएलियों की ओर से”

पाठ यह स्पष्ट नहीं करता कि **इस्राएलियों की ओर से** क्या आता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे अधिक स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [, यह रोटी जो इस्राएलियों की ओर से है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 24:8 (#4)

בְּרִית עוֹלָם

“सदा की वाचा”

यदि संभव हो, तो इसे उसी तरह अनुवाद करें जैसे आपने 24:3 में “सदा की विधि” का अनुवाद किया था। वैकल्पिक अनुवाद: [एक सदा की वाचा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 24:9 (#1)

וְהָיְתָה לְאַהֲרֹן וּלְבָנָיו

“और वह हारून और उसके पुत्रों की होंगी”

पाठ यह स्पष्ट नहीं करता कि **हारून और उसके पुत्रों के लिए** क्या है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यह रोटी हारून और उसके पुत्रों के लिए होंगी]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 24:9 (#2)

קֹדֶשׁ קָדָשִׁים

“परमपवित्र”

यहाँ, **परमपवित्र** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कुछ जो अत्यंत पवित्र है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें यह अर्थ हो, या आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [सबसे पवित्र] या [अत्यंत पवित्र]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 24:9 (#3)

חֻק־עוֹלָם

“सदा की विधि”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 24:3 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [एक सदा की विधि]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 24:10 (#1)

וַיֵּצֵא

“और... बीच चला गया”

यहाँ एक विशेष घटना घटित होती है जो यहोवा द्वारा मूसा को विशेष पर्व और विश्रामदिनों के बारे में निर्देश देने में बाधा डालती है। हालांकि, यह इस्राएल के कुछ महत्वपूर्ण विधिक मामलों को भी प्रस्तुत करती है। अपनी भाषा में एक शब्द, वाक्यांश, या अन्य विधि का उपयोग करें जो एक नई घटना को प्रस्तुत करने के लिए स्वाभाविक हो।

देखें: नई घटनाओं का परिचय

लैव्यव्यवस्था 24:11 (#1)

אֶת־הַשֵּׁם

“नाम”

यहाँ, **नाम** यहोवा को आदरपूर्वक और सम्मानजनक रूप से संदर्भित करने का एक तरीका है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप यहोवा को संदर्भित करने का एक सम्मानजनक तरीका उपयोग कर सकते हैं, या आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 24:11

וַיָּבִיאוּ

“लोग... ले गए”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में “वे” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में “लोग” शब्द का इस्तेमाल हुआ है।शब्द **वे** इस्राएल के पुत्रों को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और इस्राएली... ले आए]

देखें: सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 24:11 (#3)

דִּבְרִי

“दिब्री”

यह एक व्यक्ति का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

लैव्यव्यवस्था 24:12 (#1)

לִפְרֹשׁ לָהֶם עַל־פִּי יְהוָה

“जिससे यहोवा की आज्ञा से इस बात पर विचार किया जाए”

वैकल्पिक अनुवाद: [जब तक यहोवा उन्हें यह न बताए कि वह उस पुरुष के साथ क्या करना चाहते हैं जिसने यहोवा के नाम की निन्दा की है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 24:12 (#2)

עַל־פִּי יְהוָה

“यहोवा की आज्ञा से”

यहाँ, **यहोवा की आज्ञा से** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है “यहोवा के निर्देशों के अनुसार।” यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं होता, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो, या आप अर्थ को स्पष्ट तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसा यहोवा आज्ञा देंगे उसके अनुसार]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 24:14 (#1)

אֶת־הַמְקַלֵּל

“श्राप देनेवाले”

यहाँ, **श्राप देनेवाला** उस पुरुष को संदर्भित करता है जिसने यहोवा को श्राप दिया। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जिसने श्राप दिया]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 24:14 (#2)

הַשֹּׁמְעִים

“जितनों ने वह... सुनी हो”

यहाँ, **जितनों ने वह... सुनी हो** उन लोगों को संदर्भित करता है जिन्होंने पुरुष का श्राप सुना। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जिन्होंने उसे श्राप देते सुना]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 24:14 (#3)

וְסָמְכוּ & אֶת־יְדֵיהֶם עַל־רֹאשׁוֹ

“और... वे सब अपने-अपने हाथ उसके सिर पर रखें”

यहाँ, **वे सब अपने-अपने हाथ उसके सिर पर रखें** एक प्रतीकात्मक क्रिया थी, जो यह दर्शाने के लिए थी कि वे इस तथ्य के गवाह थे कि वह व्यक्ति दोषी था। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो आप इस क्रिया के महत्व को पाठ में या एक पाद टिप्पणी में समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और ... उसके सिर पर हाथ रखकर दिखाएँगे कि उन्होंने उसके अपराध को देखा है]

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

लैव्यव्यवस्था 24:15 (#1)

תְּדַבֵּר לֵאמֹר אִישׁ אִישׁ כִּי־יְקַלֵּל

“और तू... कह कि कोई क्यों न हो, जो अपने परमेश्वर को श्राप दे”

शब्द **कह** एक उद्धरण के भीतर उद्धरण की शुरुआत को चिह्नित करता है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे इस तरह अनुवाद कर सकते हैं कि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: [कहें कि यदि कोई पुरुष, किसी पुरुष को श्राप देता है]

देखें: उद्धरणों में उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 24:15 (#2)

אִישׁ אִישׁ

“कोई”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में जहाँ “पुरुष” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में “कोई” शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यहाँ, **एक पुरुष** का उपयोग किसी भी व्यक्ति के लिए किया जाता है और यह किसी विशेष व्यक्ति के लिए नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी व्यक्ति] या [कोई भी]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 24:15 (#3)

אִישׁ אִישׁ

“कोई”

यहाँ पर **कोई** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करती है। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी व्यक्ति] या [कोई भी]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 24:15 (#4)

אִאִ֣ישׁ אִאִ֗ישׁ כִּֽי־יְקַלֵּ֤ל אֱלֹהָיו֙

“कोई क्यों न हो, जो अपने परमेश्वर को श्राप दे”

यह एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करता है। ऐसी स्थिति का परिचय देने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जो हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जो कोई अपने परमेश्वर को श्राप देता है]

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 24:16 (#1)

מָ֣וֹת יוּמָ֔ת

“मार डाला जाए... वह मार डाला जाए”

यह पुनरावृत्ति इस बात पर जोर देती है कि यह निश्चित रूप से होना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और इस जोर को अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उसे अवश्य ही मृत्यु दण्ड दिया जाना चाहिए]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 24:16 (#2)

יוּמָ֔ת & יוּמָ֣ת

“मार डाला जाए... वह मार डाला जाए”

यदि आपकी भाषा में **वह मार डाला जाए** जैसी निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हें उसे मार डालना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 24:16 (#3)

רָגְמ֥וּ בוֹ֖ כָּל־הָעֵדָ֑ה

“सारी मण्डली के लोग निश्चय उस पर पथराव करें”

यह पुनरावृत्ति इस बात पर जोर देती है कि यह निश्चित रूप से होना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और इस जोर को अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मण्डली को निश्चित रूप से उसे मृत्यु तक पथराव करना चाहिए]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 24:16 (#4)

כַּגֵּ֥ר כָּאֶזְרָ֖ח

“चाहे देशी हो चाहे परदेशी”

यहाँ, **चाहे देशी हो चाहे परदेशी** का अर्थ है कि उनकी स्थिति की परवाह किए बिना सभी पर समान दण्ड लागू होता है। यदि यह आपके लिए भाषा में सहायक हो, तो आप इस अर्थ को स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [चाहे व्यक्ति विदेशी हो या देशी]

देखें: विभज्योतक

लैव्यव्यवस्था 24:16 (#5)

שֵׁ֥ם

“नाम”

यहाँ, **नाम** यहोवा को संदर्भित करने का एक विनम्र तरीका है। देखें कि आपने इसे 24:11 में कैसे अनुवादित किया। वैकल्पिक अनुवाद: [यहोवा]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 24:16 (#6)

וְנֹקֵ֖ב

“यहोवा के नाम की निन्दा करनेवाला”

यहाँ, **यहोवा के नाम की निन्दा करनेवाले** का उपयोग सामान्य अर्थ में किया गया है, जिसका मतलब है कोई भी व्यक्ति जो यहोवा के नाम की निन्दा करता है। अपनी भाषा में यह बताने का एक स्वाभाविक तरीका इस्तेमाल करें कि यह काम करने वाले हर व्यक्ति पर लागू होता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जो कोई भी यहोवा के नाम की निन्दा करता है]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्मितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 24:17 (#1)

וְאִ֣ישׁ & אָדָ֗ם

“फिर जो कोई किसी मनुष्य”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में जहाँ “पुरुष” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में “मनुष्य” या “कोई” शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यहाँ, **एक पुरुष** का उपयोग किसी भी व्यक्ति के लिए सामान्य अर्थ में किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और कोई भी ... कोई अन्य]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्मितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 24:17

וְאִ֣ישׁ & אָדָ֗ם

“किसी मनुष्य”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में जहाँ “पुरुष” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में “मनुष्य” शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यहाँ **पुरुष** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो

आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी व्यक्ति] या [कोई भी]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 24:17 (#3)

כִּֽי־יַכֶּה כָּל־נֶ֫נֶפֶשׁ אָדָ֥ם

“फिर जो कोई किसी मनुष्य को जान से मारे”

यह एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करता है। ऐसी स्थिति का परिचय देने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जो हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जो कोई भी किसी की हत्या करता है]

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 24:17

כִּֽי־יַכֶּה כָּל־נֶ֫נֶפֶשׁ אָדָ֥ם

“फिर जो कोई किसी मनुष्य को जान से मारे”

यहाँ, **फिर जो कोई किसी मनुष्य को जान से मारे** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है किसी को मार डालना। यदि आपकी भाषा में इस वाक्यांश का यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो, या आप स्पष्ट रूप से अर्थ को स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब वह किसी को मार डालता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 24:17 (#5)

מָמֹ֥ת יוּמָֽת

“जान से मारे वह निश्चय मार डाला जाए”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 24:16 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [उन्हें निश्चित रूप से मार डाला जाना चाहिए]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 24:17 (#6)

יוּמָֽת

“वह निश्चय मार डाला जाए”

यदि आपकी भाषा में **मार डाला जाए** जैसी निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [तुझे उसे मार डालना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 24:18 (#1)

וּמַכֵּ֥ה נֶ֫פֶשׁ־בְּהֵמָ֥ה

“और जो कोई किसी घरेलू पशु को जान से मारे वह उसका बदला दे”

यह एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करता है। ऐसी स्थिति का परिचय देने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जो हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि कोई पशु को मारता है]

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 24:18 (#2)

וּמַכֵּ֥ה

“जो कोई... जान से मारे”

यहाँ **जो कोई... जान से मारे** का उपयोग सामान्य अर्थ में किसी भी व्यक्ति के लिए किया जाता है जो प्रहार करता है। यदि यह सहायक होगा, तो आप इसे व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी जो हत्या करता है]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 24:18 (#3)

וּמַכֵּ֥ה נֶ֫פֶשׁ־בְּהֵמָ֥ה

“कोई किसी घरेलू पशु को जान से मारे”

यहाँ, **कोई किसी घरेलू पशु को जान से मारे** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है एक पशु को मारना। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें यह अर्थ हो या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी जो एक पशु को जान से मार डाले]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 24:18 (#4)

נֶ֫נֶפֶשׁ תַּ֥תַּ֖חַת נָֽפֶשׁ

“प्राणी के बदले प्राणी”

यहाँ, **प्राणी के बदले प्राणी** कुछ शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होंगे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को वाक्य के पहले से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और मारे गए प्राणी के बदले में एक जीवित प्राणी देना होगा]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 24:19 (#1)

וְאִ֣ישׁ

“फिर यदि कोई”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में जहाँ “पुरुष” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में “कोई” शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यहाँ **पुरुष** का उपयोग सामान्य अर्थ में किसी भी व्यक्ति को दर्शाने के लिए किया गया है। अपनी भाषा में यह बताने का एक स्वाभाविक तरीका इस्तेमाल करें कि यह व्यवस्था सभी पर लागू होती है। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी व्यक्ति] या [कोई भी]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 24:19 (#2)

וְאִ֣ישׁ

“और यदि कोई”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में जहाँ “पुरुष” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में “कोई” शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यहाँ पर **पुरुष** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी व्यक्ति] या [कोई भी]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 24:19 (#3)

כִּי־יִתֵּן מוּם בַּעֲמִיתוֹ

“फिर यदि कोई किसी दूसरे को चोट पहुँचाए”

यह एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करता है। ऐसी स्थिति का परिचय देने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जो हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जो कोई भी किसी अन्य व्यक्ति को चोट पहुँचाता है]

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 24:19 (#4)

בַּעֲמִיתוֹ

“किसी दूसरे”

यहाँ **किसी दूसरे** से सामान्य रूप से इस्राएलियों का अर्थ है, न कि किसी एक विशेष व्यक्ति का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [किसी सह-इस्राएली को] या [इस्राएल के किसी अन्य सदस्य को]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 24:20

שֶׁשֶׁבֶר תַּתַּחַת שֶׁשֶׁבֶר עַיִן תַּתַּחַת עַיִן שֵׁן תַּתַּחַת שֵׁן

“अंग-भंग करने के बदले अंग-भंग किया जाए, आँख के बदले आँख, दाँत के बदले दाँत”

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा। वैकल्पिक अनुवाद: [अगर वह किसी की हड्डियाँ तोड़ता है, तो उसकी हड्डियाँ तोड़ दी जाएँगी। अगर वह किसी की आँख फोड़ता है, तो उसकी आँख फोड़ दी जाएगी। अगर वह किसी का दाँत तोड़ता है, तो उसका दाँत तोड़ दिया जाएगा]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 24:21 (#1)

וּמַכֵּה & וּמַכֵּה

“मार डालनेवाला... परन्तु... मार डालनेवाला”

यहाँ, **मार डालनेवाला** का उपयोग एक सामान्य अर्थ में किया गया है, जिसका मतलब है कोई भी जो हत्या करता है। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह किसी भी व्यक्ति पर लागू होता है जो इस कार्य को करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी जो मार डालता है... लेकिन कोई भी जो मार डालता है]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 24:21 (#2)

יוּמָת

“मार डाला जाए”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इसे सक्रिय रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हें उसे मार डाले जाने के लिए सौंप देना चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 24:22 (#1)

כַּגֵּר כָּאֶזְרָח

“जैसा देशी के लिये वैसा ही परदेशी के लिये भी हो”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 24:16 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी व्यक्ति हो]

देखें: विभज्योतक

लैव्यव्यवस्था 24:23 (#1)

אֶת־הַמְקַלֵּל

“श्राप देनेवाले”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 24:14 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [वह पुरुष जिन्होंने श्राप दिया था]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 25:2 (#1)

דַּבֵּר אֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְאָמַרְתָּ אֲלֵהֶם

“इस्राएलियों से कह”

यहाँ से शुरू होने वाला और 26:35 पर समाप्त होने वाला अंश वह उद्धरण है जो मूसा से इस्राएलियों को कहने के लिए कहा गया है, जिससे एक उद्धरण के भीतर एक उद्धरण बनता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे उद्धरण चिह्नों या अपनी भाषा में अंतर्निहित उद्धरण को दर्शाने के लिए प्रयुक्त किसी अन्य विराम-चिह्न या किसी रीति के माध्यम से प्रकट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएलियों को यह संदेश बता]

देखें: प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 25:2 (#2)

לָכֶם

“तुम”

यहाँ, **तुम** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अनुवाद में “तुम” का बहुवचन रूप प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम सभी इस्राएलियों के लिए]

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:2 (#3)

וְשָׁבְתָה הָאָרֶץ

“तब भूमि को... विश्राम मिला करे”

यहाँ, **भूमि** के बारे में ऐसे बात की जाती है जैसे वह एक व्यक्ति हो जो आराम कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग कर सकते हैं यह व्यक्त करने के लिए कि भूमि पर खेती नहीं की जानी चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हें ज़मीन पर खेती नहीं करनी चाहिए] या [भूमि को ठीक होने देना चाहिए]

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 25:4 (#1)

“परमविश्रामकाल”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 23:3 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [पूर्ण विश्राम]

लैव्यव्यवस्था 25:5 (#1)

אֵת סְפִיחַ קְצִירְךָ

“अपने आप से उगें”

अपने आप से उगें फसल से अभिप्राय उस फसल से है जो पहले काटी गई फसल की जड़ों से या पिछली कटनी के समय गिरे हुए बीजों से अपने आप फिर से उग आती है। यदि आपके पाठक इस अवधारणा से परिचित न हों, तो आप अधिक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह अन्न जो अपने आप उग आता है] या [वह फसल जो बिना बोए ही अंकुरित हो जाती है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 25:5 (#2)

נְזִירֶךָ

“अपनी बिन छाँटी हुई दाखलता की दाखों”

वाक्यांश **अपनी बिन छाँटी हुई दाखलता की दाखों** उन अंगूर की बेलों को संदर्भित करता है जिन्हें सामान्यतः उनकी उपज बढ़ाने के लिए छाँटा जाता है, लेकिन वे बिना छँटे भी कुछ अंगूर पैदा करेंगी। यदि आपके पाठक इस अवधारणा से परिचित नहीं हैं, तो आप एक अधिक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तेरी बिना छँटी हुई अंगूर की बेलें] या [तेरे प्राकृतिक रूप से उगने वाले अंगूर के पौधे]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 25:6

לָכֶם

“तुम को”

यहाँ, **तुम** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो “तुम” का बहुवचन रूप प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम सभी के लिए]

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:6 (#2)

לָכֶם & לְךָ וּלְעַבְדְּךָ וְלַאֲמָתֶךָ וְלִשְׂכִירְךָ וּלְתוֹשָׁבְךָ הַגָּרִים עִמָּךְ

“तुम को: और तुम्हारे दास-दासी को, और तुम्हारे साथ रहनेवाले मजदूरों और परदेशियों को भी भोजन मिलेगा”

ये शब्द लोगों की विभिन्न श्रेणियों को दर्शाते हैं। इन विभिन्न प्रकार के श्रमिकों और निवासियों के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक शब्दों का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [सभी के लिए - तुम, तुम्हारे श्रमिकों, स्थायी और अस्थायी दोनों, और तुम्हारे बीच निवास करने वाले विदेशी]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 25:7 (#1)

וְלִבְהֶמְתְּךָ וְלַחַיָּה

“और तुम्हारे पशुओं का और देश में जितने जीवजन्तु”

ये शब्द विभिन्न श्रेणियों के पशुओं को संदर्भित करते हैं। अपनी भाषा में पालतू और जंगली पशुओं के लिए स्वाभाविक शब्दों का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हारे खेत के पशुओं और जंगली पशुओं दोनों के लिए]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 25:9 (#1)

“महाशब्द का नरसिंगा”

महाशब्द का नरसिंगा एक तुरही या सींग को संदर्भित करता है जिसे बहुत जोर से बजाया जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: [एक जोर से बजने वाला सींग] या [एक तुरही जो तेज आवाज करती है]

लैव्यव्यवस्था 25:10 (#1)

וְקִדַּשְׁתֶּם

“और... पवित्र करके”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में “तुम” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, पर हिंदी आई.आर.वी. में इसका इस्तेमाल नहीं हुआ है। यहाँ और इस पूरे पद में, **तुम** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो “तुम” का बहुवचन रूप प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम सभी को पवित्र करके]

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:10 (#2)

וְשַׁבְתֶּם אִישׁ אֶל־אֲחֻזָּתוֹ

“उसमें तुम अपनी-अपनी निज भूमि और अपने-अपने घराने में लौटने पाओगे”

जब इस्राएल ने प्रतिज्ञात देश में प्रवेश करके उसे जीत लिया, तब यहोवा ने उसकी कुछ-कुछ भूमि प्रत्येक गोत्र और परिवार को दे दी। वे भाग सदा उसी परिवार के पास बने रहने थे। कभी-कभी ऋण या अन्य गरीबी के कारण परिवारों को अपनी भूमि का कुछ हिस्सा बेचना पड़ता था।

परन्तु, कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़कर, पचासवें वर्ष में वह भूमि मूल परिवार को वापस लौटा दी जानी थी। क्योंकि यह सब बात अध्याय में आगे विस्तार से बताई गई है, इसलिए यहाँ इस अतिरिक्त जानकारी को शामिल करने की आवश्यकता नहीं है।

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 25:11 (#1)

"जो अपने आप उगें उसे भी न काटना, और न बिन छाँटी हुई दाखलता की दाखों"

देखें कि आपने इन शब्दों का 25:5 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [वह अनाज जो स्वयं उगता है ... बिना छाँटी गई दाखलता की दाखों से]

लैव्यव्यवस्था 25:11 (#2)

לָכֶם

"तुम्हारे"

यहाँ और इस पद में, **तुम्हारे** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा इस भेद को चिह्नित करती है, तो अपने अनुवाद में "तुम्हारे" का बहुवचन रूप उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम सभी के लिए]

देखें: 'तुम' के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:12 (#1)

לָכֶם

"तुम्हारे लिये"

यहाँ और इस पद के पूरे भाग में, **तुम्हारे** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अनुवाद में "तुम्हारे" का बहुवचन रूप उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम सभी के लिए]

देखें: 'तुम' के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:13 (#1)

תָּשֻׁבוּ

"तुम... लौटने पाओगे"

यहाँ और इस पद के पूरे भाग में, **तुम** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अपने अनुवाद में "तुम" का बहुवचन रूप प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम सभी... लौटने पाओगे]

देखें: 'तुम' के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:14 (#1)

תִּמְכְּרוּ

"तुम... बेचो"

यहाँ और इस पूरे पद में, **तुम** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अपने अनुवाद में "तुम" का बहुवचन रूप उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम सभी बेचो]

देखें: 'तुम' के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:16 (#1)

לְפִי

"जितनी हो उतनी ही"

इस सामान्य अभिव्यक्ति की व्याख्या के लिए लैव्यव्यवस्था अध्याय 25 का परिचय देखें। वैकल्पिक अनुवाद: [के अनुसार] या [आधार पर]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 25:17 (#1)

וְלֹא תוֹנוּ

"तुम... उपद्रव न करना"

यहाँ, **तुम** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अनुवाद में "तुम" का बहुवचन रूप का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम में से किसी को... उपद्रव नहीं करना चाहिए]

देखें: 'तुम' के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:18 (#1)

וַעֲשִׂיתֶם

"इसलिए तुम... मानना"

यहाँ और इस पूरे पद में, **तुम** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अनुवाद में "तुम" का बहुवचन रूप प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम सब करोगे]

देखें: 'तुम' के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:19 (#1)

וְנָתְנָה הָאָרֶץ

"भूमि अपनी उपज उपजाया करेगी"

यहाँ, **भूमि** के बारे में ऐसे बात की जाती है जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो कुछ दे सकता है। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग यह व्यक्त करने के लिए करें कि फसलें भूमि में उगेंगी। वैकल्पिक अनुवाद: [भूमि में फ़सलें उगेंगी और उपज देंगी] या [मिट्टी उपज देगी]

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 25:19 (#2)

וַאֲכַלְתֶּם

"और तुम... खाया करोगे"

यहाँ और इस पूरे पद में, **तुम** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अनुवाद में "तुम" का बहुवचन रूप प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम सभी खाओगे]

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:20

וְכִֽי תֹאמְרוּ֙

“और यदि तुम कहो”

यह एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करता है। ऐसी स्थिति प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जो हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [मान लो तुम कहते हो] या [तुम पूछ सकते हो]

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 25:20 (#2)

וְכִֽי תֹאמְרוּ֙

“और यदि तुम कहो”

यह बड़े अंश के भीतर एक उद्धरण प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार के अंतर्निहित उद्धरण को व्यक्त करने का एक स्वाभाविक तरीका है, तो उसका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि तुम यह प्रश्न पूछते हो]

देखें: प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष उद्धरण

लैव्यव्यवस्था 25:20

תֹאמְרוּ֙

“तुम कहो”

यहाँ, **तुम** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो “तुम” का बहुवचन रूप प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम सभी कहो]

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:21 (#1)

וְצִוִּיתִי֙

“मैं... आशीष दूँगा”

यह सम्बन्ध पिछले पद में प्रश्न का परमेश्वर का उत्तर दर्शाता है। अपनी भाषा में ऐसा जोड़ने वाला शब्द उपयोग करें जो प्रतिक्रिया या वादा को दर्शाता हो। वैकल्पिक अनुवाद: [यह मेरा उत्तर है: मैं आदेश दूँगा] या [यह है जो मैं वादा करता हूँ: मैं आदेश दूँगा]

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

लैव्यव्यवस्था 25:21 (#2)

לָכֶ֔ם

“तुम को”

यहाँ, **तुम** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अपने अनुवाद में “तुम” का बहुवचन रूप प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम सब को]

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:21 (#3)

וְעָשָׂתָה֙

“भूमि की उपज”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में जहाँ “यह” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में “भूमि” शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यहाँ, **यह** भूमि का संदर्भ देता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और भूमि उत्पन्न करेगी]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 25:22 (#1)

וּזְרַעְתֶּ֣ם

“तुम... बोओगे”

यहाँ और इस पूरे पद में हर जगह, **तुम** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अनुवाद में “तुम” का बहुवचन रूप प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम सब बोओगे]

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:22 (#2)

בוֹאֹ֑ו

“जब तक न मिले”

यहाँ, **जब तक न मिले** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जो फसलों के बढ़ने और भोजन उत्पन्न करने का संदर्भ देती है। अपनी भाषा में फसलों की कटाई के लिए तैयार होने के लिए एक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कटाई के लिए तैयार है] या [बढ़ चुका है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 25:22 (#3)

תֹּאכְלוּ֙ יָשָׁ֔ן

“तुम... पुरानी उपज में से खाते रहोगे”

इस वाक्यांश में **उपज** या “फसल” शब्द को छोड़ दिया गया है परन्तु इसे समझा जाता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हें पुरानी उपज खानी चाहिए] या [तुम्हें पुरानी फसल खानी चाहिए]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 25:23 (#1)

וְהָאָ֖רֶץ לֹ֣א תִמָּכֵ֑ר

“भूमि सदा के लिये बेची न जाए”

यदि आपकी भाषा में **भूमि सदा के लिये बेची न जाए** जैसी निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुमको भूमि नहीं बेचनी चाहिए] या [कोई भी भूमि नहीं बेच सकता है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 25:23 (#2)

אַתֶּם

"तुम"

यहाँ, **तुम** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अपने अनुवाद में "तुम" का बहुवचन रूप उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम सभी]

देखें: 'तुम' के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:24 (#1)

אֲחֻזַּתְכֶם & תִּתְּנוּ

"तुम अपने भाग के सारे देश में भूमि को छुड़ाने देना"

यहाँ और इस पूरे पद में, **तुम** बहुवचन है और सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हारे अपने भाग, तुम सब देना] और [जो तुम सबका है, उसमें से तुम देना]

देखें: 'तुम' के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:24 (#2)

"तुम... भूमि को छुड़ाने देना"

इसका अर्थ है कि मूल स्वामी को अपनी भूमि वापस खरीदने की अनुमति दी जाए। अपनी भाषा में किसी को संपत्ति पुनः खरीदने की अनुमति देने के लिए स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम लोगों को अपनी भूमि वापस खरीदने देना] या [तुम्हें भूमि के पुनर्खरीद की अनुमति देनी चाहिए]

लैव्यव्यवस्था 25:25 (#1)

כִּי־יָמוּךְ אָחִיךָ וּמָכַר מֵאֲחֻזָּתוֹ

"यदि तेरा कोई भाई-बन्धु कंगाल होकर अपनी निज भूमि में से कुछ बेच डाले"

यह एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करता है। आपकी भाषा में ऐसी स्थिति को प्रस्तुत करने के लिए स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जो हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: [मान लो कि तुम्हारा कोई भाई-बन्धु कंगाल हो जाता है और उसे अपनी कुछ संपत्ति बेचनी पड़ती है]

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 25:26 (#1)

यह पद एक और काल्पनिक स्थिति के साथ आगे बढ़ता है। अपनी भाषा में किसी संभावित घटना को प्रस्तुत करने के लिए स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें।

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 25:26 (#2)

וְאִישׁ

"यदि किसी मनुष्य"

यह इस स्थिति में किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करता है, किसी विशेष पुरुष को नहीं। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि कोई] या [जब कोई]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 25:26 (#3)

וְהִשִּׂיגָה יָדוֹ

"और उसके पास इतना धन हो"

यहाँ, **उसके पास इतना धन हो** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति समृद्ध होता है या आर्थिक रूप से सक्षम हो जाता है। इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन वह समृद्ध हो जाता है] या [लेकिन वह पर्याप्त रुपये-पैसे कमा लेता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 25:26 (#4)

וּמָצְאָה כְּדֵי גְאֻלָּתוֹ

"यदि किसी मनुष्य के लिये कोई छुड़ानेवाला न हो"

धन' शब्द यहाँ लिखा नहीं गया है, लेकिन उसका अर्थ समझा जाता है। यदि आपकी भाषा में स्पष्टता के लिए आवश्यक हो, तो आप इस शब्द को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह अपनी सम्पत्ति वापस खरीदने के लिए पर्याप्त रुपये-पैसे पाता है]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 25:27 (#1)

"तो वह उसके बिकने के समय से वर्षों"

यह अगले जुबली वर्ष तक शेष बचे वर्षों की संख्या को दर्शाता है, जिसके आधार पर अनुमानित फसलों के अनुसार भूमि का मूल्य तय किया जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जुबली वर्ष तक बचे हुए वर्षों की संख्या] या [कितने खेती के मौसम शेष हैं]

लैव्यव्यवस्था 25:27 (#2)

"तब वह अपनी निज भूमि का अधिकारी हो जाए"

इसका मतलब है कि वह अपने परिवार की भूमि पर लौट जाएगा। वैकल्पिक अनुवाद: [और उसे अपनी पारिवारिक संपत्ति वापस मिल जाएगी] या [और उसकी भूमि उसे वापस कर दी जाएगी]

लैव्यव्यवस्था 25:28 (#1)

וְאִם לֹא־מָצְאָה יָדוֹ דֵּי

"परन्तु यदि उसके पास इतनी पूँजी न हो"

देखें कि आपने इसे 25:26 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [लेकिन यदि वह पर्याप्त धन नहीं कमा सका]

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 25:28 (#2)

וְאִם לֹא־מָצְאָה יָדוֹ דֵּי הָשִׁיב לוֹ

“परन्तु यदि उसके पास इतनी पूँजी न हो”

“धन” और “भूमि” शब्द यहाँ लिखे नहीं गए हैं, पर उनका अर्थ समझा जाता है। यदि आपकी भाषा में स्पष्टता के लिए आवश्यक हो, तो आप इन शब्दों को अपने अनुवाद में जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [पर यदि वह अपनी भूमि वापस खरीदने के लिए पर्याप्त धन न जुटा सके]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 25:28 (#3)

וְיָצָא

“छूट जाए”

यहाँ, भूमि के बारे में ऐसे बात की गई है जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो **छूट जाती** है। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें यह व्यक्त करने के लिए कि भूमि अपने मूल मालिक के पास लौट आएगी। वैकल्पिक अनुवाद: [भूमि वापस कर दी जाएगी] या [भूमि का स्वामित्व वापस आ जाएगा]

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 25:28 (#4)

אֹתוֹ

(यह)

मूल भाषा में यहाँ ‘यह’ का प्रयोग किया गया है पर हिन्दी आई.आर.वि. में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। यहाँ, **यह** भूमि को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [भूमि]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 25:29 (#1)

וְאִישׁ

“फिर यदि कोई मनुष्य”

यह इस स्थिति में किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करता है, किसी विशेष पुरुष को नहीं। अपनी भाषा में इसे व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई और] या [कोई भी]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 25:29 (#2)

בֵּית־מוֹשַׁב

“बसने का घर”

कुछ भाषाओं में, **घर** और **बसने** शब्द अनावश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार के वाक्यांश का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सरल बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [एक घर] या [एक निवास]

देखें: विशिष्ट सूचना को अंतर्निहित कब बनाएँ

लैव्यव्यवस्था 25:29 (#3)

יָמִים תִּהְיֶה גְּאֻלָּתוֹ

“तो वह बेचने के बाद वर्ष भर के अन्दर उसे छुड़ा सकेगा”

यहाँ, **वर्ष भर के अन्दर उसे छुड़ा सकेगा** का मतलब है कि संपत्ति को छुड़ाने के लिए एक विशेष समय अवधि है। इस समय सीमा को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: [मालिक के पास इसे वापस खरीदने के लिए सिर्फ़ एक साल है] या [इसे बेचने के बाद पहले साल के दौरान ही छुड़ाया जा सकता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 25:30 (#1)

וְאִם לֹא־יִגָּאֵל

“परन्तु यदि वह... न छुड़ाए”

यदि आपकी भाषा में **यदि वह... न छुड़ाए** जैसी निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि मालिक इसे वापस नहीं खरीदता है] या [यदि कोई इसे नहीं छुड़ाता है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 25:30 (#2)

יִגָּאֵל

“वह... छूटे”

यहाँ, **वह** घर को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [घर ... छूट जाए]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 25:30 (#3)

“और पीढ़ी-पीढ़ी में उसी में वंश का बना रहे”

देखें कि आपने 25:23 में समान वाक्यांशों का अनुवाद किस प्रकार किया।

लैव्यव्यवस्था 25:30 (#4)

לֹא יֵצֵא

“और... न छूटे”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 25:28 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [यह वापस नहीं लिया जाएगा]

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 25:31 (#1)

וּבָתֵּי

“परन्तु... घर”

यह उन **घरों** के बारे में सामान्य रूप से बताता है जो शहरपनाह वाले नगरों में नहीं हैं, न कि किसी एक विशेष घर के बारे में। अपनी भाषा में इस सामान्य श्रेणी को व्यक्त करने का स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: [पर किसी भी घर का] या [उन सभी घरों का जो]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 25:31 (#2)

“बिना शहरपनाह के गाँवों के घर”

यह उन गाँवों का वर्णन करता है जिनके चारों ओर सुरक्षा दीवारें नहीं होती हैं। यदि आपकी भाषा में इसे अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप इसे सरलता से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [बिना दीवारों वाले गाँव] या [दीवारों के बिना गाँव]

लैव्यव्यवस्था 25:31 (#3)

“तो... खेतों के”

इसका मतलब है कि इन घरों को खेती की ज़मीन का हिस्सा माना जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: [खेतों के हिस्से के रूप में]

लैव्यव्यवस्था 25:31 (#4)

“उनका छुड़ाना भी हो सकेगा”

इसका अर्थ है कि इन संपत्तियों को पुनः खरीदा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [इन घरों को पुनः प्राप्त किया जा सकता है] या [लोग इन घरों को पुनः खरीद सकते हैं]

लैव्यव्यवस्था 25:31 (#5)

יֵצֵא

“और वे... छूट जाएँ”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 25:28 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [इसे वापस किया जाना चाहिए]

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 25:31

יֵצֵא & הֵמָּה

“और वे... छूट जाएँ”

यहाँ ये शब्द एकवचन रूप में हैं, लेकिन उनका संदर्भ कई घरों से है। यदि आपकी भाषा में इन सर्वनामों का एकवचन रूप स्वाभाविक न लगे, तो आप अपने अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके पास] और [वे बाहर निकल जाएँगे]

देखें: समूह को दिखाने वाले एकवचन सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 25:32 (#1)

וְעָרֵי

“नगरों के”

यह शब्द लेवियों के विशेष अधिकारों के बारे में एक नए विषय का परिचय देता है। अपनी भाषा में एक नया लेकिन संबंधित विषय प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: [नगरों के लिए] या [नगरों के संबंध में]

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

लैव्यव्यवस्था 25:32 (#2)

“फिर भी लेवियों के निज भाग के नगरों के जो घर हों... छुड़ाएँ”

इसका अर्थ है कि लेवियों के पास हमेशा अपने घरों को वापस खरीदने का अधिकार होता है। वैकल्पिक अनुवाद: [लेवी हमेशा छुड़ा सकते हैं] या [लेवियों के पास वापस खरीदने का स्थायी अधिकार है]

लैव्यव्यवस्था 25:33 (#1)

וַאֲשֶׁר יִגְאַל מִן־הַלְוִיִּם

“और यदि कोई लेवीय अपना भाग न छुड़ाए”

यह उस संपत्ति को संदर्भित करता है जिसे लेवी वापस खरीद सकता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी संपत्ति जिसे लेवी वापस खरीद सकता है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 25:33 (#2)

וַאֲשֶׁר יִגְאַל מִן־הַלְוִיִּם וְיָצָא

“और यदि कोई लेवीय अपना भाग न छुड़ाए, तो वह... छूट जाए”

मूल भाषा में दो बार। **और** शब्द आया है जो हिंदी अनुवाद में नहीं पाया जाता है। कई भाषाओं में यह अधिक स्वाभाविक हो सकता है कि दूसरे **और** को हटा दिया जाए। इन दोनों कथनों को जोड़ने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी भाग जो लेवीय खरीद सकते थे, वह अपने असली मालिकों के पास लौट आएगी]

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

लैव्यव्यवस्था 25:33 (#3)

וְיָצָא

“वह... छूट जाए”

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 25:28 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [इसे इसके असली स्वामी को लौटाया जाना चाहिए]

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 25:33 (#4)

“तो वह बेचा हुआ घर जो उसके भाग के नगर”

इसका अर्थ हो सकता है: 1) “एक नगर में घर की बिक्री” या 2) “एक घर और एक नगर की बिक्री।” आपको देखना चाहिए कि आपकी स्थानीय प्रमुख भाषा के अनुवाद इस वाक्यांश को कैसे समझते हैं, और उसी के अनुसार अनुवाद करना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: [एक नगर में घर का बेचा जाना]

लैव्यव्यवस्था 25:33 (#5)

כִּֽי בָתֵּֽי עָרֵי הַלְוִיִּם הֵ֖מָּה אֲחֻזָּתָ֑ם

“क्योंकि... लेवियों का भाग उनके नगरों में वे घर ही हैं”

यहाँ **वे** एकवचन है, लेकिन यह कई घरों को संदर्भित करता है। देखें कि आपने इसे 25:31 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [लेवियों के नगरों के घरों के लिए, वे उनकी संपत्ति हैं]

देखें: समूह को दिखाने वाले एकवचन सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 25:34 (#1)

“वह उनका सदा का भाग होगा”

देखें कि आपने 25:30 या 25:32 में समान वाक्यांशों का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [एक स्थायी संपत्ति है]

लैव्यव्यवस्था 25:35 (#1)

וְכִי

“फिर यदि”

यह एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करता है। अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके से ऐसी स्थिति का परिचय दें जो हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: [मान लो] या [जब]

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 25:35 (#2)

אָחִיךָ

“तेरा कोई भाई-बन्धु”

यहाँ, **तेरा कोई भाई-बन्धु** का अर्थ किसी भी साथी इस्राएली से है, न कि केवल सगे भाइयों से। इस सम्बन्ध को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: [तेरे साथी इस्राएली] या [तेरे देशवासी]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 25:35 (#3)

אָחִיךָ

“तेरा भाई-बन्धु”

यहाँ, **भाई** किसी भी इस्राएली को संदर्भित करता है, चाहे वह पुरुष हो या महिला। अपनी भाषा में ऐसा शब्द प्रयोग करें जो इसे स्पष्ट करे। वैकल्पिक अनुवाद: [तेरे साथी इस्राएली] या [कोई भी देशवासी या देशवासिनी]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 25:35 (#4)

וּמָטָה יָדוֹ

“फिर यदि कोई भाई-बन्धु कंगाल हो जाए”

यहाँ, **कोई भाई-बन्धु कंगाल हो जाए** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि वह दरिद्र हो जाते हैं या आर्थिक रूप से संघर्ष करते हैं। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ हो जाता है] या [और वह आर्थिक कठिनाई में पड़ जाता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 25:35 (#5)

וְהֶחֱזַקְתָּ בּוֹ

“तो तू उसको सम्भालना”

यहाँ, **तो तू उसको सम्भालना** विशेष रूप से आर्थिक या भौतिक सहायता प्रदान करने का उल्लेख करता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उसकी जरूरतों को पूरा करके सहायता करना] या [उसे आर्थिक सहायता प्रदान करना]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 25:36 (#1)

אַל־תִּקַּח מֵאִתּוֹ נֶשֶׁךְ וְתַרְבִּית וְיָרֵאתָ מֵאֱלֹהֶיךָ וְחֵי אָחִיךָ עִמָּךְ

“उससे ब्याज या बढ़ती न लेना; अपने परमेश्वर का भय मानना; जिससे तेरा भाई-बन्धु तेरे संग जीवन निर्वाह कर सके”

यहाँ, परमेश्वर का भय मानने का कारण ब्याज न लेना और अपने भाई को अपने साथ रहने देना बताया गया है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश पहले वाक्यांश में बताए गए परिणाम का कारण देता है। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि तुम्हें अपने परमेश्वर का भय मानना चाहिए, इसलिए तुम उससे ब्याज या लाभ न लेना, और तुम्हारा भाई तुम्हारे साथ रहे] या [चूँकि तुम्हें अपने परमेश्वर का आदर करना है, इसलिए उससे ब्याज या लाभ न लो, और अपने भाई को अपने साथ रहने दो]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 25:37 (#1)

אֶת־כַּסְפְּךָ לֹא־תִתֵּן לוֹ בְּנֶשֶׁךְ וּבְמַרְבִּית לֹא־תִתֵּן אָכְלֶךָ

“उसको ब्याज पर रुपया न देना, और न उसको भोजनवस्तु लाभ के लालच से देना”

यहाँ पद एक ही विचार को दोहराव के माध्यम से व्यक्त करता है, जिसमें मध्य के भाग (**ब्याज** और **लाभ**) एक-दूसरे से मेल खाते हैं और बाहरी भाग (**चाँदी** और **भोजन**) भी एक-दूसरे से मेल खाते हैं। ये दोनों भाग इस बात पर बल देते हैं कि तुम किसी दरिद्र व्यक्ति को कुछ भी उधार देकर उससे लाभ न उठाओ। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार के दोहराव द्वारा महत्व देने का स्वाभाविक तरीका हो, तो आप उसका उपयोग कर सकते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप विचारों को मिलाकर किसी अन्य तरीके से भी इस महत्व को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब तुम उसे धन या भोजन उधार दो, तो उससे ब्याज न लो] या [जब तुम उसे चाँदी या भोजन उधार दो, तो किसी प्रकार का लाभ न कमाओ]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 25:38 (#1)

אֶתְכֶם & לָכֶם & לָכֶם

“तुम्हें... तुम्हारा... तुम को”

इस पूरे पद में, **तुम** बहुवचन है और यह सभी इस्राएलियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अपने अनुवाद में “तुम” का बहुवचन रूप प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम सब ... तुम सभी को ... तुम सब को]

देखें: ‘तुम’ के रूप - एकवचन

लैव्यव्यवस्था 25:39 (#1)

“फिर यदि”

देखें कि आपने इस शर्तसूचक वाक्यांश का 25:35 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [मान लो]

लैव्यव्यवस्था 25:39 (#2)

אָחִיךָ

“तेरा कोई भाई”

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 25:35 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [तेरा साथी इस्राएली]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 25:39 (#3)

וְנִמְכַּר־לָךְ

“अपने आपको तेरे हाथ बेच डाले”

अपने आपको बेच डाले शब्द यह दर्शाते हैं कि व्यक्ति स्वयं पर ही क्रिया कर रहा है। अपनी भाषा में ऐसा स्वाभाविक तरीका प्रयोग करें जिससे स्पष्ट हो कि वही व्यक्ति क्रिया का कर्ता भी है और कर्म भी। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम्हारा दास बन जाता है] या [और अपने आप को तुम्हारी सेवा में बेच देता है]

देखें: कर्मकर्त्ता सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 25:42 (#1)

क्योंकि के रूप में अनुवादित शब्द यह संकेत करता है कि जो आगे आता है, वह पद 39–43 में दिए गए निर्देशों का कारण है। इसे स्पष्ट करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं।

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 25:43 (#1)

בְּפָרֶךְ

“कठोरता से”

यहाँ, **कठोरता** एक भाववाचक संज्ञा है जो क्रूर या कठोर व्यवहार को संदर्भित करती है। यदि आपकी भाषा में **कठोरता** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [या अपने साथ कठोरता से पेश आए] या [या अपने प्रति क्रूरता से व्यवहार करे]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 25:43 (#2)

“अपने परमेश्वर का भय मानते रहना”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 25:36 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [परंतु तुम्हें अपने परमेश्वर का आदर करना चाहिए]

लैव्यव्यवस्था 25:44 (#1)

וְעַבְדְּךָ

“तेरे जो दास”

यह एक नया, परन्तु संबंधित विषय प्रस्तुत करता है। यदि यह कथन और पिछले कथन के बीच का संबंध स्पष्ट न हो, तो आप यह दिखाने के लिए कोई अन्य संयोजक शब्द उपयोग कर सकते हैं कि यह कथन पहले कही गई बात से कैसे जुड़ा है। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हारे सेवक के लिए]

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

लैव्यव्यवस्था 25:44 (#2)

וְעַבְדְּךָ וַאֲמָתְךָ & עֶבֶד וְאָמָה

“तेरे जो दास-दासियाँ हों... और दास और दासियाँ”

ये सामान्य संज्ञाएँ हैं जो इन श्रेणियों में किसी भी दास का उल्लेख करती हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा में एक ऐसा अभिव्यक्ति उपयोग कर सकते हैं जो अधिक स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम्हारे कोई भी पुरुष दास या तुम्हारी महिला दास ... पुरुष दास या महिला दास]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 25:46 (#1)

“कठोरता से”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 25:43 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [कठोरता से]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 25:47 (#1)

जैसा कि आप पद 47–55 का अनुवाद कर रहे हैं, ध्यान में रखें कि वर्णित स्थिति एक इस्राएली की है जो किसी विदेशी का दास बन गया है।

लैव्यव्यवस्था 25:47 (#2)

यह पूरा पद एक काल्पनिक स्थिति का वर्णन करता है। इस संभावित स्थिति को इस तरह से व्यक्त करें जो आपकी भाषा में स्वाभाविक और स्पष्ट हो।

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 25:47 (#3)

תַּשִּׂיג יַד גֵּר וְתוֹשָׁב עִמָּךְ

“तेरे सामने कोई परदेशी या यात्री धनी हो जाए”

देखें कि आपने इस सामान्य अभिव्यक्ति का अनुवाद 25:26 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [तेरे बीच निवास करने वाला एक विदेशी धनी हो जाता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 25:47 (#4)

וְנִמְכַּר

“और तेरा भाई अपने आपको... बेच डाले”

अपने आपको... बेच डाले शब्द यह दर्शाते हैं कि व्यक्ति स्वयं पर ही क्रिया कर रहा है। अपनी भाषा में ऐसा स्वाभाविक तरीका प्रयोग करें जिससे स्पष्ट हो कि वही व्यक्ति क्रिया का कर्ता भी है और वही कर्म भी है। वैकल्पिक अनुवाद: [और दास बन जाता है] या [और अपने आप को दासत्व में बेच देता है]

देखें: कर्मकर्त्ता सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 25:48 (#1)

“कोई उसको छुड़ा सकता है”

इसका अर्थ है कि उन्हें किसी के द्वारा कीमत चुकाकर मुक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [उन्हें छुड़ाया जा सकता है] या [कोई उनकी स्वतंत्रता वापस खरीद सकता है]

लैव्यव्यवस्था 25:49 (#1)

יָדוֹ

“वह धनी हो जाए”

देखें कि आपने इस मुहावरे का अनुवाद 25:26 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [वह समृद्ध हो जाए]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 25:49 (#2)

וְנִגְאָל

“तो वह आप ही अपने को छुड़ा सकता है”

यह वाक्य किसी व्यक्ति द्वारा स्वयं पर की गई क्रिया का वर्णन करता है। अपनी भाषा में ऐसा स्वाभाविक तरीका प्रयोग करें जिससे स्पष्ट हो कि वही व्यक्ति क्रिया का कर्ता भी है और वही कर्म भी है। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर वह अपनी स्वतंत्रता स्वयं खरीद सकता है]

देखें: कर्मकर्त्ता सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 25:50 (#1)

הִמָּמְכָרוֹ

“अपने बिकने”

यह वाक्यांश दर्शाता है कि व्यक्ति स्वयं पर ही क्रिया कर रहा है। अपनी भाषा में ऐसा स्वाभाविक तरीका प्रयोग करें जिससे स्पष्ट हो कि वही व्यक्ति क्रिया का कर्ता भी है और वही उसका कर्म भी है। वैकल्पिक अनुवाद: [उसका दास बन जाना]

देखें: कर्मकर्त्ता सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 25:50 (#2)

לֹלֹו

(उसे) “वह अपने मोल लेनेवाले”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में जहाँ “उसे” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में “मोल लेनेवाले” शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यहाँ, **उसे** का अर्थ मोल लेनेवाले से है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [मोल लेनेवाले के लिए]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 25:50 (#3)

וְהָיָה כֶסֶף מִמְכָּרוֹ בְּמִסְפַּר שָׁנִים

“और उसके बिकने का दाम वर्षों की गिनती के अनुसार हो”

यहाँ, **उसके बिकने का दाम** उस मूल्य को संदर्भित करता है जो उसे अपनी स्वतंत्रता वापस खरीदने के लिए चुकाना होगा। यह मूल्य जुबली वर्ष तक शेष वर्षों की संख्या के आधार पर गणना किया जाना चाहिए। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकती है, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और अपनी स्वतंत्रता वापस खरीदने के लिए जो मूल्य चुकाना होगा, उसे जुबली वर्ष तक के वर्षों की संख्या के आधार पर गणना किया जाना चाहिए]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 25:50 (#4)

כִּימֵי שָׂכִיר יִהְיֶה עִמּוֹ

“अर्थात् वह दाम मजदूर के दिवसों के समान उसके साथ होगा”

यह छुटकारे की कीमत की गणना करने के तरीके की तुलना एक मजदूर की मजदूरी से करता है। जैसे एक मजदूर को उसके काम किए गए दिनों के अनुसार मजदूरी दी जाती है, वैसे ही छुटकारे की कीमत शेष बचे सेवा वर्षों के आधार पर निर्धारित की जानी चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: [दाम इस प्रकार गणना किया जाना चाहिए मानो वह उन वर्षों के लिए मजदूरी पाने वाला एक मजदूर हो]

देखें: उपमा

लैव्यव्यवस्था 25:51 (#1)

יָשִׁיב גְּאֻלָּתוֹ מִכֶּסֶף מִקְנָתוֹ

“तो जितने रुपयों से वह मोल लिया गया हो उनमें से वह अपने छुड़ाने का दाम उतने वर्षों के अनुसार फेर दे”

यहाँ यह बताया गया है कि स्वतंत्रता की कीमत कैसे गणना की जाए। व्यक्ति को मूल खरीद मूल्य का एक भाग वापस चुकाना होगा, जो जुबली वर्ष तक शेष बचे वर्षों की संख्या के आधार पर निर्धारित किया जाएगा। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उसे मूल खरीद मूल्य का वह भाग वापस चुकाना होगा जो शेष सेवा वर्षों के अनुरूप हो] या [उसे खरीदार द्वारा उसके लिए चुकाई गई राशि का एक हिस्सा लौटाना होगा, जिसकी गणना बचे हुए वर्षों के अनुसार की जाएगी]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 25:51 (#2)

“वर्ष के बहुत वर्ष रह जाएँ”

यह अगले जुबली वर्ष तक बहुत से वर्ष शेष रहने को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [बहुत से वर्ष शेष हैं] या [अभी कई वर्ष बाकी हैं]

लैव्यव्यवस्था 25:51 (#3)

לְפִיהֶן׃

“के अनुसार”

देखें कि आपने इस सामान्य अभिव्यक्ति का 25:16 में अनुवाद कैसे किया। इस अभिव्यक्ति का अर्थ है “के अनुसार” या “अनुपात में।” अपनी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने वाली एक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वर्षों की संख्या के अनुसार] या [शेष वर्षों के आधार पर]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 25:51 (#4)

יָשִׁיב גְּאֻלָּתוֹ מִכֶּסֶף מִקְנָתוֹ

“तो जितने रुपयों से वह मोल लिया गया हो उनमें से वह अपने छुड़ाने का दाम... फेर दे”

यहाँ यह बताया गया है कि स्वतंत्रता की कीमत कैसे गणना की जाए। व्यक्ति को मूल खरीद मूल्य का एक भाग वापस चुकाना होगा, जो जुबली वर्ष तक शेष बचे वर्षों की संख्या के आधार पर निर्धारित किया जाएगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप यह जानकारी शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उसे मूल खरीद मूल्य का वह भाग वापस चुकाना होगा जो शेष सेवा वर्षों के अनुरूप हो] या [उसे खरीदार द्वारा उसके लिए चुकाई गई राशि का एक हिस्सा लौटाना होगा, जिसकी गणना बचे हुए वर्षों के अनुसार की जाएगी]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 25:52 (#1)

כְּפִפְי שָׁנָיו

“उतने ही वर्षों के अनुसार”

देखें कि आपने इस सामान्य अभिव्यक्ति का 25:51 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [शेष वर्षों की संख्या के अनुसार]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 25:53 (#1)

יִהְיֶה עִמּוֹ לֹא־יִרְדֶּנּוּ

“वह अपने स्वामी के... समान रहे... और उसका स्वामी उस पर कठोरता से अधिकार न जताने पाए”

मूल भाषा में “स्वामी” के लिए किसी सर्वनाम का उपयोग नहीं हुआ है। पहले वाक्य में, **वह** मजदूर को संदर्भित करता है। दूसरे वाक्य में, **उस** मजदूर को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [मजदूर स्वामी के समान रहेगा। स्वामी मजदूर पर अधिकार नहीं करेगा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 25:53 (#2)

לְעֵינֶיךָ

“तेरे सामने”

यहाँ, **तेरे सामने** का मतलब है कि अन्य इस्राएली यह देखेंगे कि इस्राएली दासों के साथ उनके स्वामी कैसे व्यवहार करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप एक समान अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तेरी देखरेख में] या [जब तू देख रहा हो]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 25:54 (#1)

וּבָנָיו

“अपने बाल-बच्चों”

यहाँ, **बाल-बच्चों** दोनों लिंगों के बच्चों को संदर्भित करता है। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से लड़कों और लड़कियों दोनों को सम्मिलित करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: [और अपने बच्चे]

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

लैव्यव्यवस्था 25:55 (#1)

אוֹתָם

(उन्हें) “इस्राएली”

मूल भाषा में इस वाक्यांश में “उन्हें” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उसके जगह पर हिंदी आई.आर.वी. में “इस्राएली” शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यहाँ, **उन्हें** इस्राएल के पुत्रों को संदर्भित करता है। कुछ भाषाओं में, यह सर्वनाम अनावश्यक हो सकता है और इसे छोड़ा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएली]

देखें: विशिष्ट सूचना को अंतर्निहित कब बनाएँ

लैव्यव्यवस्था 26:1 (#1)

כִּי אֲנִי יְהוָה אֱלֹהֵיכֶם

“क्योंकि मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ”

यहाँ, **क्योंकि मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ**, उन आज्ञाओं का कारण प्रस्तुत करता है जो इससे पहले आते हैं। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो कुछ भी आगे आता है वह पहले आए हुए का कारण है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के निर्देश को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि मैं यहोवा तुम्हारा परमेश्वर हूँ] या [इन आज्ञाओं का पालन करो क्योंकि मैं यहोवा तुम्हारा परमेश्वर हूँ]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 26:2 (#1)

אֲנִי יְהוָה

“मैं यहोवा हूँ”

देखें कि आपने इसे 26:1 में कैसे अनुवाद किया। यहाँ, **मैं यहोवा हूँ** आज्ञा के लिए कारण बताते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो इस सम्बन्ध को स्पष्ट करने के लिए एक जोड़ने वाला शब्द उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि मैं यहोवा हूँ]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 26:2 (#2)

यह पद 19:30 के समान है। देखें कि आपने वहाँ इसका अनुवाद कैसे किया था।

लैव्यव्यवस्था 26:3 (#1)

בְּחֻקֹּתַי תֵּלֵכוּ

“तुम मेरी विधियों पर चलो”

यहाँ, **मेरे विधियों पर चलो** का अर्थ परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार जीवन जीना है। अपनी भाषा में व्यवस्था का पालन करने या आज्ञा मानने को व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम मेरी व्यवस्था के अनुसार जीवन बिताओ।]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 26:3 (#2)

בְּחֻקֹּתַי תֵּלֵכוּ וְאֶת־מִצְוֹתַי תִּשְׁמְרוּ וַעֲשִׂיתֶם אֹתָם

“तुम मेरी विधियों पर चलो और मेरी आज्ञाओं को मानकर उनका पालन करो”

ये तीन वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा और तीसरा वाक्यांश पहले के अर्थ पर जोर देते हैं, उसी विचार को अलग-अलग शब्दों में दोहराकर। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इन वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम मेरी विधियों का पूरी रीति और विश्वासयोग्यता से पालन करो]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 26:4 (#1)

וְנָתַתִּי גִשְׁמֵיכֶם בְּעִתָּם וְנָתְנָה הָאָרֶץ יְבוּלָהּ וְעֵץ הַשָּׂדֶה יִתֵּן פִּרְיוֹ

“तो मैं तुम्हारे लिये समय-समय पर मेंह बरसाऊँगा, तथा भूमि अपनी उपज उपजाएगी, और मैदान के वृक्ष अपने-अपने फल दिया करेंगे”

यहाँ, “मैं दूँगा” में “तुम्हें” शब्द समझा हुआ है और अलग से नहीं कहा गया है। यदि आपकी भाषा में इस जानकारी को स्पष्ट रूप से बताने की आवश्यकता है, तो इसे शामिल करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तब मैं तुमको तुम्हारी वर्षा उसके समय पर दूँगा, और भूमि तुमको अपनी उपज देगी, और मैदान के वृक्ष तुमको अपना फल देंगे]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 26:4 (#2)

וְנָתְנָה הָאָרֶץ יְבוּלָהּ וְעֵץ הַשָּׂדֶה יִתֵּן פִּרְיוֹ

“तथा भूमि अपनी उपज उपजाएगी, और मैदान के वृक्ष अपने-अपने फल दिया करेंगे”

यहाँ भूमि और वृक्षों के विषय में ऐसे कहा गया है मानो वे लोग हों जो उपहार दे सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और भूमि में फसलें उगेंगी, और मैदान के वृक्षों में फल लगेंगे।]

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 26:4 (#3)

וְעֵץ הַשָּׂדֶה יִתֵּן פִּרְיוֹ

“और मैदान के वृक्ष अपने-अपने फल दिया करेंगे”

यहाँ, **मैदान के वृक्ष** का अर्थ किसी भी फल देने वाले पेड़ से है और किसी विशेष पेड़ से नहीं है। अपनी भाषा में ऐसी स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग करें जो सभी ऐसे पेड़ों को शामिल करे। वैकल्पिक अनुवाद: [और फल वाले पेड़ अपना फल देंगे] या [और जो वृक्ष तुम्हारे खेतों में उगते हैं वे अपना फल देंगे।]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 26:5 (#1)

וְהִשִּׂיג לָכֶם דַּיִשׁ אֶת־בָּצִיר וּבָצִיר יַשִּׂיג אֶת־זָרַע

“यहाँ तक कि तुम दाख तोड़ने के समय भी दाँवनी करते रहोगे, और बोने के समय भी भर पेट दाख तोड़ते रहोगे”

यहाँ **दाख तोड़ने के समय भी दाँवनी करते रहोगे** का अर्थ है कि फसल इतनी अधिक होगी कि एक फसल को तैयार करते समय अगली फसल का समय आ जाएगा। इस प्रचुरता को अपनी भाषा में स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम्हारी फसल इतनी अधिक होगी कि जब अंगूर की कटनी का समय आएगा तब भी तुम अन्न की दावनी कर रहे होंगे, और जब बीज बोने का समय आएगा तब भी तुम अंगूर की कटनी कर रहे होंगे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 26:5 (#2)

אֶת־זָרַע

“बोने”

यहाँ, **बोने** पौधारोपण की गतिविधि को दर्शाता है। एक ऐसा वाक्यांश उपयोग करें जो स्पष्ट रूप से पौधारोपण के मौसम को सन्दर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: [पौधारोपण का समय] या [बीज बोने का समय]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:5 (#3)

לָשֹׂבַע וִישַׁבְתֶּם לָבֶטַח

“और तुम मनमानी रोटी खाया करोगे, और अपने देश में निश्चिन्त बसे रहोगे”

यदि आपकी भाषा में **मनमानी** और **निश्चिन्त** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप अपनी भाषा में इन विचारों को एक स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब तक तुम तृप्त न हो जाओगे, और तुम सुरक्षित रहोगे]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:6 (#1)

וְנָתַתִּי שָׁלוֹם

“और मैं तुम्हारे देश में सुख चैन दूँगा”

यदि आपकी भाषा में **चैन** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं है, तो आप इसे अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं चीजों को शांतिपूर्ण बनाऊंगा] या [मैं तुमको शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित करूंगा]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:6 (#2)

וְחֶרֶב לֹא־תַעֲבֹר בְּאַרְצְכֶם

“और तलवार तुम्हारे देश में न चलेगी”

यहाँ, **तलवार** युद्ध या सशस्त्र संघर्ष का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम्हारी भूमि में कोई युद्ध नहीं होगा] या [और कोई सेना तुम्हारी भूमि पर आक्रमण नहीं करेगी]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:7 (#1)

לִפְנֵיכֶם לֶחָרֶב

“और वे तुम्हारी तलवार से मारे जाएँगे”

यहाँ, **तुम्हारी तलवार से** का अर्थ युद्ध में “तुम्हारे सामने” या “तुम्हारे समक्ष” होता है। अपनी भाषा में एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग करें या अर्थ को स्पष्ट रूप से बताएं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब तुम उन पर आक्रमण करो] या [तुम्हारे आक्रमण से पहले]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:7 (#2)

וְנָפְלוּ לִפְנֵיכֶם לֶחָרֶב

“और वे तुम्हारी तलवार से मारे जाएँगे”

यहाँ, **तलवार से मारे जाएँगे** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ युद्ध में मरना है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो अपने अनुवाद में एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग करें जिसका यह अर्थ हो, या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे तुम्हारे सामने युद्ध में मारे जाएंगे] या [और वे तुम्हारे सामने मारे जाएंगे]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 26:8 (#1)

וְרָדְפוּ מִכֶּם חֲמִשָּׁה מֵאָה וּמֵאָה מִכֶּם רְבָבָה יִרְדֹּפוּ

“तुम में से पाँच मनुष्य सौ को और सौ मनुष्य दस हजार को खदेड़ेंगे”

ये समानांतर कथन एक काव्यात्मक कहावत के रूप में व्यक्त किए गए हैं ताकि यह जोर दिया जा सके कि परमेश्वर कुछ लोगों को कई दुश्मनों को हराने की शक्ति देंगे। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार के नाटकीय विरोधाभास को व्यक्त करने के लिए काव्यात्मक या कहावत के तरीके हैं, तो उनका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [पाँच, सौ को खदेड़ेंगे, और सौ, दस हज़ार को खदेड़ेंगे] या इसे एक कहावत के रूप में व्यक्त करें जैसे [तुम्हारे पाँच सैकड़ों को तितर-बितर कर देंगे, और तुम्हारे सैकड़ों हज़ारों को तितर-बितर कर देंगे]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 26:8 (#2)

וְנָפְלוּ אֹיְבֵיכֶם לִפְנֵיכֶם לֶחָרֶב

“और तुम्हारे शत्रु तलवार से तुम्हारे आगे-आगे मारे जाएँगे”

देखें कि आपने इसे 26:7 में कैसे अनुवाद किया। यहाँ, **तलवार से ... मारे जाएँगे** का अर्थ युद्ध में मारे जाना है।

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:9 (#1)

וּפָנִיתִי אֲלֵיכֶם

“और मैं तुम्हारी ओर कृपादृष्टि रखूँगा”

यहां, **मैं तुम्हारी ओर कृपादृष्टि रखूँगा** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कृपा दिखाना। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो, या आप सीधे अर्थ को स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं तुम पर कृपा करूँगा] या [मैं तुम्हें आशीष दूँगा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 26:9 (#2)

וְהִפְרֵיתִי אֶתְכֶם וְהִרְבֵּיתִי אֶתְכֶם

“और तुम को फलवन्त करूँगा और बढ़ाऊँगा”

देखें कि आपने इसे उत्पत्ति 1:28 में कैसे अनुवाद किया। यहाँ, **तुम को फलवन्त करूँगा और बढ़ाऊँगा** का अर्थ है लोगों को बहुत सी सन्तान और वंशज देना। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम्हें बहुत से सन्तान और वंशज दूँगा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 26:10 (#1)

וַאֲכַלְתֶּם יָשָׁן נוֹשָׁן וְיָשָׁן מִפְּנֵי חָדָשׁ תּוֹצִיאוּ

“और तुम रखे हुए पुराने अनाज को खाओगे, और नये के रहते भी पुराने को निकालोगे”

यहाँ, **पुराने** शब्द को दोहराया गया है ताकि बहुतायत पर ज़ोर दिया जाए, न कि बासीपन पर। अपनी भाषा में इस बहुतायत को स्वाभाविक ढंग से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जब नई फसल आएगी तब भी तुम्हारे पास पिछले वर्ष का बहुत सारा अन्न होगा]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 26:10 (#2)

מִפְּנֵי חָדָשׁ

“नये के रहते भी”

यहाँ, **नये के रहते भी** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है किसी चीज़ के लिए स्थान खाली करना। अपनी भाषा में स्थान उपलब्ध कराने के अर्थ को स्वाभाविक रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: अन्न

के लिए एक स्थान बनाने के लिए] या [क्योंकि नई फसल के लिए जगह चाहिए]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 26:10 (#3)

יָשָׁן & וְיָשָׁן & הָדָשׁ

“पुराने अनाज... और नये”

यहाँ, **पुराने** और **नये** शब्द “अनाज” या “फसल” को छोड़ देते हैं जो आप से आप समझ में आ जाता है और अलग से नहीं कहा गया है। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट रूप से कहने की आवश्यकता है, तो इसे शामिल करें। वैकल्पिक अनुवाद: [पुराना अनाज ... और ... नया अनाज] या [पुरानी फसल ... और ... नई फसल]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 26:11 (#1)

נַפְשִׁי

“मेरा जी”

यहाँ, **मेरा जी** शब्द सम्पूर्ण परमेश्वर को दर्शाता है। अपनी भाषा में पूरे व्यक्ति को बताने का स्वाभाविक तरीका प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं] या [मैं स्वयं]

देखें: उपलक्षण अलंकार

लैव्यव्यवस्था 26:12 (#1)

וְהָיִיתִי לָכֶם לֵאלֹהִים וְאַתֶּם תִּהְיוּ־לִי לְעָם

“और तुम्हारा परमेश्वर बना रहूँगा, और तुम मेरी प्रजा बने रहोगे”

यहाँ, इसका अर्थ है “मैं तुम्हारा परमेश्वर होऊँगा और तुम मेरी प्रजा होगे।” यदि आपकी भाषा में इस सम्बन्ध को अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त करने की आवश्यकता है, तो आप ऐसा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं तुम्हारा परमेश्वर होऊँगा और तुम मेरी प्रजा होगे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 26:12 (#2)

וְהִתְהַלַּכְתִּי בְּתוֹכְכֶם

“और मैं तुम्हारे मध्य चला फिरा करूँगा”

यहाँ परमेश्वर को अपने लोगों के बीच ऐसे चलते हुए वर्णित किया गया है जैसे कोई व्यक्ति चलता है। अपनी भाषा में परमेश्वर की उपस्थिति को व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं तुम लोगों के बीच निवास करूँगा] या [मैं तुम लोगों के साथ उपस्थित रहूँगा]

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 26:13 (#1)

וָאֶשְׁבֹּר מֹטֹת עֻלְּכֶם

“और मैंने तुम्हारे जूए को तोड़ डाला है”

यहाँ, **तुम्हारे जूए को** दासत्व का प्रतिनिधित्व करती हैं। अपनी भाषा में दासत्व से मुक्ति को व्यक्त करने का एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [मैंने तुमको दासत्व से मुक्त किया] या [मैंने तुमको दासत्व से रिहा किया]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:13 (#2)

וָאוֹלֵךְ אֶתְכֶם קוֹמְמִיּוּת

“और तुम को सीधा खड़ा करके चलाया है”

यहाँ, **सीधे चलना** स्वतंत्रता और गरिमा का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और उन्होंने तुमको स्वतंत्र किया] या [और उन्होंने तुमको गरिमा दी]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 26:14 (#1)

“यदि”

यहाँ, **यदि** पद 3 और 4 के बीच एक विरोधाभास प्रस्तुत करता है। इस विरोधाभास को दिखाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: [किन्तु यदि]

देखें: संयोजक - तुलनात्मक संबंध

लैव्यव्यवस्था 26:14 (#2)

לֹא תִשְׁמְעוּ לִי

“तुम मेरी न सुनोगे”

यहां, **सुनोगे** आज्ञाकारिता को दर्शाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम मेरी बात नहीं मानेंगे] या [तुम मेरे कहे अनुसार करने से इनकार करते हो]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:15 (#1)

תִּגְעַל נַפְשְׁכֶם

“तुम्हारी आत्मा मेरे निर्णयों से घृणा करे”

यहाँ, **तुम्हारी आत्मा** पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो अपनी भाषा में पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम घृणा करते हो] या [तुम नफरत करते हो]

देखें: उपलक्षण अलंकार

लैव्यव्यवस्था 26:15 (#2)

בְּחֻקֹּתַי & אֶת־מִשְׁפָּטַי & מִצְוֹתַי & אֶת־בְּרִיתִי

“मेरी विधियों, मेरे निर्णयों, मेरी आज्ञाओं और मेरी वाचा”

यदि आपकी भाषा इन विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:16 (#1)

אַף־אֲנִי֙ אֶֽעֱשֶׂה

“तो मैं तुम से यह,मैं ... करूँगा”

यहाँ **मैं** की पुनरावृत्ति इस बात पर जोर देती है कि परमेश्वर निश्चित रूप से कार्य करेंगे। अपनी भाषा में परमेश्वर के निश्चित कार्य पर जोर देने का तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तब मैं निश्चित रूप से करूँगा]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 26:16 (#2)

בֶּהָלָה֜

“बेचैन”

यदि आपकी भाषा में **बेचैन** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं होती है, तो आप इस विचार को एक क्रिया या विशेषण के साथ व्यक्त कर सकते हैं। अपनी भाषा में अत्यधिक भय व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: [ऐसी बातें जो तुम्हें भयभीत करें] या [डरावनी बातें]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:16 (#3)

וּזְרַעְתֶּ֣ם לָרִיק֔ זַרְעֲכֶ֖ם וַאֲכָלֻ֑הוּ אֹיְבֵיכֶֽם

“और तुम्हारा बीज बोना व्यर्थ होगा, क्योंकि तुम्हारे शत्रु उसकी उपज खा लेंगे”

यहाँ दूसरा वाक्यांश पहले वाक्य का कारण बताता है। अपनी भाषा में ऐसा जोड़ने वाला शब्द प्रयोग करें जो स्पष्ट करे कि आगे का भाग पहले के कारण को बता रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम अपना बीज व्यर्थ बोओगे, क्योंकि तुम्हारे शत्रु जो उगेगा उसे खा जाएँगे]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 26:16 (#4)

וְהִפְקַדְתִּ֥י

“तो मैं तुम से यह करूँगा”

यहाँ से अवज्ञा के परिणामों का वर्णन आरम्भ होता है। अपनी भाषा में ऐसा स्वाभाविक तरीका प्रयोग करें जिससे स्पष्ट हो कि यह उनके कामों का परिणाम है। वैकल्पिक अनुवाद: [परिणामस्वरूप, मैं भेजूँगा] या [इस कारण से, मैं लाऊंगा]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 26:17 (#1)

וְנָתַתִּ֤י פָנַי֙ בָּכֶ֔ם

“और मैं भी तुम्हारे विरुद्ध हो जाऊँगा”

यहाँ, **मैं भी तुम्हारे विरुद्ध हो जाऊँगा** क्रोध और विरोध का प्रतिनिधित्व करता है। अपनी भाषा में ईश्वरीय क्रोध व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं तुम्हारा विरोध करूँगा] या [मैं तुम्हारे खिलाफ अपना क्रोध प्रकट करूँगा]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:17 (#2)

וְנִגַּפְתֶּ֖ם

“और तुम अपने शत्रुओं से हार जाओगे”

यहाँ, **तुम अपने शत्रुओं से हार जाओगे** का अर्थ है मारा जाना। अपने अनुवाद में मृत्यु के लिए एक समकक्ष अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम मारे जाओगे] या [और तुम मर जाओगे]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:17 (#3)

לִפְנֵ֣י אֹיְבֵיכֶ֗ם

“और तुम्हारे बैरी तुम्हारे ऊपर अधिकार करेंगे”

यहाँ, **तुम्हारे ऊपर** का अर्थ युद्ध में “के द्वारा” या “के हाथों” है। अपनी भाषा में शत्रुओं द्वारा पराजित होने का अर्थ स्पष्ट करने के लिए समकक्ष या सरल अभिव्यक्ति प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हारे बैरियों द्वारा] या [जब तुम्हारे बैरी तुम पर आक्रमण करेंगे]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:17 (#4)

यह पद पद 7–8 के विपरीत स्थिति का वर्णन करता है, जहाँ परमेश्वर के लोग विजयी थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस विरोधाभास को स्पष्ट कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 26:18 (#1)

וְאִם־עַ֥ד־אֵ֖לֶּה

“और यदि तुम इन बातों के”

इसका अर्थ है, “यदि इस सब अनुशासन के बाद भी तुम आज्ञा नहीं मानोगे।” अपनी भाषा में इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि इन दण्ड के बाद भी तुम मेरी आज्ञा नहीं मानोगे और] या [यदि इस अनुशासन के बावजूद भी तुम अवज्ञा करते रहोगे और]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 26:18 (#2)

שִׁ֖בְעָ

“सातगुना”

यहाँ, **सातगुना** का अर्थ या तो पूर्ण दण्ड हो सकता है या अत्यधिक बढ़ा हुआ दण्ड। यदि आपको इस अभिव्यक्ति का अर्थ अपनी भाषा में

व्यक्त करना है, तो स्वीकृत क्षेत्रीय अनुवाद की व्याख्या का पालन करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: [पूरी तरह से] या [काफी अधिक गम्भीरता से]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 26:18 (#3)

חַטֹּאתֵיכֶם

"तुम्हारे पापों"

यदि आपकी भाषा में **पापों** की अवधारणा के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इसे एक क्रिया के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। अपनी भाषा में गलत कार्यों को व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हारा अधर्म] या [तुम्हारे बुरे काम]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:18 (#4)

לֹא תִשְׁמְעוּ לִי

"और यदि तुम इन बातों के उपरान्त भी मेरी न सुनो"

देखें कि आपने इसे 26:14 में कैसे अनुवाद किया। यहाँ, **सुनो** आज्ञाकारिता का प्रतिनिधित्व करता है। अपनी भाषा में अवज्ञा व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम मेरी बात नहीं मानोगे] या [तुम मेरे कहे अनुसार करने से इंकार करोगे]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:19 (#1)

וְשָׁבַרְתִּי אֶת־גְּאוֹן עֻזְּכֶם

"और मैं तुम्हारे बल का घमण्ड तोड़ डालूँगा"

यहाँ, **मैं तुम्हारे बल का घमण्ड तोड़ डालूँगा** परमेश्वर के उस उद्देश्य को प्रस्तुत करता है जो इस पद और अगले पद में वर्णित अनुशासन के लिए है। वह आकाश को लोहे के समान और भूमि को पीतल के समान बना देंगे ताकि लोगों को नम्र किया जा सके। इस उद्देश्य को अपनी भाषा में स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और इसलिए मैं तुम्हें नम्र कर दूँगा] या [इस कारण मैं उस बात को नष्ट कर दूँगा जिस पर तुम्हें घमण्ड है]

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 26:19 (#2)

וְשָׁבַרְתִּי אֶת־גְּאוֹן עֻזְּכֶם

"और मैं तुम्हारे बल का घमण्ड तोड़ डालूँगा"

यहाँ, **तोड़ डालूँगा** घमण्ड की तुलना किसी भौतिक चीज़ से करता है जिसे तोड़ा जा सकता है, जैसे कि एक छड़ी या डंडा। यह दर्शाता है कि परमेश्वर उनके अहंकार को नष्ट कर देंगे। अपनी भाषा में किसी को विनम्र बनाने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर मैं तुम्हारे अहंकार नष्ट कर दूँगा] या [फिर मैं वह छीन लूँगा जो तुमको गर्वित करता है]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 26:19 (#3)

אֶת־שְׁמֵיכֶם כַּבַּרְזֶל וְאֶת־אַרְצְכֶם כַּנְּחֻשָּׁה

"और तुम्हारे लिये आकाश को मानो लोहे का और भूमि को मानो पीतल की बना दूँगा"

ये वाक्यांश **मानो लोहे** और **मानो पीतल** आकाश की तुलना लोहे से और भूमि की तुलना पीतल से करते हैं, यह दिखाने के लिए कि बारिश नहीं होगी और जमीन कठोर होगी। गम्भीर सूखे को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तुलना का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [आकाश धातु की तरह चिकना और बिना बादलों के होगा, और भूमि इतनी कठोर होगी कि पौधों की जड़ें उसमें प्रवेश न कर सकें, मानो वह धातु हो]

देखें: उपमा

लैव्यव्यवस्था 26:19 (#4)

אֶת־גְּאוֹן עֻזְּכֶם

"तुम्हारे बल का घमण्ड"

यहाँ इसका अर्थ या तो यह हो सकता है कि वे बहुत घमण्डी हैं, या यह कि वे अपनी सामर्थ्य पर घमण्ड करते हैं। अपने सन्दर्भ के अनुसार जो अर्थ अधिक उचित हो, उसे चुनें। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हारा प्रबल घमण्ड] या [तुम्हारी शक्ति पर तुम्हारा घमण्ड]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 26:20 (#1)

וְתַתַּם לָרִיק כֹּחֲכֶם

"और तुम्हारा बल अकारथ गँवाया जाएगा"

यह बताता है कि यदि लोग अवज्ञा करते रहेंगे तो क्या होगा। अपनी भाषा में इस काल्पनिक परिस्थिति को स्वाभाविक ढंग से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि तुम अवज्ञा करते रहोगे, तो तुम्हारी शक्ति व्यर्थ चली जाएगी] या [तब तुम्हारी सारी मेहनत व्यर्थ हो जाएगी]

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 26:20 (#2)

לָרִיק

"अकारथ गँवाया"

अकारथ जैसा भाववाचक विचार उस काम के रूप में व्यक्त किया जा सकता है जिसका कोई परिणाम न हो। अपनी भाषा में निष्फल प्रयास को स्वाभाविक ढंग से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [बेकार में] या [बिना किसी परिणाम के]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:20 (#3)

וְלֹא־תִתֵּן אַרְצְכֶם אֶת־יְבוּלָהּ וְעֵץ הָאָרֶץ לֹא יִתֵּן פִּרְיוֹ

"क्योंकि तुम्हारी भूमि अपनी उपज न उपजाएगी, और मैदान के वृक्ष अपने फल न देंगे"

यहाँ **भूमि** और **वृक्ष** के बारे में ऐसे बात की जाती है जैसे वे लोग हों जो चीजें दे सकते हैं। अपनी भाषा में फसल के असफल होने को स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम्हारी भूमि में कुछ नहीं उगेगा, और तुम्हारे वृक्ष कोई फल नहीं देंगे] या [और तुम्हारी भूमि में और तुम्हारे वृक्षों पर कुछ नहीं उगेगा]

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 26:21 (#1)

"यदि तुम मेरे विरुद्ध चलते ही रहो, और मेरा कहना न मानो, तो मैं तुम्हारे पापों के अनुसार तुम्हारे ऊपर और सात गुणा संकट डालूँगा"

इस पद के कई हिस्से पद 18 के समान हैं। देखें कि आपने उन हिस्सों का 26:18 में कैसे अनुवाद किया है।

लैव्यव्यवस्था 26:21 (#2)

תֵּלְכוּ עִמִּי קֶרִי

"तुम मेरे विरुद्ध चलते ही रहो"

यहाँ, **मेरे विरुद्ध चलते ही रहो** यह दर्शाता है कि कोई व्यक्ति कैसे जी रहा है जैसे कि यह एक मार्ग या पथ हो जिस पर वह व्यक्ति चल रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम मेरा विरोध करते रहोगे] या [तुम मेरे प्रति शत्रुता बनाए रखोगे]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 26:21 (#3)

וְלֹא תֹאבוּ לִשְׁמֹעַ לִי

"और मेरा कहना न मानो"

देखें कि आपने इसे 26:14 में कैसे अनुवादित किया। यहाँ, **मानो** आज्ञाकारिता का प्रतिनिधित्व करता है। अपनी भाषा में अवज्ञा व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और मेरी बात मानने को तैयार नहीं हैं] या [और जो मैं कहता हूँ उसे करने से इनकार करते हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:21 (#4)

"सात गुणा"

देखें कि आपने इसे 26:18 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [और अधिक कठोर]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 26:21 (#5)

כְּחַטֹּאתֵיכֶם

"तुम्हारे पापों के अनुसार"

देखें कि आपने इसे 26:18 में कैसे अनुवाद किया। यदि आपकी भाषा में **पापों** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो इसे एक क्रिया के रूप में व्यक्त किया जा सकता है। या आप अपनी भाषा में गलत कार्यों को व्यक्त करने के लिए कोई और तरीका उपयोग कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हारे अनुचित कार्यों के कारण] या [तुम्हारे दुष्ट कार्यों के लिए]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:22 (#1)

אֶת־חַיַּת הַשָּׂדֶה

"वन पशु"

यहाँ, **वन पशु** किसी विशेष पशु का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। इसका अर्थ जंगली जानवरों से है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो जंगली जानवरों के लिए एक सामान्य शब्द का उपयोग करें या यदि आपकी भाषा में विभिन्न जंगली जानवरों के लिए अलग-अलग शब्द हैं, तो उन्हें निर्दिष्ट करें। वैकल्पिक अनुवाद: [जंगली पशु] या [मैदान के पशु]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 26:22 (#2)

וְשִׁכְּלָה אֶתְכֶם

"जो तुम को निर्वंश करेंगे"

यहाँ, **जो तुम को निर्वंश करेंगे** एक विनम्र तरीका है यह कहने का कि "वे तुम्हारे बच्चों को मार डालेंगे।" अस्पष्टता से बचने के लिए मारने के लिए एक सीधा शब्द का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और वह तुम्हारे बच्चों को मार डालेगा] या [और वह तुम्हारे बच्चों को नष्ट कर देगा]

देखें: शिष्टोक्ति

लैव्यव्यवस्था 26:23 (#1)

וְאִם־בְּאֵלֶּה

"फिर यदि ... इन {बातों"

फिर यदि तुम इन बातों पर एक ऐसी शर्त को प्रकट करता है जो पद 18 के समान हो सकती है। ऐसी जोड़ने वाली संरचना का प्रयोग करें जो इस शर्त को स्पष्ट रूप से दिखाए।। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि इन चीजों के द्वारा] या [और यदि ये बातें होती हैं और]

देखें: संयोजन - काल्पनिक स्थितियां

लैव्यव्यवस्था 26:23 (#2)

וַהֲלַכְתֶּם עִמִּי קֶרִי

"और मेरे विरुद्ध चलते ही रहो"

यहाँ, **मेरे विरुद्ध चलते ही रहो** एक रूपक है, जिसका अर्थ है यहोवा के विरोध में जीवन बिताना। निरंतर विरोध को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग करें या अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [पर मेरा विरोध करते रहो] या [पर लगातार मेरे खिलाफ चलते रहो]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 26:23 (#3)

לִי

“मेरी ताड़ना”

यदि आपकी भाषा में **ताड़ना** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो अपनी भाषा में एक उपयुक्त शब्द का उपयोग करें जो दण्ड या सुधार की अवधारणा को व्यक्त करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: [मेरा दण्ड] या [मेरी सुधार]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:23 (#4)

קֳרִי

“विरुद्ध”

यदि आपकी भाषा में **विरुद्ध** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो अपनी भाषा में एक उपयुक्त शब्द का उपयोग करें जो विरुद्ध या दुश्मनी की अवधारणा को व्यक्त करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [विरोध में] या [दुश्मनी में]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:24 (#1)

וְהָלַכְתִּי אַף־אֲנִי & וְהִכִּיתִי & גַּם־אָנִי

“तो मैं भी तुम्हारे विरुद्ध चलूँगा और ... मैं आप ही तुम को ... मारूँगा”

यहाँ **मैं आप** उस सर्वनाम **मैं** को विशेष ज़ोर देने के लिए प्रयोग किया गया है, जिसे परमेश्वर मूल में उपयोग करते हैं, भले ही अनुवादित क्रियाएं **चलूँगा** और **मारूँगा** पहले से ही इस अर्थ को शामिल करती हैं। ऐसा करने से वे जो कह रहे हैं उस पर जोर दिया जाता है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए स्पष्ट सर्वनामों का उपयोग होता है, तो आप अपने अनुवाद में उस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तब मैं भी चलूँगा ... और मैं भी दंड दूँगा] या [तब मैं स्वयं चलूँगा ... और मैं स्वयं प्रहार करूँगा]

देखें: कर्मकर्त्ता सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 26:24 (#2)

וְהָלַכְתִּי אַף־אֲנִי עִמָּכֶם בְּקֶרִי

“तो मैं भी तुम्हारे विरुद्ध चलूँगा”

यहाँ, **मैं भी तुम्हारे विरुद्ध चलूँगा** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है “विरोध में रहना।” अपनी भाषा में एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग करें ताकि चल रहे विरोध को व्यक्त किया जा सके या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सके। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं तुम्हारा विरोध करता रहूँगा] या [मैं तुम्हारे खिलाफ बना रहूँगा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 26:24 (#3)

וְהָלַכְתִּי אַף־אֲנִי עִמָּכֶם בְּקֶרִי

“तो मैं भी तुम्हारे विरुद्ध चलूँगा”

यदि आपकी भाषा में **विरुद्ध** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप विरोध या दुश्मनी की अवधारणा को व्यक्त करने के लिए उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तब मैं स्वयं तुम्हारे खिलाफ चलूँगा]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:24 (#4)

וְהִכִּיתִי אֶתְכֶם גַּם־אָנִי שֶׁשֶׁבַע עַל־חַטֹּאתֵיכֶם

“और तुम्हारे पापों के कारण मैं आप ही तुम को सात गुणा मारूँगा”

वाक्यांश **तुम को सात गुणा मारूँगा** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जो या तो अत्यधिक बढ़ी हुई दण्ड का संकेत देती है या पूर्ण दण्ड का। अपने सन्दर्भ के अनुसार व्याख्या चुनें। वैकल्पिक अनुवाद: [और मैं तुम्हारे पापों के कारण तुम्हें पूरी तरह मारूँगा] या [और मैं तुम्हारे पापों के कारण तुम्हें सात गुना दण्ड दूँगा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 26:24 (#5)

עַל־חַטֹּאתֵיכֶם

“तुम्हारे पापों के कारण”

यदि आपकी भाषा में **पापों** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो गलत कार्य को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि तुमने पाप किया है]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:25 (#1)

וְהֵבֵאתִי עֲלֵיכֶם חֶרֶב

“और मैं तुम पर एक ऐसी तलवार चलवाऊँगा”

यहां, **एक ऐसी तलवार** “युद्ध” का प्रतिनिधित्व करती है। एक समकक्ष अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग करें जो युद्ध को उपयुक्त रूप से व्यक्त करे। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं तुम पर युद्ध ले आऊँगा] या [मैं तुम्हारे विरुद्ध युद्ध करूँगा]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:25 (#10)

וְנִתַּתֶּם בְּיַד־אוֹיֵב

“और तुम अपने शत्रुओं के वश में सौंप दिए जाओगे”

यहाँ, **शत्रुओं के वश में** शत्रु द्वारा पकड़े जाने या मारे जाने का प्रतीक है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम शत्रु द्वारा पकड़े जाओगे] या [और तुम शत्रु द्वारा मारे जाओगे]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:25 (#11)

אוֹיֵב

“शत्रुओं”

यहाँ, **शत्रुओं** किसी एक विशेष शत्रु के लिए नहीं है, बल्कि सामान्य रूप से शत्रुओं के लिए है। अपनी भाषा में ऐसा सामान्य शब्द प्रयोग करें जो किसी भी प्रकार के दुश्मनों को दर्शाए।

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 26:25 (#2)

חֶרֶב נֹקֶמֶת

"एक ऐसी तलवार ... जो ... पलटा लेगी"

यहाँ, **एक ऐसी तलवार** के बारे में इस प्रकार बात की गई है जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जो प्रतिशोध का माध्यम बन सकती है। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग करें जो इस विचार को व्यक्त करे या अर्थ को सीधे तौर पर बताएं। वैकल्पिक अनुवाद: [प्रतिशोध लेने वाली तलवार] या [वह तलवार जो बदला लेती है]

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 26:25 (#3)

נֹקֶמֶת נָקָם־בְּרִית

"जो वाचा तोड़ने का पूरा-पूरा पलटा लेगी"

यहाँ, **वाचा तोड़ने का पूरा-पूरा पलटा लेगी** पर जोर देने के लिए समानांतरता का उपयोग किया गया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो इसी तरह की समानांतर संरचना का उपयोग करें, या जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वाचा के ठहराए हुए दण्ड के अनुसार सज़ा देना]

देखें: समरूपता

लैव्यव्यवस्था 26:25 (#4)

נָקָם־בְּרִית

"वाचा तोड़ने का पूरा-पूरा पलटा"

यहाँ, **वाचा तोड़ने का पूरा-पूरा पलटा** का अर्थ वाचा का उल्लंघन करने से जुड़ी शापों से है। इन परिणामों के लिए अपनी भाषा का शब्द प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [वाचा के शाप] या [वाचा के अभिशाप]

देखें: विशिष्ट सूचना को अंतर्निहित कब बनाएँ

लैव्यव्यवस्था 26:25 (#5)

נָקָם

"पलटा"

यदि आपकी भाषा में **पलटा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप अपनी भाषा में दण्ड को व्यक्त करने का वही विचार इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [दण्ड का] या [प्रतिशोध का]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:25 (#6)

וְנֶאֱסַפְתֶּם אֶל־עָרֵיכֶם

"और जब तुम अपने नगरों में जा जाकर इकट्ठे होंगे"

यदि आपकी भाषा में **और जब तुम अपने नगरों में जा जाकर इकट्ठे होंगे** जैसी निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम अपने नगरों में छिपने के लिए इकट्ठा हो जाओगे]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 26:25 (#7)

וְנֶאֱסַפְתֶּם אֶל־עָרֵיכֶם

"और तुम अपने नगरों में जा जाकर इकट्ठे होंगे"

यहाँ, **और तुम अपने नगरों में जा जाकर इकट्ठे होंगे** का मतलब है कि लोग सुरक्षा के लिए अपने नगरों की ओर भागेंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम सुरक्षा की तलाश में अपने नगरों की ओर भागोगे] या [और तुम सुरक्षा के लिए अपने नगरों में इकट्ठे हो जाओगे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 26:25 (#8)

וְשִׁלַּחְתִּי דֶבֶר

"तब मैं तुम्हारे बीच मरी फैलाऊँगा"

यहाँ, **तब मैं तुम्हारे बीच मरी फैलाऊँगा** पिछले खण्ड से जुड़ता है ताकि निरंतर अनुशासन दिखाया जा सके। यह दिखाने के लिए एक जोड़ने वाले शब्द का उपयोग करें कि यह कथन इससे पहले क्या आता है, उससे कैसे सम्बन्धित है। वैकल्पिक अनुवाद: [इसके अतिरिक्त, मैं मरी भेजूँगा] या [साथ ही, मैं मरी भेजूँगा]

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

लैव्यव्यवस्था 26:25 (#9)

וְנִתַּתֶּם בְּיַד־אוֹיֵב

"और तुम अपने शत्रुओं के वश में सौंप दिए जाओगे"

अभिव्यक्ति **तुम अपने शत्रुओं के वश में सौंप दिए जाओगे** एक निष्क्रिय क्रियात्मक रूप है। यदि आपकी भाषा उस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह कहना है कि क्रिया कौन करता है, तो सन्दर्भ यह इंगित करता है कि यह परमेश्वर हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और मैं तुम्हें शत्रुओं के हाथ में दे दूँगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 26:26 (#1)

בְּשִׁבְרִי לָכֶם מַטֵּה־לָחֶם

"जब मैं तुम्हारे लिये अन्न के आधार को दूर कर डालूँगा"

यहाँ, **अन्न के आधार** एक आम अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ "अकाल" होता है। अपनी भाषा से एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग करें जो वही अर्थ व्यक्त करती है या अर्थ को सीधे तौर पर बताएं। वैकल्पिक अनुवाद: जब मैं अकाल लाऊँगा] या [जब मैं तुम्हारे ऊपर अकाल ले आऊँगा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 26:26 (#2)

וְאָפוּ עֲשָׂרָה נָשִׁים לַחְמְכֶם בְּתַנּוּר אֶחָד

“तब दस स्त्रियाँ तुम्हारी रोटी एक ही तंदूर में पकाकर ... बाँट देंगी”

यहाँ, **तब दस स्त्रियाँ तुम्हारी रोटी एक ही तंदूर में पकाकर ... बाँट देंगी** गम्भीर खाद्य कमी का संकेत देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर दस स्त्रियाँ कमी के कारण एक भट्ठी में तुम्हारी रोटी सेकेंगी] या [फिर दस स्त्रियाँ अकाल के कारण एक ही भट्ठी में तुम्हारी रोटी बनाएँगीं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 26:26 (#3)

וְהֵשִׁיבוּ לַחְמְכֶם בַּמִּשְׁקָל

“तुम्हारी रोटी एक ही तंदूर में पकाकर तौल-तौलकर बाँट देंगी”

यहाँ, **तुम्हारी रोटी एक ही तंदूर में पकाकर तौल-तौलकर बाँट देंगी** का मतलब है कि रोटी को परिवारों में सावधानीपूर्वक वितरित किया जाएगा। एक ऐसी अभिव्यक्ति का उपयोग करें जो सटीक वितरण को दर्शाए। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे तुम्हारी रोटी को सावधानीपूर्वक मापकर अपने परिवारों में वितरित करेंगी] या [और वे रोटी को नापकर अपने घर वालों में बाँटेंगी]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 26:26 (#4)

וְלֹא תִשְׂבָּעוּ

“और तुम खाकर भी तृप्त न होंगे”

यहाँ, **और तुम खाकर भी तृप्त न होंगे** अपेक्षा और वास्तविकता के बीच विरोधाभास दिखाता है, यह संकेत देते हुए कि कुछ रोटी प्राप्त करने के बावजूद लोग संतुष्ट नहीं होंगे। अपने अनुवाद में, इस विरोधाभास को अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके से दर्शाएं। वैकल्पिक अनुवाद: [परन्तु तुम सन्तुष्ट नहीं होगे] या [फिर भी तुम सन्तुष्ट नहीं होगे]

देखें: संयोजक - तुलनात्मक संबंध

लैव्यव्यवस्था 26:27 (#1)

בְּקָרִי

“विरुद्ध”

यदि आपकी भाषा में **विरुद्ध** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मेरे शत्रु के रूप में] या [मेरे खिलाफ विद्रोह करके]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:28 (#1)

בַּחֲמַת־קֶרִי

“अपने न्याय में तुम्हारे विरुद्ध चलूँगा”

यहाँ, **अपने न्याय में तुम्हारे विरुद्ध चलूँगा** एक अभिव्यक्ति है जो शत्रुता की तीव्र भावनाओं की तुलना आग की तीव्रता से करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तीव्र शत्रुता के बीच] या [भीषण विरोध के बीच]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 26:28 (#2)

קֶרִי

“विरुद्ध”

यदि आपकी भाषा में **विरुद्ध** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [विरोध] या [दुश्मनी]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:28 (#3)

וְיִסַּרְתִּתִּי אֶתְכֶם אַף־אָנִי שֶׁבַע

“तो मैं अपने न्याय में तुम्हारे विरुद्ध चलूँगा, और तुम्हारे पापों के कारण तुम को सातगुना ताड़ना और भी दूँगा”

सर्वनाम **मैं अपने** उस सर्वनाम “मैं” का प्रतिनिधित्व करता है जिसे परमेश्वर मूल में उपयोग करते हैं, भले ही अनुवादित क्रिया **ताड़ना** पहले से ही इस अर्थ को शामिल करती है। ऐसा करने से वे जो कह रहे हैं उस पर जोर दिया जाता है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए स्पष्ट सर्वनामों का उपयोग होता है, तो आप अपने अनुवाद में उस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और मैं स्वयं तुम्हें सात गुना ताड़ना दूँगा]

देखें: कर्मकर्त्ता सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 26:29 (#1)

וַאֲכַלְתֶּם בְּשַׂר בְּנֵיכֶם וּבְשַׂר בְּנֹתֵיכֶם תֹּאכֵלוּ

“और तुम को अपने बेटों और बेटियों का माँस खाना पड़ेगा”

ये दोनों वाक्यों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा शब्द पहले के अर्थ को जोर देकर दोहराता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इन शब्दों को वाक्यांश में भी बदल सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम अपने पुत्रों का माँस खाओगे, और अपनी पुत्रियों का माँस भी खाओगे]

देखें: काव्य

लैव्यव्यवस्था 26:30 (#1)

וְגָעֲלָה נַפְשִׁי אֶתְכֶם

“और मेरी आत्मा को तुम से घृणा हो जाएगी”

यहाँ, **मेरी आत्मा** वक्ता (यहोवा) का प्रतिनिधित्व करती है। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग करें जो व्यक्तिगत घृणा पर जोर बनाए रखे। वैकल्पिक अनुवाद: [और मेरी आत्मा तुमसे घृणा करेगी] या [और मैं तुमसे गहराई से घृणा करूँगा]

देखें: उपलक्षण अलंकार

लैव्यव्यवस्था 26:31 (#1)

בְּרֵרֵיחַ נִיחֹחֲכֶם

“तुम्हारा सुखदायक सुगन्ध”

यहाँ, **तुम्हारा सुखदायक सुगन्ध** बलिदानों का प्रतिनिधित्व करती है, क्योंकि परमेश्वर अक्सर जले हुए बलिदानों और धूप की सुखद गन्ध का उल्लेख करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समान अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हारे बलिदानों की सुखद सुगन्ध] या [तुम्हारी भेंटों की मनमोहक सुगन्ध]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:32 (#1)

וַהֲשִׁמֹּתִי אֲנִי אֶת־הָאָרֶץ

“और मैं तुम्हारे देश को सूना कर दूँगा”

देखें कि आपने इसे 26:16 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं भूमि को भी उजाड़ बना दूँगा] या [मैं स्वयं भूमि को उजाड़ बना दूँगा]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 26:32 (#2)

וְשָׁמְמוּ עָלֶיהָ אֹיְבֵיכֶם הַיֹּשְׁבִים בָּהּ

“और तुम्हारे शत्रु जो उसमें रहते हैं वे इन बातों के कारण चकित होंगे”

यहाँ संयोजक शब्द **और** यह संकेत देता है कि शत्रुओं के चकित होने का कारण यह है कि देश इतना उजाड़ हो जाएगा। यदि इस कथन और उससे पहले के कथन के बीच का संबंध स्पष्ट न हो, तो आप कोई दूसरा जोड़ने वाला शब्द उपयोग कर सकते हैं जिससे यह दिखे कि यह कथन पहले वाले से कैसे जुड़ा है। वैकल्पिक अनुवाद: [इसके अलावा, तुम्हारे दुश्मन जो इसमें निवास करते हैं, चकित रह जाएँगे] या [और भी, वहाँ रहने वाले तुम्हारे शत्रु चकित होंगे।]

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

लैव्यव्यवस्था 26:33 (#1)

וַהֲרִיקֹתִי אַחֲרֵיכֶם חָרֶב

“और तुम्हारे पीछे-पीछे तलवार खींचे रहूँगा”

यहाँ, **तलवार** युद्ध का प्रतिनिधित्व करती है। अपनी भाषा में युद्ध या संघर्ष को सही तरीके से व्यक्त करने वाला शब्द प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [और मैं तुम्हारे विरुद्ध युद्ध छेड़ूंगा] या [और मैं तुम पर युद्ध लाऊंगा]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:34 (#1)

תִּרְצֶה הָאָרֶץ אֶת־שַׁבְּתֹתֶיהָ & תִּשְׁבַּת הָאָרֶץ וְהִרְצָת אֶת־שַׁבְּתֹתֶיהָ

“वह देश विश्राम पाएगा, अर्थात् अपने विश्रामकालों को मानता रहेगा”

यहाँ, **देश** के बारे में ऐसे बात की गई है जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जो विश्राम कर सकता है और अपने विश्राम का आनन्द ले सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [देश अपने विश्राम के दिनों का पालन करेगा और विश्राम करेगा ... देश विश्राम करके अपने विश्राम के दिनों का आदर करेगा]

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 26:35 (#1)

אֵת אֲשֶׁר לֹא־שָׁבְתָה בְּשַׁבְּתֹתֵיכֶם בְּשִׁבְתְּכֶם עָלֶיהָ

“जो विश्राम उसको तुम्हारे वहाँ बसे रहने के समय तुम्हारे विश्रामकालों में न मिला होगा वह उसको तब मिलेगा”

यहाँ, **तुम्हारे विश्रामकालों में न मिला होगा** का अर्थ है कि भूमि उन विश्राम के दिनों के लिए विश्राम करेगी जिन्हें इस्राएलियों ने नहीं मनाया। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [तुम्हारे विश्राम के दिनों में जो विश्राम नहीं मिला] या [भूमि उन विश्राम के दिनों के लिए विश्राम करेगी जिन्हें तुमने अनदेखा किया]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 26:36 (#1)

וְהַנִּשְׁאָרִים בָּכֶם וְהֵבֵאתִי

“और तुम में से जो बचे रहेंगे और अपने शत्रुओं के देश में होंगे उनके हृदय में मैं कायरता उपजाऊँगा”

यह संकेत करता है कि जो लोग बचेंगे, उनके लिए यहोवा अतिरिक्त अनुशासन लाएँगे। एक व्याकरणिक संरचना का उपयोग करें जो कुछ लोगों के बचने को आगामी कार्यों से स्पष्ट रूप से जोड़ता है। वैकल्पिक अनुवाद: [जो तुम में से बचेंगे, उनके लिए मैं लाऊँगा] या [और तुम में से जो शेष रहेंगे, उनके लिए मैं लाऊँगा]

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

लैव्यव्यवस्था 26:36 (#2)

מֹרֶךְ לְבָבָם

“उनके हृदय में मैं कायरता उपजाऊँगा”

यहाँ, **उनके हृदय** उस स्थान का प्रतिनिधित्व करता है जहाँ एक व्यक्ति के विचार, भावनाएँ और भय रहते हैं। आपकी भाषा में इसके लिए एक समान अभिव्यक्ति हो सकती है, या आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके हृदय में भय] या [उनके भीतर गहरी डर]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 26:36 (#3)

בְּלִבָּבָם

“उनके हृदय में”

यहाँ, **उनके हृदय** यहोवा के दृष्टिकोण को जीवित बचे लोगों को सीधे सम्बोधित करने से तीसरे व्यक्ति में उनके बारे में बात करने की ओर स्थानान्तरित करता है। अपनी भाषा में सर्वनामों का स्पष्ट और

स्वाभाविक उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके हृदय के भीतर] या [उनके हृदय के अंदर]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 26:36 (#4)

וְרָדַף אֹתָם קֹול עָלֶה נִדָּף

“और वे पत्ते के खड़कने से भी भाग जाएँगे”

यहाँ, **पत्ते के खड़कने से** को एक जीवित वस्तु के रूप में वर्णित किया गया है जो सक्रिय रूप से लोगों का पीछा कर रही है। यदि आपके अनुवाद में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उड़ते पत्ते के खड़कने की आवाज उनका पीछा करेगी] या [उड़ते पत्ते का शोर उनका पीछा करेगा]

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 26:36 (#5)

עָלֶה נִדָּף

“और वे पत्ते के खड़कने से”

अभिव्यक्ति **पत्ते के खड़कने से** एक निष्क्रिय क्रियात्मक रूप है। यदि आपकी भाषा इस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: [एक पत्ता जिसे हवा चलाती है] या [एक पत्ता जिसे हवा उड़ाती है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 26:36 (#6)

חֶרֶב

“कोई तलवार”

यहाँ, **कोई तलवार** एक ऐसे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती है जो उन्हें हानि पहुँचाने वाला है। यदि आपके अनुवाद में यह सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [एक योद्धा] या [एक आक्रमणकारी]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:37 (#1)

וְכָשְׁלוּ אִישׁ־בְּאָחִיו

“वे एक दूसरे से ठोकर खाकर गिरते जाएँगे”

यह लेखक की संस्कृति में एक सामान्य अभिव्यक्ति है जो लोगों को घबराहट में एक-दूसरे पर गिरते हुए वर्णित करती है जब वे भागने की कोशिश कर रहे होते हैं। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें यह अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वे भागते समय एक-दूसरे पर गिरेंगे] या [वे भागते समय एक-दूसरे से ठोकर खाएँगे]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 26:37 (#2)

כְּמִפְּנֵי־חֶרֶב

“तलवार के भय से “

यहाँ, **तलवार के भय से** एक सामान्य सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ “पहले” या “सामने” होता है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो, या आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसे तलवार के सामने से] या [जैसे कोई उन्हें तलवार से धमका रहा हो]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 26:37 (#3)

כְּמִפְּנֵי־חֶרֶב

“तलवार के भय से”

इस तुलना का मतलब यह है कि जैसे लोग हथियार बन्द दुश्मन से भागते हैं, वैसे ही ये लोग भी भागेंगे, भले ही कोई उनका पीछा न कर रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जैसे कोई तलवार लेकर उनका पीछा कर रहा हो] या [जैसे लोग सशस्त्र शत्रु से भाग रहे हों]

देखें: उपमा

लैव्यव्यवस्था 26:37 (#4)

תְּקוּמָה

“ठहरने की कुछ शक्ति”

यहाँ, **ठहरने की कुछ शक्ति** का अर्थ है दुश्मनों के खिलाफ सफलतापूर्वक प्रतिरोध करना या संघर्ष करना। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [प्रतिरोध करने की शक्ति] या [स्वयं की रक्षा करने की क्षमता]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 26:37 (#5)

לִפְנֵי אֹיְבֵיכֶם

“अपने शत्रुओं के सामने”

देखें कि आपने इस पद में पहले इस अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया था। यहाँ इसका अर्थ है “पहले” या “विरुद्ध।” वैकल्पिक अनुवाद: [अपने शत्रुओं के विरुद्ध] या [जब तुम्हारे शत्रु आक्रमण करें]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 26:37 (#6)

וְכָשְׁלוּ & תִּהְיֶה לָּכֶם

“तब भी मानो तलवार के भय से वे एक दूसरे से ठोकर खाकर गिरते जाएँगे”

पाठ तीसरे व्यक्ति में लोगों के बारे में बात करने से सीधे उन्हें सम्बोधित करने में बदल जाता है (**वे** से **अपने**)। यदि आपके पाठकों के लिए यह

सहायक हो, तो आप पूरे पाठ में एक ही सर्वनाम का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और एक दुसरे से ठोकर खाएंगे ... अपने] या [और वे ठोकर खाएंगे ...]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 26:38 (#1)

וְאָכְלָה אֹתְכֶם אֶרֶץ אֹיְבֵיכֶם

“और तुम्हारे शत्रुओं की भूमि तुम को खा जाएगी”

यह तुम्हारे शत्रुओं की **भूमि** के बारे में बात करता है जैसे कि यह एक जीवित वस्तु हो जो लोगों को निगल सकती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और तुम्हारे शत्रुओं की भूमि तुमको खा जाएगी]

देखें: मानवीकरण

लैव्यव्यवस्था 26:39 (#1)

“अपने अधर्म के कारण गल जाएँगे और ... गल जाएँगे”

इसका अर्थ हो सकता है: 1) वे आत्मिक रूप से समृद्ध नहीं होंगे, 2) वे भौतिक रूप से समृद्ध नहीं होंगे, और 3) वे सचमुच मर जाएँगे, और उनके शरीर सड़ जाएँगे। अपनी भाषा में ऐसा शब्द प्रयोग करने का प्रयास करें जो इन तीनों अर्थों को समेट सके। वैकल्पिक अनुवाद: [नष्ट हो जाएँगे ... वे नष्ट हो जाएँगे] या [सड़ जाएँगे ... वे सड़ जाएँगे]

लैव्यव्यवस्था 26:39 (#2)

בַּעֲוֹנָם & בַּעֲוֹנֹת

“अपने अधर्म और अपने पुरखाओं के अधर्म”

यदि आपकी भाषा में **अधर्म** या **अधर्म** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके पापों में ... पापों में] या [उनके गलत कार्यों में ... गलत कार्यों में]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:39 (#3)

אֲבֹתָם

“अपने पुरखाओं के”

यहाँ, **पुरखाओं** पूर्वजों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके पूर्वज] या [उनके बाप दादा]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:40 (#1)

וְהִתְוַדּוּ

“पर यदि वे ... अधर्म को मान लेंगे”

यहाँ, **पर यदि वे ... अधर्म को मान लेंगे** एक मजबूत विरोधाभास प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में इस विरोधाभास को अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके से इंगित करें। वैकल्पिक अनुवाद: [परन्तु यदि वे स्वीकार करते हैं] या [हालांकि, यदि वे स्वीकार करते हैं]

देखें: संयोजक - तुलनात्मक संबंध

लैव्यव्यवस्था 26:40 (#2)

אֶת־עֲוֹנָם וְאֶת־עֲוֹן אֲבֹתָם בְּמַעֲלָם אֲשֶׁר מָעֲלוּ־בִי & בְּקֶרִי

“पर यदि वे अपने और अपने पितरों के अधर्म को मान लेंगे अर्थात् उस विश्वासघात को जो उन्होंने मेरे विरुद्ध किया, और यह भी मान लेंगे, कि हम यहोवा के विरुद्ध चले थे”

यदि आपकी भाषा **अधर्म**, **विश्वासघात**, और **विरुद्ध** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप उन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जिस प्रकार उन्होंने पाप किया और जिस प्रकार उनके पूर्वजों ने पाप किया और मेरे साथ विश्वासपूर्वक नहीं चले ... शत्रुतापूर्वक]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:40 (#3)

אֲבֹתָם

“अपने और अपने पितरों के”

यहाँ, **पितरों** पूर्वजों का प्रतिनिधित्व करता है। देखें कि आपने इसे 26:39 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके पूर्वज] या [उनके बाप-दादा]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:40 (#4)

הָלְכִי עִמִּי בְּקֶרִי

“कि हम यहोवा के विरुद्ध चले थे”

देखें कि आपने इसे 26:21 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [वे शत्रुता में रहते थे]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 26:41 (#1)

“ले आया है।”

मूल भाषा में यहाँ पर ले चला आया है जबकि हिंदी अनुवाद में ले आया वाक्य उपयोग किया गया है। देखें कि आपने इसे पुनरावृत्ति 26:16 में कैसे अनुवादित किया। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं भी चला]

लैव्यव्यवस्था 26:41 (#2)

אֵלֵךְ עִמָּם בְּקֶרִי

“और वे उस समय अपने अधर्म के दण्ड को अंगीकार करेंगे”

देखें कि आपने इसे 26:24 में कैसे अनुवादित किया। वैकल्पिक अनुवाद: [मैं उनके प्रति शत्रुता के साथ चला]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 26:41 (#3)

יִכָּנַע לְבָבָם הָעֲרֵל

“यदि उस समय उनका खतनारहित हृदय दब जाएगा”

अभिव्यक्ति **यदि उस समय उनका खतनारहित हृदय दब जाएगा** एक निष्क्रिय क्रियात्मक रूप है। यदि आपकी भाषा उस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: [वे अपने खतनारहित हृदय को नम्र करते हैं]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 26:41 (#4)

לְבָבָם הָעֲרֵל

“उनका खतनारहित हृदय”

यहाँ, **हृदय** उस स्थान का प्रतिनिधित्व करता है जहाँ व्यक्ति की भावनाएँ, संवेदनाएँ और इच्छाएँ होती हैं, और **खतनारहित हृदय** उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए तैयार नहीं होते हैं। चूंकि शारीरिक खतना परमेश्वर के साथ वाचा में होने का एक चिन्ह था, एक खतनारहित हृदय परमेश्वर की वाचा के प्रति प्रतिरोध का प्रतिनिधित्व करता है। आपकी भाषा में इसके लिए एक समान अभिव्यक्ति हो सकती है, या आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उनका हठीला मन] या [उनका विद्रोही रवैया]

देखें: रूपक

लैव्यव्यवस्था 26:41 (#5)

“और वे उस समय अपने अधर्म के दण्ड को अंगीकार करेंगे”

इसका अर्थ हो सकता है: 1) वे उस दण्ड को स्वीकार करते हैं जो उनके गलत कार्य के लिए उपयुक्त है, या 2) वे अपने दोष को स्वीकार करते हैं और उसे मानते हैं। यदि आप इसे इस प्रकार अनुवाद कर सकते हैं जो दोनों अर्थों को समाहित कर सके तो ऐसा करें, अन्यथा आप देख सकते हैं कि आपकी स्थानीय प्रमुख भाषा के अनुवाद इस वाक्यांश को कैसे समझते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वे अपने दण्ड को स्वीकार करते हैं] या [वे अपने दोष को स्वीकार करते हैं]

लैव्यव्यवस्था 26:43 (#1)

וְהָאָרֶץ תֵּעָזֵב מֵהֶם וְתִתְרֶץ

“पर वह देश उनसे रहित होकर सूना पड़ा रहेगा, और उनके बिना सूना रहकर भी अपने विश्रामकालों को मानता रहेगा”

अभिव्यक्ति **देश उनसे रहित होकर सूना पड़ा रहेगा** एक निष्क्रिय क्रियात्मक रूप है। यदि आपकी भाषा में इस रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे भूमि को मरुभूमि बना देंगे, और भूमि विश्रामकालों को मानती रहेगी] या [और वे भूमि को वीरान छोड़ देंगे, और वह विश्रामकालों को मानती रहेगी]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 26:43 (#2)

מֵהֶם

“उनसे रहित होकर”

सर्वनाम **उनसे** उन इस्राएलियों को सन्दर्भित करता है जिन्हें भूमि से ले जाया जाएगा। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएलियों से] या [उन लोगों से]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 26:43 (#3)

בְּהִשַּׁמָּהּ מֵהֶם

“उनके बिना सूना”

यहाँ, **उनके बिना सूना** का अर्थ है कि भूमि उनके बिना खाली हो जाती है। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक होगी, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब वह उनके बिना खाली पड़ा रहेगा] या [जब वह उनके बिना उजाड़ हो जाएगा]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 26:43 (#4)

וְהֵם יִרְצוּ

“और वे ... अंगीकार करेंगे”

यहाँ, **वे** ध्यान को भूमि से लोगों की ओर स्थानान्तरित करता है। इसे स्पष्ट करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: [और वे स्वीकार करेंगे] या [वे, मानेंगे]

देखें: कर्मकर्त्ता सर्वनाम

लैव्यव्यवस्था 26:43 (#5)

“और वे लोग अपने अधर्म के दण्ड को अंगीकार करेंगे”

देखें कि आपने इसे 26:41 में कैसे अनुवाद किया। यहाँ यह अधिक स्पष्ट प्रतीत होता है कि वे अपनी गलतियों के लिए दण्ड स्वीकार कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वे अपना दण्ड स्वीकार कर रहे हैं]

लैव्यव्यवस्था 26:43 (#6)

יַעַן וּבְיַעַן

“इसी कारण से कि”

यहाँ, **इसी कारण से कि** उस कारण को स्पष्ट रूप से दर्शाता है जिसके परिणामस्वरूप पहले कुछ हुआ। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक लगे, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस कारण को बताता है जिसके कारण पहले वाक्यांश में वर्णित परिणाम आया। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि] या [इसलिए कि]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 26:44 (#1)

כִּכְּיָ אֲנִי יְהוָה אֱלֹהֵיהֶם

“क्योंकि मैं उनका परमेश्वर यहोवा हूँ”

यहाँ, **क्योंकि मैं उनका परमेश्वर यहोवा हूँ**, परिणाम के लिए एक कारण प्रदान करता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो

आप इस वाक्यांश को वाक्य की शुरुआत में प्रस्तुत करने के लिए उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [क्योंकि मैं यहोवा उनका परमेश्वर हूँ] या [चूंकि मैं यहोवा उनका परमेश्वर हूँ]

देखें: संयोजक - कारण और परिणाम संबंध

लैव्यव्यवस्था 26:45 (#1)

בְּרִרִית רִאשֹׁנִים

“उनके पितरों से बाँधी हुई वाचा”

यहाँ, **पितरों से बाँधी हुई वाचा** का अर्थ है “पहली वाचा” या “इस्राएलियों की पहली पीढ़ी के साथ वाचा”। आप अपनी भाषा में इस अर्थ को सही ढंग से दर्शाने वाले समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उनके साथ पहली वाचा] या [इस्राएलियों की पहली पीढ़ी के साथ वाचा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 26:45 (#2)

לְעֵינֵי הַגּוֹיִם

“अन्यजातियों की आँखों के सामने”

यहाँ, वाक्यांश **अन्यजातियों की आँखों के सामने** उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जिन्होंने परमेश्वर के कार्यों को देखा है। यदि आपके अनुवाद में यह सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [अन्यजातियों की दृष्टि में] या [राष्ट्रों के सामने]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 26:45 (#3)

לִהְיֹת לָהֶם לֵאלֹהִים

“मैं उनका परमेश्वर ठहरूँ”

यहाँ, **मैं उनका परमेश्वर ठहरूँ** मिस्र से उन्हें बाहर लाने के उद्देश्य या लक्ष्य का प्रतिनिधित्व करता है। अपनी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करे कि यह उद्देश्य है। वैकल्पिक अनुवाद: [उनका परमेश्वर होने के लिए] या [उनका परमेश्वर बनकर रहने के लिए]

देखें: संयोजक - लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

लैव्यव्यवस्था 26:46 (#1)

यदि यह पूरी पुस्तक के लिए प्रारम्भिक समापन न भी हो तो यह पद कम से कम अध्याय 17–26 का समापन सारांश प्रस्तुत करता है। पिछले खण्ड के निष्कर्ष को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप का उपयोग करें।

देखें: कहानी का अंत

लैव्यव्यवस्था 26:46 (#2)

הַחֻקִּקִּים וְהַמִּשְׁפָּטִים וְהַתּוֹרֹת

“विधियाँ और नियम और व्यवस्था”

यदि आपकी भाषा में **विधियाँ और नियम और व्यवस्था** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अलग-अलग तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आदेश, नियम, और निर्देश] या [सभी जो परमेश्वर ने आदेश दिया और निर्देशित किया]

देखें: भाववाचक संज्ञा

लैव्यव्यवस्था 26:46 (#3)

בֵּינוֹ וּבֵין בְּנֵי יִשְׂרָאֵל בְּהַר סִינַי בְּיַד־מֹשֶׁה

“यहोवा ने अपनी ओर से इस्राएलियों के लिये सीनै पर्वत पर मूसा के द्वारा”

यहाँ, **यहोवा ने अपनी ओर से इस्राएलियों के लिये सीनै पर्वत पर मूसा के द्वारा** का अर्थ है कि यह वाचा समझौता, जो विधियों, निर्णयों और नियमों से बना था, यहोवा और इस्राएलियों के बीच सीनै पर्वत पर मूसा के मध्यस्थ और शास्त्री के रूप में किया गया था। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएलियों के लिए सीनै पर्वत पर, जिसे मूसा ने उनके मध्यस्थ के रूप में लिखा]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 26:46 (#4)

בְּיַד־מֹשֶׁה

“मूसा के द्वारा”

यहाँ, **मूसा के द्वारा** मूसा को मध्यस्थ और शास्त्री के रूप में कार्य करते हुए दर्शाया गया है। यदि आपके अनुवाद में यह सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [मूसा के माध्यम से मध्यस्थ के रूप में] या [मूसा ने मध्यस्थ बनकर और इन बातों को लिखकर]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 27:2 (#1)

דַּבֵּר אֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְאָמַרְתָּ אֲלֵהֶם

“इस्राएलियों से यह कह”

इब्रानी में, उन्होंने दो समान वाक्यांशों का उपयोग करके भाषण प्रस्तुत किया। यदि इस प्रकार की पुनरावृत्ति आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं है, तो आप उन्हें मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल के पुत्रों से कहें]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 27:2 (#2)

בְּנֵי יִשְׂרָאֵל

“इस्राएलियों”

यहाँ, **इस्राएलियों** पूरे इस्राएली लोगों को संदर्भित करता है, न कि केवल याकूब के मूल 12 पुत्रों या पुरुष वंशजों को। वैकल्पिक अनुवाद: [इस्राएल के लोग] या [इस्राएली]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 27:2 (#3)

אִישׁ

“मनुष्य”

यहाँ, **मनुष्य** किसी विशेष पुरुष का उल्लेख नहीं करता, बल्कि किसी भी व्यक्ति का उल्लेख करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपनी भाषा में एक ऐसी अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जो अधिक स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी] या [कोई भी व्यक्ति]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 27:2 (#4)

יַפְלִיא נֶדֶר

“विशेष संकल्प माने”

यह एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार की मन्नत करना होता है। आपकी भाषा में एक तुलनीय अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं, या आप अर्थ को सीधे तौर पर स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वे एक विशेष मन्नत करते हैं] या [वे एक गंभीर वादा करते हैं]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 27:2 (#5)

בְּעֶרְכְּךָ נְפָשׁוֹת לַיהוָה

“मनुष्य तेरे ठहराने के अनुसार यहोवा के होंगे”

वाक्यांश **तेरे ठहराने के अनुसार**अध्याय में 19 बार आता है। लोगों के लिए, मूल्यांकन यहाँ यहोवा द्वारा निर्धारित किया गया है। अधिक जानकारी के लिए अध्याय 5 की प्रस्तावना देखें और देखें कि आपने इसे 5:15 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: [व्यक्तियों का मूल्यांकन जो मैं, यहोवा, आपको देता हूँ]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 27:3 (#1)

מִבֶּן עֶשְׂרִים שָׁנָה וְעַד בֶּן־שִׁשִּׁים שָׁנָה

“वह बीस वर्ष या उससे अधिक और साठ वर्ष से कम अवस्था का पुरुष हो”

यहाँ, **पुरुष** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जो उस संस्कृति में एक व्यक्ति को संदर्भित करती है जिसमें कुछ विशेषता होती है। इस उदाहरण में, यह उन पुरुषों को संदर्भित कर रही है जिनकी आयु सीमा 20–59 वर्ष है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [बीस वर्ष से उनसठ वर्ष की आयु तक]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 27:3 (#2)

בְּשֶׁשֶׁקֶל הַקֹּדֶשׁ

“पवित्रस्थान के शेकेल के अनुसार

प्राचीन समय में **पवित्रस्थान के शेकेल** वह मानक वजन था जिसे निवास स्थान में और बाद में मंदिर में याजकों द्वारा रखा जाता था। वैकल्पिक अनुवाद: [पवित्रस्थान में रखे गए मानक शेकल के अनुसार]

देखें: बाइबल में धन

लैव्यव्यवस्था 27:4 (#1)

וְאִם־נְקֵבָה הִהֻוא

“यदि वह स्त्री हो”

इस पद 3 में आयु (बीस से उनसठ वर्ष) भी शामिल है। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकती है, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि यह एक महिला है जो बीस से उनसठ वर्ष की है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 27:5 (#1)

מִבֶּן־חָמֵשׁ שָׁנִים וְעַד בֶּן־עֶשְׂרִים שָׁנָה

“उसकी अवस्था पाँच वर्ष या उससे अधिक और बीस वर्ष से कम की हो”

यह 5–19 आयु वर्ग को संदर्भित करने वाली एक सामान्य अभिव्यक्ति है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [पाँच वर्ष की आयु से उन्नीस वर्ष की आयु तक]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 27:6 (#1)

מִבֶּן־חֹדֶשׁ וְעַד בֶּן־חָמֵשׁ שָׁנִים

“उसकी अवस्था एक महीने या उससे अधिक और पाँच वर्ष से कम की हो”

यह एक सामान्य अभिव्यक्ति है जो एक महीने से चार साल की उम्र तक के बच्चों के लिए संदर्भित होती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपनी भाषा में एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [एक महीने की उम्र से चार साल की उम्र तक]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 27:7 (#1)

מִבֶּן־שִׁשִּׁים שָׁנָה וָמַעְלָה

“उसकी अवस्था साठ वर्ष की या उससे अधिक हो”

यह एक सामान्य अभिव्यक्ति है जो साठ वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों को संदर्भित करती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [साठ वर्ष और उससे अधिक उम्र]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 27:8 (#1)

וְאִם־מָמֵךְ הוּאא מֵעֶרְכֶּךָ

“यदि कोई इतना कंगाल हो कि याजक का ठहराया हुआ दाम न दे सके”

यहाँ **इतना कंगाल हो कि याजक का ठहराया हुआ दाम न दे सके** का अर्थ है मानक राशि का भुगतान करने में असमर्थ होना। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि वे मानक मूल्यांकन का भुगतान करने के लिए अत्यंत दरिद्र हैं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 27:8 (#2)

וְהֶעֱמִידוֹ

“तो वह याजक के सामने खड़ा किया जाए”

यहाँ, **वह** उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो मन्नत कर रहा है (जो कंगाल है), और **वह** उस व्यक्ति की बात करता है जिससे यहोवा से वादा किया गया है और जिसे मन्नत मानने वाला छुड़ाने की कोशिश कर रहा है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [फिर मन्नत करने वाला व्यक्ति यहोवा से वादा किए गए व्यक्ति को प्रस्तुत करेगा]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 27:8 (#3)

לִפְנֵי הַכֹּהֵן

“याजक के सामने”

यहाँ, **याजक के सामने** का अर्थ याजक की उपस्थिति में होना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [याजक के सामने] या [याजक की उपस्थिति में]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 27:8 (#4)

עַל־פִּי אֲשֶׁשֶׁר תַּשִּׂיגַ֥ יַד הַנֹּדֵֽר

“अर्थात् जितना संकल्प करनेवाले से हो सके, याजक उसी के अनुसार ठहराए”

यह एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार भुगतान कर सकता है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका यही अर्थ हो, या आप सीधे अर्थ को स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जितना मन्नत करने वाला वहन कर सकता है उसके आधार पर]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 27:9 (#1)

וְאִם־בְּהֵמָה אֲשֶׁשֶׁר יַקְרִיבוּ מִמֶּנָּה קָרְבָּן לַיהוָה

“फिर जिन पशुओं में से लोग यहोवा को चढ़ावा चढ़ाते है”

इस पद का अर्थ इसकी जटिल संरचना के कारण अस्पष्ट हो सकता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि कोई यहोवा को भेंट के रूप में एक पशु का हिस्सा प्रस्तुत कर रहे हैं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 27:10 (#1)

לֹא יַחֲלִיפֶנּוּ וְלֹא־יָמִיר אֹתוֹ

“वह उसे किसी प्रकार से न बदले, न तो वह बुरे के बदले अच्छा, और न अच्छे के बदले बुरा दे”

मूल भाषा में शब्द **बदले** और **प्रतिस्थापन** का अर्थ बहुत समान होता है और इन्हें जोर देने के लिए एक साथ उपयोग किया जाता है। लेकिन आईआरवी मैं केवल **बदले** शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से दो समानार्थी शब्दों का उपयोग नहीं होता है, तो आप उन्हें एक स्पष्ट अभिव्यक्ति में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उन्हें इसे किसी अन्य पशु के लिए नहीं बदलना चाहिए]

देखें: दोहरात्मक

लैव्यव्यवस्था 27:10 (#2)

טוֹב בְּרָע אוֹ־רַע בְּטוֹב

“न तो वह बुरे के बदले अच्छा, और न अच्छे के बदले बुरा दे”

कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए कुछ शब्द छोड़े जाते हैं जो निर्देश में आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करने के लिए संदर्भ से ये शब्द जोड़े जा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [एक बुरे पशु के बदले एक अच्छे पशु का आदान-प्रदान न करें या एक बुरे पशु के बदले एक और भी बुरे पशु का आदान-प्रदान न करें]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 27:10 (#3)

וְאִם־הָמֵר יָמִיר

“और यदि” - “बदले” - “उसका बदला”

यह इब्रानी अभिव्यक्ति क्रिया “**बदले**” की पुनरावृत्ति का उपयोग विचार को प्रबल करने के लिए करती है। यदि आपकी भाषा में विचार को प्रबल करने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति नहीं होती है, तो आपके पास वही विचार व्यक्त करने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि वास्तव में वह प्रतिस्थापित करते हैं]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 27:11 (#1)

לִפְנֵי הַכֹּהֵן

“याजक के सामने”

यहाँ, **के सामने** का अर्थ व्यक्ति के समक्ष होना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [याजक के समक्ष] या [याजक की उपस्थिति में]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 27:12 (#1)

כְּעֶרְכְּךָ

“जितना” - “ठहराए”

यहाँ, **जितना ठहराए** उस मूल्य को संदर्भित करता है जो याजक दरिद्र व्यक्ति की भेंट के लिए निर्धारित करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह मूल्य जो आप, याजक, निर्धारित करते हैं]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 27:13 (#1)

גָּאֹל יִגְאָלֶנָּה

“छुड़ाना चाहे” - “बढ़ाकर दे”

यह इब्रानी अभिव्यक्ति **छुड़ाना** विचार की अभिव्यक्ति को तीव्र करने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग करती है। यदि आपकी भाषा में तीव्रता के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति नहीं होती है, तो आप इस विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वास्तव में वह इसे छुड़ाते हैं]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 27:13 (#2)

“पाँचवाँ”

देखें कि आपने इसे 5:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 27:14 (#1)

וְאִישׁ

“फिर यदि कोई”

यहाँ, आईआरवी में **कोई** किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करता है, न कि किसी विशेष पुरुष को। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपनी भाषा में ऐसा अभिव्यक्ति उपयोग कर सकते हैं जो अधिक स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी] या [कोई भी व्यक्ति]

देखें: सामान्य संज्ञा गर्भितं वाक्यांश

लैव्यव्यवस्था 27:14 (#2)

בֵּין טוֹב וּבֵין רָע

“गुण-अवगुण दोनों”

वाक्यांश **गुण-अवगुण दोनों** का अर्थ है कि याजक घर की स्थिति का मूल्यांकन करेंगे ताकि उसकी कीमत निर्धारित की जा सके। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [घर की स्थिति के अनुसार]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 27:15 (#1)

הַמַּקְדִּישׁ

“पवित्र करनेवाला”

वाक्यांश **पवित्र करनेवाला** में, शब्द “उसका घर” छोड़े गए हैं लेकिन पिछले पद से समझ में आ गए हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जो उसका घर समर्पित करता है]

देखें: पदन्यूनता

लैव्यव्यवस्था 27:15 (#2)

“पाँचवाँ भाग”

देखें कि आपने इसे 27:13 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 27:15 (#3)

וְהָיָה לוֹ

“तब वह घर उसी का रहेगा”

यहाँ, **तब वह घर उसी का रहेगा** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि स्वामित्व उन्हें स्थानांतरित कर दिया जाएगा। आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यह उनका होगा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 27:15 (#4)

עֶרְכְּךָ

“उसका मोल ठहराया”

यहाँ, **मोल ठहराया** उस मूल्य को संदर्भित करता है जो याजक ने घर की स्थिति के आधार पर निर्धारित किया। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वह मूल्य जो आपने निर्धारित किया]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 27:16 (#1)

מִשְּׂדֵה אֲחֻזָּתוֹ

“अपनी निज भूमि का कोई भाग”

वाक्यांश **अपनी निज भूमि का कोई भाग** उस विरासत में मिली संपत्ति को संदर्भित करता है जो मूल रूप से इस्राएली परिवारों को कनान में प्रवेश करने पर दी गई थी। यह संपत्ति आमतौर पर हर 49 वर्षों में जुबली पर परिवार को वापस मिल जाती थी। वैकल्पिक अनुवाद: [उनकी विरासत में मिली भूमि से]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 27:16 (#2)

לְפִי זַרְעוֹ זֶרַע

“कि उसमें कितना बीज पड़ेगा”

इसका अर्थ बीज की मात्रा से है। इसका मतलब हो सकता है 1) खेत में पौधा लगाने के लिए आवश्यक बीज की मात्रा या 2) खेत द्वारा उत्पन्न बीज की मात्रा। वैकल्पिक अनुवाद: [पौधा लगाने के लिए जितना बीज आवश्यक है उसके अनुसार] या [उत्पादन के लिए जितना बीज आवश्यक है उसके अनुसार]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 27:16 (#3)

חֹמֶר

“होमेर भर”

होमेर मात्रा की एक इकाई थी जो लगभग 220 लीटर के बराबर हो सकती थी। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे आधुनिक माप के संदर्भ में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [लगभग 220 लीटर का]

देखें: बाइबलीय मात्रा

लैव्यव्यवस्था 27:18 (#1)

עַל־פִּפְיִ הַשָּׁנִיּם

“जितने वर्ष दूसरे जुबली के वर्ष के बाकी रहें”

वाक्यांश **जितने वर्ष दूसरे जुबली के वर्ष के बाकी रहें** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ वर्षों की संख्या के आधार पर है। आप अपनी भाषा से एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका वही अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वर्षों की संख्या के अनुसार]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 27:19 (#1)

גָּאֹאל יִגְאַל

“छुड़ाना चाहे”

वाक्यांश **छुड़ाना चाहे** विचार को तीव्र करने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग करता है। यदि आपकी भाषा में तीव्रता के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में कोई अन्य स्वाभाविक तरीका उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [यदि वास्तव में वह छुड़ाएंगे]

देखें: पुनरावृत्ति

लैव्यव्यवस्था 27:19 (#2)

“पाँचवाँ भाग”

देखें कि आपने इसे 27:13 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 27:19 (#3)

וְקָקַם לוֹ

“तब खेत उसी का रहेगा”

वाक्यांश **तब खेत उसी का रहेगा** एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि स्वामित्व उसे वापस मिल जाएगा। आप अपनी भाषा में एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका वही अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [और यह फिर से उसका हो जाएगा]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 27:20 (#1)

לֹא יִגָּאֵל עוֹד

“खेत आगे को कभी न छुड़ाया जाए”

यह पद एक ऐसे मामले को प्रस्तुत करता है जहाँ कोई व्यक्ति एक ही खेत से दो बार लाभ कमाने की कोशिश करता है, पहले उसे समर्पित करके और फिर उसे बेचकर। परिणामस्वरूप, वे खेत के अधिकार को स्थायी रूप से खो देते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [वे इसे छुड़ाने का अधिकार स्थायी रूप से खो देंगे]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 27:20 (#2)

לֹא יִגָּאֵל עוֹד

“तो खेत आगे को कभी न छुड़ाया जाए”

अभिव्यक्ति **तो खेत आगे को कभी न छुड़ाया जाए** एक निष्क्रिय क्रियात्मक रूप है। यदि आपकी भाषा इस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई इसे फिर से छुड़ा नहीं सकेगा]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 27:21 (#1)

בְּצֵאתוֹ בַיֹּבֵל

“परन्तु जब वह खेत जुबली के वर्ष में छूटे”

यह एक सामान्य अभिव्यक्ति है जो जुबली वर्ष में संपत्ति के स्वामित्व परिवर्तन का संदर्भ देती है। आप अपनी भाषा में एक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका वही अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जब जुबली वर्ष में स्वामित्व स्थानांतरित होता है]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 27:21 (#2)

כִּשְׂדֵה הַחֵרֶם

“पूरी रीति से अर्पण किए हुए”

पूरी रीति से अर्पण किए हुए उस भूमि को संदर्भित करता है जो पूरी तरह से और स्थायी रूप से यहोवा को समर्पित है। यह “अर्पित” से अधिक मजबूत शब्द है। आप अपनी भाषा में ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जो इस स्थायी, अपरिवर्तनीय समर्पण को व्यक्त करता है। वैकल्पिक अनुवाद: [एक क्षेत्र के रूप में जो स्थायी और पूरी तरह से यहोवा को समर्पित है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 27:22 (#1)

אֶת־שְׂדֵה מִקְנָתוֹ

“अपना मोल लिया हुआ खेत”

वाक्यांश **अपना मोल लिया हुआ खेत** एक ऐसे खेत को संदर्भित करता है जिसे किसी ने खरीदा है, न कि विरासत में प्राप्त किया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [एक खेत जिसे उन्होंने खरीदा है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 27:22 (#2)

אֲשֶׁר לֹא מִשְּׂדֵה אֲחֻזָּתוֹ

“जो उसकी निज भूमि के खेतों में का न हो”

निज भूमि के खेतों उस विरासत में मिली भूमि को संदर्भित करता है जो मूल रूप से इस्राएली परिवारों को दी गई थी। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [जो उनकी विरासत में मिली पारिवारिक भूमि का हिस्सा नहीं है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 27:24 (#1)

לַאֲשֶׁר קָנָהוּ מֵאִתּוֹ לַאֲשֶׁר־לוֹ

जिससे वह मोल लिया“ - “ उसी की फिर हो जाए”

यहाँ **जिससे** दोनों उदाहरण मूल मालिक को संदर्भित करते हैं जिनके पास विरासत के अधिकार हैं, जबकि **वह** उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जिसने खरीदा और फिर खेत को समर्पित किया। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: [मूल मालिक, जिससे खरीदार ने इसे खरीदा, जिसे]

देखें: सर्वनाम - उनका कब उपयोग करें

लैव्यव्यवस्था 27:24 (#2)

לַאֲשֶׁר־לוֹ אֲחֻזַּת הָאָרֶץ

“जिसकी वह निज भूमि हो उसी की फिर हो जाए”

यह उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो उत्तराधिकार अधिकारों के माध्यम से भूमि का स्थायी स्वामी होता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [उस व्यक्ति को जो उत्तराधिकार द्वारा भूमि का स्थायी स्वामी होता है]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 27:25 (#1)

“पवित्रस्थान ही के शेकेल के हिसाब से ठहरे”

देखें कि आपने इसे 27:3 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: बाइबल में धन

लैव्यव्यवस्था 27:25 (#2)

גֵּרָה

“गेरा”

एक **गेरा** वजन की एक इकाई थी जो लगभग आधा ग्राम के बराबर होती थी। आप अपनी भाषा में वजन की एक ज्ञात इकाई का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [प्रत्येक इकाई लगभग आधा ग्राम के बराबर होती है]

देखें: बाइबल में भार के माप

लैव्यव्यवस्था 27:26 (#1)

בְּכוֹר אֲשֶׁר־יִבַּכֵּר לַיהוָה בִּבְהֵמָה לֹא־יַקְדִּישׁ אִישׁ אֹתוֹ אִם־שׁוֹר אִם־שֶׂה לַיהוָה הוּא

“घरेलू पशुओं का पहलौठा, जो पहलौठा होने के कारण यहोवा का ठहरा है, उसको कोई पवित्र न ठहराए; चाहे वह बछड़ा हो, चाहे भेड़ या बकरी का बच्चा, वह यहोवा ही का है”

यह मान लिया गया है कि पाठक यह जानते होंगे कि यहोवा स्वचालित रूप से फसह के समय से सभी पहलौठा जानवरों के स्वामी हैं, इसलिए कोई भी उन्हें समर्पित नहीं कर सकता। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी पहलौठा पशु यहोवा को समर्पित नहीं कर सकता, चाहे वह बैल हो या भेड़, क्योंकि सभी पहलौठा जानवर पहले से ही यहोवा के हैं]

देखें: सूचना संरचना

लैव्यव्यवस्था 27:27 (#1)

“पाँचवाँ भाग”

देखें कि आपने इसे 27:13 में कैसे अनुवाद किया है

देखें: अंश

लैव्यव्यवस्था 27:27 (#2)

וְאִם־לֹא יִגָּאֵל וְנִמְכַּר בְּעֶרְכֶּךָ

“और यदि वह न छुड़ाया जाए, तो याजक के ठहराए हुए मोल पर बेच दिया जाए”

वाक्यांश **और यदि वह न छुड़ाया जाए, तो याजक के ठहराए हुए मोल पर बेच दिया जाए** एक निष्क्रिय क्रियात्मक रूप है। यदि आपकी भाषा उस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: [और यदि कोई इसे नहीं छुड़ाता है, तो आपको इसे उस मूल्य पर बेचना होगा जो आपने निर्धारित किया है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 27:28 (#1)

חֵרֶם

“जो कुछ अर्पण किया जाए”

एक **जो कुछ अर्पण किया जाए** का अर्थ है कुछ ऐसा जो पूरी तरह से और स्थायी रूप से यहोवा को समर्पित किया गया है। यह “अर्पित” से अधिक मजबूत शब्द है। देखें कि आपने इसे 27:21 में कैसे अनुवादित

किया। वैकल्पिक अनुवाद: [वस्तु जो स्थायी रूप से और पूरी तरह से यहोवा को समर्पित की गई है]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 27:28 (#2)

מֵאָדָם וּבְהֵמָה֙ וּמִשְּׂדֵ֣ה אֲחֻזָּתֹ֔ו

“चाहे मनुष्य हो चाहे पशु, चाहे उसकी निज भूमि का खेत हो”

यह किसी भी वस्तु को संदर्भित करता है जो किसी के पास हो सकती है और जिसे यहोवा को समर्पित किया जा सकता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [चाहे वह व्यक्ति हो, कोई पशु हो, या विरासत में मिली भूमि हो]

देखें: अनुमानित ज्ञान एवं अंतर्निहित सूचना

लैव्यव्यवस्था 27:28 (#3)

“परमपवित्र ठहरे”

देखें कि आपने इसे 2:3 में कैसे अनुवाद किया है।

लैव्यव्यवस्था 27:29 (#1)

חֵ֖רֶם אֲשֶׁ֣ר יָחֳרַ֑ם

“मनुष्यों में से जो कोई मृत्युदण्ड के लिये अर्पण किया जाए”

सभी **अर्पण किए** गए उन व्यक्तियों को संदर्भित करते हैं जो यहोवा के प्रति पूरी तरह और स्थायी रूप से समर्पित होते हैं। जब **कोई मृत्युदण्ड के लिये अर्पण किए गए** है, तो इसका अर्थ है कि उन्हें मार दिया जाना चाहिए क्योंकि वे इस्राएल के शत्रु हैं या उन्होंने यहोवा की वाचा को गंभीर रूप से तोड़ा है। वैकल्पिक अनुवाद: [जिन लोगों को मौत की सज़ा मिलनी चाहिए क्योंकि वे हमेशा के लिए दोषी हैं]

देखें: अज्ञात का अनुवाद

लैव्यव्यवस्था 27:29 (#2)

כָּל־חֵ֖רֶם אֲשֶׁ֣ר יָחֳרַ֑ם

“जो कोई मृत्युदण्ड के लिये अर्पण किया जाए”

यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय क्रियात्मक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [सभी जिन्हें यहोवा ने मृत्यु के लिए दंडित किया है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 27:29 (#3)

לֹ֥א יִפָּדֶ֖ה

“वह छुड़ाया न जाए”

अभिव्यक्ति **छुड़ाया न जाए** एक निष्क्रिय क्रियात्मक रूप है। यदि आपकी भाषा इस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई भी अपने जीवन को बचाने के लिए भुगतान नहीं कर सकता है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 27:29 (#4)

מָ֥וֹת יוּמָֽת

“निश्चय वह मार डाला जाए”

अभिव्यक्ति **निश्चय वह मार डाला जाए** एक निष्क्रिय क्रियात्मक रूप है। यदि आपकी भाषा उस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [आपको निश्चित रूप से उन्हें मृत्युदण्ड देनी चाहिए]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था 27:30 (#1)

מִזֶּ֖רַע הָאָ֑רֶץ

“भूमि की उपज का”

यहाँ, **उपज** सभी खाद्य फसलों का प्रतिनिधित्व करता है जो बीज से उगती हैं। यदि यह आपके अनुवाद में सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [भूमि की फसलों से] या [जो खेतों में उगती हैं]

देखें: लक्षणालंकार

लैव्यव्यवस्था 27:31 (#1)

גָּאֹ֥ל יִגְאַ֖ל אִ֣ישׁ מִמַּעֲשַׂרְ֑וֹ

“यदि कोई अपने दशमांश में से कुछ छुड़ाना चाहे”

देखें कि आपने 27:19 में सम्पत्ति को छुड़ाने के बारे में एक समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: [वास्तव में कोई अपने दशमांश का हिस्सा छुड़ाते हैं]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 27:32 (#1)

כֹּ֚ל אֲשֶׁר־יַעֲבֹ֣ר תַּ֔חַת הַשָּׁ֖בֶט

“जो-जो पशु गिनने के लिये लाठी के तले निकल जानेवाले हैं”

यह एक सामान्य अभिव्यक्ति है जो इस बात को संदर्भित करती है कि कैसे चरवाहे अपनी भेड़-बकरियों को एक-एक करके छड़ी के नीचे से गुजरते हुए गिनते थे। आप अपनी भाषा में एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: [सभी जो भेड़-बकरियों में गिने जाते हैं]

देखें: मुहावरे

लैव्यव्यवस्था 27:33 (#1)

לֹ֣א יְבַקֵּ֗ר בֵּין־טֹ֤וב לְרַע֙ וְלֹ֣א יְמִירֶ֔נּוּ

“कोई उसके गुण-अवगुण न विचारे, और न उसको बदले”

देखें कि आपने इसे 27:10 में इसका अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: [उन्हें अच्छे के बदले बुरे के लिए उनकी जांच नहीं करनी चाहिए]

देखें: दोहरात्मक

लैव्यव्यवस्था 27:33 (#2)

לֹ֣א יִגָּאֵ֑ל

"और वह कभी छुड़ाया न जाए"

वाक्यांश **वह कभी छुड़ाया न जाए** एक निष्क्रिय क्रियात्मक रूप है। यदि आपकी भाषा इस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: [कोई इसे छुड़ा नहीं सकता है]

देखें: कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 1 परिचय

संरचना और स्वरूप

इब्रानी भाषा में, यह अध्याय "और" शब्द से शुरू होता है, जो पिछली पुस्तक (निर्गमन) के साथ एक सम्बन्ध को दर्शाता है। यह सम्बन्ध न केवल यह संकेत करता है कि बाइबिल की पहली पांच पुस्तकों को एक एकल इकाई के रूप में देखा जाना चाहिए, बल्कि यह लैव्यव्यवस्था को निर्गमन की कथा के सन्दर्भ में भी स्थापित करता है, जो इस्राएलियों के सीनै के जंगल में भटकने के तेरहवें महीने के दौरान होता है।

लैव्यव्यवस्था का पहला अध्याय दो काल्पनिक परिस्थितियों से बना है, जो होमबलि की तीन भिन्न-भिन्न विधियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। (1–17):

1. घरेलु पशु (2–13)
2. एक बैल (3–9)
3. एक भेड़ या बकरी (10–13)
4. एक पक्षी (14–17)

इस कारण प्रत्येक खंड की प्रारंभिक शीर्षक आयत "यदि" शब्द से शुरू होती है और उसके बाद बलिदान के निर्धारित चरण दिए जाते हैं। माना जाता है कि ये चरण हर होमबलि के लिए समान हैं, लेकिन पहली प्रकार की होमबलि, अर्थात् गाय-बैल की होमबलि के लिए अधिक नियम स्पष्ट रूप से बताए गए हैं, संभवतः इसलिए कि वही नियम अन्य दो संभावित होमबलियों के लिए भी समझे गए हैं। होमबलि के बलिदान की प्रक्रिया के चरण इस प्रकार हैं:

1. एक ऐसा पशु चुनना जो सिद्ध, निर्दोष और हर प्रकार से पूरी तरह स्वस्थ हो (1:3–14)
2. पशु को मिलापवाले तंबू के प्रवेश द्वार पर चढ़ाए (1:3)
3. पशु के सिर पर हाथ रखें (1:4)
4. पशु का बलिदान (1:5–15)
5. वेदी पर पशु का लहू प्रस्तुत करना और छिड़कना (1:5–15)
6. पशु की खाल उतारना (1:6)
7. पशु को उसके उपयुक्त टुकड़ों में काटना, जिसमें आमतौर पर सिर, चर्बी, आंतें, और पैर शामिल होते हैं (1:6–17)
8. वेदी पर आग जलाना और लकड़ी को सजा कर रखे (1:7)
9. टुकड़ों को सजा कर रखे, विशेष रूप से सिर और चर्बी को, वेदी की जलती लकड़ी पर चढ़ावे के रूप में रखना (1:8–12)
10. पैरों और आंतों को धोना (1:9–13)
11. पूरे पशु को इस तरह जलाएं कि धुआं ऊपर उठे (1:9–17)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक धारणाएँ

इस अध्याय की व्यवस्थाओं को समझने के लिए कई अवधारणाएँ बहुत महत्वपूर्ण हैं। इनमें शामिल हैं: 1) बलिदान से संबंधित तकनीकी शब्दावली, 2) प्रायश्चित, 3) लहू का महत्व, और 4) विधिक (अनुष्ठानिक) कार्य की प्रकृति।

बलिदान की शब्दावली

लैव्यव्यवस्था की पूरी पुस्तक में लेखक कई ऐसे शब्दों का प्रयोग करता है जिनका बलिदानों के संदर्भ में विशेष तकनीकी अर्थ है, या जो केवल इसी संदर्भ में उपयोग किए जाते हैं। इस अध्याय में ऐसे शब्द हैं: 1) "होमबलि" और 2) "भेंट।"

1. होमबलि

होमबलि एक विशेष प्रकार की बलि थी, जिसे कोई भी व्यक्ति विभिन्न कारणों से चढ़ा सकता था। इसका नाम उस क्रिया से जुड़ा है जिसका अर्थ "ऊपर जाना" या "चढ़ना" है। इससे यह संकेत मिलता है कि इस बलि को आग के द्वारा धुएँ में बदल दिया जाना था और वह धुआँ स्वर्ग में यहोवा के पास ऊपर उठता था, जैसा कि "धुएँ में बदलने" वाली क्रिया-प्रयोग की चर्चा से स्पष्ट होगा। इस बलि का उद्देश्य ऐसी बलि प्रदान करना था जो अनेक प्रकार के पापों और अनजानी भूलों के लिए क्षमा दिलाने का कारण बने, जिन्हें लैव्यव्यवस्था की पहली सात अध्यायों में बताई गई अन्य बलियों में विशेष रूप से शामिल नहीं किया गया है। इस बलि के लिए एक पूर्ण, निर्दोष नर पशु आवश्यक था, जिसे उस वेदी पर पूरी तरह जला दिया जाता था, जिस पर आग लगातार जलती रहती थी। (अधिक विवरण के लिए 6:9–13देखें।) जब यह बलि यहोवा को स्वीकार्य होती थी, तो यह उसे चढ़ाने वाले व्यक्ति के लिए प्रायश्चित्त प्रदान करती थी। अधिक जानकारी के लिए पुस्तक की भूमिका देखें।

1. आग द्वारा दी गई भेंट या उपहार

लैव्यव्यवस्था 1:9, 1:13, 1:17 और पूरी लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में जिस शब्द का अनुवाद "भेंट" किया गया है, उसका आधुनिक अंग्रेज़ी अनुवादों में अलग-अलग प्रकार से अनुवाद किया गया है। सामान्यतः इसे "आग से चढ़ाई गई भेंट" के रूप में अनुवाद किया जाता है, क्योंकि माना जाता है कि इस शब्द का संबंध "आग" के शब्द से है।हालाँकि, इस शब्द से जिन कुछ बलियों का उल्लेख किया गया है, वे वेदी पर जलाई नहीं जाती थीं (जैसे वे बलि के भाग जो 7:30 और 7:35–36 में याजकों के लिए थे), और बहुत-सी बलियाँ, जैसे शुद्धि की बलि, जो वेदी पर जलाई जाती थीं, उन्हें इस शब्द से नहीं बुलाया गया है। इसके बजाय, यह शब्द केवल उस भेंट को दर्शाता है जो यहोवा को दी जाती है और जो भोजन से सम्बन्धित वस्तुओं से बनी होती है। यद्यपि आधुनिक अंग्रेज़ी अनुवादों में तुम्हें "आग की भेंट" या "आग से चढ़ाई गई भेंट" जैसे वाक्यांश दिखाई दे सकते हैं, हम सुझाव देते हैं कि इस शब्द का अनुवाद "भेंट" के रूप में ही बनाए रखा जाए।

पश्चाताप

यू.एल.टी. में जिस शब्द का अनुवाद "प्रायश्चित्त करना" किया गया है, वह एक तकनीकी शब्द है, जो उस प्रायश्चित्त की क्रिया को व्यक्त करता है जिसे याजक के द्वारा किया जाता था, परन्तु जिसे वास्तव में यहोवा ही पूरा करता था। परंपरागत रूप से इसे एक रूपक माना गया है, जिसका मूल अर्थ "ढाँपना" है, परन्तु हाल के समय में कुछ विद्वानों ने इसे "पोंछना" की छवि के रूप में समझा है। यदि पहला अर्थ सही है, तो यह रूपक यह चित्र प्रस्तुत करता है कि बलि का लहू पाप के कारण उत्पन्न हुई अशुद्धता को ढाँप देता है। यदि दूसरा अर्थ सही है, तो यह रूपक पशु के लहू को एक प्रकार के विधिक शुद्धिकरण करने वाले पदार्थ के रूप में दिखाता है, जो व्यक्ति या वस्तु को पाप की अशुद्ध

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 1 परिचय

उपस्थिति से शुद्ध करता है। दोनों ही स्थितियों में, व्यक्ति या समुदाय की ओर से याजक के द्वारा चढ़ाई गई बलि को स्वीकार किया जाता है ताकि व्यक्ति या समुदाय और यहोवा के बीच का सम्बन्ध फिर से बहाल हो सके—वह सम्बन्ध जो पाप के कारण क्षतिग्रस्त या अशुद्ध हो गया था। इसी कारण बलि से सम्बन्धित अनेक व्यवस्थाएँ पापों की क्षमा के उल्लेख के साथ समाप्त होती हैं, क्योंकि वही वह माध्यम था जिसके द्वारा यहोवा के साथ सम्बन्ध पुनः स्थापित किया जा सकता था।

लहू का महत्व

लैव्यव्यवस्था 1 में पशु का लहू इकट्ठा किया जाता है और छिड़कने या उछालकर लगाने के द्वारा उस वेदी के किनारों पर लगाया जाता है, जिस पर होमबलि रखी जाती है। (1:5–15 देखें।) जैसा कि ऊपर समझाया गया है, इस क्रिया को अलग-अलग तरीकों से समझा गया है, परन्तु यह लहू को पाप के प्रभावों से वेदी को शुद्ध करता हुआ दिखाती है। लहू पवित्र स्थान और परमेश्वर के लोगों को पाप की अशुद्धताओं से शुद्ध करने में सक्षम था, क्योंकि उसमें पशु के जीवन के द्वारा प्रायश्चित्त करने की सामर्थ्य थी। (17:10–12. देखें।) क्योंकि लहू में पशु का जीवन होता है, इसलिए याहवेह ने किसी भी पशु का लहू खाने से मना किया। (7:26–27, 17:10–14, और 19:26 देखें।)

धार्मिक अनुष्ठान

इस अध्याय और पूरे लैव्यव्यवस्था में तीन क्रियाएं अनुष्ठानिक प्रकृति की हैं और महत्वपूर्ण धर्मशास्त्रीय वास्तविकताओं का चित्रण करती हैं।

1. इस अध्याय में "प्रस्तुत करने" की भाषा का अर्थ केवल बलिदान को वेदी या याजक के पास लाना नहीं है, बल्कि बलिदान को "यहोवा के सामने" प्रदर्शित करना भी है, अर्थात यहोवा के समक्ष। यह अभिव्यक्ति इस वास्तविकता को दर्शाती है कि ये बलिदान यहोवा की उपस्थिति में किए गए थे, वास्तव में उस पवित्र क्षेत्र के निकट जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच जंगल में निवास करते थे।
2. यह अध्याय बलिदान के पशु के सिर पर हाथ रखने की धार्मिक क्रिया को दर्शाता है। यह क्रिया व्यक्ति की ओर से पशु को उपयुक्त बलिदान के रूप में स्वीकार करने से सम्बन्धित है। (देखें 1:4) एक प्रतीकात्मक क्रिया के रूप में, हाथ रखने से व्यक्ति की पहचान उस पशु के साथ होती है जिसे वह भेंट चढ़ा रहा है। इसका तात्पर्य यह है कि व्यक्ति धार्मिक रूप से अपने पापों को बलिदान के पशु पर डाल रहा है ताकि जब पशु की बलि दी जाए तो परमेश्वर उनके पापों को क्षमा कर दें।
3. "बलिदान को वेदी पर हवन ठहरे" की भाषा (देखें 1:9) बलिदान को वेदी की आग द्वारा धुएं में परिवर्तित होते हुए और स्वर्ग में यहोवा तक पहुंचते हुए चित्रित करती है, जहां वे जलते बलिदान की सुखद सुगंध को सूंघते थे। इस प्रकार, सुखद सुगंध यहोवा के लिए एक संकेत थी कि बलिदान स्वीकार्य था और वे व्यक्ति के पापों का प्रायश्चित करेंगे और उसे क्षमा करेंगे, या यह व्यक्ति की भेंट की स्वीकृति के लिए एक आवश्यक शर्त के रूप में कार्य करती थी।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

इस अध्याय में तीन प्रमुख अलंकार शामिल हैं जो अनुवाद में कठिन हो सकते हैं, परन्तु अध्याय को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इनमें शामिल हैं 1) वाक्यांश, "यहोवा के सामने," 2) वाक्यांश, "यहोवा को मनभावनी सुगंध," और 3) याजकों को "हारून के पुत्र" के रूप में संदर्भित करने का तरीका।

"यहोवा के समक्ष"

इस अध्याय और पूरी पुस्तक में, लैव्यव्यवस्था के लेखक "यहोवा के सामने" का उपयोग "जहाँ यहोवा देख रहे हैं" या "यहोवा की दृष्टि में" या "यहोवा की उपस्थिति में" के अर्थ में करते हैं, ताकि "यहोवा के सामने" अंग्रेजी पूर्वसर्ग "बिफोर (before)" के समान हो। इस स्थिति में, व्यक्ति या वस्तु यहोवा का ध्यान, दृष्टिकोण, और निर्णय प्राप्त करते हैं। लैव्यव्यवस्था के संदर्भ में, "यहोवा के सामने" होने का अर्थ है मिलाप के तंबू के पवित्र क्षेत्र के भीतर होना, या तो उस स्थान के अर्थ में जो तंबू के ठीक सामने है जिसमें यहोवा निवास करते थे, या मिलाप के तंबू के भीतर यहोवा की उपस्थिति में होने के अर्थ में। (देखें 1:3–12।) आप इस अभिव्यक्ति के किसी भी अर्थ का अनुवाद "यहोवा की उपस्थिति में" या बस "यहोवा के सामने" के रूप में कर सकते हैं।

"यहोवा के लिए मनभावनी सुगंध"

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, इस पूरे अध्याय में याजक को यह निर्देश दिया गया है कि वह "बलि को वेदी पर धुएँ में बदल दे।" इसका अर्थ यह है कि बलि को इस प्रकार जलाया जाए कि उससे धुआँ ऊपर उठे। यह बलि को आग के द्वारा सुगंधित धुएँ में बदलते हुए दिखाता है, जो स्वर्ग में यहोवा के पास ऊपर उठता है, जहाँ वे उस धुएँ की सुगंध को महसूस करते हैं और प्रसन्न होते है। बलि के साथ उस सुगंधित धुएँ की भेंट का होना, जो बलि से उत्पन्न होता था, स्पष्ट रूप से उस भेंट को व्यक्ति की ओर से उचित बलि के रूप में स्वीकार किए जाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण था, क्योंकि इस अध्याय में इसका कई बार उल्लेख किया गया है। (देखें 1:9–17।)

"हारून के पुत्र"

पूरे लैव्यव्यवस्था में, विशेष रूप से इस अध्याय में, याजकों को "हारून के पुत्र" के रूप में संदर्भित किया गया है। कभी-कभी, यह अभिव्यक्ति "हारून के पुत्र, याजक" होती है (जैसे 1:5–11 में)। इस अध्याय में एक बार, इस अभिव्यक्ति को इस बात पर जोर देने के लिए बदला गया है कि हारून ही मूल याजक हैं, इस वाक्यांश के माध्यम से "हारून के पुत्र याजक"। (देखें 1:7।) जैसा कि लैव्यव्यवस्था की प्रस्तावना में चर्चा की गई है, जब यहोवा ने मूसा से मिलन के तंबू से बात की, तब याजक वास्तव में हारून के पुत्र थे, क्योंकि हारून ही पहले महायाजक थे। परन्तु इस पुस्तक में दिए गए निर्देश भविष्य की पीढ़ियों पर भी लागू होते हैं, जब "पुत्र" शब्द याजकों को हारून के वंशज के रूप में संदर्भित करने का एक तरीका होगा (लैव्यव्यवस्था अध्याय 8–10 को छोड़कर)। यहाँ और पूरी पुस्तक में, यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अपने अनुवाद में सामान्यतः "वंशज" शब्द का उपयोग कर सकते हैं, जो मूल याजकों और उनके उत्तराधिकारियों दोनों पर लागू होगा।

इस अध्याय में अन्य संभावित अनुवाद की कठिनाइयाँ

इन महत्वपूर्ण अलंकारों के अलावा, इस अध्याय में कई अनुवाद की कठिनाइयाँ शामिल हैं, जिनमें शामिल हैं:

1. सर्वनामों का स्पष्ट संदर्भ
2. दूसरे और तीसरे व्यक्ति के संबोधन के बीच परिवर्तन करना
3. क्रिया और सम्बन्धित संज्ञा का उपयोग (संबंधित-आरोपण)
4. भविष्य काल का उपयोग एक विनती या आदेश को व्यक्त करने के लिए
5. विशिष्ट, तकनीकी और बलिदानी भाषा का उपयोग करें।

सर्वनामों का स्पष्ट संदर्भ

इस अध्याय में, लैव्यव्यवस्था के लेखक बलिदान देने वाले व्यक्ति और बलिदान करने वाले याजक दोनों के लिए तीसरे व्यक्ति सर्वनाम का उपयोग करते हैं। इस कारण यह अनुमान लगाना कि कौन सा पक्ष कौन से कार्य करता है, यह अक्सर कठिन होता है (परन्तु असंभव नहीं)। सामान्यतः, बलिदान याजक को प्रस्तुत किया जाता है, परन्तु बलिदान प्रस्तुत करने वाला व्यक्ति बलिदान के पशु को मारने, सही तरीके से

लैव्यव्यवस्था- अध्याय 2 परिचय

काटने, और याजक को बलिदान के हिस्से प्रस्तुत करने के लिए जिम्मेदार होता है, जो फिर उन्हें वेदी की आग पर व्यवस्थित करेंगे। इस नमूना का एकमात्र अपवाद भेंट के लिए एक पक्षी के निर्देश में पाया जा सकता है (1:14–17), जो यह निर्दिष्ट करता है कि याजक ही पक्षी को वेदी पर लाते हैं (1:14) इससे पहले कि, संभवतः, इसे वेदी पर जलाने के लिए भेंट के रूप में तैयार करने की प्रक्रिया पूरी की जाए। यू.एस.टी. यह संकेत करेगा कि सर्वनाम का स्पष्ट संदर्भ कौन सा पक्ष है।

दूसरे और तीसरे व्यक्ति का उल्लेख

अध्याय 1 से 7 तक परमेश्वर के लोगों को मूसा के माध्यम से सीधे संबोधित करते हुए पूरी तरह से लिखे गए हैं। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, अध्याय 1 में दो काल्पनिक परिदृश्यों का वर्णन है जब कोई व्यक्ति तीन प्रकार के होम भेंट चढ़ा सकता है। हालांकि, इस अध्याय में व्यक्ति का उल्लेख करने के लिए प्रयुक्त क्रिया का रूप दूसरे पद (1:2) में भिन्न होता है। प्रारंभ में, यहोवा "तुम में से एक पुरुष" को तीसरे व्यक्ति में संबोधित करते हैं, परन्तु फिर कथन की अनिवार्य शक्ति को इंगित करने के लिए दूसरे व्यक्ति के संबोधन ("तुम चढ़ाओगे") में बदल जाते हैं। इसके बाद आने वाली तीसरे व्यक्ति की क्रियाओं की श्रृंखला (1:3–17) उसी अनिवार्य भार को वहन करती है जैसा कि प्रारंभिक दूसरे व्यक्ति की क्रिया वहन करती है। इस प्रकार, क्योंकि इस अध्याय में सर्वनाम "उसका" और "वह" उस व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो यहोवा को भेंट लाता है, उन्हें दूसरे व्यक्ति में अनुवादित किया जा सकता है जैसा कि 1:2 में किया गया है और जैसा कि यू.एस.टी. द्वारा मॉडल किया गया है। बलिदान चढ़ाने वाले व्यक्ति का उल्लेख करने के लिए प्रयुक्त सर्वनाम निम्नानुसार बदलता है:

- तीसरे व्यक्ति: "जब आप में से कोई पुरुष, जब वे प्रस्तुत करते हैं" (1:2)
- दूसरे व्यक्ति: "आप प्रस्तुत करेंगे" (1:2)
- तीसरे व्यक्ति: "यदि उनकी भेंट" (1:3–17)

जैसा कि पहले चर्चा की गई है, यदि तीसरे पुरुष से दूसरे पुरुष में और फिर वापस बदलना तुम्हारी भाषा में स्वाभाविक न लगे, तो पूरे अध्याय में या तो केवल दूसरे पुरुष या केवल तीसरे पुरुष के रूप का प्रयोग करने पर विचार करो। यू.एस.टी. मॉडल में पूरे अध्याय के लिए दूसरे पुरुष का प्रयोग किया गया है, परन्तु टिप्पणियाँ अक्सर तीसरे पुरुष के विकल्प के साथ अनुवाद की संभावनाएँ भी प्रस्तुत करती हैं।

संबंधित संज्ञा के साथ क्रिया का उपयोग (सजातीय-अभियोग)

जोर देने के लिए, लैव्यव्यवस्था के लेखक अक्सर एक क्रिया का उपयोग संबंधित संज्ञा के साथ करते हैं। इस अध्याय में, क्रिया "प्रस्तुत करना" का संबंध उस संज्ञा से है जिसका अनुवाद "भेंट" के रूप में किया गया है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो इस संदर्भ में इन शब्दों को इसी तरह दोहराना उपयुक्त होगा।

विशिष्ट, तकनीकी बलिदान शब्दावली का प्रयोग

कृपया ऊपर "बलिदान शब्दावली" और "अनुष्ठान क्रियाएं" अनुभाग देखें। (देखें: प्रायश्चित और याजक)

लैव्यव्यवस्था- अध्याय 2 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय अनाज भेंट चढ़ाने के निर्देश देता है। 2:1 का "और" यह संकेत करता है कि लैव्यव्यवस्था 1 के नियम जारी हैं। यहोवा मूसा को बताते रहते हैं कि लोगों को बलिदान कैसे चढ़ाना चाहिए। रूपरेखा के रूप में, अध्याय की संरचना को निम्नलिखित रूप में प्रदर्शित किया जा सकता है:

1. अनाज भेंट (2:1–16)
2. कच्चे आटे की भेंट (2:1–3)
3. वे भेंटें जो तंदूर में पकाई गई हों, कड़ाही में तली गई हों, या तेल से चुपड़ी हों (2:4–10)
4. ख़मीर, मधु, और नमक के विषय में विधि (2:11–13)
5. अन्नबलि (2:14–16)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक धारणाएँ

यह अध्याय कई महत्वपूर्ण अवधारणाओं का परिचय देता है जो उचित अनुवाद के लिए प्रासंगिक हैं, जिनमें अन्नबलि शामिल है, जिसमें आटा, तेल, और धूप की भेंट शामिल हैं, स्मरणार्थ भाग की अवधारणा, और ख़मीर और ख़मीर की पहचान शामिल हैं।

अन्नबलि

अन्नबलि एक विशेष प्रकार की बलि थी जिसमें काटी गई अन्न की भेंट होती थी, सामान्यतः गेहूँ या जौ की। अन्नबलि कभी-कभी होमबलि के साथ दी जाती थी। (14:20 देखें।) यह स्पष्ट नहीं है कि अन्नबलि अपने आप प्रायश्चित प्रदान करती थी या यह केवल होमबलि के साथ प्रस्तुत किए जाने पर प्रायश्चित कर सकती थी, या फिर उन लोगों के लिए पाप बलि के स्थान पर दी जाती थी जो उस बलि के लिए आवश्यक पशुओं को वहन नहीं कर सकते थे। 5:11–13 देखें।) किसी भी स्थिति में, अन्नबलि सूखी भी चढ़ाई जा सकती थी (अर्थात जैतून के तेल के साथ न मिलाई गई, 7:10), या जैतून के तेल के साथ मिलाई हुई, या वह तंदूर में पकाई गई, या तवे या कड़ाही में तैयार की गई हो सकती थी। यदि अन्नबलि तंदूर में पकाई गई वस्तु होती, तो निर्धारित भेंट वह तेल से सने हुए अख़मीरी मैदे के फुलकों, या तेल से चुपड़ी हुई अख़मीरी रोटियों का हो। (2:4 देखें।) वैकल्पिक रूप से, अन्नबलि को आटे और जैतून के तेल को तवे पर तलकर 2:5) या कढ़ाही में गहरे तेल में तलकर (2:7) भी तैयार किया जा सकता था। इसके अतिरिक्त, ताज़े अन्न के कुचले हुए भाग जिन्हें आग से भून लिया गया हो, स्वीकार्य अन्नबलि माने जाते थे। (2:14–16. देखें।) भेंट का एक भाग चूर-चूर किया जाता और वेदी पर पूरी तरह जलाया जाता था, जिससे सुगंधित धुआँ उत्पन्न होता जो स्वर्ग में यहोवा तक उठता था। परन्तु अन्नबलि का शेष भाग याजकों और हारून के पुरुष वंशजों के भोजन के लिए होता था। (2:3, 2:10, और 7:14–18. देखें।) अधिक जानकारी के लिए पुस्तक की भूमिका देखें।

आटा

यू.एल.टी. में "आटा" और यू.एस.टी. में "गेहूँ का आटा" के रूप में अनुवादित शब्द उस कृषि उत्पाद को दर्शाता है जो गेहूँ के दानों से तैयार किया जाता है। (निर्गमन 29:2 और 2 राजा 7:16 देखें, जहाँ इसे जौ के साथ तुलना में रखा गया है।) परन्तु कुछ रब्बी स्रोतों के अनुसार, इस अध्याय में और लैव्यव्यवस्था के अन्य स्थानों में जिस वस्तु की ओर संकेत है, वह उन दानों के बड़े पिसे हुए टुकड़े हैं जो दानों को सुखाने, फटकने और कूटने के बाद चलनी में रह जाते हैं। क्योंकि आटा उस बारीक चूर्ण को दर्शाता है जो चलनी से नीचे गिर जाता है, इसलिए जो शेष रहता है उसे अधिक सही रूप में "दरदरा आटा" या "सूजी" कहा जा सकता है। (1 राजा 5:2 देखें, जहाँ दरदरा आटा या सूजी की तुलना आटे से की गई है।) फिर भी, क्योंकि यह पाक-शास्त्रीय शब्द कई संस्कृतियों में प्रचलित नहीं है, इसलिए "आटा" शब्द को ही बनाए रखा गया है। हम सुझाव देते हैं कि अपने अनुवाद में आप अपनी भाषा का वह शब्द प्रयोग करें जो उन बड़े पिसे हुए दानों के टुकड़ों का वर्णन करता है जो दानों के सूखने, फटकने और कूटने के बाद चलनी में रह जाते हैं

लैव्यव्यवस्था- अध्याय 2 परिचय

तेल

यू.एल.टी में "तेल" और यू.एस.टी. में "जैतून का तेल" के रूप में अनुवादित शब्द उस कृषि उत्पाद को सन्दर्भित करता है जिससे बड़ी मात्रा में जैतून को कुचलकर एक महीन, चिकना तेल बनाया जाता है। इस तेल का उपयोग खाना पकाने और तंदूर में पकाने के लिए किया जाता था। (देखें 2:4–7।) यह लालटेन के लिए ईंधन प्रदान करता था। (देखें निर्गमन 35:8 और निर्गमन 35:14–15।) इसका प्रतीकात्मक महत्व भी था, जैसे पवित्र वस्तुओं, पुरोहितों और राजाओं का अभिषेक और समर्पण करने का पदार्थ। (पवित्र वस्तुओं के लिए, देखें उत्पत्ति 28:18, पुरोहितों के लिए, देखें निर्गमन 29:7 और लैव्यव्यवस्था 8:12, लैव्यव्यवस्था 8:28–30, और लैव्यव्यवस्था 21:10, और राजाओं के लिए, देखें 1 शमूएल 10:1 और 1 शमूएल 16:13।) इस अध्याय में, अधिकांश अनाज भेंटों में उपस्थित होने के अलावा, जैतून का तेल अनाज भेंट के साथ प्रस्तुत किया गया था, चाहे वह किसी भी रूप में हो।

धूप

विद्वानों के स्रोत बताते हैं कि जिस पदार्थ को उसकी सुगंध के लिए अनुष्ठानिक स्थानों में जलाया जाता था, वह एक महँगा सुगंधित गोंद-राल था जो बोसवेलिया वृक्ष की तीन प्रजातियों से निकाला जाता था, जो केवल दक्षिणी अरब और सोमालिलैंड में पाई जाती हैं। (देखें यिर्मयाह 6:20।) यह पदार्थ सभी अन्नबलियों के साथ जलाया जाना आवश्यक था, चाहे उनकी तैयारी का तरीका कोई भी रहा हो। क्योंकि अन्नबलियाँ और होमबलियों दोनों ही यहोवा के लिए मनभावनी सुगंध प्रदान करती थीं, इसलिए अन्नबलियों के साथ धूप का जोड़ा जाना उन्हें पशुबलियों या होमबलियों से अलग दिखाने के लिए था। (अध्याय 1 देखें।) जहाँ जैतून का तेल अन्नबलियों पर चारों ओर डाला जाना था, वहीं धूप को उसके ऊपर रखा जाना था, प्रतीत होता है कि एक बड़े ढेले के रूप में। फिर कच्चा आटा (या किसी अन्य प्रकार की अन्नबलि) को जैतून के तेल और धूप के उस ढेले के साथ याजक के हाथ में मिलाया जाता था, जब वह एक बड़ी मुट्ठी लेता था। (2:2 देखें।) इसके बाद इन सबको वेदी पर पूरी तरह जला दिया जाता था और वे सुगंधित धुएँ में बदल जाते थे, जो जब यहोवा के पास ऊपर उठता था, तो यहोवा को प्रसन्न करता था और इस प्रकार एक स्वीकार्य बलि की पूर्णता को दर्शाता था।

स्मरण का भाग

अन्नबलि का स्मरण का भाग उस हिस्से को दर्शाता है जिसे याजक यहोवा के लिए बलि के रूप में वेदी पर पूरी तरह जलाने के लिए ठहराता था, न कि उस हिस्से को जो याजकों के खाने के लिए रह जाता था। यदि भेंट कच्चा आटा होती थी, तो याजक जैतून के तेल से मिला हुआ आटे की एक मुट्ठी और उस पर रखी गई सारी धूप उठा लेता था। यदि भेंट भट्ठी में पकाई गई, तवे पर तली गई, या गहरे तेल में तली गई होती थी, तो याजक उसका एक भाग लेता और उसे वेदी पर चूर-चूर कर देता था। जो भाग वेदी पर जलाने के लिए ठहराए जाते थे, वही स्मरण का भाग कहलाते थे। इस प्रकार वेदी पर पूरी तरह जलाए जाने के द्वारा, यह भाग पूरी भेंट का प्रतिनिधित्व करता था।

किण्व और ख़मीर

लैव्यव्यवस्था 2 में, ख़मीर शब्द आटे और अन्य सामान्य सामग्री, जैसे नमक और तेल से बने आटे के एक टुकड़े को सन्दर्भित करता है, जिसमें एक जीवित किण्व होती है जो जंगली, स्वाभाविक ख़मीर के रूप में इसका उठाने वाला जीवित घटक होता है। ख़मीर शब्द सूक्ष्मजीव किण्व को सन्दर्भित करता है जो एकल अंडाकार कोशिकाओं से बना होता है जो कलियों द्वारा पुनरुत्पादन करते हैं और चीनी को मदिरा और कार्बन डाइऑक्साइड में परिवर्तित करने में सक्षम होते हैं। प्राचीन संसार में, ख़मीर एक सामान्य घराना में आटा के गुंधे को उठाने वाला घटक था जो रोटी के पकाने में उपयोग किया जाता था। हालांकि, क्योंकि दुकानों में, व्यावसायिक ख़मीर सूखे, निष्क्रिय किण्व के रूप में होते है जो नियमित रूप से आटे के व्यक्तिगत खेप में जोड़ा जाता है और यह एक आधुनिक आविष्कार है, यू.एल.टी. ने शब्द "ख़मीर" को चुना है। यह शब्द जंगली, स्वाभाविक रूप से उत्पन्न होने वाले ख़मीर को एक छोटे, एकल खेप के आटे से बढ़ने की धीमी प्रक्रिया को दर्शाता है, जो एक ख़मीर बनाता है जिसे अन्य बड़े खेप के आटे में जोड़ा जाएगा। ख़मीर में जंगली ख़मीर बढ़ेगा और बड़े खेप के विश्राम को प्रभावित करेगा जब तक कि पूरे खेप को खमीरित नहीं माना जाता।

लैव्यव्यवस्था में, अन्नबलि, चाहे वे तंदूर में पकाई की गई हों या तली गई हों, जो "ख़मीर" का उपयोग करके बनाई गई थीं या जिनमें "ख़मीर" शामिल थी, उन्हें वेदी पर जलाने के लिए स्पष्ट रूप से निषिद्ध था, साथ ही मधु के साथ बनाई गई अन्नबलि भी। इसके बजाय, जैसा कि लैव्यव्यवस्था 2:12 में व्यक्त किया गया है, अन्नबलि जिनमें "ख़मीर" या "मधु" शामिल था, उन्हें पहले फल की भेंट के रूप में पेश किया जा सकता था जो वेदी पर नहीं जलाई जाती थीं। मिस्र में निर्गमन से पहले पहले फसह के दौरान "ख़मीर" के साथ खाने या पकाने की मनाही थी और विशेष रूप से अख़मीरी रोटी के वार्षिक उत्सव के दौरान। (देखें: फसह।) यहोवा मूसा को सूचित करते हैं कि ख़मीर को अपने आहार से बाहर रखने की प्रथा इस्राएल के लोगों के लिए एक चिन्ह और स्मरणार्थ के रूप में काम करनी चाहिए जो उन्हें परमेश्वर के उद्धार के पराक्रमी कार्यों की याद दिलाती है और उन्हें उसकी आज्ञाओं का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करती है। (देखें निर्गमन 13:5–10।) यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि ख़मीर से बने खाद्य उत्पादों को खाना हमेशा अवैध नहीं था, बल्कि यह निषेध केवल निर्गमन से संबंधित विशेष पर्वों और छुट्टियों के दौरान लागू होता था।

इस अध्याय में अनुवाद से जुड़ी समस्याएँ

सर्वनामों का वचन और पुरुष

इस्राएलियों को संबोधित करते हुए, लैव्यव्यवस्था के लेखक के बारे में यह ज्ञात है कि वे अचानक व्यक्ति, संख्या, और कभी-कभी सर्वनामों और क्रियात्मक रूपों के लिंग को बदल देते हैं जो भेंट बलिदानों के व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं। लैव्यव्यवस्था 1 में यह सुझाव दिया गया था कि कोई भी तीसरे व्यक्ति एकवचन सर्वनाम जो आराधक (और याजक को नहीं) को सन्दर्भित करता है, उसे दूसरे व्यक्ति बहुवचन सर्वनाम में बदला जा सकता है, सीधे संबोधन की प्रकृति और 1:2 में और वर्तमान अध्याय में कई बार दूसरे व्यक्ति बहुवचन सर्वनाम की उपस्थिति के आधार पर।

आराधक का उल्लेख करने वाले सर्वनाम व्यक्ति, लिंग और संख्या को अक्सर बदलते रहते हैं। पद 1–3 में आराधक को तीसरे व्यक्ति एकवचन सर्वनाम के साथ संबोधित किया गया है। यह 2:4–8 में दूसरे व्यक्ति, एकवचन सर्वनाम में बदल जाता है। आराधक को पद 8 में तीसरे व्यक्ति में संबोधित किया गया है, परन्तु पद 11 में यह बदलाव दूसरे व्यक्ति में होता है, इस बार बहुवचन में। बहुवचन सर्वनाम पद 11 और 12 में जारी रहते हैं, परन्तु लैव्यव्यवस्था के लेखक पद 13 से अध्याय के अंत तक फिर से दूसरे व्यक्ति एकवचन में बदल जाते हैं।

1. तीसरे व्यक्ति (2:1–3)

- " ... जब कोई व्यक्ति [तीसरी-व्यक्ति, स्त्रीलिंग एकवचन] चढ़ावा चढ़ाना चाहे ... " (2:1)
- " ... तो वह [तीसरे व्यक्ति, पुल्लिंग बहुवचन] चढ़ाए ... " (2:1)
- " ... तो वह [तीसरा-व्यक्ति, पुल्लिंग बहुवचन] चढ़ाए ... " (2:1)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 4 परिचय

- " ... और वे [तीसरा-व्यक्ति, पुल्लिंग बहुवचन] चढ़ाए ... " (2:1)
- " ... और वह [तीसरा-व्यक्ति, पुल्लिंग बहुवचन] लाए ... " (2:2)

1. दूसरा व्यक्ति (2:4–8)

- "जब तू [दूसरा-व्यक्ति, पुल्लिंग बहुवचन] चढ़ावा चढ़ाए ... " (2:4)
- "और यदि तेरा [दूसरा व्यक्ति, पुल्लिंग एकवचन] चढ़ावा ... " (2:5)
- "उसको टुकड़े-टुकड़े करके [दूसरे व्यक्ति, बहुवचन आदेश] ... " (2:6)
- " ... और तू उसको [दूसरे व्यक्ति, पुल्लिंग बहुवचन] पर तेल डालना ... " (2:6)
- "और यदि तेरा [दूसरा व्यक्ति, पुल्लिंग एकवचन] चढ़ावा ... " (2:7)
- "और जब वह [दूसरा व्यक्ति, पुल्लिंग बहुवचन] वेदी के समीप ले जाए ..." (2:8)

1. तीसरा व्यक्ति (2:8–10)

- "और जब वह [तीसरे व्यक्ति, पुल्लिंग बहुवचन] लाया जाए ... " (2:8)

1. द्वितीय-पुरुष (2:11–15)

- कोई अन्नबलि जिसे तुम यहोवा के [दूसरे व्यक्ति, पुल्लिंग बहुवचन] लिये चढ़ाओ ... " (2:11)
- " ... तुम [दूसरे व्यक्ति, पुल्लिंग बहुवचन] तुम कभी हवन में यहोवा के लिये ख़मीर और मधु न जलाना। ... " (2:11)
- "तुम इनको पहली उपज का चढ़ावा करके [दूसरे व्यक्ति, पुल्लिंग बहुवचन] यहोवा के लिये चढ़ाना ... " (2:12)
- " ... और अपना [दूसरे व्यक्ति, पुल्लिंग एकवचन] कोई अन्नबलि ... " (2:13)
- " ... अपने [दूसरे व्यक्ति, पुल्लिंग एकवचन] नमक सब अन्नबलियों को नमकीन बनाना ... " (2:13)
- " ... अपना [दूसरे व्यक्ति, पुल्लिंग एकवचन] ... के नमक से रहित होने न देना" (2:13)
- " ... अपने परमेश्वर के साथ बंधी हुई वाचा [द्वितीय-पुरुष, पुल्लिंग एकवचन] पके नमक से रहित होने न देना ... " (2:13)
- " ... अपने सब चढ़ावों [दूसरे व्यक्ति, पुल्लिंग एकवचन] के साथ नमक भी चढ़ाना" (2:13)
- " ... अपने सब चढ़ावों के साथ तुम [दूसरे व्यक्ति, पुल्लिंग एकवचन] नमक भी चढ़ाना ... " (2:13)
- "यदि तू यहोवा [दूसरे व्यक्ति, पुल्लिंग एकवचन] के लिये पहली उपज का अन्नबलि चढ़ाए " (2:14)
- " ... तो अपनी पहली उपज के [दूसरा व्यक्ति, पुल्लिंग एकवचन] ... भुनी हुई हरी-हरी बालें" (2:14)
- " ... अर्थात् हरी-हरी बालों को मींजकर तुम निकाल लेना [दूसरे व्यक्ति, पुल्लिंग एकवचन] तब अन्न को चढ़ाना" (2:14)
- "और उसमें तुम [दूसरे व्यक्ति, पुल्लिंग बहुवचन] और उसमें तेल डालना ... " (2:15)
- "... और उसके [दूसरा व्यक्ति, पुल्लिंग बहुवचन] ऊपर लोबान रखना ..." (2:15)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 4 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय उस कथा को फिर से प्रस्तुत करके शुरू होता है जो पहली बार पुस्तक की शुरुआत में उपयोग की गई थी ("और यहोवा ने मूसा से कहा ... ")। इस प्रकार, लैव्यव्यवस्था 4:1–5:13 को एक स्वतंत्र इकाई के रूप में लिया जाना चाहिए जो कि लैव्यव्यवस्था 1–3 के साथ लैव्यव्यवस्था 1–7 की इकाई के भीतर जुड़ी हुई है।

वर्तमान अध्याय, लैव्यव्यवस्था 4, अनजाने में किए गए पापों से उत्पन्न दोष को सम्बोधित करने वाले बलिदान की पेशकश करने के निर्देश देता है। इस बलिदान को अंग्रेजी में पापबलि कहा जाता है क्योंकि यह यहोवा को समर्पित पवित्र स्थान और पवित्र वस्तुओं को पाप से उत्पन्न अशुद्धियों से शुद्ध करने की क्षमता रखता है। अध्याय 4 की संरचना चार काल्पनिक परिदृश्यों से बनी है जिसमें किसी व्यक्ति को इस विशेष बलिदान की पेशकश करने की आवश्यकता होगी, जो इस बात के अनुसार सूचीबद्ध है कि किस व्यक्ति या दल ने पाप किया है:

1. अभिषिक्त याजक (4:3–12)
2. सारी मण्डली (4:13–21)
3. मण्डली में एक प्रधान (4:22–26)
4. मण्डली का एक साधारण व्यक्ति (4:27–35)।

संरचनात्मक रूप से, 4:1–5:13 का पूरा भाग दृश्य रूप में इस प्रकार प्रस्तुत किया जा सकता है:

पापबलि (4:1–5:13)

1. अनजाने में किए गए पापों के लिए बलिदान (4:1–35)
2. परिदृश्य #1: अभिषिक्त याजक (4:3–12)
3. परिदृश्य #2: मण्डली (4:13–21)
4. परिदृश्य #3: एक प्रधान (4:22–26)
5. परिदृश्य #4: एक व्यक्ति (4:27–35)
6. क्रमिक पापबलि
7. परिदृश्य #1: सभा में गवाही न देने के कारण दोष (5:1)
8. परिदृश्य #2: अशुद्ध पशु के साथ अनजाने में सम्पर्क के कारण दोष (5:2) या मनुष्य की अशुद्धता के साथ अनजाने में सम्पर्क के कारण दोष (5:3)
9. परिदृश्य #3: जल्दबाजी में की गई मन्नत को पूरा न करने के कारण दोष (5:4)
10. पापबलि की प्रक्रिया (5:5–13)

क्योंकि यह अध्याय उन काल्पनिक स्थितियों के लिए निर्देश प्रदान करता है जहाँ पापबलि की आवश्यकता होती है, अध्याय 4 में दिए गए निर्देश बलिदान की प्रक्रिया का विस्तृत खाका प्रस्तुत करते हैं। निर्देशित चरणों में शामिल हैं:

1. याजक को एक उत्तम पशु अर्पित करना चाहिए (4:3, 14)
2. अभिषिक्त याजक के लिए, एक युवा बछड़ा (4:3)
3. मण्डली के लिए, एक युवा बछड़ा (4:13)
4. प्रधान के लिए, एक बकरा (4:23)
5. व्यक्ति के लिए, एक बकरी (4:28) या एक मादा मेम्ना (4:32) होनी चाहिए।
6. पशु को मिलाप के तम्बू में लाना (4:4, 14, 23, 28, 32)
7. पशु पर हाथ रखना (4:4, 15, 24, 29, 33)
8. पशु का वध करना (4:4, 15, 24, 29, 33)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 4 परिचय

9. मिलाप के तम्बू में रक्त लाना (4:5, 16)
10. यहोवा के सामने पर्दे की ओर सात बार लहू छिड़कना चाहिए (4:6, 17)
11. चार सींगों में से प्रत्येक पर कुछ लहू लगाना वेदी पर आवश्यक है (4:7, 18, 25, 30, 34)
12. अभिषिक्त याजक और मण्डली के लिए, रक्त धूप की वेदी के सींगों पर लगाया जाता है (4:7, 18)
13. प्रधानों और व्यक्तियों के लिए, लहू को होमबलि की वेदी के सींगों पर लगाया जाता है (4:25, 30, 34)
14. होमबलि की वेदी के आधार पर लहू का छिड़काव करना (4:8, 18, 25, 30, 34)
15. पशु को सही ढंग से काटकर उसकी चर्बी के टुकड़े बनाना (4:9–10, 19–20, 26, 31, 35)
16. चर्बी के टुकड़ों को जलाना और सुगंधित धुआँ बनाना (4:10, 19–20, 26, 31, 35)
17. बलिदान किए गए पशु के अवशेष को शिविर के बाहर ले जाकर जलाना (4:11–12, 21)

यह ध्यान रखना चाहिए कि लैव्यव्यवस्था 4 में वर्णित प्रत्येक स्थिति के लिए इस प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को दोहराया नहीं जाता है। हालांकि, क्योंकि पहले दो परिदृश्यों में प्रत्येक चरण का पूरा विवरण शामिल है, यह मान लेना उचित है कि प्रत्येक परिदृश्य के लिए वही प्रक्रिया आवश्यक थी, भले ही बलिदान प्रक्रिया के विवरण में कोई विशेष क्रिया शामिल न हो।

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक धारणाएँ

इस अध्याय को समझने के लिए कई विशेष अवधारणाएँ महत्वपूर्ण हैं। इनमें शामिल हैं:

1. तकनीकी बलिदान शब्दावली के कई उदाहरण, विशेष रूप से पापबलि स्वयं और गलतियों या अनजाने पापों की अवधारणा
2. शब्द "दोष" का तीन बार उपयोग
3. लहू छिड़कने या लगाने की प्रतीकात्मक प्रक्रिया
4. विभिन्न वेदियों और पवित्र वस्तुओं जैसे पर्दे का स्थान और उद्देश्य
5. यहोवा के लिए बलिदान के रूप में नहीं जलाए गए बलिदान के हिस्सों को हटाने का कारण।

बलिदान से सम्बन्धित शब्दावली

सबसे पहले, इस अध्याय में कई शब्दों या वाक्यांशों का बलिदान के सन्दर्भ में विशेष अर्थ है। इनमें शामिल हैं 1) स्वयं पापबलि और 2) "अनजाने पापों" की अवधारणा।

1) पापबलि

यह अध्याय शुद्धिकरण अर्पण, जिसे "पापबलि" भी कहा जाता है, के लिए निर्देश प्रदान करता है कि इसे कैसे और कब अर्पित किया जाए। इस शब्द का सम्बन्ध "पाप" के रूप में अनुवादित शब्द से होने के कारण इसे "पाप भेंट" कहा जाता है। पापबलि का मुख्य उद्देश्य, जैसा कि नाम से पता चलता है, निवासस्थान और यहोवा को समर्पित पवित्र वस्तुओं को पाप से उत्पन्न अशुद्धता से शुद्ध या शुद्ध करना था, यहाँ तक कि अनजाने में किए गए पाप से भी (जैसा कि इस अध्याय में है)। इसके उद्देश्य के कारण, भेंट में वेदी पर लहू का अनुप्रयोग अन्य बलिदानों से भिन्न तरीके से होता है जैसा कि लैव्यव्यवस्था 1–7 में वर्णित है (जैसा कि नीचे समझाया गया है)। पापबलि न केवल उन वस्तुओं और स्थानों को शुद्ध या शुद्ध करती थी जो पाप की अशुद्धता से दूषित हो गए थे, बल्कि इसे अर्पित करने वाले व्यक्ति या समाज को प्रायश्चित और क्षमा भी प्रदान करती थी। अधिक जानकारी के लिए पुस्तक परिचय देखें।

2) भूल या अनजाने में किया गया पाप

संज्ञा जिसका अनुवाद "भूल" के रूप में किया गया है (4:2, 4:22, और 4:27 और वाक्यांश "भूल से" का उपयोग) उस क्रिया से सम्बन्धित है जिसका अनुवाद "भूल से भटकना" के रूप में किया गया है। (देखें 4:13 ।) ये शब्द उन कार्यों को सन्दर्भित करते हैं जिनके द्वारा कोई व्यक्ति अनजाने में कुछ ऐसा करता है जो यहोवा के सामने दोष उत्पन्न करता है। भले ही वे अनजाने में होते हैं, फिर भी इन कार्यों को पाप माना जाता है, और इसलिए वे निवासस्थान और पवित्र वस्तुओं को सक्रिय रूप से अपवित्र करते हैं। (देखें 4:1, 4:3, 4:22, और 4:27–28।) विशेष रूप से, ये कार्य यहोवा की आज्ञाओं का उल्लंघन हैं, चाहे वे सकारात्मक निर्देश हों या नकारात्मक निषेध। (देखें वाक्यांश "पाप करने के लिए ... यहोवा की किसी भी आज्ञा से जो नहीं की जाएगी" पर टिप्पणी 4:2, 4:13, 4:22, और 4:27 में।) इन कार्यों की अनजाने प्रकृति को 4:13 और 4:23 में दिए गए विवरणों द्वारा जोर दिया गया है। यहाँ यह जोर दिया गया है कि पापबलि की आवश्यकता होती है जब व्यक्ति या दल पापपूर्ण कार्यों के प्रति जागरूक हो जाता है। अनजाने पापों की जागरूकता "दोष" की ओर ले जाती है (नीचे देखें)। यदि आपकी भाषा में एक क्रिया और सम्बन्धित संज्ञा है जो यहाँ वर्णित अनजाने गलत कार्य या भूल को सन्दर्भित करती है, तो उन सन्दर्भों में इसका उपयोग करने पर विचार करें जहाँ ये शब्द प्रकट होते हैं।

दोष

अध्याय 4 में, लैव्यव्यवस्था के लेखक "दोषी बनना" क्रिया और सम्बन्धित भाववाचक संज्ञा "दोष" का उपयोग करते हैं। (देखें 4:3, 4:13, 4:22, और 4:27।) ये शब्द या तो गलत करने की आंतरिक भावना को सन्दर्भित करते हैं, या अपने कार्यों के लिए प्रतिपूर्ति प्रदान करने की कानूनी स्थिति को, या शायद दोनों को। यदि आपकी भाषा में इनके लिए अलग-अलग शब्द हैं, तो उन दोनों का उपयोग इन सन्दर्भों में करें जहाँ ये शब्द प्रकट होते हैं।

अनुष्ठान क्रिया

लैव्यव्यवस्था में पशु बलिदानों में वेदी पर लहू छिड़कने की प्रक्रिया अक्सर होती है। पापबलि के सम्बन्ध में व्यवस्था (जो वर्तमान अध्याय में शुरू होते है) बलिदान में आवश्यक लहू की प्रमुखता में अद्वितीय हैं। अध्याय 1 और अध्याय 3 में लहू को वेदी के किनारे पर "छिड़का" जाता है। (देखें 1:5, 1:11, 3:2, 3:8, और 3:13।) 5 और 6 में, लहू को उस पर्दा की ओर "छिड़का" जाता है जो मिलन के तम्बू के आँगन को पवित्र स्थान से विभाजित करता है। (देखें 4:6, 4:17, 5:9, और 6:24।) वहाँ इसे या तो धूप वेदी या होमबलि की वेदी के सींगों पर "रखा" जाता है या होमबलि की वेदी के आधार पर "उंडेला" जाता है। (देखें 4:7, 4:18, 4:25, 4:30, और 4:34।) पक्षियों के मामले में, लहू को वेदी के किनारे या वेदी के आधार पर "निकाला" या "निचोड़ा" जाता है। (देखें 1:15 और 5:9।) पिछले अध्यायों में समझाया गया है कि लहू, जो पशु का जीवन है (17:11), परमेश्वर द्वारा पाप की उपस्थिति से उत्पन्न अशुद्धता को शुद्ध करने, साफ करने और हटाने के लिए दिया गया था, यहाँ तक कि अनजाने पाप भी। इस अध्याय में, लहू एक अनुष्ठान पदार्थ या साबुन के रूप में कार्य करता है जिसमें पवित्र वस्तुओं और पवित्र स्थानों को पाप की अशुद्धता से साफ करने की विशेष क्षमता होती है।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 4 परिचय

चर्बी और अंतड़ियाँ

प्राचीन समय में, पशु की चर्बी को खाने के लिए पशु का सबसे अच्छा हिस्सा माना जाता था। इसलिए, बलिदान किए गए पशु की कुछ चर्बी के हिस्से विशेष रूप से यहोवा के लिए होते थे। इन्हें कभी नहीं खाना चाहिए था बल्कि आग पर चढ़ाकर सुगंधित धुएँ में परिवर्तित किया जाता था जो स्वर्ग में यहोवा तक पहुँचता था। जैसा कि 4:10, 4:31, और 4:35 स्पष्ट करते हैं, पापबलि में जलाने के लिए हटाए जाने वाले चर्बी के हिस्से और अंतड़ियाँ वही होते हैं जो मेलबलि में चढ़ाए जाते हैं। (अधिक जानकारी के लिए 3:3–4, 3:9–10, और 3:14–15 और अध्याय 3 की प्रस्तावना देखें।) इन चर्बी के हिस्सों को बलिदान चढ़ाने वाले व्यक्ति द्वारा सावधानीपूर्वक हटाया जाना चाहिए और वेदी पर जलाने के लिए याजक को प्रस्तुत किया जाना चाहिए। हो सकता है कि आपकी भाषा में इन चर्बी के हिस्सों के लिए विशिष्ट शब्द न हों। यदि ऐसा है, तो उपयुक्त अभिव्यक्तियों का उपयोग करने पर विचार करें। इन वाक्यांशों और शब्दों के लिए सम्भावित वैकल्पिक अनुवाद टिप्पणियों में प्रस्तुत किए जाएँगे।

"शुद्ध स्थान" (4:12)

अध्याय 4 में यहोवा लोगों को निर्देश देते हैं कि बलिदान के पशु के वे हिस्से जो वेदी पर पूरी तरह से नहीं जलाए जाते, उन्हें पापबलि के लिए लोगों के शिविर के बाहर एक शुद्ध स्थान पर ले जाना चाहिए (4:12 और 4:21)। विशेषण "शुद्ध" का अनुवाद एक ऐसे स्थान के रूप में नहीं किया जाता है जो शारीरिक रूप से गन्दगी से मुक्त हो (जैसे कोई ताजा धुली हुई थाली)। बल्कि बलिदानों के सन्दर्भ में, "शुद्ध" शब्द का अर्थ है एक व्यक्ति, पशु, या वस्तु जो पाप की अपवित्र उपस्थिति से शुद्ध रखी गई है और पवित्र उद्देश्यों के लिए उपयोग करने या पवित्र स्थान में प्रवेश करने के लिए उपयुक्त है। उन पशु के हिस्सों को, जो पापों की अशुद्धि से किसी व्यक्ति, स्थान, या वस्तु को शुद्ध करने के लिए बलिदानों में उपयोग किए गए थे, सम्भवतः अपवित्र पाप को अवशोषित करने के लिए माना गया होगा। इस प्रकार, इन हिस्सों के सम्पर्क में आने से, एक बार जब उन्होंने पाप के कारण हुई अशुद्धि को अवशोषित कर लिया, तो यह माना जा सकता था कि यह व्यक्ति को अशुद्ध या धार्मिक रूप से अशुद्ध बना सकता है। परिणामस्वरूप, बलिदान के पशु के अवशेष को जलाने का स्थान इस तरह से धार्मिक रूप से शुद्ध होना चाहिए ताकि बलिदान के पशु के शव की सम्भावित अपवित्र उपस्थिति को सही तरीके से निपटाया जा सके और ताकि शिविर स्वयं 'अशुद्ध' स्थान के निकट होने के कारण धार्मिक रूप से अशुद्ध न हो जाए।

विभिन्न वेदियाँ और पवित्र पर्दा

वर्तमान अध्याय पापबलि से सम्बन्धित पवित्र वस्तुओं और स्थानों का वर्णन करता है। इन वस्तुओं और स्थानों की भौगोलिक स्थिति और उद्देश्य को सही ढंग से समझना इस अध्याय को सही ढंग से समझने के लिए महत्वपूर्ण है। सबसे पहले, अध्याय सभा के तम्बू के प्रवेश द्वार का उल्लेख करता है, जहाँ बलिदान के लिए पशु प्रस्तुत किया जाता था, उस पर हाथ रखे जाते थे, और पशु को मारा जाता था। (देखें 4:3–4, 4:14–15, और 4:24–33।) पशु का लहू फिर सभा के तम्बू में लाया जाता था, उस आँगन में जो तम्बू की बाहरी दीवारों के अन्दर स्थित था। (देखें 4:5, 4:16, 4:25, 4:30, और 4:34।) आँगन के अन्दर, याजक उस पर्दे की ओर बढ़ता था जो आंतरिक आँगन को पवित्र से अलग करता था, जिसके अन्दर यहोवा वाचा के सन्दूक पर करूबों के पंखों के ऊपर निवास करते थे। याजक अपनी उंगली लहू में डुबोता था और उस पवित्र पर्दे की दिशा में, जो यहोवा के निवास स्थान की दिशा में भी था, लहू को सात बार "छिड़कता" था। (देखें 4:6, 4:17, और 4:25।) दो मामलों में (जब अभिषिक्त याजक या पूरा समाज अनजाने में पाप करता है), याजक लहू को धूपदानी के चार सींगों पर लगाएंगे और पर्दे की ओर सात बार छिड़केंगे, इससे पहले कि वे लहू के शेष को होमबलि की वेदी के आधार पर उंडेलें। (देखें 4:5, 4:16, 4:25, 4:30, और 4:34 ।) समाज के प्रधान और एक साधारण व्यक्ति के अनजाने पाप के मामले में, याजक अपनी उंगली को पशु के लहू में डुबोएंगे और इसे होमबलि की वेदी के चार सींगों पर लगाएंगे, इससे पहले कि वे उसी वेदी के आधार पर लहू के शेष को उंडेलें, जैसे अन्य मामलों में। (देखें 4:25, 4:30, और 4:34।) इस भिन्नता के लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। होम बलि की वेदी को "मिलाप के तम्बू के प्रवेश द्वार पर" के रूप में वर्णित किया गया है, (देखें1:5, 4:7, और 4:18) जबकि धूपदानी को केवल अस्पष्ट रूप से "मिलाप के तम्बू में यहोवा के सामने" स्थित बताया गया है। (देखें 4:7।) इस प्रकार, धूपदानी का सटीक स्थान विवादित है। यह मिलाप के तम्बू का भूगोल है जैसा कि लैव्यव्यवस्था 4 के लिए प्रासंगिक है।

बलिदान के उन हिस्सों का प्रबंधन करना जो नहीं जलाए जाते

जैसा कि ऊपर संक्षेप में उल्लेख किया गया है, अध्याय 4 में, यहोवा लोगों को निर्देश देते हैं कि बलिदान के पशु के वे हिस्से जो वेदी पर पूरी तरह से नहीं जलाए जाते हैं, उन्हें पापबलि के लिए लोगों के शिविर के बाहर एक "शुद्ध स्थान" पर ले जाया जाना चाहिए (4:12 और 4:21)। बलिदान के इन हिस्सों में पशु की खाल, सिर, पैर, अंतड़ियाँ (सम्भवतः विशेष रूप से आंतों और पेट का उल्लेख करते हुए), और कोई भी गोबर शामिल था। (देखें 4:11–12 और 4:20 भी।) क्योंकि पशु के ये हिस्से न तो यहोवा के लिए बलिदान के रूप में वेदी पर जलाने के लिए उपयुक्त थे और न ही खाने के लिए उपयुक्त थे, उन्हें सही तरीके से निपटाना आवश्यक था। हालांकि, यदि प्राचीन इस्राएल अपने पड़ोसी लोगों से सहमत होते, तो लोग सोच सकते थे कि बलिदान का पशु, पाप की अपवित्र उपस्थिति के कारण उत्पन्न अशुद्धियों को अवशोषित कर रहा है। इस प्रकार, इन हिस्सों के सम्पर्क में आने से, एक बार जब उन्होंने पाप के कारण उत्पन्न अशुद्धि को अवशोषित कर लिया, तो यह माना जा सकता था कि यह व्यक्ति को अशुद्ध या धार्मिक रूप से अशुद्ध बना सकता है। परिणामस्वरूप, बलिदान के पशु के अवशेष को जलाने का स्थान धार्मिक रूप से शुद्ध होना चाहिए ताकि बलिदान के पशु के शव की सम्भावित अपवित्र उपस्थिति को सही तरीके से निपटाया जा सके और ताकि शिविर स्वयं 'अशुद्ध' स्थान के निकट होने के कारण धार्मिक रूप से अशुद्ध न हो जाए। हालांकि, यह कार्य बलिदान करने वाले याजक द्वारा नहीं किया जा सकता था, क्योंकि इस तरह से पशु का निपटान करने से याजक अशुद्ध हो सकता था, जिससे अस्थायी रूप से उनकी यहोवा के तम्बू में याजक के रूप में सेवा करने की क्षमता बाधित हो सकती थी। बल्कि, पशु का सही तरीके से निपटान और जलाने का कार्य किसी अन्य, अनिर्दिष्ट इस्राएली द्वारा किया जाना चाहिए था।

इस अध्याय में महत्वपूर्ण अलंकारिक भाषा

इस अध्याय में तीन मुख्य अलंकार शामिल हैं जिनका अनुवाद करना कठिन हो सकता है, लेकिन अध्याय को समझने के लिए ये महत्वपूर्ण हैं। इनमें शामिल हैं 1) वाक्यांश "मिलापवाले तम्बू में है यहोवा के सामने," 2) अभिव्यक्ति "पापों के लिए ... यहोवा की किसी भी आज्ञा का उल्लंघन," और 3) वाक्यांश "हारून के पुत्र।"

"... के सामने"

जैसे "यहोवा के सामने" की अभिव्यक्ति है, वैसे ही "मिलाप के तम्बू के सामने" की अभिव्यक्ति का अर्थ केवल "मिलाप के तम्बू के सामने" होता है। (4:14) अर्थात्, यह आंतरिक तम्बू के ठीक सामने, उसके आँगन में स्थित स्थान को सन्दर्भित करता है। इसी प्रकार, समान अभिव्यक्ति "पर्दे

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 4 परिचय

के सामने" का अर्थ केवल "पवित्र पर्दे के सामने" या शायद "पर्दे की दिशा में" होता है। (देखें 4:06 और 4:17।) यदि आपकी भाषा में एक समान मुहावरेदार अभिव्यक्ति है, तो इसे जहाँ भी यह वाक्यांश आता है, वहाँ उपयोग करने पर विचार करें। हालांकि, यदि यह अभिव्यक्ति आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं होगी, तो इस अध्याय में इस अभिव्यक्ति का अनुवाद केवल "मिलाप के तम्बू के सामने" या "मिलाप के तम्बू के सामने" के रूप में पहले मामले में और "पर्दे के सामने" या "पर्दे की ओर" के रूप में दूसरे मामले में करने पर विचार करें।

अभिव्यक्ति "पाप करना ... यहोवा की किसी भी आज्ञा का पालन न करना"

इस अध्याय में कई बार, लैव्यव्यवस्था के लेखक "यहोवा की आज्ञाएँ जो नहीं की जाएंगी" का उपयोग यहोवा की उन आज्ञाओं का उल्लेख करने के लिए करते हैं जो कुछ कार्यों को करने के खिलाफ हैं। (देखें 4:02, 4:13, 4:22, 4:27।) यह अभिव्यक्ति उन आज्ञाओं को सन्दर्भित करती है जो कुछ कार्यों या व्यवहारों को निषिद्ध करती हैं (जिन्हें "नकारात्मक आज्ञाएँ" कहा जाता है)। जैसा कि यह अभिव्यक्ति स्पष्ट करती है, उन्होंने कुछ ऐसा किया है जो यहोवा ने उन्हें न करने का निर्देश दिया था, एक ऐसा कार्य किया जो निषिद्ध था। इस प्रकार, उनके कार्यों के लिए प्रतिपूर्ति की आवश्यकता होती है और उन्होंने उस पवित्र स्थान को अपवित्र कर दिया है जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच निवास करते थे और उन पवित्र वस्तुओं को जो उनके लिए समर्पित थीं। संक्षेप में, उनके अनजाने पाप ने एक ऐसा परिदृश्य उत्पन्न किया है जिसमें एक पापबलि की आवश्यकता है।

"अलग करे" की अभिव्यक्ति

इस अध्याय में तीन बार, लैव्यव्यवस्था के लेखक ने "अलग करे" अभिव्यक्ति का उपयोग उस प्रक्रिया को सन्दर्भित करने के लिए किया है जिसमें एक पशु से चर्बी हटाई जाती है जिसे यहोवा के लिए बलिदान के रूप में मारा गया है। (देखें 4:8, 4:10, और 4:19।) यदि आपकी भाषा में ऐसा कोई मुहावरा है जो पशु को काटने और उसकी चर्बी हटाने की क्रिया को सन्दर्भित करता है, तो इसे उन स्थानों पर उपयोग करने पर विचार करें जहाँ यह अभिव्यक्ति होती है। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें, जैसा कि सम्बन्धित टिप्पणियों द्वारा प्रदान किए गए वैकल्पिक अनुवाद दिखाएँगे।

"अभिषिक्त याजक"

अध्याय 4 में तीन बार, लैव्यव्यवस्था के लेखक "अभिषिक्त याजक" का उपयोग महायाजक के लिए करते हैं। (देखें 4:3, 4:5, और 4:16 ।) यह अभिव्यक्ति संकेत करती है कि महायाजक, याजक के पद के प्रधान के रूप में, विशेष रूप से अभिषिक्त और यहोवा की सेवा के लिए समर्पित किए गए हैं और इस प्रकार उनकी स्थिति के अनुरूप विशेष विशेषाधिकार और जिम्मेदारियाँ हैं। "अभिषिक्त" शब्द का उपयोग याजकों पर जैतून का तेल टपकाने की प्रथा को सन्दर्भित करता है ताकि उन्हें यहोवा के लिए समर्पित किया जा सके। यदि यह अभिव्यक्ति आपकी भाषा में अस्पष्ट या अप्राकृतिक होगी, तो इस वाक्यांश का केवल "अभिषिक्त याजक" के रूप में अनुवाद करने पर विचार करें।

"ऊपर जलाए"

जैसा कि पिछले अध्यायों में है, "बलि की वेदी पर जलाए" की भाषा बलिदान को वेदी की आग द्वारा धुएँ में परिवर्तित होते हुए और स्वर्ग में यहोवा के पास उठते हुए चित्रित करती है, जहाँ वे जलते बलिदान की सुखद सुगन्ध को सूंघेंगे। (देखें 4:10, 4:19, 4:26, 4:31, और 4:35।) इस प्रकार, सुखद सुगन्ध या तो एक चिन्ह थी कि यहोवा ने बलिदान को स्वीकार किया और व्यक्ति के पापों के लिए प्रायश्चित करेंगे और उसे क्षमा करेंगे या यह व्यक्ति की भेंट की स्वीकृति के लिए एक आवश्यक आवश्यकता के रूप में कार्य करता था। किसी भी तरह से, यह शब्द लैव्यव्यवस्था में सामान्य है लेकिन इसे साफ-सुथरे तरीके से अनुवाद करना कठिन है। यदि आपकी भाषा में कोई ऐसा क्रिया है जिसका अर्थ है "आग के माध्यम से किसी चीज को धुएँ में बदलना," तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें।

इस अध्याय में अन्य सम्भावित अनुवाद की कठिनाइयाँ

इन महत्वपूर्ण अलंकारों के अलावा, इस अध्याय में कई अनुवाद की कठिनाइयाँ भी शामिल हैं, जिनमें शामिल हैं:

1. पुल्लिंग सर्वनामों का सन्दर्भ स्पष्ट नहीं है।
2. दूसरे और तीसरे व्यक्ति के सम्बोधन के बीच परिवर्तन करना
3. क्रिया और सम्बन्धित संज्ञा का उपयोग (समानार्थी-प्रयोग)
4. भविष्य काल का उपयोग एक विनती या आदेश को व्यक्त करने के लिए
5. विशिष्ट, तकनीकी बलिदान की भाषा का उपयोग।

पुल्लिंग सर्वनामों का उल्लेख

इस अध्याय में, लैव्यव्यवस्था के लेखक बलिदान देने वाले व्यक्ति और बलिदान करने वाले याजक दोनों के लिए तीसरे व्यक्ति के सर्वनाम का उपयोग करते हैं। इस प्रकार, यह अक्सर कठिन (लेकिन असंभव नहीं) होता है यह अनुमान लगाना कि कौन सा पक्ष कौन से कार्य करता है। सामान्यतः, बलिदान याजक को प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन जो व्यक्ति बलिदान प्रस्तुत करता है, वह बलिदान के पशु को मारने, सही तरीके से काटने और याजक को बलिदान के हिस्से प्रस्तुत करने के लिए जिम्मेदार होते हैं, जो फिर उन्हें वेदी की आग पर व्यवस्थित करेंगे। अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन यह संकेत देगा कि सर्वनाम का स्पष्ट सन्दर्भ कौन सा पक्ष है।

दूसरे और तीसरे व्यक्ति का उल्लेख

पूरे अध्याय 1 से 7 तक परमेश्वर के लोगों को मूसा के माध्यम से सीधे सम्बोधित किया गया है। क्योंकि इस अध्याय में सर्वनाम "उसका" और "वह" यहोवा को भेंट लाने वाले व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं, इन शब्दों का अनुवाद दूसरे व्यक्ति में किया जा सकता है जैसा कि 1:2 में है और जैसा कि अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन मॉडल करता है, या उनका अनुवाद तीसरे व्यक्ति में किया जा सकता है, जैसा कि अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन मॉडल करता है। वर्तमान अध्याय में, लैव्यव्यवस्था के लेखक ने लगातार तीसरे व्यक्ति के रूपों का उपयोग किया है ताकि उन व्यक्तियों का उल्लेख किया जा सके जो वर्णित बलिदान चढ़ाते हैं। इसके बावजूद, हम अनुशंसा करते हैं कि आप पिछले दो अध्यायों में जिन रूपों और सर्वनामों का उपयोग कर रहे हैं, उनका उपयोग जारी रखें, भले ही इसका अर्थ दूसरे व्यक्ति के रूपों का उपयोग जारी रखना हो।

सम्बन्धित संज्ञा के साथ क्रिया का उपयोग (सजातीय-आरोपण)

जोर देने के लिए, लैव्यव्यवस्था के लेखक अक्सर एक क्रिया का उपयोग सम्बन्धित संज्ञा के साथ करते हैं। इस अध्याय में, "प्रस्तुत करना" क्रिया का उपयोग सम्बन्धित संज्ञा के साथ किया गया है जिसका अनुवाद "भेंट" के रूप में किया जाता है, निर्दोष के रूप में "पाप" क्रिया का उपयोग सम्बन्धित संज्ञा के साथ किया गया है जिसका अनुवाद "पाप" के रूप में किया जाता है। (देखें 3:1, 4:3, 4:14, 4:23, 4:28, और 4:35।) यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो इस सन्दर्भ में इन शब्दों को इसी प्रकार दोहराना उपयुक्त होगा।

विनती या आदेश को व्यक्त करने के लिए भविष्य काल का उपयोग

लैव्यव्यवस्था के लेखक अक्सर निर्देश या आदेश देने के लिए भविष्यकालीन रूप "आप करेंगे" का उपयोग करते हैं। यदि आपकी

भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इन शब्दों का अनुवाद आदेश या निर्देश के रूप में कर सकते हैं।

विशिष्ट, तकनीकी बलिदान शब्दावली का प्रयोग

कृपया ऊपर "बलिदान शब्दावली" और "अनुष्ठान क्रिया" के अनुभाग देखें।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 5 परिचय

संरचना और स्वरूपण

जैसा कि लैव्यव्यवस्था 4 अध्याय के परिचय में चर्चा की गई है, 4:1 और 5:14 में वर्णनात्मक ढाँचे के कारण, लैव्यव्यवस्था 4:1–5:12 को एक अलग इकाई के रूप में लिया जाना चाहिए, जो फिर भी लैव्यव्यवस्था 1–7 की इकाई के अंदर लैव्यव्यवस्था 1–3 से जुड़ी हुई है।

अध्याय 5 के पहले पद में "और" शब्द यह संकेत करता है कि आगे की सामग्री को अध्याय 4 से निरंतरता में पढ़ा जाना चाहिए। यह कहा गया है कि वाक्यांश "यदि कोई साक्षी होकर ऐसा पाप करे" (5:1) का उपयोग नए काल्पनिक परिदृश्यों की एक श्रृंखला शुरू करने के लिए किया जाता है (जैसे 2:1 में) जिसमें एक व्यक्ति दोषी हो जाता है और उसे अपने पाप का प्रायश्चित करने के लिए एक बलिदान की आवश्यकता होती है। 5:1–13 में, व्यक्ति के दोष के लिए उसे शुद्धिकरण बलि चढ़ाने की आवश्यकता होती है, जैसा कि अध्याय 4 में था।

हालाँकि, कथात्मक सरंचना को फिर से पेश करने के कारण, जहाँ यहोवा मूसा से बात करते हैं (देखें 5:14), 5:14–19 में शामिल परिदृश्य और 6:1–7 में जारी रहने वाले दृश्य में ऐसे मामले शामिल हैं, जहाँ व्यक्ति के दोष के लिए उसे दोषबलि चढ़ाने की आवश्यकता होती है। जबकि पिछले अध्याय की प्रस्तावना में शुद्धिकरण बलि का वर्णन किया गया था, दोषबलि का वर्णन नीचे किया गया है। इस अध्याय की मूल संरचना इस प्रकार है:

1. पापबलि (4:1–5:13)
2. परिदृश्य #1: न्यायालय में गवाही देने में असफल होने के कारण दोष (5:1)
3. परिदृश्य #2: अशुद्ध पशु को अनजाने में छूने से उत्पन्न दोष (5:2) या मनुष्य की अशुद्धता के साथ अनजाने में संपर्क के कारण दोष (5:3)
4. परिदृश्य #3: उतावलेपन में खाई गई शपथ को पूरा न करने के कारण दोष (5:4)
5. शुद्धिकरण बलि के लिए प्रक्रिया (5:5–13)
6. दोषबलि (5:14–6:7)
7. परिदृश्य #1: एक व्यक्ति पवित्र वस्तुओं के संबंध में यहोवा की आज्ञाओं का उल्लंघन करता है
8. परिदृश्य #2: एक व्यक्ति अनजाने में यहोवा की किसी आज्ञा का उल्लंघन करता है (5:17–19)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक धारणाएँ

इस अध्याय को समझने के लिए कई विशेष अवधारणाएँ महत्वपूर्ण हैं। इनमें शामिल हैं 1) बलिदान संबंधी तकनीकी शब्दावली के कई उदाहरण, विशेष रूप से "अशुद्ध" की अवधारणा, "दोष" का दोहरा उपयोग, स्वयं दोषबलि और प्रायश्चित की अवधारणा, 2) गरीबों के लिए सुलभ बलिदानों की विशेष व्यवस्था, और 3) प्रतीकात्मक क्रिया के उदाहरण, विशेष रूप से लहू का छिड़काव और अनुप्रयोग।

बलिदान सम्बन्धी शब्दावली

सबसे पहले, इस अध्याय में कई शब्दों या वाक्यांशों का बलिदान के संदर्भ में विशेष अर्थ है। इनमें शामिल हैं 1) "अशुद्ध" की अवधारणा (जो "शुद्ध" के विपरीत है, जैसा कि पिछले अध्याय की प्रस्तावना में समझाया गया है), 2) "दोष" शब्द का दोहरा उपयोग, और 3) स्वयं दोषबलि, जिसके बारे में निर्देश, इस अध्याय के दूसरे भाग में दिए गए हैं।

**1) अशुद्ध

इस अध्याय में वर्णित दूसरा परिदृश्य, जिसके द्वारा कोई व्यक्ति दोषी ठहराया जाता है और इसलिए उसे शुद्धिकरण भेंट चढ़ानी आवश्यक होती है (देखें 5:2–3), उस स्थिति से सम्बंधित है जिसमें कोई व्यक्ति किसी अशुद्ध वस्तु को छू लेता है (चाहे जानबूझकर या अनजाने में)। किसी वस्तु या शरीर के अशुद्ध होने का मतलब है कि वह पवित्र स्थान में प्रवेश करने या किसी पवित्र वस्तु को छूने के लिए अयोग्य है। प्राचीन इस्राएल में, इस अशुद्धता को यहोवा के निवास स्थान को दूषित करने वाला माना जाता था और यह उन पवित्र वस्तुओं को अपवित्र कर सकती थी जो उनके लिए समर्पित थीं। परिणामस्वरूप, किसी भी अशुद्ध या अपवित्र वस्तु को पवित्र स्थान में प्रवेश करने या किसी शुद्ध वस्तु को छूने की अनुमति नहीं थी। इसके अलावा, किसी भी अशुद्ध या अपवित्र वस्तु के संपर्क में आने से व्यक्ति स्वयं अशुद्ध हो जाता था। (देखें 11:24–25 भी।) लैव्यव्यवस्था 5:2–3 में, अशुद्ध शरीर जो संपर्क में आने पर व्यक्ति को अशुद्ध कर देंगे, उनमें शामिल हैं; जंगली पशु या घरेलु पशु का अशुद्ध शव (5:2), अशुद्ध "रेंगने" या "घूमने" वाले पशु का शव (5:2), या "मनुष्य की अशुद्धता" (5:3), अर्थात्, मानव स्रोत से आने वाली अशुद्धता। अशुद्ध पशुओं की सूची 11:1–8, 11:19–23, और 11:26–31 में दी गई है। वे स्थितियाँ, जिनमें कोई व्यक्ति अन्य माध्यमों से (शायद 5:3 में उल्लेखित "मनुष्य की अशुद्धता") अशुद्ध हो सकता है, 11:32–38 में सूचीबद्ध हैं। अशुद्ध पशु या किसी पशु के शव (जो मृत होने के कारण अशुद्ध हो गया है) को न खाने या छूने का आदेश 11:39–47 में दोहराया गया है। अन्य तरीकें, जिनसे व्यक्ति अशुद्ध हो सकता है, उनमें बालक को जन्म देना (देखें 12:1–8: यदि महिला लड़के को जन्म देती है तो वह सात दिनों के लिए और यदि वह लड़की को जन्म देती है तो चौदह दिनों के लिए अशुद्ध होती है), त्वचा के कुछ संक्रमण होना (देखें 13:1–3, 13: 7–8, 13:9–17, 13:18–23, और 13:24–46), शव को छूना (देखें 22:4), शरीर से स्राव या उत्सर्जन होना (15:1–3) जिसमें वीर्य स्राव (15:16–18) और मासिक धर्म (15:19–27) शामिल हैं, और अशुद्ध फर्नीचर और बिस्तरों के संपर्क में आना शामिल है (देखें 15:4–12)। त्वचा रोग के निशान वाले वस्त्र (देखें 13:47–59) या दीवारों में फफूंदी के निशान वाले घर (देखें 14:33–53) भी अशुद्ध हैं। पवित्र स्थान में अशुद्ध होने के खतरे को 15:31–33 में दोहराया गया है, जिसमें यहोवा चेतावनी देते हैं कि उन्हें शुद्ध रहने का ध्यान रखना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि वे अपनी अशुद्धता से निवासस्थान को दूषित कर दें और मर जाएँ। इस प्रकार शुद्ध और अशुद्ध पशुओं के बीच अंतर करके, यहोवा लोगों से वादा करते हैं कि वे लोग परमेश्वर के पवित्र लोग बने रहेंगे; जो उनके लिए समर्पित और अलग किए गए हैं। (देखें 20:22–26।)

**2) "दोष" शब्द का दोहरा प्रयोग

इस अध्याय में, "दोष" के रूप में अनुवादित शब्द का प्रयोग दो अलग-अलग अर्थों में किया गया है। एक अर्थ में, यह किसी गलत कार्य को करने की आंतरिक अनुभूति और उस गलत कार्य के लिए प्रायश्चित करने की कानूनी स्थिति, दोनों को संदर्भित करता है, जैसा कि पिछले अध्याय की प्रस्तावना में वर्णित किया गया है। इस अर्थ में क्रिया "दोषी होना" और भाववाचक संज्ञा "दोष", दोनों का उपयोग होता है। दूसरे अर्थ में, "दोष" भाववाचक संज्ञा का उपयोग उस भुगतान या क्षतिपूर्ति

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 5 परिचय

को संदर्भित करने के लिए किया जाता है जो कोई व्यक्ति अपने पापों के प्रायश्चित के लिए तब प्रदान करता है, जब उसे एहसास होता है कि उसने गलत कार्य किया है। इसके उदाहरण 5:6–7, 5:15, और 5:25 में मिलते हैं, जिसमें एक व्यक्ति या समुदाय को यह निर्देश दिया जाता है कि वे यहोवा के पास "अपना दोष लाएं" (अर्थात्, उस मिलापवाले तंबू में, जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच रहते थे)। इस अभिव्यक्ति का अर्थ यह नहीं है कि वे अपनी दोष की भावनाओं को यहोवा के पास लाएँ, बल्कि अपने दोष के लिए दंड लाएँ, अर्थात्, बलिदान के लिए आवश्यक पशु जो उनके पाप के लिए प्रायश्चित हो। इस दूसरे अर्थ का पूरा उपयोग 5:6 में एक बार किया गया है ("और वह अपने पाप के लिए यहोवा के पास अपना दोषबलि लाए") और दो बार संक्षिप्त रूप में। (देखें 5:7, "तब वह अपने पाप के कारण दोषबलि लाए।" देखें 5:11, "तब वह अपने पाप के कारण अपना चढ़ाव लाए।")

**3) दोषबलि

पापबलि से निकटता से जुड़ी हुई है, जिसमें एक व्यक्ति अनजाने में किए गए पाप से उत्पन्न अशुद्धता से पवित्र स्थान को शुद्ध करने के लिए बलिदान देता है। दोषबलि एक विशेष बलिदान है, जो उन पवित्र वस्तुओं को पुनर्स्थापित करने और क्षतिपूर्ति के लिए बनाया गया है, जो किसी व्यक्ति के पाप की अशुद्ध उपस्थिति के कारण अपवित्र हो गई थीं। एक संभावित स्थिति में, एक व्यक्ति किसी पवित्र वस्तु के संबंध में अनजाने में पाप करके अपराध करता है, यानी वह यहोवा की आज्ञाओं में से एक को तोड़ता है, जिसे यहोवा की सेवा में विशेष उपयोग के लिए समर्पित किया गया है (देखें 5:15–16)। इस अध्याय में वर्णित दूसरा परिदृश्य उन सभी तरीकों से संबंधित है, जिसमें कोई व्यक्ति अनजाने में पाप करता है (और, संभवतः, एक पवित्र वस्तु को अपवित्र करता है, देखें 5:17–19)। इन स्थितियों में व्यक्ति को अपने दोष के लिए पशु बलिदान (विशेष रूप से, एक बकरा) के रूप में प्रायश्चित करना आवश्यक था। उसे उस वस्तु के लिए क्षतिपूर्ति करनी होती थी जिसे उसके पाप ने अपवित्र किया था, और यह प्रायश्चित चांदी की सावधानीपूर्वक गणना की गई एक निश्चित मात्रा के रूप में किया जाएगा, जिसे तंबू के वित्त का प्रबंधन करने वाले याजकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले चांदी के माप के अनुसार तौला गया था। इस प्रकार, बलिदान ने व्यक्ति को उनके पापों के लिए प्रायश्चित करके और उनके दोष को क्षमा करके यहोवा के साथ सही संबंध में बहाल किया, और इसने तंबू में पवित्र वस्तुओं को पुनःपवित्र, पुनर्स्थापित या प्रतिस्थापित करने के साधन भी प्रदान किए।

गरीबों के लिए बलिदान

यह अध्याय बताता है कि यहोवा ने उन व्यक्तियों के लिए विशेष प्रावधान किए हैं जो महँगे शुद्धिकरण बलिदान नहीं दे सकते थे (देखें 5:7–13)। लैव्यव्यवस्था के लेखक ने "यदि उसे भेड़ या बकरी देने की सामर्थ्य न हो"(5:7) (अंग्रेजी भाषांतर में "यदि उसका हाथ झुण्ड के पर्याप्त पशुओं को न छूए") का उपयोग उस व्यक्ति का वर्णन करने के लिए किया है जो अपने स्वयं के मवेशी या भेड़-बकरियों के पशु देने या अन्य खरीदने में सक्षम नहीं है (जैसा कि अध्याय 4 में बताया गया है)। इसी प्रकार, लैव्यव्यवस्था के लेखक ने इसी तरह की अभिव्यक्ति (यदि वह दो पिण्डुक या कबूतरी के दो बच्चे भी न दे सके (5:11) (अंग्रेजी भाषांतर में "यदि उसके पास झुण्ड के पर्याप्त पशु उपलब्ध न हों") का उपयोग उस व्यक्ति का वर्णन करने के लिए किया है जो महंगे पालतू पशुओं की जगह पर चार पक्षियों को भी खरीदने में सक्षम नहीं है। यहोवा ऐसे व्यक्तियों को जो अध्याय 4 में बताए गए मवेशी या भेड़-बकरियों के पशु नहीं दे सकते, उन्हें दो पिण्डुक और दो कबूतर देने की अनुमति देते हैं, जिसमें दो पक्षियों को शुद्धिकरण बलि के लिए और अन्य दो को होमबलि के लिए लाना होता है (देखें 5:7–10)। हालांकि, यदि व्यक्ति चार पक्षियों को खरीदने में सक्षम नहीं है, तो उन्हें पशु बलिदान के बदले में एक निश्चित मात्रा में कच्चा गेंहूँ का आटा लाने की अनुमति है (देखें 5:11–13)। ये प्रावधान परमेश्वर के अनुग्रह को दर्शाते हैं, जो बलिदानों के माध्यम से प्रदान किए गए क्षमा और परमेश्वर के साथ संबंध की पुनःस्थापना को सभी के लिए उपलब्ध कराते हैं, उन लोगों को बाहर किए बिना, जिनके पास महंगे बलिदान देने के साधन नहीं हैं।

धन से एक पवित्र वस्तु की लागत को पुनः स्थापित करना

क्योंकि दोषबलि को पवित्र स्थान और पवित्र वस्तुओं को पुनः पवित्र और पुनःस्थापित करने के लिए बनाया गया था, जो विशेष रूप से यहोवा को समर्पित थे, दोषबलि में न केवल एक पशु बलिदान की आवश्यकता होती थी बल्कि उस पवित्र वस्तु के मौद्रिक मूल्य की भी पुनःस्थापना की आवश्यकता होती थी जो व्यक्ति के पाप के कारण अपवित्र और अशुद्ध हो गई थी, चाहे वह जानबूझकर हो या अनजाने में। इस मौद्रिक मूल्य की गणना दो तरीकों से की जाती थी। पहले, पशु बलिदान का मूल्य (आमतौर पर एक बकरा, देखें 5:15 और 5:18) निवासस्थान के वित्त का संचालन करने वाले याजकों द्वारा उपयोग किए गए चाँदी के माप के अनुसार गणना किया जाता था। यह वाक्यांश "आपके मूल्यांकन में, पवित्रस्थान के शेकेल के अनुसार उतने ही शेकेल चाँदी" (5:15, देखें वाक्यांश "आपके मूल्यांकन में" 5:18 में) द्वारा व्यक्त किया गया है। दूसरा, व्यक्ति को उस पवित्र वस्तु के मौद्रिक मूल्य की गणना करने की आवश्यकता होती थी जिसे उनके पाप द्वारा अपवित्र या अशुद्ध किया गया था और उस राशि के साथ-साथ उस मूल्य का पाँचवाँ हिस्सा जोड़कर, याजकों के पास चाँदी के रूप में लाना होता था, जिसे (संभवतः) निवासस्थान के वित्त का संचालन करने वाले याजकों द्वारा उपयोग किए गए चाँदी के माप के अनुसार गणना की जाती थी। (देखें 5:16।) इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप जो कुछ भी अपवित्र किया गया था उसके मौद्रिक मूल्य का 120% और दोषबलि के रूप में बलिदान किए गए बकरे के मौद्रिक मूल्य की क्षतिपूर्ति की जाती है। इस प्रकार, व्यक्ति अपने पाप द्वारा अपवित्र की गई वस्तु के प्रतिस्थापन की व्यवस्था करता है।

आनुष्ठानिक कार्य

यह अध्याय, लैव्यव्यवस्था 1 की तरह ही, वेदी पर पशु के लहू को छिड़कने या डालने की अनुष्ठानिक क्रिया को शामिल करता है। न तो शुद्धिकरण बलि के संबंध में नियम (जो पिछले अध्याय से वर्तमान अध्याय में जारी है) और न ही दोषबलि के संबंध में नियम (5:14–19) लहू के उल्लेख के अभाव में अद्वितीय हैं। हालाँकि, इसका यह अर्थ नहीं है कि बलिदान प्रक्रिया में रक्त का कोई महत्व नहीं था। लैव्यव्यवस्था 1 और 3 में, लहू को वेदी के किनारे पर "छींटा" या "छिड़का" जाता है (देखें 1:5, 1:11, 3:2, 3:8, और 3:13), लैव्यव्यवस्था 4 स्पष्ट करता है कि शुद्धिकरण बलि के लिए आवश्यक था कि लहू को उस पर्दे की ओर "छिड़का" जाए जो मिलापवाले तंबू के आँगन को परमपवित्र स्थान से अलग करता था (देखें 4:6 और 4:17), सुगन्धित धूप वेदी के सींगों पर या होमबलि की वेदी पर "लगाए" (देखें 4:7, 4:18, 4:25, 4:30, और 4:34), या होमबलि की वेदी के आधार पर "उण्डेला" जाता था (देखें 4:7, 4:18, 4:25, 4:30, और 4:34)। पक्षियों के मामले में, लहू को या तो वेदी के किनारे पर (देखें 1:15) या वेदी के आधार पर (देखें 5:9) "गिराया" या "निचोड़ा" जाता था। यह संभवतः लैव्यव्यवस्था 5 में वर्णित पशु बलिदानों के मामले में था। जैसा कि पिछले अध्यायों में समझाया गया है, लहू, जो पशु का जीवन है (देखें 17:11), परमेश्वर द्वारा अनुष्ठानिक रूप से शुद्ध करने और पाप की उपस्थिति से उत्पन्न अशुद्धता को हटाने के लिए दिया गया था, यहाँ तक कि अनजाने पाप को भी। इस अध्याय में, लहू एक अनुष्ठानिक पदार्थ या साबुन के रूप में कार्य करता है, जिसमें पवित्र वस्तुओं और पवित्र स्थानों को पाप की अशुद्धता से शुद्ध करने की विशेष क्षमता होती है।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 6 परिचय

इस अध्याय में महत्वपूर्ण अलंकारों का वर्णन

इस अध्याय में कई अलंकार शामिल हैं जिनका अनुवाद करना कठिन हो सकता है, लेकिन अध्याय को समझने के लिए ये महत्वपूर्ण हैं।

"यदि उसका हाथ न छुए" या "यदि उसका हाथ न पहुँचे"

जैसा कि पहले चर्चा की गई थी, अंग्रेजी भाषांतर में लैव्यव्यवस्था का लेखक "यदि उसका हाथ झुण्ड के पर्याप्त पशुओं को न छूए" or "यदि उसके पास झुण्ड के पर्याप्त पशु उपलब्ध न हों" (5:7) का उपयोग उस व्यक्ति का वर्णन करने के लिए करता है जो अपने स्वयं के मवेशी या भेड़-बकरियों की भेंट देने या दूसरों से खरीदने की सामर्थ्य नहीं रखता (जैसा कि लैव्य 4 में बताया गया है)। इसी प्रकार, अंग्रेजी भाषांतर में लैव्यव्यवस्था का लेखक एक संबंधित अभिव्यक्ति का उपयोग करता है, "यदि उसका हाथ नहीं पहुँचता," (5:11) उस व्यक्ति का वर्णन करने के लिए जो महंगे पालतू जानवरों की जगह चार पक्षियों को खरीदने की भी सामर्थ्य नहीं रखता। यदि ऐसी अभिव्यक्ति आपकी भाषा में स्पष्ट नहीं होगी, तो जो भी अभिव्यक्ति आपके पाठकों के लिए सबसे स्पष्ट होगी, उसका उपयोग करें। जहाँ भी ये अभिव्यक्तियाँ प्रकट होती हैं, वहाँ वैकल्पिक अनुवाद नीचे दी गई टिप्पणियों में प्रदान किए जाएँगे।

इस अध्याय में अनुवाद संबंधी अन्य संभावित चुनौतियाँ

इन महत्वपूर्ण अलंकारों के अलावा, इस अध्याय में अनुवाद संबंधी कई कठिनाइयाँ भी शामिल हैं, जिनमें निम्नलिखित हैं:

1. पुल्लिंग सर्वनामों का अस्पष्ट संदर्भ
2. दूसरे और तीसरे पुरुष के संबोधन के बीच परिवर्तन
3. क्रिया और संबंधित संज्ञा का उपयोग (सजातीय कर्म कारक)
4. अनुरोध या आदेश दर्शाने के लिए भविष्य काल का प्रयोग
5. विशिष्ट, बलिदान सम्बन्धी तकनीकी शब्दावली का उपयोग।

पुल्लिंग सर्वनामों का सन्दर्भ

इस अध्याय में, लैव्यव्यवस्था का लेखक बलिदान देने वाले व्यक्ति और बलिदान की विधि संपन्न करने वाले "याजक" दोनों के लिए तृतीय पुरुषवाचाक सर्वनाम का उपयोग करता है। इस प्रकार, यह अनुमान लगाना अक्सर कठिन (लेकिन असंभव नहीं) होता है कि कौन सा पक्ष कौनसा कार्य करता है। सामान्य रूप से, बलिदान याजक को प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन जो व्यक्ति बलिदान प्रस्तुत करता है, वह बलिदान के पशु को मारने, सही तरीके से काटने और उसके भाग याजक को पेश करने के लिए ज़िम्मेदार होता है, फिर याजक उन्हें वेदी की आग पर व्यवस्थित करता है। यूएसटी यह संकेत करेगा कि सर्वनाम का स्पष्ट संदर्भ कौन सा पक्ष है।

द्वितीय और तृतीय पुरुष संबोधन

लैव्यव्यवस्था 1 से 7 तक सभी अध्याय मूसा के माध्यम से परमेश्वर के लोगों को सीधे संबोधित करते हुए लिखे गए हैं। क्योंकि इस अध्याय में "उसका" और "वह" शब्द उस व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो यहोवा को भेंट चढ़ाता है, इसलिए इन शब्दों का अनुवाद द्वितीय पुरुष में किया जा सकता है जैसे कि 1:2 में है और जैसा कि यूएसटी मॉडल करता है या इन्हें तृतीय पुरुष में अनुवादित किया जा सकता है, जैसा कि यूएलटी मॉडल करता है। वर्तमान अध्याय में, लैव्यव्यवस्था का लेखक बलिदान अर्पित करने वाले व्यक्ति के लिए लगातार तृतीय पुरुष का प्रयोग करता है। इसके बावजूद, हम आपको सलाह देते हैं कि आप पिछले दो अध्यायों में जिन रूपों और सर्वनामों का उपयोग कर रहे हैं, उनका उपयोग जारी रखें, भले ही इसका मतलब द्वितीय पुरुष के रूपों का उपयोग जारी रखना ही क्यों न हो।

क्रिया और संबंधित संज्ञा का उपयोग (सजातीय कर्म कारक)

जोर देने के लिए, लैव्यव्यवस्था का लेखक अक्सर संबंधित संज्ञा के साथ एक क्रिया का उपयोग करता है। इस अध्याय में, कई अभिव्यक्तियाँ इस नमूना का पालन करती हैं, जैसे "उस पाप के कारण" (देखें 5:6, 5:10, और 5:13), "यदि कोई मनुष्य किसी अशुद्ध वस्तु को ... जिससे लोग अशुद्ध हो जाते हैं " (5:3), "अपनी मुट्ठी भर स्मरण दिलानेवाला भाग " (5:12), "उस भूल का जो उसने अनजाने में की " (5:18), और "उस भूल का जो उसने अनजाने में की हो " (5:18) शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो जब भी सम्बंधित अभिव्यक्तियाँ आती हैं, तो इन अभिव्यक्तियों में शब्दों को इसी तरह दोहराना उचित होगा।

अनुरोध या आदेश दर्शाने के लिए भविष्य काल का प्रयोग

लैव्यव्यवस्था का लेखक अक्सर निर्देश या आदेश देने के लिए भविष्यकाल रूप "तुम करना" का उपयोग करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इन शब्दों का अनुवाद आदेश या निर्देश रूप में कर सकते हैं।

विशिष्ट, बलिदान संबंधी तकनीकी शब्दावली का उपयोग

कृपया ऊपर दिए गए "बलिदान संबंधी शब्दावली" और "आनुष्ठानिक कार्य" अनुभाग देखें।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 6 परिचय

संरचना और स्वरूपण

हालांकि यह अध्याय यहोवा के मूसा से बात करने के पुनरावृत्ति के साथ शुरू होता है, जो पुस्तक के कथा ढांचे को मजबूत करता है, 6:1–7 के नियम उन काल्पनिक परिदृश्यों के लिए निर्देश जारी रखते हैं जिनमें किसी को दोषबलि चढ़ाने की आवश्यकता होती है। इस प्रकार, पहले सात वचन 5:14–18 का एक निरन्तरता हैं, भेंट तीन काल्पनिक परिदृश्यों में से तीसरा है जिसमें दोषबलि की आवश्यकता होती है (पहले दो 5:14–18 में वर्णित हैं)।

हालांकि, यहोवा द्वारा मूसा से बात करने का अगला पुनरावृत्ति 6:8 में एक नया खण्ड शुरू करता है, जो याजकों को सम्बोधित करता है कि उन्हें होम बलि (6:9–13) और अन्न बलि (6:14–18) के विशेष विवरणों को कैसे सम्भालना चाहिए।

यहोवा द्वारा मूसा से बात करने का एक और उल्लेख 6:19 में शामिल है, जो यहोवा के लिए याजकों के रूप में अभिषिक्त होने के दिन के लिए निर्धारित भेंट का वर्णन करने वाला एक नया खण्ड शुरू करता है (6:19–23)।

यहोवा द्वारा मूसा से कही गई अन्तिम पुनरावृत्ति 6:24 में प्रस्तुत की गई है, जो याजकों को यह निर्देश देती है कि वे पापबलि के विशेष विवरणों को कैसे संभालें (6:24–30)। ये निर्देश फिर अध्याय 7 में जारी रहते हैं, जो इसी प्रकार याजकों को सम्बोधित किया गया है। इस रूपरेखा को बिन्दुओ में प्रस्तुत करने के लिए, अध्याय को निम्नलिखित रूप में विस्तृत किया जा सकता है:

1. दोषबलि (5:14–6:7)
2. परिदृश्य #3: एक व्यक्ति द्वारा साथी इस्राएली का "इंकार" करने के कारण दोष (6:1–7)
3. याजकों के लिए प्रशासनिक निर्देश (6:8–7:21)
4. याजकों के लिए होमबलि के निर्देश (6:8–13)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 6 परिचय

5. अन्नबलि के लिए याजकों के लिए निर्देश (6:14–18)
6. अभिषेक के दिन याजकों की अन्नबलि (6:19–23)
7. याजकों के लिए पापबलि का निर्देश (6:24–30)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक धारणाएँ

इस अध्याय में दोषबलि के लिए परिदृश्य (6:1–7)

इस अध्याय की शुरुआत में कई काल्पनिक परिदृश्यों की व्याख्या की गई है जिनमें लोग इस प्रकार कार्य कर सकते हैं कि वे दोष (और इस प्रकार "अशुद्धता") प्राप्त कर लें। निम्नलिखित में से प्रत्येक यह वर्णन करता है कि एक इस्राएली कैसे "यहोवा के खिलाफ एक अपराध कर सकते हैं" (6:2)। परिदृश्य इस प्रकार हैं:

1) एक व्यक्ति अपने "सह-नागरिक" को या तो "लौटाने" के साथ या "हाथ की प्रतिज्ञा" के साथ "अस्वीकार" करता है (6:2)। यह अभिव्यक्ति एक मुहावरे का उपयोग करती है जो उन कार्यों को सन्दर्भित करती है जिनके द्वारा कोई व्यक्ति अपने परिवार या कुल के सदस्य के साथ सामाजिक रूप से बाध्यकारी शपथ लेता है और दूसरे व्यक्ति के सम्बन्ध में कुछ कार्यों के लिए खुद को प्रतिबद्ध करता है, लेकिन बाद में शपथ की शर्तों के अनुसार व्यवहार करने में विफल रहता है। "हाथ की प्रतिज्ञा" की अभिव्यक्ति एक भौतिक वस्तु को सन्दर्भित करती है जो समाज के एक सदस्य से दूसरे को दी जाती है। यह वस्तु प्राप्त करने वाले व्यक्ति को शपथ की शर्तों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध करती है।

2) एक व्यक्ति "अपने साथी नागरिक से जबरन वसूली करता है" (6:2), सम्भवतः किसी कर्मचारी को उसकी मज़दूरी का भुगतान करने से इनकार करके, या एक दल का सदस्य जानबूझकर दूसरे से पहले से सहमत राशि रुपये-पैसे रोककर। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट नहीं है, तो अर्थ को सीधे तौर पर बताने पर विचार करें।

3) यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य इस्राएली द्वारा खोई हुई वस्तु पाता है और उसे अपने पास रखने के लिए उसे प्राप्त करने से इनकार करता है (6:3)।

4) कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के साथ कपटपूर्वक शपथ लेता है, अर्थात् शपथ के आवश्यक कार्यों को पूरा करने का इरादा नहीं रखते हैं (6:3)।

"भाई" (सह-नागरिक अंग्रेजी बाइबल में)

इस अध्याय में "सह-नागरिक" शब्द (अंग्रेजी बाइबल में) का कई बार उपयोग किया गया है, जो एक साथी इस्राएली को सन्दर्भित करता है, सम्भवतः इस्राएल के लोगों के भीतर बड़े पारिवारिक या कुल सम्पर्क के सम्बन्धों के भीतर। यह अभिव्यक्ति एकल इब्री शब्द का अनुवाद करती है और दो व्यक्तियों के बीच सम्बन्ध की निकटता पर जोर देती है जो "सह-नागरिक" हैं। जबकि प्राचीन संसार आधुनिक अर्थों में राष्ट्रीय "नागरिकता" को नहीं जानता था (जैसे "मैं संयुक्त राज्य अमेरिका का नागरिक हूँ"), यह शब्द एक व्यक्ति को लोगों के एक बड़े समूह के साथ उनके सम्बन्ध द्वारा चिह्नित करने की भावना को वहन करता है (इसलिए शब्द "नागरिक")।

दोष

इस अध्याय में, "दोष" के रूप में अनुवादित शब्द का उपयोग दो अलग-अलग अर्थों में किया गया है। एक अर्थ में, यह उस आंतरिक भावना को सन्दर्भित करता है जो गलत कार्य करने पर होती है और उस कानूनी स्थिति को भी जिसमें उस गलत कार्य के लिए प्रतिपूर्ति प्रदान करने की आवश्यकता होती है। इस अर्थ का एक उदाहरण 6:5 में पाया जाता है, जिसमें "उसके दोष के दिन" की अभिव्यक्ति उस क्षण को सन्दर्भित करती है जब कोई व्यक्ति कानूनी दोष का सामना करता है। इस अर्थ में "दोषी बनना" क्रिया और "दोष" भाववाचक संज्ञा दोनों का उपयोग होता है। दूसरा अर्थ "दोष" भाववाचक संज्ञा का उपयोग करता है उस भुगतान या प्रतिपूर्ति को सन्दर्भित करने के लिए जो कोई व्यक्ति अपने पापों के लिए प्रायश्चित करने के लिए प्रदान करता है जब उन्हें एहसास होता है कि उन्होंने गलत कार्य किया है। इसका एक उदाहरण 6:6 में देखा जाता है, जिसमें एक व्यक्ति को यहोवा के पास "अपना दोष लाने" का निर्देश दिया जाता है (अर्थात, वह मिलन तम्बू जहाँ यहोवा इस्राएलियों के बीच रहते थे)। इस अभिव्यक्ति का मतलब यहोवा के पास अपने दोष की भावनाओं को लाना नहीं है, बल्कि अपने दोष के लिए दण्ड लाना है, अर्थात, वह पशु जो बलिदान के लिए आवश्यक है ताकि उनके पाप का प्रायश्चित हो सके।

"शुद्ध स्थान" (6:11)

लैव्यव्यवस्था 6 में, यहोवा लोगों को निर्देश देते हैं कि बलिदान के पशु के वे हिस्से जो वेदी पर पूरी तरह से नहीं जलाए जाते हैं, उन्हें दोषबलि के लिए लोगों के शिविर के बाहर एक शुद्ध स्थान पर ले जाया जाना चाहिए (6:11)। विशेषण "शुद्ध" का अनुवाद उस स्थान के लिए नहीं किया जाता है जो शारीरिक रूप से गन्दगी से मुक्त हो (जैसे कोई ताज़ा धुला हुआ बर्तन)। बल्कि, बलिदानों के सन्दर्भ में, "शुद्ध" शब्द का अर्थ है एक व्यक्ति, पशु, या वस्तु जो पाप की अपवित्र उपस्थिति से अलग रखी गई हो और जो पवित्र उद्देश्यों के लिए उपयोग के योग्य हो या शुद्ध स्थान में प्रवेश कर सके। एक पशु के वे हिस्से जो किसी व्यक्ति, स्थान, या वस्तु को पाप की अशुद्धता से शुद्ध करने के लिए बलिदानों में उपयोग किए जाते थे, उन्हें पाप की अपवित्रता को अवशोषित करने वाला माना जा सकता था। इस प्रकार, इन हिस्सों के सम्पर्क में आने से, जब उन्होंने पाप द्वारा लाई गई अशुद्धता को अवशोषित कर लिया था, किसी व्यक्ति को अशुद्ध या धार्मिक रूप से अशुद्ध बना सकता था। परिणामस्वरूप, बलिदान के पशु के अवशेष को जलाने का स्थान इस तरह से धार्मिक रूप से शुद्ध होना आवश्यक था ताकि बलिदान के पशु के शव की संभावित अपवित्र उपस्थिति को सही तरीके से निपटाया जा सके और ताकि शिविर स्वयं 'अशुद्ध' स्थान के निकट होने के कारण धार्मिक रूप से अशुद्ध न हो जाए।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

"यह व्यवस्था है"

इस अध्याय के कई स्थानों पर, अभिव्यक्ति "यह ... का व्यवस्था है" एक विशेष बलिदान या भेंट के साथ उनके सम्बन्ध द्वारा विशेषता वाले निर्देशों का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है। (उदाहरण के लिए देखें, 6:9, 6:14, और 6:25।) यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से बताने पर विचार करें, जैसा कि नीचे दिए गए टिप्पणियाँ सुझाव देंगे।

इस अध्याय में अन्य सम्भावित अनुवाद की कठिनाइयाँ

सम्बन्धित संज्ञा के साथ क्रिया का उपयोग (सजातीय-आरोपण)

जोर देने के लिए, लैव्यव्यवस्था के लेखक अक्सर एक सम्बन्धित संज्ञा के साथ एक क्रिया का उपयोग करते हैं। इस अध्याय में, कई अभिव्यक्तियाँ इस रूप का पालन करती हैं, जिनमें "विश्वासघात एक पापी ठहरे" (6:2), "लूट जो उन्होंने लूटी" (6:4), और "धरोहर जो उनके पास पड़ी पाई गई थी" (6:4) शामिल हैं।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 7 परिचय

लैव्यव्यवस्था अध्याय 7 का परिचय

संरचना और स्वरूपण

जैसा कि अध्याय 6 के परिचय में सुझाव दिया गया था, यह अध्याय याजकों को विशेष बलिदानों के विशिष्ट मामलों को कैसे सम्भालना चाहिए, इसके लिए प्रशासनिक निर्देश जारी करता है। यह निम्नलिखित विषयों को सम्बोधित करता है:

1. दोषबलि (7:1–6))
2. विभिन्न बलिदानों से याजकों के लिए भोजन के भाग (7:7–10)
3. मेलबलि (7:11–21)

यहोवा द्वारा मूसा से बात करने की एक नई पुनरावृत्ति, इन पहले सात अध्यायों के कथात्मक सन्दर्भ को पुनः स्थापित करते हुए, 7:22 में होती है। यह निर्देशों को याजकों से सम्बन्धित विषयों से इस्राएल के लोगों के लिए स्थानांतरित करता है, जिसमें पशु लहू या चर्बी खाने की मनाही का उल्लेख है (7:22–27)। फिर लैव्यव्यवस्था के लेखक यहोवा द्वारा मूसा से फिर से बात करने का उल्लेख करते हैं 7:28 में, जो एक नए खण्ड की शुरुआत करता है, जो फिर से इस्राएल के लोगों के लिए सम्बोधित है, जिसमें हिलाने की भेंट और मेलबलि से याजकों के लिए भोजन के हिस्सों को शामिल किया गया है (7:28–36)। अध्याय के अन्त में अध्याय 1 से 7 तक का सारांश दिया गया है (7:37–38)। रूपरेखा के रूप में, यह अध्याय निम्नलिखित रूप से संरचित है:

1. याजकों के लिए प्रशासनिक नियम (6:8–7:21)
2. दोषबलि (7:1–6)
3. भोजन के याजकीय भाग (7:7–10)
4. मेलबलि (7:11–21)
5. इस्राएल के लोगों के लिए साधारण सम्बोधन (7:22–36)
6. लहू या चर्बी का सेवन वर्जित (7:22–27)
7. मेलबलि के लिए विधि (7:28–36)
8. अध्याय 1–7 का सारांश (7:37–38)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक धारणाएँ

दोष, शान्ति, और हिलाने की भेंट

इस अध्याय में, दोष, शान्ति, और हिलाने की भेंटों के लिए याजकों द्वारा किए जाने वाले नियमों पर चर्चा की गई है। इन प्रकार के बलिदानों की प्रकृति और पहचान के बारे में विवरण के लिए लैव्यव्यवस्था की प्रस्तावना देखें।

"वह अपने लोगों में से नाश किया जाए" (7:20, 21, 27)

यह अध्याय दो निषिद्ध कार्यों के लिए दण्ड का परिचय देता है: 1) मेलबलि का माँस अशुद्ध या अपवित्र अवस्था में खाना (लैव्य 7:20–21) और 2) लहू पीना या उसका सेवन करना (लैव्य 7:27)। इन कार्यों के लिए दण्ड इस प्रकार से वर्णित है जैसे व्यक्ति को उसके लोगों से सचमुच काट दिया गया हो। यह हो सकता है 1) एक मुहावरा जो यहोवा द्वारा व्यक्ति के खिलाफ किसी अज्ञात तरीके से ईश्वरीय न्याय के निष्पादन को सन्दर्भित करता है, इस प्रकार व्यक्ति को परमेश्वर के लोगों से हटा देता है या 2) एक रूपक जो लोगों द्वारा व्यक्ति को उसके समाज से बहिष्कृत या निर्वासित करने को सन्दर्भित करता है। यदि सम्भव हो, तो इस तरह से अनुवाद करें जो दोनों विकल्पों की अनुमति देता है, क्योंकि यह अभिव्यक्ति अस्पष्ट है। इसके अतिरिक्त, यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं।

रक्त

इस अध्याय में, यहोवा ने किसी भी पशु का लहू खाने से मना किया क्योंकि लहू में पशु का "जीवन" होता है। (देखें 7:26–27।) बलिदानों में, पशु का लहू इकट्ठा किया जाता है और छिड़काव या छींटे मारने के माध्यम से उस वेदी के किनारों पर लगाया जाता है जिस पर जली हुई भेंट रखी जाती है। जैसा कि ऊपर समझाया गया है, इस क्रिया को विभिन्न रूपों में समझा गया है, लेकिन यह लहू को वेदी को पाप के प्रभावों से शुद्ध करने के रूप में दर्शाता है। पशु का लहू पशु के "जीवन" के माध्यम से प्रायश्चित करने में सक्षम था इसलिए यह पवित्र स्थान और परमेश्वर के लोगों को पाप की अशुद्धियों से शुद्ध करने में सक्षम था। (देखें 17:10–12।)

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

पवित्र वस्तुओं की परमपवित्र वस्तु

इस अध्याय में, यहोवा याजकों के भोजन के लिए दोषबलि के हिस्सों को सुरक्षित रखते हैं। इन हिस्सों को "पवित्र चीजों की परमपवित्र चीज" कहा जाता है। (देखें लैव्य 7:1 और लैव्य 7:6।) सभी भोजन जो यहोवा को अर्पित किया गया था, उसे "पवित्र चीज" माना जाता था (देखें "पवित्र चीजें" और "एक पवित्र चीज" लैव्य 22:2–4, 22:6–7, 22:10, और 22:14–16 में), लेकिन कुछ भोजन की भेंटों को "पवित्र चीजों की परमपवित्र चीज" के रूप में निर्दिष्ट किया गया था। "पवित्र चीजों की परमपवित्र चीज" अभिव्यक्ति एक भेंट का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करती है जो असाधारण या अद्वितीय रूप से पवित्र है। इस प्रकार, इस अभिव्यक्ति का अनुवाद "सबसे पवित्र चीज" या "असाधारण रूप से पवित्र चीज" के रूप में किया जा सकता है।

इस अध्याय में अन्य संभावित अनुवाद की कठिनाइयाँ

दूसरे और तीसरे व्यक्ति का उल्लेख

पूरे अध्याय 1 से 7 तक परमेश्वर के लोगों को मूसा के माध्यम से सीधे संबोधित किया गया है। वर्तमान अध्याय में, लैव्यव्यवस्था के लेखक लगातार तीसरे व्यक्ति के रूपों का उपयोग करते हैं, या तो याजक या उस व्यक्ति का उल्लेख करने के लिए जो बलिदान चढ़ाता है, जब तक कि 7:23–26 में अचानक दूसरे व्यक्ति बहुवचन रूपों में परिवर्तन नहीं होता, और फिर 7:27 और अध्याय के शेष भाग में वापस तीसरे व्यक्ति एकवचन रूपों में लौट आता है। यदि आपकी भाषा में तीसरे व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के रूपों में परिवर्तन और फिर वापस जाना स्वाभाविक नहीं है, तो पिछले अध्यायों में जिस रूप का उपयोग कर रहे थे, उसे जारी रखने पर विचार करें। जिन स्थानों पर दूसरे व्यक्ति का सम्बोधन उपयोग किया गया है, वहाँ "तुम" बहुवचन है। यह इस्राएल के लोगों को सन्दर्भित करता है जो मिलाप के तम्बू में बलिदान चढ़ाते थे। यदि आपकी भाषा में लोगों के समूह को संबोधित करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग होता है, तो यहाँ उस रूप का उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो तीसरे व्यक्ति के रूप का उपयोग करने पर विचार करें।

लैव्यव्यवस्था अध्याय 8 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय एक कथा है, जो कथाओं की एक श्रृंखला की पहली कथा है जो लैव्यव्यवस्था 8–10 को बनाती है। यह कहानी बताती है कि मूसा

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 3 परिचय

ने हारून और उनके चार पुत्रों को इस्राएल में याजक बनने के लिए कैसे अभिषेक किया। यहोवा मूसा को निर्देश देते हैं कि वह हारून, उनके पुत्रों और इस्राएल की पूरी मण्डली को, अभिषेक समारोह के आवश्यक तत्वों के साथ इकट्ठा करें (8:1–3)। जब मूसा ऐसा करते हैं (8:4–5), तो वह हारून और उनके पुत्रों को समारोह के लिए तैयार करते हैं, उन्हें पानी से अनुष्ठानिक रूप से धोकर (8:6) और हारून को महायाजक के विशेष वस्त्र पहनाकर (8:6–9)। मूसा फिर विशेष अभिषेक तेल लेते हैं और पवित्र तम्बू, यहोवा की आराधना और सेवा के लिए उपयोग किए जाने वाले सभी उपकरणों को अभिषेक करते हैं (8:10–11), और हारून को याजक के रूप में अभिषेक करते हैं (8:12), इससे पहले कि हारून के चार पुत्रों को याजक पद के विशेष वस्त्र पहनाए (8:13)। इसके बाद, मूसा समारोह के लिए आवश्यक विभिन्न बलिदानों को भेंट करते हैं, जिसमें पाप बलि के लिए एक बछड़े (8:14–17), होमबलि के लिए एक मेढ़े (8:18–21), और एक संस्कार की भेंट के लिए एक और संस्कार का मेढ़ा (8:22–29) शामिल है, जिसका लहू हारून और उनके पुत्रों के अंगों पर लगाया जाता है ताकि उन्हें मृत्यु, पाप, या गलत कार्यों से आने वाली सभी अशुद्धियों से शुद्ध किया जा सके (8:23–24)। संस्कार की भेंट से, मूसा विशेष चर्बी के हिस्से, दाहिनी जाँघ, और सीने का माँस लेते हैं, और उन्हें हारून और उनके पुत्रों के हाथों में रखकर यहोवा की उपस्थिति में हिलाते हैं ताकि उन्हें यहोवा को समर्पित किया जा सके (8:25–27)। सीने का माँस फिर मूसा का भोजन के रूप में होता है, जैसा कि यहोवा की व्यवस्था के अनुसार है (8:28–29)। अन्त में, मूसा हारून और उनके पुत्रों और उनके वस्त्रों को तेल से फिर से अभिषेक करते हैं, इस बार बलिदान के शुद्धिकरण लहू के साथ मिलाकर (8:30), इससे पहले कि उन्हें यह निर्देश दें कि बलिदान के उन हिस्सों को कैसे खाएँ जो उनके भोजन के रूप में होते हैं और यहोवा के याजक के रूप में अभिषेक होने की सात-दिवसीय प्रक्रिया में कैसे भाग लें (8:31–35)। अध्याय की संरचना इस प्रकार है:

1. यहोवा मूसा को निर्देश देते हैं (8:1–3)
2. उद्घाटन समारोह (8:4–36)
3. मूसा लोगों को इकट्ठा करते हैं (8:4–5)
4. मूसा ने याजकों और हारून के वस्त्रों को धोया (8:6–9)
5. मूसा पवित्र तम्बू, उसके उपकरणों, और हारून का तेल से अभिषेक करते हैं (8:10–12)
6. मूसा हारून के पुत्रों को वस्त्र पहनाते हैं (8:13)
7. मूसा पापबलि (8:14–17) अर्पित करते हैं
8. मूसा ने होमबलि चढ़ाई (8:18–21)
9. मूसा ने संस्कार का मेढ़ा प्रस्तुत किया (8:22–29)
10. मूसा हारून और उनके पुत्रों का अभिषेक तेल और लहू से करते हैं (8:30)
11. मूसा याजकों को निर्देश देते हैं (8:31–36)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक धारणाएँ

इस अध्याय में कई महत्वपूर्ण अवधारणाएँ लैव्यव्यवस्था की प्रस्तावना में शामिल हैं, जिनमें होमबलि, पाप और संस्कार की भेंट, और लैव्यव्यवस्था की बलिदान प्रणाली में लहू की विशेष भूमिका शामिल हैं। हालांकि, यहाँ लहू और तेल को एक अनोखे तरीके से लागू किया गया है, जिसके लिए कुछ स्पष्टीकरण की आवश्यकता है:

इस अध्याय में "अभिषेक का तेल" शब्द का दो बार उल्लेख किया गया है, जो विशेष जैतून के तेल को सन्दर्भित करता है जिसका उपयोग यहोवा के लिए स्थानों, लोगों और वस्तुओं को समर्पित करने के उद्देश्य से किया जाता था। (देखें 8:10 और 8:30।) 8:10 में, जो भी तेल के साथ छिड़का जाता है वह तेल के द्वारा स्पष्ट रूप से "पवित्र" करने के लिए कहा गया है । (फिर से देखें 8:10–12 और 8:30।) यह तेल हारून के सिर पर डाला जाता है ताकि उसे इस्राएल का महायाजक बनने के अनूठे कार्य के लिए अलग किया जा सके, जबकि यह संस्कार की भेंट के लहू के साथ मिलाकर, हारून, उनके पुत्रों और उनके वस्त्रों पर "छिड़का" जाता है (8:30)। यह क्रिया भी हारून, उनके पुत्रों और उनके वस्त्रों को "पवित्र" करती है। यदि आपकी भाषा में किसी चीज़ या व्यक्ति को तेल से अभिषेक करने या समर्पित करने के लिए कोई विशेष शब्द या अभिव्यक्ति है, विशेष रूप से यदि किसी के सिर पर इस विशेष तेल को डालने के लिए कोई अनोखा शब्द है, तो इस अध्याय में इन शब्दों का उपयोग करने पर विचार करें।

इस अध्याय में लहू एक समान लेकिन अनोखी भूमिका निभाता है। जहाँ बलिदान का लहू अक्सर वेदी को पाप या अशुद्धता से शुद्ध करने के लिए कार्य करता है जिसे बलिदान "अवशोषित" करता है, (इस अध्याय में इसे 8:15 और 8:19 में इस कार्य को करते हुए देखें), यहाँ मूसा हारून और उनके पुत्रों के अंगों पर लहू लगाते हैं, विशेष रूप से उनके दाहिने कान के सिरे, उनके दाहिने हाथ के अँगूठे और उनके दाहिने पैर के बड़े अँगूठे पर। (देखें 8:23–24।) लहू की विशेष गुण के कारण (पशु का "जीवन" होने के नाते) अशुद्धता को हटाने के लिए, यह अनुष्ठानिक क्रिया हारून और उनके पुत्रों के पूरे शरीर से मृत्यु, पाप, या गलत कार्यों के निकटता से उत्पन्न किसी भी अशुद्धता को हटा देती है। रूपक के माध्यम से, उनके अंग उनके पूरे शरीर का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि यह क्रिया आपकी भाषा में स्पष्ट नहीं होगी, तो इसके अर्थ को एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के शरीर में समझाने पर विचार करें। इसके अतिरिक्त, यदि आपकी भाषा में किसी व्यक्ति पर लहू लगाने के लिए, विशेष रूप से एक अनुष्ठान या धार्मिक सन्दर्भ में, एक विशेष शब्द या अभिव्यक्ति है, तो यहां उस शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 3 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय इस बारे में नियम देता है कि कोई इस्राएली मेलबलि कैसे चढ़ाए। लैव्यव्यवस्था 1 में वर्णित होमबलि के समान ही, यहाँ यहोवा मेलबलि के बलिदानों के लिए नियम देते हैं, जो या तो पशुओं में से हों —नर या मादा बैल (3:1–5),या झुंड के पशुओं में से हों, चाहे भेड़ का बच्चा (3:6–11) हो या बकरी (3:12–16)। अध्याय का अंत एक स्थायी विधि से होता है, जो आयु या स्थान की परवाह किए बिना हर इस्राएली पर लागू होती है। यह विधि किसी भी प्रकार की चर्बी या लहू खाने से मना करती है (3:17)। रूपरेखा के अनुसार, अध्याय 3 की संरचना इस प्रकार है।

1. मेलबलि (3:1–17)
2. गाय-बैलों में से किसी को चढ़ाए (3:1–5)
3. भेड़-बकरियों को चढ़ाए (3:6–16)
4. लहू या चर्बी खाने के विरुद्ध निषेध (3:17)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक धारणाएँ

चर्बी और आंतें

प्राचीन काल में, पशु की चर्बी को खाने के लिए पशु का सबसे उत्तम हिस्सा माना जाता था। इसलिए, बलिदान किए गए पशु की कुछ चर्बी के हिस्से विशेष रूप से यहोवा के लिए होते थे। इन्हें कभी नहीं खाना था, बल्कि आग पर चढ़ाकर सुगंधित धुएं में परिवर्तित किया जाता था, जो स्वर्ग में यहोवा तक पहुंचता था। इस अध्याय में जिन चर्बी के हिस्सों और आंतरिक अंगों को जलाने के लिए हटाया जाना था, उनमें शामिल हैं:

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 3 परिचय

- गायों, भेड़ों, और बकरियों के लिए:
- अंदरूनी अंगों को ढकने वाली चर्बी। यह उस चर्बी को सन्दर्भित करता है जिसे वसा (कौल चर्बी) के रूप में जाना जाता है, या पतली चर्बी की परत जो गायों और भेड़-बकरियों के पेट में सभी आंतरिक अंगों को ढकती है। (देखें 3:3–14 में।)
- अंतड़ियों पर जो चर्बी होती है, वह उस चर्बी को संदर्भित करती है जिसे आंतरिक चर्बी के रूप में जाना जाता है, या मोटे चर्बी के टुकड़े जो सीधे आंतरिक अंगों से जुड़े होते हैं, विशेष रूप से पेट, जिगर, और गुर्दे। इसमें विशेष रूप से वह चर्बी शामिल होती है जो दो गुर्दों से जुड़ी होती है और स्वयं दो गुर्दे। (देखें 3:4–15।)
- जिगर (लिवर) पर पाली (लोब)। यह जिगर के चार समूहों में से एक को संदर्भित करता है जो किसी पशु के जिगर पर होता है, साथ ही जिगर स्वयं भी।

केवल भेड़ के लिए, ऊपर सूचीबद्ध चर्बी और अंगों के हिस्सों के अलावा, बलिदान देने वाले आराधक को भेड़ की सभी चर्बी शामिल करनी थी, चाहे वह जहाँ भी वह पाई जाती, परन्तु विशेष रूप से चर्बीयुक्त पूंछ। यह शब्द भेड़ की छोटी पूंछ से जुड़े चर्बी के पसंदीदा हिस्से को संदर्भित करता है, जिसे रीढ़ के अंत के पास एक टुकड़े में हटाया जाना था। (देखें 3:9।) इन चर्बी के हिस्सों को बलिदान करने वाले व्यक्ति द्वारा सावधानीपूर्वक हटाया जाना था और याजक को वेदी पर जलाने के लिए प्रस्तुत किया जाना था। हो सकता है कि आपकी भाषा में इन चर्बी के हिस्सों के लिए विशिष्ट शब्द न हों। यदि ऐसा है, तो उपयुक्त अभिव्यक्तियों का उपयोग करने पर विचार करें।

धार्मिक अनुष्ठान

यह अध्याय, लैव्यव्यवस्था 1 की तरह, कई अनुष्ठानिक क्रियाओं को शामिल करता है जो गहरे धर्मशास्त्रीय कार्यों का संकेत देती हैं और अध्याय का सही अनुवाद करने के लिए निर्देश में समझी जानी चाहिए। इनमें शामिल हैं:

1. एक पशु पर हाथ रखना
2. लहू का छिड़काव और छींटा
3. धुएं के ऊपर उठने के तरीके से एक बलिदान जलाने की प्रक्रिया।
4. पशु पर हाथ रखना

यह अध्याय बलिदान के पशु के सिर पर हाथ रखने की प्रतीकात्मक क्रिया को दर्शाता है। यह क्रिया व्यक्ति की ओर से पशु को उपयुक्त बलिदान के रूप में स्वीकार करने से संबंधित है। (देखें 1:4।) एक प्रतीकात्मक क्रिया के रूप में, हाथ रखना व्यक्ति को उस पशु के साथ पहचानता है जिसे वह भेंट कर रहे हैं। इसका तात्पर्य यह है कि व्यक्ति अपने पापों को बलिदान के पशु पर प्रतीकात्मक रूप से रख रहे हैं ताकि परमेश्वर पशु के बलिदान के समय पापों को क्षमा कर दें।

1. लहू का छिड़काव और छींटा

पशु बलिदानों में, वेदी पर पशु के लहू का छिड़काव लैव्यव्यवस्था में अक्सर होता है। अध्याय 3 में, जैसे कि अध्याय 1 में, पशु का लहू इकट्ठा किया जाता है और जलती हुई भेंट के लिए वेदी के किनारों पर छिड़काव या छींटा के माध्यम से लगाया जाता है। (देखें 1:5, 1:11 और 1:15।) अध्याय 1 और अध्याय 3 में, लहू को वेदी के किनारे पर बखेरना या छिड़का गया प्रतीत होता है। (देखें 1:5, 1:11, और 3:2, 3:8, और 3:13 ।) अध्याय 4, 5, और 6 में, लहू छिड़का जाएगा। (देखें 4:6, 4:17, 5:9, और 6:24।) इसे वेदी के सींगों पर लगाया जा सकता है या वेदी के तल पर डाला जा सकता है। (देखें 4:7, 4:18, 4:25, 4:30, और 4:34 ।) पक्षियों के मामले में, लहू को या तो वेदी के किनारे पर या वेदी के तल पर निकाला या निचोड़ा जाता था। (देखें 1:15 और 5:9।) लहू पशु का जीवन था। (देखें 17:11।) इसे परमेश्वर द्वारा धार्मिक रूप से शुद्ध करने और पाप को दूर करने के लिए दिया गया था। इस अध्याय में, लहू एक धार्मिक पदार्थ या साबुन के रूप में कार्य करता है, जिसमें लोगों, पवित्र वस्तुओं और पवित्र स्थानों को पाप की अशुद्धता से साफ करने की विशेष क्षमता होती है।

1. धुएं के उठने के तरीके से एक बलिदान जलाना

जैसे लैव्यव्यवस्था 1 में, बलिदान को "वेदी पर धुआं बनने" की भाषा बलिदान को वेदी की आग द्वारा धुएं में परिवर्तित होते हुए चित्रित करती है। फिर धुआं स्वर्ग में यहोवा के पास उठता, जहाँ वह जलते बलिदान की सुखद सुगंध को सूंघते। इस प्रकार, सुखद सुगंध या तो एक संकेत थी कि यहोवा ने बलिदान को स्वीकार किया और व्यक्ति के पापों का प्रायश्चित करेंगे और उसे क्षमा करेंगे, या यह व्यक्ति की भेंट की स्वीकृति के लिए एक आवश्यक आवश्यकता के रूप में कार्य करता था। किसी भी तरह से, यह शब्द लैव्यव्यवस्था में सामान्य है परन्तु अनुवाद करना कठिन है। यदि आपकी भाषा में कोई क्रिया है जो आग के माध्यम से किसी चीज को धुएं में बदलने का अर्थ रखती है, तो इसे यहाँ उपयोग करने पर विचार करें।

लहू या चर्बी का सेवन

लैव्यव्यवस्था 3:17 किसी भी इस्राएली को, उम्र या स्थान की परवाह किए बिना, किसी भी पशु की चर्बी या लहू खाने से मना करता है। क्योंकि लहू में पशु का जीवन होता है, इसमें लोगों, पवित्र वस्तुओं, या पवित्र स्थान को पाप से उत्पन्न अशुद्धता से शुद्ध करने की विशेष क्षमता होती है। इस प्रकार, यहोवा ने किसी भी पशु के लहू को खाने से मना किया। (देखें (7:26–27, (17:10–14, और (19:26) जबकि इस अध्याय में चर्बी के सेवन पर रोक लगाने का कारण नहीं दिया गया है, यह माना जाता है कि ये समृद्ध चर्बी के विशेष हिस्से विशेष रूप से वांछनीय थे और इसलिए यहोवा के लिए विशेष रूप से थे।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

इस अध्याय में दो मुख्य अलंकार शामिल हैं, जो अनुवाद में कठिन हो सकते हैं, परन्तु अध्याय को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इनमें शामिल हैं:

1. वाक्यांश "मिलापवाले तंबू के सामने" और
2. वाक्यांश "हारून के पुत्रों।"

"मिलाप के तम्बू के सामने"

जैसे "यहोवा के सामने" अभिव्यक्ति के साथ है, वैसे ही "मिलाप के तंबू के सामने" अभिव्यक्ति (देखें 3:2) का अर्थ केवल "पवित्र तम्बू के सामने" है, अर्थात् पवित्र तम्बू के आँगन में आंतरिक तम्बू के ठीक सामने। यदि आपकी भाषा में कोई समान मुहावरेदार अभिव्यक्ति है, तो जहाँ भी यह वाक्यांश प्रकट हो, वहाँ पर उसका उपयोग करने पर विचार करें। हालाँकि, यदि यह अभिव्यक्ति आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं होगी, तो इस अध्याय में इस अभिव्यक्ति का अनुवाद केवल "मिलाप के तम्बू के सामने" के रूप में करने पर विचार करें।

"हारून के पुत्रों"

पूरे लैव्यव्यवस्था में, विशेष रूप से इस अध्याय में, याजको को "हारून के पुत्र" के रूप में संदर्भित किया गया है। कभी-कभी, यह अभिव्यक्ति "हारून के पुत्र, याजक" होती है (जैसे 3:2 में), परन्तु अक्सर याजकों को बस "हारून के पुत्र" कहा जाता है। (देखें 3:5, 3:8, और 3:13।) जैसा कि लैव्यव्यवस्था की भूमिका में चर्चा की गई है, जब यहोवा ने मूसा से मिलन के तम्बू से बात की, उस समय याजक वास्तव में हारून के पुत्र थे। परन्तु पुस्तक में दिए गए नियम भविष्य की पीढ़ियों पर भी लागू होते थे, जब "पुत्र" शब्द याजकों को हारून के वंशज के रूप में

सन्दर्भित करने का एक तरीका होता (लैव्यव्यवस्था अध्याय 8–10 को छोड़कर)। यहाँ और पूरी पुस्तक में, यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आपके अनुवाद में आप सामान्यतः "वंशज" शब्द का उपयोग कर सकते हैं, जो मूल याजकों और उनके उत्तराधिकारियों दोनों पर लागू होगा।

इस अध्याय में अन्य संभावित अनुवाद की कठिनाइयाँ

इन महत्वपूर्ण अलंकारों के अलावा, इस अध्याय में कई अनुवाद की कठिनाइयाँ भी शामिल हैं, जिनमें शामिल हैं:

1. पुल्लिंग सर्वनामों का अस्पष्ट संदर्भ
2. दूसरे और तीसरे पुरुष के संबोधन के बीच परिवर्तन करना
3. क्रिया और संबंधित संज्ञा का उपयोग (समानार्थक-आरोपण)
4. भविष्य काल का उपयोग एक विनती या आदेश को व्यक्त करने के लिए
5. विशिष्ट, तकनीकी बलिदान की भाषा का उपयोग।

पुल्लिंग सर्वनामों का उल्लेख

इस अध्याय में, लैव्यव्यवस्था के लेखक बलिदान देने वाले व्यक्ति और बलिदान करने वाले याजक दोनों के लिए तीसरे व्यक्ति का सर्वनाम उपयोग करते हैं। इस प्रकार, यह अक्सर कठिन (परन्तु असंभव नहीं) होता है यह अनुमान लगाना कि कौन सा पक्ष कौन से कार्य करता है। संक्षेप में, बलिदान याजक को प्रस्तुत किया जाता है, परन्तु जो व्यक्ति बलिदान प्रस्तुत करता है, वह बलिदान के पशु को मारने, सही तरीके से काटने, और याजक को बलिदान के हिस्से प्रस्तुत करने के लिए जिम्मेदार होता है, जो फिर उन्हें वेदी की आग पर व्यवस्थित करेंगे। यू.एस.टी. यह संकेत देगा कि सर्वनाम का स्पष्ट संदर्भ कौन सा पक्ष है।

दूसरे और तीसरे पुरुष का उल्लेख

अध्याय 1 से 7 तक परमेश्वर के लोगों को मूसा के माध्यम से सीधे संबोधित किया गया है। क्योंकि अध्याय 3 में सर्वनाम "उसका" और "वह" यहोवा को भेंट लाने वाले व्यक्ति को संदर्भित करते हैं, इन शब्दों का अनुवाद दूसरे व्यक्ति में किया जा सकता है, जैसा कि 1:2 में किया गया है और जैसा कि यू.एस.टी. नमूना प्रदान करता है, या इन्हें तीसरे पुरुष में अनुवादित किया जा सकता है, जैसा कि यू.एल.टी नमूना प्रदान करता है। वर्तमान अध्याय में, अंतिम पद (3:17) में दूसरे पुरुष बहुवचन रूपों को छोड़कर, लैव्यव्यवस्था के लेखक ने लगातार तीसरे पुरुष के रूपों का उपयोग किया है उन व्यक्तियों के लिए जो वर्णित बलिदानों को अर्पित करते हैं। हम अनुशंसा करते हैं कि आप उन रूपों और सर्वनामों का उपयोग जारी रखें जो आपने पिछले दो अध्यायों में उपयोग किए हैं।

संबंधित संज्ञा के साथ क्रिया का उपयोग (समानार्थक-प्रयोग)

जोर देने के लिए, लैव्यव्यवस्था के लेखक अक्सर एक क्रिया का उपयोग संबंधित संज्ञा के साथ करते हैं। इस अध्याय में, क्रिया "चढ़ाना" संज्ञा "भेंट" के रूप में अनुवादित शब्द से संबंधित है। (देखें 3:1–14।) यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो इस संदर्भ में इन शब्दों को इसी तरह से दोहराना उपयुक्त होगा।

विनती या आदेश को व्यक्त करने के लिए भविष्य काल का उपयोग

लैव्यव्यवस्था के लेखक अक्सर निर्देश या आदेश देने के लिए भविष्यकाल "तुम करोगे" का उपयोग करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन शब्दों का अनुवाद आदेश या निर्देश रूप में कर सकते हैं।

विशिष्ट, तकनीकी बलिदान शब्दावली का प्रयोग

कृपया "चर्बी और आंतरिक अंग" और "अनुष्ठान क्रिया" पर दिए गए अनुभागों को देखें।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 9 का परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय एक और वर्णनात्मक अंश है जिसमें मूसा हारून को स्वयं के लिए पापबलि और होमबलि चढ़ाने और लोगों के लिए पापबलि, होमबलि, अन्नबलि, और मेलबलि चढ़ाने का निर्देश देते हैं, ताकि "यहोवा की महिमा" लोगों के सामने प्रकट हो और उनके पापों का प्रायश्चित हो जाए। हारून को निर्देश देने के बाद (9:1–7), हारून अपने लिए पापबलि चढ़ाते हैं, जिसमें वह बताई गई विधि से एक बछड़ा बलि करते हैं (9:8–11)। इसके बाद, वह अपने लिए होमबलि चढ़ाते हैं, जिसमें वह निर्धारित विधि से एक मेढ़ा बलि करते हैं (9:12–14)। इसके बाद, हारून इस्राएल के लोगों के लिए बलिदान करते हैं, जिसमें पापबलि के लिए एक बकरा (9:15), होमबलि के लिए एक बछड़ा और एक मेम्ना (9:16), एक अन्नबलि (9:17), और अंत में, मेलबलि के लिए एक बैल और एक मेढ़ा बलि करते हैं (9:18–20) जिसमें बैल और मेढ़े की छातियों और दाहिनी जाँघ की हिलाने की भेंट शामिल है (9:21)। एक अद्भुत निष्कर्ष में, हारून लोगों को आशीष देते हैं, और मूसा और हारून पवित्र तंबू में प्रवेश करते हैं (9:22–23)। जब वे बाहर आते हैं, तब लोगों को फिर से आशीष देने के बाद, "यहोवा की महिमा" लोगों के सामने प्रकट होती है जब "यहोवा के सामने से आग" पवित्र तंबू से बाहर आती है और होमबलि की वेदी पर चर्बी और मांस को भस्म कर देती है (9:23–24)। इस अद्भुत दृश्य के जवाब में, लोग जयजयकार करते हैं और जमीन पर गिर जाते हैं (9:24)। अध्याय की संरचना इस प्रकार है:

1. मूसा हारून को निर्देश देते हैं (9:1–7)
2. हारून अपने लिए बलिदान चढ़ाते हैं (9:8–14)
3. हारून के लिए पापबलि (9:8–11)
4. हारून के लिए होमबलि (9:12–14)
5. हारून इस्राएल के लोगों के लिए बलिदान करते हैं (9:15–21)
6. लोगों के लिए पापबलि (9:15)
7. लोगों के लिए होमबलि (9:16)
8. लोगों के लिए अन्नबलि (9:17)
9. लोगों के लिए मेलबलि, जिसमें हिलाने की भेंट शामिल है (9:18–21)
10. यहोवा की महिमा लोगों के सामने प्रकट होती है (9:22–24)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

इस अध्याय में अधिकांश विशेष अवधारणाओं पर लैव्यव्यवस्था की प्रस्तावना में चर्चा की गई है, जिसमें होमबलि, अन्नबलि, पापबलि, और मेलबलि शामिल हैं, साथ ही हिलाने की भेंट, रक्त का अनोखा कार्य, भाववाचक संज्ञा "प्रायश्चित," और वेदी पर बलिदानों को सुगंध में बदलने की अनुष्ठानिक क्रिया शामिल है।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 10 का परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय उस खंड के अंतिम वृत्तान्त को शामिल करता है जो लैव्यव्यवस्था 8 में शुरू हुआ था। यह हारून के दो पुत्रों, नादाब और अबीहू की कहानी को बताता है, जिन्होंने "अनुचित आग को जिसकी आज्ञा यहोवा ने नहीं दी थी" (10:1) चढ़ाई। इस क्रिया के

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 11 का परिचय

परिणामस्वरूप, यहोवा अपनी उपस्थिति से भेजी गई आग से उन दोनों पुरुषों को मार देते हैं (10:2)। मूसा फिर घटनाओं की व्याख्या यहोवा की पूर्ण पवित्रता के प्रदर्शन के रूप में करते हैं (10:3), इससे पहले कि वह निर्देश दे कि पुरुषों के शरीर को सावधानीपूर्वक हटाया जाए (10:4–5) और हारून के शेष पुत्रों का मार्गदर्शन करते हैं कि उन्हें याजकों के रूप में कैसे शोक करना चाहिए (10:5–7)। यहोवा फिर हारून को याजक के पद के संबंध में मादक पेय के सेवन के बारे में निर्देश देते हैं (10:8–9), यह स्पष्ट करते हुए कि इस्राएल में याजक के पद की भूमिका लोगों को शुद्ध और अशुद्ध के बीच अंतर करने में सहायता करना है ताकि वे यहोवा के नियमों का पालन कर सकें और उसके पवित्र लोग बन सकें (10:10–11)। इसके बाद, मूसा हारून के शेष दो पुत्रों, एलीआजर और ईतामार को निर्देश देते हैं कि वे बलिदान के शेष खाद्य भागों को खाएँ और ऐसा शुद्ध और पवित्र स्थान में करें (10:12–15)। हालांकि, जब मूसा बाद में पापबलि के माँस की खोज करते हैं, तो वह पाते हैं कि इसे खाने के बजाय जला दिया गया था (10:16)। जब मूसा पूछते हैं कि ऐसा क्यों हुआ, क्योंकि पापबलि ठीक उसी प्रकार की थी जिसका माँस याजकों द्वारा खाना चाहिए था (10:17–18), हारून जवाब देते हैं कि उन्हें विश्वास है कि उनके पुत्रों के शव की निवासस्थान में उपस्थिति, पापबलि को खाने के लिए अस्वीकार्य बना देती है (10:19)। कथा समाप्त होती है जब मूसा इस उत्तर से संतुष्ट होते हैं (10:20)। अध्याय की संरचना इस प्रकार है:

1. नादाब और अबीहू की मृत्यु (10:1–2)
2. मूसा की व्याख्या और निर्देश (10:3–7)
3. शवों को हटाना (10:3–5)
4. याजकों के रूप में शोक करना (10:6–7)
5. यहोवा हारून को निर्देश देते हैं (10:8–11)
6. मूसा एलीआजर और ईतामार को निर्देश देते हैं (10:12–15)
7. मूसा और हारून के बीच पापबलि के विषय में चर्चा (10:16–20)

ध्यान दें कि लैव्यव्यवस्था 10:3 एक कविता की पंक्ति है। कुछ अनुवादों में कविता की प्रत्येक पंक्ति को पाठ के शेष भाग से थोड़ा दाईं ओर रखा जाता है ताकि पढ़ने में आसानी हो। ULT अनुवाद में भी 10:3 की कविता को इसी प्रकार रखा गया है।

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

शोक की प्रथाएँ

लैव्यव्यवस्था 10:6–7 में, मूसा हारून के शेष पुत्रों, एलीआजर और ईतामार को निर्देश देते हैं कि जब वे अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे हों, तो वे सामान्य रूप से शोक न करें। इसके बजाय, उन्हें इस्राएल के लोगों को उनके लिए शोक करने देना चाहिए (देखें 10:6।) शोक प्रथाओं से जुड़े प्रतीकात्मक कार्य जिन्हें उन्हें टालना चाहिए:

1. अपने बालों को बिखरा और खुला छोड़ देना। लैव्यव्यवस्था 10:6 में अभिव्यक्ति ("अपने सिरों के बाल मत बिखराओ") एक आलंकारिक भाषा है। यहाँ, "सिर" शब्द का संबंध सिर के बालों से है, इसलिए अभिव्यक्ति "अपने सिरों के बाल मत बिखराओ" का अर्थ है अपने बालों को बिखरा और अस्त-व्यस्त न छोड़ना। यह संकेत करता है कि हारून के बेटों के बाल इतने लंबे थे कि उनके सिर पर लटक सकते थे। यह किसी मृत रिश्तेदार के लिए शोक मनाने से जुड़ी हुई एक आम प्रथा थी। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें।
2. शोक में अपने कपड़े फाड़ना। प्राचीन इस्राएल में शोक व्यक्त करने के लिए कपड़े फाड़ना एक सामान्य संकेत था। यह एक प्रचलित प्रथा थी जो मृतक रिश्तेदार के लिए शोक से जुड़ी थी। यदि आपकी संस्कृति में किसी समान प्रतीकात्मक क्रिया का वर्णन करने वाली कोई अभिव्यक्ति है, तो यहाँ उस अभिव्यक्ति का उपयोग करने पर विचार करें। यदि नहीं, तो एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करने और इस क्रिया के अर्थ को एक पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के मुख्य भाग में समझाने पर विचार करें।

ये मृतक रिश्तेदारों के लिए शोक से जुड़े प्रतीकात्मक कार्य हैं। यदि आपकी भाषा में शोक की अवधि से जुड़े ऐसे कार्य नहीं हैं, तो इन कार्यों के अर्थ को पाद टिप्पणी में या आपके अनुवाद के पाठ में समझाने पर विचार करें।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

आग और "विचित्र आग"

इस अध्याय में, "आग" शब्द का अनुवाद कभी-कभी वास्तविक आग के रूप में होता है और कभी-कभी जीवित, जलते हुए कोयलों के रूप में होता है जो आग उत्पन्न करते हैं। नीचे दिए गए नोट्स (साथ ही UST) यह स्पष्ट करेंगे कि प्रत्येक संदर्भ में कौन सा अर्थ मौजूद है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, जहाँ "आग" शब्द उन कोयलों का प्रतिनिधित्व करता है जो आग उत्पन्न करते हैं, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं।
लैव्यव्यवस्था 10:2 में, "विचित्र आग" की अभिव्यक्ति दिखाई देती है। यहाँ, "आग" का अर्थ कोयलों से है जो आग उत्पन्न करते हैं न कि स्वयं आग से। संदर्भ में, इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि या तो 1) हारून के पुत्र, नादाब और अबीहू, ने जलते हुए कोयले का उपयोग किया जो एक सामान्य दैनिक स्रोत से आया था न कि एक पवित्र स्रोत से, जैसा कि यहोवा ने आदेश दिया था, या 2) धूप जो हारून के पुत्र नादाब और अबीहू ने जलते हुए कोयलों के ऊपर रखी थी, वह उस प्रकार की धूप नहीं थी जिसे यहोवा ने मिलापवाले तंबू में चढ़ाने का आदेश दिया था। नोट्स और UST पहले विकल्प का समर्थन करते हैं, लेकिन दूसरा भी संभव है।

इस अध्याय में अन्य संभावित अनुवाद सम्बन्धी कठिनाइयाँ

बहुवचन "तुम" का प्रयोग

इस अध्याय में, "तुम" और "तुम्हारा" शब्द बहुवचन रूप में हैं। ये अक्सर हारून और उनके पुत्रों को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में उस भेद को चिह्नित करने के लिए द्वितीय-पुरुष सर्वनामों का बहुवचन रूप है, तो अपने अनुवाद में उसका उपयोग करने पर विचार करें।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 11 का परिचय

संरचना और स्वरूपण

लैव्यव्यवस्था 11 में, यहोवा मूसा से पुनः बात करते हैं और शुद्ध और अशुद्ध वस्तुओं के बारे में नियमों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करते हैं, जो लैव्यव्यवस्था 15 तक जारी रहती है। यह अध्याय उन जानवरों के बारे में है जिन्हें इस्राएलियों को खाने की अनुमति है और शुद्ध और अशुद्ध के बीच अंतर कैसे किया जाए। (देखें लैव्य 11:46–47)। सूची चार अशुद्ध चौपाया से शुरू होती है, जो शुद्ध और अशुद्ध चार-पैर वाले जानवरों की पहचान के लिए एक नियम स्थापित करती है; उन्हें जुगाली करनी चाहिए और पूरी तरह से खुर वाले होने चाहिए (11:2–4)। इस प्रकार, ऊँट (11:4), चट्टानी बिज्जू (11:5), खरगोश (11:6), और सूअर (11:7) अशुद्ध हैं क्योंकि ये जानवर इन मानदंडों में से एक को पूरा करते हैं

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 11 का परिचय

लेकिन दोनों को नहीं। इसके बाद का खंड पानी में रहने वाले शुद्ध और अशुद्ध जीवों को निर्धारित करने के लिए एक नियम का वर्णन करता है; उनके पास दोनों पंख और चोंयेटे होने चाहिए। (देखें 11:9–12)। इसके बाद, यहोवा अशुद्ध पक्षियों की एक सूची देते हैं, हालाँकि वह यह नहीं बताते कि ये अशुद्ध क्यों हैं (देखें 11:13–19)। इसके बाद शुद्ध कीड़ों की एक सूची और उन्हें अशुद्ध कीड़ों से अलग करने का नियम आता है (11:20–23)। अशुद्ध चौपायों को निर्धारित करने का नियम दोहराया जाता है (11:24–28) इससे पहले कि अशुद्ध "रेंगने वाले जीवों" की एक सूची प्रदान की जाती है (11:29–31), साथ ही ये निर्देश भी दिए जाते हैं कि जब ऐसे अशुद्ध जीव विभिन्न दैनिक वस्तुओं और वस्तुओं के संपर्क में आते हैं तो क्या करना चाहिए (11:32–38)। यहोवा दोहराते हैं कि किसी को भी अशुद्ध पशु के शव को छूना या खाना नहीं चाहिए (11:39–40), इससे पहले कि अशुद्ध "रेंगने वाले जीवों" के लिए नियम दोहराया जाए (11:41–43)। फिर यहोवा समझाते हैं कि इन नियमों का कारण उनकी अपनी पवित्रता और उनकी यह इच्छा है कि उनके लोग भी उतने ही पवित्र हों (11:44–45), उनके नियमों का पालन करके और शुद्ध और अशुद्ध के बीच अंतर करके (11:46–47)। अध्याय की संरचना इस प्रकार है:

1. शुद्ध और अशुद्ध पशु
2. शुद्ध और अशुद्ध चौपायों के लिए नियम (11:1–8)
3. शुद्ध और अशुद्ध जल जंतुओं के लिए नियम (11:9–12)
4. अशुद्ध पक्षियों की सूची (11:13–19)
5. शुद्ध और अशुद्ध कीटों के लिए नियम (11:20–23)
6. शुद्ध और अशुद्ध चौपायों के लिए नियम, पुनः (11:24–28)
7. अशुद्ध "रेंगने वाले" जीवों की सूची (11:29–31)
8. अशुद्ध जीवों के संपर्क में आने वाली वस्तुओं को संभालना (11:32–38)
9. मृत अशुद्ध जानवरों को छूने या खाने के विरुद्ध निषेध (11:39–40)
10. फिर से अशुद्ध "रेंगने वाले" जीव (11:41–43)
11. यहोवा द्वारा नियम का अंतिम स्पष्टीकरण (11:44–47)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

शुद्ध और अशुद्ध जानवर

यह अध्याय उन जानवरों, पक्षियों और अन्य जीवों का वर्णन करता है जो "अशुद्ध" थे, अर्थात् इस्राएलियों को उन्हें खाने की अनुमति नहीं थी। यह उन जीवों का भी वर्णन करता है जो "शुद्ध" थे, जिन्हें इस्राएलियों को खाने की अनुमति थी। चार पैरों वाले जानवरों, जल जीवों और कीड़ों की सूचियाँ यह बताती हैं कि कौन से शुद्ध हैं और कौन से नहीं। पक्षियों और रेंगने वाले जीवों की सूचियाँ यह जानकारी नहीं देती।

व्याख्याकार इस बात पर बहस करते रहते हैं कि किन आधारों पर जीवों को शुद्ध या अशुद्ध माना जाता था। हालांकि, यह संभावना है कि प्राचीन इस्राएलियों के मन में अशुद्ध जीवों का संबंध मृत्यु से था, या वे अपनी सृजन की श्रेणी में सही ढंग से फिट नहीं होते थे, या उनका संबंध इस्राएल के आसपास रहने वाली जातियों के झूठे देवताओं से था।

उदाहरण के लिए, जो पक्षी मृत जानवरों का माँस खाते थे, उन्हें अशुद्ध माना जाता था क्योंकि यह उन्हें मृत्यु से जोड़ता था। शुतुर्मुर्गों को अशुद्ध माना जाता था क्योंकि यह एक ऐसा पक्षी है जो उड़ता नहीं है, इसलिए यह अपनी श्रेणी में फिट नहीं होता। शुतुर्मुर्गों और मिस्रियों की धार्मिक प्रथाओं के बीच भी एक संबंध था।

लेकिन सामान्य रूप से, लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में शुद्ध और अशुद्ध को परिभाषित करने वाला तर्क अप्रकट और निहित ही रहता है। आपके अनुवाद में भी ऐसा ही करना सबसे उचित हो सकता है। एक अनुवादक के रूप में, यह महत्वपूर्ण है कि आप लैव्यव्यवस्था के अनुवाद में वर्तमान सांस्कृतिक धारणाओं को शामिल न करें कि कौन से खाद्य पदार्थ स्वीकार्य हैं।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

दोहराए गए शब्द

इस अध्याय में, जोर देने के लिए कई संबंधित शब्दों को बार-बार दोहराया गया है। इसके उदाहरण उन अभिव्यक्तियों में पाए जाते हैं जैसे "चिरे या फटे खुर" (11:3–7), "फटे खुर वाले" (11:3 और 11:7), "पागुर करना" (11:7), "खाने के योग्य भोजन हो" और "पीने के लिए कुछ हो" (11:34), "कोई भी बीज, जो बोया जाएगा" (11:37), और "हर रेंगने वाला जीव, जो ज़मीन पर रेंग रही है" (11:41)। आप इन अभिव्यक्तियों के अर्थ को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में समान संरचना का उपयोग कर सकते हैं।

सामान्य संज्ञाओं का प्रयोग

इस अध्याय में, सामान्य संज्ञाओं का उपयोग शुद्ध और अशुद्ध जानवरों का वर्णन करने के लिए किया गया है। जब ये संज्ञाएँ "the" का उपयोग करती हैं (जैसे "the चट्टानी बिज्जू" में), तो यह अभिव्यक्ति किसी विशेष पशु का उल्लेख नहीं करती। बल्कि, यह उस प्रकार के किसी भी पशु का वर्णन करती है जिसका सामना किसी भी इस्राएली से हो सकता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें।

इस अध्याय में अन्य संभावित अनुवाद की कठिनाइयाँ

"शुद्ध" और "अशुद्ध"

शुद्ध और अशुद्ध की अवधारणाओं को समझने के लिए, "लैव्यव्यवस्था" पुस्तक में "पवित्र" और "पवित्रता" का क्या अर्थ है?" शीर्षक वाले परिचय के अनुभाग की समीक्षा करना सहायक हो सकता है, साथ ही अध्याय 5 के परिचय में "अशुद्ध" शीर्षक वाले अनुभाग की भी। (यह भी देखें: स्वच्छ)

शुद्ध और अशुद्ध जानवरों की पहचान

इस अध्याय में सूचीबद्ध कई जानवरों की सटीक पहचान अस्पष्ट और विवादास्पद है, विशेष रूप से अशुद्ध पक्षियों (11:13–19) और "रेंगने वाले" जीवों (11:29–31) की सूचियों में। यह संभव है कि इनमें से कुछ जानवर विलुप्त हो गए हों या प्राचीन इस्राएल के समय की तरह अब मौजूद न हो और यह भी संभव है कि प्राचीन इस्राएली जानवरों को आधुनिक प्राणिविज्ञान वर्गीकरणों से अलग तरीके से वर्गीकृत करते थे। इसके बावजूद, ULT इन सूचियों में जानवरों के लिए एक उचित अनुवाद प्रदान करता है। आपके अनुवाद में, इन सूचियों में जानवरों के नामों को यथासंभव सामान्य रखना सबसे अच्छा है। पक्षियों की एक श्रेणी का वर्णन करने वाले शब्दों या अभिव्यक्तियों का उपयोग करने पर विचार करें (जैसे "बाज़" या "छिपकलियाँ") बजाय किसी विशिष्ट प्रजाति के पक्षी के नाम के (जैसे "स्वेंसन का बाज" या "गोयरा")। यदि आपकी भाषा में समान जानवरों के लिए कई अलग-अलग शब्द नहीं हैं, तो आपको ULT की तुलना में कम जानवरों को सूचीबद्ध करना पड़ सकता है। इस प्रकार के अनुवाद के मॉडल के लिए UST देखें।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 12 का परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह छोटा अध्याय यहोवा के शुद्ध और अशुद्ध वस्तुओं के संबंध में नियमों को जारी रखता है। इस अध्याय में, यहोवा उस प्रक्रिया का वर्णन करते हैं जिसके द्वारा एक महिला बच्चों को जन्म देने के बाद अशुद्ध हो जाती है, साथ ही उसकी शुद्धिकरण की प्रक्रिया भी। इस अध्याय की संरचना इस प्रकार है:

1. प्रसव के कारण अशुद्ध होना (12:1–5)
2. एक लड़के को जन्म देना (12:1–4)
3. एक लड़की को जन्म देना (12:5)
4. शुद्धिकरण के लिए आवश्यक बलिदान (12:6–8)
5. सामान्य होमबलि और पापबलि की आवश्यकताएँ (12:6–7)
6. सामान्य भेंट देने में असमर्थ होने पर प्रबंधन (12:8)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

प्रसव के दौरान अशुद्धता

इस अध्याय में, एक महिला को प्रसव की प्रक्रिया में अशुद्ध के रूप में वर्णित किया गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि किसी भी लहू की हानि और सभी शारीरिक स्राव एक व्यक्ति को अनुष्ठानिक रूप से अशुद्ध बना देते थे। इस कारण से, यह अध्याय यह भी वर्णन करता है कि एक महिला प्रसव के दौरान और उसके बाद लहू की हानि की अशुद्धता से कैसे शुद्ध हो सकती है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह अशुद्धता इस कारण से नहीं थी कि महिला का बहता लहू पापपूर्ण माना जाता था। अशुद्धता तब प्राप्त होती थी जब कोई व्यक्ति खून बहाता था, क्योंकि लहू की हानि को मृत्यु के निकट होने का चिन्ह माना जाता था।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि जब कोई स्त्री लड़की को जन्म देती है, तो उसके शुद्धिकरण की अवधि लड़के के जन्म की तुलना में अलग होती है। जबकि इस अंतर के कारण पर बहस होती है, यह अंतर इस तथ्य के कारण नहीं है कि लड़कियों को लड़कों की तुलना में अधिक अशुद्ध माना जाता था। ध्यान दें कि आपके अनुवाद में इस प्रकार की गलतफहमी न व्यक्त हो।

अभिव्यक्ति "उसको शुद्ध करने वाला रुधिर" (12:4–5) का उपयोग उस प्रक्रिया का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो उस अवधि की शुरुआत करता है, जिसके दौरान महिला को शुद्ध होने की प्रतीक्षा करनी होती है। इसे "उसके शुद्ध हो जाने के दिन" कहा जाता है (12:4 और 12:6)। इसका तात्पर्य यह है कि 33 दिन (पुत्र के जन्म के बाद) या 66 दिन (पुत्री के जन्म के बाद) के दौरान, जब महिला प्रसव के रक्तस्राव के कारण अशुद्ध होती है, वह उस अशुद्धता से शुद्ध होने की प्रतीक्षा कर रही होती है, जो उसके प्रसव के दौरान बहे लहू के कारण हुई।

(देखें: शुद्ध)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 13 का परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय शुद्ध और अशुद्ध वस्तुओं के संबंध में यहोवा के नियम को जारी रखता है।

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

चर्म रोग

यह अध्याय उन तरीकों को संबोधित करता है जिनसे एक याजक यह तय करता था कि क्या किसी व्यक्ति को त्वचा रोग है जो उसे अशुद्ध बनाता है। यह महत्वपूर्ण था क्योंकि ये रोग प्राचीन पश्चिमी एशिया के लोगों में आसानी से फैल सकते थे। यह बात उन चीजों के बारे में भी सच है जो कपड़ों पर बनती है या जो किसी व्यक्ति की त्वचा को छूती है। (देखें: याजक और शुद्ध)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 14 का परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय पिछले अध्याय की सामग्री को जारी रखता है।

इस अध्याय में अनुष्ठानिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

त्वचा रोग और फफूंद

यह अध्याय उन तरीकों को संबोधित करता है जिनसे एक याजक यह निर्धारित करता था कि क्या किसी व्यक्ति को त्वचा रोग है जो उसे अशुद्ध बना देता है। यह महत्वपूर्ण था क्योंकि ये रोग प्राचीन पश्चिमी एशिया के लोगों के बीच संपर्क से आसानी से फैल सकते थे। यह उन चीजों के लिए भी सच था जो किसी व्यक्ति की त्वचा को छू सकती थी। यह अध्याय बताता है कि याजक को त्वचा रोग से पीड़ित व्यक्ति का उपचार कैसे करना चाहिए। (देखें: याजक और शुद्ध)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 15 का परिचय

संरचना और स्वरूपण

इस अध्याय में यहोवा के वे नियम दिए गए हैं जो शरीर से होने वाले स्राव के बारे में हैं, जो व्यक्ति को अशुद्ध बनाते हैं, साथ ही उनके शुद्धिकरण की प्रक्रिया भी बताई गई है। इस अध्याय की संरचना इस प्रकार है:

1. पुरुष स्रावों के बारे में नियम (15:1–18)
2. असामान्य स्राव (15:1–15)
3. सामान्य स्राव (15:16–18)
4. महिलाओं के स्राव के बारे में नियम (15:19–30)
5. सामान्य मासिक धर्म (15:19–24)
6. असामान्य रक्तस्राव (15:25–30)
7. सारांश और उद्देश्य (15:31–33)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

शारीरिक स्राव

यह अध्याय विभिन्न प्रकार के शारीरिक तरल पदार्थों के बारे में चर्चा करता है जो किसी व्यक्ति को धार्मिक रूप से अशुद्ध कर देते हैं। इस अध्याय का अनुवाद करते समय, यह ध्यान रखें कि ये स्थितियाँ:

1. पापपूर्ण नहीं मानी जाती थी
2. शरीर की स्वाभाविक प्रक्रियाएँ थी
3. जीवन और मृत्यु से जुड़े होने के कारण लोगों को अशुद्ध बनाती थी
4. लोगों के फिर से आराधना करने से पहले शुद्धिकरण के अनुष्ठानों की आवश्यकता होती थी

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 16 का परिचय

शुद्धता और अलगाव
शरीर से स्राव से संबंधित नियमों के दो मुख्य उद्देश्य थे:

1. जब बीमारियाँ फैलने की संभावना हो, तब लोगों को अलग रखकर उनके स्वास्थ्य की रक्षा करना
2. यहोवा की विशेष प्रजा के रूप में इस्राएल को पवित्र बनाए रखना

पाप के बिना प्रायश्चित
इस अध्याय में भेंटों के बारे में अनुवाद करते समय:

1. ऐसे शब्दों का प्रयोग न करें जो यह संकेत दें कि व्यक्ति ने कोई गलती की है
2. यह स्पष्ट करें कि ये भेंटें फिर से शुद्ध होने के लिए थी, न कि क्षमा के लिए।
3. ऐसे शब्दों का प्रयोग करें जो यह दर्शाते हैं कि यह अनुष्ठानिक शुद्धता के विषय में था, नैतिक शुद्धता के विषय में नहीं

(देखें: स्वच्छ और प्रायश्चित)

इस अध्याय में अनुवाद की समस्याएँ

शिष्ट भाषा और विनम्र शब्दावली
यह अध्याय अक्सर "माँस" शब्द का उपयोग यौन अंगों का शिष्टाचारपूर्ण तरीके से उल्लेख करने के लिए करता है। आपकी भाषा में इन शरीर के अंगों का उल्लेख करने के अपने शिष्टाचारपूर्ण तरीके हो सकते हैं। आपको ऐसे शब्दों का उपयोग करना चाहिए जिन्हें आपका समाज सार्वजनिक पठन के लिए सम्मानजनक और उपयुक्त मानता हो।

दोहराए गए शब्द और वाक्यांश
अध्याय में अक्सर "प्रवाह" या "निर्वहन" जैसे शब्दों पर जोर देने के लिए उनका पुनरावृत्ति किया जाता है (उदाहरण के लिए, "जब एक प्रवाह बहता है")। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए अन्य तरीके हैं, तो आप उनका उपयोग कर सकते हैं। आपको सटीक शब्दों को दोहराने की आवश्यकता नहीं है।

स्वामित्व से संबंधित अभिव्यक्तियाँ
पाठ में अक्सर स्वामित्व वाले वाक्यांशों का उपयोग होता है जैसे "उसके शुद्धिकरण के दिन" या "उसके मासिक धर्म का बिछोना।" ये उन चीजों का वर्णन करते हैं जो किसी स्थिति से विशेषित या संबंधित होती हैं। आपकी भाषा इन संबंधों को अलग तरीके से व्यक्त कर सकती है। उदाहरण के लिए, "उसके शुद्धिकरण के दिन" को "वो दिन जब वह शुद्ध होने की प्रतीक्षा करती हैं" कहा जा सकता है।

उद्धरणों के अंदर उद्धरण
अध्याय की शुरुआत में, कई स्तरों के उद्धरण हैं (परमेश्वर मूसा से बात कर रहे हैं, जो लोगों से बात कर रहे हैं)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इन्हें अलग-अलग वाक्यों में विभाजित कर सकते हैं या विभिन्न वक्ताओं को दिखाने के लिए अपनी भाषा के तरीके का उपयोग कर सकते हैं।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 16 का परिचय

संरचना और स्वरूपण
यह अध्याय प्रायश्चित के दिन के नियमों की व्याख्या करता है, जो इस्राएल के लिए सबसे महत्वपूर्ण पवित्र दिन है। इस अध्याय की संरचना इस प्रकार है:

1. परिचय और बुनियादी आवश्यकताएँ (16:1–5)
2. बलिदान और अनुष्ठान (16:6–28)
3. हारून के लिए पापबलि (16:6–14)
4. लोगों के लिए पापबलि (16:15–19)
5. प्रायश्चित का बकरा अनुष्ठान (16:20–28)
6. प्रायश्चित के दिन का पालन करने के नियम (16:29–34)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

प्रायश्चित्त का दिन
यह इस्राएल के लिए सबसे महत्वपूर्ण पवित्र दिन था क्योंकि:

- यह वर्ष में केवल एक बार होता था।
- केवल महायाजक ही यह अनुष्ठान कर सकता था।
- इस दिन पूरे देश के पापों का प्रायश्चित किया जाता था।
- विशेष नियमों का सही-सही पालन करना आवश्यक था।

प्रतीकात्मक कार्य
इस अध्याय में उन कार्यों को शामिल किया गया है जिनका विशेष महत्व था:

- बकरे के सिर पर हाथ रखना पाप के स्थानांतरण का प्रतीक था।
- लहू का छिड़काव शुद्धिकरण का प्रतीक था।
- प्रायश्चित के बकरे को दूर भेजना लोगों के पापों को हटाने का प्रतीक था।

पवित्र स्थान और वस्तुएँ
यह अध्याय विभिन्न पवित्र क्षेत्रों के बारे में चर्चा करता है:

- परमपवित्र स्थान (जहाँ केवल महायाजक जा सकता था)
- पवित्र स्थान (जहाँ नियमित याजक जा सकते थे)
- आँगन में वेदी
- महायाजक के लिए विशेष वस्त्र

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ

कपड़ों और वस्तुओं के लिए विशेष शब्दावली
इस अध्याय में कई विशेष शब्दों का उपयोग किया गया है जिनका अनुवाद करना कठिन हो सकता है:

- आतंरिक वस्त्र वे होते हैं जो अन्य वस्त्रों के नीचे पहने जाते हैं।
- कमरबंद, कपड़े का एक लंबा भाग होता है जिसे कमर के चारों ओर पहना जाता है।
- पगड़ी सिर के चारों ओर लपेटा जाने वाला कपड़ा होता है।
- धूपदान आग और धूप ले जाने के लिए एक विशेष पात्र है।
- वेदी के सींग वे कोने होते हैं जो जानवरों के सींगों की तरह बाहर निकले होते हैं।

शुद्धता के बारे में रूपक
इस अध्याय में शुद्ध या अशुद्ध होने के बारे में कई शब्द चित्रों का उपयोग किया गया है:

- पाप को ऐसी गंदगी के समान बताया गया है जो चीजों को शारीरिक रूप से अशुद्ध कर देती है।
- वस्तुओं को परमेश्वर के लिए स्वीकार्य बनाना "शुद्धिकरण" कहलाता है।
- परमेश्वर के लिए चीजों को अलग करना, उन्हें अशुद्धता से "अलग करना" कहलाता है।

समय का संदर्भ
यह अध्याय इब्रानी कैलेंडर का उपयोग करते हुए विशेष समय का उल्लेख करता है:

- "सातवाँ महीना" और "दसवाँ दिन" क्रमसूचक संख्याएँ हैं।
- ये तिथियाँ हमारे कैलेंडर के अनुसार सितंबर के अंत में आती है।
- यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे एक टिप्पणी में स्पष्ट कर सकते हैं।

(देखें: पवित्र, शुद्ध, महायाजक, प्रायश्चित, और पाप)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 17 का परिचय

संरचना और स्वरूपण
इस अध्याय में यहोवा के उचित बलिदान और रक्त के उपयोग संबंधी नियम दिए गए हैं। इस अध्याय की संरचना इस प्रकार है:

1. बलिदान कहाँ करना है, इस बारे में नियम (17:1–9)
2. बलिदानों को तम्बू में लाना आवश्यक था (17:1–7)
3. अन्यत्र बलिदान करने पर दण्ड (17:8–9)
4. रक्त सम्बन्धी नियम (17:10–16)
5. लहू खाने पर प्रतिबन्ध (17:10–12)
6. शिकार किए गए जानवरों के लहू का उचित प्रबंधन (17:13–14)
7. मृत पाए गए जानवरों को खाने के नियम (17:15–16)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

प्रायश्चित का दिन
यह इस्राएल के लिए सबसे महत्वपूर्ण पवित्र दिन था क्योंकि:

- यह वर्ष में केवल एक बार होता था।
- केवल महायाजक ही अनुष्ठान कर सकता था।
- यह वह समय था जब पूरे देश के पापों का प्रायश्चित किया जाता था।
- विशेष नियमों का सही ढंग से पालन करना आवश्यक था।

प्रतीकात्मक कार्य
इस अध्याय में उन कार्यों को शामिल किया गया है जिनका विशेष महत्व था:

- बकरे के सिर पर हाथ रखना पाप के स्थानांतरण का प्रतीक था।
- लहू का छिड़काव शुद्धिकरण को दर्शाता था।
- बलि के बकरे को दूर भेजना लोगों के पापों को हटाने का प्रतीक था।

पवित्र स्थान और वस्तुएँ
यह अध्याय विभिन्न पवित्र क्षेत्रों के बारे में चर्चा करता है:

- परमपवित्र स्थान (जहाँ केवल महायाजक जा सकता था)
- पवित्र स्थान (जहाँ नियमित याजक जा सकते थे)
- आँगन में वेदी
- महायाजक के लिए विशेष वस्त्र

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ

"नष्ट करने" के बारे में रूपक
अध्याय अक्सर "अपने लोगों के बीच से नष्ट किया जाए" वाक्यांश का उपयोग दण्ड के चित्रण के रूप में करता है। इसका अर्थ है कि व्यक्ति:

- अब अपने समुदाय के साथ नहीं रह सकता।
- एक पेड़ से काटी गई शाखा के समान अलग कर दिया जाता है
- उसको अपने लोगों को छोड़ना होगा।

आपकी भाषा में समाज छोड़ने के इस विचार को व्यक्त करने के लिए एक अलग तरीके की आवश्यकता हो सकती है।

मुहावरे और अलंकार
यह अध्याय कई शब्द चित्रों का उपयोग करता है जिन्हें अनुवाद करना कठिन हो सकता है:

- "विमुख होकर" का अर्थ है "विरोध करने का दृढ़ संकल्प लेना"
- "व्यभिचार करना" का अर्थ है "यहोवा के प्रति बेवफा होना"
- "अपने अधर्म का भार उठाना" का अर्थ है "अपने पाप के लिए उत्तरदायी होना"

लहू के विषय में महत्वपूर्ण शब्दावली
इस अध्याय में रक्त के बारे में विशेष रूप से चर्चा की गई है:

- "प्राण लहू में होता है" - इसका अर्थ है कि लहू प्राणियों को जीवित बनाए रखता है
- "लहू ही से प्रायश्चित होता है" - इसका अर्थ है कि परमेश्वर पापों को क्षमा करने के लिए लहू का उपयोग करते हैं।
- "लहू खाना" - इसका अर्थ है ऐसा माँस खाना जिसमें अभी भी लहू मौजूद हो

(देखें: पवित्र, शुद्ध, महायाजक, प्रायश्चित, और पाप)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 18 का परिचय

संरचना और स्वरूपण
इस अध्याय में यहोवा द्वारा वर्जित यौन संबंधों से सम्बंधित नियम हैं। इस अध्याय की संरचना इस प्रकार है:

1. परिचय: यहोवा के नियमों का पालन करना (18:1–5)
2. वर्जित यौन संबंधों के बारे में नियम (18:6–23)
3. करीबी संबंधियों के साथ संबंध (18:6–18)
4. अन्य वर्जित यौन कृत्य (18:19–23)
5. इन पापों के बारे में चेतावनी (18:24–30)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

यौन नैतिकता
यह अध्याय यह सिखाता है कि:

- यौन संबंध केवल पति और पत्नी के बीच में ही होने चाहिए।
- कुछ रिश्तेदार आपस में विवाह नहीं कर सकते या यौन संबंध स्थापित नहीं कर सकते
- ये नियम अन्य देशों की प्रथाओं से अलग थे
- इन नियमों को तोड़ने से लोग और भूमि दोनों अशुद्ध हो जाते थे

अनाज्ञाकारिता के लिए दंड
अध्याय गंभीर परिणामों के बारे में चेतावनी देता है:

- जो लोग इन नियमों का उल्लंघन करते हैं, उन्हें समाज से बाहर जाना होगा।
- जो लोग ये काम करते हैं, भूमि स्वयं उन्हें अस्वीकार कर देगी।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 19 का परिचय

- परमेश्वर ने इन प्रथाओं के कारण पिछली जातियों को नष्ट कर दिया था।
- इस्राएल को अन्य राष्ट्रों से अलग होना पड़ेगा

शुद्ध और अशुद्ध

यह अध्याय इस विषय पर चर्चा करता है:

- वे कार्य जो लोगों को अशुद्ध करते हैं
- ये पाप पूरी पृथ्वी को कैसे प्रभावित करते हैं
- परमेश्वर के लोगों को निर्दोष क्यों बने रहना चाहिए
- परमेश्वर के लोगों और अन्य राष्ट्रों के बीच अंतर

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ

यौन संबंधों के लिए सौम्य शब्दों का प्रयोग

यह अध्याय यौन मामलों पर चर्चा करने के लिए शालीन तरीके अपनाता है:

- "तन उघाड़ना" का अर्थ है "यौन संबंध स्थापित करना"
- "किसी महिला के पास जाना" का अर्थ है "उसके साथ यौन संबंध स्थापित करना"
- "किसी के साथ सोना" का अर्थ है "उसके साथ यौन संबंध स्थापित करना"

आपकी भाषा में इन विषयों पर बात करने के अपने शालीन तरीके हो सकते हैं। ऐसे शब्दों का प्रयोग करें जिन्हें आपका समुदाय सम्मानजनक और सार्वजनिक रूप से पढ़ने के लिए उपयुक्त मानता हो।

परिवार से संबंधित शब्दावली

इस अध्याय में पारिवारिक संबंधों के लिए कई शब्दों का उपयोग किया गया है, जिनकी व्याख्या आवश्यक हो सकती है:

- "पिता की पत्नी" का अर्थ सौतेली माँ भी हो सकता है
- "बहन" का अर्थ सगी बहन, सौतेली बहन या अलग माता-पिता वाली बहन भी हो सकता है।
- "बहू" का अर्थ आपके पुत्र की पत्नी होता है
- "अपने भाई की पत्नी" का अर्थ आपकी भाभी है

रूपक और अलंकार

यह अध्याय कई शब्द चित्रों का उपयोग करता है जिनका अनुवाद करना कठिन हो सकता है:

- "उनकी विधियों में चलना" का अर्थ है "उनके नियमों का पालन करना"।
- "वह देश अपने निवासियों को उगल देता है" का अर्थ है "परमेश्वर ने लोगों को भूमि छोड़ने के लिए विवश किया"
- "अपने लोगों में से नष्ट किए जाए" का अर्थ है "समाज से अलग किए गए"

(देखें: शुद्ध, और निर्मल)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 19 का परिचय

संरचना और स्वरूपण

इस अध्याय में पवित्र जीवन जीने के विभिन्न नियम दिए गए हैं। इस अध्याय की संरचना इस प्रकार है:

1. पवित्रता के बारे में बुनियादी नियम (19:1–8)
2. दूसरों के साथ निष्पक्ष व्यवहार के नियम (19:9–18)
3. अन्य कई नियम (19:19–37)
4. वस्तुओं को मिलाने के विषय में नियम (19:19)
5. यौन नैतिकता के विषय में नियम (19:20–22)
6. भोजन और आराधना के संबंध में नियम (19:23–31)
7. दूसरों का सम्मान करने के विषय में नियम (19:32–37)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

दैनिक जीवन में पवित्रता का महत्व

यह अध्याय यह दर्शाता है कि पवित्र होने का अर्थ है:

- व्यापार में निष्पक्ष रहना
- गरीब लोगों की सहायता करना
- माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान करना
- न्यायालय में ईमानदार होना
- उचित मापदंडों का उपयोग करना
- अफवाहें नहीं फैलाना

दूसरों के साथ व्यवहार

यह अध्याय निम्नलिखित के बारे में नियम प्रस्तुत करता है:

- गरीब लोगों के लिए भोजन छोड़ना
- कर्मचारियों को समय पर वेतन देना
- न्यायालय में सभी के प्रति निष्पक्ष रहना
- मन ही मन दूसरों से नफरत न करना
- पड़ोसियों से प्रेम करना
- बुजुर्गों का आदर करना

सही आराधना

इस अध्याय में निम्नलिखित विषयों के संबंध में नियम शामिल हैं:

- सब्त का पालन करना
- मूर्तिपूजा न करना
- उपयुक्त बलिदान
- भाग्य बताने वालों से परामर्श नहीं लेना
- अन्यजातियों की प्रथाओं का पालन न करना

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ

रूपक और अलंकार

इस अध्याय में कई शब्द चित्रों का उपयोग किया गया है, जिनका अनुवाद करना कठिन हो सकता है:

- "मूरतों की ओर फिरना" का अर्थ है "मूर्तियों की पूजा आरंभ करना"
- "अपने मन में बैर" का मतलब है "नफरत को बनाए रखें"
- "देश वेश्यागमन करने लगे" का अर्थ है "लोग विश्वासघाती हो जाएँगे"
- "उसके पाप का भार उठाना" का अर्थ है "उसके पाप की जिम्मेदारी लेना"

माप के लिए विशेष शब्दावली

इस अध्याय में कुछ विशेष मापों का उल्लेख है जिन्हें समझाना आवश्यक हो सकता है:

- "एपा" - सूखी वस्तुओं का माप, जैसे अनाज
- "हीन" - तरल पदार्थों के लिए एक माप

आपकी भाषा में "माप" जैसे विशिष्ट शब्दों का उपयोग करना पड़ सकता है या इन्हें एक टिप्पणी में समझाना पड़ सकता है।

दोहरे नकारात्मक और ज़ोर देना

कुछ आदेशों को और अधिक सशक्त बनाने के लिए विशेष तरीकों का प्रयोग किया जाता है:

- "न्याय में कुटिलता न करना" का अर्थ है "हमेशा निष्पक्ष न्याय करना"
- "रखना और करना" का अर्थ एक ही है, इसे जोर देने के लिए दोहराया गया है।
- "कंगाल और बड़े मनुष्य" का अर्थ है "कोई भी व्यक्ति, धन-दौलत की परवाह किए बिना"

(देखें: पवित्र, धार्मिक, और न्याय)

लेव्यव्यवस्था - अध्याय 20 का परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय विभिन्न पापों के लिए दंडों को सूचीबद्ध करता है। इसकी संरचना इस प्रकार है:

1. मोलेक की पूजा करने पर दंड (20:1–5)
2. आत्माओं से परामर्श करने के लिए दंड (20:6–8)
3. माता-पिता को शाप देने के लिए दंड (20:9)
4. यौन पापों के लिए दंड (20:10–21)
5. पवित्रता के लिए आह्वान (20:22–27)**

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

मृत्युदंड

इस अध्याय में अनेक अपराधों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान है। यह दर्शाता है:

- समुदाय दंड को लागू करने के लिए ज़िम्मेदार था।
- सार्वजनिक पत्थरवाह द्वारा मृत्युदंड देना एक आम तरीका था।
- यौन अपराधों में शामिल दोनों पक्षों को आमतौर पर एक ही दंड दिया जाता था।

परिवार का सम्मान

अध्याय पारिवारिक संबंधों को पवित्र मानता है:

- करीबी संबंधियों के बीच यौन संबंध वर्जित थे
- माता-पिता का अपमान करना एक गंभीर अपराध था
- विवाह की सीमाओं ने पारिवारिक संरचनाओं की रक्षा की है

निःसंतानता का दण्ड

"संतानहीन" या "बिना बच्चों के मरना" को निम्न रूप से देखा जाता था:

- ईश्वरीय न्याय के रूप में
- किसी परिवार के वंश के अन्त के रूप में
- यौन पापों के लिए एक गंभीर परिणाम के रूप में

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ

उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अध्याय में कई स्थान हैं, जहाँ एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के कहे हुए शब्दों को उद्धृत करता है। आपकी भाषा में इन स्थितियों को दर्शाने के लिए अलग-अलग तरीकों की आवश्यकता हो सकती है:

- जब यहोवा मूसा से बात करते हैं
- जब मूसा लोगों से बात करते हैं
- जब वे नियमों या आदेशों का उद्धरण देते हैं

यौन संबंधों के लिए सम्मानजनक भाषा

इस अध्याय में यौन गतिविधियों के लिए कई शिष्ट अभिव्यक्तियों का उपयोग किया गया है:

- "साथ सोए" का अर्थ है "उसके साथ यौन संबंध बनाना"
- "पत्नी लेना" का अर्थ या तो "विवाह करना" हो सकता है या "संबंध स्थापित करना"।
- "तन उघाड़ना" का अर्थ है "उसके साथ यौन संबंध स्थापित करना"
- "नग्न तन देखें" का अर्थ है "उसके साथ यौन संबंध स्थापित करें"

रूपक और मुहावरे

इस अध्याय में कई अभिव्यक्तियों का उपयोग किया गया है जिनका सावधानीपूर्वक अनुवाद आवश्यक है:

- "उसका खून उसी के सिर पर" का अर्थ है "वह अपनी मृत्यु के लिए स्वयं ज़िम्मेदार होगा"
- "अपने लोगों के बीच में से नाश" का अर्थ है "समाज से निकाल दिया जाए"
- "देश तुमको उगल दे" का अर्थ है "परमेश्वर आपको भूमि छोड़ने के लिए विवश कर देंगे"
- "उनकी विधियों पर चलो" का अर्थ है "उनकी प्रथाओं का पालन करो"

ज़ोर देने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति

कुछ वाक्यांश महत्व दिखाने के लिए शब्दों को दोहराते हैं:

- "पुरुष पुरुष" का अर्थ है "कोई भी व्यक्ति"।
- "मरते हुए वह मरेगा" का अर्थ है "उसे निश्चित रूप से मृत्युदण्ड दिया जाएगा।"
- "रहने वाला परदेशी" का अर्थ है "आपके बीच रहने वाला कोई भी विदेशी"

(देखें: शुद्ध)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 21 का परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय याजकों के लिए विशेष नियम प्रस्तुत करता है। इसकी संरचना इस प्रकार है:

1. नियमित याजकों के लिए नियम (21:1–9)
2. शवों के साथ संपर्क (21:1–4)
3. शोक की प्रथाएँ (21:5–6)
4. विवाह के नियम (21:7–9)
5. महायाजक के लिए विशेष नियम (21:10–15)
6. याजकों के लिए शारीरिक योग्यता (21:16–24)**

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

याजकीय शुद्धता

यह अध्याय याजकों को पवित्र बनाए रखने पर जोर देता है:

- उनके लिए साधारण लोगों की तुलना में अधिक कठोर नियम थे
- उनके विवाह उनकी पवित्रता को प्रभावित करते थे।
- उनका शारीरिक रूप परमेश्वर की पूर्णता को दिखाता था।
- यहाँ तक कि उनके परिवार के सदस्यों का व्यवहार भी उनकी स्थिति को प्रभावित करता था।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 22 का परिचय

शोक सम्बन्धी प्रतिबन्ध
इस अध्याय में याजकों के शोक मनाने के तरीके सीमित किए गए हैं

- वे मृत शरीरों को नहीं छू सकते थे (निकट संबंधियों को छोड़कर)।
- वे शोक के विशिष्ट लक्षण नहीं दिखा सकते थे
- महायाजक माता-पिता के लिए भी शोक नहीं मना सकता था।

ये नियम याजकों को सेवा के लिए तैयार रखते थे।

शारीरिक योग्यता
शारीरिक पूर्णता की आवश्यकता थी क्योंकि:

- याजक लोगों के सामने परमेश्वर का प्रतिनिधित्व करते थे।
- उनका शारीरिक रूप पवित्रता का प्रतीक था
- शारीरिक दोषों को व्यक्ति को अयोग्य ठहराने वाला माना जाता था।।
- इससे उनके पवित्र भोजन ग्रहण करने के अधिकार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ

उद्धरणों के अंदर उद्धरण
इस अध्याय में कई स्तरों की भाषा का प्रयोग किया गया है

- यहोवा मूसा से बात कर रहे हैं।
- मूसा हारून से कह रहे हैं
- भविष्य की पीढ़ियों के लिए निर्देश

आपकी भाषा में इन स्तरों को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न तरीकों की आवश्यकता हो सकती है।

रूपक और मुहावरे
अध्याय में कई अभिव्यक्तियों का उपयोग किया गया है जिनका सावधानीपूर्वक अनुवाद आवश्यक है:

- "उसके हाथ को भरना" का अर्थ है "उन्हें याजक के रूप में अधिकार देना"
- "नाम को अपवित्र करना" का अर्थ है "परमेश्वर की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचाना"
- "अपनी संतान" का अर्थ है "उसके वंशज"।
- "परमेश्वर की रोटी" का अर्थ है "परमेश्वर को चढ़ाया गया भोजन"

शरीर से संबंधित शब्दावली
इस अध्याय में विभिन्न शारीरिक स्थितियों का उल्लेख किया गया है, जिन्हें समझाने की आवश्यकता हो सकती है:

- "कुबड़ा" और "बौना" आपकी भाषा में शायद अपरिचित हो सकते हैं
- "दोष" किसी भी शारीरिक स्थिति को संदर्भित करता है जो किसी को याजक के पद के लिए अयोग्य बनाती है

(देखें: पवित्र, याजक, और महायाजक)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 22 का परिचय

संरचना और स्वरूपण

इस अध्याय में पवित्र भोजन कौन खा सकता है और किन जानवरों की बलि दी जा सकती है, इसके बारे में नियम दिए गए हैं। इसकी संरचना इस प्रकार है:

1) पवित्र भोजन खाने के नियम (22:1–16)
1. अशुद्ध याजक ([22:1–9](../22/01.md))
2. गैर-याजक ([22:10–16](../22/10.md))

2) स्वीकार्य बलिदानों के बारे में नियम (22:17–33)
1. निर्दोष जानवर ([22:17–25](../22/17.md))
2. आयु और समय के नियम ([22:26–33](../22/26.md))

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

पवित्र भोजन
इस अध्याय में पवित्र भोजन के संबंध में कठोर नियम हैं:

- केवल याजक और उनके परिवार के सदस्य ही इसे खा सकते थे।
- अशुद्ध याजक इसे तब तक नहीं खा सकते थे जब तक कि वे फिर से शुद्ध नहीं हो जाते।
- जिन बेटियों का विवाह गैर-याजकों से हुआ था, वे इसे अब नहीं खा सकती थी।
- गलती से इसे खाने पर भुगतान के साथ 20% अतिरिक्त देना पड़ता था।

स्वीकार्य बलिदान
यह अध्याय यह परिभाषित करता है कि कौन से पशु स्वीकार्य हैं:

- शारीरिक रूप से पूर्ण होना आवश्यक है
- कम से कम 8 दिन का होना चाहिए।
- नपुंसक नहीं होना चाहिए।
- परदेशियों से नहीं लेना है

इन नियमों से परमेश्वर की पवित्रता के प्रति आदर प्रकट होता था।

परिवार की सदस्यता
यह अध्याय दिखाता है कि पारिवारिक स्थिति ने अधिकारों को कैसे प्रभावित किया:

- याजकों के सेवक पवित्र भोजन ग्रहण कर सकते थे
- पराए कुल के नियुक्त श्रमिक नहीं खा सकते।
- शादी के साथ बेटियों के अधिकार बदल जाते हैं।

यह परिवार की संरचना के महत्व को दर्शाता है।

(देखें: पवित्र और शुद्ध)

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ

उद्धरणों के अंदर उद्धरण
इस अध्याय में कई स्तरों की भाषा का प्रयोग किया गया है:

- यहोवा मूसा से बात कर रहे हैं।
- मूसा हारून और उनके पुत्रों को बता रहे हैं
- सभी इस्राएलियों के लिए निर्देश

आपकी भाषा में इन स्तरों को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न तरीकों की आवश्यकता हो सकती है।

रूपक और मुहावरे
इस अध्याय में कई अभिव्यक्तियों का उपयोग किया गया है जिनका सावधानीपूर्वक अनुवाद करना आवश्यक है:

- "परमेश्वर की रोटी" का अर्थ है "परमेश्वर को चढ़ाया गया भोजन"
- "किसी परदेशी के हाथ से" का अर्थ है "किसी विदेशी द्वारा"
- "अपनी माँ के नीचे" का अर्थ है "अपनी दूध पिलाने वाली माँ के साथ"।
- "अपनी संतान" का अर्थ है "उसके वंशज"

शरीर और परिवार की शब्दावली
अध्याय में ऐसे शब्दों का उपयोग किया गया है जिनकी व्याख्या की आवश्यकता हो सकती है:

- "शरीर" अक्सर पूरे व्यक्ति को दर्शाता है
- "माँस" भौतिक शरीर का संदर्भ देता है
- "घर" का अर्थ परिवार या घराना होता है।
- "परदेशी" का अर्थ अस्थायी निवासी होता है।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 23 का परिचय

संरचना और स्वरूपण
यह अध्याय इस्राएल के धार्मिक त्योहारों और पवित्र दिनों का वर्णन करता है। इसकी संरचना इस प्रकार है:

1. परिचय (23:1–2)
2. सब्त (23:3)
3. फसह और अख़मीरी रोटी का पर्व (23:4–8)
4. पहली फसल की भेंट (23:9–14)
5. सप्ताहों का पर्व (पिन्तेकुस्त) (23:15–22)
6. तुरही का पर्व (23:23–25)
7. प्रायश्चित का दिन (23:26–32)
8. झोपड़ियों का पर्व (23:33–43)**
9. निष्कर्ष (23:44)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

त्योहार का समय
प्रत्येक त्योहार के लिए विशेष समय के नियम थे:

- कुछ एक दिन तक चले
- अन्य सात दिन तक चलें
- कुछ में घटनाओं के बीच दिनों की गिनती करनी होती थी
- कुछ फसल कटाई के समय से संबंधित थे

पवित्र सभाएँ
इन त्योहारों में विशेष सभाएँ शामिल थीं:

- लोग अपना नियमित काम बंद कर देते थे।
- वे आराधना के लिए एकत्रित होते थे।
- वे विशेष भेंटें चढ़ाते थे
- कुछ में उपवास या विशेष आवास की आवश्यकता थी

प्रतीकात्मक कार्य
कई त्योहारों की गतिविधियों का गहरा अर्थ था:

- आश्रय स्थलों में रहना जंगल में बिताए वर्षों की याद दिलाता था।
- पहली फसल की भेंट कृतज्ञता का प्रतीक थी
- तुरही की ध्वनि लोगों को आराधना के लिए बुलाती थी।
- इन अर्थों को पाद टिप्पणी में स्पष्ट करने पर विचार करें

कृषि से जुड़े संबंध
कृषि से संबंधित कई त्योहार:

- फसल कटाई की शुरुआत में पहला फल
- अनाज की कटाई के अंत में सप्ताहों का पर्व
- फसल के किनारों को गरीबों के लिए छोड़ने के नियम
- यह आराधना और दैनिक जीवन के बीच के संबंध को दर्शाता है

इस अध्याय में विशेष अनुवाद संबंधी समस्याएँ

कैलेंडर की शब्दावली
इस अध्याय में इब्रानी कैलेंडर के शब्दों का उपयोग किया गया है, जिनका सावधानीपूर्वक अनुवाद आवश्यक है:

- "पहला महीना" मार्च-अप्रैल के बीच होता है।
- "सातवाँ महीना" सितंबर-अक्टूबर के बीच आता है
- पाद टिप्पणी में संक्षिप्त व्याख्याएँ जोड़ने पर विचार करें।

संख्या और माप
इस अध्याय में कई संख्याओं और मापदंडों का उपयोग किया गया है:

- "दो-दसवां" एपा का (लगभग 4.4 लीटर)
- "एक-चौथाई" हीन (लगभग 1 लीटर)
- "सात सब्त" का अर्थ है सात सप्ताह।
- यदि उपयोगी हो, तो स्थानीय माप का उपयोग करने पर विचार करें।

दोहराए गए वाक्यांश
कई वाक्यांश कई बार प्रकट होते हैं:

- "यहोवा के सामने" का अर्थ है "यहोवा की उपस्थिति में।"
- "सुखदायक सुगंध" का अर्थ है "एक स्वीकार्य भेंट"
- "एक सदा की विधि" का अर्थ है "एक ऐसा नियम जो हमेशा के लिए लागू रहता है"
- इन वाक्यांशों के लिए संगत अनुवादों का उपयोग करें।

(देखें: सब्त, और पवित्रता)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 24 का परिचय

संरचना और स्वरूपण
इस अध्याय में दो मुख्य भाग हैं:

1. दीवट और रोटी के बारे में निर्देश (24:1–9)
2. ईश्वर-निन्दा का पहला मामला और उसका दंड (24:10–23)

- ईश्वर-निन्दा के बारे में सामान्य निर्देश (24:15–16)
- व्यक्तिगत चोट के बारे में नियम (24:17–22)
- दण्ड दिया गया (24:23)

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

पवित्र रोटी और दीवट
यह अध्याय पवित्र वस्तुओं के बारे में नियमों को प्रस्तुत करता है:

- रोटी परमेश्वर की उपस्थिति का प्रतीक थी।
- दीवट का लगातार जलते रहना आवश्यक था।
- केवल याजक ही पवित्र रोटी खा सकते थे।
- इन वस्तुओं की विशेष देखभाल और सम्मान की आवश्यकता थी।

ईश्वर-निंदा
अध्याय में ईश्वर-निन्दा का पहला मामला दर्ज है:

- परमेश्वर के बारे में अनादरपूर्वक बोलना अत्यंत गंभीर मामला था।
- इसकी सज़ा पत्थरवाह द्वारा मृत्यु थी।
- पूरा समुदाय सम्मिलित होता था।
- इस मामले ने भविष्य की परिस्थितियों के लिए मानक स्थापित किया।

प्रतीकात्मक कार्य
कई कार्यों का विशेष अर्थ था:

- गवाहों ने दोषी व्यक्ति के सिर पर हाथ रखे।
- समुदाय ने दंड में हिस्सा लिया।
- नियमित रोटी की व्यवस्था परमेश्वर की उपस्थिति का प्रतीक थी।
- इन अर्थों को पाद टिप्पणी में स्पष्ट करने पर विचार करें।

##इस अध्याय में अनुवाद की समस्याएँ

सम्मानजनक भाषा
अध्याय परमेश्वर को संदर्भित करने के लिए सम्मानजनक तरीकों का उपयोग करता है:

- "नाम" का अर्थ है "यहोवा"
- विचार करें कि परमेश्वर को संबोधित करते समय आपकी भाषा किस प्रकार सम्मान दर्शाती है।
- इन शब्दावलियों का अनुवाद करते समय एकरूपता बनाए रखें।

सामान्य शब्दावली
इस अध्याय में सामान्य शब्दावली का उपयोग किया गया है जो सभी को सम्मिलित करती है:

- "एक पुरुष" अक्सर "किसी व्यक्ति" का अर्थ होता है।
- "जो कोई" में पुरुष और महिलाएँ दोनों सम्मिलित हैं।
- "साथी नागरिक" का अर्थ है "साथी इस्राएली।"

दोहराए गए वाक्यांश
कई वाक्यांश कई बार प्रकट होते हैं:

- "यहोवा के सामने" का अर्थ है "यहोवा की उपस्थिति में।"
- "सदा की विधि" का अर्थ है "ऐसा नियम जो हमेशा के लिए लागू रहता है।"
- "परमपवित्र" अत्यधिक पवित्रता पर विशेष बल देता है।
- इन वाक्यांशों के लिए सुसंगत अनुवादों का उपयोग करें।

(देखें: ईश्वर-निंदा, पवित्र, और शाप)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 25 का परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय दो विशेष प्रकार के वर्षों और संपत्ति अधिकारों का वर्णन करता है:

1. सब्त वर्ष (25:1–7)
2. जुबली का वर्ष (25:8–22)
3. भूमि के छुटकारे के बारे में नियम (25:23–34)
4. गरीबों की सहायता सम्बन्धी नियम (25:35–46)
5. इस्राएली दासों के संबंध में नियम (25:47–55)**

इस अध्याय में विशेष अनुवाद संबंधी समस्याएँ

मानवीकरण
अध्याय अक्सर भूमि के बारे में इस प्रकार बात करता है जैसे वह कोई व्यक्ति हो:

- "भूमि विश्राम करेगी।"
- "भूमि प्रदान करेगी"
- विचार करें कि आपकी भाषा इन अवधारणाओं को स्वाभाविक रूप से कैसे व्यक्त करती है।

मुहावरे
अध्याय में कई मुहावरे हैं जिनका सावधानीपूर्वक अनुवाद करना आवश्यक है:

- "उसका हाथ पहुँचता है" का अर्थ है "वह समृद्ध होता हैं"
- "उसका हाथ डगमगाता है" का अर्थ है "वह दरिद्र हो जाते हैं"
- "के मुँह से" का अर्थ है "के अनुसार" या "के आधार पर"।
- अपनी भाषा में अर्थ व्यक्त करने के लिए स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग करें।

सामान्य शब्दावली
अध्याय में ऐसी सामान्य शब्दावली का उपयोग किया गया है जो सभी को सम्मिलित करती है:

- "भाई" का अर्थ है "साथी इस्राएली"।
- "एक पुरुष" का अर्थ है "कोई भी व्यक्ति"।
- "पुत्रों" में पुरुष और महिलाएँ दोनों सम्मिलित हो सकते हैं

(देखें: सब्त, और छुटकारा)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 26 का परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय आज्ञाकारिता के आधार पर आशीषें और श्राप प्रस्तुत करता है:

1. आज्ञाकारिता के लिए आशीषें (26:1–13)

- कृषि की समृद्धि
- सैन्य विजय
- परमेश्वर की उपस्थिति

1. अवज्ञा के लिए श्राप (26:14–39)

- क्रमिक दंड
- प्राकृतिक आपदाएँ
- सैन्य हार

1. पुनःस्थापन के लिए आशा (26:40–46)

- पाप-स्वीकरण और पश्चाताप
- परमेश्वर की वाचा के प्रति वफादारी

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

वाचा की विश्वासयोग्यता
यह अध्याय आज्ञाकारिता और आशीष के बीच संबंध पर जोर देता है:

- आज्ञाकारिता समृद्धि लाती है
- अवज्ञा दंड लाती है।
- परमेश्वर अपनी वाचा के प्रति सदा विश्वासयोग्य रहते हैं
- यह परमेश्वर के न्याय और दया को प्रकट करता है

क्रमिक अनुशासन
दंड की गंभीरता में वृद्धि होती है:

- यह हल्के परिणामों के साथ आरंभ होता है
- लगातार अवज्ञा के साथ अधिक गंभीर हो जाता है
- प्रत्येक चरण पश्चाताप का अवसर प्रदान करता है
- यह परमेश्वर के धीरज और न्याय को प्रकट करता है

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 27 का परिचय

दिव्य उपस्थिति
परमेश्वर की उपस्थिति प्रतिज्ञाओं का केंद्र है:

- उनकी उपस्थिति आशीष लाती है
- उनका विरोध करना श्राप लाता है
- पश्चाताप के माध्यम से उनसे मेल-मिलाप संभव है
- यह परमेश्वर के साथ संबंध के महत्व को दर्शाता है

राष्ट्रीय परिणाम
कर्म पूरे समुदाय को प्रभावित करते हैं:

- आशीषें सभी को लाभ पहुँचाती है।
- श्राप सभी को प्रभावित करते हैं।
- व्यक्तिगत चुनावों का सामूहिक प्रभाव पड़ता है
- सामूहिक ज़िम्मेदारी को दर्शाता है

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ

रूपक और मानवीकरण
इस अध्याय में कई रूपकों का उपयोग किया गया है जिनका सावधानीपूर्वक अनुवाद आवश्यक है:

- "मेरे विधियों में चलो" का अर्थ है "मेरे नियमों का पालन करों"
- "तुम्हारे बल का घमण्ड तोड़ना" का अर्थ है "जिस चीज़ पर तुम्हें घमण्ड होगा उसे नष्ट करना"
- "तुम्हारे विरुद्ध हो जाऊँगा" का अर्थ है "तुम्हारा विरोध करूँगा"।
- विचार करें कि आपकी भाषा इन अवधारणाओं को स्वाभाविक रूप से कैसे व्यक्त करती है।

मुहावरे
अध्याय में कई मुहावरे हैं जिनका सावधानीपूर्वक अनुवाद करना आवश्यक है:

- "अन्न के आधार को दूर करना" का अर्थ है "अकाल लाना"।
- "तलवार से गिरना" का अर्थ है "युद्ध में मारे जाना"
- "तुम्हारी ओर फिरूँगा" का अर्थ है "अनुग्रह दिखाना"
- अपनी भाषा में स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का प्रयोग करें

दोहराए गए वाक्यांश
जोर देने के लिए कई वाक्यांश कई बार प्रकट होते हैं:

- "मैं यहोवा हूँ।"
- "सात बार"
- "शत्रुता में चलना"
- स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग करते समय जोर बनाए रखें।

(देखें: मूसा की व्यवस्था, पश्चाताप, और प्रतिज्ञा)

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 27 का परिचय

संरचना और स्वरूपण
यह अध्याय यहोवा के प्रति संकल्पों और समर्पणों के नियमों की व्याख्या करता है:

1. परमेश्वर को समर्पित लोगों का मूल्यांकन (27:1–8)
2. जानवरों का मूल्यांकन (27:9–13)
3. घरों और भूमि का मूल्यांकन (27:14–25)
4. विशेष मामले और अपवाद (27:26–34)

- पहिलौठा पशु
- समर्पित वस्तुएँ
- दशवांश

इस अध्याय में धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

संकल्प और समर्पण
यह अध्याय विभिन्न प्रकार के समर्पण की व्याख्या करता है:

- परमेश्वर के प्रति स्वैच्छिक संकल्प
- सम्पत्ति का समर्पण
- स्थायी बनाम छुड़ाए जाने योग्य भेंटें

मूल्यांकन
याजक मूल्यांकन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये निष्पक्षता और दया प्रदर्शित करते हैं:

- लोगों के लिए मानक मूल्य तय करना।
- गरीब लोगों के अनुकूल करना
- मूल्यांकित संपत्ति की स्थिति

संपत्ति के अधिकार
विभिन्न संपत्तियों के लिए अलग-अलग नियम होते हैं। ये पारिवारिक विरासत के महत्व को दर्शाते हैं:

- विरासत में मिली भूमि का एक विशेष दर्जा था।
- खरीदी गई भूमि को अलग तरीके से देखा जाता था
- कुछ समर्पण स्थायी थे।

पवित्र अधिकार
कुछ चीजें स्वतः ही परमेश्वर की होती हैं। यह परमेश्वर के अंतिम स्वामित्व को दर्शाता है:

- पहिलौठा पशु
- समर्पित वस्तुएँ
- फसलों और पशुओं का दशवांश

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ

संख्या और माप
इस अध्याय में कई विशिष्ट मानों का उपयोग किया गया है। यदि उपयोगी हो, तो स्थानीय मापों का उपयोग करने पर विचार करें:

- उम्र: "एक महीने से पाँच साल तक," "पाँच से बीस साल तक"
- रुपये-पैसे: "पवित्रस्थान के शेकेल"
- मात्रा: "होमेर भर जौ"

दोहराए गए वाक्यांश
कई वाक्यांश कई बार आते हैं। इन वाक्यांशों के लिए सुसंगत अनुवादों का उपयोग करें:

- "तुम्हारा मूल्यांकन" (याजक के मूल्यांकन को संदर्भित करता है)
- "वह निश्चित रूप से छुड़ाएगा" (निश्चितता पर जोर देता है)
- "तुम्हारे आँकलन के अनुसार"

तकनीकी शब्दावली
अध्याय में विशेष धार्मिक शब्दों का उपयोग किया गया है। इन शब्दों को पाद टिप्पणी में समझाने पर विचार करें:

- "समर्पित वस्तु" का अर्थ है स्थायी रूप से अर्पित की गई वस्तु।
- "निज भूमि" का अर्थ है विरासत में प्राप्त भूमि
- "खरीद हुई भूमि" का अर्थ है खरीदी गई भूमि।

लैव्यव्यवस्था - अध्याय 27 का परिचय

(देखें: अभिषेक करके अलग करना)